# ARAJI BOOJI

## STORIES OF KING VIKRAMĀDITYA

### as told in Mongolian

[illegible]

together with the unpublished Tibetan version

རྒྱལ་པོ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛི་དའི་སྒྲོན་མ་ཤིང་མི་དང་པོ་ནས་བཅུ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་

རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་དང་པན་ཚན་སྨྲ་བར་བྱེད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བཀྲུགས་སོ།།

*by*

Prof. Dr. Raghu Vira

Price Rs. 35

INTERNATIONAL ACADEMY OF INDIAN CULTURE
J 22 Hauz Khas Enclave
New Delhi 16 (India)

1961

# ŚATA-PIṬAKA SERIES

## INDO-ASIAN LITERATURES

Volume 15

**Reproduced in original scripts and languages**

Translated, annotated and critically evaluated
by
specialists of the East and the West
in a Series of Collectanea

*Founded by*

RAGHU VIRA

*M.A., Ph.D., D.Litt. et Phil., M.P.*

EDITOR-IN CHIEF

शतपिटक-माला

आचार्य-रघुवीर-समुपक्रान्तं

जम्बुद्वीप-राष्ट्राणां

(भारत-नेपाल-गान्धार-शूलिक-तुरुष्क-पारस-ताजक-

भोट-चीन-मोगोल-मञ्जु-उदयवर्ष-

सिंहल-सुवर्णभू-श्याम-कम्बुज-

चम्पा-द्वीपान्तरादीनां)

एकैकेषां समस्रोतसां संस्कृति-साहित्य-समुच्चय-
सरितां सागरभूतं

# शतपिटकम्

# MONGOL-PIṬAKA

being
the Mongolian Collectanea
in
the series of Indo-Asian Literatures
forming
the Śatapiṭaka

Vol. 4

ARAJI BOOJI

शतपिटके

# मोंगोल-पिटकम्

तत्र

चतुर्थं प्रसूनं

## विक्रमादित्यराजचरितम्

तच्च

आचार्य-रघुवीरेण सम्पादितमनूदितं च

# आराजि बोजि

## राजा विक्रमादित्य का चरित जो राजा भोज को काष्ठपुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया

१. मोंगोल मूल, नागरी लिप्यन्तर, हिन्दी अनुवाद
तथा मोंगोल भाषा का व्याकरण

२. मोंगोल का अद्यावधि अप्रकाशित भोटानुवाद

आचार्य रघुवीर

स र स्व ती - वि हा र
ज२२, हौज़ खास एन्क्लेव
नई दिल्ली १६
१९६१

Printed by
The Academy's own printing works
The Arya Bharati Mudranalaya
New Delhi 16

हिमावृत घासभूमि में
वृकाजिनावृतशीर्ष लेखक



*The author in the snow covered grasslands of Mongolia*
20 12 1955

# समर्पण

श्रद्धा तथा भक्तिपूर्वक मैं इन मोंगोल-हिन्दी-भोट

कथाओं को मोंगोल राष्ट्र के प्रधानमन्त्री

महामान्य श्री त्सेदेन् बाल्

के करकमलों में

समर्पण करता हूं

रघुवीर

# विषयसूची

महामान्य प्रधानमन्त्री श्री त्सेदन् बाल मागोन मधद्रत दे रहे हैं



*His Excellency Tseden Bal and the author exchange gifts*
24 12 1955

# PREFACE

Herewith we present two versions of the Vikramāditya stories, one in Mongolian and the other in Tibetan The Tibetan is a rare example of a work translated from Mongolian The Tibetan has never been published before Its language and style are simple In its opening paragraphs it has sought to integrate the two Mongol traditions, one of relating the stories to King Bhoja and the other to King Kṛṣṇa Kṛṣṇa is said to have ruled over the great city of Gokula on the banks of Yamunā and to have succeeded King Bhoja

King Kṛṣṇa appears in the bigger Mongolian version in place of King Bhoja There he is described as living in the city of Vaisali on the banks of Yamuna and as having three wives, Gopi, Radha and Rukmini Obviously, he is the Kṛṣṇa of Mahabharata and Gitagovinda His divinity is described by *tumen jiryulang-tu Burqan* "Buddha of myriad joys" The reconstructed title of the Indian original is अयुतभोग-कृष्णराज-स्वर्णासन प्राप्ति नातक It is said to have been translated into Mongolian by Pandit Bhagaraja in the town of Γurban Sayiqan, and completed in the fire tiger year 1686 on the 18th day of the last summer month The scribes are named (1) Enghvang Lhungrub (2) Lobsang Śirab, (3) Jimba, and (4) Biligtu Tüsimel Janggi Čoytu

The Vikrama stories, as told to King Bhoja, could have been composed only after the illustrious Bhoja of the eleventh century A D While all published and available Indian versions are either Śaiva, Vaiṣṇava or Jaina, a Buddhist version would have been most welcome One would expect a Buddhist version to have been cast in a Buddhist region, probably Nepal, where Sanskrit has been combined with Buddhist faith till the present day

This edition is designed to serve a great purpose, that of introducing Mongolian language to the Hindi speaking world It is in fulfilment of a promise that I made to His Excellency Tseden Bal, the Prime Minister of Outer Mongolia To him I dedicate this volume in gratitude for his many acts of kindness

A Mongolian grammar has been added after the Hindi preface It draws attention to the many features that are common between Hindi, Sanskrit and Mongolian

We have also appended a table of dates showing the Bṛhaspati sixty-year

cycle and corresponding Christian dates There are five sets of names for each year The first set of names is constituted by a combination of five elements, fire, earth, iron, water and wood together with the names of twelve zodiac animals, hare, dragon, snake, horse, ram, ape, cock, dog, boar, mouse, ox and tiger The second set is constituted by combining five colours, red, yellow, white, black and blue with the names of twelve zodiac animals The third set is a translation from Tibetan into Mongolian The fourth set are the Tibetan names, and the fifth are the Sanskrit originals, forming the basis of the third and fourth sets

While collating the 3rd, 4th and 5th sets one is led to a few corrections The eighth year is named *koke* "blue" It is a mistake, due to a confusion in the understanding of Tibetan Tibetan has *dnos po* (pronounced *noipo*) which is a correct translation of Sanskrit भाव For "blue" the Tibetan is *snon po* (pronounced *nompo*) The confusion is easy to understand In place of *koke* Mongol should have *γaru γsan* or *boluγsan* (see our Mongol Sanskrit Dictionary, 1959)

There has been an ugly cutting and mixing up of the names of 16th, 17th and 18th years Original Sanskrit reads the 16th as चित्रभानु, 17th as सुभानु and 18th as तारण The corresponding Mongolian names should have been *eldeb naran, sayin naran* and *getulgegči* But instead of *eldeb naran* the 16th year is only *eldeb*, instead of *sayin naran* the 17th year is only *naran*, and finally, instead of simple *getulgegči* the 18th year is put down as *naran getulgegči* The mistake had already occurred in Tibetan *sna chogs, ñi ma, ñi sgrol byed*

For the twentieth year, *baraši ugei* in Mongolian and *mi-zad* in Tibetan point to अव्यय in Sanskrit Forty sixth year in Sanskrit is परिधाविन्, while Mongolian *uγuγata bariγči* and Tibetan *yons hžin* point unequivocally to परिधारिन्.

Baron A v Stael Holstein (Monumenta Serica, vol I) and Kielhorn (Indian Antiquary, vol 18) have the same list of Sanskrit names, except Kielhorn भूरय for Holstein वृष, the 15th year

I am grateful to my son, Dr Lokesh Chandra, for his constant and untiring co operation at all stages of this work which has occupied several years

*Siva rātri*,
the night of Lord Śiva
13 2 61

Raghu Vira

# भूमिका

२४ दिसम्बर १९५५ का शीततम दिवस था। निरभ्र नीलाम्बर मे भगवान् अंशुमाली सूर्यमणि के पूर्ण प्रकाशमान होते हुए भी शैत्यमात्रा का पारा शून्य से ४० अंश नीचे था। वाह्य मोंगोल राष्ट्र के प्रधानमन्त्री महामान्य श्री त्सेदेन् वाल् (=आयुष्मान् श्री) ने ससद्भवन में स्वागत किया—"शताब्दियो के पीछे भारतीय आचार्य मेरे शीत देश में पधारे हैं। एक छोटा सा उपहार स्वीकार हो, (त्वदीय वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये) यह आपकी वस्तु है। हमने इसको चिरकाल से स्नेह-श्रद्धापूर्वक पाला पोसा है। यह हमारी जाति का आमोद प्रमोद रहा है। हम इसे आपको अर्पित करते हैं। स्वीकार हो" और स्नेह भरे करकमलो से मेरे प्रसृत भिक्षुक हाथो में "निरमिजिद् खागान् उ नाम्यार्" (विक्रमादित्यराज-चरित) प्रतिष्ठापित किया। आश्चर्यं भो आश्चर्यम्। मोंगोल तथा शिबिर (साइबीरिया) के साथ यह मेरी प्रथम भेंट।

अब मैं यह भेंट पाच वर्षों के सतत प्रयासो सहित भारत की जनता को देता हू। जनता देखे, पढे, समझे और अनुभव करे। इसके अतिरिक्त भारत तथा दूरतम मोंगोल और शिबिर देश के ऐतिहासिक, धार्मिक, कलात्मक, ज्योतिषीय, आयुर्वेदीय एव साहित्यिक सम्बन्धो पर दृष्टिपात करे और सखित्व, बन्धुता एवं ऐकात्म्य का परिचयपान करे।

ये कथाए भारतीय मूल से ली गई हैं। भारतीय मूल किस भाषा मे था, इसका रूप बौद्ध था अथवा मोंगोल लेखक ने बौद्ध रूप दिया—इत्यादि प्रश्नो का उत्तर तो मूल मिलने पर ही मिल सकता है। अभी तक जो कथाए सस्कृत, नेवारी (नेपाल मे), हिन्दी, बगला आदि भारतीय भाषाओं में प्रकाशित हैं, वे मोंगोल अनुवाद से बहुत भिन्न हैं।

## नेवारी शाखा

डेन्मार्क देश में, श्री हन्स योर्गेन्-सेन् ने नेवारी भाषा की बतीस-पुत्रिका-कथा १९३९ मे सम्पादन की थी। यह ग्रन्थ सर्वथा ही बौद्ध नही। इसका आरम्भ एव है—"ओ श्रीगणेशाय नम ॥ पुरा पूर्वकालस। सिहनाद पर्वतस समीपस चोड। देश छ-गुली दस्य चोड। थ्व देशया नाम श्री कण्ठपुरि धक नाम प्रख्यान्ति याड चोड ॥" (अर्थात् पुरा पूर्वकाल में सिहनाद पर्वत के समीप कण्ठपुरी नाम का नगर था)। पुरा पूर्वकालस—ये दो शब्द ध्यान देने योग्य हैं। मोंगोल मे भी कथा का प्रारम्भ "एर्ये उरिदु" से होना है। एर्ये=पुरा, उरिदु=पूर्वकाल। नेवारी की बतीस-पुत्रिका-कथा मे स्थान स्थान पर "हरि हरि विष्णु विष्णु शिव शिव" यह वाक्य आता है। बुद्ध, बोधिसत्त्व, शून्यता आदि का कहीं नाम नही।

## संस्कृत शाखाएं

संस्कृत म ये कथाए विक्रमचरित अथवा सिंहासन-द्वात्रिंशिका आदि नामों से प्रचलित हैं। अभी तक पाच शाखाएं प्रकाशित हुई हैं। इनके प्रारम्भिक वाक्य नीचे देते हैं।

(क) दाक्षिणात्या शाखा जो सबसे अधिक प्रचलित है—

गजाननाय महते प्रत्यूह-तिमिर-च्छिदे।
अपार करुणा-पूर-तरङ्गित-दृशे नम ॥
श्रीपुराणपुरुष पुरातन पद्मसभवमुमापति मया।
सम्प्रणम्य सुभगा सरस्वती विक्रमार्कचरितं विरच्यते ॥

पुरा कलाशशिखरमासीन परमेश्वर जगदम्बिका प्रणम्यावदत्।

(ख) गद्यमयी शाखा—

पुरा लङ्केश्वरभुजाक्षेपूर्णनिकपोपले।
शैले शैलेन्द्रसुतया जगदे जगदीशिता ॥

(ग) संक्षिप्ता शाखा—

य ब्रह्म वेदान्तविदो वदन्ति पर प्रधान पुरुष तथान्ये।
विश्वोद्गते कारणमीश्वर वा तस्मै नमो विघ्नविनाशनाय ॥

(घ) जैन शाखा—

अनन्तशब्दार्थगतोपयोगिन पश्यन्ति पार न हि यस्य योगिन।

(ङ) वररुचि शाखा—

नमो गुरूणा चरणाम्बुजेभ्य।

जैन शाखा विद्यमान है, सो आश्चर्य नही कि बौद्ध शाखा की भी रचना हुई हो।

ये कथाए महाराजा भोज के काल (१०१८ से १०६० ईसवी) अथवा उसके पीछे की लिखी हुई हैं, जब भारत मे बौद्ध ग्रन्थो की रचना की धारा प्राय विच्छिन्न हो चुकी थी। केवल नेपाल ही ऐसा प्रदेश है जहा वर्तमान समय तक बौद्ध धर्म तथा साहित्य चले आए हैं। सो यदि मोगोल रूप का मूल कही मिलने की आशा है तो वह नेपाल मे ही है। चाहे संस्कृत हो अथवा नेवारी।

## मोंगोल शाखाएं

मोगोल जातियो में सिंहासन द्वात्रिंशिका की कथाओ के अनेक हस्तलेख और शाखाएं हैं। केवल कोपेन्-हेगेन् (डेन्मार्क) के राजकीय पुस्तकालय में ही १४ भिन्न शाखाएं हैं।

(क) जो ग्रन्थ हम यहा प्रकाशित कर रहे है उसके मोंगोल संस्करण के पृष्ठावरण पर निम्न सूचना मुद्रित है—

"मोङ्गोऱ् उठुम् उन् आर्बान् नाइमादुगार् ओन् यिसुन् सारा दु उलागान् बागायुर् खोयाद् दागि मोङ्गोऱ् उसुग् उन् खेब्लेल् उन् खोरिया दुगार् ११८६ ॥ बुगुदे थाबुन् मिङ्गान् देव्थेर् इ गेब्केन् गार्गाबाइ ॥ उने १ थोगोरिग् २ मोङ्गु ॥"

अर्थात्—मोगोल राष्ट्र के १८वें वर्ष में नवें मास में (सितम्बर १९२९) उलागान् बागायुर् (=उलान् बायर्) नगर में मोंगोलाक्षरों के मुद्रण के बाड़े (अर्थात् मुद्रणालय) की (ग्रन्थसंख्या) ११८६ ॥ समस्त ५००० प्रतियां मुद्रण कर प्रकाशित की ॥ मूल्य १ थोगोरिग् २ मोङ्गु ॥ (१ थोगोरिग् लगभग १ रुपये के तुल्य है। १ मोङ्गु लगभग १ पैसे के तुल्य है। एक थोगोरिग् में १०० मोङ्गु होते हैं)

यद्यपि कथाएं भारतीय हैं और भारतीय मूल से अनुवाद की गई हैं तथापि यत्र तत्र मोंगोल वातावरण का अन्तर्निवेश किया गया है—

"मोंगोल घर जितनी बड़ी रत्नों की ढेरी लगा कर।"

"दायिछिङ् उलुस्" = दायिछिङ् प्रजा अर्थात् महती प्रजा।

"पैर भारी हो गये" अर्थात् गर्भवती हो गई।

"थाङ् थायिसुङ् राजा के नगर में।"

"चिड़िया खेल रहे थे।" चिड़िया मोंगोल खेल है।

"आकाश और भूमि कभी नहीं मिलते।" क्या यह उपमा भारतीय मूल में थी।

इस पुस्तक में ३२ में से केवल १३ पुतलियों की कथाएं हैं। कोपेन्-हेगेन् का "मोंगोल ११७" संख्यक हस्तलेख हमारे प्रकाशित संस्करण से बहुत मिलता है। इसका शीर्षक ध्यान देने योग्य है—"बिकर्मिजिद् खागान् उ थेरिगुन् देब्थेर् उलिगेर्" अर्थात् राजा विक्रमादित्य की प्रथम भाग की कथाएं। इससे स्पष्ट है कि १३ से आगे की कथाएं दूसरे अथवा दूसरे और तीसरे भाग में होंगी।

(ख) श्री मोस्तेर्त ने ओर्दो मोंगोल की आराजि-बोजि-कथाएं प्रकाशित की हैं। श्री मोस्तेर्त ने इनका फ्रांसीय भाषा में अनुवाद भी प्रकाशित किया है—Monumenta Serica, भाग १ तथा ११, पेकिंग १९३७, १९४७, Folklore Ordos, Textes Oraux Ordos

(ग) आराजि बोजि की कथाओं का एक और भी बृहत्संग्रह विद्यमान है। इसमें राजा भोज के स्थान में राजा कृष्ण का नाम है। इनका प्रकाशन आभ्यन्तर मोंगोल में हुआ है। आवरण-पृष्ठों पर निम्न सूचना है—

"गुछिन् खोयार् मोदुन् सुमुन् उ उलिगेर् ॥

"खेब्लेखुलुक्सेन् नि—ओबुर् मोंङ्गोल् उन् आराद् उन् खेब्लेल् उन् खोरिया ॥

"खेब्लेग्सेन् नि—छिगुलुल्थु खागारगा यिन् एदुर् उन् सोनिन् उ खेब्लेखु उइलेदबुरि ॥

"थार्गागसान् नि—ओबुर् मोङगोल् उन् शिन् खुवा नोम् उन् देलेगुर् ॥
"१६५८ ओन् उ ६ सारा थु छिगुलुल्थु खागालगा खोथाना आङग्थुगार् खेब्लेल् उन् खोयादुगार्
दारुमाल् ४००१–१२००० ॥
"उने ५५ मोङ्गु ॥"
अर्थात्—३२ पुतलियो की कथाए ॥
प्रकाशक—आभ्यन्तर मोगोल का जनता-मुद्रणालय ॥
मुद्रक—छिगुलुल्थु खागालगा (नगर) का दैनिक-समाचार-मुद्रण-कार्यालय ॥
प्रसारक—आभ्यन्तर मोगोल का शिन् खुवा (=नवपुष्प) पुस्तक-भण्डार ॥
१६५८ वर्ष के नवम मास मे छिगुलुल्थु खागालगा नगर मे प्रथम सस्करण का दूसरा मुद्रण
४००१—१२००० ॥
मूल्य ५५ मोङ्गु ॥

इसकी ५ कथाए श्री लाउफर् ने जर्मन भाषा में अनुवाद की हैं—Zeitschrift der Deutschen Morgenlandischen Gesellschaft, भाग ५२, पृष्ठ २८३, B. Laufer, Funf Indische Fabeln aus dem Mongolischen.

इसमें ३२ कथाध्याय हैं। प्रत्येक अध्याय में दो २ कथाए हैं। इसका आरम्भ इस प्रकार है—
"प्रकाशक की भूमिका (खेब्लेन् नेयिथेलेग्छि एछे)—अयुत-भोगवान् (थुमेन् जिर्गुलाङ थु) कृष्णराज-स्वर्णासन-प्राप्ति-जातक नाम की पुस्तक को भगराज (मोगोल में—बागाखान्) पडित ने भारतीय भाषा से मोगोल-भाषा मे १६६८ (१६८६ चाहिये) वर्ष में गुर्बान् सायिखान् नामक स्थान में अनुवाद कर पूरा किया ॥
"मूल प्रारम्भिक शब्द—प्राचीन असख्य कल्पो (असङकि गलव्) से विक्रमादित्य बोधिसत्त्व राजा और अयुत भोगवान् कृष्ण बुद्ध, इन दोनो की पूर्ण अर्थवती कथा की ओर, प्रभु छिङगिस् खागान् के वश से जन्म लिये, दान-भक्ति-शान्ति-श्री-संयोग-सम्पन्न जासाग् छोयिजाल् एर्देनि दायिछिङ नोयान्, इस दिशा के देश में ३२-काष्ठपुरुष-स्वर्णासन-कथा के अभाव के कारण, महती आवश्यकता मह कर प्रेरणोन्मुख हुए ॥
"सुमेरु पर्वत के सामने की दिशा में, जम्बुद्वीप की नाभि के मध्य मे, शाक्यमुनि की जन्मभूमि, भारत की गगा नदी पर वाराणसी-नगर-निवासी महाब्राह्मण (मोगोल मे—महाब्रह्म) के समस्त शास्त्र शुद्ध परम्परागत शशी (मोगोल मे—साशि) पडित के भगराज पडित ने, भारतीय भाषा से मोगोल भाषा में अग्नि-शार्दूल वर्ष (अर्थात् १६८६) के ग्रीष्म के अन्तिम मेष मास की अष्टादशी, ग्रह बृहस्पति, ज्योतिष नक्षत्र के अनुसार वृषभाधिष्ठित दिन को, गुर्बान् सायिखान् नामक स्थान में अनुवाद किया। अनुवाद किये हुए को लिपिकार भिग् गेलुङ एङख्लाङ ल्ह् दुरुन्, गेलुङ

लोन्मान् शिराद्, वन्दि जिम्वा, बिलिग्थु थुनिमेल् जाङ्गि छोग्थु इत्यादि ने लिखा ॥

"कृष्णराजा का अध्याय—ओं श्री स्वस्ति मङ्गलम्। प्राचीन काल मे सुमेरपर्वत के होने से पूर्व, भारत देश मे यमुना नाम की नदी पर वैशाली नगर मे अयुत-भोगवान् कृष्ण नामक राजा कुशल मगल मे रहते थे। उस राजा की गोपीजन (मोगोल मे—गोपिजिन्), राधा और रुक्मिणी (मोगोल मे—उर्कुम्जि) नामक तीन रानिया थी।"

(घ) सिंहासन-द्वात्रिंशिका के अतिरिक्त राजा विक्रमादित्य की जीवनकथा "एनेद्खेग् उन् गाजार् उन् बिर्मिजिद् खागान् उन् थुगुजि ओरुशिबा" उलान् बाथर् मे १९२४ मे प्रकाशित हुई थी। इसमें बाल्यकाल से ८० वर्ष की आयु तक मृत्युपर्यन्त राजा विक्रमादित्य की जीवनकथा है। इसमें भी ३२ अध्याय हैं। किन्तु इसमे कहानिया सुनाने का काम पुतलिया नही करती। विक्रमादित्य की मृत्यु के पश्चात् इन्द्र भगवान् सिंहासन की रक्षा का प्रबन्ध करते हैं और सिंहासन पर ३२ पुतलिया बिठा देते हैं। प्रयोजन यह कि भविष्य मे जो कोई इस सिंहासन पर बैठना चाहे उसको ये पुतलिया विक्रमादित्य का चरित सुनाए ॥

## मोगोल में भारतीय शब्द

इस पुस्तक में अनेक नाम आते हैं, राजाओ के, रानियो के, राजकुमारो के, मन्त्रियो के। इसी प्रकार नगरो और पहाडो आदि के। कुछ नाम संस्कृत के हैं, जो मोगोल उच्चारण मे विकृत हो गए हैं। कुछ नाम अनुवाद के रूप मे हैं। चीनी, भोट (तिब्बत की भाषा), मोगोल और मंजु (मचूरिया की भाषा), इन चार भाषाओ का यह सामान्य नियम था कि वैयक्तिक और भौगोलिक नामो का भी अपनी भाषा में अर्थानुसार रूपान्तर कर लेते थे। केवल कही कही सस्कृत नाम रख छोडते थे। चीनी और भोट की अपेक्षा मोगोल में सस्कृत नाम अधिक मिलते हैं। एक प्रकार से यह आश्चर्य है। मोगोल भाषा मे सस्कृत के शब्द मध्य एशिया और तुर्की भाषा द्वारा गए हैं। मोगोल लिपि भी वीगूर अथवा तुर्की लिपि का एक रूप है। इस्लाम के पूर्व मध्य एशिया की अनेक तुर्क जातिया बौद्ध थी।

मोगोल मे लिखे भारतीय नामो को पहचानने के लिये हम सामान्य मोगोल वर्णमाला का वर्णन देते हैं।

ह्रस्व और दीर्घ स्वरो का भेद नही। प्राय ह्रस्व स्वर लिखते हैं किन्तु उच्चारण कही ह्रस्व कही दीर्घ करते हैं। देवनागरी लिप्यन्तर मे दीर्घ आ लिखा गया है किन्तु दूसरे स्वरो मे ह्रस्व लिखा है।

संस्कृत शब्दो के अन्तिम अ को कई बार इ कर देते हैं। जैसे भोज के स्थान मे बोजि। एव जालि (जाल), एर्देनि (रत्न), गिनारि (किन्नर), आसुरि (असुर)।

ए ऐ का भेद नही। कई परिस्थितियो मे अ और ए का भी भेद नही। यदि शब्द के

आरम्भ में ए हो तो उसी शब्द के मध्य और अन्त में आने वाले अ को भी ए ही पढते हैं।
सस्कृत ए के स्थान मे इ भी आ जाता है अथवा इ के स्थान में ए।
उ ओ औ लिखने में प्राय भेद नही। औ बताने के लिए कभी २ दो ओ लिख देते है।
क ख ग घ के लिए दो ही चिह्न है। इनमें से एक को प्राय ख अथवा ग और दूसरे को ख अथवा ग पढते हैं।
सस्कृत ह् के लिए ख अथवा ग का प्रयोग कर लेते है। सस्कृत ह् के लिए अलग अक्षर भी है। उसका प्रयोग मन्त्रा के लिखने में होता है। भोट तथा अन्य विदेशी शब्दो के लिए भी उस ह् का प्रयोग कर लेते हैं। ङ के लिए अलग रूप है।
च और छ के लिए एक ही रूप है। इसको ज भी पढ लेते हैं। आद्य य को भी ज पढ लेते हैं। कई स्थानो मे य और इ में भेद करना सम्भव नही होता।
टवर्ग नही।
सस्कृत त थ द ध के लिए एक ही अक्षर से काम चला लेते हैं। मूर्धन्य और दन्त्य अनुनासिको के स्थान मे केवल एक न है।
प्राय प ब में भेद नही कर सकते। प फ व भ, इन चारो के लिए एक ही अक्षर आता है।
व के लिए उआ, ओआ, उवा भी लिख देते हैं। वोदिसदुआ=वोधिसत्व।
श ष स में सदा भेद नही करते ।।

राजाओं के नामा में से भोज और विक्रमादित्य तो पुस्तक के शीर्षक में ही निहित हैं। गालिग्वा और गलिङ्ददर—ये कालरूप और कलिङ्गधर स्पष्ट हैं। उदयन स्पष्टतम है। खलश—यह कलश प्रतीत होता है किन्तु निश्चय करना अभी सम्भव नही। शक्तिशाली शक महाराजा के लिए अनुवाद-पद छिदागिछ (= शक) आया है। अन्य राजाओ के नाम है—छोग्यु इलागुग्सान्=श्री-विजयी। गेरेल् उन् दुवाछा=प्रभाध्वज। शाशिन् देलगेरेग्सेन्=धर्मविपुल। शाशिन् इ एदेलेग्छि=धर्माचार।

ओग्यु छिषि धु राजकुमार का नाम है। इसका सस्कृत रूप हरितादमकर्ण हो सकता है। सारान् और खारा मन्त्रिया के नाम है। सारान् का अर्थ चन्द्र और खारा का अर्थ कृष्ण है। गाल्बामा का मूल रूप कालपाश अथवा कलभाष हो सकता है।

बुद्ध का सामान्य नाम बुर्खान् है। बुर्खान् "बुद्ध खागान्" से बना है। खागान् का अर्थ है राजा। खागान् का सक्षिप्त रूप खान् बन गया। पठाना के नामो मे खान् अभी तक प्रचलित है। खान् मोगोल शब्द है, अरबी अथवा फारसी का नही। गौतम भी दो तीन बार आया है। इसका मोगोल उच्चारण है—गोदाम्, गोओदाम्। अमिताभ के लिए आबिदा है तथा शाक्यमुनि के स्थान में साग्यमुनि। विपश्यी के स्थान मे विब्दि।

एक कुमार का नाम धुसा बुयु गेग्छि आया है। यह सिद्धार्थ का अनुवाद प्रतीत होता है। योग नाम स्पष्ट ही है।

विश्वकर्मा का लिप्यन्तर बिशिउगाराम् है। तथा सुगावती का सुगावादि और राजगृह का रान्धागाराम्। मोंगोल और रूसी आदि भाषाओं में ह के लिये ग लिखना सामान्य नियम है। थुशिद्=तुषित (लोक)। जाद् बायु ताद् बायु=यद् भावि तद् भावि। छासु थु आगुला—यह हिमाचल का अनुवाद है, हिमालय का नहीं। आयुशि (=आयुष) एक नरक का नाम है। एर्देनि जिरुखेन्=रत्नगर्भ, पर्वत का नाम है। सोंसेल् खानुग्मान् एक सरोवर का नाम है। इसका मूल भारतीय नाम पूर्णकाम हो सकता है। किन्नर और गन्धर्व के मोंगोल रूप खिनारि तथा गन्दर्व हैं। ऋषि के लिए अर्शि रूप आता है। ब्राह्मण के लिए बिर्मान्। अवधूत के लिए आवादुदि। आचार्य के लिए आजार्।

भारत का सामान्य मोंगोल नाम एनेद्खेग् है। इसका सम्बन्ध सिन्धु, हिन्दु, इन्दु से प्रतीत होता है। जम्बुद्वीप (छाम्बुदिब्) शब्द भी बारबार आता है। इस पुस्तक में भारत के सम्बन्ध में एक दो बातें लिखी हैं। उनको यहां देते हैं—

> "भारतवर्ष मे भेडिए के बच्चे को शालु कहते हैं" (पृष्ट ६१)। पृष्ठ १६० में शालु शब्द का प्रयोग भेडिए के लिए भी किया गया है। यह बात अन्वेषण करने योग्य है कि भारत की किस भाषा में शालु का अर्थ भेडिया, भेडिए का बच्चा अथवा भेडिए द्वारा पाला हुआ मनुष्य का बच्चा है। पृष्ठ २७१ में लिखा है कि भारत देश से सात आचार्य चलते २ वहां पहुंचे। पृष्ठ २७२ पर लिखा है कि इन सात आचार्यों ने कहा कि भारतवर्ष में विहार और चैत्य नष्ट हो गए, इस कारण हम दान मांगने आए हैं।

शाक्यमुनि के समान छिन्दामुनि रूप है। इसका अर्थ है चिन्तामणि। इसको छिन्दामुनि एर्देनि (चिन्तामणिरत्न) भी कहा गया है। आसुरि असुर के लिए आया है। दाखिनि=डाकिनि अच्छे और बुरे दोनों ही अर्थों में विद्यमान है।

वनस्पति जगत् में से जन्दन्=चन्दन, थाला=तालवृक्ष, बाद्मा=पद्म, देल्=तिल उल्लेखनीय हैं। सुगन्धियों में से गुगुल्=हिन्दी गूगुल, संस्कृत गुग्गुलु।

समयवाची शब्दों में से एक ओर गाल्बा=कल्प और दूसरी ओर गिशान्=क्षण। दक्षिण दिशा के साथ मलाया=मलय शब्द आया है।

पक्षियों में से गलिबङ्ग=कलविङ्क आया है। इसके साथ थोथि शब्द उल्लेखनीय है। यह मोंगोल शब्द है और भारतवर्ष मे इसका प्रचार तोता के रूप में हुआ है। और भी अनेक शब्द हैं जो भारत में प्रचलित हुए हैं। जैसे माल (पशु तथा धन), बागाथुर्=बहादुर (शूरवीर), एल्छि (दूत)।

अब कुछ और भारतीय शब्द देते हैं—

बोदि=बोधि। शास्थिर्=शास्त्र। उबादिस्=उपदेश, मन्त्र। थार्नि=धारणी। थार्निदाजु=धारणी पढ कर अर्थात् मंत्र फूक कर। शिलुग्=श्लोक। राशियान्=रसायन अर्थात् अमृत। रिदि=ऋद्धि। मान्दाल्=मण्डल। निर्वान्=निर्वाण। जालि=जाल, माया। शाशिन्=शासन अर्थात् धर्म। शा-

ग्शाबाद्=शिक्षापद। दिब्=द्वीप। आराजि=राजा। ध्याम्=ध्यान। बादार्=पात्र अर्थात् भिक्षा। वच्चिर=वज्र।

खोर्मुस्दा=शतक्रतु। खोर्मुस्दा पुरानी पारसी का अहुरमज्दा (= असुर महत्) है। मुन्मा-रामुइ=मोहयुक्त हो जाते हैं (मुन्गा=मोह)। लक्षान्=लक्षण।

मोंगोल जाति यायावर (nomad) है। मोंगोल घरों में नहीं रहते, नमदे के बने हुए तम्बुओं में रहते हैं। इनको मोंगोल में गेर् कहते हैं। गेर् का घर शब्द से ध्वन्यात्मक गाढ सामीप्य है॥

## मोंगोल वाक्यरचना

हिन्दी तथा मोंगोल वाक्यरचना में बहुत साम्य है। यह साम्य तब स्पष्ट होता है जब हम मोंगोल वाक्य के नीचे आंग्ल तथा हिन्दी दोनों भाषाओं के अनुवाद रख और तुलना करें।

एनेद्खेग् उन् ओरोन् दुर आराजि बोजि नरे थु निगेन् येके खागान् बुलुगे।<br>
भारत के देश में राजा भोज नाम वाले एक महान् राजा थे।<br>
India of land in king Bhoja name possessing one great king was.

वाक्यांशों में अद्भुत समानता है—

१ निगन् आदालि<br>
एक समान<br>
one like (=exactly alike)

२ निगे निगे बेर्<br>
एक एक से (संस्कृत में भी तृतीया विभक्ति—एकैकेन) अर्थात् एक एक करके<br>
one one by (=one by one)

३ गेर गेर् थुर्<br>
घर घर में<br>
house house in (=in each and every house)

४ याबुजु खुरुगेद्<br>
जा पहुंच<br>
going arrived (=arrived)

जा पहुंचे—इसके समान दो २ क्रियाओं का प्रयोग मोंगोल में बहुत है। यदि पाठक वर्ग चाहेंगे तो इस पुस्तक में से महती सूची बना सकेंगे॥

## आराजि बोजि का भोटानुवाद

भोटानुवादक ने ग्रन्थ का आरम्भ इस प्रकार किया है—

"मञ्जुघोषगुरवे नमः। वे सर्व देश काल में हम पर कृपा करें। प्राचीन काल में त्रयस्त्रिंश स्वर्ग में

देवेन्द्र शतक्रतु ने स्वर्गलोक के कलाकार को नाना रत्नमय आसन बनाने का आदेश दिया। विश्वकर्मा बनाने लगे। प्रतिदिन उनकी पत्नी काष्ठपुत्तलिका बनाकर उसके हाथ भोजन भेजने लगी। प्रतिदिन विश्वकर्मा पुत्तलिका को सिंहासन के पाव में जड देते। एक ३२ दिन में ३२ पावो में एक एक पुत्तलिका जडी गई।

"शतक्रतु के वंश में पाल राजा हुए। उसके पश्चात् ३२ पाद स्वर्गासन विक्रमादित्य का हो गया। विक्रमादित्य महाराज महागम्मन तथा महारानी लक्ष्मी के पुत्र थे। विक्रमादित्य सिंहासन पर दो जन्म तक बैठे। यह आसन इन्द्र ने अपनी कन्या सहित विक्रमादित्य को दिया था और कहा था—जम्बुद्वीप में ले जाओ और प्राणिमात्र का हित करो। पीछे जा कर यह आसन भारत की विशाल भूमि पर राजा भोज को प्राप्त हुआ। उन्होने इस पर बैठना चाहा पर १३ पुतलियो ने रोका और बैठने नही दिया।

"तत्पश्चात् प्रकाश से उत्पन्न, अवतार, बलशाली महाराज कृष्ण हुआ जो यमुना के तट पर स्थित महानगर गोकुल में राज्य करता था। उसके मन्त्री गज (अथवा हस्ती) ने बच्चो को खेलते देख कर अपने राजा से निवेदन किया। राजा को आसन पर बैठने का विचार हुआ। मन्त्रियो से पुतलियो की बात हुई।

"उत्तर के प्राणिमात्र के नाथ धर्मसूर्य के उज्ज्वल करने वाले, जेब्छुन् लो साङ दम्बा के जीवन-काल (१६३५–१७२३) मे भारत से पंडित आचार्य भगराज आए। उन्होने जेब्छुन् दम्बा को ३२ पुतलियो की कथा भारतीय भाषा से मंगोल में अनुवाद करके सुनाई।

"यह बात जेब्छुन् दम्बा की मंगोल भाषाकृत जीवनी में लिखी है। इन कथाओ का भोट में अनुवाद नही है, यह विचार कर मंगोल से भोट में अनुवाद कर रहे हैं॥"

* * *

इस पुस्तक का प्रकाशन उत्तरप्रदेश के मुख्यमन्त्री डॉ श्री सम्पूर्णानन्द जी के सौजन्य तथा औदार्य से प्रारम्भ हुआ। आपने शासन की ओर से एक तिहाई व्यय अनुदान के रूप में दिया। शेष की पूर्ति श्री जयदेव जी डालमिया ने की। मैं दोनो महानुभावो का परम कृतज्ञ हू।

मंगोल के पश्चात् भोटानुवाद सन्निविष्ट करने का प्रस्ताव मेरे सुपुत्र डॉ लोकेशचन्द्र का है। उन्होंने ही भोट के ईदय पढे हैं। सामान्यरूप से मुद्रण तथा प्रकाशन के सभी प्रक्रमो मे इनका सहयोग रहा है।

यह पहला मंगोल ग्रन्थ है जो व्याकरण, नागरी लिप्यन्तर, शब्दानुवाद तथा वाक्यानुवाद सहित हिन्दी में प्रस्तुत किया जा रहा है। जो सज्जन मंगोल सीखने के इच्छुक होगे, उनके लिए यह सहायक होगा। भारत तथा मंगोल देशो के प्राचीन सास्कृतिक सम्बन्धो का पुनर्नवीकरण अपरिहार्य है। दो वर्ष हुए हमने मंगोल-संस्कृत संस्कृत-मंगोल शब्दाभिधान विद्वज्जगत् को अर्पित किया था। अब यह हमारा दूसरा पुरस्कार है। अपनी दासता की निरन्तर शताब्दियो मे भारत अपने सखा बन्धु तथा शिष्यो को भुला बैठा है। अब स्वतन्त्रता का युग उदित हुआ है। सो यह स्वाभाविक है कि हम अपनी स्मृति को नव जीवन दें॥

रघुवीर

# मोंगोल-भाषा का व्याकरण

रचयिता

**आचार्य रघुवीर**

## किञ्चित् प्रास्ताविकम्

मोगोल नाम के आज दो देश हैं। एक आभ्यन्तर मोगोल के नाम से प्रसिद्ध है और दूसरा बाह्य मोगोल के नाम से। आभ्यन्तर मोगोल चीन का प्रान्त है। बाह्य मोगोल स्वतन्त्र है। इसका अपना नाम—बुगुदे नाइराम्दाखु मोगोल् आराद् उलुम्। बुगुदे का अर्थ सर्व, नाइराम्दाखु का अर्थ सयुक्त, आराद् का अर्थ जाति और उलुस् का अर्थ राष्ट्र अथवा राज्य है। बाह्य मोगोल का क्षेत्रफल ६ लाख वर्गमील से ऊपर है। यद्यपि देश विशाल है किन्तु जनसख्या बहुत थोडी है। केवल दस लाख अर्थात् दिल्ली की जनसख्या से भी आधी। बाह्य मोगोल रूस और चीन के बीच स्थित है। यहा १९२४ में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई थी। आभ्यन्तर और बाह्य मोगोल में निवास करने वाली विभिन्न मोगोल जातियो का महायान बौद्ध धर्म है। बौद्ध धर्म के कारण इनकी भाषा और साहित्य में बौद्ध शब्दो और विचारो की भरमार है।

मोगोल में अनेक उपभाषाए मिलती है। इनमें से सबसे बडी और महत्त्वपूर्ण खाल्खा, बुर्यात और खाल्मुख हैं। इन्ही तीनो उपभाषाओ में साहित्य है। खाल्खा बाह्य मोगोल की भाषा। बुर्यात बाह्य मोगोल से ऊपर बैकाल झील के पश्चिमोत्तर और पूर्वदक्षिणा के बुर्यात राज्य की भाषा है। ये शिबिर प्रदेश के मध्य मे स्थित है। शिबिर, जो यहा का स्वदेशी नाम है वह अग्रेजी मे साइबीरिया उच्चारण किया जाता है। शिबिर शब्द का अर्थ सस्कृत मे तम्बू है। मोगोल जातिया तम्बुओ मे रहती हैं।

खाल्मुख भाषी वोल्गा नदी के तट पर और काश्यप समुद्र (Caspian sea) के पश्चिमोत्तर तट पर द्वितीय महायुद्ध तक निवास करते थे। यहां पर ही खाल्मुख गणराज्य था।

इनके अतिरिक्त आभ्यन्तर मोगोल मे छाहार और ओर्दोस उपभाषाए चलती हैं। चीन, मध्य एशिया तथा अफगानिस्तान मे भी मोगोल उपभाषाए बोलने वालो की बस्तिया है।

जिस भाषा का व्याकरण हम उपस्थित कर रहे है वह साहित्यिक मोगोल है। यह साहित्य ससार के महान् साहित्यो मे से है। इस साहित्य का सर्वश्रेष्ठ और विशालतम सग्रह कजूर और तजूर के नाम से प्रसिद्ध है। यह साहित्य भारत, भोट और मोगोल के ऐतिहासिक सम्पर्क और सहयोग का परिणाम है। मोंगोल जातियो के इतिहास और विकास को समझने के लिए इस साहित्य का अध्ययन परम आवश्यक है। भारतवर्ष के बाहर उत्तर की ओर चार विशाल सम्पूर्ण बौद्ध साहित्यसग्रह हैं। सर्वप्रथम चीनी, तत्पश्चात् भोट (तिब्बती), तत्पश्चात् मोगोल, तत्पश्चात् मजु (Manchurian)। इनके साथ साथ खोतान और वीगूर के साहित्य भी थे। किन्तु अब वे खण्डो में उपलब्ध है। मजु के

कंजूर और तंजूर भी आज वहीं पूरे उपलब्ध नहीं।

भारतवर्ष की दृष्टि से मोगोल जातियों, उनके देश, भाषा और साहित्य का इतिहास बहुत प्राचीन नहीं। विक्रम संवत् १२६३ में छिङगिस् खान् का अभिषेक हुआ। उन्होंने छोटी छोटी तुर्की और मोगोल जातियों को, जो सदा से आपस में लड़ती भिड़ती आई थीं, अपने बाहुबल और सगठन से एक छत्र के नीचे खड़ा किया। मोगोल विश्व की महती विजयिनी शक्ति बन गए। छिङगिस् तथा उसके उत्तराधिकारी पुत्र ओगेदेइ ने एशिया और यूरोप के अधिकांश भागों को पददलित किया। यूरोप काप उठा। मोगोल योद्धा और उनके घोड़े अदम्य थे। किन्तु १२९८ विक्रम सवत् में जब ओगेदेइ का देहान्त हुआ, मोगोल सेनाएं यूरोप से लौटीं। मोगोल सामन्तों में सम्राट् बनने की स्पर्धा, साम्राज्य प्रतिष्ठापन और सधारण की अपेक्षा कहीं अधिक बलवती थी।

कुछ वर्ष पीछे खुबिलाइ खान् ने चीन में प्रथम मोगोल वश की स्थापना की (विक्रम सवत् १३१७)। खुबिलाइ खान् बौद्ध थे। इनसे पूर्व ही मोगोल जातियों में बौद्ध धर्म का प्रवेश हो चुका था। किन्तु पूर्णरूप से बद्धमूल होने के लिए बौद्ध धर्म को विक्रम स० १६३४ तक प्रयास करना पड़ा। तत्पश्चात् धर्म की गति शीघ्रता से हुई। धर्मभक्त, साहित्यप्रिय सम्राट् लेग्दान् खान् (१६६१–१६९१ विक्रम सवत्) ने मोगोल कञ्जूर के निर्माण का कार्य प्रारम्भ कराया। लगभग एक शताब्दी के पश्चात् अर्थात् सवत् १७७७ में सम्पूर्ण कञ्जूर का पेकिंग में प्रकाशन हुआ। २० वर्ष व्यतीत होने पर तजूर का कार्य आरम्भ हुआ और ८, ९ वर्ष में ही सम्पूर्ण तञ्जूर का सवत् १८०६ में पेकिंग से प्रकाशन हुआ।

कञ्जूर की भाषा साहित्यिक मोगोल का आधार है। वही भाषा थोड़े बहुत परिवर्तनों के साथ आज तक चली आ रही है।

कञ्जूर से पूर्व मोगोल साहित्य नगण्य है। मोगोल का सर्वप्रथम ग्रन्थ "मोगोलुन् निगुछा थोब्छा-गान्" अर्थात् मोगोलों का निगूढ ऐतिह्य है। यह १३वीं शताब्दी में रचा गया। यह वास्तव में बौद्ध धर्म का इतिहास है।

मोगोल साहित्य का सुवर्णयुग १७, १८ और १९ वीं शताब्दियां हैं।

मोगोल जातियों द्वारा बौद्ध धर्म तथा साहित्य मञ्जु (Manchuria) से वोल्गा नदी तक पहुंचा। मोगोलों ने शिबिर (Siberia) में भी पताकाएं लहराईं॥

* * *

हमारा प्रयास है कि भारतीय विद्यार्थी मोगोल भाषा में प्रवेश करने में न्यूनातिन्यून कठिनाई का सामना करें। इस दृष्टि से हमने अपने और अपने शिष्यों के अनुभव से यह आवश्यक समझा कि मोगोल लिपि का परिचय तो पहिले पाठ से करा देवें किन्तु उसका भार नव शिशिक्षु पर न डालें। अत. व्याकरण में आदि से अन्त तक मोगोल शब्द नागरी लिपि में ही दिए गए हैं।

मोगोल व्याकरण में सस्कृत, हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के साथ इतनी समानताएं हैं कि

आश्चर्य होता है, प्रसन्नता होती है और सीखने मे सुविधा भी पड़ती है। इन समानताओ का निर्देश हमने स्थान २ पर किया है।

मोगोल आल्ताइ परिवार की भाषा है। इस परिवार मे तुर्की और मन्जु भाषाएं सम्मिलित हैं। मोगोल भाषा में उपसर्ग नही होते। प्रत्ययो की सख्या बहुत बडी है। सस्कृत के समान सात विभक्तिया हैं। सस्कृत के समान लम्बे लम्बे वाक्यो की रचना मोगोल साहित्यिक भाषा का अलङ्कार है।

मोगोल राष्ट्र के उपप्रधानमन्त्री श्री जग्व्राल तथा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एव अन्य मोगोल मित्रो का आग्रह रहा है कि भारत और मोगोल को पुनरपि एक दूसरे के समीप आना चाहिए। मोगोल देश में बच्चा बच्चा जम्बुद्वीप की कहानियो को जानता है।

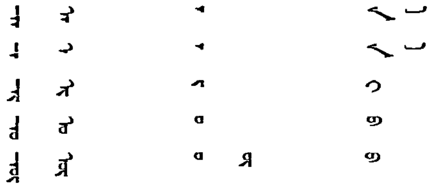
अभी तक मोगोल देश का सम्बन्ध केवल रूस और चीन के साथ था। अब भारतवर्ष के साथ जुडने लगा है। इससे उनके हृदय मे नया उल्लास और स्फूर्ति जागृत हुई है। यह उल्लास और स्फूर्ति भारत की जनता मे भी मोगोल के लिए जागृत हो, भारतीय जनता अपने प्राचीन सम्बन्धो को जानने में समर्थ हो और उसके आधार पर वर्तमान और भविष्य सम्बन्धो को बढाने के लिए उत्साहित हो—इस भावना को ले कर यह सूत्रपात किया गया है। हमारे विश्वविद्यालयो मे इसका प्रवेश हो, हमारे ऐतिहासिको का क्षितिज विस्तृत हो। हम साक्षात् दर्शन करें उन सीमाओं का जो भारत की परतन्त्रता और दीन हीन अवस्था की शताब्दियो मे दनदनाती हुई आगे बढती जा रही थी। ये धर्म की, कहानियो की तथा सामान्य जीवनदर्शन की सीमाएं हैं जिनको मोगोल जातियो ने बाधा था। भारत अशक्त पडा हुआ था। न क्षात्र बल था, न ब्राह्म तेज, न वैश्यो के उत्साही साहसी सार्थवाह जो देशदेशान्तरो में अपना संदेश पहुचाते। १७,१८ १९वीं शताब्दियो मे जब अग्रेजो ने भारत को नीचे दबाया हुआ था उन्ही शताब्दियो मे मोगोल जातियो ने प्रशान्त महासागर से वोल्गा और काश्यपसागर तक के हिमाच्छादित जगलो, मरुस्थलो और घासभूमियो को "आगच्छ आगच्छ भगवति मामभिलम्भ स्वाहा" ऐसे २ सहस्रो मन्त्रो से गुजाया था॥

रघुवीर

## प्रथम पाठ—स्वर

मोंगोल भाषा मे सात स्वर हैं । आ इ उ उ़ ए ओ ओ़ । इनका क्रम नागरी से भिन्न है । प्रत्येक स्वर के तीन रूप हैं—आदि, मध्य तथा अवसान ।

| | आदिरूप | मध्यरूप | अवसानरूप |
| --- | --- | --- | --- |
| आ | | | |
| ए | | | |
| इ | | | |
| उ, ओ | | | |
| उ़, ओ़ | | | |



### उच्चारण

लिखित भाषा मे ह्रस्व तथा दीर्घ का भेद नही दिखाया जाता ।

आ विवृत उच्चारण का द्योतक है, दीर्घत्व का नही । इसी प्रकार ए ओ ओ़, जो संस्कृत में दीर्घ माने जाते हैं, वे मोगोल मे कभी ह्रस्व तथा कभी दीर्घ उच्चारण किये जाते हैं ।

यद्यपि देवनागरी मे हमने ह्रस्व इ उ उ़ का प्रयोग किया है, उच्चारणावस्था मे वे कभी ह्रस्व तथा कभी दीर्घ होते हैं ।

इया इये में आ तथा ए सदा दीर्घ उच्चारण होते हैं । आगा आगु एगे एगु़ मे द्वितीय स्वर आ उ ए उ़ सदा दीर्घ बोले जाते हैं ।

दीर्घ स्वर का निर्देश करने के लिये मोगोल लिपि मे कभी २ स्वर दो बार लिखा जाता है—बुउ (तोप)=बू । यह निर्देश विरले शब्दो में किया जाता है ।

उ़ तथा ओ़ का उच्चारण विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है । ये तालव्य उ ओ कहे जा सकते हैं । जिह्वा को इ की स्थिति अर्थात् तालु मे रख कर ओष्ठो को उ की स्थिति में रखने अर्थात् गोल करने से उ़ की ध्वनि बनती है । इसी प्रकार जिह्वा को ए की स्थिति मे तथा ओष्ठों को ओ की स्थिति मे रखने से ओ़ की ध्वनि बनती है ।

ओ का उच्चारण कभी सामान्य हिन्दी ओ और कभी हिन्दी "और" मे आने वाली विवृत ऑ ध्वनि के समान होता है ।

सन्ध्यक्षर आकारान्त, इकारान्त, उकारान्त, उ़कारान्त होते हैं।

उआ मे आ का उच्चारण दीर्घ तथा उ का ह्रस्व होता है। गुआ (सुन्दरी)।

आइ उइ उ़इ एइ ओइ मे इ का उच्चारण ह्रस्व तथा पूर्ववर्ती आ उ उ़ ए ओ का दीर्घ होता है। नोखाइ (कुत्ता)। खाराङ्गुइ (अन्धेरा)। येदुइ (इतना)। मेनेगेइ (मेंढक)। शिरोइ (मिट्टी)।

आउ एउ़ में उ तथा उ़ का उच्चारण दीर्घ होता है। खाउलाइ (धारा)। तेउ़गे (इतिहास)॥

## स्वरसाहचर्य

आ उ ओ पृष्ठ्य स्वर कहलाते हैं। उ़ ए ओ अग्र्य स्वर कहलाते हैं।

प्राचीन काल मे इ के दो रूप थे, एक पृष्ठ्य एक अग्र्य। अब केवल एक ही रूप है।

यदि किसी शब्द मे प्रथम स्वर पृष्ठ्य हो तो शेष स्वर भी पृष्ठ्य ही होंगे। आखा (बड़ा भाई)। खोला (दूर)।

यदि प्रथम स्वर अग्र्य हो तो शेष स्वर अग्र्य होंगे। एने (यह)। उ़नेन् (सत्य)। पृष्ठ्य तथा अग्र्य स्वरों का एक ही मोंगोल शब्द में आना सम्भव नहीं।

इ पृष्ठ्य तथा अग्र्य दोनों के साथ आ सकता है। खोरिन् (बीस)। उ़निये (गौ)।

इस नियम का नाम स्वरसाहचर्य नियम है। यह नियम सभी मोंगोल उपभाषाओं में वर्तमान है। तथा तुर्की, मञ्जु और तुङ्गुस् भाषाओं मे भी।

प्रत्यय, संज्ञा तथा धातुओं के अंग माने जाते हैं। इसलिए प्रायः प्रत्येक प्रत्यय के दो रूप हैं, एक पृष्ठ्य स्वर वाला, दूसरा अग्र्य स्वर वाला—आछा/एछे (अपादान कारक का प्रत्यय)॥

## द्वितीय पाठ—व्यञ्जन

मोंगोल भाषा मे बीस व्यञ्जन हैं—

ख ख ग ग ङ । छ ज । थ द न ।

फ ब म । य र ल व । श स ह ।

मोंगोल व्यञ्जनों का क्रम भी नागरी से भिन्न है—

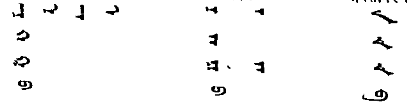
आदिरूप मध्यरूप अवसानरूप

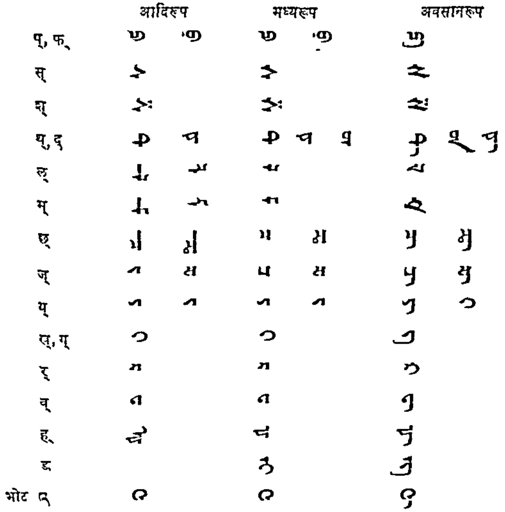
न्

ख्

ग्

व्






### एक लिपि-चिह्न के अनेक अर्थ

कई बार एक ही चिह्न अनेक अक्षरों का काम देता है। यथा—



१. आदिवर्ती आ।

२. मध्यवर्ती स्। यदि व्यञ्जन के पूर्व आए तो ग्।



१. आदिवर्ती ए।

२. मध्यवर्ती, स्वरसाहचर्य-नियमानुसार, आ अथवा ए।

३. मध्यवर्ती स्वर के पश्चात् तथा व्यञ्जन से पूर्व, न्।

 १. अवसानवर्ती, व्यन्जन के पश्चात्, आ अथवा ए।
२ „ स्वर के पश्चात्, न्।

 जब शब्द के पश्चात्, अलग लिखा हो, तो आ अथवा ए।

 १ आदिवर्ती य् अथवा ज्।
२ मध्यवर्ती, यदि दोनो ओर स्वर हो, तो य्।
३ „ यदि दोनो ओर व्यन्यन हो, तो इ।

 १ आदिवर्ती तथा मध्यवर्ती, व्यन्जन से पूर्व ग्।
२. अवसानवर्ती, व्यन्जन के पश्चात्, इ।
३ जब शब्द के पश्चात् अलग लिखा हो, तो य्।

 १ आदिवर्ती तथा मध्यवर्ती, व्।
२ अन्तवर्ती उ, ऊ।

 १ मध्यवर्ती, व्यन्जन से पूर्व, द्।
२ „ व्यन्जन से पूर्व, ओन्, उन्, ऊन्।

 १ अवसानवर्ती, स्वर के पश्चात्, द्।
२ „ व्यन्जन के पश्चात्, उन्, ऊन्।

अवसानवर्ती ख ग विशेष ध्यान देने योग्य है—

 ग्।

 खा।

 गा।

## उच्चारण और प्रयोग

ख और ग का उच्चारण फारसी ख ग के समान है।

ग का उच्चारण क तथा ग के बीच का है। सुनने में कभी क तथा कभी ग सुनाई पड़ता है। इसका कारण यह है कि मंगोल ग अघोष है।

इसी प्रकार द और ब। ये भी अघोष वर्ण हैं।

ह तथा ह का उच्चारण लगभग एक जैसा है।

फ व ह् का प्रयोग केवल विदेशी शब्दों में होता है। याम्फाइ (छत वाला तोरण द्वार)—यह चीनी का शब्द है। वजिर् (वज्र), विदुरिय (वैडूर्य), विवर्ङखिरिद् (व्याकृति "भविष्य वाणी"), हरि (हरि "हरा"), महागाल (महाकाल)—ये सस्कृत के शब्द हैं।

र मोगोल शब्दो के आरम्भ में नही आता। राशियान् "रसायन" का रूपान्तर है। खनिज जल जो चिकित्सा के लिए प्रयोग मे आता है उसको आर्शान्, आराग्शान् (अर्थात् रसायन) कहते हैं। अरत्नदर=रत्नधर। अरत्नशिरि=रत्नश्री।

ख ग केवल पृष्ठ्य स्वरो के साथ आते हैं, अन्य के साथ कभी नही आते। खोयार् (दो)। गाजार् (स्थान)।

ख ग तथा ख ग के साथ निम्न स्वरो का योग होता है—

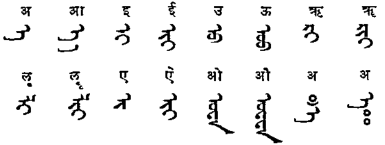
खा खि खु खो। गा गि गु गो।
खि खु खे खो। गि गु गे गो।

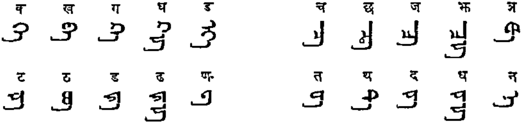
सयुक्त व्यञ्जन केवल शब्द के मध्य मे आते हैं। आदि अन्त मे नही। ठुलेम्जि (अधिक)।

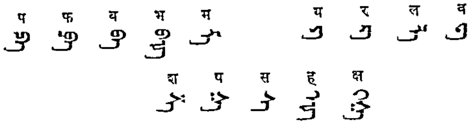
विदेशी शब्दो मे सयुक्त व्यञ्जन आदि तथा अवसान मे भी आते हैं। ब्लामा (गुरु)—यह शब्द भोट का है। बोदिस्द (बोधिसत्त्व)—यह सस्कृत से है॥

## गालिख अथवा मोंगोलीय सस्कृत-वर्णमाला

सस्कृत के मन्त्र लिखने के लिए मोगोल मे सम्पूर्ण वर्णमाला है। इसको गालिख (क-लेख) कहते हैं।






## तृतीय पाठ

### कर्तृकारक

मंगोल मे सात विभक्तिया हैं। इनमे से कर्ता में प्रायः प्रत्यय नही लगता। कई बार अन्तिम न् का लोप हो जाता है। मोरिन् अथवा मोरि (घोडा), मोदुन् अथवा मोदु (वृक्ष)।

हिन्दी "ने" के समान मंगोल में भी पाच कर्तृवाची शब्द हैं। ये सदा संज्ञा के पीछे आते हैं। विशेष कर यदि कर्ता सर्वनाम अथवा विशेषण हो—

(१) बेर। ओद्गान् खोवेगुन् बेर् बास् इ ऊजेबेइ। खोवेगुन् ऊ एखे बेर् खाथुन् बुलुगे।
छोटे लडके ने व्याघ्र को देखा। लडके की माता रानी थी॥

मूलरूप से बेर् करण-कारक का प्रत्यय है। इसका अर्थ "द्वारा"।

(२) इनु (३) आनु। खाखा खोयार् आखा नार् आनु ओगुलेबेइ।
तब दो बडे भाइयो ने कहा॥

बोदिसदुअ नार् उन् यावुदाल् आनु येथिमु बुइ।
बोधिसत्त्वो के चरित ऐसे हैं॥

इनु का मूल अर्थ "उसका" और आनु का मूल अर्थ "उनका" है। यह अर्थ अब भी किसी २ प्रसग में लगता है। इनु, आनु में आद्य इ "वह" तथा आ "वे" प्रातिपदिक हैं। नु सम्बन्धवाची प्रत्यय है।

एबुल् इनु माशि खुइयेन् जुन् आनु माशि खालागुन् आमुइ।
जाडा बहुत ठडा, ग्रीष्म बहुत उष्ण होता है॥

(४) बोल्बासु। इसका मूल अर्थ है "यदि होवे"।
मंगोल् उलुस् बोल्बासु आगुउ येगे आमुइ।
मंगोल देश विशाल महान् है॥

(५) बुगेसु। इसका भी मूल अर्थ है "यदि होवे"।

खागान् गाधुन् बुगेमु बुगुदेगेर् मागि वायास्वाइ ।
राजा रानी दोनों बहुत प्रसन्न थे ॥

### कर्मकारक

हलन्त संज्ञाओं के पश्चात् इ, तथा अजन्त के पश्चात् यि प्रत्यय आता है। उलुस् इ (लोगों को), नोखोर् इ (मित्र को), आखा यि (बड़े भाई को), नोखाइ यि (कुत्ते को)।

कुछ नकारान्त शब्दों के न् का विकल्प से लोप भी हो जाता है। मोरिन् इ, मोरि यि (घोड़े को), मोदुन् इ, मोदु यि (वृक्ष को), सायिन् इ उइलेद्खु (शुभकर्म को करना), खोबेगुन् बेर् बार्स् इ उजेमुइ (लड़के ने व्याघ्र को देखा)।

कभी २ कर्म मे कोई प्रत्यय नहीं लगता। जैसे हिन्दी में "को" सदा नहीं लगता इसी प्रकार मोंगोल मे भी इ/यि सदा नही लगता। बार्स् मिखा इदेमुइ, बार्स् बेर् मिखा यि इदेमुइ (व्याघ्र मांस खाता है)। थेगुन् इ उजेवे (उसको देखा)। एने सेल्मे यि आव् (इस तलवार को लो)। छिङ्गिस् खान् इ उजेवे (छिङ्गिस् खान् को देखा)।

छिमा यि यागु आव्खु बुइ नेमेन् खागान् आसागुमुइ।
तुम को क्या लेना है, यह राजा पूछेगा॥

अब प्रत्यय-हीन कुछ और उदाहरण देंगे—उसु उगुखु (पानी पीना, जल-पान)। बि मोरि उनुजु इरेवे (मैं घोड़ा चढ कर आया)।

बि खोबेगुन् देगेन् खाधुन् एरिजु याबुमुइ।
मैं पुत्र अपने के लिये स्त्री ढूढने जाता हू॥

नोम् उडशि (पुस्तक पढ)। बिछिग् बिछि (पत्र लिख)। खेले सुर् (भाषा सीख)। मोरि उनु (घोड़ा चढ)। उनिये सागा (गाए दुह)।

संस्कृत के समान समयवाची शब्दो के साथ कर्म का प्रयोग होता है—गुर्वान् सारा याबुखु (तीन मास चलना)। बि ओङ्गेरेग्सेन् जिल् इरेवेइ (मै गत वर्ष आया)। बागिश इरेखु जिल् इरेमुइ (गुरु आगामी वर्ष आएगा)॥

### सामान्य करणकारक

*हलन्त संज्ञाओं के पश्चात् इयार्/इयेर् तथा अजन्त के पश्चात् बार्/बेर् प्रत्यय आता है।* गार् इयार् (हाथ से), खोल् इयेर् (पाओ से), खिधुगा बार् (छुरी से), खेले बेर् (जिह्वा से), ओबेर् उन् छिमुन् इयार् (अपने लहू से)।

नकारान्त के दो रूप है—मोरिन् इयार्, मोरि कार् (घोडे से), मोदुन् इयार्, मोदु कार् (वृक्ष से) ॥

### सहवाची करण

यह मोगोल मे नई विभक्ति है। इसका प्रत्यय लुगा/लुगे है। आखा लुगा (बडे भाई के साथ), खागान् लुगा (राजा के साथ), आल्थान् लुगा आदालि (सुवर्ण के साथ समान)।

ध्यान दीजिए कि समान, सदृश, तुल्य आदि शब्दो के साथ सस्कृत मे भी करण का प्रयोग होता है॥

### सम्प्रदानाधिकरण

मोगोल मे सम्प्रदान तथा अधिकरण दोनो कारको के लिए एक ही प्रत्यय है। गत्यर्थक क्रियाओ के साथ भी इस कारक का प्रयोग होता है।

अजन्त तथा ङकारान्त, नकारान्त, मकारान्त और लकारान्त संज्ञाओ से दुर्/दुर् प्रत्यय लगता है—ओद् दुर् ओद् वाइ (जंगल मे/को गया)।

शेष सज्ञाओ से थुर्/थुर् प्रत्यय लगता है—निगेन् गाजार् थुर् ( एक देश मे ), थेरे छाग् थुर् (उस समय पर), थेरे जुग् थुर् (उस दिशा मे)।

हलन्त, तथा इकारान्त सन्ध्यक्षर जिनके अन्त मे हो, ऐसी संज्ञाओ से साहित्यिक तथा प्राचीन भाषा म आ/ए प्रत्यय का भी प्रयोग होता है—निगेन् गाजार् आ (एक देश मे), एदुर् ए (दिन मे), याबुखुइ आ (जाने के लिए), थाउलाइ आ (शशे को)।

साहित्यिक भाषा के बाहर दा/दि, था/थे, दु/दु, थु/थु का भी प्रयोग है—मोरिन् दा, मोरिन् दु (घोडे मे)॥

## चतुर्थ पाठ

### अपादानकारक

प्रत्यय आछा/एछे—खोला आछा (दूर से), गेर् एछे (घर से, तम्बू से), नादा आछा खुछुथेइ (मेरे से शक्तिशाली)।

तुलना करने मे हिन्दी के समान अपादान का प्रयोग होता है। संस्कृत तरप् तमप् के समान मोगोल में तुलना वाले प्रत्यय नही हैं।

साहित्यिक भाषा से पूर्व की अवस्था में छा/छे रूप भी मिलते हैं। वास्तव मे आछा/एछे दो

प्रत्ययों का प्रयोग है—सम्प्रदानाधिकरणवाची आ/ए तथा अपादानवाची छा/छे। अतः आछा/एछे का मूलार्थ है "में से, पर से"। मोरिन् छा (घोड़े से), मोरिन् आछा (घोड़े पर से)। गेर् छा (तम्बू से), गेर् एछे (तम्बू में से)। आधुनिक भाषा में आछा/एछे का आसा/एसे रूपान्तर हो गया है—उसुन् आसा (जल से)।

खागान् आछा आबुवा (राजा से लिया)। गेर् एछे गार्वा (घर से निकला)॥
खागान् उ खाथुन् आछा निगेन् ख्वूगुन् थारोवेइ।
राजा की रानी से एक पुत्र जन्मा॥
जोरानाइ आनु निम्वानिम् आछा बोलुमुइ।
दुःख आसक्ति से होता है॥
जिर्गालाइ बुयान् आछा बोलुमुइ। छाइ आछा उगुवा।
सुख पुण्य से होता है। चाए से पी (अर्थात् चाए पी)॥
येगुन् एछे गादान् आ। यागुखु आछा बुसु आर्गा ऊगेइ।
उस से बाहर से (अर्थात् अतिरिक्त)। जाने से भिन्न उपाय नहीं॥
येगुन् एछे खोयिशि, येगुन् एछे उरिदा।
इस से पीछे, इस से पूर्व॥
आन्नेरेम्मेन् थावुन् जिल् एछे। मार्गाशि यिन् एदुर् एछे एग्विलेन्।
पिछले पांच वर्ष से। कल के दिन से आरम्भ कर॥
येगुन् इ मोङगुन् एछे ओगगे।
इस को रुपये से दिया॥

कई धातुओं के साथ अपादान का प्रयोग होता है—आयि, आयु—(किसी से) डरना। आमागु—(किसी से) पूछना। इछे—(किसी बात से) लज्जित होना। उया—(किसी से) बांधना। एलु—(किसी से) लटकना। थाथा—(किसी को) खींचना। यहां हिन्दी में कर्म है, मोंगोल में अपादान। दावा—(नियमादि को) उल्लंघन करना। यहां भी हिन्दी में कर्म है। सुर्—(किसी से) पूछना॥

सम्बन्ध

अजन्त संज्ञाओं से यिन् प्रत्यय लगता है। आखा यिन् (बड़े भाई का), एरे यिन् (पुरुष का), आगुला यिन् (पर्वत का), दालाइ यिन् (सागर का)।

नकारान्त संज्ञाओं से उ/ऊ लगता है—खागान् उ (राजा का), नोयान् उ (सामन्त का), सुन् उ (दूध का)।

अन्य हलन्त संज्ञाओं से उन्/ऊन् प्रत्यय लगता है—गाल् उन् (अग्नि का), बार्स् उन् (व्याघ्र

का), उलुस् उन् (राज्य का), एम् उन् (औषध का)।

मोगोल का प्रयोग संस्कृत और हिन्दी के समान है, अंग्रेजी के नहीं—

खागान् उ गुर्बान् ख्वेविगुन् बुलुगे।

राजा के तीन लडके थे।

King of three sons were.

किन्तु सामान्य अंग्रेजी का वाक्य है—The King had three sons. संस्कृत, हिन्दी के समान मोगोल में "have" वाची धातु का प्रयोग नहीं। उसके स्थान मे सम्बन्ध कारक तथा भू-अर्थक धातु का प्रयोग है।

मोरिन् उ एजेन् (घोड़े का स्वामी)। किन्तु अंग्रेजी में master of the horse क्रम भिन्न है, तथा of का प्रयोग horse के पूर्व है पश्चात् नहीं।

मोदुन् उ दर्खान् (लकड़ी का कर्ता अर्थात् बढई)। तर्खान् शब्द पंजाबी मे बढई अर्थ में प्रयोग होता है।

निदुन् उ एम्छि (आखों का वैद्य), खेलेन् उ सुर्गागुलि (भाषाओं की पाठशाला), खोयार् दागुन् उ ग़ाजार् (दो क्रोश का अन्तर)। दागुन् का अर्थ है ध्वनि। जितने दूर से मनुष्य की ध्वनि सुनी जाती है उसको क्रोश (हिन्दी मे कोस) कहते हैं। क्रोश का अर्थ है चिल्लाना, पुकारना, ध्वनि। खोयार् दागुन् उ ग़ाजार् संस्कृत गव्यूति (दो कोस) का प्रतिरूप है।

जागुन् जिल् उन् उमे (शत वर्ष का काल), ओलान् जुइल् उन् आमिथान् नुगुद् (बहुत विध के जीव वर्ग)। थेदेन् उ निगेन् (तेषाम् एक., उनमें से एक)—यहा सम्बन्ध का प्रयोग संस्कृत के समान है।

थाबुन् खुबि यिन् निगेन् (पञ्च-भागानाम् एक, पाच भागों मे से एक अर्थात् एक बटा पाच), आर्बान् उ निगेन् खुबि (दशानाम् एको भाग., दश में से एक भाग अर्थात् एक बटा दस), एरे यिन् सायिन् (मनुष्याणा श्रेष्ठः, मनुष्यो मे अच्छा)। सायिन् का अर्थ अच्छा है। मोगोल में, हिन्दी के समान, तरप्-तमप्-वाची प्रत्यय नहीं होते।

हिन्दी के समान अन्दर, बाहर, ऊपर, नीचे, पास, पीछे, आगे आदि के साथ सम्बन्ध का प्रयोग होता है—गेर् उन् देर्गेदे (घर के पास), आगुला यिन् खोयिन् आ (पर्वत के पीछे मे अर्थात् पीछे)॥

* * *

## पञ्चम पाठ

### पूर्ण संज्ञारूप

| | आखा (ज्येष्ठ भ्राता) | एमे (माता) | नोखाइ (कुत्ता) |
|---|---|---|---|
| कर्ता | आखा | एमे | नोखाइ |
| कर्म | आखा यि | एमे यि | नोखाइ यि |
| करण | आखा वार् | एमे वेर् | नोखाइ वार् |
| सहवाची करण | आखा लुगा | एमे लुगे | नोखाइ लुगा |
| सम्प्रदानाधिकरण | आखा दुर्, आखा दु | एमे दुर्, एमे दु | नोखाइ दुर्, नोखाइ दु |
| अपादान | आखा आछा | एमे एछे | नोखाइ आछा |
| सम्बन्ध | आखा यिन् | एमे यिन् | नोखाइ यिन् |
| | उलुस् (लोग, राज्य) | गाजार् (भूमि,स्थान) | जोवालाङ (दुःख) |
| कर्ता | उलुस् | गाजार् | जोवालाङ |
| कर्म | उलुस् इ | गाजार् इ | जोवालाङ इ |
| करण | उलुस् इयार् | गाजार् इयार् | जोवालाङ इयार् |
| सहवाची करण | उलुस् लुगा | गाजार् लुगा | जोवालाङ लुगा |
| सम्प्रदानाधिकरण | उलुस् थुर्, उलुस् थु, उलुस् आ | गाजार् थुर्, गाजार् थु, गाजार् आ | जोवालाङ दुर्, जोवालाङ दु, जोवालाङ आ |
| अपादान | उलुस् आछा | गाजार् आछा | जोवालाङ आछा |
| सम्बन्ध | उलुस् उन् | गाजार् उन् | जोवालाङ उन् |
| | बुलाग् (कुआ,झरना) | छाग् (समय, ऋतु) | गेर् (तम्बू,घर) |
| कर्ता | बुलाग् | छाग् | गेर् |
| कर्म | बुलाग् इ | छाग् इ | गेर् इ |
| करण | बुलाग् इयार् | छाग् इयार् | गेर् इयेर् |
| सहवाची करण | बुलाग् लुगा | छाग् लुगा | गेर् लुगे |
| सम्प्रदानाधिकरण | बुलाग् थुर्, बुलाग् थु, बुलाग् आ | छाग् थुर्, छाग् आ | गेर् थुर्, गेर् ए |
| अपादान | बुलाग् आछा | छाग् आछा | गेर् एछे |
| सम्बन्ध | बुलाग् उन् | छाग् उन् | गेर् उन् |

| | खोवेगुन् (पुत्र) | मोदुन् (वृक्ष, काष्ठ) | मोरिन् (घोडा) |
|---|---|---|---|
| कर्ता | खोवेगुन् | मोदुन्, मोदु | मोरिन्, मोरि |
| कर्म | खोवेगुन् इ | मोदुन् इ, मोदु यि | मोरिन् इ, मोरि यि |
| करण | खोवेगुन् इयेर् | मोदुन् इयार्, मोदु बार् | मोरिन् इयार्, मोरि वार् |
| सहवाची करण | खोवेगुन् लुगे | मोदुन् लुगा | मोरिन् लुगा |
| सम्प्रदानाधिकरण | खोवेगुन् दुर्, खोवेगुन् ए | मोदुन् दुर्, मोदुन् आ | मोरिन् दुर्, मोरिन् दु |
| अपादान | खोवेगुन् एछे | मोदुन् आछा | मोरिन् आछा |
| सम्बन्ध | खोवेगुन् उ | मोदुन् उ | मोरिन् उ |

## षष्ठ पाठ

### द्विविभक्ति-प्रयोग

हिन्दी के समान मोगोल मे भी दो दो विभक्तिया प्रयोग होती हैं।

(१) यिन् दुर् (के मे, के को)—बाग्शि यिन् दुर् (गुरु के में/को), एखे यिन् दुर् (माता के में/को)।

(२) थाछा, दाछा, थेछे, देछे (सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय था/दा, थे/दे+अपादान प्रत्यय छा/छे—उसुन् दा छा (पानी में से), गेर् थे छे (घर मे से), मोरिन् दा छा (घोडे पर से)।

(३) लुगा वार् (सामान्य करण तथा सहवाची करण के प्रत्यय)—नोयान् लुगा वार् (सामन्त के साथ से), बाग्शि लुगा वार् (गुरु के साथ से)॥

### स्व-युक्त सज्ञारूप

कर्म। इ/यि के आगे स्वार्थक बान्/बेन् लग जाता है। गार् इ बान् (अपने हाथ को), नागाछु यि बान् (अपने मामा को)। कर्म के स्वयुक्त रूप सम्बन्ध के रूपों के समान भी होते हैं—खागान् युगान्, सागान् इयान्।

करण। करण प्रत्यय के आगे इयान्/इयेन् लग जाता है। जिदा वार् इयान् (अपने बर्छे से), खोर् इयेर् इयेन् (अपने पाओ से)।

सहवाची करण। कर्म के समान स्वार्थक बान्/बेन् लग जाता है। नागाछु लुगा बान् (अपने मामा के साथ), एमे लुगे बेन् (अपनी पत्नी के साथ)।

सम्प्रदानाधिकरण। दुर्/दुर्, थुर्/थुर् के आगे इयान्/इयेन् लग जाता है। दु/दु, थु/थु के आगे बान्/बेन् लगता है। नागाछु दुर् इयान् (अपने मामा को), गार् थुर् इयान् (अपने हाथ में), नागाछु

दु वान् (अपने मामा को), गार् यु वान् (अपने हाथ में)।

प्राचीन सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय दा/दि, था/थि और प्राचीन सम्बन्धवाची स्व युक्त प्रत्यय गान्/गेन् के सयोग से दागान्/दिगेन्, थागान्/थिगेन् प्रत्यय बना है। यह प्रत्यय सामान्यत प्रयोग में आता है। एखे देगेन् (अपनी मा को), गेर् थेगेन् (अपने घर मे), गार् थागान् (अपने हाथ मे), नागाछु दागान् (अपने मामा को)।

थागान्/थेगेन् का प्रयोग ग ग द व र स इन व्यञ्जनान्त सज्ञाओ के साथ होता है।

अपादान। आछा/एछे के आगे वान्/बेन् अथवा गान्/गेन् का प्रयोग होता है। नागाछु आछा वान्, नागाछु आछागान् (अपने मामा से), गेर् एछे बेन्, गेर् एछेगेन् (अपने घर से)।

सम्बन्ध। उ/उु के आगे वान्/बेन् लगता है। मोरिन् उ वान् (अपने घोडे का)। उन्/उुन्, यिन् के आगे इयान्/इयेन् लगता है। गेर उुन् इयेन् (अपने घर का), नागाछु यिन् इयान् (अपने मामा का)।

हलन्त सज्ञाओ के आगे वान्/बेन् तथा अजन्त सज्ञाओं के आगे इयान्/इयेन् लगता है। नागाछु वान् (अपने मामा का), गार् इयान् (अपने हाथ का), गेर् इयेन् (अपने घर का)।

युगान्/युगेन् सभी अजन्त अथवा हलन्त सज्ञाओ के आगे लग सकता है। गेर् युगेन् (अपने घर का) गार् युगान् (अपने हाथ का), नागाछु युगान् (अपने मामा का)॥

### स्व-युक्त सज्ञाओ के पूर्ण रूप

| | | |
|---|---|---|
| कर्म | आखा यि वान् | एखे यि बेन् |
| | आखा वान् | एखे बेन् |
| | आखा युगान् | एखे युगेन् |
| करण | आखा बार् इयान् | एखे बेर् इयेन् |
| सह्वाची करण | आखा लुगा वान् | एखे लुगे बेन् |
| | आखा थाइ वान् | एखे थेइ बेन् |
| | आखा थायिगान् | एखे थेयिगेन् |
| सम्प्रदानाधिकरण | आखा दुर् इयान् | एखे दुर् इयेन् |
| | आखा दु वान् | एखे दु बेन् |
| | आखा दागान् | एखे देगेन् |
| अपादान | आखा आछा वान् | एखे एछे बेन् |
| | आखा आछागान् | एखे एछेगेन् |
| सम्बन्ध | आखा यिन् इयान् | एखे यिन् इयेन् |
| | आखा वान् | एखे बेन् |
| | आखा युगान् | एखे युगेन् |

| | | |
|---|---|---|
| कर्म | मोरिन् इ वान् | गाजार् इ वान् |
| | मोरि इ वान् | गाजार् इयान् |
| | मोरि युगान् | |
| करण | मोरिन् इयार् इयान् | गाजार् इयार् इयान् |
| | मोरि वार् इयान् | |
| सहचारी करण | मोरिन् लुगा वान् | गाजार् लुगा वान् |
| | मोरि थाइ वान् | गाजार् थाइ वान् |
| | मोरि थायिगान् | गाजार् थायिगान् |
| सम्प्रदानाधिकरण | मोरिन् दुर् इयान् | गाजार् थुर् इयान् |
| | मोरिन् दु वान् | गाजार् थु वान् |
| | मोरिन् दागान् | गाजार् थागान् |
| अपादान | मोरिन् आछा वान् | गाजार् आछा वान् |
| | मोरिन् आछागान् | गाजार् आछागान् |
| सम्बन्ध | मोरिन् उ वान् | गाजार् उन् इयान् |
| | मोरिन् इयान् | गाजार् इयान् |
| | मोरिन् युगान् | गाजार् युगान् |

## सप्तम पाठ

### सर्वनाम

| | वि (मै) | वा (हम, केवल हम, तुम सम्मिलित नही) | विदा (तुम और हम) |
|---|---|---|---|
| कर्ता | वि | वा | विदा |
| कर्म | नामा वि | मान् इ | विदान् इ |
| करण | नामा वार्, नादा वार् | मान् इयार् | विदान् इयार् |
| सहचारी करण | नामा लुगा | मान् लुगा | विदान् लुगा, विदेन् लुगे |
| सम्प्रदानाधिकरण | ना दुर् | मान् दुर् | विदान् दुर् |
| | | मान् आ | विदान् आ |
| अपादान | नामा आछा, नादा आछा | मान् आछा | विदान् आछा |
| सम्बन्ध | मिनु | मानु | विदान् उ |

| | छि (तू) | था (तुम) | इ (वह) | आ (वे) |
|---|---|---|---|---|
| कर्ता | छि | था | — | — |
| कर्म | छिमा यि | थान् इ | इमायि | — |
| करण | छिमा यार् | थान् इयार् | इमा यार् | — |
| सहवाची करण | छिमा लुगा | थान् लुगा | इमा लुगा | — |
| सम्प्रदानाधिकरण | छिमा दुर् | थान् दुर्, थान् आ | इमा दुर् | — |
| अपादान | छिमा आछा | थान् आछा | इमा आछा | — |
| सम्बन्ध | छिनु | थानु | इनु, नि | आनु |

आनु को छोड़ कर आ के अन्य रूप प्रयोग में नहीं। छिदा का दूसरा रूप छिदा नार्। था का दूसरा रूप था नार्। आधुनिक भाषा मे था एक व्यक्ति को सम्बोधन करते समय तथा था नार् अनेक व्यक्तियों को सम्बोधन करते समय प्रयोग में आता है।

| | एने (यह) | एदे (ये) | एदेगेर् (ये) |
|---|---|---|---|
| कर्ता | एने | एदे | एदेगेर् |
| कर्म | एगुन् इ | एदेन् इ | एदेगेर् इ |
| करण | एगुन् इयेर्, एगुवेर् | एदेन् इयेर् | एदेगेर् इयेर् |
| सहवाची करण | एगुन् लुगे | एदेन् लुगे | एदेगेर् लुगे |
| सम्प्रदानाधिकरण | एगुन् दुर्, एगुन् ए | एदेन दुर्, एदेन् ए | एदेगेर् थुर् |
| अपादान | एगुन् एछे, एगुन्छे | एदेन् एछ | एदेगेर् एछे |
| सम्बन्ध | एगुन् उ | एदेन् उ | एदेगेर् उन् |

| | थेरे (वह) | थेदे (वे) | थेदेगेर् (वे) |
|---|---|---|---|
| कर्ता | थेरे | थेदे | थेदेगेर् |
| कर्म | थेगुन् इ | थेदेन् इ | थेदेगेर् इ |
| करण | थेगुन् इयेर्, थेगुवेर् | थेदेन् इयेर् | थेदेगेर् इयेर् |
| सहवाची करण | थेगुन् लुगे | थेदेन् लुगे | थेदेगेर् लुगे |
| सम्प्रदानाधिकरण | थेगुन् दुर्, थेगुन् ए | थेदेन् दुर् थेदेन् ए | थेदेगेर् थुर् |
| अपादान | थेगुन् एछे, थेगुन्छे | थेदेन् एछे | थेदेगेर् एछे |
| सम्बन्ध | थेगुन् उ | थेदेन् उ | थेदेगेर् उन् |

| | एयिमु (ऐसा) | थेयिमु (वैसा) |
|---|---|---|
| कर्ता | एयिमु | थेयिमु |
| कर्म | एयिमु यि | थेयिमु यि |

| | | |
|---|---|---|
| करण | एयिमु बेर् | थेयिमु बेर् |
| सहवाची करण | एयिमु लुगे | थेयिमु लुगे |
| सम्प्रदानाधिकरण | एयिमु दुर् | थेयिमु दुर् |
| अपादान | एयिमु एछे | थेयिमु एछे |
| सम्बन्ध | एयिमु यिन् | थेयिमु यिन् |

| | खेन् छु (कोई) | यागुन् छु (कुछ). |
|---|---|---|
| कर्ता | खेन् छु | यागुन् छु |
| कर्म | खेन् इ छु | यागुन् इ छु |
| करण | खेन् इयेर् छु | यागुन् इयार् छु, यागुन् बार् छु |
| सहवाची करण | खेन् लुगे छु | यागुन् लुगा छु |
| सम्प्रदानाधिकरण | खेन् दुर् छु, खेन् ए छु | यागुन् दुर् छु, यागुन् आ छु |
| अपादान | खेन् एछे छु | यागुन् आछा छु |
| सम्बन्ध | खेन् उ छु | यागुन् उ छु |

खेन् (कौन), यागुन् (क्या) के रूप तो ऊपर आ ही गए।

आलिन् का अर्थ है कौनसा। आलिन् छु=कोई सा। आलिन् छु के रूप यागुन् छु के समान चलते हैं। किन्तु करण मे दो रूप नही, केवल एक रूप आलिन् इयार् छु होता है॥

### स्वयुक्त सर्वनाम-रूप

| | वि | छि | था |
|---|---|---|---|
| कर्म | नामा युगान् | छिमा युगान् | थान् युगान् |
| करण | नामा बार् इयान् | छिमा बार् इयान् | थान् इयार् इयान् |
| सहवाची करण | नामा लुगा बान् | छिमा लुगा बान् | थान् लुगा बान् |
| सम्प्रदानाधिकरण | नादुर् इयान् | छिमादुर् इयान् | थान् दुरियान् |
| | नामादागान् | छिमादागान् | थान् दागान् |
| अपादान | नामा आछागान् | छिमा आछागान् | थान् आछागान् |
| सम्बन्ध | मिनु बान् | छिनु बान् | थानु बान् |
| | मिनु युगान् | छिनु युगान् | थानु युगान् |

| | एने | एदे |
|---|---|---|
| कर्म | एगुन् युगेन्, एगुन् इ बेन् | एदेन् युगेन्, एदेन् इ बेन् |
| करण | एगुन् इयेर् इयेन्, एगुबेर् इयेन् | एदेन् इयेर् इयेन् |

| | | |
|---|---|---|
| सहवाची करण | एगुन् लुगे नेन् | एदेन् लुगे वेन् |
| सम्प्रदानाधिकरण | एगुन् दगेन्, एगुन् दुर् इयेन् | एदेन् देगेन्, एदेन् दुर् इयेन् |
| अपादान | एगुन् एछेगेन्, एगुन् एछे बेन् | एदेन् एछेगेन्, एदेन् एछे बेन् |
| सम्बन्ध | एगुन् युगेन् | एदेन् युगेन् |

थेरे के रूप एने के समान तथा थेदे के रूप एदे के समान चलते हैं—थेगुन् युगेन्, थेदेन् युगेन् इत्यादि।

| | ओबेर् इयेन् (वह स्वय) | ओबेसुद् इयेन् (वे स्वय) |
|---|---|---|
| कर्ता | ओबेर् इयेन् | ओबेसुद् इयेन् |
| कर्म | ओबेर् इयेन् | ओबेसुद् इयेन् |
| करण | ओबेर् इयेर् इयेन् | ओबेसुद् इयेर् इयेन् |
| सहवाची करण | ओबेर् लुगे वेन् | ओबेसुद् लुगे वेन् |
| सम्प्रदानाधिकरण | ओबेर् थेगेन् | ओबेसुद् थेगेन् |
| अपादान | ओबेर् एछेगेन् | ओबेसुद् एछेगेन् |
| सम्बन्ध | ओबेर् उन् | ओबेसुद् उन् |

### अन्य सर्वनाम

आलि (कौनसा), आलिन् छु (कोई भी), आलि बेर् (कोई भी), आलिवा (कोई भी)।

एले (यह)—इसके रूप नहीं चलते। यह अव्यय है।

एदुइ (इतना)—इसका बहुवाची रूप एदुन् है।

खेन् (कौन)—एकवचन। इसका बहुवचन—खेद्।

| एकवचन | | बहुवचन | |
|---|---|---|---|
| खेन् वा | — | खेद् वा | कोई भी |
| खेन् बेर् | — | खेद् बेर | |
| खेन् छु | — | खेद् छु | |

खेदुइ (कितना)—एकवचन। बहुवचन—खेदुन्।

खेदुइ वा, खेदुइ बेर्, खेदुइ छु—कितना भी।

खेर् (कैसे, किस प्रकार)—अव्यय।

खेलि (कब)—अव्यय। इसका प्रयोग प्राचीन भाषा में होता है। खेजिम् ए—इसका अर्थ भी कब है।

यागुन् (क्या, जो)। यागुन् वा, यागुवा, यागुन् बेर्, यागुन् छु—कुछ भी, जो भी। यागुमा (कुछ, कुछ भी)।

याम्वार् (क्या)—अव्यय। याम्वार् बा, याम्वार् वेर्, याम्वार् छु—कुछ भी।

बा, वेर् छु वाले सर्वनामो के साथ नञर्थ ञुगेइ का प्रयोग होता है। खेन् बा ञुगेइ, खेन् वेर् ञुगेइ, खेन् छु ञुगेइ—कोई नही। यागुन् बा ञुगेइ, यागुन् वेर् ञुगेइ, यागुन् छु ञुगेइ—कुछ नही।

एने, थेरे आदि के खेन् प्रत्यय वाले रूप भी बनते हैं। एनेखेन् (यह), थेरेखेन् (वह)।

बि, छि आदि मे सम्बन्धप्रत्ययान्त मिनु, छिनु आदि रूपो से खाइ प्रत्यय लगा कर सम्बन्धवाची सर्वनाम बनते हैं। ये संस्कृत मदीय, त्वदीय आदि के समान हैं। बि (मै)—मिनु (मेरा)—मिनुखाइ (मदीय)। छि (तू)—छिनु (तेरा)—छिनुखाइ (त्वदीय)। बिदा (हम)—बिदान् उ (हमारा)—बिदानुखाइ (अस्मदीय)। बा (हम)—मानु (हमारा)—मानुखाइ (अस्मदीय)। था (तुम)—थानु (तुहारा)—थानुखाइ (युष्मदीय)। तदीय के लिये एकवचन में थेगुनुखेइ और बहुवचन मे थेदेनुखेइ प्रयोग होते हैं॥

## अष्टम पाठ

### संख्या

निगेन् सुदुर् (एक सूत्र), खोयार् गार् (दो हाथ), गुर्वान् एर्देनि (त्रि-रत्न), दोर्वेन् एरिखेन् (चार मालाए), थावुन् गेर् (पाच घर), जिर्गुगान् छेछेग् (छ फूल), दोलोगान् एम्छि (सात वैद्य), नाइमान् दुवाजा (आठ ध्वज), यिसुन् दाइसुन् (नौ शत्रु), आर्वान् माल्छि (दस गवाले)।

आर्वान् निगेन् गियुगा (११ छुरिया), खोरिन् कुन्द छेछेग् (२० कुन्द-पुष्प), गुछिन् जिल् (३० वर्ष), दोछिन् खेलमेछि (४० अनुवादक) थाविन् शावि (५० विद्यार्थी), जिरान् वाग्शि (६० अध्यापक), दालान् वान्दिथ (७० पण्डित), नायान् आसुरि (८० असुर), येरेन् एमे (९० स्त्रिया), जागुन् उगे (१०० शब्द)।

मिड्गान् बुर्खान् (१००० बुद्ध), थुमेन् मोरिन् (१०,००० घोडे), बुम् खुमुन् (एक लाख पुरुष), माया मोदुन् (दस लाख वृक्ष)।

आर्वान् गोयार् (१२), खोरिन् थावुन् (२५), नायान् नाइमान् (८८), जाग्नि यिसुन् (९९), गुर्वान् जागुन् गुछिन् थावुन् (३३५), दोलोगान् मिड्गान् नाइमान् जागुन् थाविन् दोर्वेन् (७८५४), खोयार् थुमेन् थावुन् जागुन् दोछिन् निगेन् (२०५४१)॥

### उच्च संख्या

त्रिदशा (१० लाख), धुड्सुर् (१ करोड), थिर्वुम् (१० करोड), येके थिर्वुम् (एक अरब), देग् थिग् (१० अरब), येगे गेग् थिग् (१०० अरब)। राम्थाम् (१०¹¹), येके राम्थाम् (१०¹²),

थाम् (१०¹⁴), येन्वे थाम् (१०¹⁵), देग्रिन (१०¹⁶)।

संख्यावाची शब्दो के रूप सामान्य सज्ञाओ के समान चलते हैं—वि खोयार् इ आवुवाइ(मैने दो को लिया है)॥

## समूहवाची संख्या

जिरिन् खाथुद् (दो रानिया), खोयागुला आखा (दोनो बडे भाई)। गुर्बागुला एमे (तीनों स्त्रिया), दोर्वेगुले मोरिन् (चारो घोडे), थाव्रुगुला गेर् (पाचो घर), जिर्गुगुला तुलिगेर् (छओ कहानिया), दोलोगुला एर्दॆनि (सातो रत्न), नाइमागुला नोखाइ (आठो कुत्ते), यिसुगुले एर्दॆनि (नौ के नौ रत्न), आर्बागुला सुरुग्चि (दसो विद्यार्थी)।

ओलागुला (बहुत से एक साथ, सबके सब), खेदुगुले (एक साथ कितने)॥

## क्रमवाची संख्या

निगेदुगेर् देव्थेर् (प्रथम पुस्तक), खोयादुगार् सुदुर् (द्वितीय सूत्र)। गुर्बादुगार् धार्नि (तृतीय धारणी), गुयुगार् दन्द्र (तृतीय तन्त्र)। दोर्बेदुगेर् गेर् (चतुर्थ घर), दोयुगेर् शाबि (चतुर्थ शिष्य)। थावुदुगार् गाजार् (पञ्चम देश), थाब्यागार् बिछिग् (पञ्चम पत्र)। जिर्गुदुगार् जिल् (षष्ठ वर्ष), दोलोदुगार् एदुर् (सप्तम दिन), नाइमादुगार् सारा (अष्टम मास), यिसुदुगेर् खोथा (नवम नगर), आर्बादुगार् खागान् (दशम राजा)।

आडखान् (आरम्भ), आडखादुगार् प्रथम। थेरिगुन् (सिर, आरम्भ, प्रथम)।
नोगुगे (द्वितीय, अगला, अनुवर्ती), देद् (द्वितीय, अनुवर्ती)।
खेदुन् (कितने), खेदुदुगेर् (कितनवा)॥

## कृत्वार्थ संख्या

निजिगेद् (एक २ करके, एकशः), खोशियागाद् (दो २ करके, द्विश), गुर्बागाद् (तीन २ करके, त्रिशः), दोर्बेगेद् (चार २ करके, चतु कृत्व), थाव्रुगाद् (पाच २ करके, पञ्चकृत्व.), जिर्गुगाद् (छः २ करके, षट्कृत्वः), दोलोगाद् (सात २ करके, सप्तकृत्वः), नाइमागाद् (आठ २ करके, अष्टकृत्वः), यिसुगेद् (नौ २ करके, नवकृत्वः), आर्बागाद् (दस २ करके, दशकृत्व)॥

## बार-वाची संख्या

निगे, निगेन्ये (एक बार), खोयार्, खोयार्था (दो बार), गुर्बा, गुर्बान्या (तीन बार)। दोर्वेन्ये (चार बार), थावुन्या (पाच बार), ओलान्या (बहुत बार), खेदुन्ये (कितनी बार)॥

### केवल-वाची संख्या

निगेखेन् (केवल एक), खोयार्खान् (केवल दो), गुर्बाखान् (केवल तीन)।
गाग्छा गेर्गेइ थु (केवल एक पत्नी वाला), गाग्छा मोरि थु (केवल एक घोडे वाला)।
गाग्छा (अकेला), ओरुगेसुन् (दो मे से एक)। खागास्, ओरुगेले (आधा)॥

## नवम पाठ

### बहुवचन

मोगोल मे बहुवाची प्रत्यय का प्रयोग बहुत थोडा करते हैं। केवल वहा जहा आवश्यकता हो। बहुवाची विशेषण के साथ बहुवाची प्रत्यय का प्रयोग नही होता। खोयार् बाल्गाद् (दो नगर), ओलान् बार्स् (बहुत से व्याघ्र)। यहा बाल्गाद् और बार्स् का बहुवचन प्रयोग नही किया गया।

मोगोल भाषा मे बहुवचन के अनेक प्रत्यय हैं।

(१) भाई पुत्र आदि सम्बन्धियो, प्रतिष्ठित पुरुषो तथा देवताओ के वाची अजन्त शब्दो के आगे नार्/नेर् लगता है। आखा नार् (बडे भाई), देगुउ नेर् (छोटे भाई), एगेछि नेर् (छोटी बहिनें), आछि नेर् (पौत्र), जिछि नेर् (प्रपौत्र), गुछि नार् (प्रपौत्र के बच्चे), दोछि नेर् (प्रपौत्र के पौत्र), जिगे नेर् (बहिन के लडके), बोले नेर् (बहिन के बच्चे), आबागा नार् (चाचे), नागाछु नार् (मामे), असुरि नार् (असुर-गण), आबुगाइ नार् (भद्रलोक), गिया नार् (रक्षक-गण), गाब्जु नार् (विद्वान् भिक्षु-गण), बाग्शि नार् (अध्यापक-गण), बान्दि नार् (शिशिक्षु-गण), बान्दिया नार् (पण्डित-गण), बोगे नेर् (शामान्-गण), ल्यामा नार् (लामा गण), लोछावा नार् (प्रतिष्ठित अनुवादक गण), शाबि नार् (विद्यार्थि गण), थिङ्र नार् (देवता-गण)।

एगे नेर् का अर्थ केवल माता है। एके का बहुवचन एमेस (माताएं) होता है।

नार्/नेर् के स्थान मे नाद्/नेद् का प्रयोग गुप्त-मोगोल-इतिहास मे हुआ है। कही कही माद्/मेद् का प्रयोग भी हुआ है।

(२) सामान्य रूप से अजन्त संज्ञाओ के आगे स् लगता है। आखाम् (बूढे लोग, गुरुजन), आगुलास् (पर्वत), उगेस् (शब्द), उरेस् (फल), एग्मस् (माताए), एमेस् (स्त्रियें), एरेस् (पुरुष), गाखास् (सूअर, एकवचन गाखाइ), निग्लास् (बच्चे), नोखास् (कुत्ते, एकवचन नोखाइ), बाखास् (मेंढक), मोगास् (साप, एकवचन मोगाइ) गुमुस् (लोग, एकवचन खुमुन्)।

(३) नकारान्त संज्ञाओ के आगे प्राय द् प्रत्यय लगता है। उसुन् (पानी)—उसुद्। एबुगेन् (वृद्ध पुरुष)—एबुगेद्। खेउगेन् (बच्चा, लडकी)— खेउगेद् (बच्चे अथवा एकवाची लडका)।

खागान् (राजा)—खागाद्। खाथुन् (रानी)—ताथुद्। नोयान् (राजन्य)—नोयाद्। बायान् (धनी)—बायाद्। सायिन् (अच्छा)—सायिद् (किन्तु इसका अर्थ है मन्त्री)। बुर्खान् (बुद्ध)—बुर्खाद्। मोदुन् (वृक्ष)—मोदुद्। मोरिन् (घोडा)—मोरिद्। शिबागुन् (पक्षी)—शिबागुद्।

नकारान्त के अतिरिक्त रकारान्त लकारान्त संज्ञाओ से भी द् प्रत्यय लगता है। गाजार् (देश)—गाजाद्। नोखोर् (मित्र)—नाखोद्। शिखुर् (छत्र)—शिखुद्। शिङखुर् (श्येन)—शिङखुद्। मोर् (मार्ग)—मोद् (प्राचीन काल मे)। थुशिगुल् (गुप्तचर)—थुशिगुद् (प्राचीन काल मे)। थुशिमेल् (अधिकारी)—थुशिमेद्।

कजूर की भाषा मे द् के पूर्व सुन् का लोप हो जाता है। नुगुसुन् (कारण्डव)—नुगुद्। गुन्छासुन् (परिधान)—गुन्छाद्। बालगासुन् (नगर)—बालगाद्।

कुछ अजन्त सज्ञाओ से भी द् लगता है। बुसु (दूसरा)—बुसुद्। बेरि (साली)—बेरिद्।

छि, गाछि/गेछि, ग्छि/ग्ढि अन्त वाली सज्ञाओ से द् अथवा न् लगता है। आदुगुछि (साईस)—आदुगुछिद्, आदुगुछिन्। एल्छि (राजदूत)—एल्छिद्, एल्छिन्। एम्छि (वैद्य)—एम्छिद्। खोदेल्मुरिछि (कर्मी)—खादे मुरिछिन्। बिछिगेछि (लिपिक)—बिछिगेछिद्, बिछिगेछिन्। सुरुग्छि(शिष्य)—सुरग्छिद्।

(४) थाइ/थेइ प्रत्ययान्त शब्दो से बहुवाची न् लगता है। न् से पूर्व इ का लोप हो जाता है। एर्देम्थेइ (गुणवान्)—एर्देम्थेन्। मोरिथाइ (अश्वारोही)—मोरिथान्।

प्राचीन ग्रन्थो मे आइ/एइ, उइ/उइ अन्त वाले शब्दो के इकार का बहुवाची न् प्रत्यय के पूर्व लोप हो जाता है। खुलागाइ (चोर)—खुलागान्। गाखाइ (सूअर)—गाखान्। मागुइ (दुष्ट)—मागुन् याबुखुइ (जाने वाला)—याबुखन्।

(५) नकारान्त के अतिरिक्त अन्य हलन्त सज्ञाओ से उद्/उद् प्रत्यय लगता है। उलुस् (लोग)—उलुस् उद्। छेरिग् (योद्धा)—छेरिग् उद्। थोलुब् (रूप)—थोलुब् उद्। बिछिग् (पत्र, चिट्ठी)—बिछिग् उद्। बुलाग् (कुआ निर्झर)—बुलाग उद्। देब्थेर (पजिका)—देब्थेर् उद्। नोम् (पुस्तक)—नोम् उद्।

१७वी शताब्दी तक अजन्त तथा नकारान्त सज्ञाओ से गुद्/गुद् प्रत्यय लगता था। आलाग्छि (रगबिरगा धनुष्)—आलाग्छिगुद्। थाइजि (राजपुत्र)—थाइजिगुद् (एक जाति का नाम)। हिन्दी मे भी राजपूत एक जाति का नाम है। छागाग्छिन् (श्वेत घोडी)—छागाग्छिगुद्।

(६) नुगुद्/नुगुद् सामान्य बहुवाची प्रत्यय है। अजन्त तथा हलन्तादि की विशेषता नही। उखेर् (वृषभ)—उखेर् नुगुद्। ओलान् (बहुत)—ओलान् नुगुद् (बहुत सारे, सब के सब)। खुमुन् (पुरुष)—खुमन् नुगुद्। जागान् (हाथी)—जागान् नुगुद् (हस्तिघटा)। दालाइ (सागर)—दालाइ नुगुद्। नागुर् (भील)—नागुर् नुगुद्। नोखाइ (कुत्ता)—नोखाइ नुगुद्। बिछिग् (पत्र)—बिछिग् नुगुद्।

(७) पुरुषवाची अजन्त, नकारान्त, लकारान्त सज्ञाओ से छुद्/छुद् लगता है। बागा (छोटा)—

बागाछुद् (बच्चे)। जालागु (छोटा)—जालागुछुद् (युवकगण)। वुसुगुइ (स्त्री)— वुसुगुइछुद्।
बायान् (धनी)—बायाछुद्। मोङगोल्—मोङगोल्छुद्।

(८) कभी २ भिन्न प्रत्ययों के लगने से अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। आखा—आखा नार् (बड़े भाई), आखास् (older people, बड़े, गुरुजन), आखामाद् (seniors, authorities, बड़े अधिकारी)।

कभी २ एक ही संज्ञा से दो २ प्रत्यय लग जाते हैं। ब्लामा नार् उद्। खागाद् उद् (द्+उद्)। बागाद् उद् (बच्चे)। नोयाद् उद् (सामन्त-गण)। खागाद् उद् (राजे)। एरेस् उद् (स्+उद्, मनुष्य-गण)॥

## दशम पाठ

### क्रिया

#### मध्यमपुरुष— आदेश

इसमें कोई प्रत्यय विशेष नहीं होता। मूल धातुरूप का ही प्रयोग होता है। इरे—आ (एकवचन), आओ (बहुवचन)। उङशि—पढ़ (एकवचन), पढ़ो (बहुवचन)। खेले—कह (एकवचन), कहो (बहुवचन)। याबु—जा (एकवचन), जाओ (बहुवचन)।

आदेश देने के लिये गाराइ/गेरेइ का भी प्रयोग होता है। यह आदेश बहुत हलका है। व्यक्ति इस आदेश का पालन चाहे तत्काल करे चाहे भविष्य में। खेलेगेरेइ (कहो), याबुगाराइ (जाओ)॥

#### मध्यमपुरुष—विनीत याचना

ग्युन्/ग्युन् का प्रयोग एकवचन तथा बहुवचन दोनों के लिये होता है। ग्युन्/ग्युन् में नकार आदरार्थ बहुवाची है (ग्युइ/ग्युइ+न्)।

हलन्त धातुओं के आगे और प्रत्यय से पूर्व उ/उ का आदेश हो जाता है। ओग् (दे)—ओग्गुग्युन् (दीजिये)। खेले (कह)—खेलेग्युन् (कहिये)। याबु (जा)—याबुग्युन् (जाइये)। याबुगुल् (भेज)— याबुगुलुग्युन् (भेजिये)।

प्राचीन भाषा में प्रत्यय दखुन्/दखुन् था। खेलेदखुन् (कहिये), याबुदखुन् (जाइये)।

ग्युइ/ग्युइ का प्रयोग अर्वाचीन वुरियात् के हस्तलेखों में मिलता है। खेलेग्युइ (कहिये), याबुग्युइ (जाइये)।

मूलरूप से ये एकवचन के रूप हैं। किन्तु आजकल इनका प्रयोग बहुवचन में भी होता है।

### प्रथमपुरुष—आदेश

इसका प्रत्यय है थुगाइ/थुगेइ। खेलेथुगेइ—वह कहे, उसको कहना ही होगा। याबुथुगाइ—वह जाए, उसको जाना ही होगा ॥

### उत्तमपुरुष—इच्छा

इसका प्रत्यय है सुगाइ/सुगेइ। प्राचीन भाषा में केवल सु/सु। इसका प्रयोग केवल एकवचन में होता है। खेलेसुगेइ—मुझे कहने दो, मैं कहूं। याबुसुगाइ—मुझे जाने दो, मैं जाऊं।

आधुनिक पुस्तकों मे थुगाइ/थुगेइ का भी प्रयोग होता है।

बहुवचन मे या/यि का प्रयोग करते हैं। खेलेये—हमे कहने दो, हम कहें। याबुया—हमे जाने दो, हम जाएं ॥

### अभावी कामना

जो कामना प्राय: पूरी नही हो सकती उसके लिये प्रथम, मध्यम, उत्तम अर्थात् सभी पुरुषों और वचनों मे गासाइ/गेसेइ का प्रयोग होता है। खेलेगेसेइ—हा, यदि वह कह देता। याबुगासाइ—हा, यदि वह चला जाता ॥

### अनिष्टाशंका

प्रत्यय गुजाइ/गुजेइ। खेलेगुजेइ—यदि कही वह कह बैठा। याबुगुजाइ—यदि कही वह चला गया ॥

### वर्तमान तथा भावी

सर्वसाधारण प्रत्यय मुइ/मुइ है। खेलेमुइ— वह कहता है, वह कहेगा। याबुमुइ— वह जाता है, वह जाएगा। इसी का प्रश्नात्मकरूप मुउ/मुउ अथवा मुइ-उउ/मुइ-उउ है। याबुमुइ-उउ,याबुमुउ—क्या वह जाता है, क्या वह जाएगा।

प्राचीन भाषा मे मुइ/मुइ के स्थान मे म् अथवा मु/मु प्रत्यय थे। याबुम्, याबुमु—वह जाता है, वह जाएगा।

साधारण पुस्तकों में नाइ/नेइ का प्रयोग होता है। इसका प्रश्नात्मक रूप नुउ/नुउ है। खेलेनेइ—वह कहता है, वह कहेगा। याबुनाइ—वह जाता है, वह जाएगा। याबुनुउ—क्या वह जाता है, क्या वह जाएगा।

केवल वर्तमान मे नाम्/नेम् का प्रयोग भी मिलता है। इसका प्रयोग साहित्यिक भाषा मे अधिक नही। खेलेनेम्—वह कहता है। याबुनाम्—वह जाता है ॥

अनुवर्ती वर्तमान

प्रत्यय—यु/यु । मेदेयु—अत वह जानता है । याबुयु—अत वह जाता है ।।

भूत

(१) समीपवाची भूत के लिये वा/वे, वाइ/वेइ प्रत्यय लगते हैं। वकारान्त तथा रकारान्त धातुओं के आगे उ/उ योजक स्वर लग जाता है । आबुवा, आबुवाइ—उसने ले लिया है । आमागवा, आसाग्वाइ—उसने पूछ लिया है । इरेवे, इरेवेइ—वह आ गया है । ओद्वा, ओद्वाइ—वह चला गया है ।

प्रश्नात्मक रूप वा-उउ और वुउ/बुउ हैं । याबुवा उउ, याबुवुउ—क्या वह चला गया है ।

(२) साहित्यिक भाषा में लुगा/लुगे स्वयमनुभूत, स्वयदृष्ट अथवा निश्चित रूप से स्वयंज्ञात भूतार्थ मे प्रयोग होता है । इस प्रत्यय के प्राचीन रूप लुगाइ/लुगेइ तथा कभी २ लागा/लिगे थे । आधुनिक भाषा मे ला/लि, लाइ/लिइ प्रयोग मे आते हैं । इनके प्रश्नात्मक रूप ला-उउ/लि-उउ, लुउ/लुउ हैं । मेदेलुउ—क्या वह जानता था । उखुलुगेइ—वह मर गया है । याबुलुगा—वह चला गया है ।

(३) तीसरा भूत प्रत्यय जुखुइ/जुखुइ है । ग ग द ब र स अन्त वाले धातुओ से छुखुइ/छुखुइ । उखुजुखुइ—वह मरा हुआ मिला । गार्छुखुइ—वह बाहर गया हुआ मिला ।

प्राचीन भाषा मे जुगु/जुगु, जुगुइ/जुगुइ (छुगु/छुगु, छुगुइ/छुगुइ), जिगाइ/जिगेइ—ये रूप मिलते है । याबुजुगु, याबुजुगुइ, याबुजिगाइ—वह गया हुआ मिला ।

साहित्यिक तथा आधुनिक भाषा मे केवल आजुगु (वह था) यह रूप मिलता है ।

आधुनिक भाषा में जि/छि प्रायश. मिलता है । गार्छि—वह बाहर गया हुआ मिला । याबुजि—वह गया हुआ मिला ।।

## एकादश पाठ

### कृदन्त

(१) करण अथवा कर्ता अर्थ मे ग्छि/ग्छि का प्रयोग होता है । बहुवचन का रूप ग्छिन्/ग्छिन्, ग्छिद्/ग्छिद् होता है । खेलेग्छि—कथन, कथयिता (कहना, कहने वाला)—खेलेग्छिद्, खेलेग्छिन् (बहुवचन) । याबुग्छि—गमन, गन्ता (जाना, जानेवाला) ।

(२) शत्रर्थ प्रत्यय इ । आयिस् (आना)—आइसुइ (आगच्छन् । आता हुआ) । ओद् (जाना)—ओदुइ (गच्छन् । जाता हुआ) ।

(३) स्वाभाविक अथवा प्रायिक होने वाले के अर्थ म दाग्/दिग् आता है । खेलेदेग्—प्राय कथन (प्राय कहते रहना), प्राय कथयिता (प्राय कहने वाला), प्राय कथयति (प्राय कहता रहता है) ।

यानुदाग्—प्रायोगमन (प्राय जाते रहना), प्रायोगन्ता (प्राय. जाने वाला), प्रायो गच्छति (प्राय. जाता रहना है)। 38477

(४) खु/खु भविष्यार्थक प्रत्यय है। खेलेखु—भविष्ये कथनं (भविष्य मे कहना), भविष्ये कथयिता, कथयिष्यन् (भविष्य में कहने वाला), कथयिष्यति (वह कहेगा)। यावुखु—भविष्ये गमन (भविष्य मे जाना), भविष्ये गन्ता, गमिष्यन् (भविष्य मे जाने वाला), गमिष्यति (वह जाएगा)।

(५) खुइ/खुइ। खेलेखुइ—कथनं (कहना)। यावुखुइ—गमन (जाना)।

प्राचीन भाषा मे खु/खु और खुइ/खुइ समानार्थक थे। प्राचीन भाषा मे खुइ/खुइ का बहुवचन खुन्/खुन् था। खेलेखुन्—कथयिष्यन्त (जो कहगे)। यावुखुन्—गमिष्यन्त. (जो जाएगे)।

(६) गा/गे अपूर्णभूतवाची है। याबुगा—चलता हुआ। खेलेगे उुगेइ—न कहता हुआ (जिसने अभी कुछ नही कहा)। प्रत्यय का प्राचीन रूप गाइ/गेइ है।

(७) ग्सान्/ग्सेन् पूर्ण भूतवाची है। खेलेग्सेन्—कथितवान् (जो कह चुका है)। याबुग्सान्—गतवान् (जो जा चुका है)।

(८) वासु/वेसु यदा-वाची अथवा यदि-वाची प्रत्यय है। वर्तमान और भविष्य मे यदि-वाची तथा भूत मे यदा-वाची। आवुवासु—यदि वह लेवे, जब उसने लिया। ओग्वेसु—यदि वह देवे, जब उसने दिया।

प्राचीन तथा साहित्यिक मोगोल मे बेर् जोडने से अर्थ म परिवर्तन नही होता। किन्तु आधुनिक मोगोल में बेर् जोडने से यदि और यदा का अर्थ यद्यपि हो जाता है। यावुवासु बेर्—यद्यपि वह जाता है, यद्यपि वह गया।

साधारण भाषा में वाल्/वेले और गासु/गेसु का भी प्रयोग होता है। यावुवाला, याबुगासु—यदि वह जावे, जब वह गया।

(९) वाछु/वेछु यद्यपि वाची है। खेलेवेछु—यद्यपि वह कहता है। यानुवाछु—यद्यपि वह जाता है।

साधारण भाषा में वाछि/वेछि। कभी २ छु को क्रिया के पूर्व भी रख देते हैं। याबुवाछि—यद्यपि वह जाता है। थेरे छु खेलेवे—यद्यपि वह कहता है।

(१०) जु/जु क्त्वा वाची है। ग ग द ब र स अन्त वाले धातुओ के आगे छु/छु। आब्छु (ले कर), ओल्जु (पा कर), ओग्छु (दे कर)।

असाहित्यिक भाषा में जि/छि भी मिलता है। वोस्छि (उठ कर), यानुजि (जा कर)।

(११) न् क्रियाविशेषक रूप मे प्रयोग होता है। निसुन् (उडता हुआ), निसुन् इरेवे (उडता हुआ आया, उड आया)। गुयिन् (दौडता हुआ), गुयिन् गारवा (वह दौडता हुआ बाहर आया, वह बाहर दौड गया)। बहुवचन में न् का द् बन जाता है।

(१२) गाद्/गेद् क्त्वा-वाची है। खेलेगेद् (कह कर), याबुगाद् (जा कर)।

(१३) थाला/थेले "करते करते" और "करने तक" अर्थों मे आता है। खेलेथेले (उसके कहते कहते, उसके कहते हुए), यावुथाला (जब तक वह जावे, उसके जाने तक)।

(१४) मर्यादा तथा प्रवर्तमान अर्थों में ग्सागार्/ग्सेगेर् का प्रयोग होता है। थोरोग्सेगेर् (जब से वह जन्मा), यावुग्सागार् (जब वह जा रहा था)।

(१५) अनन्तर क्रियावाची माग्छा/मिग्छे। इरेमेग्छे (वह आया ही था कि, उसके आते ही), ओरोमाग्छा (उसने प्रवेश किया ही था कि, उसके प्रवेश करते ही)।

सामान्य भाषा में माछि/मेछि। बारिमाछि (उसके पकड़ते ही)।

(१६) आरम्भानन्तर प्रत्यय खुला/खुले। इसका प्रयोग साहित्यिक भाषा में नही होता। यावाखुला (उसके चलना आरम्भ करते ही)।

(१७) तदर्थ प्रत्यय रा/रि। उजेरे (दर्शनार्थ, देखने के लिये), यावुरा (गमनार्थ, जाने के लिये)।

(१८) तत्परिणामस्वरूप प्रत्यय रुन्/रुन्। इसका प्रयोग अधिकाश निम्न धातुओं से होता है—उगुले (कहना), उजे (देखना), खेमे, गेमे (कहना), जालिग् बोल् (आदेश देना), बु (होना), बोऱ् (होना)। सागान् जालिग् बोलुरुन् (राजा के आदेश देने के परिणामस्वरूप)। बारिरुन् (लेने के परिणामस्वरूप)। जोबागुलुरुन् (दुःखी करने के परिणामस्वरूप), बोलगारुन् (करने के परिणामस्वरूप)।

आरुन् आ धातु का रूप है। इसका प्रयोग केवल प्राचीन भाषा मे मिलता है। बुरुन् बु धातु का रूप है। केवल प्राचीन तथा साहित्यिक भाषा में॥

## द्वादश पाठ

### सम्पूर्ण क्रियारूपों के उदाहरण

आ (होना), इरे (आना), ओग् (देना), ओद् (बाहर जाना), ओरो (प्रवेश करना)

### आदेश और इच्छा

मध्यमपुरुष आदेश—इरे। ओग्। ओद्। ओरो। आ का यहां प्रयोग नहीं।

विनीत याचना—आग्युन्, आद्युन् (प्राचीन भाषा में)। इरेग्युन्। ओगुग्युन्। ओदुग्युन्। ओरोग्युन्।

उत्तमपुरुष एकवचन इच्छा—आमुगाइ। इरेमुगेइ। ओग्सुगेइ। ओद्मुगाइ। ओरोमुगाइ। यागु।

उत्तमपुरुष बहुवचन इच्छा—आया (प्राचीन भाषा मे) । इरेये । ओग्गुये। ओदुया। ओरोया।

प्रथमपुरुष आदेश—आयुगाइ। इरेयुगेइ। ओग्युगेइ। ओद्युगाइ। ओरोयुगाइ।

अभावी कामना—आगासाइ। इरेगेसेइ। ओग्गुगेसेइ। ओदुगासाइ। ओरोगासाइ।

अनिष्टाशंका— इरेगुजेइ। ओग्गुगुजेइ/ओदुगुजाइ। ओरोगुजाइ॥

## कालवाची

साधारण वर्तमान और भविष्य—आमुइ। इरेमुइ। ओग्गुमुइ। ओदुमुइ। ओरोमुइ।

केवल वर्तमान—इरेनेम्। ओग्गुनेम्। ओदुनाम्। ओरोनाम्।

अनुवर्ती वर्तमान—आयु (प्राचीन भाषा मे)। इरेयु। ओग्गुयु। ओदुयु। ओरोयु।

समीप भूत—आवा, आवाइ। इरेवे। ओग्वे। ओद्वा। ओरोवा।

स्वयमनुभूत भूत—आलुगा (प्राचीन भाषा मे)। इरेलुगे। ओग्गुलुगे। ओदुलुगा। ओरोलुगा।

तयाप्राप्त भूत—आजुगु, आजुगुइ (प्राचीन भाषा मे)। इरेजुग्वुइ। ओग्छुखुइ। ओद्छुखुइ। ओरोजुग्वुइ॥

## धातुज संज्ञा

कर्तृ संज्ञा—आग्छि। इरेग्छि। ओग्गुग्छि। ओदुग्छि। ओरोग्छि।

प्रायिक-संज्ञा—इरेदेग्। ओग्गुदेग्। ओदुदाग्। ओरोदाग्।

भावि-संज्ञा—आखु, आखुइ, आखुन् (बहुवचन, प्राचीन भाषा मे)। इरेखु, इरेखुइ। ओग्खु, ओग्खुइ। ओद्खु, ओद्खुइ। ओरोखु, ओरोखुइ।

अपूर्णभूत-संज्ञा—आगा (प्राचीन भाषा मे)। इरेगे। ओग्गुगे। ओदुगा। ओरोगा।

पूर्णभूत-संज्ञा—आग्सान्। इरेग्सेन्। ओग्गुसेन्। ओदुग्सान्। ओरोग्सान्॥

## सहक्रिया

यद्वाची—आवासु। इरेवेसु, इरेवेले। ओद्वेसु, ओग्वेले। ओद्वासु, ओद्वाला। ओरोवासु, ओरोवाला।

यद्यपिवाची—आवाछु। इरेवेछु। ओग्वेछु। ओद्वाछु। ओरोवाछु।

अपूर्ण—आजु, आजि, (असाहित्यिक पुस्तकों मे)। इरेजु। ओग्छु। ओद्छु। ओरोजु।

विशेषक—(आ का रूप नही होता)। इरेन्। ओग्गुन्। ओदुन्। ओरोन्।

क्त्वावाची—आगाद्। इरेगेद्। ओग्गुगेद्। ओदुगाद्। ओरोगाद्।

अवधिवाची— आयाला। इरेयेले। ओग्येले। ओद्याला। ओरोयाला।

मर्यादावाची—आग्सागार्। इरेग्सेगेर्। ओग्गुग्सेगेर्। ओदुग्सागार्। ओरोग्सागार्।

अनन्तरवाची—(आ का रूप नहीं होता)। इरेमेग्छे। ओग्गुमेग्छे। ओदुमाग्छा। ओरोमाग्छा।

आरम्भानन्तर—आखुला (यद्वाची के अर्थ में प्रयुक्त)। इरेखुले। ओग्खुले। ओदखुला। ओरोखुला।

तदर्थ—इरेरे। ओग्गुरे। ओदुरा। ओरोरा।

बु धातु के केवल निम्न रूप मिलते हैं—बुलुगे (असाहित्यिक पुस्तकों में बिले)। बुजुगु, बुजुगुइ (प्राचीन प्रयोग)। बुग्सेन् (प्राचीन प्रयोग)। बुखु, बुखुइ (बहुवचन बुखुन्— प्राचीन प्रयोग)। बुगेसू। बुगेद्। बुगेयेले।

बोल् (होना) के सभी रूप अन्य धातुओं के समान होते हैं। विशेष रूप हैं— बोलुइ, बोलाइ (वह है)।

बुइ धातु का केवल एक रूप है—बुइ। इसके तीन अर्थ हैं—अस्तित्व, वर्तमान, है। अनुवर्ती वर्तमान में इसका रूप बुयु है। बुइ के अन्य रूप बि, वेइ, बाइ हैं।।

## त्रयोदश पाठ

### प्रयोजक क्रिया

(१) प्रत्यय गा/गे अजन्त तथा र, ल अन्त वाले धातुओं से लगता है। उना (गिरना)—उनागा (गिराना)। उन्तारा (बुझना)—उन्तारागा (बुझाना)। उलेदे (पीछे रहना)—उलेदेगे (पीछे छोड़ना)। खाया (सूखना)—खायागा (सुखाना)। खुर् (पहुचना)—खुर्गे (पहुंचाना)। खोदेल् (हिलना)—खोदेल्गे (हिलाना)। गेथुल् (नदी पार करना)—गेथुल्गे (नदी पार कराना)। गार् (बाहर जाना)—गार्गा (बाहर निकालना)। जोवा (दुःखी होना)— जोवागा (दुःखी करना)। बुयु (सिद्ध होना)— बुयुगे (सिद्ध करना)। बोल् (होना)—बोल्गा (बनाना, करना)।

(२) द ब स अन्त वाले धातुओं से खा/खे लगता है। उसाद् (नाश होना)—उसाद्खा (नाश करना)। ओस् (बहुत उत्पन्न होना)—ओस्खे (पशुपालन, to breed cattle)। छाद् (सन्तुष्ट होना) —छाद्खा (सन्तुष्ट करना)। बोस् (उठना)—बोस्खा (उठाना)।

(३) अजन्त धातुओं से गुल्/गुल् प्रत्यय लगता है। इदे (खाना)—इदेगुल् (खिलाना)। उखु (मरना)—उखुगुल् (मरवाना)। उजे (देखना)—उजेगुल् (दिखाना)। ओरो (प्रवेश करना)—ओरोगुल् (प्रवेश कराना)। गार्गा (बाहर लाना)—गार्गागुल् (बाहर लिवाना)। बायि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)।

(४) गा गु अन्त वाले धातुओं से ल् प्रत्यय लगता है। यह प्रत्यय केवल प्राचीन भाषा में

मिलता है। उगु (पीना)—उगुल् (पिलाना)। सागु (बैठना)—सागुल् (बिठाना)।

*आजकल ल् के स्थान में ल्गा/ल्गे का प्रयोग होता है। यह एकाक्षरी धातुओ, तथा आयि गा गु गु अन्त वाले धातुओ से लगता है।* कि (करना)—किल्गे (कराना)। खारायि (कूदना)—खारायिल्गा (कुदाना)। नेगु (प्रवास करना, घूमते फिरना, to nomadize)—नेगुल्गे (प्रवास कराना)। बागु (उतरना)—बागुल्गा (उतारना)। बायि (होना)—बायिल्गा (होने देना, करना)। शियागा (जलने देना)—शियागाल्गा (जलाने देना)। सागु (बैठना)—सागुल्गा (बिठाना, रखना)॥

## कर्मवाच्य

(१) अजन्त तथा लकारान्त धातुओ से ग्दा/ग्दे लगता है। आला (मारना)—आलाग्दा (मारा जाना)। उुजे (देखना)—उुजेग्दे (देखा जाना)। बारि (पकडना)—बारिग्दा (पकडा जाना)। थायिल् (व्याख्या करना)—थायिल्ग्दा (व्याख्या किया जाना)। याबु (जाना)—याबुग्दा (जाना पडना)।

(२) लकारान्त धातुओं से दा/दि भी लगता है। ओल् (पाना)—ओल्दा (पाया जाना)। बोल् (होना)—बोल्दा (होना पडना)।

(३) ग द व र स अन्त वाले धातुओ से था/थे लगता है। आव् (लेना)—आव्था (लिया जाना)। ओग् (देना)—ओग्थे (दिया जाना)। ओल् (पाना)—ओल्दा (पाया जाना)॥

## मियोवाची क्रिया

प्रत्यय ल्दु/ल्दु। आला (मारना)—आलाल्दु (एक दूसरे को मारना)। खार्बु (बाण चलाना)—खार्बुल्दु (एक दूसरे पर बाण चलाना)॥

## सहकारी क्रिया

प्रत्यय ल्छा/ल्छे। इदे (खाना)—इदेल्छे (इकट्ठे खाना, सहभोज करना)। उङशि (पढना)—उङशिल्छा (इकट्ठे पढना)। सागु (बैठना)—सागुल्छा (दूसरो के साथ बैठना, सम्मेलन में सम्मिलित होना)। सुर् (सीखना)—सुरल्छा (इकट्ठे सीखना)॥

## बहुवाची क्रिया

प्रत्यय छागा/छेगे। उङशि (पढना)—उङशिछागा (बहुतो का पढना)। याबु (जाना)—याबुछागा (बहुतो का जाना)॥

## प्रत्यय-माला

धातु से दो और कभी २ तीन प्रत्यय भी लग जाते हैं।

(१) प्रयोजक का प्रयोजक रूप। बोस् (खडा होना)—बोस्खा (खडा करना)—बोस्खागुल्

(खड़ा कराना)। छाद् (तृप्त होना)—छाद्खा (तृप्त करना)—छाद्खागुल् (तृप्त कराना)। बाथि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)—बायिगुला (स्थापित कराना)।

(२) प्रयोजक का कर्मवाच्य रूप। बाथि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)—बायिगुलुन्दा (स्थापित किया जाना)। बोल् (होना)—बोल्गा (करना, बनाना)—बोल्गान्दा (किया जाना, बनाया जाना)।

(३) कर्मवाच्य का प्रयोजक रूप। आला (मारना)—आलान्दा (मारा जाना)—आलान्दागुल् (मरवाया जाना)। तुजे (देखना)—तुजेन्दे (देखा जाना)—तुजेन्देगुल् (दिखलाया जाना)।

(४) मिथोवाची का प्रयोजक रूप। वारि (पकड़ना)—वारिल्दु (मल्लयुद्ध करना)—वारिल्दुगुल् (मल्लयुद्ध कराना)। बाथि (खड़ा होना)—बाथिल्दु (लड़ना)— बाथिल्दुगुल् (लड़ाई कराना)।

(५) सहवाची का प्रयोजक रूप। इदे (खाना)—इदेल्छे (इकट्ठे खाना)—इदेल्छेगुल् (इकट्ठे खिलाना)। सागु (बैठना)—सागुल्छा (इकट्ठे बैठना, उपस्थित होना)—सागुल्छागुल् (इकट्ठे बिठाना, उपस्थित कराना)॥

### बारंबारवाची क्रिया

प्रत्यय ल्। छोखि (मारना)—छोखिल् (बारबार मारना, पीटना)। छाखि (रगड़ से अग्नि-जनन करना)—छाखिल् (बारंबार चमकना)। दुसु (बूंद गिरना)—दुसुल् (बूंदें टपकना)॥

### स्वयंवाची क्रिया

प्रत्यय रा/रि। आस्खा (to spill, गिरना)—आस्खारा (अपने आप गिर जाना)। एब्दे (टूटना)—एब्देरे (अपने आप टुकड़े हो जाना)॥

### सन्तत क्रिया

(१) प्रत्यय बाल्जा, गाल्जा। आनि (आंखें मींचना)—आनिबाल्जा (आंखें मूंदने खोलते रहना)। साना (सोचना)—सानागाल्जा (सोचते रहना)।

(२) प्रत्यय ल्जा/ल्जे गत्यर्थक क्रियाओं से लगता है। गाड़्घु, नायिगु (झूलना)—गाड़्घुल्जा, नायिगुल्जा (ऊपर नीचे झूलते जाना)॥

## चतुर्दश पाठ

### नाम-धातु

(१) प्रत्यय छिला/छिल । खोबेगुन् (पुत्र)—खोबेगुन्छिले (पुत्र बनाना) । बोगोल् (दास)—बोगोल्छिरा (दास बनाना) ।

(२) प्रत्यय द् । उर्ध (लम्बा)—उर्धद् (लम्बा होना) । ओर्गेन् (विशाल)—ओर्गेद् (विशाल होना) । बोगोनि (छोटा)—बोगोनिद् (छोटा होना) । सुला (दुर्बल)—सुलाद् (दुर्बल होना) ।

(३) प्रत्यय दा/दि । दागुन् (ध्वनि)—दागुदा (बुलाना) । बुउ (बन्दूक)—बुउदा (बन्दूक चलाना) । देगेर्मे (डाका)—देगेर्मेदे (डाका डालना) ।

(४) प्रत्यय जि । आमुर् (विश्राम, शान्ति)—आमुर्जि (शान्ति से रहना) । उरे (वशज)—उरेजि (बढ़ना) । बायान् (धनी)—बायाजि (धनी होना) ।

(५) प्रत्यय जिरा/जिरे । आङ्गि (अलग)—आङ्गिजिरा (अलग होना) । मागु (बुरा)—मागुजिरा (बुरा होना, बिगड़ना) । सायिन् (अच्छा)—सायिजिरा(अच्छा होना, सुधरना) ।

(६) प्रत्यय ला/ले । आल्थान् (सोना)—आल्थाला (सोना चढ़ाना) । उसुन् (पानी)—उसुला (पानी देना) । एमेगेल् (काठी)—एमेगेल्ले (काठी लगाना) । खुर्दुन् (शीघ्र)—खुर्दुला (शीघ्रता करना) । गेर् (घर)—गेर्ले (विवाह करना, घर बसाना) । शिबागुन् (पक्षी)—शिबागुला (पक्षियों का आखेट करना) ।

(७) प्रत्यय ना/ने ङकारान्त तथा मकारान्त धातुओं से लगता है । आङ (मृग)—आङना (मृगया करना) । एम् (औषध)—एम्ने (चिकित्सा करना) ।

(८) प्रत्यय रा/रे । उगेइ (निर्धन)—उगेइरे (निर्धन होना) । खोखे (नीला)—खोखेरे (नीला होना) । खोग्शिन् (बूढ़ा)—खोग्शिरे (बूढ़ा होना) ।

(९) रकारान्त धातुओं से ला/लि लगता है । शिरा (पीला)—शिराला (पीला होना) ।

(१०) र्खा/र्खे से पूर्व शब्द का अन्त्य न् लुप्त हो जाता है । एजेन् (स्वामी)—एजेर्खे (प्रभुत्व जमाना) । छिलेगेन् (रोग)—छिलेगेर्खे (रोगी होना) । बायान् (धनी)—बायार्खा (धन का अभिमान करना) ।

(११) प्रत्यय शि । आल्दार् (वैभव)—आल्दार्शि (वैभवशाली होना) । नुथुग् (देश)—नुथुग्शि (बस जाना) । सागुरि (आसन)—सागुरिशि (बैठे रहते जीवन व्यतीत करना) ।

(१२) प्रत्यय शिया/शिये । जोब् (ठीक)—जोब्शिये (सहमत होना) । सायिन् (अच्छा)—सायिशिया (अनुमोदन करना) । आल्दार् (कीर्त्ति)—आल्दार्शिया (कीर्त्ति करना) । मागु (बुरा)—मागुशिया (निन्दा करना) ।

(१३) प्रत्यय था/थे । खिर् (मैल)—खिर्थे (मैला होना) । गेम् (हानि)—गेम्थे (हानि होना) ।

(१४) प्रत्यय थु/यु । ओयिरा (समीप)—ओयिरायु (समीप जाना) ॥

## सर्वनाम धातु

एयिमु (ऐसा)—एयि (इस प्रकार आचरण करना) । थेयिमु (तैसा)—थेयि (तिस प्रकार आचरण करना) । यागुन् (क्या)—यागाखि, येखि, येयि (क्या करना) ॥

## विशेषण-धातु

(१) प्रत्यय छि । खेम्खे (खण्डश, टुकडे २)—खेम्खेछि (टुकडे २ करना) । थासु (अलग)—थासुछि (टुकडे २ करना) । सागु (परे, बाहर)—सागुछि (परे करना, बाहर निकाल लेना) ।

(२) प्रत्यय ल । खुगु (अलग)—खुगुर् (अलग २ करना, तोडना) । थासु—थासुल् (टुकडे २ करना) । सागु—सागुल् (परे करना, बाहर निकाल लेना) ।

(३) प्रत्यय रा/रे । खागा (अलग)—खागारा (फूट पडना) । थासु—थासुरा (अलग २ किया जाना) । सुगु—सुगुरा (बाहर गिरना) ॥

## शब्दानुकारी क्रिया

(१) प्रत्यय छिगिना/छिगिने । थार्—थार्छिगिना (थार् थार् करना) । शार्—शार्छिगिना (शार् २ करना) ।

(२) प्रत्यय गि । छुउ—छुउगि (ध्वनि करना) । शा—शागि (शा २ करना) ।

(३) प्रत्यय गिना/गिने । खाङ—खाङ्गिना (ध्वनि करना) । गिङ—गिङ्गिने (ध्वनि करना) ।

(४) प्रत्यय खिरा/खिरे । खास्—खास्खिरा (चिल्लाना) । बार्—बार्खिरा (गरजना) ॥

## क्रिया-विशेषण

(१) प्रत्यय आ/ए । यह प्राचीन सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय है । इलाङगुइ (विशेष)—इलाङगुइ आ (विशेष प्रकार से) । खाथागुइ (निर्दय)—खाथागुइ आ (निर्दयता से) । मागुइ (बुरा)—मागुइ आ (बुरे प्रकार से) ।

(२) प्रत्यय छार्/छेर् । बुसु (दूसरा)—बुसुछार् (अन्यथा, दूसरी प्रकार से) ।

(३) प्रत्यय दा/दे ।

## स्थानवाची क्रियाविशेषण

एन्दे (यहा)—एन्देछे (यहा से) । थेन्दे (वहा)—थेन्देछे (वहा से) । खोथाला (समान, साधारण)—खोथालादा (सर्वत्र) । देगें—देगेंदे (पास, पास मे) ॥

### समयवाची क्रियाविशेषण

उरि— उरिदा (पुरा, पूर्वकाल में)। उर्य (लम्बा)— उर्युदा (सदा, चिरकाल)। ओनि (प्राचीन)—ओनिदे (प्राचीन काल में)। रोजियुए (कब)—रोजियेदे (सदा)। नामुन् (आयु)—नासुदा (सदा)। मार्गादि—मार्गादा (कल)॥

### प्रकारवाची क्रियाविशेषण

बाधु (दृढ़)—बाधुदा (दृढ़तापूर्वक)। नुया (दृढ़)—नुयादा (दृढ़तापूर्वक)। गुउआ (सुन्दर)—गुउआदा (सुन्दरता से)। मागि (बहुत)—मागिदा (अधिकता से)॥

### स्थानवाची क्रियाविशेषण

(४) प्रत्यय गा/गे। *गादा—गादागा (बाहर)। *सामि—सामिगा (यहाँ)॥

### समयवाची क्रियाविशेषण

*एदु—एदुगे (अब)। *खेदि—खेदिगे (कब)॥

### विभिन्न क्रियाविशेषण

(५) प्रत्यय गार्/गेर्। खोथाला—खोथालागार् (सर्वत्र)। गाग्धा (अकेला)—गाग्धागार् (अकेला)। वुसु (दूसरा)—वुसुगार् (अन्यथा)। मानान् (प्रातः की धुंद)—मानागार् (श्वः, कल)। योमुन् (नियम)—योमुगार् (के अनुसार)॥

### स्थानवाची क्रियाविशेषण

(६) प्रत्यय ग्शि/ग्शि। *इना (इस ओर)—इनाग्शि (इस ओर)। *छिना (उस ओर)—छिनाग्शि (उस ओर)। *देगे (ऊपर)—देगेग्शि (ऊपर को, ऊपर)। *दोथो (अन्दर)—दोथोग्शि (अन्दर)। *दोगो (नीचे वाला, अधीन)—दोगोग्शि (नीचे)॥

### विभिन्न क्रियाविशेषण

(७) प्रत्यय गुर्/गुर्। यह प्रत्यय केवल आधुनिक भाषा मे काम आता है। खोयिगुर् (पीछे)। देगेगुर् (ऊपर)। दोगोगुर् (नीचे)। उर् (अरुणिमा)—उलुंगे (प्रातः)। उग्लुगे (प्रातः)—उग्लुगेगुर् (बहुत प्रात.)।

(८) प्रत्यय ना/ने। एछिने (गुप्त रूप से)। एमुने (सामने)—एमुने एछे (सामने से)। खोम्रिना

(पीछे)—खोयिना आछा (पीछे से)। गादाना (बाहर)—गादाना आछा (बाहर से)।

(९) रा/रि। देगेरे (ऊपर), दोओरा (नीचे), दोयोरा (अन्दर)।

(१०) प्रत्यय रु/रु। आसुरु (बहुत), इनारु (पहले), छिनारु (पीछे), येद्रु (तद्विरुद्ध)।

(११) प्रत्यय शि। खामिगा (कहां)—खामिगाशि (कहां को)। खोयिना (पीछे)—खोयिशि (पीछे को)। एयिन् (एवं)—एयिशि (इधर को)। थेयिन् (तिस प्रकार)—थेयिशि (उधर को)। मार्गादा—मार्गाशि (कल, श्वः)। मानागार्—मानागाशि (कल, श्वः)।

(१२) प्रत्यय था/थे। उगुगाथा (पूर्णतया), गेनेद्थे (एक साथ, सहसा, अचानक), जोरिगुथा (जान बूझ कर)।

(१३) शब्द के प्रथम अक्षर को दुहराकर व् लगाने से पूर्णता की अभिव्यक्ति की जाती है। आब् आलि (कोई भी, सब कोई), उब् उलागान् (सर्वथा लाल), खाब् खारा (सर्वथा काला), खाब् खाराद्गुई (सर्वथा अन्धेरा), खुब् खुरेन् (सर्वथा भूरा), खेब् खेजिये (सदा), खोब् खोखे (सर्वथा नीला), गेब् गेनेद्थे (सर्वथा अकस्मात्), छाब् छागान् (सर्वथा श्वेत), दुब् दुगुइ (सर्वथा चुपचाप), नोब् नोगुगान् (सर्वथा हरा), शिब् शिरा (सर्वथा पीला)॥

## अनुसंज्ञ

हिन्दी के समान मोगोल भाषा में भी अनुसंज्ञ हैं। ये संज्ञा के पीछे लगते हैं। यहां कुछ उदाहरण देते हैं। उछिर् (कारण)—उछिरा (के कारण से)। खुर्थेले (तक), थुला, थुलादा (के लिये), देगेरे (ऊपर), दोयोरा (अन्दर), बोल्थाला (तक)। शिल्यागान् (कारण)—शिल्यागावार (के कारण से)॥

॥ इति मोंगोल-भाषा-व्याकरणं समाप्तम्॥

# षष्टि-वार्षिक बृहस्पति-संवत्सर

भोट में इस संवत्सर का प्रारम्भ १०२७ से हुआ।

यहा दी हुई सारणी में २३ स्तम्भ हैं। प्रथम और सप्तम स्तम्भ मे वर्षांक हैं।

दूसरे स्तम्भ में पञ्चभूत (अग्नि, भू, अयस्, वारि, काष्ठ) तथा द्वादश प्राणियो (शश, नाग, सर्प, अश्व, मेष, प्लवग, कुक्कुट, श्वा, वराह, मूष, वृष, शार्दूल) के नामो को मिला कर वर्षों के नाम बनाए गए हैं। इन वर्षो के इसी प्रकार के चीनी तथा भोट नाम भी हैं। हमने यहा केवल मोगोल नाम दिये हैं। चीनी तथा भोट छोड दिये हैं। अग्नि, भू, अयस्, वारि तथा काष्ठ वाची मोगोल शब्दो के स्थान में कभी २ चीनी गा, यि, विङ्, दिङ्, उ का भी प्रयोग कर लेते हैं। दूसरे स्तम्भ वाले नामो का मोगोल साहित्य में पर्याप्त प्रयोग हुआ है। ये नाम पुल्लिंग माने जाते हैं।

तीसरे स्तम्भ में पञ्चवर्ण (रक्त, पीत, शुक्ल, कृष्ण, नील) तथा पूर्वोल्लिखित द्वादश प्राणियो (एक बार पुरूप में, दूसरी बार स्त्रीरूप में) के नामो को मिला कर वर्षों के नामो की दूसरी सूची है। रक्त, पीत, शुक्ल, कृष्ण तथा नील के स्थान में कभी २ चीनी गि, गिङ् गिन् शिम् तथा गुइ का भी प्रयोग होता है। तीसरे स्तम्भ वाले नामो का मोगोल साहित्य मे अधिक प्रयोग नही हुआ। इनमे से छ नाम "एरे" पुमान् हैं और छ "एमे" स्त्री हैं।

चौथे स्तम्भ मे बार्हस्पत्य सवत्सर के सस्कृत नामो का मोगोल अनुवाद है। यह अनुवाद भोट द्वारा किया गया। इनको मोगोल लोग रब्जुङ कहते हैं। रब्जुङ प्रथम वर्ष का भोट नाम है। कभी २ हस्तलेखो मे सस्कृत तथा भोट नामो का भी प्रयोग दिखाई पडता है। साथ मे मोगोलानुवाद नाम भी दे देते हैं। पाचवें स्तम्भ मे भोट नाम दिये हैं। ये सस्कृत के अनुवाद हैं। छठे स्तम्भ मे मोगोल और भोट के मूल सस्कृत नाम है। जहा सस्कृत, भोट और मोगोल मे कुछ अन्तर है वहा अभिवार मे जतला दिया गया है।

आठवे से २३वें स्तम्भ ईसवी वर्षों के है। १०२७ से आज तक १५ बृहस्पति सवत्सर बीत कर १६वा बृहस्पति-सवत्सर चालू है। आठवें स्तम्भ मे पहला बृहस्पति सवत्सर १०२७-१०८६ तक। नवें म दूसरा १०८७ से ११४६ तक इत्यादि। २३वें स्तम्भ में १६वा रब्जुङ १९२७ से १९८६ तक॥

| क्रमांक | भूत-प्रानि-निहित नाम | वर्ण-प्रानि निहित नाम | बार्हस्पत्य मोंगोल नाम | बार्हस्पत्य भोट नाम | बार्हस्पत्य संस्कृत नाम |
|---|---|---|---|---|---|
| १ | गाद् थाउगाद (अग्नि-नाग) | उलागाञ्छिन् थाउगाद (रक्ता नागी) | गायिपुर् गारग्मान्, गायिपुर् बोदुग्मान् | = रब.व्युङ | = प्र-भव |
| २ | शिरोद् लू (भू-नाग) | शिरा लू (पीत नाग) | थेयिन् गारग्मान् | = नंम. अव्युङ | = वि-भव |
| ३ | शिरोद् मोगाद (भू-सर्प) | शिराञ्छिन् मोगाद (पीता सर्पी) | छागान् | = दकर.पो | = शुक्ल |
| ४ | थेमुर् मोरिन् (अयो-अश्व) | छागान् मोरिन् (शुक्ल अश्व) | माशि सोग्यान्ति (=प्र-मद) | रब म्योस (=प्र-मद) | प्र-मोद |
| ५ | थेमुर् गोनिन् (अयो-मेष) | छागाञ्छिन् गोनिन् (शुक्ला मेषी) | धाराद् उन एजेन्, थोरोल्गियेन् उ एजेन् | = स्क्येस.दग | = प्रजा-पति |
| ६ | उसुन् बेछिन् (वारि-प्लवंग) | गारा बेछिन् (कृष्ण प्लवंग) | माग् बेयेयु (=कु-शरीर=कुबेर) | अङ.गि.र | = अङ्गिरस् |
| ७ | उसुन् थाग्यिया (वारि-कुक्कुट) | गाराञ्छिन् थाग्यिया (कृष्णा कुक्कुटी) | छोग् नियुर्तु | = दपल गदोङ | = श्री-मुख |
| ८ | मोदुन् नोगाद (काष्ठ-श्वा) | गुगे नोगाद (नील श्वा) | गोमे (=मङोन.पो=नील) | दङोस पो | = भाव |
| ९ | मोदुन् गागाद (काष्ठ-वराह) | गोगेञ्छिन् गागाद (नीला वराही) | इदेर् थेगुल्देर् | = न.छोद ल्दन | = युवन् |
| १० | गाद् खुलुगाना (अग्नि-मूष) | उलागान् खुलुगाना (रक्त मूष) | बारिग्छि (=धृत्वन्) | अजिन.ब्येद (=धृत्वन्) | धातृ |
| ११ | गाद् उग्वेर् (अग्नि-वृष) | उलाञ्छिन् उग्वेर् (रक्ता गौ) | एर्खेतु | = दबङ.फ्युग | = ईश्वर |
| १२ | शिरोद् बार्स् (भू-शार्दूल) | शिरा बार्स् (पीत शार्दूल) | ओलान् उरेयु | = अब्रु.मङ.पो | = बहु-धान्य |
| १३ | शिरोद् थाउलाइ (भू-शश) | शिराञ्छिन् थाउलाइ (पीता शशी) | सोग्यासु थेगुल्देर् (=प्र-मादिन्) | म्योस.ल्दन (=प्र-मादिन्) | प्र-माथिन् |
| १४ | थेमुर् लू (अयो नाग) | छागान् लू (शुक्ल नाग) | बागाथुर्, थेयिन् दारग्छि | = नंम.गनोन | = वि-क्रम |
| १५ | थेमुर् मोगाइ (अयः-सर्प) | छागाञ्छिन् मोगाइ (शुक्ला सर्पी) | सुरुग् उन् मङ्गल्इ (=यूथ-नायक) | ख्यु मछोग | = वृष |
| १६ | उसुन् मोरिन् (वारि-अश्व) | गारा मोरिन् (कृष्ण अश्व) | एरदेन् (=चित्र) | स्न.छोगस (=चित्र) | चित्र-भानु |
| १७ | उसुन् गोनिन् (वारि-मेष) | गाराञ्छिन् गोनिन् (कृष्णा मेषी) | नारान् (=भानु) | ञ्जि.म (=भानु) | सु-भानु |
| १८ | मोदुन् बेछिन् (काष्ठ-प्लवंग) | गोगे बेछिन् (नील प्लवंग) | नारान् गेयुल्गेग्छि (=भानु-तार) | ञ्जि.स्ग्रोल ब्येद (=भानु-तार) | तारण |
| १९ | मोदुन् थाग्यिया (काष्ठ-कुक्कुट) | गोगेञ्छिन् थाग्यिया (नीला कुक्कुटी) | गाजार् थेद्खुग्छि (=भू-पाल) | स.स्क्योङ (=भू-पाल) | पार्थिव |
| २० | गाल् नोग्गाइ (अग्नि-श्वा) | उलागान् नोग्गाइ (रक्त श्वा) | बाराशि उगेइ (=अव्यय) | मि.जद (=अव्यय) | व्यय |
| २१ | गाद् गागाद (अग्नि-वराह) | उलागाञ्छिन् गागाद (रक्ता वराही) | उलु बारागदासु, गामुग् इ नोमोगादुलाग्छि | = थमस.चद. अदुल | = सर्व-जित् |
| २२ | शिरोद् खुलुगाना (भू-मूष) | शिरा खुलुगाना (पीत मूष) | ग्वोथाला यि बारिग्छि | = कुन. अजिन | = सर्व-धारिन् |
| २३ | शिरोद् उग्वेर् (भू-वृष) | शिराञ्छिन् उग्वेर् (पीता गौ) | गार्शिलाल्चु | = अगल. ब | = विरोधिन् |
| २४ | थेमुर् बार्स् (अय-शार्दूल) | छागान् बार्स् (शुक्ल शार्दूल) | थेयिन् उर्वाग्छि | = नंम. अग्युर | = वि-कृत |

| वर्षांक | प्रथम संवत् | द्वितीय संवत् | तृतीय संवत् | चतुर्थ संवत् | पञ्चम संवत् | षष्ठ संवत् | सप्तम संवत् | अष्टम संवत् | नवम संवत् | दशम संवत् | एकादश संवत् | द्वादश संवत् | त्रयोदश संवत् | चतुर्दश संवत् | पञ्चदश संवत् | षोडश संवत् |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | १०२७ | १०८७ | ११४७ | १२०७ | १२६७ | १३२७ | १३८७ | १४४७ | १५०७ | १५६७ | १६२७ | १६८७ | १७४७ | १८०७ | १८६७ | १९२७ |
| २ | १०२८ | १०८८ | ११४८ | १२०८ | १२६८ | १३२८ | १३८८ | १४४८ | १५०८ | १५६८ | १६२८ | १६८८ | १७४८ | १८०८ | १८६८ | १९२८ |
| ३ | १०२९ | १०८९ | ११४९ | १२०९ | १२६९ | १३२९ | १३८९ | १४४९ | १५०९ | १५६९ | १६२९ | १६८९ | १७४९ | १८०९ | १८६९ | १९२९ |
| ४ | १०३० | १०९० | ११५० | १२१० | १२७० | १३३० | १३९० | १४५० | १५१० | १५७० | १६३० | १६९० | १७५० | १८१० | १८७० | १९३० |
| ५ | १०३१ | १०९१ | ११५१ | १२११ | १२७१ | १३३१ | १३९१ | १४५१ | १५११ | १५७१ | १६३१ | १६९१ | १७५१ | १८११ | १८७१ | १९३१ |
| ६ | १०३२ | १०९२ | ११५२ | १२१२ | १२७२ | १३३२ | १३९२ | १४५२ | १५१२ | १५७२ | १६३२ | १६९२ | १७५२ | १८१२ | १८७२ | १९३२ |
| ७ | १०३३ | १०९३ | ११५३ | १२१३ | १२७३ | १३३३ | १३९३ | १४५३ | १५१३ | १५७३ | १६३३ | १६९३ | १७५३ | १८१३ | १८७३ | १९३३ |
| ८ | १०३४ | १०९४ | ११५४ | १२१४ | १२७४ | १३३४ | १३९४ | १४५४ | १५१४ | १५७४ | १६३४ | १६९४ | १७५४ | १८१४ | १८७४ | १९३४ |
| ९ | १०३५ | १०९५ | ११५५ | १२१५ | १२७५ | १३३५ | १३९५ | १४५५ | १५१५ | १५७५ | १६३५ | १६९५ | १७५५ | १८१५ | १८७५ | १९३५ |
| १० | १०३६ | १०९६ | ११५६ | १२१६ | १२७६ | १३३६ | १३९६ | १४५६ | १५१६ | १५७६ | १६३६ | १६९६ | १७५६ | १८१६ | १८७६ | १९३६ |
| ११ | १०३७ | १०९७ | ११५७ | १२१७ | १२७७ | १३३७ | १३९७ | १४५७ | १५१७ | १५७७ | १६३७ | १६९७ | १७५७ | १८१७ | १८७७ | १९३७ |
| १२ | १०३८ | १०९८ | ११५८ | १२१८ | १२७८ | १३३८ | १३९८ | १४५८ | १५१८ | १५७८ | १६३८ | १६९८ | १७५८ | १८१८ | १८७८ | १९३८ |
| १३ | •१०३९ | १०९९ | ११५९ | १२१९ | १२७९ | १३३९ | १३९९ | १४५९ | १५१९ | १५७९ | १६३९ | १६९९ | १७५९ | १८१९ | १८७९ | १९३९ |
| १४ | १०४० | ११०० | ११६० | १२२० | १२८० | १३४० | १४०० | १४६० | १५२० | १५८० | १६४० | १७०० | १७६० | १८२० | १८८० | १९४० |
| १५ | १०४१ | ११०१ | ११६१ | १२२१ | १२८१ | १३४१ | १४०१ | १४६१ | १५२१ | १५८१ | १६४१ | १७०१ | १७६१ | १८२१ | १८८१ | १९४१ |
| १६ | १०४२ | ११०२ | ११६२ | १२२२ | १२८२ | १३४२ | १४०२ | १४६२ | १५२२ | १५८२ | १६४२ | १७०२ | १७६२ | १८२२ | १८८२ | १९४२ |
| १७ | १०४३ | ११०३ | ११६३ | १२२३ | १२८३ | १३४३ | १४०३ | १४६३ | १५२३ | १५८३ | १६४३ | १७०३ | १७६३ | १८२३ | १८८३ | १९४३ |
| १८ | १०४४ | ११०४ | ११६४ | १२२४ | १२८४ | १३४४ | १४०४ | १४६४ | १५२४ | १५८४ | १६४४ | १७०४ | १७६४ | १८२४ | १८८४ | १९४४ |
| १९ | १०४५ | ११०५ | ११६५ | १२२५ | १२८५ | १३४५ | १४०५ | १४६५ | १५२५ | १५८५ | १६४५ | १७०५ | १७६५ | १८२५ | १८८५ | १९४५ |
| २० | १०४६ | ११०६ | ११६६ | १२२६ | १२८६ | १३४६ | १४०६ | १४६६ | १५२६ | १५८६ | १६४६ | १७०६ | १७६६ | १८२६ | १८८६ | १९४६ |
| २१ | १०४७ | ११०७ | ११६७ | १२२७ | १२८७ | १३४७ | १४०७ | १४६७ | १५२७ | १५८७ | १६४७ | १७०७ | १७६७ | १८२७ | १८८७ | १९४७ |
| २२ | १०४८ | ११०८ | ११६८ | १२२८ | १२८८ | १३४८ | १४०८ | १४६८ | १५२८ | १५८८ | १६४८ | १७०८ | १७६८ | १८२८ | १८८८ | १९४८ |
| २३ | १०४९ | ११०९ | ११६९ | १२२९ | १२८९ | १३४९ | १४०९ | १४६९ | १५२९ | १५८९ | १६४९ | १७०९ | १७६९ | १८२९ | १८८९ | १९४९ |
| २४ | १०५० | १११० | ११७० | १२३० | १२९० | १३५० | १४१० | १४७० | १५३० | १५९० | १६५० | १७१० | १७७० | १८३० | १८९० | १९५० |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| २५ थेमुर् थाउलाइ (अयः-शश) | छागाग्छिन् थाउलाइ (शुक्ला शशी) | एल्जिगेन् | = बोड. बु | = खर |
| २६ उसुन् लू (वारि-नाग) | खारा लू (कृष्ण नाग) | वायास्खुलाङ | = दगअ.व | = नन्दन |
| २७ उसुन् मोगाइ (वारि-सर्प) | खाराग्छिन् मोगाइ (कृष्णा सर्पी) | थेयिन् इलागुग्छि, थेयिन् इलागुसान् | = नंम ग्यल | = वि-जय |
| २८ मोदुन् मोरिन् (काष्ठ-अश्व) | खोखे मोरिन् (नील अश्व) | इलागुसान् | = ग्यल.व | = जय |
| २९ मोदुन् खोनिन् (काष्ठ-मेष) | खोखेग्छिन् खोनिन् (नीला मेषी) | गाल्जागुरागुलुग्छि | = म्योस.ब्येद | = मन्मथ |
| ३० गाल् बेछिन् (अग्नि-प्लवंग) | उलागान् बेछिन् (रक्त प्लवग) | मागु निगुर्यु | = गदोङ डन. | = दुर्-मुख |
| ३१ गाल् थाखिया (अग्नि कुक्कुट) | उलाग्छिन् थाखिया (रक्ता कुक्कुटी) | आल्थान् शाजिल्गाखु | = गसेर अपयङ | = हेम-लम्ब |
| ३२ शिरोइ नोखाइ (भू श्वा) | शिरा नोखाइ (पीत श्वा) | थेयिन् उजिग्गाखु | = नंम अपयङ | = वि-लम्ब |
| ३३ शिरोइ गाखाइ (भू-वराह) | शिराग्छिन् गाखाइ (पीता वराही) | उर्वागुलुग्छि | = स्युर ब्येद | = वि-कारिन् |
| ३४ थेमुर् खुलुगाना (अयो-मूष) | छागान् खुलुगाना (शुक्ल मूष) | खोयाला थेगुम् (=सर्वपूर्ण, सर्विन्) | कुन ल्दन (=सर्विन्) | शर्वरिन् |
| ३५ थेमुर् उखेर् (अयो-वृष) | छागाग्छिन् उखेर् (शुक्ला गौ) | छोगेवुरि | = अफर व | = प्लव |
| ३६ उसुन् बार्स् (वारि-शार्दूल) | खारा बार्स् (कृष्ण शार्दूल) | वुयान् उइलेदुग्छि, साइजिरागुलुग्छि | = दगे ब्येद | = शुभ-कृत् |
| ३७ उसुन् थाउलाइ (वारि-शश) | खाराग्छिन् थाउलाइ (कृष्णा शशी) | उजेस्खुलेङ बोल्गाग्छि | = मजेस ब्येद | = शोभन् |
| ३८ मोदुन् लू (काष्ठ-नाग) | खोखे लू (नील नाग) | खिलिङ येइ, खिलिङथु एखे, एमे (=क्रोधिनी) | खो मो (=क्रोधिनी) | क्रोधिन् |
| ३९ मोदुन् मोगाइ (काष्ठ-सर्प) | खोखेग्छिन् मोगाइ (नीला सर्पी) | एल्देव् एर्देनिथु | = स्न.छोगस दब्यिग | = विश्वा-वसु |
| ४० गाल् मोरिन् (अग्नि-अश्व) | उलागान् मोरिन् (रक्त अश्व) | मुर् इयेर् दारुग्छि | = ज़िल.गनोन | = परा-भव |
| ४१ गाल् खोनिन् (अग्नि-मेष) | उलाग्छिन् खोनिन् (रक्ता मेषी) | बेछिन् | = स्प्रेअु | = प्लवग |
| ४२ शिरोइ बेछिन् (भू-प्लवग) | शिरा बेछिन् (पीत प्लवंग) | गादामुन् | = फुर बु | = कीलक |
| ४३ शिरोइ थाखिया (भू-कुक्कुट) | शिराग्छिन् थाखिया (पीता कुक्कुटी) | ? | जि व | = सौम्य |
| ४४ थेमुर् नोखाइ (अयः-श्वा) | छागान् नोखाइ (शुक्ल श्वा) | येरुदे | = थुन मोङ | = साधारण |
| ४५ थेमुर् गाखाइ (अयो-वराह) | छागाग्छिन् गाखाइ (शुक्ला वराही) | आङ्गिजिराग्छि, खार्शिलाग्छि | = अग्यल.ब्येद | विरोध-कृत् |
| ४६ उसुन् खुलुगाना (वारि-मूष) | खारा खुलुगाना (कृष्ण मूष) | उगुगाथा वारिग्छि, बुगुन् इ वारिग्छि (=परि-धारिन्) | योङस.अजिन (=परि-धारिन्) | परि-धाविन् |
| ४७ उसुन् उखेर् (वारि-वृष) | खाराग्छिन् उखेर् (कृष्णा गौ) | सेरेम्जि उगेइ | = वग मेद | = प्र-मादिन् |
| ४८ मोदुन् बार्स् (काष्ठ-शार्दूल) | खोखे बार्स् (नील शार्दूल) | खोयाला वायास्खुलाङ | = कुन.दगअ | = आ-नन्द |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २५ | १०५१ | ११११ | ११७१ | १२३१ | १२९१ | १३५१ | १४११ | १४७१ | १५३१ | १५९१ | १६५१ | १७११ | १७७१ | १८३१ | १८९१ | १९५१ |
| २६ | १०५२ | १११२ | ११७२ | १२३२ | १२९२ | १३५२ | १४१२ | १४७२ | १५३२ | १५९२ | १६५२ | १७१२ | १७७२ | १८३२ | १८९२ | १९५२ |
| २७ | १०५३ | १११३ | ११७३ | १२३३ | १२९३ | १३५३ | १४१३ | १४७३ | १५३३ | १५९३ | १६५३ | १७१३ | १७७३ | १८३३ | १८९३ | १९५३ |
| २८ | १०५४ | १११४ | ११७४ | १२३४ | १२९४ | १३५४ | १४१४ | १४७४ | १५३४ | १५९४ | १६५४ | १७१४ | १७७४ | १८३४ | १८९४ | १९५४ |
| २९ | १०५५ | १११५ | ११७५ | १२३५ | १२९५ | १३५५ | १४१५ | १४७५ | १५३५ | १५९५ | १६५५ | १७१५ | १७७५ | १८३५ | १८९५ | १९५५ |
| ३० | १०५६ | १११६ | ११७६ | १२३६ | १२९६ | १३५६ | १४१६ | १४७६ | १५३६ | १५९६ | १६५६ | १७१६ | १७७६ | १८३६ | १८९६ | १९५६ |
| ३१ | १०५७ | १११७ | ११७७ | १२३७ | १२९७ | १३५७ | १४१७ | १४७७ | १५३७ | १५९७ | १६५७ | १७१७ | १७७७ | १८३७ | १८९७ | १९५७ |
| ३२ | १०५८ | १११८ | ११७८ | १२३८ | १२९८ | १३५८ | १४१८ | १४७८ | १५३८ | १५९८ | १६५८ | १७१८ | १७७८ | १८३८ | १८९८ | १९५८ |
| ३३ | १०५९ | १११९ | ११७९ | १२३९ | १२९९ | १३५९ | १४१९ | १४७९ | १५३९ | १५९९ | १६५९ | १७१९ | १७७९ | १८३९ | १८९९ | १९५९ |
| ३४ | १०६० | ११२० | ११८० | १२४० | १३०० | १३६० | १४२० | १४८० | १५४० | १६०० | १६६० | १७२० | १७८० | १८४० | १९०० | १९६० |
| ३५ | १०६१ | ११२१ | ११८१ | १२४१ | १३०१ | १३६१ | १४२१ | १४८१ | १५४१ | १६०१ | १६६१ | १७२१ | १७८१ | १८४१ | १९०१ | १९६१ |
| ३६ | १०६२ | ११२२ | ११८२ | १२४२ | १३०२ | १३६२ | १४२२ | १४८२ | १५४२ | १६०२ | १६६२ | १७२२ | १७८२ | १८४२ | १९०२ | १९६२ |
| ३७ | १०६३ | ११२३ | ११८३ | १२४३ | १३०३ | १३६३ | १४२३ | १४८३ | १५४३ | १६०३ | १६६३ | १७२३ | १७८३ | १८४३ | १९०३ | १९६३ |
| ३८ | १०६४ | ११२४ | ११८४ | १२४४ | १३०४ | १३६४ | १४२४ | १४८४ | १५४४ | १६०४ | १६६४ | १७२४ | १७८४ | १८४४ | १९०४ | १९६४ |
| ३९ | १०६५ | ११२५ | ११८५ | १२४५ | १३०५ | १३६५ | १४२५ | १४८५ | १५४५ | १६०५ | १६६५ | १७२५ | १७८५ | १८४५ | १९०५ | १९६५ |
| ४० | १०६६ | ११२६ | ११८६ | १२४६ | १३०६ | १३६६ | १४२६ | १४८६ | १५४६ | १६०६ | १६६६ | १७२६ | १७८६ | १८४६ | १९०६ | १९६६ |
| ४१ | १०६७ | ११२७ | ११८७ | १२४७ | १३०७ | १३६७ | १४२७ | १४८७ | १५४७ | १६०७ | १६६७ | १७२७ | १७८७ | १८४७ | १९०७ | १९६७ |
| ४२ | १०६८ | ११२८ | ११८८ | १२४८ | १३०८ | १३६८ | १४२८ | १४८८ | १५४८ | १६०८ | १६६८ | १७२८ | १७८८ | १८४८ | १९०८ | १९६८ |
| ४३ | १०६९ | ११२९ | ११८९ | १२४९ | १३०९ | १३६९ | १४२९ | १४८९ | १५४९ | १६०९ | १६६९ | १७२९ | १७८९ | १८४९ | १९०९ | १९६९ |
| ४४ | १०७० | ११३० | ११९० | १२५० | १३१० | १३७० | १४३० | १४९० | १५५० | १६१० | १६७० | १७३० | १७९० | १८५० | १९१० | १९७० |
| ४५ | १०७१ | ११३१ | ११९१ | १२५१ | १३११ | १३७१ | १४३१ | १४९१ | १५५१ | १६११ | १६७१ | १७३१ | १७९१ | १८५१ | १९११ | १९७१ |
| ४६ | १०७२ | ११३२ | ११९२ | १२५२ | १३१२ | १३७२ | १४३२ | १४९२ | १५५२ | १६१२ | १६७२ | १७३२ | १७९२ | १८५२ | १९१२ | १९७२ |
| ४७ | १०७३ | ११३३ | ११९३ | १२५३ | १३१३ | १३७३ | १४३३ | १४९३ | १५५३ | १६१३ | १६७३ | १७३३ | १७९३ | १८५३ | १९१३ | १९७३ |
| ४८ | १०७४ | ११३४ | ११९४ | १२५४ | १३१४ | १३७४ | १४३४ | १४९४ | १५५४ | १६१४ | १६७४ | १७३४ | १७९४ | १८५४ | १९१४ | १९७४ |

४९ मोदुर् याऽन्गाइ (काष्ठ नाग) — ग्योगेग्छिन् याउन्गाइ (नीला शशी)
५० गार् लू (अग्नि-नाग) — उनागान् लू (रक्त नाग)
५१ गार् मोगाइ (अग्नि-सर्प) — उनाग्छिन् मोगाइ (रक्ता सर्पी)
५२ निरोइ मोरिन् (भू अश्व) — शिरा मोरिन् (पीत अश्व)
५३ निरोइ गोनिन् (भू-मेष) — शिराग्छिन् ग्योनिन् (पीता मेषी)
५४ थेमुर् बछिर (अय-प्लवग) — छागान् बेछिर् (शुक्ल प्लवग)
५५ थेमुर् पागिया (अय-कुक्कुट) — छागाग्छिन् थाकिया (शुक्ला कुक्कुटी)
५६ उसुन् नोगाइ (वारि-श्वा) — खारा नोखाइ (कृष्ण श्वा)
५७ उसुर् गागाइ (वारि-वराह) — खाराग्छिन् गाखाइ (कृष्णा वराही)
५८ मोदुर् गुलुगाना (काष्ठ-मूष) — ग्योखे गुलुगाना (नील मूष)
५९ मोदुन् उखेर् (काष्ठ-वृष) — ग्योखेग्छिन उखेर् (नीला गौ)
६० गार् बार्स् (अग्नि-शार्दूल) — उलागान् बार्स् (रक्त शार्दूल)

| | | | |
|---|---|---|---|
| माद्गुस् | = सिन बु | | = राक्षस |
| गाल् | = मे | | = अनल |
| उलाविर् शिराघु (=आरक्त-पीत) | = दमर सेर चन | | = पिंगल |
| छाग् उन् आरुदासुन्, छाग् उन् एल्छि (=काल दूत) | दुस क्यि फो ञ (=काल दूत) | | काल-युक्त |
| घुसा बुयुग्सेन्, बुथुगेग्छि | = दोन ग्रुब | | = सिद्धार्थिन् |
| दाग्शिन् | = द्रग पो | | = रौद्र |
| ? | ब्लो ङन | | = दुर मति |
| येखे खेगुर्गे, येखे खेङगेर्गे | = ङ छेन | | = दुन्दुभि |
| छिमुन् बोगेरि जग्छि | = ख्राग स्क्युग | | = रुधिर उद्गारिन् |
| उलागान् निदुथु | = मिग दमर | | = रक्ताक्ष |
| ग्विलिङथु | = ख्रो वो | | = क्रोधन |
| वाराग्दाखु | = जद प | | = क्षय |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४९ | १०७५ | ११३५ | ११९५ | १२५५ | १३१५ | १३७५ | १४३५ | १४९५ | १५५५ | १६१५ | १६७५ | १७३५ | १७९५ | १८५५ | १९१५ | १९७५ |
| ५० | १०७६ | ११३६ | ११९६ | १२५६ | १३१६ | १३७६ | १४३६ | १४९६ | १५५६ | १६१६ | १६७६ | १७३६ | १७९६ | १८५६ | १९१६ | १९७६ |
| ५१ | १०७७ | ११३७ | ११९७ | १२५७ | १३१७ | १३७७ | १४३७ | १४९७ | १५५७ | १६१७ | १६७७ | १७३७ | १७९७ | १८५७ | १९१७ | १९७७ |
| ५२ | १०७८ | ११३८ | ११९८ | १२५८ | १३१८ | १३७८ | १४३८ | १४९८ | १५५८ | १६१८ | १६७८ | १७३८ | १७९८ | १८५८ | १९१८ | १९७८ |
| ५३ | १०७९ | ११३९ | ११९९ | १२५९ | १३१९ | १३७९ | १४३९ | १४९९ | १५५९ | १६१९ | १६७९ | १७३९ | १७९९ | १८५९ | १९१९ | १९७९ |
| ५४ | १०८० | ११४० | १२०० | १२६० | १३२० | १३८० | १४४० | १५०० | १५६० | १६२० | १६८० | १७४० | १८०० | १८६० | १९२० | १९८० |
| ५५ | १०८१ | ११४१ | १२०१ | १२६१ | १३२१ | १३८१ | १४४१ | १५०१ | १५६१ | १६२१ | १६८१ | १७४१ | १८०१ | १८६१ | १९२१ | १९८१ |
| ५६ | १०८२ | ११४२ | १२०२ | १२६२ | १३२२ | १३८२ | १४४२ | १५०२ | १५६२ | १६२२ | १६८२ | १७४२ | १८०२ | १८६२ | १९२२ | १९८२ |
| ५७ | १०८३ | ११४३ | १२०३ | १२६३ | १३२३ | १३८३ | १४४३ | १५०३ | १५६३ | १६२३ | १६८३ | १७४३ | १८०३ | १८६३ | १९२३ | १९८३ |
| ५८ | १०८४ | ११४४ | १२०४ | १२६४ | १३२४ | १३८४ | १४४४ | १५०४ | १५६४ | १६२४ | १६८४ | १७४४ | १८०४ | १८६४ | १९२४ | १९८४ |
| ५९ | १०८५ | ११४५ | १२०५ | १२६५ | १३२५ | १३८५ | १४४५ | १५०५ | १५६५ | १६२५ | १६८५ | १७४५ | १८०५ | १८६५ | १९२५ | १९८५ |
| ६० | १०८६ | ११४६ | १२०६ | १२६६ | १३२६ | १३८६ | १४४६ | १५०६ | १५६६ | १६२६ | १६८६ | १७४६ | १८०६ | १८६६ | १९२६ | १९८६ |

षष्टि-वार्षिक बृहस्पति-संवत्सर के संस्कृत, भोट तथा मोंगोल नामों के अतिरिक्त चीनी सम्राटों *के शासन वर्षों (न्येन्-हाओ) के अनुसार भी तिथियां दी जाती हैं। चीन के मन्जु (Manchurian)* सम्राट् तो मोंगोल जाति के ही थे। उनको मोंगोल अपना ही उत्तराधिकारी मानते थे। चीनी सम्राटों के चीनी और मोंगोल नाम नीचे देते हैं—

| | | |
|---|---|---|
| नुर्हाछि | थेङ्ग् यिन् सुल्देयु | १६०६-१५ |
| | *थेङ्ग् देछे जियागायु* | १६१६-२६ |
| आबाखाइ | सेछेन् खान् | १६२७-३५ |
| | देगेदु एर्देम्यु | १६३६-४३ |
| शुन्-छि | एयेबेर् जासाग्छि | १६४४-६१ |
| ग्वाङ-शि | एङ्खे आमुगुलाङ | १६६२-१७२२ |
| युङ-छङ | नाइराल्थु थोब् | १७२३-३५ |
| छ्येन्-लुङ | थेङ्ग् यिन् थेद्गुसेन् | १७३६-९५ |
| छ्या-छिङ | साइशियाल्थु इरुगेल्यु | १७९६-१८२० |
| ताओ-क्वाङ | थोरो गेरेल्यु | १८२१-५० |
| श्येन्-फङ | थुगेमेल् एल्बेग्यु | १८५१-६१ |
| थुङ-छि | बुरिन्यु जासाग्छि | १८६२-७४ |
| क्वाङ-शु | *बादारागुल्थु थोरो* | १८७५-१९०८ |
| श्वेन्-थुङ | खेव्यु योसुन् | १९०९-११ |
| (उर्गा का शासन) | ओलान् आ एर्गुग्देग्सेन् | १९११-२४ |
| मिन्-कुओ | इर्गेन् उलुस्, दुम्दायु आराद् | १९१२- |
| य्वान् शि खाइ | युखे येम्देग्लेल्यु | १९१५-१६ |
| वाङ ते | एङ्खे एर्देम्यु | १९३४-४५ |


टीला
सिहासन
पुतलिमा
राजा भोज
राजा विक्रमादित्य

विर्कमिजिद् खागान् उ नाम्थार् इ
आराजि बोजि खागान् दुर्
मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन्
उलिगेर् उद् ओरुशिबाइ

ᠪᠢᠺᠷᠠᠮᠢᠵᠢᠳ ᠬᠠᠭᠠᠨ ᠤ ᠨᠠᠮᠲᠠᠷ ᠢ
ᠠᠷᠠᠵᠢ ᠪᠣᠵᠢ ᠬᠠᠭᠠᠨ ᠳᠤᠷ
ᠮᠣᠳᠤᠨ ᠬᠦᠮᠦᠨ ᠦ ᠦᠭᠦᠯᠡᠭᠰᠡᠨ
ᠦᠯᠢᠭᠡᠷ ᠦᠳ ᠣᠷᠣᠰᠢᠪᠠᠢ ᠃

राजा विक्रमादित्य का चरित
जो
राजा भोज को
काष्ठपुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया

[illegible] ᡩᡝ [illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ ᠪᡳᡥᡝᠪᡳ ᠉

[illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ ᠪᡝ [illegible] ᠪᡝ [illegible] ᡩᡝ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᡩᡝ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᡩᡝ [illegible] ᠉ ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᠉ ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible]

[illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible] ᠉ [illegible] ᠉ [illegible] ᠨᡳᠶᠠᠯᠮᠠ [illegible]

एर्थे उरिदु एनेंद्खेग् उन् ओरोन् दुर् आराजि बोजि नेरे थु निगेन् येखे खागान् बुलुगे। थेरे खागान् उ खोरियान् उ उलुस् उन् खेउखेद्। थुगुल् खारिगुलुन् नागाद्खुइ दागान्। निगेन् दोबुछाग् थोलुगाइ देगेरे गार्छु बुगुदेगेर् उरुल्दुजु। आलि गारुसान् आनु। मोन् खु थेरे एदुर् ए खागान् बोलुन् सागुगाद्। बुसु खेउखेद् आनु। सायिद्। थुशिमेद्। खिया नार् बोलुन् बायिखु बुलुगे। थेरे खागान् बोलुन् नागाद्दुग़िछ खेउखेद् उन् देगेंदे खुमुन् उजेरे इरेबेसु बेर्। मोगुंसु बा। सोगुद्खु खिगेद्। योसुछिलान् खुन्दुलेखु योसुगार् आयुन् एमियेन् खेलेन् उलु छिदाखु आजुगु। थेरे खेउखेन् उ सुर् सुल्दे येखे यिन् थुला। खागान् लुगा ' निगेन् आदालि बुलुगे। थेयिमु याबुदाल् इ इनु। उछाराजु उजेग्सेन् खुमुन्। थेरे उलुस् इ इल्याग़िछ। आराजि बोजि खागान् दुर् आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् खेलेबेइ। निगेन् खोबेगुन् एदुर् बुरि खागान् बोल्जु सागुखुला। थेगुन् इ बोदिसदुअ खेमेये। ओलान् खेउखेद् बुरि यि आलि छोग् जालि थाइ आनु खागान् बोल्खुइ यि उजेबेसु। मोन् खु थेरे दोबुछाग् थोलुगाइ यिन् शिल्यागान् बुइ जा खेमेबे। थेयिन् आथाला। थेरे येखे खागान् उ निगेन् आल्बायु

एर्थे उरिदु–प्राचीन काल में

एनेंद्खेग्–भारत

उन्–के

ओरोन्–देश

दुर्–में

आराजि–राजा

बोजि–भोज

नेरे थु–नाम वाला (नेरे–नाम)

निगेन्–एक

येखे–महान्

खागान्–राजा

बुलुगे–था

थेरे–उस

खागान् उ–राजा की

खोरियान् उ–राजसभा के

उलुस् उन्–जनो के

खेउखेद्–बच्चे (बहुवचन)

थुगुल्–बछड़े

खारिगुलुन्–चराते हुए

नागाद्खुइ दागान्–खेल के अनुसार

दोबुछाग्–छोटे से

थोलुगाइ–टीले

देगेरे–पर

गार्छु–(सर्व प्रथम) पहुंचने (के लिये)

बुगुदेगेर्–सब के सब

उरुल्दुजु–(सर्व प्रथम) दौड़ कर
(अर्थात् दौड़ते थे)

आलि–जो

गारुसान्–पहुंचता, आगे निकलता

आनु–उनमें से

मोन् खु–वह ही

थेरे एदुरे–उस दिन में

बोलुन्–बन, बनकर

सागुगाद्–बैठकर, बैठ जाता, बैठता

वुसु–अन्य
साथिद्–सामन्त (बहुवचन)
थुशिमेद्–मंत्री (बहुवचन)
खिया नार्–अंगरक्षक-गण
वोलुन् बायिखु बुलुगं–बन जाते थे
थेरे–उन
नागाद्‌दुग्छि–खेलने वाला
देगेंदे–पास
खुमुन्–पुरुष
उजेरे–मिलने के लिये
इरेवेसु वेर्–जब आने
मोर्गुखु–प्रणाम करते
वा–और
सोगुद्‌खु–घुटनो के बल बैठते
खिगेद्–और
योसुछिलान्–विधिपूर्वक
खुन्दुलेखु–आदर करते
योसुगार्–तदनुसार
आयुन् एमियेन्–भयभीत होकर
खेलेन्–बोल
उलु–न
छिदाखु–सकते
आजुगु–थे
थेरे–उस
खेउखेन् उ–बच्चे का
सुर्–तेज
सुल्दे–ओज "spiritual strength and power which is believed to be left behind by ancestors"—Boberg

येखे यिन्–अधिक (होने) के
थुला–कारण
खागान् लुगा–राजा के
निगेन् आदालि–एकसमान, एकरूप
थेयिमु–ऐसे
यावुदाल् इ–चरित को
इनु–उसके
उछाराजु–मिल कर
उजेग्सेन्–देखे हुए
खुमुन्–पुरुषो ने
उलुस् इ–देश के (इ–को)
इल्गाग्छि–शासक (शासन करने वाले)
खागान् दुर्–राजा के पास
आयिलाद्‌खाग्सान् दुर्–प्रतिवेदन करने पर
खेलेवेइ–बोला
खोवेगुन्–लडका
एदुर् बुरि–प्रति दिन
बोल्जु–होकर
सागुखुला–यदि बैठे तो
थेगुन् इ–उसको
बोधिसदुअ–बोधिसत्त्व
ओलान्–बहुत
बुरि यि–प्रत्येक को
आलि–जो
छोग्–थी
जालि थाइ–माया युक्त (थाइ–युक्त)
बोल्खुइ यि–बनने को
उजेवेसु–यदि देखें
मोन् खु–उसी

थोलुगाइ यिन्–टीले का
शिल्थागान्–परिणाम
वुइ जा–निश्चित है, हैं ही
खेमेवे–कहा, इति
येयिन् आयाला–ऐसा होने तक अर्थात् इस समय
आल्बायु–प्रजाजन

प्राचीन काल में भारत देश में राजा भोज नाम वाले एक महान् राजा थे। उस राजा की सभा के जनों के बच्चे बछड़े चराते हुए खेल के अनुसार एक छोटे से टीले पर सर्वप्रथम पहुंचने के लिये सब के सब दौड़ लगाते। उनमें से जो आगे निकलता, वह ही उस दिन राजा बन बैठता। अन्य बच्चे सामन्त, मन्त्री और अंगरक्षक बन जाते थे। उन राजा बन कर खेलने वाले बच्चों के पास जब कोइ मिलने आते तो प्रणाम करते, घुटने टेकते, विधिपूर्वक आदर करते और तदनुसार भयभीत होकर बोल न सकते थे। उस बालक के तेज और ओज के अधिक होने के कारण वह राजा के एकसमान हो जाता। उसके ऐसे चरित को आंखों से देखने वाले लोगो ने, उस देश के शासक राजा भोज से (प्रतिवेदन किया)। प्रतिवेदन करने पर राजा बोले–यदि एक ही लड़का प्रतिदिन राजा बन बैठता तो मैं उसको बोधिसत्त्व कहता। परन्तु जब उन बच्चों में से प्रत्येक को ही श्री और माया युक्त बना देखता हूं तो निश्चित (यह) उसी छोटे से टीले का परिणाम है। इति।

उस समय उस महान् राजा के एक प्रजाजन ने

[illegible]

दालाइ दुर् एर्देनि आवुरा ओद्दुग्सान् वुलुगे । निगेन् थानिखु खुमुन् ओरोजु इरेखुइ दुर् । निगेन् एर्देनि यि मिनु गेर् थु एमे खेउखेद् थुर् ओग् खेमेन् ओग्छु इलेगेवे । थेरे खुमुन् इरेगेद् एमे उरे दु आनु ओगुग्सेन् उगेइ । ओबेर् इयेन् खुदाल्दाजु इदेग्सेन् आजुगु । एर्देनि आवुरा ओदुग्सान् खुमुन् इरेगेद् । एमे एछे गेन् । योग नेरे थु खुमुन् इयेर् एर्देनि इलेगेग्सेन् वुलुगे । ओग्वेउ खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । एमे इनु ओगुग्सेन् उगेइ खेमेग्सेन् उ थुला । एर्देनि इलेगेग्सेन् इयेन् एमे खेउखेद् थेगेन् एसे ओगुग्सेन् उ उछिर् इ खागान् दागान् आयिलाद्खाबासु ।-योग नेरे थु खुमुन् इ दागुदागुल्वाइ । थेरे खुमुन् ओबेर् उन् वुरुगु उछिर् इयान् मेदेगेद् । खोयार् येखे थुशिमेल् दुर् खेगेलि ओग्छु । था खोयार् उन् एमुनें थुशियाजु थेरे एर्देनि यि ओग्गुले खेमेन् जोव्लेगेद् इरेग्सेन् दुर् । खागान् योग नेरे थु खुमुन् एछे । एने खुमुन् उ एर्देनि यि एमे उरे दुर् आनु ओग्वेउ छि खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । थेरे खोयार् थुशिमेल् उन् एमुने ओगुले खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोयार् थुशिमेल् एछे आसागुबासु । योग थिन् उगे आदालि उगुलेग्सेन् इ इनु उनेन् बोल्गान् शिगुगेद् खारिगुल्वा । दोर्वेगुले खाम्यु बुछाजु इरेथेले । थेरे एदुर् उन् खागान् बोल्जु

दालाइ दुर्–समुद्र में
एर्देनि–रत्न
आवुरा–लेने के लिये
ओद्दुग्सान् वुलुगे–गया हुआ था
थानिखु–परिचित
ओरोजु इरेखुइ दुर्–लौट आने वाले को
एर्देनि यि–रत्न को
मिनु–मेरे
गेर् थु–घर वाले
एमे–स्त्री
खेउखेद् थुर्–बच्चो को
ओग्–दे देना
खेमेन्–इति
ओग्छु–देकर
इलेगेवे–भेजा (दूत के रूप में भेजा)
इरेगेद्–आ कर
उरे दु–बच्चो को
ओगुग्सेन्–दिये
उगेइ–बिना
ओबेर् इयेन्–स्वयं
खुदाल्दुजु–बेच कर
इदेग्सेन् आजुगु–खा गया
एमे एछे गेन्–अपनी (गेन्) स्त्री (एमे) से (एछे)
खुमुन् इयेर्–पुरुष द्वारा
इलेगेग्सेन् वुलुगे–भेजा था
ओग्वेउ–दिया गया (उ)
आसागुग्सान् दुर्–पूछने पर
इनु–उसकी
खेमेग्सेन् उ थुला–कहे हुए के कारण
एर्देनि इलेगेग्सेन् इयेन्–अपने (इयेन्) भेजे हुए (इलेगेग्सेन्) रत्न को

एमे खेउ्खेद् थेगेन्–अपने (थेगेन्) स्त्री बच्चों को
एसे ओग्गुसेन् उ उछिर् इ–न (एसे) दिए हुए के कारण (उछिर्) को
खागान् दागान्–अपने (दागान्) राजा को
आयिलाद्खावासु–जब प्रतिवेदन किया
दागुदागुल्वाइ–बुलवाया
ओबेर् उन्–अपनी
बुरगु–अपराध
उछिर् इयान्–स्थिति (उछिर्) को
मेदेगेद्–जान कर
खोयार्–दो
येसे थुशिमेल् दुर्–बड़े मन्त्रियों को
खेगेलि–घूस
ओग्छु–दे कर
था खोयार् उन एमुने–आप (था) दोनो (खोयार्) के सामने (एमुने)
थुशियाजु–सौंप कर
ओग्गुले–दिया
जोल्लेगेद्–षड्यन्त्र रचकर

इरेग्सेन् दुर्–आने पर
एने–इस
एमे उरे दुर्–स्त्री बच्चो को
छि–तुमने
खेमेन् आसागुसान् दुर्–यह (खेमेन्) पूछने पर
खेमेग्सेन् दुर्–कहने पर
आसागुबासु–जब पूछा
उगे–वचन, शब्द
उगुलेग्सेन् इ–कहे हुए को
उनेन्–सत्य
बोल्गान्–बना
शिगुगेद्–निर्णय कर
खारिगुल्वा–लौटा दिया
दोर्वेगुले–चारों
खाम्थु–साथ
बुछाजु–लौट कर
इरेथेले–आने तक
खागान् बोल्जु–राजा बन कर

जो समुद्र में से रत्न लेने गया हुआ था, एक परिचित पुरुष को, जो लौट कर आने वाला था, कहा–इस रत्न को मेरे घर में स्त्री बच्चों को दे देना। और रत्न देकर उसको भेज दिया। उस पुरुष ने आकर उसके स्त्री बच्चो को रत्न न दिया। स्वय बेच कर खा गया। रत्न लेने गये हुए पुरुष ने आकर अपनी स्त्री से पूछा–मैंने योग नाम वाले व्यक्ति द्वारा रत्न भेजा था, उसने दिया है क्या। यह पूछने पर उसकी पत्नी ने कहा–दिया नहीं। ऐसा कहने के कारण–(मैंने) रत्न भेजा (और वह) स्त्री बच्चो को नहीं दिया गया–यह बात जब अपने राजा से कही, (राजा) ने योग नाम वाले व्यक्ति को बुलवाया। वह पुरुष अपनी अपराध-स्थिति को जानता था। (उसने) दो बड़े मन्त्रियो को घूस दी (और) "आप दोनो के सम्मुख यह रत्न सौंप कर दिया है," यह षड्यन्त्र रचकर आ गया। राजा ने योग नाम वाले पुरुष से पूछा–क्या इस व्यक्ति के रत्न को तुमने इसके स्त्री बच्चो को दिया (अथवा

नही) । इन दोनों मन्त्रियो के सामने दिया है — ऐसा कहने पर जब (राजा) ने उन दोनों मन्त्रियों से पूछा, उन्होंने योग के समान वचन कहा । राजा ने उसको सत्य मान निर्णय करके (सबको) लौटा दिया । जब चारों साथ घर लौट आ रहे थे, तब उस दिन के राजा बनकर

* * *

[illegible]

नागाद्खु खान् खोब्रेगुन् उ देर्गेदेगुर् गार्बाइ। थेरे खेउखेद् थेदेन् इ दागुदाजु आवाछाराबासु। दोर्बेगुले इरेगेद् खेदु खेद्रुन् थे मोर्गुवेसु। खान् खेउखेन् आसागुरुन्। था याम्वार् उछिर् थाइ यावुखु उलुस् बुइ खेमेन् आसागुसान् दुर्। थेरे दोर्बेगुले जार्गु यिन् शिल्यागान् इ बुरिद्खेन् आयिलाद्खासान् दुर्। खान् खेउखेन् उगुलेरुन्। थान् उ खागान् उ शिगुसेन् इयेर् उलु बोल्खु। वि दाखिजु शिगुये। था बोल्खु बुयु खेमेबेसु। थेरे खेउखेन् खागान् उ छोग जालि येखे थिन् थुला। आयुखु मेथु खागान् उ जालिग् इयार् बोलुया खेमेवेसु। थेरे खुमुन् इ दोर्बेन् जुग् थुर् सागुल्लागाद्। दोर्बेन् बोगेरुङगुइ शिरुइ ओग्बे। एर्देनि इलेगेवे गेग्छि खुमुन्। आब्छु इरेग्छि खुमुन्। ओग्खु आब्खु यि उजेग्छि खोयार् थुशिमेल् थेइ। था दोर्बेगुले बुल्यु गाग्छा एर्देनि यि उजेग्सेन् उ थुला। एर्देनि येन् खेब् खेब् इयेर् शिरुइ वार् खिजु इरेग्थुन् खेमेन् इलेगेग्सेन् दुर्। इलेगेग्छि। आवाछाराग्छि खोयागुला आदालि खिजु इरेबेइ। तुगे जोब्लेग्छि खोयार् थुशिमेल् उजेग्सेन् उगेइ थिन् थुला। निगेन् इनु मोरिन् उ थोलुगाइ मेथु एर्देनि गेले खिजु गेवे। निगेन् इनु खोनिन् उ

नागाद्खु–खेलने वाले

खान् खोब्रेगुन् उ देर्गेदेगुर्–बाल-राजा के सामने से

गार्बाइ–निकले

दागुदाजु आवाछाराबासु–जब बुला लिया

खेदु खद्रुन् थे–कई२ बार

मोर्गुवेसु–जब प्रणाम किया

याम्वार उछिर् थाइ–किस कारण युक्त

यावुखु उलुस्–जाने वाले पुरुष

बुइ–है

जार्गु यिन्–अभियोग के

शिल्यागान् इ–कारण अथवा परिणाम को

बुरिद्खेन्–पूर्णरूप से, विस्तार से

आयिलाद्खासान् दुर्–प्रतिवेदन करने पर

उगुलेरुन्–कहा

थान् उ खागान् उ–आप के राजा के

शिगुसेन् इयेर्–निर्णीत द्वारा अर्थात् निर्णय से

उलु बोल्खु–नही बनेगा

वि–मैं

दाखिजु–पुनः

शिगुये–निर्णय करूँगा

था बोल्खु–आप सहमत होगे क्या

खेमेबेसु–जब कहा अर्थात् कहने पर

आयुखु मेथु–भयानक

जालिग् इयार्–आदेश से

बोलुया–सहमत होगे

जुग् थुर्–दिशाओ में

सागुल्लागाद्–बिठा कर

बोगेरुङगुइ शिरुइ–मिट्टी की गोलिया

ओग्बे–दी

एर्देनि इलेगेवे गेग्छि–रत्न भेजा (यह) कहने वाला

आब्छु इरेग्छि–ले आने वाला

ओग्त्सु–देने
आन्त्सु यि–लेने को
उजेग्छि–देखने वाले, साक्षी
खोयार्–दोनो
थुग्मिमेल्–मन्त्री
बुल्थु–सब ने
गाग्छा–केवल एक
उजेग्सेन् उ थुला–देखे हुए के कारण
एर्दनि बेन्–रत्न को
खेब् गेब् इयेर्–ठीक प्रतिरूप
शिरइ बार्–मिट्टी से
खिजु इरेग्युन्–बना कर आइये
खेमेन्–यह कह कर
इलेगेग्मेन् दुर्–भेजने पर
इलेगेग्छि–भेजने वाला
आवाछराग्छि–लाने वाला
खोयागुला–दोनो
आदालि–समान
उगे जोल्छेगेग्छि–षड्यन्त्रकारी
उजेग्सेन् उगेइ यिन् थुला–न देखे हुए के कारण
निगेन् इनु–इनमें से एक ने
मोरिन् उ थोलुगाइ–घोडे का सिर
गेले–कहा गया
खिजु–बनाकर
गेबे–कहा
खानिन्–भेड

खेलने वाले बाल-राजा के सामने मे निकले। उसने उनको बुलाया। चारो आए और जब बारम्बार प्रणाम कर चुके तो बाल-राजा ने पूछा–आप किस काम से जा रहे है। ऐसा पूछने पर उन चारो ने अभियोग के परिणाम को विस्तार से प्रतिवेदन किया। बाल-राजा बोले–आपके राजा के निर्णय से (काम) नही बनेगा। मै दोबारा निर्णय करूगा। आप सहमत होगे क्या? उस बाल-राजा की श्री और माया के अधिक होने के कारण–भयानक राजा के आदेश से हम सहमत होगे। यह उत्तर देने पर (बाल राजा ने) उन मनुष्यो को चारो दिशाओ में बिठा कर चारो को मिट्टी की गोलियाँ दी। रत्न भेजा, यह कहने वाला पुरुष, ले आने वाला पुरुष, देने लेने को देखने वाले दोनो मत्री, आप सब चारो ने केवल एक रत्न को देखा है। इसलिये आप इस मिट्टी से रत्न का ठीक प्रतिरूप बनाकर आइये। यह कह कर उनको भेज दिया।

भेजने और लाने वाले दोनो समान प्रतिरूप बनाकर आ गए। षड्यत्रकारी दोनो मत्रियो मे से, न देखने के कारण, एक ने कहा–घोडे के सिर के समान रत्न कहा गया था सो मैने वैसा ही बना दिया है। दूसरे ने कहा–भेड के

थोलुगाइ मेथु एर्दनि गेले खिजु गेबे । दोर्बगुले यि गागान् उ देगेंदे दागुदाजु इरेंगेद् ।
खान् खेव्रसेन् जालिग् बोलुरुन् । येरु बि इल्गावामु । इलेगेग्छि सुमुन् । आबाछारागिठ खुमुन्
खोयार् निगे एर्दनि यि तुजेग्सेन् तु थुला । खेव् इ निगेन् आदालि खिजुखुइ । था खोयार्
थुशिमेल् । उजेग्सेन् तुगेइ यिन् थुला । मोरिन् उ योलुगाइ । खोनिन् उ थोलुग्राइ मेथु
एर्दनि वुइ गेले गेजु खिजुखुइ। थुशिमेद् उन् योसु । खागान् उ थोरु दुर् उनेन् इयेर्
थुशिखु एछे ओबेरे । खुदाल् खागुर्माग् इयार् यावुखु थुशिमेल् उगेइ खेमेन् जान्दाजु
वारिगुल्वा । बासा योग नेरे थु खुमुन् इ मोन् खु वारिगुल्वा । वाग्गिसान् उ खोयिना ।
खोयार् थुशिमेल् उगुलेरुन् । योग नेरे थु खुमुन्  आमिन् गारुया खेनेन् गुयुग्सान् उ थुला ।
खुदाल् इयार् गेरेंछि बोलुग्सान् बिले खेमेवे । योग नेरे थु खुमुन् । एर्दनि यि एमे खेजुखेद्
थुर् ओग्गुसेन् उगेइ । बि ओबेर् इयेन् खुदाल्दुजु इदेग्सेन् उनेन् खेमेमुइ । थेरे
उलुस् इ छोम् थोदोर्खाइ बिछिग्लेगेद् । खुदाल् इयार् गेरेंछिलेग्छि खोयार् थुशिमेल् । एर्दनि
आबुग्छि गुर्वान् खुमुन् इ वारिगाद् आराजि वोजि खागान् दुर् आयिलादखाना खेमेन् एयिन् खु जाखिजु

| | |
|---|---|
| दागुदाजु–बुला कर | यावुखु–काम करने वाला |
| इरेंगेद्–आ गये | जान्दाजु–डाँट कर |
| जाल्गि् बोलुरुन्–आदेश दिया अर्थात् कहा | वारिगुल्वा–पकड़वा दिया |
| बि इल्गावासु–यदि मैं विवेचन करूं | बासा–फिर |
| खेव् इ–प्रतिरूप को | मोन् खु–उसी प्रकार |
| निगेन् आदालि–एकसमान | वारिग्सान् उ खोयिना–पकड़े जाने के पश्चात् |
| खिजुखुइ–बनाया है | आमिन् गारुया–मेरे प्राण निकल जाएगे |
| एर्दनि बुइ–रत्न है | गुयुग्सान् उ थुला–प्रार्थना करने के कारण |
| गेले–(ऐसे) कहे (को) | गेरेंछि–साक्षी |
| गेजु–कह कर | बोलुग्सान् बिले खेमेवे–बन गए यह कहा |
| थुशिमेद् उन् योसु–मन्त्रियो का नियम (है) | ओबेर् इयेन्–स्वयं से अर्थात् स्वयं |
| थोरु दुर्–शासन में | खेमेमुइ–कहता हूँ |
| उनेन् इयेर्–सत्य से | छोम्–सब, पूर्णरूप से |
| थुशिखु एछे–सहारे से | थोदोर्खाइ–स्पष्ट |
| ओबेरे–भिन्न | बिछिग्लेगेद्–लिखवा कर |
| खुदाल्–असत्य | गेरेंछिलेग्छि–साक्ष्य देने |
| खागुर्माग् इयार्–धोखे से | |

आवुग्छि–लेने वाले
गुर्वान्–तीनो
वारिगाद्–पकड लिया
आराजि वोजि खागान् दुर्–राजा भोज के पास

आयिलाद्खाना–मैं प्रतिवेदन करूँगा
एयिन् सु–यही (निम्नलिखित)
जाखिजु–उपदेश देकर, कह कर

सिर के समान रत्न कहा गया था सो मैं ने वैसा बना दिया है। चारो को राजा के सामने बुलाया गया और वे आ गये। वाल-राजा ने कहा–यदि मैं सामान्य रूप से विवेचन करू तो भेजने वाले और लाने वाले दोनो पुरुषो ने एक ही रत्न को देखा है और इसलिये प्रतिरूप भी एकसमान बनाया है। आप दोनो मन्त्रियो ने रत्न को नही देखा और इसलिये घोडे के सिर के समान तथा भेड़ के सिर के समान जैसा भी सुना था वैसा रत्न बनाया है। मन्त्रियो का नियम है कि राजा के शासन में सत्य के सहारे से भिन्न असत्य और धोखे से काम करने वाला मत्री नहीं (होता)–इस प्रकार डाट कर (उनको) पकडवा दिया। फिर उसी प्रकार याग नामक व्यक्ति को पकडवा दिया। पकडे जाने के पश्चात् दोनों मन्त्री वोले–योग नामक व्यक्ति ने प्रार्थना की थी–मेरे प्राण निकल जाएगे इति। इस कारण असत्य साक्षी बन गये इति। योग नामक पुरुष ने कहा–मैं ने रत्न स्त्री वच्चो को नही दिया। मैं ने स्वय वेच कर खा लिया–सच कहता हू। (वाल राजा ने) इन लोगो से (यह) सब स्पष्ट लिखवा लिया। (और) असत्य साक्ष्य देने वाले दोनो मन्त्रियो और रत्न लेने वाले, इन तीनो पुरुषो को पकड लिया। राजा भोज के पास प्रतिवेदन करूगा यह कह कर (राजा भोज के लिये) निम्नलिखित उपदेश दे कर

इलेंगेबे। थोरु शाशिन् सोयार् इ बारिग्सान् सागान् दुर् एयिमु योमु उगेंइ। येरे वागा खेरेंग् उन् यावुदाल् इ थोदोर्साइ इरगाल् उगेंइ। उनेन् सुदाल् सोयार् इ जोसिजु मेंदेल् उगेंइ शिगुवेमु। वेये सिगेंद्। सुनेसुन् इ छिनु यावुदाल् जोखिस् उगेंइ बोल्नु यिन् थुला। खागान् बोल्खु यि बायिखुला जोसिस् थाइ बुइ जा। सागान् बोलुया गेसुले नादा लुगा आदालि निग्थालान् शिगुवेसु जोसिखु सेमेन् बिछिग् इलेंगेबे। सागान् बिछिग् इ उजेंगेद्। एने यागुन् जिग् थु उखागान् थु यागुमा बिले। निगेंन् गेजुखेंद् एदुर् बुरि एयिमु बोल्सु बोल्वा गेम् बोदिसदुअ बुर्सान् गेंथु सानाया। एदुर् बुरि वुसु सेउसेंद् सागुयासु। मोन् आदालि बायिनाम्। एने इनु उजेंबेसु। थेरे दोवुछाग् थोलुगाइ यिन् दोथोरा। बुर्सान् बोदिसदुअ आमियान् दुर् नोम् नोम्लाग्सान् ओरोन् बोल्वाउ। एसेबेसु खुंमुन् उ उखागान् इ थोरोगुलुग्छि एर्देनि बुइ बोल्वाउ। थेरे थोड जुगेंर् गाआर् वुसु सेमेगेंद्। मोन् थेरे एदुर् एछे खान् सेउसेन् उ शिगुसेन् योसुगार् इलाजु बारावाइ। आराजि बोजि खागान् उ निगेंन् थुशिमेल् उन् गाग्छा खोंगेंगुन् बुलुगे। थेरे खोबेंगुन् इनु छेरिग् थु मोर्दोजु। खोयार् जिल् बोल्जु वागुजु इरंबे।

इलेंगेबे–भेज दिया
थोरु–शासन
शाशिन्–धर्म
बारिग्सान्–धारण किये हुए
खागान् दुर्–राजा के लिये
एयिमु योसु उगेंइ–यह विधि नही
वागा–छोटी
खेरेंग् उन् याबुदाल् इ–बातों की चर्या को
अर्थात् घटनाओ को
इरगाल्–विशेष, भेद
उगेंइ–बिना
जोखिजु–विवेचन करके
मेंदेल् उगेंइ–समझे बिना, जाने बिना
शिगुबेसु–यदि निर्णय करेंगे
वेये–शरीर, अथवा इस जन्म में
सुनेसुन् इ–आत्मा अथवा जन्मान्तर में
छिनु–तुम्हारे

जोखिस् उगेंइ–अयुक्त
बोल्खु यिन् थुला–होने के कारण
खागान् बोल्खु यि–राजा रहने को
बायिखुला–छोड़ना
जोखिस् थाइ–उचित
बुइ जा–होगा ही
बोलुया गेखुले–रहना चाहते हो
नादा लुगा आदालि–मेरे समान
निग्थालान्–सावधानी करके
शिगुवेसु–यदि निर्णय करोगे
खेमेन् बिछिग्–यह पत्र
उजेंगेद्–देख कर
यागुन्–कितना
जिग् थु–आश्चर्यजनक
उखागान् थु–विद्यावान्, बुद्धिमान्, तर्कशील
यागुमा–वस्तु (व्यक्ति, घटना)
बिले–है

जागाल्दुरा–न्याय के लिए
ओदुग्सान् दुर्–पहुंचने पर
थानिन्–जानने
एसे छिदाग्सान् दुर्–अशक्त होने पर
आलिन् आनु–इनमें से कौनसा
थान् उ–आपका
वुइ–है
छिन् उ–तुम्हारा
एरे–पति
वुरि–पूर्णरूप से, सर्वथा
छोम् इ–सब को
गार्गागाद्–निकाल कर
निगे निगे बेर्–एक २ करके, अलग २
ओरोगुलुन्–प्रवेश करा कर अर्थात् बुला कर
एलुड्छेग्–वृद्ध प्रपितामह
खोलाड्छेग्–प्रपितामह
एवुगे एछिगे एछे इनागिश–वृद्ध पिता अर्थात् पितामह से इस ओर
एदुगे बोल्याला–वर्तमान हुए तक
ओरोजु–प्रवेश करके
गार्छु–निकल कर
याबुग्सान्–किये हुए, चरित
उछिर्–कारण, परिस्थिति
शिल्यागान् इ–परिणाम को
निगे निगे बेर् योग़ालान्–एक २ गिन कर
आसागुवासु–जब पूछा
शिम्नुस् आछा–भूत से
एन्देरेगुल्जु–धोखा देकर, धोखे से
खुबिलुग्सान्–परिवर्तित

वह मन्त्री–अपना इकलौता बेटा युद्ध से घर लौटा है–इस प्रसन्नता का उत्सव करने लगा ही था कि एक ओर उसी के सदृश लडका आ पहुचा। पहले और पीछे आए हुए दोनो लड़कों के रंग, रूप, मूर्ति, सवारी के घोड़े, पहिने हुए कपड़े, लटके हुए धनुष–तूणीर, बातचीत के स्वर, सब कुछ एकसमान थे। अत. पिता माता, स्त्री बच्चे, भाई बहन–जब सभी भेद न जान पाए, तब आए हुए दोनो लड़के झगड़ा करने लगे–पिता माता, स्त्री पुत्र मेरे है मेरे है। और न्याय के लिये राजा के पास पहुचे। राजा जान न सका, तब इनके पिता माता, स्त्री बच्चों को बुला कर पूछा। (पिता माता से पूछा) इनमें से कौनसा आपका पुत्र है। स्त्री से पूछा–इनमें से कौनसा तुम्हारा पति है। "हम भेद नही जान पाए है। दोनो सर्वथा समान हैं।" यह कहने पर राजा ने सबको बाहर कर दिया और दोनो लडकों को अलग २ बुला कर वृद्ध प्रपितामह, प्रपितामह, और पितामह से लेकर वर्तमान तक प्रवेश और निकल कर किये हुए, कारण और परिणाम को एक २ गिन कर पूछा। इनमें से एक धोखा करके भूत मे लडके में परिवर्तित हो गया था। इस कारण वृद्ध प्रपितामह से लेकर वर्तमान

खुर्येले याबुदाल् इयान् एन्देगुरेल् उगेइ थोगालावाइ । छुखुम् खोबेगुन् इनु एवुगे एछिगे एछे इनाम्शि यि मेदेगेद् । एलुड्छेग् इ एसे मेदेग्सेन् उ थुल। । एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इ मोन् खेमेन् ओग्बे । खोबेगुन् दुर् जार्गु ओग्बे । शिम्नुस् उन् खोबेगुन् बायासुन् गार्छु यावुयाला । छुखुम् खोबेगुन् इनु एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इयेन् शिम्नुस् दुर् आव्यागाद् । आजु थोरोखु गाजार् आ एसे ओलुगाद् । एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इयेन् दागाजु उयिलान् यावुयाला । नागादुग्छि खान् खेउखेन् उर्जेगेद् । था यागुन् दु एरे एमे येखे बागा यागुन् इ बुलियाल्दुग्सान् बुइ खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । बुगुदेगेर् छोग् जालि आछा आयुगाद् सोगुद्दुन् मोर्गुजु । उछिर् शिल्यागान् यावुदाल् इयान् खोयार् खोबेगुन् सोगुद्दुन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् खान् खेउखेन् जार्लिग् बोलोरुन् । आराजि बोजि खागान् उ शिगुग्सेन् इयेर् उलु बोलुमुइ । बि एब्देजु शिगुमुइ खेमेग्सेन् दुर् । येखे खागान् उ जार्लिग् इयार् बोलुया खेमेगेद् मोर्गुबेइ । खेउखेन् खान् एमुने बेन् थाल्बिग्सान् खोम्खान् इ बारिगाद् । था खोयार् खोबेगुन् उ । मोन् थान् उ । एने खोम्खान् दुर् बाग्थाजु ओरोवासु । एमे खोबेगुन् इ थान् इ ओग्गुनेम् । एसे बाग्थाग्सान् थान् इ बायियुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । छुखुम् खोबेगुन् उ येये बायियुगाइ । खुरुगुन् इनु एसे बाग्यानाइ ।

खुर्येले—तक
एन्देगुरेल् उगेइ—बिना त्रुटि
थोगालावाइ—गिना दिये
छुखुम्—वास्तविक
मोन् खेमेन्—वास्तविक कह कर
जार्गु ओग्बे—निर्णय दिया
बायासुन्—प्रसन्न हो कर
यावुयाला—जाने तक
आव्यागाद्—लिये जाने पर
आजु थोरोखु—आजीविका के लिये
ओलुगाद्—पा कर
दागाजु—अनुसरण करके, पीछे २
उयिलान्—रोते हुए
यागुन् दु—किस बात के लिये
एरे एमे—पुरुष स्त्री
येखे बागा—बड़े छोटे
बुलियाल्दुग्सान् बुइ—लड़ रहे हो
जार्लिग् बोलोरुन्—आदेश दिया, कहा
एब्देजु—नष्ट करके, हटा कर
एमुने बेन्—अपने (बेन्) सामने
थाल्बिग्सान्—रखे हुए
खोम्खान् इ—कलश को
बारिगाद्—ले कर
मोन् थान् उ—आपमें से उसी को
बाग्थाजु ओरोवासु—जो छोटा बन कर प्रवेश करेगा
ओग्गुनेम्—दूगा
बायियुगाइ—रहना पड़ेगा
खुरुगुन्—अंगुलि

तक विना त्रुटि के (सव) चरित गिना दिये। वास्तविक पुत्र पितामह से इधर तक (ही) जानता था। वृद्ध प्रपितामह को न जानता था। अत (भूत से परिवर्तित लडके को) वास्तविक कह कर पिता माता, स्त्री बच्चे को सौंप दिया। लडके के सम्बन्ध में इस प्रकार निश्चय देने पर भूत का लडका प्रसन्न हो कर बाहर निकला और वास्तविक पुत्र अपने पिता माता, स्त्री बच्चे को भूत के हाथ में खो कर, और आजीविका के लिये स्थान न पा कर, अपने पिता माता, स्त्री बच्चे के पीछे २ रोते हुए चलने लगा। तब खेलने वाले बाल-राजा ने देखा और पूछा—आप पुरुष और स्त्री, बडे और छोटे, किस लिये और क्यो लड रहे हो। सब ने (उसको) श्री और माया से डर कर घुटनो के बल बैठ कर नमस्कार किया। दोनो लडको ने घुटने टेक कर अपने हेतु, परिणाम तथा चरित का प्रतिवेदन किया। तिस पर बाल-राजा ने कहा—राजा भोज के निर्णय से (काम) नही बनेगा। मै (उस निर्णय को) हटा कर (दोबारा) निर्णय दूगा। इस पर—"(हम) महाराज के आदेश को मानेंगे, यह कह कर (लडको ने) नमस्कार किया। बाल-राजा ने सामने रखे हुए कलश को हाथ में ले कर कहा—आप दोनो लडको में से, जो इस कलश के अन्दर छोटा बन कर घुस जाएगा, उसी को स्त्री तथा बच्चा दूगा। जो छोटा न हो सकेगा उसको रहना पडेगा अर्थात् कुछ न मिलेगा। इति। वास्तविक लड़के का शरीर तो रहा, उसकी अगुलि भी प्रवेश न कर सकी।

नोगुगे सोवेगुन् इनु । शिम्नुस् बुखुइ यिन् थुला । जालि यिन् बेये बेर् खुबिलुगाद् ओरोवाइ । थेरे नागादुग्छि सान् खोवेगुन् । ञ्छिर् इयार् आम्सार् इ दारुगाद् । आराजि बोजि सागान् दुर् थेरे शिम्नुस् इ एल्देन् वार्खिरागुलुग्सागार् इलेगेवेइ । दाखिन् एयिन् जाखिरुन् । आराजि बोजि सागान् छि थोद् शाशिन् बारिग्मान् येसे सागान् गेग्छि छिनु एने बुयु । ओवेर् उन् आल्वा थु युगान् एमे उरे यि शिम्नुस् थु ओग्गुगेद् । आल्वा थु युगान् खोगेग्छि छिनु जोव् बुयु । याम्बार् खागान् बोल्खुला । नादा लुग्गा आदालि निग्यालाजु इत्गा । छिदाल् उगेइ बुगेसु । आमियान् उ इलाल् इ उलु मेदेन् । उलुस् इ जोबागाजु । सागान् बोल्तु खेरेग् उगेइ खेमेन् जाखिजु इलेगेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि खागान् । थेरे शिम्नुस् इ थुइमेर्येजु आलागाद् । छग्नुम् सोवेगुन् दुर् नेयिलेगुलुगेद् । थेरे खेउखेन् इ माशि गायिखाजु । एने यागुथाइ जिग् थु खेउखेन् बिले गाग्छा खेउखेन् एयिमु उखागान् थु बोन्सुला । बुर्खान् बोदिसदुअ खेमेजु । खेउखेद् बुरि उरुदुगाद आलि गारुसान् आनु । छेछेन् मेर्गेन् उखागान् थु बोल्तु आजुगु । एगुन् इ शिजिलेवेसु । गेउखेद् उन् उखागा् बुसु । दोयुछाग् थोलुग्गाइ यिन् उछिर् बुइ जा खेमेगेद् सायिद् । युशिमेद् इयान् दागागुलजु ओगेदे बोलुगाद् । थेरे खेउखेद् सान् बोलुन् नागादुग्छि

नोगुगे–दूसरा
बुगुइ यिन् थुला–होने के कारण
जालि यिन् बेये बेर्–माया के शरीर द्वारा
खुबिलुगाद्–परिवर्तन कर
ञ्छिर् इयार्–वज्र द्वारा
आम्सार् इ दारुगाद्–मुंह बन्द कर दिया
एल्देन्–मारपीट कर, गत बना कर, रगड़ कर, मलाई करके (धमका धमका कर)
दाखिन्–पुनः, फिर
एयिन्–एव
जाखिरुन्–आदेश दिया
गेग्छि–बहकाने वाले
ओवेर् उन्–स्वयं की
युगान्–अपनी
खोगेग्छि–भगा देने वाले
छिनु–तुम्हारा, तुम्हारे लिये
जोव् बुयु–ठीक है क्या
निग्यालाजु–सावधानी करके
इत्गा–विवेचन करो, निर्णय करो
छिदाल्–शक्ति, सामर्थ्य
आमियान् उ इलाल् इ–प्राणियों के भेद को
उलु मेदेन्–न जान कर
जोबागाजु–दुःख देते हुए
खेरेग्–आवश्यक
थुइमेर्येजु–जला कर
आलागाद्–मार डाला
नेयिलेगुलुगेद्–परिवार से मिला दिया
माशि गायिखाजु–बहुत चकित हुए
यागुथाइ जिग् थु–कैसा आश्चर्यजनक
छेछेन्–चतुर
मेर्गेन्–पण्डित
एगुन् इ–इस (बात) को

गिजिलेवेसु–यदि अन्वेपण करें

खेमेगेद्–यह कह कर

दाग्रागुल्जु–अनुसरण करा कर अर्थात् साथ ले कर

ओगेदे वोलुगाद्–ऊपर पहुंच गया, ऊपर चढ़ गया

इनमें से दूसरे लड़के ने, भूत होने के कारण माया-शरीर परिवर्तन कर (कलश में) प्रवेश कर लिया। उस खेलने वाले बाल-राजा ने वज्र द्वारा (कलश का) मुंह बंद कर दिया। और मार पीट से चिल्लाते दहाड़ते हुए भूत को राजा भोज के पास भेज दिया। (और) पुनः यह आदेश दिया – हे राजा भोज, तुम शासन तथा धर्म के धारण करने वाले महाराजा कहलाने वाले, क्या ऐसे हो कि स्वयं अपनी प्रजा के स्त्री बच्चे को भूत को दे कर अपनी प्रजा को भगा देने वाले बन गए हो। यह तुम्हारे लिये ठीक है क्या। कैसे राजा हो। मेरे समान सावधानी करके निर्णय करो। यदि सामर्थ्य नही है तो प्राणियो के भेद को न जान कर लोगों को दुःख देते हुए राजा बने रहना आवश्यक नही – यह आदेश भेजा।

राजा भोज ने उस भूत को जला कर मार डाला। और वास्तविक पुत्र को (परिवार से) मिला दिया। उस बाल-राजा के सम्बन्ध में राजा भोज बहुत चकित हुए – यह कैसा आश्चर्य-जनक बालक है। यदि एक ही बालक ऐसा बुद्धिमान् होता तो उसको बुद्ध बोधिसत्व कहते। बच्चों में से जो भी दौड कर आगे निकलता है वही चतुर, पंडित तथा बुद्धिमान् हो जाता है। यदि इस बात का अन्वेपण करें तो यह बच्चो की बुद्धि नहीं (किन्तु) छोटे से टीले का ही परिणाम है – यह कह कर (राजा भोज) अपने सामन्तों और मन्त्रियो को साथ ले कर (टीले के) ऊपर चढ़ गया। जहां वे बच्चे राजा बन कर खेलते थे,

दोबुछाग् थोलुगाइ यि एब्देखुले दूरा आछा निगेन् आल्यान् शिरेगे गार्वाइ। थेरे शिरेगेन् उ गुछिन् खोयार् गिस्खेगुर् थुर् आनु। गुछिन् खोयार् मोदुन् सुमुन् इ निजिगेद् सादाग्सान् आजुगु। खागान् जुजेगेद् माशि बायास्छु। शिरेगेन् इ ओनेर् जुन् खोथान् दुर् इयान् जालाग्राद्। ओलान् खुग्राग् उद् इयार् छाड खेङ्गेर्गे देलेद्खुइ खिगेद्। बिलेर् बिशिगूर् थायागुल्जु। ओल्जेइ खुयुग् ओरुशिगुलुन्। एदुर् जुन् सायिन् इ सोड्गुगुल्जु। ओवेर् उन् बेये देगेन् जायागा थाइ शिरेगेन् ओल्वा खेमेन् सागुया गेजु गार्याला। गिस्खेगुर् थुर् खादाग्सान् मोदुन् सुमुन्। सोयियु आनु खोर्मोइ आछा थायागाद्। उरिदु मोदुन् खुमुन् इनु एब्छिगुन् एछे थुल्खिगेद् येग्वेदे इनियेबेइ। खागान् आयुजु गेदेगुं वेन् उखुरागाद्। एने मागुन् जिग् थु मोदुन् इयार् खिग्सेन् खुमुन्। निगेन् इनु एमुनेछे थुल्खिजु। निगेन् इनु खोयिनाछा थायाग्राद् इनियेदेग् बिले खेमेखुइ दुर्। निगेन् मोदुन् खुमुन् जुगुलेरुन्। आराजि बोजि खाग्रान् बायिजा। छि। एने शिरेगेन् देगेरे सागुन् जुलु छिदाखु। एने शिरेगे गेग्छि। एर्थे उरिदु छाग् थु।
खागान् खोर्मुस्दा यिन् सागुग्सान् शिरेगे बुलुगे। थेगुन् उ खोयिना
बिर्कमिजिद् खागान् सागुग्सान् शिरेगे बुलुगे। थेयिमु यिन् थुला। आमि बेये बेन् जुलु खायिरालाखु बोल्खुला सागु। जुगेइ बोल्खुला वायियुगाइ। बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् मेयु बोल्खला सागु। बुसु बोल्खुला सागुखु जुलु बोल्नु खेमेन् थेयिन् जुगुलेग्मेन् दुर्। खागान् खिगेद् खामुग् बुगुदेगेर् सोगुद्छु मोगुंग्सेन् दुर्। निगेन् मोदुन् खुमुन् एयिन् जुगुलेनेइ। खागान् एखिलर् नुगुदेगेर् बू आथुग्युन्। बि थेदुइ एर्थे उरिदु बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् उ याबुग्सान् याबुदाल् इ जुगुलेसुगेइ खेमेग्सेन्।

एब्देखुले–खोदा, खोद कर देखा
दूरा आछा–अन्दर से
आल्यान् शिरेगे–सुवर्ण-सिंहासन
गुछिन् खोयार्–तीस दो (३२)
गिस्खेगुर् थुर्–पायों पर
मोदुन् खुमुन्–काष्ठ पुरुष अर्थात् पुतलियां
निजिगेद्–एक २ करके
खादाग्सान् आजुगु–जडी हुई थी
ओवेर् जुन् खोथान् दुर् इयान्–अपने दुर्ग में
जालागाद्–प्रतिष्ठापित किया
खुग्राग् उद् इयार्–स गो द्वारा
छाड खेङ्गेर्गे–झाझ और भेरी
देलेद्खुइ–वादन
बिलेर् बिशिगूर् (बिस्विगुर्)–बांसुरी और तुरई
थायागुल्जु–बजवाईं
ओल्जेइ खुयुग्–मगल
ओरुशिगुलुन्–प्रतिष्ठान कराया
सायिन्–शुभ
सोड्गुगुल्जु–निकलवाया, छटवाया
जायागा थाइ–सौभाग्यमय
ओल्वा–प्राप्त किया है, मिला है

सागुया–मैं बैठूं
गेजु ग्रार्याला–कह कर बैठने ही लगा था कि
खोयियु आनु–इसके पीछे वाली
खोर्मोइ आछा–पल्ले से
यायाग्राद्–खींचा
उरिदु–सामने वाली
एञ्छिगुन् एछे–छाती से, सामने से
यूल्सिगेद्–धक्का दे कर
येखेदे–बहुत
इनियेवेइ–हंसी
आयुजु–डर कर
गेदेर्गु येन् उखुराग्राद्–पीछे हट गया
मोदुन् इयार्–लकड़ी से
विग्सेन्–बनी
खुमुन्–पुरुष अर्थात् पुतली
इनियेदेग् बिले–हसने वाली हैं, हसती हैं
बायिजा–ठहरो
सिरेगे गेग्छि–सिहासन नामवाला अर्थात्
सिहासन
छाग् यु–काल में
सोर्मुस्दा–शतक्रतु।
Walter Eugene Clark की पुस्तक Two Lamaistic Pantheons, 1937, में खोर्मुस्दा का संस्कृत प्रतिशब्द शतक्रतु आया है।
आमि–प्राण
उलु खायिरालासु बोल्सुला–यदि मोह नही है तो
उगेइ बोल्सुला–यदि (यह बात) नही है तो
बायियुगाइ–रहने दो
बोग्दा–पुण्यवान्, पवित्र, महात्मा
सागुखु–बैठना
एखिलेन्–आरम्भ करके, आदि
बुगुदेगेर्–सब के सब
बू आयुग्युन्–मत डरो
येदुइ–अभी
यावुग्सान् यावुदाल् इ–किये हुए कामो को

(वहा) उस छोटे से टीले को खोद कर देखा। अन्दर से एक सुवर्ण-सिहासन निकला। उस सिंहासन के ३२ पायों पर ३२ पुतलिया एक २ करके जड़ी हुई थी। राजा देखकर अत्यन्त प्रसन्न हुआ। सिंहासन को अपने दुर्ग में प्रतिष्ठापित किया। बहुत से संघों द्वारा झाझ और भेरी वादन कराया। बांसुरी तथा तुरइया बजवाई। मंगल प्रतिष्ठान कराया। शुभ दिन निकलवाया। अपने शरीर के लिये अर्थात् अपने लिये सौभाग्यमय सिंहासन मिला है सो मैं बैठूं–यह कह कर (राजा) बैठने ही लगा था कि पायें पर जड़ी पुतली ने पीछे पल्ले से खींचा और सामने वाली पुतली सामने से धक्का दे कर बहुत हंसी। राजा डर कर पीछे हट गया। "यह कितनी आश्चर्यजनक लकड़ी से बनी पुतलिया है। इनमें से एक ने सामने से धक्का दिया, एक ने पीछे से खींचा और हंसती है।"–ऐसा कहने पर एक पुतली बोली–राजा भोज, ठहरो। तुम इस सिंहासन पर न बैठ सकोगे। यह सिंहासन प्राचीन काल में राजा शतक्रतु के बैठने का सिंहासन था। उसके पश्चात् राजा विक्रमादित्य के बैठने का सिंहासन था। अतः यदि अपने प्राण और शरीर से मोह नही तो (इस सिंहासन पर) बैठो। नही तो रहने दो। यदि महात्मा विक्रमादित्य राजा के समान हो तो बैठो। यदि नही हो तो (तुम्हारा) बैठना न होगा।"

इस प्रकार कहने पर राजा तथा अन्य सबने घुटने टेके और नमस्कार किया। एक पुतली बोली—राजा आदि सब जन, मत डरो। मैं अभी प्राचीन काल में महात्मा विक्रमादित्य राजा के किये हुए कामों को बतलाऊंगी॥

* * *

— 99 —

[illegible]

## निगेदुगेर् बोलुग्

एर्ये उरिदु छाग् युर् । गृड्दर्वे नेरे थु येखे खागान् वुलुगे । गलिङदर् नेरे थु येखे खागान् उ तुजेस्खुलेड थु गूआ ओखिन् इ आवुगाद् । यिर्यिञ्छु यिन् शाशिन् योङ् यि वायुलान् वारिगाद् सागुथाला । तुरे तुगेइ यिन् युला । वुर्खान् ध्ङि यि जाल्वारिन् । सेद्खिल् इयेन् जोवाजु यावुखुइ दुर् । तुजेस्खुलेड गूआ खायुन् । खागान् दागान् आयिल्गाद्खावाइ । खागान् मिनु तुरे तुगेइ यिन् थुला । सेद्खिल् इयेन् जोवाजु यावुखारा । निगेन् खायुन् आवुसाइ तुरे थेइ बोल्खु छु वुइ जा खेमेखुइ दुर् । खागान् जोन्झियेगेद् । आल्वा थु आछा सोङगुजु निगेन् सायिन् ओखिन् इ आवुवाइ । थेरे खाराछु खायुन् उदाल् तुगेइ निगेन् खोवेगुन् थोरोवेइ । तुरे थु खायुन् दागान् खागान् माशि इनाग् वोलुग्सान् उ थुला । तुजेस्खुलेड थु खायुन् सेद्खिल् इयेन् छिलेजु एयिन् सेद्खिरुन् । एछिगे यिन् मिनु खुछुन् इयेर् खागान् बोलुलुगा । मिनु खुछुन् इयेर् खायुन् आवुलुगा । नामायि खेरेग्लेखु तुगेइ वोल्वाछु याग्राखिम् । खोयियु खादान् दुर् । निगेन् अशि ब्लामा वुइ वुलुगे । थेगुन् दुर् ओद्छु मोर्गुन् नामाञ्छिलागाद् । तुरे यिन्

निगेदुगेर् बोलुग्–प्रथम अध्याय
गलिङदर्–कलिङ्गघर ?
उजेस्खुलेड थु गूआ–रुचिर-ललिता
संस्कृत का नाम क्या था, यह तभी निश्चय हो सकता है जब इन कहानियों का मूल संस्कृत ग्रन्थ उपलब्ध हो जाए।
तुजेस्खुलेड थु और गूआ दोनों शब्दों के संस्कृत प्रतिशब्द कंजूर तथा भद्रकल्पिक में आए हैं –
तुजेस्खुलेड–रुचि, भ क ३६४
–चारु, भ क ५२४
*तुजेस्खुलेड थेइ–ललित, भ क ८०६*
–ओज, भ क ४६७
तुजेस्खुलेड थु–रुचिर, क ३८९, ५६०
–लडित (ललित), भ क ७८७, ८१८
–विभ्राजत्, भ क १४६

गूआ–प्रिय, भ क ७५६
–लडित, भ क ५५७
ओखिन् इ आवुगाद्–पुत्री को लिया अर्थात् पुत्री से विवाह किया
यिर्यिञ्छु यिन्–संसार के
वायुलान्–दृढता-पूर्वक
वारिगाद् सागुथाला–धारण किये हुए थे
तुरे तुगेइ यिन् थुला–सन्तानाभाव के कारण
वुर्खान्–बुद्ध
ध्ङि–देवता
जाल्वारिन्–प्रार्थना करते
*सेद्खिल्–चित्त*
जोवाजु–दुःखी हो कर
यावुखुइ दुर्–रहने पर
खायुन्–राणी
यावुखारा–रहने की अपेक्षा
आवुसाइ–ले लीजिये

ठुरे थेइ–सन्तानयुक्त
वोल्खु–होना
छु वुइ जा–हो ही जाएगा
जोञ्छियेगेद्–स्वीकार कर लिया
आल्वा थु आछा–प्रजा में से
सोडगुजु–चुन कर
सायिन्–अच्छी, सुन्दर
आबुवाइ–ले लिया, विवाह कर लिया
खाराछु–साधारण
उदाल् ठुगेइ–अविलम्ब
थोरोबेइ–जन्म दिया
ठुरे थु–सन्तानयुक्त
दागान्–के प्रति
माशि–अधिक
इनाग्–स्निग्ध
छिलेजु–अवसन्न हो कर
एयिन् सेद्सिद्न्–ऐसे सोचा
खुछुन् इथेर्–प्रभाव से
वोलुलुगा–बने
आवुलुगा–प्राप्त की
खेरेग्लेखु–आवश्यकता
यागाखिम्–क्या करूं
खोयिथु–पीछे वाली
खादान् दुर्–पहाड़ी में
अशि–ऋषि
ब्लामा–लामा, गुरु
बुइ वुलुगे–रहता है
थेगुन् दुर्–उसके पास
ओद्छु–जा कर
मोर्गुन् नामाञ्छिलागाद्–हाथ जोड कर प्रणाम करके
ठुरे यिन्–सन्तान के

## प्रथम अध्याय

पूर्व काल में गन्धर्व नामक महान् राजा थे। इन्होंने कलिङ्गधर नामक महाराज की रुचिर-ललिता पुत्री से विवाह किया। ये ससार के धर्म तथा शासन को दृढतापूर्वक धारण किये हुए थे। (किन्तु) सन्तानाभाव के कारण ये बुद्ध तथा देवताओ से प्रार्थना करते तथा अपने चित में दु खी रहते। रुचिर-ललिता राणी ने अपने राजा से निवेदन किया – मेरे राजा, सन्तानाभाव के कारण चित्त में दु खी रहने की अपेक्षा, एक और राणी ले लीजिये। (वह) सन्तानयुक्त हो ही जाएगी। ऐसा कहने पर राजा ने स्वीकार कर लिया (और) प्रजा में से चन कर एक अच्छी लड़की को ले लिया। इस साधारण राणी ने अविलम्ब एक पुत्र को जन्म दिया। सन्तानयुक्त राणी के प्रति राजा बहुत स्निग्ध हो गए। अत रुचिर-ललिता राणी चित्त में अवसन्न हो कर ऐसे सोचने लगी – मेरे पिता के प्रभाव से ये राजा बने, मेरे प्रभाव से राणी प्राप्त की, (अब) मेरी आवश्यकता नही रही, मै क्या करू। पीछे वाली पहाडी में एक ऋषि गुरु रहता है। उसके पास जा कर, हाथ जोड़ कर प्रणाम करके सन्तान के

[illegible]

खुयुग् इ गुयुजु इरेये खेमेगेद्। थावुन् दागागुलि बान् दागागुल्जु। छाब् छाइ येरिगुयेन् इ बेलेद्छु। ब्लमा यि जोरिन् खुर्छु मोर्गुगेद्। उछिर् इयान् आयिलाद्खावासु। ब्लामा थुग्दाम् सेद्खिग्सेन् उ थुला। एर्गेजु यावुयाला। उदे यिन् छाग् थुर् ब्लामा उजेगेद्। येखे खायुन् मिनु यागुन् दु सेद्खिल् इयेन् जोवाजु सुसुलेन् मोर्गुनेइ खेमेग्सेन् दुर्। खायुन् उरे यिन् खुयुग् इ गुयुनाम् खेमेन् आयिलाद्खावा। ब्लामा गायिगुइ उरे येइ बोल्युगाइ खेमेन् निगेन् आद्खु शिरुइ यि आदिस्लान् ओग्गेइ। एगुन् इ मागाजिन् थोसुन् इयार् शिने छागाजाड दुर् जिगुर्छु इदे खेमेन् जालिग् बोलुग्सान् दुर्। खायुन् माशि बायासुन् खारिजु इरेगेद्। शिने छागाजाड दुर् जिगुरावासु आर्बाइ यिन् गुलिर् बोल्वा। जोगोगालागाद्। छागाजाड इयान् ओग्वेसु। निगेन् खेउखेन् शाब्खुर यि इनु दोलियाजु इदेवेइ। खायुन् उदाल् उगेइ दाब्खुर् बोलुगाद् सारा गुइछेजु उजेग्देखुइ दुर्। एल्देब् ओलान् बेलेग्स् गाग्गाद्। ग्ररिवङ्ग ओलान् सायिखान् शिवागुद् उन् दागुन् गार्छु। ब्डि एछे छेछेग् उन् खुरा ओरोगाद्। सायिखान् ओनुर् आङ्गिलुन् निगेन् खोबेगुन् थोरोग्सेन् दुर् खागान् माशि बायास्छु एछिगे बोलुग्सान् अशि ब्लामा आछा

खुयुग्–आशिष्
इरेये–जाऊ
थावुन्–पाच
दागागुलि बान्–अपनी अनुचरियो से
दागागुल्जु–अनुसरित हो कर, साथ ले कर
छाब्–भोजन
येरिगुयेन् इ–आदि को
बेलेद्छु–बना कर
ब्लमा यि जोरिन् खुर्छु–गुरु के पास पहुंची
उछिर् इयान्–अपनी स्थिति को
आयिलाद्खावासु–जब निवेदन किया
थुग्दाम् सेद्खिग्सेन्–ध्यानमग्न
एर्गेजु (एर्गिजु) यावुयाला–जब प्रदक्षिणा कर रही थी
उदे यिन् छाग् थुर्–दोपहर (उदे) के समय में
सुसुलेन्–भक्तिपूर्वक
गायिखुइ–कोई बात नही, चिन्ता न करो
आद्खु–मुट्ठी
आदिस्लान्–फूक कर, फूक मार कर
मागाजिन् थोसुन् इयार्–अलसी के तेल से
शिने छागाजाड दुर्–नये पात्र में
जिगुर्छु–घोल कर
इदे–खा लो
जालिग् बोलुग्सान् दुर्–आदेश देने पर अर्थात् आदेश दिया
माशि बायासुन्–बहुत प्रसन्न हो कर
खारिजु इरेगेद्–लौट आई
जिगुरावासु–घोलने पर, गूधने पर
आर्बाइ यिन् गुलिर्–जौ का सत्तू
बोल्वा–बन गया
जोगोगालागाद्–खा लिया
खेउखेन्–लडकी

शाव्खुरु यि इनु–उसके शेष को

दोलियाजु–चाट कर

इदेवेइ–खा लिया

दाव्खुर् वोलुगाद्–गर्भवती हो गई

सारा–मास

गुइछेजु–पूरे हो गये

तुजेग्देखुइ दुर्–प्रसवचिह्न दिखाई पड़ने लगे

एल्देव् ओलान्–विविध और अनेक

वेलोस्–लक्षण

गारुगाद्–उत्पन्न हुए

सायिखान्–सुन्दर

शिवागुद् उन् दागुन्–पक्षियों के शब्द

गार्छु–सुनाई पडे

थ्ङ्गि एछे–आकाश से

छेछेग् उन् खुरा–पुष्पो की वर्षा

ओरोगाद्–पड़ी, हुई

सायिखान् ओनुर्–मधुर सुगन्ध

आङ्गिलुन्–फैली

आशिष् के लिये प्रार्थना करने जाऊं इति। अपनी पाच अनुचरियो को साथ ले कर, भोजन और चाय आदि बना कर गुरु के पास पहुची और नमस्कार करके अपनी स्थिति का निवेदन किया। गुरु ध्यान में मग्न था अत: राणी ने उस की प्रदक्षिणा की। दोपहर के समय गुरु ने उस को देखा और कहा – मेरी महाराणी, तुम चित्त में दु खी हो कर, किस कारण भक्तिपूर्वक मुझे नमस्कार कर रही हो। राणी ने निवेदन किया – बच्चे की आशिष् मागने आई हूं। गुरु ने कहा – कोई बात नही, तुम सन्तानयुक्त हो जाओगी। यह कह कर फूक मार कर एक मुट्ठी मिट्टी दे दी और आदेश दिया – इसको नये पात्र में अलसी के तेल में घोल कर खा लो। राणी बहुत प्रसन्न हुई और (घर) लौट आई। नये पात्र में घोलने पर जौ का सत्तू बन गया। उसको राणी ने खा लिया। और अपना पात्र दे दिया। एक लड़की ने उस (पात्र) के शेष को चाट कर खा लिया। अविलम्ब ही राणी गर्भवती हो गई, मास पूरे हो गये और प्रसवचिह्न दिखाई पडने लगे। विविध और अनेक लक्षण उत्पन्न हुए। कलविङ्क जैसे अनेक सुन्दर पक्षियो के शब्द सुनाई पडने लगे। आकाश से पुष्पो की वर्षा हुई। मधुर सुगन्ध फैल गई और एक लडके का जन्म हुआ। राजा को बहुत आनन्द हुआ। पिता बने ऋषि गुरु से

[illegible]

जायाग्रान् इ आसागुजु इरे खेमेन् वागा खायुन् येरिगुयेन् निगेन् खेदुन् थुशिमेद् थेइ इलेगेवे। ब्लामा दुर् खुछुं खोवेगुन् थोरोग्सेन् एल्देव् बेलेस् येम्देग् वोलुग्सान् इ आयिलाद्खागाद्। जायाग्रान् इ आसागुग्सान् दुर्। ब्लामा विशिलाल् दुर् सागायामुइ खेमेन् ओलान् जालिग् वोलुल् उगेइ थेरे खेउखेन् उ येखे वोलुग्सान् उ खोयिना। इदेखु इदेगेन् दुर् नेयिलेगुल्खु निगेन् मिडगान् थावुन् जागुन् खासाग् दावुसु ओरोखु खेमेन् जोग् थु जालिंग् आछा ओवेरे निगेखेन् वेर् जालिंग् उगेइ यिन् थुला। खायुन् खिगेद् थुशिमेद् बुगुदे गायिखान् खेलेल्छेजु इरेगेद्। खागान् दाग्रान् आयिलाद्खावा। खाग्रान् आनु एसे मेदेन् सेद्खिल् इयेन् जोबाजु। यागुन् जिग् थु उलिगेर् बिले। मागाद् छिद्खुर् एने बुइ जा खेमेन् खामुग् उलुस् इयान् छुग्लागुल्जु जालिंग् वोलोरून्। एने खेउखेन् उ इदेशिन् दुर् निगे मिडगान् थावुन् जागुन् खासाग् दावुसु ओरोखु गेनेम्। निगे खुमुन् ग्राग्छा इदेखु एछें यायियुगाइ। ओलान् खुमुन् नासु बाख्याला इदेजु बाराखु बुयु। एने लाव् शिम्नुस् बुइ जा। एगुन् इ आला खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेद् गायिखारून्। एजेन् उ उरे यि याग्राखिजु आलाखु बुइ। खोदंगे दुर् आवाछिजु शिगुइ मोदुन् दुर् ओखिगुलुया। याम्वार्

जायागान् इ–भाग्य को
आसागुजु इरे–पूछ कर आओ
येरिगुयेन्–आदि, प्रमुख
निगेन् खेदुन्–कुछ
थुशिमेद् थेइ–मन्त्रियुक्त
ब्लामा दुर् खुछुं–गुरु के पास पहुच कर
येम्देग्–चिह्न, शकुन
वोलुग्सान् इ–हुए हुओ को
विशिलाल् दुर् सागायामुइ–ध्यान में मग्न बैठा था
ओलान् जालिग् बोलुल् उगेइ–बहुत बाते किये बिना
येखे बोलुग्मान् उ खोयिना–बडे होने के पश्चात्
इदेखु–खाने (के)
इदेगेन् दुर्–भोजन में
नेयिलेगुल्खु–मिलाने के लिये
मिडगान्–सहस्र
जागुन्–सौ
खासाग्–गाडिया
दावुसु–लवण
ओरोखु–पडेगा
जोग् थु–आश्चर्यजनक
जालिग् आछा ओवेरे–वचन के अतिरिक्त
निगेखेन् बेर्–एक भी
जालिग् उगेइ यिन् थुला–वचन नही के कारण
बुगुदे–सभी
गायिखान्–चकित हो कर
खेलेल्छेजु–चर्चा करते हुए
एसे मेदेन्–न समझ कर
यागुन् जिग् थु–कैसी विचित्र
उलिगेर्–कहानी
बिले–है
मागाद्–निश्चय ही
छिद्खुर्–भूत

एने–यह
बुइ जा–है ही
सामुग्–सब
उलुस् इयान्–अपनी प्रजा को
छुग्लागुल्जु–इकट्ठा करके
इदेशिन् दुर्–भोजन में
गेनेम्–इति
गाग्छा–अकेला
इदेनु एछ बायिघुगाइ–खाने से रहा
नासु बारथाला–जीवन रहने तक, जीवन
भर
इदेजु बाराखु बुयु–खा कर समाप्त कर सकते हैं
लाव्–वास्तव में
आला–मार डालो
यागाखिजु–क्या करके, किस प्रकार
आलासु बुइ–मारना हो
खादेगे दुर्–बाहर म
आवाछिजु–ले जा कर
शिगुइ मोदुन् दुर्–जगल में
ओखिगुलुया–छोड दें

भाग्य पूछ कर आओ – यह कह कर छोटी राणी और कुछ मन्त्रियो को भेजा। वे गुरु के पास आये और लडके के जन्म पर हुए नाना लक्षणा और चिह्नो का निवेदन किया तथा भाग्य के सबध में पूछा। गुरु ध्यान में मग्न बैठा था इसलिए बहुत नही कह सका। (केवल इतना ही कहा) – जब यह बालक बडा हो जाएगा तब इसके खाने के भोजन में एक सहस्र पाँच सौ गाडी लवण मिलाया जाएगा। इस आश्चर्यजनक वचन के अतिरिक्त उसने और कुछ नही कहा। अत राणी और मत्री सभी चकित हो कर चर्चा करते हुए लौट आये और अपने राजा से प्रतिवेदन किया। राजा न समझ पाया। अपने मन में दुखी हुआ और कहा – कैसी विचित्र कहानी है। निश्चय ही यह भूत है। यह कह कर अपनी सब प्रजा को इकट्ठा किया और कहा – यह कहा गया है कि इस बच्चे के भोजन में एक सहस्र पाँच सौ गाडी लवण पडेगा। एक पुरुष अकेला खाने से रहा, बहुत से पुरुष भी जीवन भर खा कर क्या (इतना लवण) समाप्त कर सकते हैं। यह वास्तव में भूत है। इसको मार डालो। यह कहने पर मत्री चकित हुए और बोले – हम स्वामी की सन्तान को किस प्रकार मार सकते हैं। हम इसको बाहर ले जाए और जगल में छोड दें। यह कैसा होगा।

खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जोब्शियेगेद् । खोयार् थुशिमेल् आबुन् ओद्छु येखे शिगुइ दुर् ओखिगाद् इरेयेले । खेउखेन् इनु । खोयार् थुशिमेल् इ दागुदाजु बायिजा । थुशिमेल् । निगे उगे खेलेये-खेमेन् दागुदासान् दुर् । थुशिमेद् बायिजु माशि गायिखागाद् छिङनाबा । थेरे खेउखेन् एयिन् जालिग् बोलोहन् । था खागान् दागान् ओछिजु मिनु उगे यि सायिथुर् खुर्गे । थोगुस् शिबागुन् थोरोखु जुल्जागा आनु । ओस्खुइ देगेन् खोखे जिसु बेर ओस्देग् गेले । येखे बोलुग्सान् खोयिना आल्या थु थोगुस् बोल्दाग् गेले । थेगुन् दुर् आदालि । खागान् खुमुन् एछे खोवेगुन् थोरोखु । थोरोग्सेन् उ खोयिना ओस्खुइ दुर् इयेन् एछिगे एखे खिगेद् । येखे उलुस् थुर् इयान् थुशिजु ओस्देग् गेले । येखे बोलुग्सान् उ खोयिना । दोबेंन् थिब् इ एजेलेग्छि खागान् बोल्वा गेम् नि । दोबेंन् थिब् उन् येखे खागाद् उद् इ थेग्शि छुग्लागुल्जु इरेगुलुगेद् । थेगुन् दुर् येखे नोम् उन् खुरिम् खिबेसु थेगुन् दुर् ओरोखु निगे मिङगान् थाबुन् जागुन् खासाग् दाबुसु आछा बायिथुगाइ । निगे थुमेन् खासाग् दाबुसु खुखुं बुयु गेजु खेलेरेइ । थोथि शिबागुन् ओङदोग्लेजु ओम्दोगेन् एछे नेञ्छिगेद् । ओस्खुइ देगेन् शिबागुन् उ दुरि बेर्

जोब्शियेगेद्–स्वीकार कर लिया
आबुन् ओद्छु– ले जा कर
शिगुइ दुर्–जंगल में
ओखिगाद्–छोड़ कर
इरेयेले–जब लौट रहे थे, लौटते समय
दागुदाजु–पुकारा
बाइजा–ठहरो
खेलेये–मैं कहूंगा
बायिजु–ठहर गए, ठहर कर
छिङनाबा–सुनने लगे
ओछिजु–जा कर
सायिथुर्–अच्छी प्रकार
खुर्गे–निवेदन कर देना
थोगुस् शिबागुन्–मोर पक्षी
थोरोखु–उत्पन्न
जुल्जागा–बच्चा
ओस्खुइ देगेन्–अपने बढ़ने में

खोखे जिसु बेर्–नीले रंग से
ओस्देग् गेले–बढ़ता हुआ कहा जाता है
आल्या थु–सुवर्णमय
बोल्दाग् गेले–बना हुआ कहा जाता है
थेगुन् दुर् आदालि–उसी के समान
ओस्खुइ दुर् इयेन्– अपने बढ़ने में
येखे उलुस्–राष्ट्र, मातृभूमि
थुशिजु–सहारा ले कर
थिब्–द्वीप
एजेलेग्छि–प्रभुत्व वाला
बोल्वा गेम् नि–बन जाए तो
खागाद् उद् इ–राजाओं को
थेग्शि–समान रूप से
छुग्लागुल्जु–निमन्त्रण दे कर
इरेगुलुगेद्–बुलाए
थेगुन् दुर्–उन के लिये
नोम् उन् खुरिम्–धर्मोत्सव

खिबेसु–यदि करे
येगुन् दुर् ओरोखु–उनके लिये उपयुक्त
बायियुगाइ–रहने दो
निगेन् युमेन्–एक अयुत (१०,०००)
खुलुं वुयु–पर्याप्त होगा क्या
गेजु खेलेरेइ–इति कह देना
योयि–तोता, शुक
ओड्डोगलेजु–अंडा देता है
ओम्दोगेन् एछे–अंडे से
नेब्छिगेद्–बच्चा निकलता है
दुरि बेर्–रूप में

यह कहने पर राजा ने स्वीकार कर लिया। दो मंत्री (बच्चे को) ले जा कर बड़े जंगल में छोड़ कर जब लौट रहे थे तब बच्चे ने दोनों मंत्रियों को पुकारा – ठहरो, मंत्रियो। मैं एक बात कहूंगा। पुकारे जाने पर मंत्री ठहर गये और बहुत चकित हो कर सुनने लगे। बच्चे ने इस प्रकार कहा – तुम अपने राजा के पास जा कर मेरे शब्द अच्छी प्रकार निवेदन कर देना। मोर पक्षी से उत्पन्न हुआ बच्चा बढ़ते समय नीले रंग से बढ़ता हुआ कहा जाता है। बड़े होने के पश्चात् सुवर्णमय बना हुआ कहा जाता है। उसी के समान राजपुरुष से पुत्र की उत्पत्ति है। जन्म के पश्चात् बच्चा बढ़ता हुआ अपने पिता माता और राष्ट्र का सहारा ले कर बढ़ता हुआ कहा जाता है। यदि बड़े होने के पश्चात् चारों द्वीपों के प्रभुत्व वाला राजा बन जाए और चारों द्वीपों के महाराजाओं को समान रूप से निमंत्रण दे कर बुलाए और यदि उनके लिये एक महान् धर्मोत्सव करे तो उनके उपयोग के लिये एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण तो परे रहा, क्या दस सहस्र गाड़ी लवण भी पर्याप्त होगा। शुक पक्षी अंडा देता है। अंडे से बच्चा निकलता है। बड़ा हो कर पक्षी का रूप

[illegible]

यावुखु। येम्बे वोठुग्मान् उ खोयिना। आमियान् उ खेले सुरगाद् एर्दैम् विलिग् इ थेगुस् सुरुन् गेले। थेगुन् दुर् आदालि। खाग्रान् सुमुन् एछे खोबेगुन् थोरोखु। थोरोग्सेन् उ खोयिना। ओस्नुइ दुर् इयेन् एछिगे एखे ग्बिगेद्। एड येखे उलुस् बुगुदे यि थुशिजु ओस्देग् गेले। येखे वोलुग्मान् उ खोयिना। थ्ढ्रि। ग्राजार् खिगेद्। दोर्बेन् थिव् इ एजेलेग्छि खाग्रान् वोल्था गेम्। थ्ढ्रि नेर् ग्राजार् खिगेद्। थिव् उन् खाद् वा। दोर्बेन् थिव् उन् वोदिसदुअ नार् खुवाराग् उद् इ थेग्रि वेर् छुग्लागुल्जु। थेगुस् नोम् उन् खुरिम् खिखुले। थेगुन् दुर् नेयिलेगुल्खु। निगे मिडगान् थावुन् जागुन् साराग् दावुसु आछा वायिथुगाइ। थुमेन् खासाग् दावुस् खुर्खु वुयु गेजु खागान् दागान् खेलेरेड् सेमेग्सेन् दुर्। सोयार् थुदिमेल् इनु यागारान् खुठुं इरेगद्। खेउखेन् उ खेलेग्सेन् उगे यि छोम् वुरिन् ए आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् सानुसुगाद्। आलाग्रा वान् देलेद्छु। बोसुन् गुयुजु वोग्दा बोदिसदुअ मिनु छिमायि युगान् ऐसे थानिवाइ खेमेवेसु। उनेन् आजुगु। यावु यावु। खेउखेन् इ मिनु आब्छु इरेथुगेइ सेमेन्। खागान् एखिलेन् खामुग् बुगुदेगेर् गुयुल्दुवेइ। खुछुं उजेवेसु। ओखिग्सान् गाजार् आ।

यावुखु–चलना है, धारण करता है
आमियान् उ खेले–प्राणियों की भाषा
सुरुगाद्–सीख कर
एर्दैम् विलिग् इ–गुण (और) प्रज्ञा को
थेगुस्–पूर्ण रूप से
सुरुन् गेले–सीखता हुआ कहा जाता है
एड–विशाल
थ्ढ्रि गाजार्–स्वर्गलोक (और) भूलोक
खुवाराग् उद् इ–भिक्षुसघों को
थेग्रि वेर्–समान रूप से अर्थात् विना अप-
 वाद के
खिखुले–करे, मनाए
थेगुन् दुर् नेयिलेगुल्खु–उनके लिये इकट्ठा
 करना
वायिथुगाइ–रहने दो
गेजु–इति
यागारान्–शीघ्रता से
खुर्छु इरेगेद्–लौट कर आये
छोम् वुरिन् ए–सब पूर्ण रूप से
सोनुसुगाद्–सुना
आलागा वान् देलेद्छु–अपनी ताली बजा कर
बोसुन्–उठ कर
गुयुजु–भागा
थिमायि युगान्–अपने तुमको
एसे थानिवाइ–नही पहिचाना
खेमेवेसु–यदि यह कहू
उनेन् आजुगु–(तो) सच होगा
आब्छु इरेथुगेइ–ले कर आओ
एखिलेन्–आदि
खामुग् बुगुदेगेर्–सब के सब
गुयुल्दुवेइ–भागे
खुर्छु उजेवेसु–पहुच कर जब देखा
ओखिग्सान् गाजार् आ–जिस स्थान पर छोडा
 था वहा

धारण करता है। बडा होनें के पश्चात् प्राणियो की भाषा सीख कर गुण और प्रज्ञा को पूर्ण रूप से प्राप्त कर लेता है। ऐसा कहा जाता है। उसी के समान राजपुरुष के बच्चे का जन्म है। जन्म के पश्चात् बढते हुए बच्चा पिता माता और विशाल राष्ट्र, सभी का सहारा ले कर बढता है। यदि बडा होने के पश्चात् वह स्वर्गलोक भूलोक और चारो द्वीपो का प्रभु राजा बन जाता है और स्वर्गलोक भूलोक तथा द्वीपो के राजाओ और चारो द्वीपो के बोधिसत्त्वो और भिक्षुसघो को समान रूप से निमत्रित करता है और सपूर्ण धर्मोत्सव मनाता है तो उनके लिये एक सहस्र पाच सौ गाडी लवण से तो क्या, दस सहस्र गाडी लवण भी पर्याप्त न होगा। यह अपने राजा से (जा कर) कह दो। दोनो मत्री शीघ्रता से लौट कर आये और बालक के कहे हुए सब वचनो को सपूर्ण रूप से प्रतिवेदन किया। राजा ने सुना, अपनी ताली बजाई और उठ कर भागा–मेरे महात्मन् बोधिसत्त्व, यदि मै कहू कि मैंने तुमको नही पहिचाना तो यह सत्य होगा। जाओ, जाओ, मेरे बच्चे को ले कर आओ। यह कह कर राजा आदि सब के सब भागे। पहुच कर देखा तो जिस स्थान पर (बालक को) छोडा था वहा

खेत्रुखेन् त्रुगेइ आजुगु। खागान् उखिलाजु त्रुछुगुखेन् आबुरा था। आसारागिछ वोदिसदुअ मिनु। निल्खा आछा एयिमु उद्खा थु त्रुगे यि आयिलादुन् जालिग् वोलुग्छि वोदिसदुअ मिनु छिमायि युगान् यागाखिन् एन्देगुरेलुगे। एन्दे ओखिग्सान् गाजार् आछा खामिगाशि ओद्वा सेमेन् उखिलाजु यावुन् आयाला। खादा यिन् खोन्देइ दोथोरा। खेत्रुखेन् गिङ्गेस् गेजु उखिलाखुइ दुर्। गुयुन् खुरुन् गेखुले। थेरे खेत्रुखेन् इ नाइमान् लूस् उन् येखे खाद् इरेजु। लिङखुआ छेछेग् इयेर् खुछिल्गा खिगेद्। आमान् दुर् आनु वाल् खोखुगुलुन्। एमुने इनु सोगुद्दुन् नामान्छिलान् मोर्गुंजु वायिन् वुलुगे। खागान् इ खुर्खुइ दुर् त्रुलु त्रुजेग्देन् ओद्बाइ। खागान्। खेत्रुखेन् इयेन् आबुगाद् ओरोइ देगेरे वेन् थाल्बिजु नामान्छिलान् मोर्गुगेद्। आसारागिछ वोदिसदुअ खोवेगुन् मिनु। आबु छिनु वि बुरुगु सेद्खिजु आल्दाल् खिवे। आल्दाल् इयान् नामान्छिलागाद् गेर् येगेन् जालाजु इरेगेद्। आल्वा थु युगान् खुरियाजु येखे खुरिम् त्रुइलेद्दुगेद्। वोग्दा बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् खेमेन् नेरेयिद्वे। आराजि त्रोजि खागान् छि आनु। मिनु थेरे वोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् निल्खा बुबुइ दुर् इयेन् थेयिमु उद्खा थु त्रुगेस् इ जालिग् बोलुगाद्। एछिगे युगान् मोर्गुगुलुसेन् थेयिमु येखे वोग्दा बुलुगे। छि थेरे मेथु खागान् वोल्वा गेम्। एने शिरेगेन् देगेरे सागु। थेयिमु बुसु वोल्खुला सागुजु त्रुलु वोलुमुइ। खारि खेमेगेद्॥

उखिलाजु–रोते हुए रोते जाते हुए

त्रुछुगुखेन् –छोटे होते हुए (भी)

आबुरा था–तुम बचाओ

आसारागिछ–मैत्रेय, कृपालु

निल्खा आछा–बचपन से

एयिमु उद्खा थु–इस प्रकार के अर्थयुक्त

त्रुगे यि आयिलादुन्–वचन बोल कर

जालिग् बोलुग्छि–आदेश देने वाले

छिमायि युगान्–तुम्हारे विषय में

यागाग्नि–कैसे

एन्देगुरेलुगे–भ्रम हो गया

एन्दे–यहां, इस

ओग्गिसान् गाजार् आछा–छोडे हुए स्थान से

खामिगाशि ओद्वा–किधर चले गये थे

सेमेन् उखिलाजु यावुन् आयाला–इस प्रकार रोते जाते हुए

खादा यिन् खोन्देइ दोथोरा–चट्टान की गुफा के अन्दर

गिङगेस् गेजु–चिल्ला कर

उखिलाखुइ दुर्–रोने पर

गुयुन् खुरुन् गेखुले–भाग कर पहुचना चाहा

नायिमान्–आठ

लूस् उन् येखे खाद्–नागो के महान् राजाओ ने

इरेजु–आ कर

लिङखुआ छेछेग् इयेर खुछिल्गा–पद्मपुष्पो से ढक दिया था

आमान् दुर् आनु–इनके मुख में

वाल् खोखुगुलुन्–मधु चाटने को दे दिया था

एमुने इनु सोगुद्दुन्–इसके सामने घुटने टेक कर

नामान्छिलान् मोगुंजु बायिन् युलुगे–हाथ
जोड़ कर प्रणाम कर रहे थे
सागान् इ सुखुंइ दुर्–राजा के पंहुचने पर
उलु उजेग्देन् ओद्वाइ–अदृश्य हो गये
ओरोइ देगेरे बेन्–अपने सिर पर
थाल्विजु –रख कर, रखा
आवु छिनु बि–पिता तुम्हारा मैं
धुरगु सेद्खिजु–दुष्ट चिन्तन करके
आल्दाल् खिबे–पाप किया
आल्दाल् इयान् नामान्छिलागाद्–अपने पाप का पश्चात्ताप करके
गेर् थेगेन् जालाजु इरेगेद्–घर अपने आमन्त्रित करके ले आया अर्थात् अपने घर ले आया

आल्वा यु युगान् खुरियाजु–अपनी प्रजा को इकट्ठा करके
येखे खुरिम् उइलेद्दुगेद्–महोत्सव रच कर
नेरेयिद्बे–नाम रखा
निल्खा युखुइ दुर् इयेन्–अपने बालक होने में अर्थात् बचपन में
एछिगे युगान् मोर्गुंगुलुग्सेन्–अपने पिता से प्रणाम करवाया
देरेगु सागु–पर बैठो
थेयिनु बुसु बोल्खुला–ऐसे नही हो
सागुजु उलु बोलुमुइ–तो नही बैठ सकोगे
खारि–लौट जाओ
खेमेगेद्–कहा, इति

बालक न था। राजा ने रोते हुए कहा – छोटे होते हुए (भी) तुम बचाओ। कृपालु बोधिसत्व मेरे, बचपन से इस प्रकार के अर्थयुक्त वचन बोल कर आदेश देने वाले, मेरे बोधिसत्व, तुम्हारे विषय में मुझे कैसे भ्रम हो गया। इस स्थान से, जहा तुम को छोड़ा गया था, तुम किधर चले गये हो – इस प्रकार जब (राजा) रोते हुए चलने लगे, तब चट्टान की गुफा के अन्दर बच्चे के चिल्ला कर रोने पर, राजा ने भाग कर पहुंचना चाहा। उस बच्चे को, नागो के आठ महान् राजाओ ने आ कर पद्म पुष्पों से ढक दिया था और इसके मुख में मधु चाटने को दे दिया था। (वे) इसके सामने घुटने टेक कर हाथ जोड़ कर प्रणाम कर रहे थे।

राजा के पहुंचने पर (नागराज) अदृश्य हो गये। राजा ने अपने बच्चे को पा कर अपने सिर पर रखा और हाथ जोड कर प्रणाम किया – कृपालु बोधिसत्व बालक मेरे, तुम्हारे पिता मैं ने दुष्ट चिन्तन करके पाप किया।

अपने पाप का पश्चात्ताप करके (बालक को) अपने घर ले आया। अपनी प्रजा को इकट्ठा किया और महोत्सव रच कर "महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम रखा।

राजा भोज, मेरे महात्मा विक्रमादित्य राजा ने अपने बचपन में (ही) इस प्रकार अर्थयुक्त (सारवान्) वचन कहे कि इसने अपने पिता से प्रणाम करवाया। ये इस प्रकार के बडे महात्मा हुए। यदि तुम इसके समान राजा हो तो इस सिंहासन पर बैठो। यदि इसके समान नही हो तो नही बैठ सकोगे। लौट जाओ। इति ॥

## खोयादुगार् बोलुग्

निगेन् मोदुन् सुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् दुर् । मोन् सु शिरेगेन् उ निगेन् मोदुन् सुमुन् उगुलेद्न् । खागान् छि बायिजा । वि छिमा दुर् एसे खेलेल् । बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् निल्खा बुखुइ छाग् थागान् खोदेगे गाजार् आ ओर्खिग्दाग्सान् दुर् इयान् उद्खा थु जालिग् बोलुग्सान् दुर् । एछिगे इनु गड्दर्व नेरे थु खागान् खिगेद् । खामुग् येखे उलुस् इ मोर्गुगुलुग्सेन् थेरे उछिर् इ खेलेग्सेन् बुलुगे । एदुगे बिर्कमिजिद् खागान् उ ओसुग्सेन् छाग् थागान् यावुग्सान् याबुदाल् इ खेलेये । खागान् खिगेद् । खामुग् बुगुदेगेर् सोनुस् । बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् उ बागा छाग् थुर् एछिगे इनु गड्दर्व खागान् । दिम्नुस् उन् छेरिग् लुगे बायिल्दुरा ओद्खुइ दागान् ओवेर् उन् माखाबुद् बेये बेन् शियुगेन् बुर्खान् उ देर्गेदे थाल्बिगाद् । खी सुनेसुन् इयेर् ष्डि लुगे आदालि बोल्जु ओगेदे बोलुग्मान् उ खोयिना । खाराछु बागा खायुन् आनु । येखे उजेस्खुलेड थु गूआ खायुन् दागान् इरेजु । मान् उ खागान् । मान् लुगा सागुखुइ दुर् । खुमुन् उ दुरि बेर्

| | |
|---|---|
| खोयादुगार्–द्वितीय | छेरिग् लुगे–सेना के साथ |
| मोन् सु–उसी | बायिल्दुरा–युद्ध करने के लिये |
| बायिजा–ठहरो | ओद्खुइ दागान्–अपने जाने (पर), जाता हुआ |
| एसे खेलेल्–नही कहा था क्या (उ) | ओवेर् उन्–स्वय के, अपने |
| छाग् थागान्–काल में | माखाबुद्=महाभूत |
| खोदेगे गाजार् आ–निर्जन स्थान में | बेये बेन–अपने शरीर को |
| ओर्खिग्दाग्सान् दुर् इयान्–अपने छोडे जाने पर | शियुगेन् बुर्खान्–बुद्ध की मूर्ति अथवा रक्षक बुद्ध |
| मोर्गुगुलुग्सेन्–प्रणाम करवाया था | थाल्बिगाद्–छोड गया |
| थेरे उछिर् इ–इस बात को | खी सुनेसुन् इयेर्–प्राणो से, आत्मा द्वारा |
| खेलेग्सेन् बुलुगे–कहा जा चुका है | ष्डि लुगे आदालि बोल्जु–देवता के समान बन कर |
| एदुगे–अब | ओगेदे बोलुग्सान् उ खोयिना–प्रस्थान करने के पश्चात् |
| ओसुग्सेन् छाग् थागान्–अपने वृद्धि के समय | मान् लुगा–हमारे साथ |
| यावुग्मान् याबुदाल्–किये हुए काम, चरित | सागुखुइ दुर्–रहने पर, रहते समय |
| खेलेये–कहूगी | दुरि बेर्–रूप से, रूप में |
| सोनुस्–सुनो | |
| बागा छाग् थुर्–छोटे (होने के) समय में, शैशव काल में | |

## द्वितीय अध्याय

### एक (दूसरी) पुतली की कथा ।

भोज राजा को उसी सिंहासन की एक (और) पुतली ने कहा – राजन् तुम ठहरो । मैंने तुम से नहीं कहा था क्या ।

महात्मा विक्रमादित्य राजा ने अपने शिशुकाल में निर्जन स्थान में छोड़े जाने पर अर्थवान् वचन कह कर अपने गन्धर्व नामक पिता राजा तथा समस्त राष्ट्र से प्रणाम करवाया था । इस बात को कहा जा चुका है ।

अब विक्रमादित्य राजा के वृद्धि के समय के चरित को कहूंगी । राजन् और अन्य सब सुनो । महात्मा विक्रमादित्य राजा के शैशव काल में इसका पिता गन्धर्व राजा भूतो की सेना के साथ युद्ध करने के लिये जाता हुआ अपने महाभूतमय शरीर को वृद्ध-मूर्ति के सामने छोड़ गया, और देवता के समान बन कर, केवल आत्मा द्वारा प्रस्थान किया । तत्पश्चात् सामान्य (वंश की) छोटी राणी बड़ी राणी रुचिरललिता के पास आई और बोली – हमारे राजा जब हमारे साथ रहते थे तो मनुष्य के रूप में

बुलुगे । एदुगे मोर्दोखुइ दुर् इयान् उजेस्खुलेड साथिखान् गेरेल् ओञ्जे थेइ मोर्दोलुगा । विदा लुगा सागुखुइ दागान् थेयिमु सायिखान् बोलुसाइ खेमेन् आमिलाद्खाग्सान् दुर् । उजेस्खुलेड गूआ खायुन् इनियेजु जालिग् बोलोरुन् । छि थागा खुमुन् उ थुला । उलु मेदेमुइ । इर् थु मेसेन् उ उजेगुर् थुर् माखाबुद् बेये बेन् एब्देरेनेम् खेमेजु । खी सुनेसुन् इयेर् । थिइ यिन् दुरि बेर् ओगेदे बोलुलुगा खेमेग्सेन् दुर् । खाराछु खायुन् एयिन् सेद्खिरुन् । खागान् उ थाल्बिग्सान् खेगुर इ थुलेजेसु । इरेग्सेन् खोयिना मोन् थेरे सायिखान् बेये बेर् बायिखु बुइ जा खेमेन् सेद्खिगेद् । शियुगेन् उ सुमे दुर् ओरोजु । खागान् उ थाल्बिग्सान् खेगुर् इ आबुगाद् । ओलान दागागुल् ओखिद् इयेर् चन्दन् मोदुन् इ जोगेल्गेजु खेगुर् इ इनु थुलेबेइ । थेयिन् आथाला । ओग्थार्गुइ बार् खागान् इरेगेद् आगार् इयार् एयिन् जालिग् बोलोरुन् । खामुरुन् खुरियाग्सान् उलुम् सिगेद् । खायिरालान् थेजियेग्सेन् खायुद् बा । खायिरान् बेये एछे बेन् खागाछाबाइ बि । थान् इ मिनु दोलुगान् खोनुग् उन् एछुस् थुर् शिम्नुस् उन् छेरिग् इरेजु । शिर्मेन् मोन्दोर् उनागाजु । थान् इ मिनु इदेखु बुयु । था दोलुगान् खोनुग् उन् उरिदा दुयागाजु गार्बासु

मोर्दोखुइ दुर् –प्रस्थान करते हुए
गेरेल्–प्रभा
मोर्दोलुगा–प्रस्थान किया है
विदा लुगा–हमारे साथ
इनियेजु–हँस कर
जालिग् बोलोरुन्–बोली
इर् थु–तीक्ष्ण
मेसेन् उ उजेगुर् थुर्–तलवारो की धार पर
एब्देरेनेम्–टुकडे २ हो जाता
ओगेदे बोलुलुगा–प्रस्थान किया है
एयिन् सेद्खिरुन्–इस प्रकार सोचा
खेगुर् इ–शव को
थुलेजेसु–यदि जला देवे
बायिखु बुइ जा–रहा ही करगे
सुमे दुर् ओरोजु–मन्दिर में पहुच गई
ओलान्–बहुत सी
दागागुल् ओखिद् इयेर्–अनुचरी लडकियो द्वारा
जोगेल्गेजु–इकट्ठा करवा कर
थुलेबेइ–जला दिया
थेयिन् आथाला–इतने में
ओग्थार्गुइ बार्–आकाश द्वारा
खामुरुन् खुरियाग्सान्–विश्वासपूर्ण सगृहीत
खायिरालान् थेजियेग्सेन्–स्नेहपूर्ण पोषित
खायिरान् बेये एछे बेन्–अपने प्रिय शरीर से
खागाछाबाइ बि–में पृथक् हो गया हू
दोलुगान्–सात
खोनुग्–दिन रात
एछुस्–अन्त
शिर्मेन् मोन्दोर्–हिमयुक्त आधी
इदेखु बुयु–खा जाएगी
दुयागाजु गार्बासु–यदि भाग निकलेगे

रहते थे। अब प्रस्थान करते हुए (इन्होंने) रमणीय, सुन्दर, प्रभावान् वर्ण वाले (शरीर से) प्रस्थान किया है। हमारे साथ रहते हुए यदि ऐसे सुन्दर होते (तो कितना अच्छा होता)। यह कहने पर रुचिर-ललिता राणी हँस कर बोली – तुम छोटे घर की हो, इस कारण नही समझतीं। तीक्ष्ण तलवारों की धार पर महाभूतमय शरीर टुकड़े २ हो जाता, इसलिये केवल आत्मा से देवता-रूप में प्रस्थान किया है। साधारण घर की राणी ने इस प्रकार सोचा – यदि राजा के छोड़े हुए शव को जला देवें तो लौटने के पश्चात् उसी सुन्दर शरीर से रहा ही करेंगे। यह सोच कर रक्षक बुद्ध के मन्दिर में पहुंच गई और राजा के छोड़े हुए शव को ले आई। और बहुत सी अनुचरी लड़कियों द्वारा चन्दन-काष्ठ इकट्ठा करवा कर शव को जला दिया। इतने में आकाश द्वारा राजा आ गए और आकाश से ही इस प्रकार बोले – विश्वासपूर्ण संगृहीत प्रजा से, स्नेहपूर्ण पोषित राणियों से और अपने प्रिय शरीर से मैं पृथक् हो गया हूं। आप मेरे (जनों) के पास सात दिन रात का अन्त होने पर भूतों की सेना आएगी, हिम-पात होगा और आंधी चलेगी और तुम मेरे जनों को खा जाएगी। यदि आप सात दिन रात के पूर्व भाग निकलेंगे

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

जोगिम् सेमेन् जालिंग् बोल्गाद् । निर्वान् दुर् आगेदे बोल्वाइ । सायुन् सिगेद् । गिया नार् थुसिमेद् था । सामुग् येसे उठुम् बुगुदे सागान् उ सायिन् याबुदान् इ दुरादुन् ग्रुदुगेजु ग्रासालागुइ दुर् । ग्रुमुदुगेइ गूआ सायुन् जालिंग् बोलोरन् । ग्रासाल्वाछु थुसा ग्रुगेइ । ग्रायिसाम्सिग् थाइ सागान् उ जालिंग् इयार् । एने निगेन् सेनुगेन् इ गार्ग्रावासु सायिन् खेरेग् थुइ जा गेमेगेद् । थानुन् दागागुल् इयान् दागागुल्जु ग्रारुन् याबुवाइ । दोगुगान् खोनुग् याबुथाला निगेन् ओग्निन् इनु निरायिलावाइ । सायुन् जालिंग् बोलोरन् । आवाइ ओग्निन् सुमुग् बोलुगाद् याबुदाल् दुर् थानु सागाद् गेग्छि नि यागुवेइ गेमेगेन् दुर् । ओग्निन् उगुलेरन् । सायुन् आ थि एरेस् लुगे नेयिलेग्सेन् थुसु । सायुन् उ जोगोग्लागसान् । ब्रामा यिन् आदिस् थु इदेगेन् उ ग्रुलेग्सेन् शाब्सुर यि आम्मुरसान् आछा बोलुगा सेमेगेन् दुर् । सायुन् जालिंग् बोलोरन् । ब्रामा यिन् आदिस् आछा बोलुगान् सेनुगेन् इ यागाम्सिजु ओग्निमुइ । आब्छु याबुथा सेमेगेन् दुर् । थुसु ओसिद् ग्रुगुलेरन् । चरिदा यिन् गेनुगेन् इ आरायिसान् आब्छु याबुथाला । एदुगे निरसा छिगु थाइ यि यागारिन् आब्छु यानुगु थुद सेमेगेन् दुर् । जोन् सेमेलुगेद् छिनोआ यिन् नुमेन् दु ओसिवाइ येगुन् एछे

जोगिम्–तो ठीक होगा

सेमेन् जालिंग् बोलुगाद्–यह कह कर

निर्वान् दुर् आगेदे बोल्वाइ–निर्वाण को प्राप्त हो गये

दुरादुन्–स्मरण करके

ग्रुमुदुगेजु–मूर्छित हो कर

ग्रासालागुइ दुर्–शोक करने पर

ग्रासाल्वाछु–शोक करना

थुसा ग्रुगेइ–लाभ नहीं, व्यर्थ (है)

ग्रायिसाम्सिग् थाइ–आश्चर्यजनक

जालिंग् इयार्–आदेशानुसार

गार्ग्रावासु–यदि बचा लेवे, निकाल लेवे

सायिन् खेरेग्–अच्छी बात

थानुन् दागागुल् इयान् दागागुल्जु–पाच अनुचरियो द्वारा अनुचरित होकर अर्थात् साथ ले कर

ग्रारुन् याबुवाइ–निकल गई

निरायिलावाइ–बच्चे को जन्म दिया

आवाइ ओसिन्–हे कुमारि

सुमुग् बोलुगाद्–पुरुष से सम्बन्ध करके

याबुदाल् दुर्–यात्रा में

सागाद्–बाधा, विलम्ब

गेग्छि–करने वाली

यागुवेइ–क्या किया

सायुन् आ–हे राणी

एरेस् लुगे–पुरुषों के साथ

नेयिलेग्सेन् थुसु–सम्पृक्त नहीं, (मैंने) सम्पर्क नहीं किया है

जोगोग्लागसान्–खाये हुए

आदिस् थु–प्रसाद वाले

इदेगेन् उ–भोजन के

ग्रुलेग्सेन् शाब्सुर यि–अवशिष्ट भाग को

आम्मुरसान् आछा–चाट लेने से

बोलुगा–हुआ है

यागाखिजु ओखिमुइ–कैसे छोड़ें
आव्छु याबुया–ले चलेंगे
बुसु–अन्य
ओखिद्–लडकियो ने
आरायिखान्–कठिनाई से
आव्छु याब्रुयाला–ले कर चल रहे हैं
निल्खा–नवजात शिशु को
छिसु थाइ–रुधिरयुक्त, लहू से सने हुए

यागासिन्–कैसे
आव्छु याबुसु थुइ–ले जाना होगा, ले चलेंगे
जोन् सेमेल्दुगेद्–ठीक वह कर
छिनोआ यिन्–भेडिये की
नुमेन् दु–माद में
ओखिबाइ–छोड दिया
येगुन् एछे–वहा से

तो ठीक होगा। यह कह कर निर्वाण को प्राप्त हो गये। राणी, अगरक्षक, मत्री और राष्ट्र, सब राजा के सुन्दर चरित को स्मरण कर के मूर्च्छित हुए और शोक करने लगे। तब रुचिरललिता राणी ने आदेश दिया – शोक करना व्यर्थ है, आश्चर्यजनक राजा के आदेशानुसार यदि इस एक बच्चे को बचा लेवे तो अच्छी बात होगी। यह कह कर पाच अनुचरियो को साथ ले कर राणी निकल गई। सात दिन रात व्यतीत होने पर एक लडकी ने एक बच्चे को जन्म दिया। राणी बोली – हे कुमारि, पुरुष से सबध करके यात्रा में विघ्न डालने वाली वन कर तुमने क्या किया। इस पर लडकी बोली – ह राणी, मैंने पुरुषो के साथ सम्पर्क नही किया है। राणी के खाये हुए गुरु के प्रसाद रूपी भोजन के अवशिष्ट भाग को चाट लेने से (यह बालक जन्मा) है। इस पर राणी ने आदेश दिया – गुरु के प्रसाद से जन्मे हुए बाल्क को हम कैसे छोडें। हम इसको साथ ले चलेंगे। तिस पर दूसरी लडकियो न कहा – पहले वाले लडके को कठिनाई से ले कर चल रहे हैं, अब लहू से सने हुए नवजात शिशु को कैसे ले चलेंगे। ठीक है, यह कह कर उसको भडिये की माद में छोड दिया और वहा से

छिनाग्शि याबुजु। खुनेसु वेन बाराजु यावुग्सागार् खुछुन् छिदाग्छि येसे खाग्रान् उ खोथान् दुर् ओयिरा खुछुं। थारियान् उ देर्गेदे सागुखुइ दुर्। थारियान् उ उलुस् बुगुदे खुराजु। उजेस्खुलेङ खायुन् इ सायिखान् इ ग्रायिखाजु याबुदाल् इ आसागुन् बायिथाला। येसे खाग्रान् थारियान् इ उजेरे यावुग्सागार् ओलान् खुभुन् छुग्लाग्सान् इ उजेगेद्। इरेजु यागुवेइ खेमेन् आसागुग्सान् दुर्। निगेन् खुमुन् इरेगेद्। निगेन् येखे खागान् उ खायुन् गेनेम्। शिम्नुस् आछा आयुजु याबुनाम्। खागान् आनु निर्वान् उ दुरि उजेगुल्बे खेमेमुइ खेमेग्सेन् दुर्। खाग्रान् इरेजु। खायुन् आछा उछिर् इ आसागुग्सान् दुर्। खायुन्। खागान् उ निर्वान् बोलुग्सान्। याग्रा खायुन्। खेगुर् इ थुलेग्सेन्। खेडुखेद् इयेन् शिम्नुस् आछा बुरुगुलुग्सान् जेर्गे याबुदाल् इ बुरिन् ए आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् सोनुसुगाद् थेयिमु सायिखान् खाग्रान् इ खोओर्लाग्छि एमे यिन् जेद्खेर् यागु थाइ खेंछेगू बुलुगे खेमेन् गोमुदुग्राद्। एने खेडुखेन्। खायुन् खोयार् यागु थाइ जोवालुग्रा खेमेन्। निगेन् थुशिमेल् दुर् इयेन् जालिंग् बोल्बा। एने खायुन्। खेडुखेन् थेइ यि आवाछिजु। शिने बायिशिङ दुर् ओरोगुल्जु। खुनेसु येखे ओग्छु वेइ खेमेगेद् ओवेर् इयेन् ओर्दु

छिनाग्शि याबुजु–आगे चल कर
खुनेसु–खाद्य पदार्थ, पाथेय
बाराजु यावुग्सागार्–जब समाप्त होने जा रहे थे
खुछुन् छिदाग्छि–बलवान् शाक
खोथान् दुर् ओयिरा–नगर के निकट
खुछुं–पहुचे
थारियान् उ देर्गेदे–खेत के पास
सागुखुइ दुर्–बैठने पर, बैठे थे कि
खुराजु–इकट्ठे हो गये
सायिखान् इ गायिखाजु–सौन्दर्य को सराहने लगे
याबुदाल् इ–काम के सम्बन्ध में
आसागुन् बायिथाला–पूछ ही रहे थे
उजेरे–देखने के लिये
छुग्लाग्सान् इ–एकत्रित हुओ को
इरेजु–आ कर
यागुवेइ–यह क्या है
गेनेम्–कही जाती है
याबुनाम्–जा रही है
निर्वान् उ दुरि उजेगुल्बे–निर्वाण का रूप देखा है अर्थात् निर्वाण हो चुका है
बुरुगुलुग्सान्–बचाया, बचाने को
जेर्गे–क्रम से
याबुदाल् इ–घटनाओ को
बुरिन् ए–पूर्ण रूप में
खोओर्लाग्छि–हानि पहुचाने वाली
एमे यिन् जेद्खेर्–स्त्री के कृत्य
यागु थाइ खेंछेगू–कितने भयकर
गोमुदुगाद्–दु खी हुआ
जोवालुगा–दु ख पाया है
आवाछिजु–ले जा कर
शिने बायिशिङ दुर्–नये घर में
ओरोगुल्जु–ठहरा कर अर्थात् ठहरा दो

सुनेसु–खाद्य पदार्थ
येखे ओग्छु वेइ–बहुत दे दो

ओदुं खार्थि दागान्–अपने प्रासाद को

आगे चल कर जब खाद्य पदार्थ समाप्त होने जा रहे थे, वे बलवान् शक-महाराज के नगर के निकट पहुंचे। वे खेत के पास बैठे थे कि खेत के सब लोग इकट्ठे हो गये और रुचिरललिता राणी के सौंदर्य को सराहने लगे। वे उसके काम के संबंध में पूछ ही रहे थे कि महाराजा ने, खेतों को देखने के लिये जाते हुए बहुत से पुरुषों को इकट्ठे हुए देखा और आ कर पूछा–यह क्या है। एक पुरुष आया और बोला–यह एक बड़े राजा की राणी कही जाती है। भूत से डर कर जा रही है। इसके राजा का निर्वाण हो चुका है। राजा (पास) आया और राणी से (सब) बात पूछी। राणी ने राजा के निर्वाण होने को, छोटी राणी के शव जलाने को और अपने बच्चे को भूत से बचाने को–क्रम से (इन सब) घटनाओं को पूर्ण रूप में निवेदन किया। राजा ने सुन कर कहा–ऐसे भले राजा को हानि पहुंचाने वाली स्त्री के कृत्य कितने भयकर हुए। और दु.खी हुआ। इस बच्चे और राणी ने किस प्रकार दु.ख पाया है–यह कह कर अपने एक मत्री को आदेश दिया–बालक सहित इस राणी को ले जा कर नये घर में ठहरा दो और खाद्य पदार्थ बहुत दे दो। यह कह कर अपने प्रासाद

मिनु जोरिगु इयार्–मेरी इच्छानुसार

बोलुमु– होंगे क्या, काम करेंगे क्या (उ)

नोयान्–अध्यक्ष

गाल्वासा–यह मोगोल नाम नही, भारतीय नाम है। किन्तु इसका मूल रूप क्या होगा, निश्चय नहीं किया जा सकता – कालपाश, खलपाश, कलमाप, अथवा कुछ और।

आबाछिवा–ले गया, साथ ले गया

खुमुन्–यहा "खुछुन्" चाहिये। यह शब्द पहले आ चुका है

गोओल् उन् थोखोइ दुर्–नदी के बाहु में अर्थात् मोड में

खोनुबाइ–रात बिताई

उलिबाइ–रोए, रोने लगे

शालु–सस्कृत कोशों में शालु शब्द है, किन्तु इसका अर्थ "भेडिये का पाला हुआ नर-बालक" कही नही मिला।

में लौट आया। उस मन्त्री ने बालक सहित राणी को ले जा कर, राजा के आदेशानुसार वडे सम्मान पूर्वक ठहरा दिया। विक्रमादित्य राजकुमार का शरीर वडा हुआ। विद्वानो से उसने विद्या सीखी, मायावियो से माया सीखी, व्यापारियो से व्यापार सीखा, चोरो से चोरी सीखी। बहुत धन कमाया। इतने में पाच सौ व्यापारी, जो रत्न लेने के लिये गये हुए थे, लौटते समय भेडिये की माद के पास (भेडिये के) बच्चे के साथ एक (मनुष्य के) बच्चे को खेलते हुए देख कर आपस में बोले – भेडिये के बच्चे के साथ मनुष्य का बच्चा कैसे खेल सकता है। यह कह कर पीछा करके पकड लिया और पूछा – तुम मनुष्य के बालक हो कर भेडिये के साथ किस प्रकार रहते हो, हमारे साथ चलो। यह कहने पर उस बालक ने कहा – मैं भेडिये का लडका हू। आप मुझको पकडने के पश्चात् मेरी इच्छा के अनुसार काम करेंगे क्या। व्यापारियो के अध्यक्ष कलमाप ने कहा – मनुष्य अपने मनुष्यो के साथ रहते हैं, उनका भेडियो के साथ रहना उचित नही। यह कह कर वह उसको साथ ले गया। वे व्यापारी बलवान् शकराज के (नगर के) पास पहुचे और एक नदी के मोड में रात बिताई। भेडिये आ कर रोने लगे।

भारत में भेडिये के (पाले हुए) नर-बालक को शालु कहते हैं

गेजि। थेरे खेतुखेन् इ शालु खेमेन् नेरेयिद्छु। थेरे छिनोआ यागुन् इ खेलेमुइ खेमेन् आसागुबासु। शालु तुगुलेरुन्। थेरे छिनोआ मिनु एछिगे एखे बुयु। थाबु जिर्गुगान् ओखिद् इरेगेद्। छिमायि थोरोजु ओर्खिग्सान् इ बिदे थेजिगेजु येखे बोलालुगा। मान् उ आछि यि सानाल् तुगेइ खुमुन् लुगे खानिलाबाइ छि। एने सोनि बोरुगान् ओरोजु। एने गोओल् येखे तुयेर्लेखुइ दुर्। एने खुदाल्दुगाछिन् दागारिग्दाबासु तुखुखु बुइ जा। छि मिनु गार्छु इरे। देर्गेदे छिनु खुलागायिछि गेथेजु बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर्। बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् खुलागाइ खिरे ओयिरा गेथेजु सागुग्सान् आजुगु। शालु नोखुद् थुर् इयेन् छिनोआ यिन् तुगे यि खेलेखुइ यि सोनुसुगाद्। एने छिनोआ यिन् खेले यि मेदेखु तुयेले खुमुन् बुसु। बोरुगान् ओरोखु खुदाल् बोल्युगाइ। मिनु गेथेजु बायिखु यि यागाखिजु मेदेबे खेमेन् खारिखुइ दागान् छिमायि सोनि बुरि गेथेखु खेमेन् जानुगाद् याबुबाइ। थेरे खुदाल्दुगाछिन् छिनोआ यिन् उलिग्सान् तुगे यि शालु मेदेग्सेन् इयेर् नेगुजु निगेन् दोरोल्जि आगुलान् दुर् बागुबाइ। थेरे सोनि बोरुगान् ओरोजु। गोओल् येखे तुयेर्लेग्सेन् दुर्। थेरे खुदाल्दुगाछिन् शालु आछा ओबेरे। तुखुखु बुलुगे खेमेल्दुगेद्।

गेजि—इसलिये
नेरेयिद्छु—नाम दिया
खेलेमुइ—कह रहे है
बुयु—है
जिर्गुगान्—छः
ओखिद्—लड़किया
छिमायि—तुम को
थोरोजु—जन्म दे कर
ओर्खिग्सान् इ—छोड़े हुए को
बिदे—हम ने
थेजिगेजु—पाल पोस कर
येखे बोलालुगा—बड़ा किया
मान् उ आछि यि—हमारी कृपा को
सानाल् तुगेइ—स्मरण न (करके), भूल कर
खानिलाबाइ छि—मित्रता की तुम ने
एने सोनि—इस रात को, आज रात को
बोरुगान् ओरोजु—वर्षा होगी
तुयेर्लेखुइ दुर्—बाढ़ आने पर, बाढ़ आयेगी
दागारिग्दाबासु—यदि (बाढ़ के) मार्ग में आ गये
तुखुखु बुइ जा—निश्चय (जा) मृत्यु होगी
गार्छु इरे—निकल आओ
देर्गेदे—पास ही
खुलागायिछि—चोर
गेथेजु बायिनाम्—छिपा है
खान् खोबेगुन्—राजकुमार
खुलागाइ खिरे—चोरी करने के लिये
गेथेजु सागुग्सान् आजुगु—छिप कर बैठा हुआ था
नोखुद् थुर् इयेन्—अपने साथियों को
खेलेखुइ यि—बतलाते हुए
मेदेखु—समझने वाला
तुयेले—साधारण
खुदाल् बोल्युगाइ—झूठ हो सकता है

गेपेजु वामिशु पि–छिपे हुए होने को
याग्राग्विजु मेदेवे–कैसे जाना
सारिमुड दाग्रान्–लौटते समय
गेमेलु–छिपूगा, छिप कर देखूगा
जानुग्राद् याबुवाइ–धारण कर चला गया
उलिग्गान् डूगे पि–रोदन शब्दों को
नेगुजु–स्थान छोड़ दिया
दोरोल्जि–अल्पोन्नत, छज्जे के समान
आगुलान् दुर्–पहाड़ी पर
यागुवाइ–डेरा लगा लिया
शालु आछा ओवेरे–शालु के बिना
डुसुसु बुलुगे–मरना होता, मर जाते
सेमेल्दुगेद्–कहा

इसलिये इस बालक को (उन्होंने) शालु नाम दिया। जब उन्होंने उससे पूछा–वे भेड़िये क्या कह रहे हैं, तो शालु ने उत्तर दिया–वे भेड़िये मेरे पिता और माता हैं, (वे कह रहे हैं कि) पाच छ लडकिया आई थी, वे तुमको जन्म दे कर छोड़ गई थी। (इस प्रकार छोड़े हुए तुमको) हमने पाल पोस कर बडा किया। हमारी कृपा को भूल कर अब तुम ने मनुष्यों से मित्रता की है। आज रात को वर्षा होगी। इस नदी में बहुत बडी बाढ आएगी। यदि ये व्यापारी इस बाढ़ के मार्ग में आ गये तो निश्चय (इनकी) मृत्यु होगी। तुम हमारे (लाल) निकल आओ। पास ही तुम्हारे लिये चोर छिपा है। इति।

विक्रमादित्य राजकुमार चोरी करने के लिए पास ही छिप कर बैठा हुआ था। (उसने) अपने साथियों को भेड़िये के वचन बतलाते हुए शालु को सुना (और सोचा–) यह भेड़ियो की भाषा को समझने वाला साधारण व्यक्ति नही। वर्षा होगी, यह झूठ हो सकता है (किन्तु) मेरे छिपे हुए होने को कैसे जाना। इति। लौटते समय–तुमको प्रतिरात्रि छिप कर देखूगा–यह धारण कर (विक्रमादित्य) चला गया। उन व्यापारियों ने, शालु के ज्ञान द्वारा भेड़िये के रोदन शब्दो को (समझ कर वह) स्थान छोड दिया और एक छज्जे के समान पहाडी पर डेरा लगा लिया। उस रात्रि को वर्षा हुई। नदी में बहुत बाढ आई। उन व्यापारियों ने कहा–शालु के बिना हम मर जाते।

शाल्लु यि एर्देनि येर् येने शाड्नावाइ। स्रोयियु मोनि यासा निगेन् पोस्रोइ दुर् स्रोनुसु दु विर्कामिजिद् स्रान् सोवेगुन् इरेगेद् गेयेजु वायियाला। मोन् उरिदा यिन् स्रोपार् छिनोआ इरेजु उल्यिाइ। शाल्लु आछा। सुदाल्दुगाछिन् आगागुरन्। येरे छिनोआ यागुन् सेलेनेम् सेमेंग्सेन् दुर्। शाल्लु उगुल्हेन्। येरे मिनु एछिगे एसे छिनोआ वुयु। विदे एदुयि छिनेगेन् ओस्गेन् थेजियेंगेन् वुलुगे। येरे आछि यि मान् उ सानाल् उगेइ। गुमुन् लुगे ओद्सु छिनु वुयु। एगुन् एछे स्रोयिना। विदे इरेसु उगेइ वुयु सेमेमु। इजि मिनु छि एने सोनि वू उन्याराइ एने यागुग्सान् गोओल् इयार् निगेन् उनुगसेन् सुमुन् उ सेगुर् उरम्छु इरेमुइ। पेगुन् इ थोस्छु वारिगाद्। गुयान् दुर् छिन्दामुनि एर्देनि यि सेन् आयुग्सान् सुमुन्। दोवेंन् यिद् इ एजेलेग्छि स्रग्गात् योल्खु। यासा निगेन् सुलागायिछि सेयेजु वायिनाम् सेमेंग्सेन् दुर् विर्कामिजिद् स्रान् सोवेगुन्। शाल्लु यिन् उगे यि मोनुसुगाद्। सुलागाइ सिखु वेन् वायिजु गोओल् उन् देगेगुर् थोस्छु वायियाला उखुग्सेन् सुमुन् उरस्छु इरेसुइ दुर्। उगयुजु वारिगाद् वारागुन् गुया यि सागालाजु छिन्दामुनि एर्देनि यि आवुगाद्। एयिन् मेद्सिदन्। एने शाल्लु सोवेगुन् इ आरागालाजु आवुसुगाइ सेमेन् सारिवाइ। येरे गोओल् उन् दोयोरा। सुदाल्दुगाछिन् थोस्छु। सुमुन् उ सेगुर् इ आव्छु

शाड्नावाइ–पुरस्कृत किया
एदुयि छिनेगेन्–इतना बड़ा
ओस्गेन्–पाल कर
थेजियग्सेन् वुलुगे–पोषित किया
आछि–भलाई
सानाल् उगेइ–स्मृति नहीं, भूल गये
ओद्सु छिनु वुयु–जाना तुम्हारा हुआ,
अर्थात् चल दिये
एगुन् एछे स्रोयिना–आज के पीछे
विदे इरेसु उगेइ वुयु–हमारा लौटना न होगा,
हम न लौटेंगे
सेमेमु–कहते हैं, कहा
इजि, इछि–माता, दक्षिण (हाथ अथवा
पार्श्व), अन्त, मूर्ति। परन्तु यहां इसका
अर्थ नहीं बनता। दूसरे ग्रन्थ में पाठ
"आइ आ" है। उसका अर्थ है – हे।

उन्याराइ–सोना
यागुग्सान्–डेरा लगाई हुई
उखुग्सेन् सुमुन् उ सेगुर्–मरे हुए पुरुष का
शव
उरस्छु इरेमुइ–बहता हुआ आएगा
थोस्छु–रोक कर
वारिगाद्–पकड़ लेना
गुयान् दुर्–जघा में
सेन्–जो कोई
एजेलेग्छि–शासन करने वाला, स्वामी
योल्खु–बन जाएगा
सुलागाइ सिखु वेन्–अपना (वेन्)
चोरी करना (सिखु)
वायिजु–छोड़ कर
देगेगुर्–पर
थोस्छु वायियाला–रोकने के लिये खड़ा हो

हुआ था
उरस्छु इरेखुइ दुर्-वह कर आने पर, वह कर आया
उग्युजु-आगे बढ कर
बारिगाद्-पकड लिया
बारागुन्-दक्षिण

खागालाजु-चीर कर
एयिन् सेद्खिरुन्-इस प्रकार विचार किया
आरागालाजु(=आर्गालाजु)-उपाय करके, उपाय द्वारा
आवुसुग्गाइ-लूगा
खारिबाइ-लौट गया

(उन्होने) शालु को रत्नो द्वारा वहुत पुरस्कृत किया। अगली रात फिर एक नदी-बाहु में रात बिताते हुए (व्यापारियो के पास) विक्रमादित्य राजकुमार आ कर छिप गया। इसी समय वे ही पूर्व के दोनो भेडिये आ कर रोने लगे। व्यापारियो ने शालु से पूछा – ये भेड़िये क्या कहते हैं। शालु ने कहा–ये भेडिये मेरे पिता और माता हैं। (ये कहते है) हमने पाल पोस कर तुमको इतना बड़ा किया। हमारी इस भलाई को तुम भूल गये और पुरुषो के साथ चल दिये। आज के पीछे हम न लौटेंगे। हे हमारे वालक, आज रात तुम मत सोना। इस डेरा लगाई हुई नदी के द्वारा एक मरे हुए पुरुष का शव वहता हुआ आएगा। उसको रोक कर पकड लेना। (उसकी) जंघा में से चिन्तामणि रत्न को जो कोइ पुरुष ले लेगा वह चारो द्वीपो का स्वामी बन जाएगा। (आज) फिर एक चोर छिपा हुआ है। इति।

विक्रमादित्य राजकुमार शालु के वचनो को सुन कर अपना चोरी करना छोड कर नदी पर (चला गया) और रोकने के लिये खडा ही हुआ था कि मरा हुआ पुरुप वह कर आया। (विक्रमादित्य नें) आगे वढ कर पकड लिया और दक्षिण जघा को चीर कर चिन्तामणि रत्न ले कर इस प्रकार विचार किया–इस शालु लडके को उपाय द्वारा लूगा। (यह सोच कर) घर लौट गया।

(तत्पश्चात्) व्यापारी (शव को) रोकने के लिये उस नदी में (पहुचे और) पुरुप के शव को पकड कर

[illegible]

ठुजेबेसु। छिन्दामुनि यि खुमुन् आञ्छु ओछिग्सान् इ मेंदेजु गोमुदुल्छावा। विर्कामिजिद् खारिगाद्। छेड्मे। बोस् ओर्मुंग् थेरिगुयेन् ठु जिखा जिखा दुर् आनु विछिग् बिछिजु थेम्देग् खिगेद्। खुदाल्दुगाछिन् दु थावाछिजु। खुदाल्दुगा खिखुइ दुर् खेरुगुल् खिग्सेन् मेथु देमेइ वालाइ आगासुलाजु छेड्मे। ओर्मुंग् थेरिगुयेन् इ। जालि वार् मोन् खुदाल्दुगाछिन् उ गेर् गेर् थुर् थाल्बिगाद् खारिजु इरेगेद्। खुछुन् छिदाग्छि खागान् दुर् आयिलाद्खावा। थावुन् जागुन् खुदाल्दुगाछिन् लुगा नोखुलेंजु ओदुग्सान् बुलुगे वि। नामायि एल्देजु खोगेगेद्। मिनु खोयिना आछा नेखेजु। इरेजु मिनु खुवि यिन् छेड्मे। ओर्मुंग् थेरिगुयेन् इ बुलियाजु आवाछिबा खेमेन् एल्छि गेरेछि यि गुयुग्सान् दुर् खागान्। खोयार् थुशिमेद् एखिलेन्। खोयार् जागुन् छेरिग् ओग्छु इलेगेखुइ दुर्। एयिन् जाखिरुन्। थेरे खुदाल्दुगाछिन्। विर्कामिजिद् उन् छेड्मे था। ओर्मुंग् इ उनेगेर् खुलागुग्सान् बुगेसु। बुगुदे यि सिदुजु ओखि। उगेइ बुगेसु। विर्कामिजिद् येखे याला थाइ बुइ खेमेग्सेन् दुर् बिर्कामिजिद् सोगुदुन्। खागान् दुर्। आयिलाद्खाग्सान् आनु मिनु ओर्मुंग् छेड्मे यिन् जिखा दुर् छोम् विछिग् बुइ खेमेखुइ दुर्। थेम्देग्लेगेद् यावुवाइ। खागान् उ एल्छि गेर् थावुन् जागुन् खुदाल्दुगाछिन् दुर् खुरुगेद्। एयिन् उगुलेवेइ। एने विर्कामिजिद् खेउखेन् ठु एद् वारागान् इ था बुलियाजु आबुवा गेनेम्। वासा

आञ्छु ओछिग्सान् इ मेंदेजु–ले कर चाट गये को जान कर, अर्थात् ले कर चाट गया है यह जान कर

गोमुदुल्छावा–परस्पर विलाप किया, दुःखी हुए

छेड्मे–मोटदेशीय ऊनी वस्त्रो

बोस्–सूती वस्त्रो

ओर्मुंग्–मोटे ऊनी वस्त्रो

जिखा जिखा दुर्–प्रान्त २ पर

थेम्देग् खिगेद्–चिह्न लगा दिये

आवाछिजु–ले गया

खुदाल्दुगा खिखुइ दुर्–लेन देन करने पर

खेरुगुल् खिग्सेन् मेथु–झगडा करने के समान

देमेइ–व्यर्थ

वालाइ–अन्धा, मूर्ख

आगासुलाजु (=आगाशिलाजु) – रौद्र रूप दिखा कर

गेर् गेर् थुर्–एक २ घर में

थाल्बिगाद्–छोड़ कर

खारिजु इरेगेद्–लौट आया

नोखुलेंजु ओदुग्सान् बुलुगे–मित्रता करने गया था

एल्देजु खोगेगेद्–मार भगाया

खोयिना आछा नेखेजु–पीछा किया

मिनु खुवि यिन्–मेरे भाग के

बुलियाजु आवाछिबा–छीन कर ले लिया, छीन लिया

एल्छि गेरेछि यि–दूत (और) साक्षी

गुयुग्सान् दुर्–प्रार्थना करने पर, प्रार्थना की

एखिलेन्–मुखिया बना कर

छेरिग्–सैनिक

ओग्छु–दे कर
इलेगेसुइ दुर्–भेजने पर, भेजते समय
एयिन् जालिरुन्–यह आदेश दिया
तुनेगेर्–वस्तुत., सचमुच
खुलागुग्सान् बुगेसु–यदि चुराए हों
खिदुजु ओर्खि–मार छोड़ो, मार डालो
याला थाइ वुइ–दण्डयुक्त होगा, अर्थात् दण्ड दिया जाएगा
छोम्–सब, सभी
थेम्देग्लेगेद्–चिह्न बता कर
एद् बाराग़ान्–धन सम्पत्ति
बुलियाजु आबुबा–छीन लिया है
गेनेम्–यह कहा गया है अर्थात् हम को बताया गया है
बासा–पुनश्च

जब देखा तो पाया कि चिन्तामणि को (कोई) पुरुष ले कर चाट गया है। यह जान कर (वे लोग) दुःखी हुए। विक्रमादित्य घर लौट आया। भोटदेशीय ऊनी वस्त्रो, सूती वस्त्रो और मोटे ऊनी वस्त्रों के प्रान्त २ पर अक्षर लिख कर चिह्न लगा दिये (और इनको) व्यापारियो के पास ले गया। लेन देन करने पर झगडा करने के समान व्यर्थ मूर्खवत् रौद्र रूप दिखा कर ऊनी और सूती आदि कपडो को माया द्वारा उन्हीं व्यापारियो के एक २ घर में छोड़ कर लौट आया और बलवान् शकराज के पास प्रतिवेदन किया – मैं पाच सौ व्यापारियों के साथ मित्रता करने गया था (पर उन्होंने) मुझे मार भगाया, मेरा पीछा किया (और) आ कर मेरे भाग के ऊनी, सूती आदि वस्त्रो को छीन लिया। यह कह कर (उसने) दूत और साक्षी (भेजने के लिये राजा से) प्रार्थना की। राजा ने दो मन्त्रियो को मुखिया बना कर दो सौ सैनिक दे कर भेजते समय यह आदेश दिया–यदि व्यापारियों ने विक्रमादित्य के ऊनी और सूती कपडे सचमुच चुराए हो तो सबको मार डालो। यदि न चुराए हो तो विक्रमादित्य को बहुत दण्ड दिया जाएगा। ऐसा कहने पर विक्रमादित्य ने झुक कर राजा से निवेदन किया–मेरे सभी ऊनी और सूती कपडो के प्रातो पर लिखा हुआ है। यह कह कर और चिह्न बता कर चला गया। राजा के दूत पाच सौ व्यापारियो के पास पहुंचे और इस प्रकार कहा–इस विक्रमादित्य बालक के धन और सम्पत्ति को तुमने छीन लिया है, यह हमको बताया गया है। पुनश्च

थेरे यागुमान् उ जिखा जिखा दुर् थेम्देग् बिछिग् बुइ गेनेम्। येखे खागान् आछा गेरेछि एल्छि आन्छु मान् इ आबाछिराबा। बिदेन् उ येखे खागान् उ जालिग् थान् इ उनेगेर् खुलागुग्सान् बोल्बासु। छोम् खिदुजु ओखि खेमेग्सेन् बुलुगे खेमेखुइ दुर्। खुदाल्दुगाछिन् उगुलेरुन्। एने खेउखेन् लुगे नोखुलेंखु छु बायियुगाइ। जिसु यि इनु उजेग्सेन् उगेइ खेमेगेद् बासा उगुलेरुन्। बिदे उनेगेर् खुलागुग्सान् बोल्बा गेम्। खाग्रान् उ जालिग् इयार् उखुमुइ। उगेइ बोल्खुला एने खेउखेन् गिम्दा गार्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेद् याम्वार् बोल्बाछु। बिदे नेङजिमुइ खेमेगेद् नेङजिबेसु। जिखा जिखा दु आनु बिछिग् थेइ ओर्मुग् छेङमे इ गेर् गेर् एछे इनु ओल्जु आबुबासु। खुदाल्दुगाछिन् खुलागाइ खिग्सेन् मान् नि उगेइ बुलुगे। उखुल् खुर्सुइ दुर् ध्डि् खिबेउ। छिद्खुर् खिबेउ। उनेगेर् उइले खुर्वे खेमेन् उखिलाल्छान् बायिखुइ दुर् खागान् उ एल्छि नेर् उगुलेरुन्। थान् दुर् उखिलाखु खेरेग् उगेइ। थान् इ छोम् आलामुइ खेमेग्सेन् दुर्। बिकर्मिजिद् खेउखेन् उगुलेरुन्। थान् इ आलागुल्जु यागुन् खिमुइ। था एने शालु यि आछा खेमेखुइ दुर् ओग्खुये खेमेबे। ओग्खुइ दुर् इयेन्। खुदाल्दुगाछिन्। शालु दुर् उगुलेरुन्। शालु छि मान् इ आमिन् दुर् एगुन् थेइ खोयार् उदागा थुसा ओल्गुबाइ। छिमायि

यागुमान्–वस्तुओं
थेम्देग् बिछिग्–चिह्न (रूपी) लेख
बिदेन् उ–हमारे
खेमेखुइ दुर्–यह कहने पर
नोखुलेंखु छु बायियुगाइ–मैत्री करना तो रहा
जिसु यि इनु–इसका मुख
खुलागुग्मान् बोल्बा गेम्–यदि चुराया है
उखुमुइ–तो हम मरेंगे अर्थात् मरने को उद्यत हैं
उगेइ बोल्खुला–यदि नहीं
गिम्दा–सरलता से
गार्खु बुयु–बच जाएगा क्या
याम्वार् बोल्बाछु–कुछ भी हो
नेङजिमुइ–हम ढूंढेंगे
नेङजिबेसु–जब ढूंढा
ओल्जु आबुबासु–प्राप्त कर लाए, ले आए

खुलाग्राइ खिग्सेन्–चोरी किया हुआ
मान् नि उगेइ बुलुगे–हमारा नहीं है, अर्थात् चोरी हमने नहीं की
उखुल् खुर्सुइ दुर्–मृत्यु निकट आने पर, अर्थात् मृत्यु निकट आ गई है
ध्डि् खिबेउ–भगवान् ने किया है क्या (उ)
छिद्खुर् खिबेउ–भूतों ने किया है क्या
उइले खुर्वे–भाग्य अर्थात् दुर्भाग्य आ पहुंचा है
उखिलाल्छान् बायिखुइ दुर्–रो कर होने पर अर्थात् जब (सब) रोने लगे
थान् दुर्–तुम्हारे लिये
उखिलाखु–रोना
खेरेग् उगेइ–व्यर्थ है
आलामुइ–मारेंगे
आलागुल्जु–मरवा कर

यागुन् खिमुइ–क्या करेंगे

आछा–दे दो

ओंग्खुये–हम दे देंगे

खेमेबें–कहा

एगुन् येइ–इस सहित अर्थात् इस वार को

मिल कर

खोयार् उदाग्रा–दो वार

आमिन् दुर् थुसा ओल्गुवाइ–प्राण वचाए हैं

(आमिन् दुर्–प्राणों के लिये। थुसा–हित। ओल्गुवाइ–प्राप्त किया है)

हमको (यह भी) बताया गया है कि इन सब वस्तुओं के प्रान्त २ पर चिह्नरूपी लेख हैं। महाराज से साक्षी और दूत ले कर हमको (विक्रमादित्य कुमार) ले आया है। हमारे महाराज का आदेश है–यदि आपने सचमुच ही चोरी की है तो सबको मार डालो। यह कहने पर व्यापारी बोले–इस कुमार के साथ मैत्री करना तो रहा, हमने तो इसका मुख भी नही देखा। और फिर बोले–यदि हमने सचमुच चुराया है तो हम राजा के आदेशानुसार मरने को उद्यत है, यदि नहीं तो क्या यह कुमार सरलता से बच जाएगा। मंत्रियो ने कहा–कुछ भी हो, हम ढूढेंगे। यह कह कर जब उन्होंने ढूढा तो प्रान्त २ पर लेखयुक्त ऊनी और सूती कपड़ो को घर २ से ले आए। व्यापारी रोने लगे। चोरी हमने नही की, मृत्यु निकट आ गई है, क्या यह भगवान् ने किया अथवा भूतों ने किया। सचमुच हमारा दुर्भाग्य आ पहुचा है। यह कह कर जब (सब) रोने लगे तो राजदूतो ने कहा–तुम्हारे लिये रोना व्यर्थ है। हम तुम सबको मारेंगे। इस पर कुमार विक्रमादित्य ने कहा–तुमको मरवा कर क्या करेंगे। तुम इस शालु को दे दो। इस पर (व्यापारियों ने) कहा–हम दे देंगे। देते हुए व्यापारियों ने शालु से कहा–शालु तुमने हमारे प्राणों को इस वार को मिला कर दो वार वचाया है। यदि तुम्हारा

[illegible]

युगान् सायिन् याबुखु बोल्वासु । आल्वा देगेजि बेन् वारिजु यावुया । मान् उ आमिन् उ थुला । एने खुमुन् लुगे ओद्खु खेमेन् उुगुलेबे । शालु उुगुलेरुन् । थावुन् जागुन् खुमुन् उ आमिन् दुर् ओरोग्सान् इयार् । नादुर् थुसा बोल्खु वुइ जा खेमेगेद् । विकर्मिजिद् लुगा यावुवाइ । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् । खुदाल्दुग्राछिन् इ याला उुगेइ थाल्बिजु इलेगेलुगे । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् । शालु यि आल्छु इरेवेसु । एखे इनु उुजेस्खुलेङ गूआ खायुन् उुगुलेरुन् विकर्मिजिद् छि खामिगा ओछिलुगा । एने खोवेगुन् खेन् उु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिकर्मिजिद् उुगुलेरुन् । इजि मिनु छि बुसुनिन् दुयागाजु यावुखुइ दाग्रान् । निगेन् थान् इ थोरोजु । ओखिग्सान् गेनेम् खेमेखुइ दुर् । खाथुन् जालिग् वोलोरुन् । मान् उ निगेन् ओखिन् जागुरा थोरोजु ओखिलुगा । थेरे छु वुइ जा खेमेबेसु । विकर्मिजिद् उुगुलेरुन् थेरे वोल्खुला । एखे इनु सुन् ओरोयुग्राइ । खेउुखेन् इनु शालु उुलेम्जि सायिखान् वोल्युगाइ खेमेन् इरुगेल् थाल्बिवाइ । एखे दुर् आनु सुन् ओरोग्राद् । शालु उलाम् इयार् सायिखान् वोलोलुग्रा । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् एखे देगेन् आयिलाद्खारुन् । इजि मिनु एन्दे सायिखान् इयार् आमुर् सागु । बि-शालु युग्रान् दागागुल्जु । एछिगे खागान् उ सागुरसान् खोयान् दुर् एर्गेजु उुजेये खेमेबेसु ।

युग्रान्—अपना
सायिन्—कुशल, कुशलता पूर्वक
यावुखु—रहना
वोल्वासु—यदि हो
आल्वा—कर
देगेजि वेन्—अपने (वेन्) प्रथम फल
वारिजु यावुया—देते रहेंगे
ओद्खु—जाओगे
आमिन् दुर् ओरोग्सान् इयार्—प्राण बचाने से
नादुर्—मेरे लिये, मेरा
थुसा—भला
वोल्खु वुइ जा—होना होगा ही अर्थात् होगा ही
याला उुगेइ—दण्ड (दिये) बिना
थाल्बिजु—छोड दिया
खुदाल्दुग्राछिन् इ इलेगेलुगे—व्यापारियों को भेज दिया, जाने दिया
खामिगा—कहां
ओछिलुग्रा—गये थे
खेन् उु—किसका
इजि मिनु—मां मेरी
बुसुनिन्—आपत्ति में पड़ कर
दुयागाजु यावुखुइ दाग्रान्—भाग रहे थे
निगेन् थान् इ—तुम्हारे में से एक ने
थोरोजु—बच्चे को जन्म दे कर
ओखिग्सान्—छोड़ दिया था
गेनेम्—(ऐसा यह बालक) कहता है
जागुरा—मार्ग में
थेरे छु—वह ही
वुइ जा—निश्चित रूप से (जा) होगा (वुइ)
थेरे वोल्खुला—यदि वह है
सुन् ओरोयुग्राइ—दूध उतर आए
उुलेम्जि सायिखान्—अधिक सुन्दर

| | |
|---|---|
| वोल्युगाइ–वन जाए | शालु युग़ान् दागागुल्जु–अपने शालु को साथ ले कर |
| इरुगेल् थाल्विवाइ–प्रार्थना की | सागुग्सान् ग्रोयान् दुर्–(जिस नगर में गद्दी पर) बैठा था (उस) नगर में, अर्थात् राजधानी में |
| वल्गम् इयार्–धीरे २ | एर्गेजु ग्रुजेयें–भ्रमण कर के देखूगा |
| एन्दे–यहा | |
| सायिखान् इयार्–आनन्द से, सुख से | |
| आमुर् सागु–शान्त बैठो | |

अपना कुशलता पूर्वक रहना हो तो (हम तुमको) अपने कर और प्रथम फल देते रहेंगे। हमारे प्राणो के लिये तुम इस पुरुष के साथ जाओगे। शालु ने कहा–पाच सौ पुरुषो के प्राण बचाने से मेरा भला होगा ही। यह कह कर वह विक्रमादित्य के साथ चला गया। विक्रमादित्य राजकुमार ने दण्ड दिये विना व्यापारियो को छोड दिया और जाने दिया।

जब विक्रमादित्य राजकुमार शालु को ले कर घर आया उसकी माता रुचिरललिता राणी ने पूछा–विक्रमादित्य, तुम कहा गये थे और यह लडका किसका है। विक्रमादित्य ने उत्तर दिया–मा मेरी, जब तुम (लोग) आपत्ति में पड कर भाग रहे थे, उस समय तुम्हारे में से एक ने बच्चे को जन्म दे कर छोड दिया था, ऐसा यह बालक कहता है। राणी बोली–हमारी एक लडकी ने मार्ग में बच्चे को जन्म दे कर छोड दिया था, वह ही यह निश्चित रूप से होगा। विक्रमादित्य ने कहा–यदि वह है तो इसकी मा को दूध उतर आए और यह बालक शालु से अधिक सुन्दर बन जाए। यह कह कर विक्रमादित्य ने प्रार्थना की। (शालु की) मा को दूध उतर आया। शालु धीरे धीरे सुन्दर बन गया।

विक्रमादित्य राजकुमार ने अपनी मा से कहा–मा मेरी, तुम यहा सुख से शान्त बैठो। मैं अपने शालु को साथ ले कर पिता राजा की राजधानी में भ्रमण करके देखूगा।

एखे इनु ञुगुलेङन् । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् मिनु । गाजार् इयेर् खोला । खोओर्यान् इयेर् ओलान् छि मिनु यागाखिजु खुर्सु खेमेवेसु । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् ञुगुलेङन् । गाजार् खोला बोल्वासु यावुजु ञुरुये । दायिसुन् ओलान् बोल्वासु दारुजु मेदेये सेमेगेद् । इजागुर् उन् खोथा दागान् जोरिन् ओगेदे बोल्या । यावुन् खुरुन् गेखुले । खलश नेरे थु खागान् गडदरव नोग्छिजु गेनेम् । एखे आल्वा थु आनु बुरिल्जु खेमेन् सोनुसुगाद् नेगुजु । गडदरव खागान् उ खोथा यि एजेलेये सेमेन् इरेसेन् आजुगु । दिम्नुस् खारिन् खलश खागान् इ ओरोगुल्जु आवुगाद् आल्वा आव्चु आनु । निगेन् एदुर् । निगेन् थायिजि थेरिगुलेन् जागुन् सुमुन् इ आब्खु थुलुगे । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् खुरुसेगेर् जिखा यिन् निगेन् गेर् थु ओरोवासु । निगेन् एमेगेन् उरुगु बान् खेव्येजु निगुर् इयान् मागाजिलान् उुसु वेन् ओग्येगेजु ञुनेसु शिरुइ ओम्खुल्जु गासालाङ्ग वायिसुइ दुर् । विकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् । एमेगेन् इ देगेग्शि थायागाद् एमेगेन् छि यागुन् गासालाङ्ग गाशिगुदावा खेमेन् आसागुसान् दुर् । एमेगेन् ञुगुलेङन् । था खेञखेन् मिनु मेदेखु ञुगेइ । मिनु खोयार्खान् ओसिन् विले । मान् उ खलश खागान् । गडदरव खागान् उ खोथा यि

गाजार् इयेर्—स्थान
यहां इयेर् का प्रयोग कर्तृ-कारक के अर्थ में है ।
खोला—दूर
खोओर्यान् इयेर्—हिंसक
ओलान्—अनेक
यागाखिजु खुर्सु—कैसे पहुंचोगे
दायिसुन्—शत्रु
दारुजु मेदेये—दमन करता चलूगा
इजागुर् उन् खोथा दागान्—अपने वंश के नगर को
जोरिन् ओगेदे बोल्वा—प्रस्थान किया
यावुन् खुरुन् गेखुले—पहुंचा ही था कि
नोग्छिजु गेनेम्—मर गया कहा जाता है
बुरिल्जु—आपत्ति में है
खेमेन् सोनुसुगाद्—यह सुन कर
नेगुजु—आ पहुंचा था

एजेलेये—स्वामी बनूगा
इरेसेन् आजुगु—आया था
खारिन्—किन्तु
ओरोगुल्जु आवुगाद्—जीत कर ले लिया, पराजित किया
आल्वा—बलि
थायिजि—सामन्त
थेरिगुलेन्—अधिष्ठित
खुरुसेगेर्—पहुंच कर
जिखा यिन्—सीमा के
ओरोवासु—जब प्रवेश किया
एमेगेन्—वृद्धा
उरुगु बान् खेव्येजु—नीचे मुह के बल लेटी हुई थी
निगुर् इयान्—अपने मुख को
मागाजिलान्—नोच कर
ञुसु बेन्—अपने केशों को

ओग्येगेजु–खीच कर
तुनेसु–भस्म, राख
ओम्खुल्जु–मुह में डाल कर
गासालाङ वायिखुइ दुर्–शोक करने पर
देगेग्शि थाथाग्राद्–ऊपर उठाया
यागुन् गासालाङ ग्राशिगुदाया–क्यो शोक से शोकित हो
खोयार्खान्–दो ही
ओखिन्–लडकिया। यहा "खेउखेन्" (लडके) शब्द चाहिये।

उसकी मा ने कहा–मेरे राजकुमार विक्रमादित्य। स्थान दूर है। हिंसक अनेक हैं। तुम मेरे (प्यारे वहा) कैसे पहुचोगे। विक्रमादित्य राजकुमार ने उत्तर दिया–यदि स्थान दूर है तो चल कर पहुच जाऊगा। यदि शत्रु बहुत हैं तो दमन करता चलूगा। यह कह कर अपने वश के नगर को प्रस्थान किया। (वह) वहा पहुचा ही था कि (पता लगा कि) गधर्व राजा को मरा सुन कर और प्रजा को बडी आपत्ति में जान कर कलश नाम का राजा आ पहुचा था। गधर्व राजा के नगर का स्वामी बनूगा, इस विचार से कलश राजा आया था। किन्तु भूतो ने कलश राजा को पराजित किया और उससे बलि लेने लगे–एक दिन में एक सामन्त और उससे अधिष्ठित सौ पुरुष।

जब विक्रमादित्य राजकुमार ने (नगर में) पहुच कर सीमा के एक घर में प्रवेश किया तो एक वृद्धा मुह के बल नीचे लेटी हुई थी। वह अपने मुह को नोच कर, अपने केशो को खीच कर और भस्म तथा मिट्टी मुह में डाल कर शोक कर रही थी। विक्रमादित्य राजकुमार ने उसको ऊपर उठाया और पूछा–वृद्धे, तुम क्यो शोकार्त हो। वृद्धा ने कहा–मेरे बच्चे। तुम नही समझ पाओगे। मेरे दो ही बच्चे थे। मेरा कलश राजा, गधर्व राजा के नगर पर

एजेलेखु गेजि इरेगेद्। खारिन् शिम्नुस् थुर् एजेलेग्देगेद्। निगेन् एदुर् निगेन् थायिजि थाइ। जागुन् खुमुन् उ आल्वा बारिदाग् बायिना। निगेन् खोबेगुन् इ मिनु उरिद् आल्बान् दुर् ओग्बे। एदुगे गाग्छा उलेग्सेन् खेउखेन् इ मिनु ओग्खु खेमेन् आबागाछिबा। थेयिमु थिन् थुला। गाग्छा बेये बेन् उलेजु। उखुखु गेजि खेब्येमुइ खेमेखुइ दुर्। बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् जालिग् बोलोरुन्। एमेगेन् छि उखुखु बेन् बायिगा। छिनु खोबेगुन् इ बि गार्गाजु आब्छु इलेगेये। ओरोन् दुर् आनु बि बेये बेन् इदेगुलेसु खेमेबेसु। एमेगेन् उगुलेरुन्। आवाइ खोड्गुर् मिनु बायिगा। बि दागुसुग्सान् खुमुन्। छि मिनु ओछिखुला। नादुर् आदालि एमेगेन् एखे छिनु गासाल्जु सागुनाम् जा खेमेखुइ दुर्। बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् उगुलेरुन्। एमेगेन्। गाइ उगेइ। खोबेगुन् इ छिनु बि इलेगेजु एसे छिदाबासु। छि खेउखेन् इयेन् ओरोन् दुर्। मिनु एने देगू यि खेउखेन् खिजु सागु खेमेगेद्। खलश खागान् उ गेर् थु ओरोन् गेखुले। निगे थायिजि थेरिगुलेन्। जागुन् खुमुन् इ खुरियाजु गासिगुयान् खेलेल्छेजु सागुन् आजिगु। बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् इ उजेगेद्। थेरे खेन् उ खोगेगुन् बुइ खेमेन् आसागुबासु।

गेजि इरेगेद्–के लिये आया था
खारिन्–उल्टे
शिम्नुस् थुर् एजेलेग्देगेद्–भूतो से अभिभूत हो गये, भूतो ने उस पर आधिपत्य कर लिया
थायिजि थाइ–सामन्त सहित
आल्बा बारिदाग् बायिना–बलि लेते है
उलेग्सेन्–अवशिष्ट
ओग्खु खेमेन्–देना इति अर्थात् देने के लिये
आबागाछिबा–ले गये है
गाग्छा बेये बेन् उलेजु–अकेला अपना शरीर बच गया अर्थात् अकेली रह गई
उखुखु गेजि–मरने के लिये
खेब्येमुइ–लेटी हुई हू, पडी हुई हू
उखुखु बेन् बायिगा–अपना मरना रहने दो
गार्गाजु आब्छु इलेगेये–निकाल ला दूगा
ओरोन् दुर् आनु–उसके स्थान में
बेये बेन्–अपने शरीर को
इदेगुलेसु–खिलवा दूगा
आवाइ खोड्गुर् मिनु–हे प्यारे मेरे
बायिगा–रहने दो
दागुसुग्सान्–समाप्त
गासाल्जु सागुनाम् जा–दुखी (शोकार्त) हो बैठेगी
गाइ उगेइ–कोई बात नही
इलेगेजु एसे छिदाबासु–यदि बचा न सका (एसे–न। छिदाबासु–यदि सका)
खेउखेन् इयेन्–अपने लडके के
खेउखेन् खिजु सागु–लडका बना बैठना, लड़का बना लेना
ओरोन् गेखुले–ज्यो ही प्रवेश किया
खुरियाजु–इकट्ठे हो कर
गासिगुयान्–शोकपूर्ण
खेलेल्छेजु सागुन् आजिगु–परस्पर बातचीत करते हुए बैठे थे

आधिपत्य करने के लिये आया था। उल्टे, भूतों ने (उस पर) आधिपत्य कर लिया। प्रतिदिन (भूत) एक सामन्त सहित सौ पुरुषों की बलि लेते हैं। अपने एक लड़के को पहले ही बलि में दे चुकी हूं। आज एकमात्र अवशिष्ट, मेरे (दूसरे) लड़के को (बलि) देने के लिये ले गये हैं। अत मैं अकेली रह गई और मरने के लिये पड़ी हुई हूं। ऐसा कहने पर विक्रमादित्य राजकुमार बोला – वृद्धे, तुम अपना मरना रहने दो। मैं तुम्हारे पुत्र को निकाल ला दूंगा। उसके स्थान में अपने शरीर को मिलवा दूंगा। इस पर वृद्धा बोली – हे मेरे प्यारे, रहने दो। मैं समाप्त (हो चुकी हूं)। तुम मेरे (प्यारे), यदि जाओगे तो मेरे समान तुम्हारी वृद्धा माता दुःखी हो बैठेगी। इस पर विक्रमादित्य राजकुमार ने कहा – वृद्धे, कोई बात नहीं। यदि मैं तुम्हारे लड़के को न बचा सका, तो तुम अपने लड़के के स्थान में मेरे इस छोटे भाई को अपना लड़का बना लेना।

यह कह कर ज्यों ही (विक्रमादित्य ने) कलदा राजा के घर में प्रवेश किया, एक सामन्त और इकट्ठे हुए सौ पुरुष शोकपूर्ण परस्पर बातचीत करते हुए बैठे थे। इन्होंने विक्रमादित्य राजकुमार को देखा और पूछा – आप किस के पुत्र हैं।

निर्भिजिद् खान् मोनेगुन् ड्रगुलेम्न् । वि गद्दर्न खाग्रान् उ खोवेगुन् बुड्गे । एछिगे पुगेन् ओड्गेरेम्सेन् ड्र खोयिना । शिम्नुम् आछा आयुन् दुमाग्रागाद् । ग्राच्छा देगू बेन् दाग्रागुल्जु एने खोया वान् एड्म्नेबेड्र मेमेन् एर्गेजु ड्रजेपे खेमेन् इरेम्सेन् बुलुगे खेमेबेमु । खलदा खाग्रान् जालिग् बोलोरुन् । खोयियु इरेम्सेन् छिमा आछा बायियुग्राइ । उरिदा इरेम्सेन् वि जोबालाङ थु बोल्जु । निगेन् एदुर् ए निगेन् थायिजि पेरिगुलेन् जागुन् सुमुन् ड्र आल्वा बारिजु खेब्येनेम् विदे खेमेबेमु । म्यान् म्यावेगुन् ड्रगुलेम्न् । वि इरेजु निगेन् एमेगेन् एछे सोनुस्वा । एमेगेन् ड्र ग्रासान्नु यिन् पेम्ने दु । पेगुन् ड्र खोनेगुन् ड्र ओरोन् दुर् बेये बेन् ओछिसु गेजु इरेलुगे खेमेबेसु । खलदा मागान् जालिग् बोलोरुन् । छि शिम्नुस् पुर् ओद्छु पेस्सु ड्रगेइ । इदेसु एछे ओबेर् यागुमा ड्रगेइ मेमेबेसु । खान् खोनेगुन् जालिग् बोलोरुन् । सुमुन् ड्र ओरोन् दुर् बेये बेन् इदेगुल्बेमु । खोयियु थोरोल् देगेन् एगुन् एछे देगेरेम्बेन् थोरोमु खेमेन् इरेलुगे खेमेबेसु । माग्रान् ओछियुग्राइ खेमेबे । एमेगेन् ड्र खोवेगुन् इ ग्रार्गागाद् । जागुन् सुमुन् इयेन् आवुन् । छाम् खारायिखु यिन् दुरि बेर् यानुग्मान् दुर् । खलदा खाग्रान् खोयिनाछा खाराग्राद् ग्रायिखाजु ड्रगुलेम्न् ।

ओड्गेरेम्सेन् उ खोयिना–मरने के पश्चात्
ग्राच्छा–एकमात्र
दाग्रागुल्जु–साथ ले कर
एने खोया वान्–इस अपने नगर को
एड्म्नेबेड्र–शान्ति अर्थात् कुशल मंगल (एड्म्बे) रहा क्या (ड्र)
खेमेन्–इस लिये
इरेम्मेन् बुलुगे–आया था
जोबालाङ थु–दु:खयुक्त, दु:खी
आल्वा बारिजु खेब्येनेम्–बलि भरनी पड़ती है
विदे–हम
ओछिसु गेजु इरेलुगे–देने के लिये आया हू
ओद्छु–जा कर
पेस्सु ड्रगेइ–सहन नहीं (कर सकोगे)
इदेसु एछे ओबेर्–भक्षण के अतिरिक्त
यागुमा ड्रगेइ–कुछ नही
इदेगुल्बेसु–यदि खिलवा दू
खोयियु थोरोल् देगेन्–अपने अगले जन्म में
एगुन् एछे देगेरेखेन्–इस से ऊपर
थोरोमु–जन्म लूगा
ओछियुग्राइ–यह अवश्य जाए, इसको अवश्य जाने दो
खेमेबे–कहा
ग्रार्गागाद्–निकाल दिया
आवुन्–ले कर
छाम् खारायिखु यिन्–छाम् नृत्य के
दुरि बेर्–रूप से, प्रकार से
याबुग्सान् दुर्–जाने पर
खोयिनाछा खाराग्राद्–पीछे से देखा
गायिखाजु–चकित हो कर

विक्रमादित्य राजकुमार ने कहा – मैं गन्धर्व राजा का पुत्र हू। अपने पिता के मरने के पश्चात् भूतो से डर कर भाग गया था। एकमात्र अपने छोटे भाई को साथ ले कर इस अपने नगर को, कैसा कुशल मगल रहा, यह भ्रमण कर देखू, इस लिये आया था। इस पर कलश राजा ने कहा – पीछे आए हुए तुम से तो रहा, (तुम्हारे से) पहिले आया हुआ मैं दु खी हू। हम को प्रति दिन एक सामन्त और सौ पुरुषो की बलि भरनी पडती है। राजकुमार ने कहा – (यह) मैंने आते ही एक वृद्धा से सुना है। वृद्धा का शोक बहुत अधिक है अत उसके पुत्र के स्थान में अपने शरीर को देने के लिये आया हू। इस पर कलश राजा बोले – तुम भूतो के पास जा कर सहन नही कर सकोगे। भक्षण (किये जाने) के अतिरिक्त (और) कुछ नही (होगा)। इस पर राजकुमार ने कहा – (वृद्धा के) पुत्र के स्थान में अपने शरीर को यदि खिलवा दू तो अपने अगले जन्म में इस से ऊपर (की योनि में) जन्म लूगा, यह (सोच कर) आया हू। इस पर राजा ने कहा – इस को अवश्य जाने दो। और वृद्धा के लडके को निकाल दिया।

अपने सौ व्यक्तियो को ले कर छाम् नृत्य करता हुआ (विक्रमादित्य) चला गया। कलश राजा ने पीछे से देखा और चकित हो कर कहा –

[illegible]

निगेन् योल्खुला मान् इ आवुराग्छि बुर्खान् थुइ जा। दुगेइ बोल्खुला मान् इ आलाग्छि छिद्खुर् लुगे नेमेरि इरेग्सेन् बुइ जा। यागुन् छु बोल्वा वुगुदेगेर् छुग्लाजु खोनुया खेमेन् छुग्लाजु खोनुबा। बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन्। जागुन् खुमुन् इयेन् दागागुलुग्सागार् थेरे येखे खोयान् दुर् ओरोवासु। निगेन् दुलेम्जि ओर्दु खाशि बुइ आजिगु। थेगुन् उ दोथोरा निगेन् आर्स्लान् थु थाञ्छाङ बुइ आजिगु। थेगुन् उ देगेरे खान् खोबेगुन् गार्छु सागुगाद्। आइ खोगेरुखुइ। एछिगे मिनु एङ्खेजु सागुथाला बुसुनिन् ओदुग्सान् इ उजेबेसु। ओछिलाङ उन् खोगुसुन् इ यागाखिया खेमेन् उखिलाग्राद्। शिम्नुस् छि। खोगेरुखुइ। उरिदा जागुन् खुमुन् इ इदेखुइ दुर् यागुन् सानादाग् बोल्बा खेमेन् उखिलागाद्। शिम्नुम् छिनु उरे यि एसे थासुल्खुला गेजु जानुग्राद्। जागुन् खुमुन् इयेन् गेर् गेर् थु इनु खारिगुल्वा। खागान् दु जाखिबा। शिम्नुस् इ छिनु नोमुगाद्खाग्सुग्राइ। मिनु देर्गेदे जागुन् बुंथुङ आरिखि थाल्बि खेमेग्सेन् इ खलश खागान् सोनुसुगाद् बायार्लान् उगुलेग्सेन् योसुगार् थाल्बिबाइ। शिम्नुस् उन् छेरिग् इरेजु। दोर्बेन् जागुन् बुथुङ आरिखि यि ओरोब्बिन् जाल्गिजु ओखिगाद् सोग्थोगुरान् खेब्येखुइ दुर्।

निगेन् योल्खुला—एक हुआ, एक ओर
आवुराग्छि—बचाने वाला
दुगेइ बोल्खुला—नही हुआ, दूसरी ओर
आलाग्छि—मारने वाला
नेमेरि—वृद्धि अर्थात् नया
यागुन् छु बोल्वा—कुछ भी हो
छुग्लाजु—एकत्र हो कर
खोनुया—रात बिताए
दागागुलुग्सागार्—को साथ ले कर, के साथ
ओरोबासु—जब प्रवेश किया
दुलेम्जि—अति सुन्दर
ओर्दु खार्शि—महल
बुइ आजिगु—था
आर्स्लान् थु—सिंहयुक्त
थाञ्छाङ—आसन
गार्छु सागुग्राद्—चढ़ पर बैठ गया
आइ—हा
खोगेरुखुइ—कष्ट
एङखेजु सागुथाला—इस प्रकार राज्य करते समय
बुसुनिन् ओदुग्सान् इ—दु:खमयी स्थिति को
उजेबेसु—यदि देखता
ओछिलाङ उन्—संसार की
खोगुसुन् इ—शून्यता को
यागाखिया—क्या करूं
उखिलागाद्—विलाप करने लगा
यागुन् सानादाग् बोल्वा—क्या सोचता होगा
छिनु उरे यि—तुम्हारी सन्तति को
एसे थागुल्खुला—यदि समाप्त न कर दूं
जानुग्राद्—धमकी दी
जाखिबा—सन्देश दिया
नोमुगाद्खाग्सुग्राइ—दमन करूंगा
बुथुङ आरिखि—कूपी मदिरा, मदिरा की कूपिया

एक ओर (तो) हम को बचाने वाला वृद्ध हो सकता है, और दूसरी ओर हम को मारने वाला एक नया भूत। कुछ भी हो, सब एकत्र हो कर रात बिताएं। (और सब ने) इकट्ठी रात बिताई।

विक्रमादित्य राजकुमार ने अपने सौ पुरुषों के साथ महान् नगर में प्रवेश किया। (वहां) एक अति सुन्दर महल था। उसके अन्दर एक सिंहासन था। राजकुमार उस पर चढ़ कर बैठ गया, और बोला – हा कष्ट। यदि राज्य करते समय मेरा पिता इस दु:समयी स्थिति को देखता (तो) संसार की शून्यता को (प्रत्यक्ष करता)। क्या करूं – (इस प्रकार) विलाप करने लगा। "तुम भूतो, हा कष्ट, जब तुमने पहिले सौ पुरुषों को खाया होगा तब (मेरा पिता) क्या सोचता होगा" (इस प्रकार) विलाप किया। (और) "भूतो, तुम्हारी संतति को यदि मैं समाप्त न कर दूं . . . ।" यह धमकी दी। और सौ पुरुषों को अपने २ घर भेज कर राजा (कलश) को संदेश दिया – (मैं) तुम्हारे भूतों का दमन करूंगा। मेरे सामने (चार) सौ कूपी मदिरा रखवा दो। यह सुन कर कलश राजा प्रसन्न हुआ और कथितानुसार (चार सौ कूपियां) रखवा दीं। भूतों की सेना ने आ कर मदिरा की चार सौ कूपियां पेट भर पी ली और उन्मत्त हो कर लेट गये।

खान् खोवेगुन् थेदेगेर् इ छोम् छाञ्छिजु आलागाद् सागुयाला । शिम्नुस् उन् खागान् मेदेगेद् इरेजु । इल्दुन् इयेन् गार्गान् दाब्गिन् पुर्छु इरेखुइ दुर् । खान् खोवेगुन् ब्रुगुलेह्न् । वायिछा शिम्नुस् उन् खागान् । देगेंदे बेलेदुग्सेन् इदेगेन् इ उरिदा इदे । वारावासु बि छिनु जाख्छा बोलुया । एसे वारावासु छि मिनु जाख्छा बोल् खेमेग्सेन् दुर् । शिम्नुस् उन् खागान् जालिगाद् सोग्योजु उनाग्सान् दुर् । खान् खोवेगुन् एयिन् सेद्खिह्न् । आर्गा बार् आलाग्सान् नेरे एछे सुछुन् इयेर् आलाग्मान् नेरे येखे देगेरे बुइ जा खेमेन् खुलियेजु वायियाला । शिम्नुस् उन् खागान् सेर्गुगेद् बोसुन् इरेग्सेन् दुर् । खान् खोवेगुन् खोयार् खागास् थासु छाञ्छिवा । खोयार् शिम्नु बोलुन् नोछुल्दुवाइ । दोर्वेन् आङ्गि थासु छाञ्छिवा । दोर्वेन् बेये बोलुन् नोछुल्दुवाइ । नाइमान् आङ्गि थासु छाञ्छिवा । नाइमान् खुमुन् बोलुन् इरेबेइ । खान् खोवेगुन् नाइमान् आस्लीन् बोलुगाद् । थेस्खिन् दागुन् गार्छु थासुछिन् आलाखुइ दुर् । आगुला नुराजु थाला बोल्वा । थाला देरवेर्छु उसुन् गार्वा । खलश खागान् उ उलुस् छोम् ब्रुखुदगेजु उनावाइ । शिम्नुस् उन् खान् इ आलागाद् साद थाल्विजु । गाजार् इ थोग्थागान् । उलुस् बुगुदे यि जिर्गालाङ थान् बोल्लावाइ । खलश खागान् थेरिगुलेन् । उलुस् बुगुदेगेर् बिकर्मिजिद् खान् खोवेगुन् इ शियुलुगे । बोग्दा बायिरा बिकर्मिजिद् खागान् । खायुन् एखे खिगेद् । खामुग् उलुस् इयान् थेग्दि जिर्गागुलुवाइ । छि थेरे मेथु बोल्खुला एने शिरेगेन् दु सागु । बिशि थोल्खुला सागुजु उलु छिदाखु खेमेवे ॥

| | |
|---|---|
| छाञ्छिजु आलागाद् सागुयाला—काट कर मार बैठा ही था | आर्गा बार्—चतुराई से, धोखे से |
| इल्दुन् इयेन् गार्गान्—अपनी तलवार निकाल कर | नेरे—नाम, कीर्ति |
| दाब्गिन् पुर्छु इरेखुइ दुर्—भागते हुए आ पहुचने पर, भागता हुआ आया | सुछुन् इयेर्—शक्ति द्वारा |
| वायिछा—ठहरो | येखे देगेरे—अधिक ऊची |
| बेलेदुग्सेन्—सिद्ध हुए, तय्यार | खुलियेजु वायियाला—प्रतीक्षा कर ही रहा था |
| वारावासु—यदि पूरा खा लोगे | सेर्गुगेद्—जाग कर, चेतन हो कर |
| जाख्छा—दास | बोसुन् इरेग्सेन् दुर्—उठ आने पर, उठ आया |
| जालिगाद्—हडप कर लिया | खागास्—आधा भाग, भाग |
| सोग्योजु—उन्मत्त हो कर | थासु छाञ्छिवा—काट कर विच्छेद कर दिया |
| उनाग्सान् दुर्—गिर पडने पर, गिर पडा | नोछुल्दुवाइ—लडने लगे |
| | आङ्गि = अङ्ग, भाग |
| | थेस्खिन् दागुन्—गर्जन-ध्वनि |
| | गार्छु—निकाल कर, करके |

थासुछिन्–टुकड़े २ करके
आलाखुइ दुर्–मारने पर, मार डाला
आगुला नुराजु–पर्वत विध्वस्त हो कर
थाला वोल्बा–स्थली वन गये
देल्वेर्छु–फट कर
उसुन् गार्बा–जल निकल आया
उलुस् छोम–प्रजा सव अर्थात् सब प्रजा
उखुद्गेजु उनाबाइ–मूर्छित हो कर गिर पड़ी
साङ थाल्बिजु–धूप जलाई
गाजार् इ थोरयागान्–भूमि को स्थिर किया
जिर्गालाङ थान्–सुखी, प्रसन्न
वोल्गाबाइ–बनाया, किया
शियुलुगे–आश्रय लिया
बायिरा = वीर
थेग्शि जिर्गागुलुग्बाइ–पूर्ण रूप से सुखी बनाया
बिशि वोल्खुला–यदि नही हो
सागुजु उलु छिदाखु–न वैठ सकोगे

राजकुमार उन सव को काट कर मार बैठा ही था कि भूतराज को पता लगा और वह आ पहुचा। वह अपनी तलवार निकाल कर भागता हुआ आया। राजकुमार ने कहा – भूतराज, ठहरो। सामने (पड़े हुए) तय्यार भोजन को पहले खाओ। यदि पूरा खा लोगे मैं तुम्हारा दास बन जाऊंगा। यदि पूरा नही खाओगे तो तुम मेरे दास बनोगे। यह कहने पर भूतराज ने (सब) हड़प कर लिया और उन्मत्त हो कर गिर पड़ा। राजकुमार ने ऐसा सोचा – धोखे से मारने की कीर्ति से तो शक्तिद्वारा मारने की कीर्ति निश्चित रूप से अधिक ऊंची है। यह विचार कर प्रतीक्षा कर ही रहा था कि भूतराज चेतन हो कर उठ आया। राजकुमार ने दो भागों में काट कर (उसका) विच्छेद कर दिया। (दोनो भाग) दो भूत बन कर लड़ने लगे। (दोनो को) चार भागों में काट कर विच्छेद किया। (चारों भाग) चार शरीर बन कर लड़ने लगे। (चारों को) आठ भागों में काट कर विच्छेद किया। (आठो भाग) आठ पुरुष बन आए। राजकुमार ने आठ सिंहो का रूप धारण कर लिया और गर्जन-ध्वनि करके टुकड़े २ करके मार डाला। पर्वत विध्वस्त हो कर स्थली बन गये। स्थली फट कर जल निकल आया। कलश राजा की सव प्रजा मूर्छित हो कर गिर पड़ी।

(राजकुमार ने) भूतराज को मार कर धूप जलाई, भूमि को स्थिर किया और समस्त प्रजा को प्रसन्न किया। कलश राजा और समस्त प्रजा ने विक्रमादित्य राजकुमार का आश्रय लिया। महात्मा वीर विक्रमादित्य राजा ने राणी माता तथा अपनी समस्त प्रजा को पूर्ण रूप से सुखी बनाया।

यदि तुम (भी) इसके समान हो तो इस सिंहासन पर बैठो। यदि नहीं हो तो न वैठ सकोगे। इति॥

[illegible]

## गुथागार् बोलुग

निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेम्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् । थेरे शिरेगेन् दुर् वासा सागुसुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् । खागान् छि वायिछा । सागुजु उलु बोलुमुइ । बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् उ निगेन् याबुदाल् इ उगुलेसुगेइ खेमेन् एने उलिगेर् इ उगुलेहन् । बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् खामुग् उलुस् इयान् जिर्गांगुलुन् सागुयाला । ओवेर् निगेन् येखे खागान् बेर् निर्वान बोलुगाद् । थेगुन् उ शिरेगेन् दुर् खान् सागुखु उरे उगेइ यिन् थुला । उलुस् आछा निगेन् सायिन् खोबेगुन् इ सोङगुजु सागुल्गावाछु एदुर् सागुग्राद् सोनि उखुजु वायिखु यिन् थुला । येखे [उलुस्] एमियेन् जोबाजु वायिखुइ यि बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् [आयिलादुन्] थेगुन् इ थुसालारा शालु बान् दागागुन्जु गुयिलिङछि बोलुन् खुबिलाजु ओदुगाद् खुरुन् गेखुले । निगेन् गेर् थुर् ओरोवासु । एबुगेन् एमेगेन् खोयार् निगेन् जिसु सायि थु खोबेगुन् दुर् शिरेगे जासाजु खुन्दुलेन् गाशिगुदाजु सागुखुइ दुर् । था यागुन् दु ग्राशिगुदानाम् । खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । खागान् मान् उ नासुन् ओङ्गेरग्सेन् खिगेद् ।

जिर्गांगुलुन् सागुयाला–सुखी कर बैठ रहा था अर्थात् सुखी रख रहा था

ओवेर्–दूसरे

येर्–ने

निर्वान् बोलुग्राद्–निर्वाण हो गया अर्थात् निर्वाण प्राप्त किया

खान् सागुखु–राजा (के रूप में गद्दी पर) बैठने के लिये

उरे–सन्तान

साङगुजु–चुन कर

सागुल्गावाछु– (सिंहासन पर) बिठा देते थे

एमियेन् जोबाजु–चिन्तित और दुःखी

आयिलादुन्–जान कर

थुसालारा–सहायता के लिये

गुयिलिङछि बोलुन् खुबिलाजु–भिखारी बन परिवर्तन करके अर्थात् भिखारियों का रूप धारण करके

ओदुगाद्–चल दिये

खुरुन् गेखुले–जब (वहां) पहुंचे

एबुगेन्–वृद्ध पुरुष

एमेगेन्–वृद्धा स्त्री

खोयार्–दोनों, और

जिसु सायि थु–सुन्दर रूप वाले

खोबेगुन् दुर्–कुमार के लिये

जासाजु–सज्ज करके

खुन्दुलेन् गाशिगुदाजु सागुखुइ दुर्–सत्कार पूर्वक शोक में बैठे हुए थे

यागुन् दु–किस लिये

नोसुन् ओङगेरेग्सेन्–मर गये हैं

## तृतीय अध्याय

### एक और पुतली की कथा

भोजराज ने कहा – फिर भी मैं इस सिंहासन पर बैठूंगा। इस पर एक और पुतली बोली – राजन्, तुम ठहरो। तुम न बैठोगे। महात्मा विक्रमादित्य राजा के एक चरित को मैं बतलाऊंगी। यह कह कर उसने एक कहानी सुनाई –

महात्मा विक्रमादित्य राजा अपनी सब प्रजा को सुखी रख रहा था कि एक दूसरे महाराजा ने निर्वाण प्राप्त किया। उसके सिंहासन पर राजा (के रूप में) बैठने के लिये (कोई) सन्तान न थी। अतः प्रजा में से (प्रतिदिन) एक सुन्दर बालक को चुन कर (सिंहासन पर) बिठा देते थे। जो दिन में गद्दी पर बैठता था (वह) रात को मर जाता था। अतः महात्मा विक्रमादित्य राजा, महती (प्रजा) को चिन्तित और दुःखी हुई (जान कर), उसकी सहायता के लिये अपने शालु को साथ ले कर, भिखारियों का रूप धारण करके आए। जब (वहां) पहुंचे और एक घर में प्रवेश किया तो एक वृद्ध और वृद्धा एक सुन्दर रूप वाले कुमार के लिये सिंहासन सज्ज करके, सत्कार पूर्वक शोक में बैठे हुए थे। (विक्रमादित्य राजा) ने पूछा – आप किस लिये शोकातुर हैं। (वृद्ध और वृद्धा ने उत्तर दिया –) हमारे राजा मर गये हैं और

[illegible]

ङ्रे ङुगेड़ यिन् थुला। उङुम् उन् जिस्रु गाथि यु ग्योवेंगुन् वाराग्दाख्रु यि खेलेगेद्। मिनु गाछ्ढा खोबेंगुन् दुर्। एने एदुर् शिरेगेन् दुर् सागुखु खुयि खुछुं ङुनुखु खेमेन् ग्रासालानाम् खेमेग्मेन् दुर्। विदे खोयार् गुयिलिट्ढछि ङुखुल् ङुगेड़ यिन् थुला। निगेन् खोनुग् छिनु थोलोगे खाग्रान् वोल्जु ङुखुये खेमेन् ङुगुल्ग्खुइ दुर्। एथुगेन् ङुगुलेड़न्। विदे ङुलु मेदेग्रु। एने येखे खेरेग् इ दाग्राग्रास्मान् गुर्बान् उखाग्रान् यु थुशिमेल् मेदेग्रु खेमेन् थेदेन् दुर् आयिल्लाद्खाया ग्येमेगेद्। गुर्बान् उखाग्रान् यु थुशिमेल् दुर् ओद्छु। खोयार् गुयिलिड्ढछि खोवेंगुन् ङ ङुगेम् इ वुरिन् ए ग्येलेवेंगु। थुशिमेल् ङुगुलेड़न्। गुयिलिट्ढछि नार् निगेन् एदुर् ए खाग्रान् सागुजु ङुगुये ग्येमेग्मेन् इनु। जोंथ् वोल्नुना आव्छु इरे खेमेगेद् आव्छिराजु शिरेगेन् दुर् सागुल्याग्राद्। खाग्रान् खेमेन् नेरेयिद्छु थार्खाखुइ दुर् इयान्। ओल्लान् येखे इर्गेन् दुर् जालांवा। एदुर् थुरि निगेन् खाग्रान् उ यासु वारिदाग् आजिगु। मार्ग्राथा खोयार् खाग्रान् उ यासु वारिखु यिन् थुला। एर्येलेजु छुग्ला खेमेगेद् थार्खावाइ। विकमिंजिद् खागान् शिरेगेन् दु सागुग्राद् शिजिलेन् ङुजेवेंगु। उरिदा थेरे खाग्रान्। ध्ङ्र। ग्राजार् खिगेद् उमुन् उ एजेद्

वाराग्रादखु यि खेलेगेद्–समाप्ति को कह कर अर्थात् समाप्त हो गये हैं यह कह कर

सागुखु–बैठना

खुवि खुछुं–भाग्य में आया है

ङुखुखु–मरना

खेमेन् ग्रासालानाम्–इसलिये हम दुःखी हैं

ङुखुल् ङुगेइ–मरते (ही) नहीं

खोनुग्–दिन रात

थोलोगे–स्थान में

ङुखुये–मरेंगे

दाग्रागास्मान्–अधिकृत

थेदेन् दुर्–उनके पास

आयिलादखाया–प्रतिवेदन करेंगे

जोंथ् वोलुना–ठीक है

थार्खाखुइ दुर् इयान्–अपने लौटने पर अर्थात् लौट गये

इर्गेन् दुर्–जनता को

जालांवा–घोषणा की

यासु वारिदाग् आजिगु–अन्त्येष्टि संस्कार होता था

मार्ग्राथा–कल

एर्येलेजु–शीघ्रता करके, शीघ्र ही

छुग्ला–इकट्ठे होना

थार्खावाइ–चले गये

शिजिलेन्–गवेषणा करके

ध्ङ्र–देवता

गाजार् खिगेद् उमुन् उ एजेद्–स्थल तथा जल के अधिपति अर्थात् नाग और वरुण

नाइमान् आयिमाग् उद् थुर् सोनि बुरि दोयुगादु वालिड थाखिल् इ ओग्गुदेग् आजिगु। खोयियु सागुग्मान् खाद् उद् इ थेदे खोओर्लाजु ठुखुगुल्देग् इ मेदेगेद्। बोग्दा बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन्। थेरे खागान् आछा ठुलेम्जि बालिड बेलेद्छु। थेदेन् इ छुग्लागुल्जु ओग्गुग्सेन् दुर्। थेदे येखे बायास्छु। मोड्गोल् गेर् ठुन् थेदुइ एर्देनि यि ओबोगालान् ओग्गुगेद खारिवाइ। मार्गाथा एर्थे इनु। खोयार् खागान् उ यासु बारिमु खेमेन् मोदु थुलेये आवुन् छुग्लावासु। खागान् ठुखुगसेन् ठुगेइ बुगेद्। गुर्बान् युशिमेल् थेरिगुलेन्। खामुग् येखे बागा उलुस् इ जिड नेरे यु एर्देनि बेर् खानुयाला शाड्नागाद्। खामुग् बुगुदे खुवाराग् इ छुग्लागुलुन् ओल्जेइ खुयुग् इ ओरुशिगुलुन् जिर्गाजु बोग्दा विकर्मिजिद् खागान् खेमेन् नेरेयिद्छु मोर्गुगेद् धार्खावाइ। थेदुइ वोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् जिर्गान् सागुयाला। निगेन् बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुग्सान् युशिमेल इ जोबागाखुइ दुर् आनु। बुसु युशिमेल् बुरुगुशियान् आलाया खेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् खोगेरखुइ यि आलाजु यागुन् खिखु। खोला खोगेसुगेइ खेमेग्सेन् दुर्। खोगेजु इलेगेत्रेसु। थेरे युशिमेल् सारा बुरि यिन् गुर्बान् सायिन् एदुर् ए शग्शावद्

आयिमाग्–भाग, वर्ग, प्रकार
दोयुगादु–आभ्यन्तर
वालिड=बलि
थाखिल्–पूजा, दान
ओग्गुदेग् आजिगु–दिया करते थे
सागुग्सान्–गद्दी पर बैठने वाले
खोओर्लाजु–हानि पहुचाने
ठुखुगुल्देग्–मार देने लगे
मेदेगेद्–जान कर
बेलेद्छु–सज्ज की
थेदुइ–जितनी बड़ी
ओबोगालान्–ढेरी लगा कर
मार्गाथा एर्थे–अगले दिन प्रातः
यासु बारिमु खेमेन्–सत्कार करने के लिये
मोदु–लकड़ी, ईन्धन
थुलेये–जलाएगे
आवुन्–ला कर

छुग्लावासु–जब इकट्ठे हुए
खानुयाला–सन्तुष्ट होने तक, अर्थात् जितने रत्नो से उनकी सन्तुष्टि हुई उतने रत्न
शाड्नागाद्–पुरस्कार दिया
ओल्जेइ खुयुग्–मगल स्वस्ति
ओरुशिगुलुन्–करवाया
जिर्गाजु–सहर्ष
नेरेयिद्छु–सम्मान कर
मोर्गुगेद् धार्खावाइ–प्रणाम करके चले गये
जिर्गान् सागुयाला–जब सहर्ष राज्य कर रहे थे
बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुग्सान्–दुष्ट कर्म से आचरण करने वाले
जोबागाखुइ दुर्–दण्ड देने पर
बुसु–दूसरे
बुरुगुशियान्–अपराधी ठहराया
आलाया–(इसको) मार दें

सोगिफ्गुइ पि–बेचारे को | सोला गोगेसुगेद–दूर निर्वासन कर दो
आगज् यागुन् किसु–मार कर क्या करेंगे | दाग्नावद् – शिक्षापद, व्रत

आठ प्रकार के देवताओं को प्रतिरात्रि आभ्यन्तर बलि और दान दिया करते थे। पीछे गद्दी पर बैठने वाले राजाओं को (बलि न देने के कारण) ये देवता हानि पहुचाने और मार देने लगे। यह जान कर महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार ने उन (पहले) राजाओं से अधिक बलि सज्ज की और उन (देवताओं) को इकट्ठा करके (बलि का) प्रदान किया। वे (देवता) बहुत प्रसन्न हुए और मोंगोल घर जितनी बडी रत्नों की ढेरी लगा कर और विक्रमादित्य को दे कर चले गये।

अगले दिन प्रात दोनो राजाओं का सस्कार करने के लिये इन्धन ला कर जब (प्रजाजन) इकट्ठे हुए, तब राजा मरे न थे। (वे जीवित थे)। उन्हो ने तीनों मन्त्रियों तथा बडे छोटे सब प्रजाजनों को जिद नाम के रत्नो के पुरस्कार से सन्तुष्ट किया।

सब सघों को बुला कर मगल स्वस्ति करवाया। (सघों ने) सहर्ष "महात्मा विक्रमादित्य-राज" इस प्रकार सम्मान कर प्रणाम किया और चले गये।

जब महात्मा विक्रमादित्य राजा सहर्ष राज्य कर रहे थे, एक दुष्ट कर्म आचरण करने वाले मन्त्री को दण्ड दिया गया। दूसरे मन्त्रियों ने (उसको) अपराधी ठहराया और कहा–इसको मार दें। (किन्तु) राजा (ने कहा)–बेचारे को मार कर क्या करेंगे। दूर निर्वासन कर दो। इस पर (उस मन्त्री को) निर्वासित करके निकाल दिया गया।

वह मन्त्री प्रतिमास तीन शुभ दिन (अमावास्या, पूर्णिमा,... ) व्रत

38477

सन्तान न होने के कारण प्रजा के सुन्दररूप बालक समाप्त हो गये हैं। मेरे इकलौते पुत्र के लिये आज सिंहासन पर बैठना और मरना भाग्य में आया है। इसलिये हम दुखी हैं। यह कहने पर (दोनो कुमार) बोले – हम दोनो भिखारी मरते (ही) नही इसलिये एक दिन रात तुम्हारे स्थान में राजा बन कर मरेंगे। वृद्ध ने कहा – हम नही जानते। इस बडी बात के अधिकृत तीन बुद्धिमान् मन्त्री जानते हैं। इसलिये हम उनके पास प्रतिवेदन करेंगे। वे तीनो बुद्धिमान् मन्त्रियो के पास चले गये और दोनो भिखारी लडको की बात को पूर्ण रूप से बतलाया। मन्त्री बोले – भिखारी एक दिन राजा बनेंगे, बन कर मर जाएगे, यह ठीक है। (इनको) ले आओ।

(इनको) बुला कर सिंहासन पर बिठा दिया और राजा इति आदर सत्कार करके लौट गये और विशाल महती जनता को घोषणा की – प्रतिदिन एक राजा का अन्त्येष्टि - सस्कार होता था, कल दो राजाओ का अन्त्येष्टि होगा। इसलिये शीघ्र ही इकट्ठे होना। यह कह कर चले गये।

विक्रमादित्य राजा ने सिंहासन पर बैठ कर गवेषणा की और देखा कि पहले राजा, स्थल और जल के अधिपति

नाइमान् आयिमाग् उद् युर् सोनि वुरि दोयुगादु वालिङ थासिल् इ ओग्गुदेग् आजिगु। खोयियु सागुसान् म्याद् उद् इ येदे खोओर्लाजु उखुगुल्देग् इ मेदेगेद् । बोग्दा बिक्रमिजिद् खान् खोबेगुन् । येरे खागान् आछा उलेम्जि वालिङ वेलेद्छु। येदेन् इ छुग्लागुल्जु ओग्गुसेन् दुर्। येदे येखे वायास्छु। मोङगोल् गेर् उन् येदुइ एर्देनि यि ओवोगालान् ओग्गुगेद खारियाइ। मार्गाया एर्ये इनु। खोयार् खागान् उ यासु वारिमु खेमेन् मोदु थुलेये आबुन् छुग्लाग्रामु। खागान् उग्गुसेन् उगेइ बुगेद्। गुर्वान् युशिमेल् येरिगुलेन्। खामुग् येखे बागा उलुस् इ जिङ नेरे यु एर्देनि येर् खानुयाला शाङनागाद्। खामुग् वुगुदे खुवाराग् इ छुग्लागुलुन् ओल्जेइ खुयुग् इ ओरुशिगुलुन् जिर्गाज् बोग्दा बिक्रमिजिद् खागान् खेमेन् नेरेयिद्छु मोर्गुगेद् थार्खावाइ। येदुइ बोग्दा बिक्रमिजिद् खागान् जिर्गान् सागुयाला। निगेन् बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुग्मान् युशिमेल इ जोवागाखुइ दुर् आनु। वुसु युशिमेल् बुरुगुशियान् आलाया खेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् खोगेरुखुइ यि आलाजु यागुन् खिखु। खोला खोगेसुगेइ खेमेसेन् दुर्। खोगेजु इलेगेवेसु। येरे युशिमेल् सारा वुरि यिन् गुर्बान् सायिन् एदुर् ए शग्शावद्

आयिमाग्–भाग, वर्ग, प्रकार
दोयुगादु–आभ्यन्तर
वालिङ=बलि
थासिल्–पूजा, दान
ओग्गुदेग् आजिगु–दिया करते थे
सागुग्सान्–गद्दी पर बैठने वाले
खोओर्लाजु–हानि पहुचाने
उगुगुल्देग्–मार देने लगे
मेदेगेद्–जान कर
वेलेद्छु–सज्ज की
येदुइ–जितनी वही
ओवोगालान्–ढेरी लगा कर
मार्गाया एर्ये–अगले दिन प्रात.
यासु वारिमु खेमेन्–सत्कार करने के लिये
मोदु–लकडी, ईन्धन
थुलेये–जलाएगे
आबुन्–ला कर
छुग्लावासु–जब इकट्ठे हुए
खानुयाला–सन्तुष्ट होने तक, अर्थात् जितने रत्नो से उनकी सन्तुष्टि हुई उतने रत्न
शाङनागाद्–पुरस्कार दिया
ओल्जेइ खुयुग्–मगल स्वस्ति
ओरुशिगुलुन्–करवाया
जिर्गाजु–सहर्ष
नेरेयिद्छु–सम्मान कर
मोर्गुगेद् थार्खावाइ–प्रणाम करके चले गये
जिर्गान् सागुयाला–जब सहर्ष राज्य कर रहे थे
बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुग्मान्–दुष्ट कर्म से आचरण करने वाले
जोवागाखुइ दुर्–दण्ड देने पर
वुसु–दूसरे
बुरुगुशियान्–अपराधी ठहराया
आलाया–(इसको) मार दें

| | |
|---|---|
| सोगेर्गुइ यि–बेचारे को | सोला मोगेसुगेइ–दूर निर्वासन कर दो |
| आलाजु यागुन् विखु–मार कर क्या करेंगे | शग्शावद् = शिक्षापद, व्रत |

आठ प्रकार के देवताओं को प्रतिरात्रि आभ्यन्तर बलि और दान दिया करते थे। पीछे गद्दी पर बैठने वाले राजाओं को (बलि न देने के कारण) ये देवता हानि पहुचाने और मार देने लगे। यह जान कर महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार ने उन (पहले) राजाओं से अधिक बलि सज्ज की और उन (देवताओं) को इकट्ठा करके (बलि का) प्रदान किया। वे (देवता) बहुत प्रसन्न हुए और मोगोल घर जितनी बडी रत्नों की ढेरी लगा कर और विक्रमादित्य को दे कर चले गये।

अगले दिन प्रात दोनों राजाओं का सस्कार करने के लिये इन्धन ला कर जब (प्रजाजन) इकट्ठे हुए, तब राजा मरे न थे। (वे जीवित थे)। उन्हो ने तीनो मन्त्रियो तथा बडे छोटे सब प्रजाजनों को जिद्द नाम के रत्नो के पुरस्कार से सन्तुष्ट किया।

सब सघो को बुला कर मगल स्वस्ति करवाया। (सघो ने) सहर्ष "महात्मा विक्रमादित्य-राज" इस प्रकार सम्मान कर प्रणाम किया और चले गये।

जब महात्मा विक्रमादित्य राजा सहर्ष राज्य कर रहे थे, एक दुष्ट कर्म आचरण करने वाले मन्त्री को दण्ड दिया गया। दूसरे मन्त्रियो ने (उसको) अपराधी ठहराया और कहा–इसको मार दें। (किन्तु) राजा (ने कहा)–बेचारे को मार कर क्या करेंगे। दूर निर्वासन कर दो। इस पर (उस मन्त्री को) निर्वासित करके निकाल दिया गया।

वह मन्त्री प्रतिमास तीन शुभ दिन (अमावास्या, पूर्णिमा,... ) व्रत 38477

खाम्मुरुन्–इकट्ठा करके
थेबेरेखेसु–जब बाहुओ में उठाना चाहा
शिरेगें थेइ–वेदी सहित
दुयागान् ओद्‌वाइ–भाग निकली
खोयिना आछा खोगेम्सेगेर्–पीछा किया
सादा–पहाडी
दागाजु–अनुसरण करके, पीछा करके
आम्सार् देगेरे–मुख के ऊपर
वायिम्सान्–स्थित
खुछा–मेंढो ने
मू–दुष्ट
दाखिनि = डाकिनी
थुग्दुम् दुर् सागुनाम्–ध्यान में बैठी है

पालन करता था।

(उसने) पूर्णिमा को व्रत धारण किया (किन्तु) सब अन्न समाप्त हो चुका था, कुछ भी नही था। उसने कुछ थोड़े से अवशिष्ट सत्तू और मक्खन से छोटा सा आटे का दीपक बनाया और एक पत्थर से वेदी बनाई। उसके ऊपर (दीपक) रख कर बैठा ही था कि दोपहर हो गया। भोजन लिये बिना नही रहा जाएगा और भोजन लेने के लिये कुछ नही है इसलिये अन्दर की ओर की बलि को खाने के लिये उठाने लगा। किंतु बलि पकड़ में न आ कर भाग गई और दूसरी बलियो की ओट में छिप गई। फिर जब दूसरो को पकड़ने लगा तो सब की सब भाग निकली। मंत्री ने सोचा – ये मेरी बनाई हुई बलिया है। वेदी पर से भाग रही है। अत. मै इन सबको खा जाऊंगा। यह कह कर जब उसने इनको इकट्ठा करके अपने बाहुओ में उठाना चाहा तो पत्थर की वेदी सहित सब भाग निकली। मत्री ने पीछा किया और एक पहाडी की गुफा तक पहुंचा। जब वह उस गुफा में पीछा करके घुसने लगा तो गुफा के मुख के ऊपर स्थित दो पत्थर के मेंढो ने उसको देखा और ऐसे कहा – इस दुष्ट को देखो। तुम अन्दर मत घुसो। इस गुफा के भीतर स्वर्गलोक की सूर्य-डाकिनी ध्यान में बैठी है।

[illegible]

सागिदाग् बुड्गे । आर्वान् पायुन् दु बाछाग् बागिगाद् । मुनेगु बेन् याराजु । यागुन् वेर्
उगेद् आजिगु । निगेन् विछाग्यान् उडेग्मेन् गुञिर् पोगुन् इयार् उछुगेन् वालिद जुला गितु ।
निगेन् छिजागु वार् तिरेगे बोलाजु । येरे देगेरे यानिगाद् सागुयाला उदे बोन्जुगुद् ।
छाए आयुद् उगेद् उड् बोजुमुद् । छाए आम्न् यागुमा उगेद् विन् पुला । दनादु
जिछा विन् वालिद इ इदेये गेमेन् यारिंगुला यारिरदाए उगेद् दुपागान् । विसि
वालिद उन् छागाना गार्वा । बासा बुगुद् इ बारिया गेमेवेगु । छोम् दुपागागु मिन्
पुला । यूनिमेद् एविन् गेदृनिदन् । मिनु सिगेन् वालिद बोडुगाद् । सिरेगेन् देगेरे एछे
दुपागामुद् गेमेगेद् । बुल्यु यि छोम् इदेये गेमेनु गाम्पुरन् येयेयेनु । छिजागुन्
सिरेगे येद छोम् दुपागान् ओद्‌गाद् । यूनिमेन् गोयिना आछा गोगेगेगेर् निगेन् मादा मिन्
गोन्देइ वेर् ओरोगुन्जु । मोन् येरे गोन्देद वेर् दागाजु ओरोयाला । गोन्देद मिन् आग्गार्
देगेरे बायिग्गान् गोबार् छिजागुन् गुछा उजेगेद् एविन् उगुलेदन् । एने गू यि उजे ।
ठि चू ओरो । एने गोन्देइ मिन् दोयोग दिदू मिन् नारान् दानिनि पुडुग् दुर् गागुनाग् ।

सागिदाग् बुड्गे—पालन करना था
आर्वान् पायुन् दु—पन्द्रहवीं में अर्थात् पूर्णिमा को
बाछाग् बारिगाद्—व्रत धारण किया
मुनेगु बेन् याराजु—अपना अन्न समाप्त कर-के अर्थात् सब अन्न समाप्त हो चुका था
यागुन् वेर्—कुछ भी
उगेद् आजिगु—नहीं था
निगेन् विछाग्यान्—कुछ थोड़े से
उडेग्मेन् गुञिर्—अवशिष्ट सत्तू
वालिद जुला—आटे का दीपक
छिजागु वार्—पत्थर से
सिरेगे बोलाजु—वेदी बनाई
येरे देगेरे—उसके ऊपर
यानिगाद्—रख कर
सागुयाला—बैठा ही था कि
उदे बोन्जुगुद्—दोपहर हो गया
छाए आयुद् उगेद्—भोजन किये बिना
उड् बोजुमुद्—नहीं रहा जाएगा
यागुमा उगेद् मिन् पुला—कुछ न होने के कारण
दनादु जिछा मिन्—इस ओर भी, अन्दर भी ओर भी
यारिगुला—पकड़ने लगा, उठाने लगा
यारिरदाए उगेद्—पकड़ो न जा कर, पकड़ में न आ कर
दुपागान्—भाग गई
विसि—दूसरी
छागाना गार्वा—ओट में चली गई, छिप गई
बासा—फिर
बुगुद् इ—दूसरों को
मिनु सिगेन्—मेरी बनाई हुई
सिरेगेन् देगेरे एछे—वेदी पर से
बुल्यु यि छोम्—सब को

२८ थेगुन् इ खेन् खोयार् उुये दागुन् गार्गावासु आव्खु जायागा थु बुइ । छि दागुन् गार्गाया गेजु इरेवेसु । छिमा आछा बायिथुगाइ । थाबुन् जागुन् खाद् उन् खेउुखेद् दागुन् गार्गाजु एसे छिदागाद् खारिन् छिलागुन् गेर् थुर् खोरिग्दाजु खेब्येनेम् खेमेगेद् । एबेर् इयेर् इयेन् एल्गुजु खायाबाइ । थेरे थुशिमेल् खेयिसुजु ओछिगाद् । बोग्दा बिकर्मिजिद् उुन् ओवोर् देगेरे उनाग्सान् दुर् । खागान् जालिग् बोलोरुन् । एने याला थु थुशिमेल् यागुन् दुर् इरेवे खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् इयेन् बुरिन् ए उुगुलेजु । नारान् दाखिनि यि मेदेग्सेन् इयेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् । खागान् जालिग् बोलोरुन् । शालु खिगेद् गुर्बान् उखागान् थु थुशिमेल् विदे थाबुगुला याबुया खेमेन् यानुजु खुरुगेद् । खोयार् छिलागुन् ग्छा यि बारिगाद् । शालु खिगेद् गुर्बान् उखागान् थु थुशिमेल् दुर् जालिग् बोलोरुन् । दोर्बेगुले ओरोजु । नारान् दाखिनि यिन् शिरेगे । एरिखे । खोम्बा । जुल्ग । थेरे दोर्बे दुर् खुविल् । बि खोयिना ओरोगाद् । एर्थेन् उु खाउलि यि उुगुलेये । था दोर्बेगुले उुलिगर् इ मिनु बुरगु शिगुउु खेमेगेद् इलेगेवे । थेरे दोर्बेगुले जालिग् उन् योसुगार् खुविल्बाइ । खागान् खोयिना आछा इनु ओरोगाद् जालिग् बोलोरुन् । बि चम्बुदिब् उन् एजेन् खागान् बुलुगे । थ्डि यिन् नारान् दाखिनि खायुन् खेमेखुइ दुर् । जोल्गुया

उसको जो कोई (खेन्) दो बार (उुये) शब्द निकलवा सकेगा वह उसको विवाह करने (आव्खु) का भाग्यशाली (जायागा थु) होगा । यदि तुम "शब्द निकलवाऊंगा" इस विचार से आए हो तो (इरेवेसु) तुमसे तो होने से रहा, पाच सौ राजकुमार शब्द न (एसे) निकलवा (गार्गाजु) सके (छिदागाद्), उल्टे (खारिन्) शिलामय (छिलागुन्) घर (गेर्) में बन्दी हो कर (खोरिग्दाजु) पडे है (खेब्येनेम्)—यह कह कर अपने सीगो से (एबेर् इयेर्) उठा कर (एल्गुजु) फेंक दिया (खायाबाइ) । वह मन्त्री उड (खेयिसुजु) जा कर (ओछिगाद्) भगवान् विक्रमादित्य की गोद (ओवोर्) में (देगेरे) गिर पडा (उनाग्सान् दुर्) । राजा बोला—यह अपराधी मन्त्री किस (यागुन्) लिये (दुर्) आया है (इरेवे) । ऐसा कहने (खेमेग्सेन्) पर (दुर्) मन्त्री ने विस्तार पूर्वक (बुरिन् ए) सूर्य-डाकिनी के बारे में जो कुछ जानता था (मेदेग्सेन्) सो कहा । प्रतिवेदन करने (आयिलाद्खाग्सान्) पर (दुर्) राजा ने कहा—शालु और तीनो बुद्धिमान् मन्त्री, हम (विदे) पाचो (थाबुगुला) चलें (याबुया)—यह कह कर (खेमेन्) वहां जा (याबुजु) पहुचे (खुरुगेद्) और दोनो पाषाणमय मठो को पकड लिया । शालु और तीनो बुद्धिमान् मन्त्रियों से कहा—तुम चारो प्रवेश करो (ओरोजु) और सूर्य-डाकिनी के आसन, माला, कलश और दीपक में प्रवेश हो जाओ (खुविल्) । पीछे से मैं आ कर (ओरोगाद्) प्राचीन काल (एर्थेन्) की कथा (खाउलि) सुनाऊंगा । तुम चारो मेरी कथा पर अशुद्ध (बुरगु) निर्णय देना (शिगुउु) । यह कह कर (खेमेगेद्) भेज दिया । वे चारो आदेश के अनुसार (योसुगार्) प्रवेश कर गये । राजा ने इनके पीछे (खोयिना) से (आछा) प्रवेश कर कहा—मैं जम्बुद्वीप का स्वामी (एजेन्) राजा हूं और दिव्य सूर्य-डाकिनी रानी कहलाने वाली को मिलने (जोल्गुया)

१८ सोमेन् इरेलुगे खेमेवेसु । नारान् दाम्बिनि खायुन् यागुन् इयार् दागुन् एसे गार्वासु । खागान् बासा उगुलेन्तुन् । एने इरेग्सेन् उछिर् थुर् । वि निगेन् उलिगेर् इ खेलेये । एसे बुगेसु ।
नारान् दाम्बिनि निगेन् उलिगेर् इ उगुले खेमेस्सेन् दुर् । खायुन् दागुन् एसे गार्वाइ । शिरेगे इनु उगुलेरुन् । बोदु थाइ आछा नारान् खायुन् दागुन् गार्गु योसु उगेइ । बोदा उगेइ एछे शिरेगे वि दागुन् गार्गु उगेइ बुलुगे । थेयिन् बोल्याछु । बोग्दा खागान् ओगेदे बोल्जु इरेगेद् उलिगेर् खेलेये गेथेले दागुन् एमे गार्वासु जोखिगु उगेइ । शिरेगे वि खेलेये गेवेसु । नारान् खायुन् एदुर् सानि देगेरे मिनु विशिल्लाल् धिशिलाख्खु यिन् थुला । दोयोरा मिनु छिलुगे उगेइ थुइ । खागान् निगेन् उलिगेर् इ आयिलाद् खेमेगसेन् दुर् । नारान् खायुन् शिरेगे बेन् उजेगेद् मागुवाइ ।
बोग्दा खागान् एने उलिगेर् इ उगुलेरुन् । एर्ये उरिदु छाग् थुर् । दोर्वेन् आयिल् उन् दोर्वेन् खेटखेद् इनु । आदुगु बान निगेन् गाजार् बोल्जोजु मानादाग् बुलुगे । निगेन् इनु उरिद् इरेगेद् । बुमुद् इयान् खुल्यिवेसु । इरेग्सेन् उगेइ यित् थुला । खारिखुइ दागान् निगेन् मोदु बार् एमे खुमुन् खिजु थाल्विगाद् ओद्वा । निगेन् इनु इरेगद् नामायि उजेजु

के लिये (खेमेन्) आया हूं (इरेलुगे) । यह कहा तो (खेमेवेसु) सूर्य-डाकिनी रानी ने किसी प्रकार भी (यागुन् इयार्) शब्द नहीं निकाला । राजा फिर (बासा) बोला—इस (एने) आगमन (इरेग्सेन्) अवसर (उछिर्) पर (थुर्) मैं एक कहानी कहूंगा, नहीं तो (एसे बुगेसु) सूर्य-डाकिनी एक कथा सुनाए । यह कहने पर रानी कुछ न बोली । उसके (इनु) आसन ने कहा—प्राणवन्तों में से सूर्यरानी का बोलने का नियम (योसु) नहीं और प्राणहीनों में से मैं आसन बोल सकता नहीं । ऐसा (थेयिन्) होने पर भी (बोल्याछु) महात्मा राजा पधारे हैं (ओगेदे बोल्जु इरेगेद्) और कह चुके हैं (गेथेले) कि मैं क्या सुनाऊंगा तो कुछ न कहना उचित (जोखिगु) न होगा । यदि मैं आसन कहूं (गेवेसु) कि मैं [कहानी] सुनाऊंगा [तो स्थिति यह है] कि सूर्यरानी के दिन (एदुर्) रात (सोनि) मेरे (मिनु) ऊपर (देगेरे) ध्यान-मग्न रहने के कारण मेरा आभ्यन्तर (दोयोरा) व्यवस्थित (छिलुगे) नहीं रहा, सो राजन् आप ही एक कहानी सुनाइये (आयिलाद्) । ऐसा कहने पर सूर्यरानी अपने (बेन्) आसन की ओर देख कर [चकित हो कर] बैठी रही ।

महात्मा राजा ने यह कहानी सुनाई—प्राचीन (एर्ये उरिदु) समय में चार गांव (आयिल्) के चार बच्चे अपने (बान्) अश्वसमूहों (आदुगु) को, एक स्थान निश्चित करके (बोल्जोजु), रात को देख भाल करते (मानादाग्) थे (बुलुगे) । [एक बार] इनमें से एक पहले आ गया और दूसरों की प्रतीक्षा करता रहा (खुल्यिवेसु) । [दूसरों के] न आने के कारण अपने (दागान्) लौटते हुए (खारिखुइ) एक लकड़ी से स्त्रीजन (एमे खुमुन्) बना कर (खिजु) छोड़ (थाल्विगाद्) गया (ओद्वा) ।

इनमें से एक [और] आया और कहा—मुझे देख कर

४० इनियेजु बायिना खेमेगेद् । शिरि बुदाग् ओरोगुलुन् ओद्वा । निगेन् इनु इरेगेद् इनियेन् बायिजु लाग्शान् बेल्गे थेगुम्खेगेद् ओद्वा । निगेन् इनु आमिन् ओगेगुलुगाद् आब्वुइ दुर् । जुजेस्खुलेइ थु मायिखान् एमे बोट्लुगा । थेरे एमे यि दोर्बेगुले बुलियाल्दुनाम् । निगेन् इनु आडखान् उ मोदु बार् खिग्मेन् खेमेमु । निगेन् इनु वि ओड्डे ओगेगुल्वा खेमेमु । निगेन् इनु वि लाग्शान् बेये थेगुम्खेबे खेमेमु । खोयियु आनु वि एदेगेबे खेमेन् बुलियाल्दुनाम् । एगुन् इ खेन् दुर् आनु ओग्खु बुइ खेमेरेसु । नारान् खायुन् उ गार् थुर् बारिग्सान् एरिखे इनु एमिन् दागुन् गार्वा । बोदि थाइ आछा नारान् खायुन् दागुन् गार्दाग् जुगेइ बोल्बाछु । मेसे खागान् इरेगेद् जुलिगेर् जुगुलेन् । खुबियारि यि आमागुखुइ दुर् । दागुन् जुगेइ यागाखिजु बायिनाम् । नारान् खायुन् एदुर् मोनि जुगेइ थानि थोगाल्जु । थोलुगाइ मिनु एर्गेसेन् उ थुला । दोयोर् मिनु गेगे जुगेइ बायिलु यिन् थुला । जोग्विस् थाइ इल्गाखु जुगेइ बोल्बाछु । आल्हान् उरिदा खिग्मेन् खुमुन् आबुल् थाइ आजि खेमेखुइ दुर् । नारान् खायुन् । शिरेगे । एरिखे खोयार् इयान् जुजेगेद् एयिन् जालिग् बोलोरन् । बोदा जुगेइ था खोयार् आछा बायिथुगाइ । थोदायाइ वि दागुन् जुलु गार्दाग् बुलुगे । थान् उ सायि यिन् गार्वु

हम रही है । यह कह कर रग (शिरि बुदाग्) चढा कर (ओरोगुलुन्) चला गया (ओद्वा) ।

इनमें से एक और आया और हमले (इनियेन्) हुए (बायिजु) लक्षण चिह्न (लाग्शान् बेल्गे) पूरे करके (थेगुस्खेगेद्) चला गया । फिर एक और आया और प्राण डाल कर उसको ले लिया । वह रूपवती सुन्दर स्त्री बन गई । उस स्त्री के लिये चारो आपस में लडने लगे (बुलियाल्दुनाम्) । एक ने कहा—पहले (आल्हान् उ) मैने ही तो लकडी से इसको बनाया था । दूसरे ने कहा—मैंने रग चढाया था । तीसरे ने कहा—मैंने शरीर के लक्षण अग (बेये) पूरे किये थे । अन्तिम ने (खोयिथु) कहा—मैंने इसको जीवित किया था (एदेगेबे) । यह कह कर लडने लगे । इसको (एगुन् इ) [इनमे से] किसको दिया जाए (ओग्खु बुइ) ।

यह कहने पर (खेमेरेसु) सूर्यरानी के हाथ मे पकडी हुई (बारिग्सान्) माला ने ऐसे कहा (दागुन् गार्वा)—यद्यपि प्राणवन्तो म से सूर्यरानी कुछ नही बोलती तथापि महाराज ने आ कर कहानी सुनाई है और अब निर्णय (खुबियारि) पूछ रहे है । कहें (दागुन्) बिना (जुगेइ) कैसे (यागाखिजु) रहे (बायिनाम्) । सूर्यरानी दिन रात के [भेद] बिना मन्त्र (थानि) जपती रहती है (थोगाल्जु), मेरा सिर (थोलुगाइ) घूम गया है (एर्गेसेन्), अत (उ थुला) मेरा आभ्यन्तर प्रकाश (गेगे) हीन (जुगेइ) हो गया है । अत मैं उचित (जोग्विस्थाइ) निर्णय (इल्गाखु) नही दे सकती । सबसे पहले (आल्हान् उरिदा) बनाने वाला व्यक्ति [इस स्त्री को] लेने वाला (आबुल्थाइ) बनेगा न (आजि) । यह कहने पर सूर्यरानी अपने सिंहासन और माला दोनो की ओर देख कर ऐसे बोली—तुम दोनो प्राणहीनों को तो रहने दो, मैं प्राणवती हो कर भी कुछ नही बोली । तुम्हारे अब के (सायि यिन्) कहे हुए (गार्वु)

४' दागुन् । जोब् दागुन् उलु गार्खु बुयु खेमेन् जालिग् बोलोहन् । सायि गेग्छि खुमुन् एछिगे बुइ ।
बुदाग् ओरोगुलुग्छि खुमुन् एखे बुइ । लाग्शान् बेये थेगुस्खेग्छि खुमुन् ब्लामा बुइ । आमि
ओरोगुल्जु आबुग्सान् खुमुन् खारिया थु एरे इनु थेरे बिशि उ खेमेन् दागुन् गार्वाइ । खागान्
जालिग् बोलोहन् । बोदा थाइ आछा नारान् खायुन् दागुन् गार्वा । बोदा उगेइ शिरेगे एरिखे खोयार्
दागुन् गार्वा । था निगेन् उलिगेर् खेले खेमेग्सेन् दुर् । नारान् खायुन् यागुन् बेर् दागुन् एसे
गारुन् सागुथाला । खोम्खा उगुलेरन् । दोथोरा मिनु देगुरेथेले राशियान् खिगेद् । उद्खा
दुगुरेग्सेन् उ थुला । खेलेन् उलु छिदामु । खागान् निगेन् उलिगेर् खेले खेमेग्सेन् दुर् । नारान्
खायुन् खोम्खा बान् उजेगेद् सागुथाला ।
बोग्दा खागान् एने उलिगेर् इ उगुलेरुन् । एर्थे निगेन् छाग् थुर् एरे एमे खोयार् आयिल्छिलाजु
खादा यिन् इरुगार् इयार् याबुथाला । खादा यिन् देगेरे उयाराखु मेथु सायिखान् दागुन् सोनुस्दाजु
खुमुन् एछे बायियुगाइ । उनुग्सान् मोरिन् छिडनाबा । एमे इनु खारान् सेद्खिजु । एयिमु सायिखान्
दागु थु एरे दु उछारासाइ खेमेन् ओनि याबुथाला । निगेन् उसु थाइ खुद्दुग् उछाराग्सान्

शब्द (दागुन्) ठीक (जोब्) नही (उलु) निकले (गार्खु) । अभी निर्दिष्ट (गेग्छि) पुरुष तो पिता है । लक्षण अग पूरे करने वाला पुरुष गुरु (ब्लामा) है । प्राण डाल कर रग चढाने वाला पुरुष माता है । लेने वाला (आबुग्सान्) पुरुष उसका उचित पति नही (बिशि) है क्या (उ) । यह शब्द कहते ही राजा बोल पडे—प्राणवन्तो में से सूर्यरानी बोली हैं । प्राणहीनो में से सिंहासन और माला दोनो बोले है । अब आप (में से कोई) एक कहानी सुनाए । ऐसा कहने पर सूर्यरानी ने कोई भी (यागुन् बेर्) शब्द न कहा । तब पात्र बोला—मेरे अन्दर कण्ठ तक (देगुरेथेले) अमृत (राशियान्=रसायन) और धूम्र (उद्खा) भरा होने के कारण मैं बोलने में असमर्थ हू । राजन्, आप ही कहानी सुनाइये ।

सूर्यरानी ने अपने पात्र की ओर देखा और [चुप] बैठी रही ।

महात्मा राजा ने यह कहानी सुनाई—पूर्वकाल में एक समय पुरुष और स्त्री दोनो [किसी को] मिलने (आयिल्छिलाजु) जा रहे थे । जब वे गिरिपाद (खादा यिन् इरुगार्) के पास से जा रहे थे (याबुथाला) तो पर्वत में से करुणाजनक सुन्दर ध्वनि सुनी । मनुष्यो को तो रहने दो सवारी के (उनुग्सान्) घोडे भी कान लगा कर सुनने लगे (छिडनाबा) । स्त्री के मन में दुष्ट (खारान्) विचार आया—ऐसी सुन्दर ध्वनि वाला पुरुष मुझे मिलना चाहिये । कुछ दूर (ओनि) जाकर वे एक पानी वाले (उसु थाइ) कुए (खुद्दुग्) पर पहुचे ।

४२ दुर्। एमे इनु एरे देगेन् उसुन् आछा उउगुया उम्दागासुनाम् खेमेग्सेन् दुर्। एरे इनु वागुजु उसुन् दुर् तुलु खुरुन् देगुलेजु खेव्येयेले। एमे इनु वागुगाद् खोयार् खोल् इ इनु वारिगाद्। एरे युगेन् उसुन् दुर थुल्खिजु आलान्। थेरे मायिखान् दागुन् इ एरिजु ओछियाला खुलुगाना यारा दुर् वोग्सेन् वेये वेन् वारिग्दाग्सान् सुमुन् योयिलाग्सान् आनु। खादा यिन् दागुरियान् लुगा खोलिछान् सायिखान् सोनुस्दाग्सान् आजुगु। एमे उजेन् गायिखाजु। एयिमु जोवालाड थु यिन् दागुन् इ मोनुसुगाद्। सायिन् एरे युगेन् आलालुगा वि। एने गेम् थु एरे दुर् उछाराग्मान् मिनु आछि तुरे खेमेन्। थेरे एवेद्छि थु खुमुन् इ एगुछुं याबुग्मागार खाथाजु शिनेजु उखुग्सेन् आजुगु। एने सायिन् एमे वुयु खेमेन् आसागुग्सान् दुर्। नारान् खाधुन् इयेर् दागन् एसे गार्बासु। जुला उगुल्रेरुन्। नारान् खाथुन् एदुर् सोनि उगेइ जुला शिथागाजु वायिखु बुगेद्। जुला मिनु शिल्जिखुइ ओयिराथुग्सान् उ थुला। इरगाजु खेलेखु छिलुगे उगेइ वायिनाम्। थेयिन् वोल्बाछु। ओवेर् उन् एरे युगान् आलागाद्। एवेद्छि थु एरे यि ओलुग्मान् इयान् मागु गेजु ओगिग्सान् उगेइ यि उजेवेसु। सायिन् एमे बोलोल् थाइ खेमेखुइ दुर्। नारान् पाथुन् खोम्दा जुला युगान् तुजेगेद् एयिन् दागुन् गाग्न् उगुलेरुन्। बोदा उगेइ था दोवेंगुले

तब पत्नी ने अपने पति से कहा—मैं पानी पीऊंगी (उउगुया), प्यासी हू (उम्दागामुनाम्)। पति उतरा (वागुजु) किन्तु पानी तक न पहुच सका (तुरु खरुन्)। जैसे ही पसर कर (देगुलेजु) लेटा (खेव्येयेले), पत्नी नीचे उतरी और दोनो पाव (खोल्) पकड कर अपने (युगेन्) पति को पानी में धकेल कर (थुल्खिजु) मार डाला (आलान्)। और उस सुन्दर ध्वनि को ढूढते हुए (एरिजु) जब पहुंची (ओछियाला) तो फोडो से (खुलुगाना यारा) ग्रस्त (वारिग्दाग्सान्) कटिभाग (वोग्सेन् वेये) वाले मनुष्य की कराहट (योयिलाग्सान्) पहाडी की गूज (दागुरियान्) के साथ (लुगा) मिल कर (खोलि-छान्) मधुर सुनाई (सोनुस्दाग्सान्) पडती थी (आजुगु)। स्त्री देख कर (उजेन्) चकित हो गई (गायिखाजु)। ऐसे दुखी (जोवालाड थु) की ध्वनि को सुन कर मैंने अपने सुन्दर पति को मार दिया और उसका कर्म-फल (आछि तुरे) मुझे यह रोगी (गेम् थु) पुरुष मिला है (उछाराग्मान्)। उस रुग्ण (एवेद्छि) पुरुष को पीठ पर उठा कर (एगुछुं) चलते चलते (याबुग्मागार्) सूख कर (खाथाजु) विलाप करती हुई (शिनेजु) मर गई। क्या यह अच्छी स्त्री थी—ऐसा पूछने पर सूर्यरानी कुछ न बोली। दीपक बोला—सूर्यरानी दिन रात के [भेद] बिना मुझ दीपक को जलाती (शिथागाजु) रहती हैं (वायिजु) और मुझ दीपक को, मृत्यु के (शिल्जिखुइ) निकट होने (ओयिराथुग्सान्) के कारण, विवेक पूर्वक (इरगाजु) कहने का (खेलेखु) अवकाश (छिलुगे) नहीं है (वायिनाम्)। तथापि (थेयिन् वोल्बाछु) अपने (ओवेर् उन्) पति को मार कर रुग्ण पुरुष को प्राप्त करके उसको दुख (मागु) सह कर (गेजु) छोडा (ओगिग्सान्) नहीं—यह देखू तो (उजवेसु) यह अच्छी स्त्री होनी चाहिये (बोलोल्थाइ)—ऐसा कहने पर सूर्यरानी ने अपने पात्र और दीपक की ओर देखकर यह कहा—प्राणहीन तुम दोनो को

"१ आद्या बापियुगार। बेये बेर् वि दागुन् उलु गार्मुइ दुर्। था नार् जोब् उरु गेलेगु बुसु। ग्यादा यिन् दागुग्यियान् लुगा नोग्पुछिम्मेन् उगान् दागुन् इ मोनुम्छु। उछारागमान् एरे युगान् आनागाद्। एनेद्छि थ एरे यि एगुर्छ। आर्गा वान् आल्दार्छु तुगुग्सेन् एमे दुर्। यागुन् उ मायिन् बुसु गेमेबे। था मागु मेद्गिल् थ्। थेरे एमे शिम्नु बुइ जा गेमेन् दागुन् ग्रारम्मान् दुर्। बोग्दा विक्रमिजिद् ग्यागान् बोम्छु। नागन् सायुन् छिमाइ सोयाद् दागुन् गार्गांवामु आच्यु चुलुगे खेमेगेद्। ग्यायुन् इ आव्छु शाल्‌ु ग्विनेद्। गुर्वान् थुशिमेद् इयेन् दागागुलुन्। ग्यादान् दुर् ग्योग्ग्मान् थाकुन् जागुन् ग्याग्राद् उद् उन् ग्वेतुखेद् इ गार्गागाद् ओगेन् दाग्रान् ओंगेदे वोदुन् ग्युरुगेद्। दायिछिद् उलुम् इयान् छुग्लागुल्जु। दारुइ देगेरे शाशिन् नोम् इयान् देल्गोरेगुतुन् शियुजु। मायिन् मागु यि बेर्। ग्यानागान् दुर् पुर्वेले जिर्गागुरुगाद्। जायाग्रा थु बोग्दा विर्क्रमिजिद् ग्यागान्। दागिन् नि आर्दुशियेग्छि सायुन् लुगा वान् वायुदा एने शिरेगेन् दुर् सागुलुगा। आगजि बोजि सागान् छि। थेयिमु थोरु शाशिन् सोयार् इ थेग्शि वारिग्छि ग्यागान् वोखुना मागु। बुमु बोल्बुला वायिगि खेमेन् खोरिग्मान् निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उलिगेर् उगुलेमन्।

तो रहने दो। मैं स्वय (बेये बेर्) कुछ नही बोली। पर तुमने ठीक नही कहा न। पर्वत की प्रतिध्वनि से मिश्रित (नोखुछिसेंन्) मधुर (उरान्) ध्वनि को सुनकर (मोनुम्छु), अपने विवाहित (उछाराग्मान्) पति को मार कर दूसरे पुरुष को पीठ पर चढा कर (एगुर्छ), उपाय खो कर (आल्दार्छु), मृत स्त्री में किस बात की (यागुन् उ) अच्छाई है। यह दुष्ट चित्त वाली स्त्री अवश्य दैत्य है।

जब सूर्यरानी यह कह चुकी तब विक्रमादित्य राजा ने उठ कर (बोम्छु) कहा—सूर्यरानी, यदि कोई तुमको दो बार बुलवा दे तो वह तुमको लेने का [अधिकारी] होगा। यह कह कर उसने रानी को ले लिया और शालु तथा तीन मन्त्रियो को साथ ले कर, पर्वत में बन्दीकृत (खोरिग्सान्) पाच सौ राजकुमारो को निकाल कर, अपने स्थान पर (ओरोन्) प्रस्थान कर (ओगेदे बोलुन्) पहुचा (खुरुगेद्)। उसने अपनी दायिछिद् प्रजा को इकट्ठा किया। तुरन्त (दारुइ) परम (देगेरे) धर्म (शाशिन्=शासन) और शास्त्र (नोम्) को विस्तारित किया। [और उसकी] पूजा की (शियुजु)। अच्छे बुरे को यथा सन्तोष (सानागान् दुर् सुर्वेले) सुखी किया (जिर्गागुलुगाद्)। भाग्यवान् (जायागा थु) महात्मा विक्रमादित्य राजा डाकिनी करुणामयी (ओर्दुशियेग्छि) अपनी रानी के साथ दृढता पूर्वक (वायुदा) इस सिहासन पर बैठा। राजा भोज, यदि तुम भी इसी प्रकार शासन (थोरु) और धर्म (शाशिन्) दोनो के समान (थेग्शि) पालक (वारिग्छि) राजा हो तो (बोल्बुला) इस सिहासन पर बैठो (सागु)। नही हो तो रहने दो (वायिगि)। इस प्रकार रोकने वाली (खोरिग्सान्) एक पुतली की कही हुई यह कहानी है॥

निगेन् मोदुन् उ उगुलेग्सेन् उुलिगेर् ।

ग्रारांजि बोजि खागान् उ दालान् निगेन् खायुन् बुलुगे । निगेन् सायुन् इयान् बुर्खान् उ शिरेगेन् दुर् मोर्गु गुल्तुगेद् आदिस् आबुया खेमेन् शिरेगेन् दुर् ओयिरा इरेव्रेसु निगेन् मोदुन् खुमुन् । ओइ गायुन् वायिजा छि थोलुगाइ बान् एने शिरेगेन् दुर् बुउ खुर्गे । एर्ये बोग्दा बिक्रमिजिद् खान् उ छेछेग् बोजिग्छि खायुन् आनु एरे एछेगेन् एथेगेद् बुरुगु मानादाग् उगेइ बुउगे । छि थेरे मेयु खायुन् बोल्बागेम् । खुर्छु आदिस् आव् । बुसु बोल्खुला बायिगि खेमेगेद् । थेगुन् एछे बायियुगाइ । दालान् थोथि यिन् उुलिगेर् इ उगुलेसुगेइ खेमेन् एने उुलिगेर् इ उगुलेबेइ । एर्ये उरिदु निगेन् खागान् उ खायुन् एबेद्दुग्सेन् दुर् । एम्छि नेर् बेर् एम्नेन् एसे छिदागाद् निगेन् शिबागुन् उ थारिखि इदेग्सेन् एछे उलाम् एबेद्छिन् इनु इलारि गायिगुइ बोलुग्मान् उ थुला । येखे उलुस् आछा शिबागुन् उ आल्वा आब्खु बोलुग्मान् दुर् निगेन् उरिखाछि खुमुन् इ दागुदाजु इरेगेद् छि सारा दुर् दालान् निगेन् शिबागुन् उ थारिखि ओल्जु

## चौथा अध्याय

एक और पुतली की कही हुई कहानी ।

राजा भोज की ७१ रानिया थी । उनमे से एक रानी से, बुद्धासन को प्रणाम करा प्रसाद (आदिस्) ले, इति आसन के समीप (ओयिरा) [वह रानी] पहुची ही थी कि एक पुतली बोली—हे (ओइ) रानी, ठहरो । तुम अपने सिर से (थोलुगाइ बान्) इस आसन का स्पर्श न करोगी (बुउ खुर्गे) । प्राचीन महात्मा राजा विक्रमादित्य की पुष्पनर्नवी (छेछेग् बोजिग्छि) रानी ने कभी अपने पति के प्रति (एरे एछेगेन्) कोई दूसरे (एथेगेद्) दुष्ट (बुरुगु) विचार (सानादाग्) नही किये थे । यदि तुम उसके समान रानी हो तो (बोल्बागेम्) आओ (खुर्छु) और प्रसाद लो (आव्) । यदि नही हो तो रहने दो (बायिगि) । इसको छोड कर (बायियुगाइ) मैं तुमको ७१ शुको की कहानी सुनाऊगी (उगुलेसुगेइ) । यह कह कर उसने निम्नलिखित कहानी सुनाई ।

प्राचीन काल मे एक राजा की रानी रोगी हो गई (एबेद्दुग्सेन् दुर्) । वैद्य लोग (एम्छि नेर्) चिकित्सा (एम्नेन्) न (एसे) कर सके । किन्तु एक पक्षी का मस्तिष्क (थारिखि) खाने (इदेग्सेन्) से धीरे धीरे (उलाम्) इसके रोग का शमन (इलारि) हो गया । अच्छा (गायिगुइ) होने (बोलुग्सान्) के कारण राजा अपनी महती प्रजा से पक्षी रूप मे कर (आल्वा) लेने (आब्खु) लगा (बोलुग्सान् दुर्) । एक जाल वाले (उरिखाछि) व्यक्ति को बुला लिया (दागुदाजु इरेगेद्) और कहा—तुम मास (सारा) मे ७१ पक्षियो के मस्तिष्क प्राप्त कर (ओल्जु)

४८ इरेवेसु शाइनामु एसे ओल्वामु यालालामुइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे उरिग्याछि आर्गा उगेइ बोरजु निगेन् मोदुन् दुर् दालान् निगेन् थोधि खोनुदाग् आजुगु थेगुन् दुर् उरिखा थाल्विया खेमेगेद । थेरे मोदुन् दुर् ओछिजु उरिखा थाल्बिग्मान् दुर् । थेरे थोधि यिन् निगेन् उखागान् थु थोधि बुइ आजुगु । थेरे उखागान् थु थोधि बुमु नोखुद् देगेन् खेलेवे । एने मोदुन् दुर् जेद्खेर् ओरोवा । बिदे छिलागुन् दुर् खोनुया खेमेगेद् दोर्न थावु खोनुग्मान् उ खोयिना । थेरे खुमुन् उरिखान् इयान् छिलागुन् दुर् थाल्विवामु । उखागान् थु थोधि नोखुद् थेगेन् खेलेवे । एने छिलागुन् दु वासा खु जेद्खेर् ओरोवा । बुमु गाजार आ ओदुया खेमेवेसु । नाखुद् इनु आगुर्लाजु इजागुर् उन् मोदुन् दुर् जेद्खेर् ओरोवा खेमेन् एने छिलागुन् दुर इरेवे । एदुगे वामा छिलागुन् दुर् जेद्खेर् गेनेम् छि खामिगा ओदुमु । उजेवेसु खारिन् छिमा दुर् जेद्खेर् ओरोजुखुइ खेमेवेमु । उखागान् थु थोधि उगुलेरुन् । नादुर् जेद्खेर् ओरोवासु गाग्छा वेये दुर् बुइ जा आ । दालान् निगेन् इ थोगालाखु जेद्खेर् खुरुवेसु गेम् । बुगुदेगेर् थुर् खुखुं बुइ जा आ मेदेग्मेन् इयेर् जि गाग्छागार् गार्छु यागुन् बोलुमा । एसे मेदेग्सेन् दुरा वार्

लाओगे तो पुरस्कार दूगा (शाइनामु), यदि प्राप्त न करोगे तो दण्ड दूगा (यालालामुइ) । जाति निष्पाप (आर्गा उगेइ) हो गया । एक वृक्ष पर ७१ शुक रात विताते (खोनुदाग्) है (आजुगु) । उस पर जाल (उरिखा) बिछाऊगा (थाल्विया)—यह सोच कर उस वृक्ष पर पहुंचा (ओछिजु) और जाल फैलाया । उन शुकों मे एक बुद्धिमान् शुक था । उस बुद्धिमान् शुक ने अपने दूसरे (बुमु) साथियो (नोखुद्) मे कहा—इस वृक्ष मे एक दैत्य (जेद्खेर्) प्रवेश कर गया है । हम पहाडी पर रात बसेरा करेगे (खोनुया) । चार पाच रात बसेरा करने के पश्चात् उस पुरुष ने अपना जाल पहाडी पर बिछा दिया । बुद्धिमान् शुक ने अपने साथियो से कहा—दैत्य इस पहाडी पर भी (वासा खु) आ गया है । चलो दूसरे स्थान पर चलें (ओदुया)। उसके साथी रुष्ट हो गये (आगुर्लाजु) और बोले—मूल (इजागुर्) के वृक्ष पर दैत्य आ गया, इस लिये हम इस पहाडी पर आये । अब (एदुगे) कहते हो (गेनेम्) कि इस पहाडी पर भी दैत्य आ गया । कहा (खामिगा) जाए (ओदुमु) । यदि देखें तो उल्टा तुम मे दैत्य प्रवेश कर गया है (ओरोजुखुइ) । बुद्धिमान् शुक ने कहा—यदि मुझ में दैत्य प्रवेश करता तो अकेले (गाग्छा) मुझ (वेये) मे होता । किन्तु यदि ७१ को एक २ करके गिनने वाला (थोगालाखु) दैत्य आ गया (खुरुवेसु) तो हम सब पर आपत्ति (गेम्) आएगी । अपने ज्ञान (मेदेग्सेन्) से मैं अकेला बच निकलू, यह कैसे (यागुन्) होगा (बोलुमा) । न (एमे) जानने (मेदेग्सेन्) के रूप से (दुरा वार्)

४६ बुगुदेगेर् थुर् गेम् बोलुम्जा खेमेगेद् । मोन् छिलागुन् दागान् खोनुगाद् उरिखान् दुर् थोरुथाबाइ । थोरुथाजु खेब्येखुइ देगेन् बुसुद् आनु उगुलेरुन् । उखागान् उगेइ मान् उ थुला । उखागान् थु छि मितु खायिरान् आमि खेमेन् उखिलाल्दुगाद् । उखागान् थु थोथि आछा आसागुरन् । उरिखान् उ एजेन् थेरे खुमुन् शिदाम् बारिजु इरेनेम् । छिमा दुर् आर्गा बुइ बुयु खेमेबेसु । उखागान् थु थोथि उगुलेरुन् दुथागाखु आछा इलेगू आर्गा उगेइ खेमेगेद् । थेयिमु बोल्बाछु । बिदे बुगुदेगेर् उखुग्सेन् उ योसुगार् खेब्येये । गेदेगुं उरुगु खाविर्गा बार् खेब्येये । आमिदु यि आलाखु गेजु छोखिखु बुइ जा । उखुग्सेन् इ यागुन् दु छोखिखु बुइ मिखान् इ बिदेन् उ थुला । आलाखु बुइ जा आ गार् थुर् ओरोग्सान् खोयिना खेब्येखु एछे ओबेर् खेरेग् उगेइ बुइ जा एने खादा यि उजेबेसु खाब्छागाइ बायिना छिछुं बागुबासु उलु दागाखु यिन् थुला । मान् इ थोगालाजु ओखिखु बुइ जा । उरिद् उरिद् उन् ओखिग्सान् मान् इ उखुग्सेन् मेथु खेब्ये । थेरे थोगालाग्सागार् दालान् निगे खेमेमेग्छे । जेगें बोसुन् निसुये खेमेगेद् खेब्येबेइ थेरे खुमुन् इरेजु उजेगेद् । आइ मू आर्गायु थोथि नार् इ उजेखु

सबको (बुगुदेगेर् थुर्) कष्ट (गेम्) होगा ही (बोलुम्जा) । यह कह कर [सबने] उसी (मोन्) पहाड़ी पर रात बिताई (खोनुगाद्) और जाल मे फस गये (थोरुथाबाइ) । फंस कर लेटे हुए (खेब्येखुइ) दूसरो (बुसुद्) ने कहा—हम बुद्धिहीनो (उखागान् उगेइ) के कारण बुद्धिमान् तुम, हमारे प्रिय (खायिरान्) प्राण —यह कह कर रोने लगे (उखिलाल्दुगाद्) । और बुद्धिमान् शुक से पूछा—जाल का स्वामी, वह व्यक्ति डण्डा (शिदाम्) ले कर (बारिजु) आयेगा (इरेनेम्) । क्या तुम्हारे पास (छिमा दुर्) कोई उपाय है (बुइ बुयु) । बुद्धिमान् शुक बोला— भागने से बढकर (दुथागाखु आछा इलेगू) कोई उपाय नही । तथापि हम सब मरे हुए के समान (उखुग्सेन् उ योसुगार्) लेट जाएं (खेब्येये) । [कुछ] चित्त (गेदेगुं), [कुछ] पेट के बल (उरुग्) [और कुछ] करवट ले कर (खाविर्गा बार्) लेट जाएं । प्राण वालो को (आमिदु यि) मारने के लिए (आलाखु गेजु) पीटेगा (छोखिखु) ही (बुइ जा), किन्तु मरे हुओं को क्यों (यागुन् दु) पीटेगा । हमारे मांस के लिए हमको मारेगा ही (आलाखु बुइ जा आ) । हाथ मे लिए जाने के पश्चात् (ओरोग्मान् खोयिना) लेटने मे अन्य (ओबेर्) उपाय (खेरेग्) नही है । इस पहाड़ी को देखें तो (उजेबेसु) यह सकीर्ण (खाब्छागाइ) है (बायिना) । यदि घसीट कर (छिछुं) उतारे तो (बागुबासु) उठा न सकेगा (उलु दागाखु) । इस कारण हमको गिनकर (थोगालाजु) नीचे फेंकता जाएगा (ओखिखु बुइ जा) । पहले पहले के (उरिद् उरिद् उन्) फेंके हुए (ओखिग्सान्) हमको मरे हुए के समान लेटे रहना चाहिये । जब वह (थेरे) गिनते गिनते (थोगालाग्सागार्) ७१ कहे तो एक साथ (जेगें) उठ कर (बोसुन्) उड़ जाना चाहिये (निसुये) । यह पहले ही (खेमेगेद्) सब लेट गये (खेब्येबेइ) । उस पुरुष ने आ कर देखा (इरेजु उजेगेद्)— ओहो (आइ), दुष्ट (मू) चतुर (आर्गायु) शुकवर्ग को देखना,

४७ थान् इ तुजेसु एने थुइ जा। एन्दे थेन्दे आर्गालान् यावुजु जोवागाग्सान् आनु येखे बुलुगे खेमेन्
इन्जेरे छोखिलाया गेजु इरेयेले। गेदेगुं उरगु उनाजु तुसुग्मेन् इ तुजेगेद तुगुसेन्
आजि एगुन् इ बुल्यु यि राजार् खाव्छागाइ थुला दूरा थोगालान् ओखिजु खोयिना आवुया खेमेन्
थोगालान् ओखिखुद दुर् एछुम् सेगुल् दुर् आनु उखागान् थु थोयि तुलेग्सेन् आजुगू।
थोगालाजु दालान् निगे ग्मेमेन् तुगुल्येले थुसे दुर् ग्वाब्छिगुलुग्सान् विलगू आनु खेछिगिनेजु
उनाखुइ दुर् बुसुद आनु दालान् निगे गुइछेवे ग्मेन् थुगुदेगेर् निसुन् ओदुग्सान् दुर्
उखागान् थु थोयि ग्मुमुन् तु गार् थुर् खोछोराग्सान् दुर् उरिखाछि तुगुलेरुन्। एने थोयि
नार् थेदुइ एछे एदुगे खुर्येले आर्गालाग्मागार् आजिगु एने उलेग्सेन् थोयि यि गेर् थेगेन्
आवाछिजु आमिदु बार् आनु शिल्जार्थाला आलाया ग्मेमेसु दुर् उसागान् थु थोयि तुगुलेरुन्। वि
छिमाइ यिङ्गेंजु आलाग्मान् बोल्वाला। एदुगें छिनु खारिगु आलाखु जोव्। खेर्वे ओगिये
तुगेइ बोल्वामु वि वासा निगेन् छाग् थुर् खारिगु यि छिमा आछा आब्न् तुगेइ वुयु। छि
मान् इ आलागाद। साग्रान् आछा थान् शाड आवुया गेखु बोल्वाछु। विदे आमिन् इयान् आर्गालाग्सान्

तुमको यह देखना ही था (तुजेसु एने थुइ जा)। इधर उधर (एन्दे थेन्दे) चतुराई करके (आर्गा-लान्) निकल कर (यावुजु) तुमने बहुत सताया था (जोवागाग्सान्)। चूरा चूरा करके (इन्जेरें) तुमको पीटूगा (छोखिलाया)—ऐसा कहता आया था कि (गेजु इरेयेले) पीठ के बल, पेट के बल (उरगु) गिर कर (उनाजु) मरे हुओ को देखा। मर चुके (तुसुग्सेन्) है (आजि)। इन सबको (एगुन् इ) स्थान तग (खाव्छागाइ) होने के कारण नीचे (दूरा) गिन कर (थोगालान्) फेंक दूगा (ओखिजु) और पीछे (खोयिना) उठा लूगा (आवुया)। यह कह कर गिन गिन कर डालता गया और सबके अन्त (एछुस् सेगुल्) मे बुद्धिमान् शुक शेप (तुलेग्सेन्) रह गया (आजुगु)। गिनते गिनते ७१ कहने तक (तुगुल्थेले) पेटी मे (थुसे दुर्) रखी हुई (ग्वाब्छिगुलुग्सान्) शाणपत्थरी (विलगु) खट से (खेंछिगिनेजु) नीचे गिर पड़ी (उनाखुइ दुर्)। दूसरे (बुसुद), ७१ पूरे हो गये (गुइछेवे), यह सोच कर सब उड गये (निसुन् ओदुग्सान् दुर्)। केवल बुद्धिमान् शुक उस मनुष्य के हाथ मे रह गया (खोछोराग्सान् दुर्)। जाल वाले ने कहा—यह शुकवर्ग तब से (थेदुइ एछे) अब तक (एदुगे खुर्येले) चतुराई करते (आर्गालाग्सागार्) रहे हैं (आजिगु)। इस बचे हुए शुक को अपने घर ले जा कर (आवाछिजु), जीवित को (आमिदु बार्) उबाल उबाल कर (शिल्जार्थाला) मारूगा (आलाया)। यह कहने पर बुद्धिमान् शुक बोला—मैंने तुमको वैसे (थिङ्गेजु) मारा होता तो (आलाग्मान् बोल्वाला) अब (एदुगे) तुम्हारा, बदले मे (छिनु खारिग्) मुझको मारना ठीक होता (जोव्)। यदि (खेर्वे) [हमारा तुम्हारा] वैर (ओगिये) नही तो (बोल्वामु) मै पुनः एक समय क्या तुम्हारे से (छिमा आछा) बदला (खारिगु यि) न लूगा (आब्नु वयु)। तुम मुझको मार कर, अपने राजा से उपहार लूगा (शाड अवुया)—ऐसा [सोचते] हो तो (गेखु बोल्वाछु), यदि हमने (विदे) अपने प्राण चतुराई से बचाए [तो क्या बुरा किया]।

७० जा । एदुगे नामायि एल्देच्छिल्देन् आलावाछु गार्छु ओछिम्मान् दालान् थोयि इरेसु जुगेइ यिन् थुला । नामायि छि निगेन् बायान् खुमुन् दर् गुदाल्दु । वि जागुन् लाङ दुर् गुर्मु बुइ । दानान् निगेन् लाङ इयार् क्षानु । दानान् निगेन् शिनागुन् आल्दु गागान् दागान् बारि । जुलेम्मेन् मोरिन् यिमुन् लाङ इयार् वेये मिगेद् एमे युगान् थेजियेगुले । मागु वुपु खेमेगुइ दुर् । येरे खुमुन् जोव् खमेन् मेद्मिगेद् । गुदाल्दुजु जागुन् लाङ आवुरा । थोयि यि आवुच्छि बायान् गुमुन् । आलिवा उइलेम् थुर् जाम्वासु । ओवेर् जुन् वेये लुगा इल्गाल् जुगेइ गेरेग् इयेन् बुयुगेन् यावुन् आयाला । येरे खुमुन् थोयि दुर् इयान् जुगुल्लेइ । वि दालान् निगेन् मोनुग् उम् गाजार् आ ओछिसु खेरेग् बुइ आयाला । मिनु एमे इनु सुयार् बुगेद् । येरे एरेस् थुर् इयेन् । एद् बारागान् इ मिनु ओगछु बारालु यिन् थुला । वि गारुद् जुगेइ बायिमुइ । देगू मिनु छि एने वेर्गेन् इयेन् खादागालाजु छिदाखु बुयु । छिदाखु बुगेमु नि ओछिजु खेरेग् इयेन् बुयुगेजु सेद्खिल् इयेन् आमुर् इरेये खेमेगसेन् दुर् थोयि नि छिमायि इरेयेले खादागालाजु छिदाखु बुइ गेमेखुइ दुर् । जा मायिन् देगू मिनु मेद्गिन् आमुराना खेमेन् यावुम्मान् उ खोयिना । एमे इनु बोमुगाद्

अब (एदुगे) मुझको नाना प्रकार से (एल्देच्छिल्देन्) मारोगे तो भी (आलावाछ) निकल कर गये हुए (ओछिम्मान्) ७० शुक आएंगे नही (इरेसु जुगेइ)। इस कारण मुझको तुम एक धनी (बायान्) पुरुष के पास बेच दो (खुदाल्दु)। मेरे बेचने से १०० मुद्राएं (लाङ) मिलेंगी (खुर्मु बुइ)। ७१ मुद्राओं से ७१ पक्षी ले कर अपने राजा को दे देना (बारि)। शेष (जुलेम्मेन्) २६ मुद्राओं से अपने और अपने परिवार का पालन करना। क्या यह बुरा होगा। उस पुरुष ने [इस बात को] ठीक समझ कर (मेद्खिगेद्), [शुक को] बेच कर (खुदाल्दुजु), १०० मुद्राएं प्राप्त की (आवुबा)।

शुक को लेने वाला (आवुच्छि) धनी पुरुष [शुक को] जिस किसी (आलिवा) काम में लगाता (उइलेस् थुर् जाम्वासु), अपनी आत्मा से (ओवेर् जुन् वेये लुगा) अभिन्न (इल्गाल् जुगेइ) वह शुक उस काम को (खेरेग्) सिद्ध करता रहता था (बुयुगेन् यावुन् आयाला)। [एक बार] उस पुरुष ने अपने शुक से कहा—मुझे ७१ रात की दूरी के स्थान पर काम है (बुइ आयाला), किन्तु मेरी पत्नी दुराचारिणी (सुयाल्) है। वह पुरुषों पर मेरे धन (एद्) सम्पत्ति को (बारागान् इ) लगाकर (जोगछु) समाप्त कर देगी (बाराखु)। इस लिये मै जा नही रहा (गारुद् जुगेइ बायिमुइ)। तुम मेरे छोटे भाई (देगू) हो। क्या तुम अपनी भाभी (वेर्गेन्) की देखभाल (खादागालाजु) कर सकते हो (छिदाखु बुयु)। यदि सकते हो तो (छिदाखु बुगेमु) मैं जा कर (ओछिजु) अपना काम पूरा करके (बुयुगेजु) शान्त चित्त से (मेद्खिल इयेर् आमुर्) लौट आऊंगा (इरेये)। यह कहने पर शुक ने कहा—मैं आपके आने तक (छिमायि इरेयेले) देखभाल कर सकूंगा (खादागालाजु छिदाखु बुइ)। अच्छा (जा), मेरे भले छोटे भाई, अब मेरा मन शान्त है (आमुराना)—यह कह कर वह चला गया (यावुम्मान्)। तत्पश्चात् उसकी पत्नी उठ कर (बोमुगाद्)

४६ जामाल् उम् खुब्छासुन् इयान् एमुम्छु । खाङ्गादाखु खेमेन् गार्थाला थोथि इरेजु । गार् देगेरे इनु सागुजु । गेर्गेइ वायिजा । एमे खुमुन् एरे युगेन् छिलुगेन् दुर् ।
एद् वारागान् इयान् खादागालान् सागुदाग् आछा ओबेरे । देमेइ आयिल्छिल्दाग् योसु तुगेइ विशिङ्ग खेमेबेसु । एमे तुगुलेरुन् आइ मू थोथि मिनु खुदाल्दुजु आबुगसान् थोथि बोल्गाद् ।
नामायि खोरिजु जिर्गाल् इ मिनु मागाथागुलुया गेखु यि तुजे खेमेबेसु । थोथि तुगुलेरुन् ।
छिनु एरे नामायि खादागालाजु मागु खेमेग्सेन् । छिमायि वारिवासु खुछुन् तुगेइ खोरिवासु मिनु तुगे यि तुलु सोनुसुमुइ । छि थेङमु वोत्वाङु । निगेन् बि तुलिगेर् खलेये । छि सोनुस्खु युयु खेमेबेसु । एमे सागुगाद् छि तुलिगेर् इयेन् खुर्दुन् खेले खेमेग्सेन् दुर् । थोथि तुगुलेरुन् ।
एर्थ छाग् थुर् । छोग् थु इलागुग्मान् खागान् उ नारान् गेरेल् थु ओखिन् बुलुगे । थेरे ओखिन् इ खुमुन् तुजेबेले खोयार् निदुन् इ इनु उगुजु आब्खु । एरे खुमुन् गेर् थुर् आनु ओरोबासु गोयार् गोल् इ इनु ओग्थोल्घु । थेयिमु छागाजा खाथागु खागान् आग्सान् बुलुगे । थेरे नारान्

अपने (इयान्) शृंगार (जामाल्) के वस्त्रों को (खुब्छासुन्) पहन कर (एमुस्छु) भोग विलास के लिये (खाङ्गादाखु खेमेन्) जाने लगी ही थी (गार्थाला) कि शुक आकर (इरेजु) उसके हाथ पर (देगेरे) बैठ गया (सागुजु) और कहने लगा—ठहर (गेर्गेइ) रुक जाओ (वायिजा)। स्त्रीजन (एमे खुमुन्) का अपने पति की (एरे युगेन्) अनुपस्थिति में (छिलुगेन् दुर्) अपनी धन सम्पत्ति (एद् वारागान्) की देखभाल कर (खादागालान्) रहने के (सागुदाग् आछा) अतिरिक्त (ओबेर्), व्यर्थ (देमेइ) घूमने का नियम (आयिल्छिल्दाग् योसु) नहीं। क्या ऐसा नहीं। स्त्री बोली— हाय मेरे दुष्ट (मू) शुक, तुम मेरे मोह लिए हुए (खुदाल्दुजु) हो कर (बोल्गाद्) मुझको रोक रहे हो (खोरिजु) और मेरी प्रसन्नता में (जिर्गाल् इ मिनु) बाधा डालना चाहते हो (मागाथागुलुया)। सो देखो। शुक बोला—तुम्हारे पति ने मुझको तुम्हारी देखभाल करने के (खादागालाजु) लिये कहा है। तुमको पकड़ू तो (वारिवासु) शक्ति (खुछुन्) नहीं। रोकूं तो (खोरिवासु) मेरी बात को (मिनु तुगे यि) न सुनोगी (सोनुसुमुइ)। तथापि तुमको मैं एक कहानी सुनाऊंगा। क्या तुम सुनोगी (सोनुस्खु युयु)। स्त्री बैठ गई और बोली— तुम शीघ्रता (खुर्दुन्) से अपनी कहानी कहो (खेले)।

शुक बोला—प्राचीन समय में श्री (छोग् थु) विजयी राजा की (इलागुग्मान् खागान् उ) सूर्यप्रभा (नारान् गेरेल् थु) कन्या थी। उस कन्या को यदि कोई पुरुष देख लेता (तुजेबेले) तो उसके दोनों नेत्र (गोयार् निदुन् इ) निकाल लेते (उगुजु आब्खु)। यदि कोई पुरुषजन (एरे खुमुन्) उसके घर में प्रवेश करता तो उसके दोनों पाद काट लेते (ओग्थोल्घु)। ऐसा (थेयिमु) कठोर शासन वाला (छागाजा खाथागु) राजा था (आग्सान् बुलुगे)।

५० गेरेल् थु ओसिन् एछिगे देगेन् आयिलादग्राग्न् खुमुन् माल् आदुगुसुन् इ उजेखु उगेइ यिन् थुला। आर्वान् थावुन् एदुर् थुर् गादाग्शि गार्छु यागुमा उजेये खेमेन् आयिलादखाग्मान् दुर्। ग्यागान् जोदिशयेगेद्। जामाल् उन् यागुमा यि बुरिन् ए गार्गाजु देल्गे। माल् बुगुदे यि दोथोग्शि ओरोगुल्। एरे खुमुन् खिगेद् एखेनेर् वा। छोडखु एगुदे बेन् बोग्लेजु गादाग्शि बू गारुग्युन्। खेबे गार्छु उजेबेसु। सुन्दु यालावार् यालालाखु खेमेन् थार्खागावाइ। मोन् आर्वान् एदुर्। शिल् थेगेंन् दुर् सागुजु। ओलान् ओखिद् एमेम् इयेर् खुरियेलेगुलुन् एगोंगुन्जु। एद् बारागान् इ उजेजु याबुथाला। निगेन् सारान् थुशिमेल् गेग्छि। ओग्विन् इ उजेये गेजु निगेन् आमार् देगेरे गार्छु उजेजु बायिथाला। नारान् खेउखेन् थेगुन् इ खारागाद्। निगेन् खुग्गु बान् गोजोयिल्गावा। नोगुगे गार् इयार् गादागुर् एगोंगुन्बे। वासा गार् इयान् आद्खुजु थाल्विवा। खोयार् खुर्गु बान् खाम्थुद्खान् दाब्खुर्लागाद्। गेर् जुग् इयेन् दोग्विगसान् दुर् मारान् थुशिमेल् यागारान् बागुजु आयुन् गुयुग्सेगेर् गेर् थेगेन् खुरुन् गेग्वुले। एमे इनु आमागुरुन् नागन् खेउखेन् इ उजेवेउ खेमेग्सेन् दुर् उजेवे। नामायि मागु दुर्

उस सूर्यप्रभा कुमारी ने अपने पिता से निवेदन किया—मैं नर, पशु (मार्) घोड़ों [आदि] को [कभी] नहीं देखती, इस कारण पञ्चदशी अर्थात् पूर्णिमा को बाहर निकल कर (गादाग्शि गार्छु) कुछ (यागुमा) देखना चाहती हूं (उजेये)। राजा ने मान लिया (जोदिशयेगेद्) और आदेश दिया—शृंगार (जामाल्) की सामग्री (यागुमा) को पूर्णरूप से (बुरिन् ए) निकाल कर (गार्गाजु) फैला दो (देल्गे)। सब पशुओं को बाड़े में बन्द कर दो (दोथोग्शि ओरोगुल्)। पुरुष जन और स्त्री वर्ग (एखे नेर्) अपने (बेन्) खिड़की (छोड्ख्) और द्वार (एगुदे) बन्द करके (बोग्लेजु) बाहर न निकलें (गादाग्शि बू गारुग्युन्)। यदि निकल कर देखेंगे तो भारी (खुन्दु) दण्ड से (याला वार्) दण्डित होंगे (यालालाखु)—यह घोषणा की (थार्खागावाइ)। उसी १५ वें दिन कांच (शिल्) के रथ (थेगेंन्) में बैठ कर बहुत लड़कियों और स्त्रियों से घिरी हुई (खुरियेलेगुलुन्) को घुमाया गया (एगोंगुन्जु)। धन सम्पत्ति को देखती जा रही थी (उजेजु याबुथाला) कि एक चन्द्र (मागन्) नामक (गेग्छि) मन्त्री—कन्या को देखूंगा इति एक अट्टालिका पर (आमार् देगेर) चढ़ कर (गार्छु) देख रहा था (उजेजु बायिथाला) कि सूर्यकुमारी ने उसको देख लिया (खारागाद्)। अपनी एक अंगुलि को (खुग्गु बान्) खड़ा किया (गोजोयिल्गावा) और दूसरे (नोगुगे) हाथ को उसके चारों ओर (गादागुर्) घुमाया (एगोंगुन्बे)। फिर अपनी मुट्ठी बांध (गार् इयान् आद्खुजु) छोड़ी (थाल्विवा)। अपनी दो अंगुलियों को मिलाकर (खाम्थुद्खान्) एक के ऊपर दूसरी को रखा (दाब्खुर्लागाद्)। फिर अपने घर की दिशा में संकेत किया (दोग्विग्सान् दुर्)। चन्द्रमन्त्री शीघ्र (यागारान्) उतर कर (बागजु) भयभीत हो कर (आयुन्) दौड़ते दौड़ते (गुयुग्सेगेर्) जब अपने घर पहुंचा (खुरुन् गेग्वुले) तो इसकी पत्नी ने पूछा—क्या तुमने सूर्यकुमारी को देखा। उसने कहा—हां देखा। उसने मुझको बुरी प्रकार से (मागु दुर्)

११ जानुरा । यागाखिखु वुइ खेमेबेसु । एमे इनु छिमायि यागाखिन् जानुरा खेमेस्सेन् दुर । नारान् खेतुखेन् उ दोखिया यि बुरिन् ए खेलेस्सेन् दुर् । एमे इनु उगुलेख्न् । छिमायि जानुम्मान् बुसु । दागुदाग्सान् दोखिया वुइ जा निगेन् खुरुगु बान् गोजोयिल्गाग्सान् आनु । गेर् उन् देगेंदे गाग्छा मोदुन् वुइ खेमेजुखुइ ।

गादागुर् थोगुरिगुलुग्छि आनु सुरिये वुइ जा गार् इयान् आदग्गुगाद् थाल्चिग्छि आनु । छेछेग् उन् सुरियेन् दुर् इरे खेमेस्सेन् वुइ । खोयार् खुग्ग बान् ग्याम्पुरुग्मान् आनु । छिमा लुगा नेयिल्येये खेमेस्सेन् आजुगु । ओछि खेमेस्सेन् दुर् । मारान् थुशिमेल् उगुलेरुन् । छोग् थु इलागुग्सान् ग्यागान् उ छागाजा ग्योर्छा विशि बुगु खेमेवुइ दुर् । एमे इनु उगुलेरन् । ग्याथुन् गेउखेन् इरे गेयु दु उलु ओछिखु वुयु । ओछि एने एर्देनि यि आच्छु यावु एरे युमुन् दु एर्देनि थुसा थाइ वइ खेमेन् इलेगेवे । सारान् थुशिमेल् ओछिजु छेछेग् उन् खोरियान् दुर् ओरोगाद् । मोदुन् उ इरुगार् थुर् सागुयाला । नारान् खेतुखेन् गार्छु इरेगेद् । खोयागुला जिर्गाल्दुजु । नारान् मान्दाथाला उन्याजु खेव्येग्मेगेर् । खुरिये खादागालाग्सान् जाङ्गि । जागुन् खुयाग् थु उजेग्देग्सेन् दुर् । जाङ्गि सुयाग थाइ मारान् थुशिमेल् खेतुखेन् खोयागुला यि थानिगाद् ।

धमकाया (जानुरा) । अब क्या करू (यागाखिखु वुइ) । उसकी पत्नी ने कहा—तुमको कैसे (यागाखिन्) धमकाया । [पति ने] सूर्यकुमारी के सकेतो (दोखिया) को पूर्णरूप से कह सुनाया । पत्नी बोली—तुमको धमकाया नही । ये बुलाने (दागुदाग्सान्) के सकेत है । एक अगुलि को खडा करके (गोजोयिल्गाग्सान) घर के पास (देगेंदे) एक अकेला (गाग्छा) पेड है यह बताया (खेमेजुखुइ) । बाहर (गादागुर) घुमाया (थोगुरिगुलुग्छि), सो वाटिका (सुरिये) है [यह बताया] । मुट्ठी बाध कर छोड दी, सो पुष्प-वाटिका में आओ (इरे), यह कहा । अपनी दो अगुलियो को मिलाया सो तुम्हारे साथ मिलना अर्थात् सोना चाहती हू (नेयिलेये) [यह कहा] । सो तुम जाओ (ओछि) ।

- चन्द्रमन्त्री ने कहा—क्या श्रीविजयी राजा के आदेश (छागाजा) प्रचण्ड (खार्छा) नही है । इस पर पत्नी बोली—जब राजकुमारी कहती है "आओ" (इरे), तो क्या तुम नही जाओगे (उलु ओछिखु वुयु) । जाओ । इस रत्न को [साथ] ले जाओ (आच्छु यावु) । नरजन के लिये (दु) रत्न हितकारी (थुसा थाइ) होता है । यह कह कर चलता किया ।

चन्द्रमन्त्री ने प्रस्थान किया और पुष्प-वाटिका मे पहुचा । पेड की जड (इरुगार्) मे बैठा ही था कि सूर्यकुमारी निकल आई । दोनो ने आनन्द मनाया (जिर्गाल्दुजु) । सूर्योदय तक (नारान् मान्दाथाला) [दोनो] सोये पडे रहे (उन्याजु खेव्येग्सेगेर्) । वाटिका-रक्षक (खुरिये खादागालाग्मान्) अधिकारी (जाङ्गि) १०० सिपाहियों सहित (खुयाग् थु) दिखाई पडा (उजेग्देग्सेन्) । अधिकारी और सिपाहियो ने चन्द्रमन्त्री और कुमारी दोनो को पहचान लिया (थानिगाद्)

१२ साम्पु वार् इ वारिजु । माग गेर् थुर् ओरोगुत्याइ । थेरे उच्छिर् थु गागान् एच्छिगे इनु गेर् येगेन् एजेगुइ बुलुगे । बारिम्मान् जान्हि उगुलेस्न् एने खेउखेन् इ उजेम्मेन् खमुन् खेदुइ छिनेगे एमे ओग्गुलुगे । एदुगे नारान् गेरेल् खेउखेन् उखुखुइ दुर् ओयिरायुबा । ओलान् उन्लुस् उन् उखुल् उन् छिलुगे बोन्लुयाम् । एने खेउखेन् इ उजेम्सेन् खमुन् उ निदुन् इ उखुजु आब्बु । ओयिरा ओच्छिम्मान् खमुन् उ खोल् इ खगुल्खु बुलुगे सेमेन् बायियाला । नारान् खेउखेन् । सारान् थुगिमेल् एछे छिमा दुर् आर्गा युइ युयु सेमेजसु । थुगिमेल् आर्गा उगेइ सेमेम्सेन् द । छि मिनु दोखियान् इ यागाखिन् मेदेवे सेमेवेम् । वि मेदेम्मेन् उगेइ । मिनु एमे येगे उखागान् थु आजुगु खेमेगेद् । एमे छिनु छिमा दु यागुमा ओखेउ सेमेवेसु ओवेर् यागमा उगेइ । गाग्दा एर्देनि यि ओगरे । बामा उगे सलेवेउ सेमेवेसु । उगेइ सेमेवे । नारान् सेउर्वेन् थेरे एर्देनि यि आवगाद् । खारा गेर् नुन् छोदखु वार् शिगाजु । मान् इ सादागालाग्छि उलुस् एने एर्देनि यि आव् । जुम्खु खमुन् द एर्देनि सेरेग् उगेइ । आमिदु उलुम् थान् दुर् खेरेग् थेउ । एगुन् इ आजुम्मान् खमुन् ओच्छिजु । शारा थुगिमेल् उन् खागाल्गान् इ गुर्बान् धा धोग्शिजु गुर्बान् था एर्गेजु इरे सेमेम्मेन् दुर् निगेन् खमुन् एर्देनि यि आवगाद् ओच्छिजु ।

[और दोनो को] एक साथ (साम्पु वार्) पकड कर (वारिजु) काली कोठरी मे डाल दिया । इस घटना के समय (उच्छिर् थु) पिता राजा घर मे उपस्थित न (एजेगुइ) था ।

*पकडने वाले अधिकारी ने कहा—इस कुमारी को देखने वाले व्यक्ति कितनी (खेदुइ) सख्या में (छिनेगे)* नही मारे गये (ओग्गुलुगे) । अब सूर्यप्रभा कुमारी मृत्यु के निकट पहुची है (ओयिराथुबा) । अब बहुत पुरुषों का मृत्यु (उखुल्) मे छुटकारा होगा (छिलुगे बोलुयाम्) । इस कुमारी को देखने वाले पुरुषो की आखें निकाल लेते रहे हैं (उखुजु आब्खु), समीप (ओयिरा) आने वाले पुरुषो के पाव तोड देते रहे है (खगुल्खु बुलुगे) । जब वह ऐसा कह रहा था तो सूर्यकुमारी ने चन्द्रमन्त्री से पूछा—क्या तुम्हारे पास कोई उपाय है । मन्त्री ने कहा—कोई उपाय नही । तुमने मेरे सकेतो को कैसे समझा (यागाखिन् मेदेवे) । मन्त्री ने कहा—मैंने नही समझा । मेरी पत्नी बहुत बुद्धिमती है । क्या तुम्हारी पत्नी ने तुमको कुछ दिया था (यागुमा ओखेउ) । मन्त्री ने उत्तर दिया—और कुछ नही (ओवेर् यागुमा उगेइ), केवल एक रत्न दिया है । कुमारी ने पूछा—क्या कोई शब्द भी कहे थे । मन्त्री ने कहा—नही । सूर्यकुमारी ने *उस रत्न को ले कर काली कोठरी की खिडकी से निकाल कर कहा*—हमारी रक्षा करने वाले (सादागा-लाग्छि) जन (उलुम्), इस रत्न को ले लो (आव्) । मरते हुए जन को रत्न से क्या काम । यह तुम्हारे जीवित जन के काम आएगा । इसको लेने वाला जन, जा कर (ओच्छिजु), चन्द्रमन्त्री के द्वार (खागाल्गान्) को तीन बार (गुर्बान् था) *खटखटाकर (धोग्शिजु), तीन बार परिक्रमा कर (एर्गेजु), लौट* आये (इरे) । यह कहने पर एक पुरुष ने रत्न को लिया और चला गया ।

५३ शारा थुशिमेल् उन् एगुदेन् इ गुर्बान् था थोग्शिगाद् । गुर्बान् था एर्गेजु इरेवे । शारा यिन्
एमे । एरे युगेन् बारिग्दाग्सान् इ मेदेगेद् । एल्देव् जासाल् उन् छिमेगे उद् एमुस्छु । येखे
खारा मालागा वान् एमुस्गेद् । एर्देनि यिन् पिलान् दुर् एल्देव् जिमिस् दुगुर्गेजु बारिगाद् । याला थु
खुमुन् इ खोरिग्छि खुरियेन् उ खागाल्गान् इ एरिग्सेगेर् इरेजु । एरे युगेन् तागाल्गान् दुर्
खुरुगेद् । जाङ्गि दुर् खेलेवे । एरे मिनु येखेदे एवेद्दुग्सेन् उ थुला । एम्छि यिन् जालिग्
इयार् । एने जोवालाङ थु उलुस् थुर् इदेगेन् ओग्वेसु सायिन् खेमेग्सेन् उ थुला । इरेवे
खेमेग्सेन् इयेर् । जाङ्गि उगुलेरुन् । एमे खुमुन् दु ओलान् उगे खेरेग् उगेइ । खुर्दुन् ओरोजु ।
इदेगे वेन् थुगेगेजु ओग्गुगेद् खारि खेमेग्सेन् दुर् । एमे ओरोगाद् । नारान् गेरेल् दुर् ।
ओवेर् उन् खुब्छिद् इयान् एमुस्खेजु गार्गागाद् सागुथाला खागान् खुर्छु इरेवेइ । जाङ्गि ।
नारान् खेउखेन् । शारा थुशिमेल् खोयार् इ बारिग्सान् इयान् आयिलाद्बाग्सान् दुर् । खागान् येखेदे
आगुर्लाजु
इल्दु जेगुजु इरेगेद् । थेरे खोयार् इ गार्गा खमेग्सेन् दुर् आव्छु इरेवेसु । खागान्
उजेगेद् । नारान् गेरेल् थु दु आलि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमे विदे खोयागुला । मेदेखु उगेइ

चन्द्रमन्त्री के द्वार को तीन बार खटखटा कर, तीन बार परिक्रमा करके लौट आया (एर्गेजु इरेवे) । चन्द्रमन्त्री की पत्नी ने अपने पति को पकडा हुआ (बारिग्दाग्सान्) जान लिया (मेदेगेद्) । नाना (एल्देव्) शृगार के अलंकार (छिमेगे उद्) पहन कर (एमुस्छु), बडी काली टोपी (मालागा) लगा कर (एमुस्गेद्), रत्नो की पात्री (पिलान्) मे नाना फल (जिमिस्) भर कर (दुगुर्गेजु), हाथ मे लिये (बारिगाद्) हुए, अपराधी (याला थु) जनो के कारावास (खोरिग्छि) बाडे (खुरियेन्) के द्वार को ढूढती हुई (एरिग्सेगेर्) आ पहुची (इरेजु) । अपने पति के द्वार पर पहुंच कर रक्षी से कहा—मेरा पति बहुत (येखेदे) रोगी (एवेद्दुग्सेन्) है । इसलिये वैद्य (एम्छि) के आदेश (जालिग्) से यदि इन दुःखी (जोवालाङ थु) लोगो को (उलुस् थुर्) भोजन (इदेगेन्) दे दू तो (ओग्वेसु) वह अच्छा (सायिन्) हो जाएगा । इसलिये मैं आई हू । अधिकारी ने कहा—स्त्रीजन को अधिक शब्दो की आवश्यकता नही । शीघ्र (खुर्दुन्) प्रवेश करके (ओरोजु) अन्न (इदेगे) बाट कर (थुगेगेजु) दे दो (ओग्गुगेद्) और लौट आओ (खारि) । स्त्री ने प्रवेश किया । सूर्यप्रभा को अपने (ओवेर् उन्) वस्त्र (खुब्छिद्) पहना कर (एमुस्खेजु) बाहर निकाल दिया (गार्गागाद्) । वह वहा बैठी ही थी (सागुथाला) कि राजा आ पहुचे । अधिकारी ने सूर्यकुमारी और चन्द्रमन्त्री दोनो के पकडने का वृत्तान्त सुनाया । राजा बहुत रुष्ट हुआ (आगुर्लाजु) और तलवार (इल्दु) लटका कर (जेगुजु) आ पहुचा, और कहा—इन दोनो को निकालो । निकाल कर बाहर लाये । राजा ने देखा और कहा—सूर्यप्रभा कहा है (आलि) । स्त्री ने कहा—हम दोनो नही जानते ।

५४ खेमेग्सेन् दुर् । था यागुन् दु वारिग्दाया खेमेखुइ दुर् थुशिमेल् उगुलेरुन् । मिनु एमे ।
खागान् उ छेछेग् इ उजेये खेमेखुइ दुर् । उजेगुलेरे आवाछिगाद् खोनुग्सान् बुलुगे खेमेग्मेन्
दु । खागान् जालिग् बोलोरन् । एरे एमे सोयार् खामिगा छु खोनुबा वारिखु खेरेग् उगेइ
बुयु खेमेगेद् । जाङ्गि थेरिगुलेन् जागुन् खुयाग् थाइ यि शारा थुशिमेल् दुर् मेदेल् ओग्ने ।
थेरे जाङ्गि । खागान् दुर् आयिलाद्खागाद् । सायि वारिखुइ दुर् । मान् उ नारान् खेउखेन् मोन् बिले ।
आराइ बि एगुन इ थानिखु उगेइ । उखुल् ओबेर् बिशि यिन् थुला । नारान् खेउखेन् इ उखेर्
आर्वाइ दुर् आमाल्दागुलुगाद् उखुये खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जोब्शियेगेद् नारान् खेउखेन् इ उखेर्
आर्वाइ दु आमाल्दा खेमेन् जालिग् बोल्वाइ । थेरे उखेर् आर्वाइ दु खारा खिग्सेन् खुमुन् आमाल्दावासु ।
साछाग् येखे बोल्खु आजुगु । उनेन् आरिगुन् बोल्वासु उलु ओस्खु आजुगु । नारान् खेउखेन् ।
एछिगे देगेन् आयिलाद्खारन् । छिनु गाग्छा खेउखेन् बोलुगाद् । एने यागुन् दु आमाल्दाखु बुयु
गेजु उलुस् शिगुलेखु । आरिगुन् बुजार् बोल्बाछु । ओलान् उ एमुने आमाल्दाया खेमेखुइ दुर् ।
जोब्शियेगेद् । बुगुदे यि छुग्लागुलुग्सान् दुर् । शारा थुशिमेल् उन् एमे मेदेजु एरे युगेन्
वेये यि बेखे बेर् बुदाजु । खारा ओङ्गे थेइ बोल्गागाद् मू सायिन् उनुर् इ थुर्खेजु ।

इस पर राजा ने पूछा—तुम क्या पकडे गये । मन्त्री ने उत्तर दिया—मेरी पत्नी राजा के फूलो को देखना चाहती थी । मै उसको दिखाने (उजेगुलेरे) ले आया (आवाछिगाद्) और यहा पर ही रात बिताई (खोनुग्सान् बुलुगे) । राजा ने कहा कि पति पत्नी दोनो कही भी (खामिगा छु) रात बिताए, पकडने की (वारिखु) आवश्यकता (खेरेग्) नही होती । यह कह कर अधिकारी आदि (थेरिगुलेन्) १०० सिपाहियो (खुयाग) को चन्द्रमन्त्री के (दुर्) अधिकार मे दे दिया (मेदेल् ओग्वे) । उस अधिकारी ने राजा से निवेदन किया—अभी अभी (सायि) पकडते समय (वारिखुइ दुर्) हमारी सूर्यकुमारी सचमुच (मोन्) थी (बिले) । कही (आराइ) मैंने इसको पहचाना नही (थानिखु उगेइ), [ऐसी बात नही] । मरने के अतिरिक्त (उखुल् ओबेर्) कुछ नही (बिशि) रहा, अत सूर्यकुमारी को महायव (उखेर् आर्वाइ) पर शपथ दिला कर (आमाल्दागुलुगाद्) मरूगा (उखुये) । राजा ने मान लिया (जोब्शियेगेद्) और सूर्यकुमारी को आदेश दिया—महायव पर शपथ लो (आमाल्दा) । उस महायव पर यदि अपराधी (खारा खिग्सेन्) जन शपथ ले (आमाल्दावासु) तो वह एक समान बडा (साछागु येखे) हो जाता था (बोल्खु आजुगु) । यदि व्यक्ति सत्य, शुद्ध हो तो वह नही बढता (ओस्खु) था । सूर्यकुमारी ने अपने पिता से *कहा—मै तुम्हारी इकलौती बेटी हू । सो कैसे शपथ लूगी (आमाल्दाख बुयु) । लोग चर्चा करेंगे (शिगुलेखु)* । चाहे मै शुद्ध हू चाहे दोषी (बुजार्), सब के (ओलान् उ) सामने (एमुने) शपथ लूगी (आमाल्दाया) । राजा ने मान लिया । सब को इकट्ठा किया गया । चन्द्रमन्त्री की पत्नी को भी पता लगा । उसने अपने पति के शरीर को मसी (बेखे) से रग दिया (बुदाजु) । कृष्णवर्ण (ओङ्गे थेइ) बना कर (बोल्गागाद्) बुरी (मू) अच्छी गन्ध (उनुर्) का उस पर लेप किया (थुर्खेजु) ।

५५ मूखाइ उनुर् थु बोलागाद् । एयिन् जाखिरन् । नारान् गेरेल् इ बोस्छु आर्वाइ यि नेगेगेजु आमाल्दाखु छाग् थुर् निगे निदु बेन् आनि । निगे खोल् इयेन् दोगुला । देमेइ बालाइ इनियेजु निगे थायाग् मोदुन् इ बारिजु । ओलान् उलुस् छुग्लाम्मान् उ दोथोरा । मागु आगाशि बार् याबु । थेरे छाग् थुर् । नारान् खेउखेन् निगेन् आर्गा यि ओल्खु बुइ जा । खागान् खिगेद् । खाराछुस् उलुस् उन् इदेखु यि बुलियाल्दुजु याबु खेमेन् इलेगेबे । थेयिन् याबुन् आथाला । खागान् जालिग् बोलोरन् । एने जिग्शिखु आयुखु मेयु उजेशि उगेइ आगाशि थु आमियान् इ खोला बोला खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेद् जिग्शिगुछुं खोलाखान् थुल्खिलेजु याबुथाला । नारान् खेउखेन् बोस्छु इरेगेद् । एछिगे देगेन् आयिलादखारुन् । नामायि गेम् उगेइ आथाला । एने जाङ्गि गोर्लेबे । थेयिमु बोल्बाछु । निगेम् एरे बेलगे थु दु यि जिगाजु आमाल्दाया । एने उखेर् आर्वाइ दु । बिदे येरु जालागु खुमुन् गेग्छि । खुलागाइ खुयालि उगुगाथा उगेइ खेमेन् नेरेलेजु आमाल्दाखु योसुन् उगेइ खेमेगेद् । आनायिखान् सायि थिन् सायिन् खुमुन् इ बारिजु आमाल्दाखुला । बासा नामायि थेगुन् लुगे खोछिलाखु बुइ जा । येरे एवेद्छि यु खुमुन् इ जिगाजु आमाल्दाया खेमेबेइ । खागान् जोब् । खेले खेमेबे । खामुग् थुशिमेद् सायिद् थेयिमु बुजार् आमियान् इ खेउखेन् यागाखिद् जिगाजु आमाल्दाग्

दुर्गन्ध वाला (मूखाइ उनुर् थु) बना कर (बोलागाद्) उसको यू समझाया (जाखिरन्)—जब सूर्यप्रभा जो को खोले (नेगेगेजु) और शपथ ले, उस समय एक आख मूद कर (आनि) और एक पैर से लगडा कर (दोगुला), यो ही (देमेइ) भद्दे रूप से (बालाइ) हम कर एक सहारे का डडा (थायाग् मोदुन्) पकड कर, इकट्ठे हुए बहुत से लोगो के बीच अभद्र (मागु) व्यवहार (आगाशि) करते जाना (याबु) । उस समय सूर्य-कुमारी कोई (निगेन) उपाय ढूढ निकालेगी (ओल्खु बुइ जा) । राजा और प्रजाजन (खाराछुस् उलुस्) के भोजन को (इदेखु यि) छीन झपट करते जाना (बुलियाल्दुजु याबु)—यह कह कर भेज दिया । वह वैसे ही आचरण (याबुन्) कर रहा था (आल्थाला) कि राजा ने आदेश दिया—इस घृणित (जिग्शिखु) भयानक (आयुखु मेयु), अदृश्य (उजेशि उगेइ) व्यवहार वाले (आगाशि थु) प्राणी (आमियान्) को दूर करो (खोला बोला) । अधिकारी घृणापूर्वक (जिग्शिगुछुं) उसको दूर (खोलाखान्) धकेल रहे थे (थुल्खिलेजु याबुथाला) कि सूर्यकुमारी उठ आई (बोस्छु इरेगेद्) और अपने पिता मे कहने लगी—मेरे निर्दोष (गेम् उगेइ) होते हुए भी (आथाला) इस अधिकारी ने झूठा आरोप लगाया है (गार्लेबे), तथापि किसी पुरुष-चिह्न वाले को (एरे बेलगे थु दु यि) सकेत कर (जिगाजु) शपथ लूगी (आमाल्दाया) । इस महायव पर हम साधारण (येरु) युवजन (जालागु खुमुन्) कहलाने वालो का—चोरी (खुलागाइ), दुराचार (खुयालि) सर्वथा (उगुगाथा) नही किया—यह कह कर नाम ले कर (नेरेलेजु) शपथ लेने का हमारा नियम नही । साधारण (आनायिखान्) सुन्दर से सुन्दर पुरुष को ले कर शपथ लू तो मेरी उसके साथ निन्दा (खोछिलाखु) होगी । सो इस रोगी जन को सकेत कर (जिगाजु) शपथ लूगी । राजा ने कहा—ठीक है । कहो । सब मन्त्रियो और सामन्तो ने चर्चा की—ऐसे मलिन जन को (बुजार् आमियान् इ) सकेत कर कुमारी कैसे शपथ ले रही है ।

[illegible]

५६ वुइ खेमेन् मेल्ल्छेरे । नारान् खेउखेन् ज़ुगुल्ह्न् । थेगुन् दु गाइ उगेइ । ज़ुनेगेर् खानिलाजु मिरू । खोगुमुन् आमा वार् खेलेपु दु यागु विले खेमेगेद् वोसुन् एयिन् ज़ुगुल्ह्न् । ज़ुछुसेन् एछे एदुगे वोल्याला । एछिगे यिन् नेरे यि गुथागाजु यानुग्सान् ज़ुगेइ वुलुगे । गाग्छा खानिलाग्मान् एरे मिनु । थेरे एवेंद्धि यु ग्मुमुन् वुइ जा । एगुन् एछे ओवेर् खुमुन् लुगे एरे गेजु मानुग्मान् ज़ुगेद खेमेन् आमा आमाल्दानाइ । ज़ुनेन् इयेर् खानिलाग्सान् उ थुला । आवाइ आछा थेम्देग् गाग्मान् ज़ुगेइ दुर् मागान् एग्विल्न् खामुग् उलुस् वुगुदेगेर् । नारान् खेउखेन् इ इयेगेजु जाङ्गि यि उगेइ वोल्गावा । शारा थुशिमेल् ज़ुन् थेरे एमे इरेगे एदुइ यि उग्थुजु मेदेगेद् वुरुगे । गेगेंइ छि । थेरे शारा थशिमेल् ज़ुन् एमे दुर् आदालि एरे देगेन् इयेगेल् थु वोन्वा गेम् । नागान्दुरा ओछियुगाइ । थेयिमु वुमु वोल्खुला । ओछिजु उलु वोन्खु खेमेन् थोथि खेलेग्सेन् दुर् । थेरे एमे आयिल्छिनान् ओछिग्नु वाम् वायिवाइ । आराजि वोजि खागान् छितु एने ग्माथुन् वोग्दा विरमिजिद् खागान् उ छेछेग् वोजिग्धि खाथुन् आछा वायिथुगाइ । थेरे थुशिमेल् उन् एमे आदानि । ग्माथुन् वोल्वा गेम् । एने शिरेगेन् दुर् मोनुंथुगेइ । वुमु वोन्खुला उलु वोल्नु । ग्मारि खेमेन् ग्मागेवेइ ।

सूर्यकुमारी ने कहा—इसमे कोई बुराई (गाइ) नही । वास्तव मे (ज़ुनेगेर्) तो सगमन नही किया न (खानिलाजु बिरू) । शून्य (खोगुमुन्) मुख (आमा) से कहने मे (खेलेलु दु) क्या होता है (यागु विले) । यह कह कर वह उठी (वोसुन्) और बोली—शैशव (ज़ुछुसन्) से अब तक (एदुगे बोल्याला) पिता के नाम को कलकित (गुथागाजु यानुग्सान्) नही किया । केवल (गाग्छा) इस रोगी जन से मेरा सगम हुआ है (खानिलाग्सान्) । इससे भिन्न जन के साथ मैने पति (एरे) के समान आचरण नही किया—इन शब्दो से शपथ ली (खेमेन् आमा आमाल्दावाइ) ।

सत्य सगमन के कारण जौ से चिह्न (थम्देग) न निकलने पर राजा आदि समस्त प्रजा ने सूर्यकुमारी पर विश्वास किया (इयेगेजु) और अधिकारी को प्राण दण्ड दिया (उगेइ बोल्गावा) ।

चन्द्रमन्त्री की वह पत्नी अभूत (इरेगे एदुइ) को पहले से (उग्थुगु) जान लेती थी । बहू जी (गेगेंइ), यदि तुम भी इस चन्द्रमन्त्री की पत्नी के समान अपने पति के प्रति सतीसाध्वी (इयेगेल थु) हो तो (वोल्वा गेम्) आनन्द के लिये (नागाल्दुरा) जा सकती हो (ओछियुगाइ) । यदि वैसी नही हो तो तुम्हारा जाना नही हो सकता । गुरु के ऐसा कहने पर उस स्त्री ने अपना (वान्) मिलने के लिये (आयिल्छि-लान्) जाना (ओछिग्न) छोड दिया (वायिवाइ) । हे राजा भोज यदि तुम्हारी यह रानी, महात्मा विक्रमादित्य की पुष्पनर्तकी रानी को तो रहने दो (वायिथुगाइ), इस मन्त्री की पत्नी के समान भी हो तो इस सिहासन को वह नमस्कार कर सकती है । यदि नही तो (वुमु बोल्खुला) वह नमस्कार न कर सकेगी । पीछे लौट जाओ (खारि)—ऐसा कह कर उस को भगा दिया (खोगेबेइ) ।

निगेन् मोदुन् खुमुन् ज़ु उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् । थेरे शिरेगेन् दुर् एल्देब् थाखिल् इ गुइछेगेगेद् । थेरे शिरेगेन् दुर् ओलान् बान्दिथा नार् इयार् आर्बानाइ खिल्गेजु । बुरिये बिशिगूर् थाथाजु मोर्गुगेद् । निगेन् खिस्खेगुर् थुर् गार्थाला । निगेन मोदुन् खुमुन् गारगाद् । ओयि छि याम्बार् खुमुन् बुइ । थिङ्स ज़ुन् एर्खे थु खोर्मुस्दा थिङ् यिन् सागुग्सान् शिरेगे बुइ । थेगुन् ज़ु खोयिना बोग्दा बिर्कमिजिद् उन् सागुग्सान् शिरेगे बोलाइ । थेरे मेथु । बोग्दा बागाथुर् । ओबेर् ज़ुन् आमिन् इयान् ज़ुलु खायिर्लान् । आमियान् उ थुसा यि सानाग्छि थेयिमु खागान् बोल्खुला सागु । थेयिमु खागान् एसे बोल्खुला । मागुजु ज़ुलु बोल्खु यिन् थुला । थोलुगाइ छिनु मिङ्गान् खेसेग् खागार्खु बोलुमुइ थेमेन् उगुलेग्सेन दुर् । खागान एखिलेन् बन्दिथा नार् । सायिद् थुशिमेद् । खागाद् उद् उन् उरुग उद् माशि ओलान् उलुस् इर्गेन् एमियेन् गायिखाजु । थेरे खुमुन् इनु । बोग्दा बिर्कमिजिद् उन् याबुदार् इ छिमा दुर् उगुलेसुगेइ । छि सोनुस् । एर्थे उरिदु । खोर्मुस्दा थिङ् । आसुरि

## पञ्चम अध्याय

### एक और पुतली की कथा

राजा भोज ने उस सिंहासन के लिये नाना पूजा (थाखिल्) कराई (गुइछेगेगेद्) । उस सिंहासन के लिये बहुत से पंडितों से (बान्दिथा नार् इयार) प्रतिष्ठा करवाई (आर्बानाइ खिल्गेजु) । शंख (बुरिये) और शहनाई (बिशिगूर्) बजवा कर (थाथाजु) आदर सत्कार किया (मोर्गुगेद्) ।

एक सीढ़ी (खिस्खेगुर्) पर चढ़ते ही (गार्थाला) एक पुतली निकली और बोली—अरे तुम कैसे जन हो । यह देवताओं के राजा इन्द्रदेव (खोर्मुस्दा थिङ्) के बैठने का (सागुग्सान्) सिंहासन था । उसके पश्चात् यह महात्मा विक्रमादित्य के बैठने का सिंहासन बना । यदि तुम उसके समान महात्मा शूरवीर, अपने प्राणों से प्रेम न करके (खायिर्लान्), प्राणियों के हित (आमियान् उ थुसा) को सोचने वाले (सानाग्छि) राजा हो तो [इस सिंहासन पर] बैठो (सागु) । यदि उनके समान राजा नहीं हो तो [तुम्हारा] बैठना नहीं हो सकेगा (सागुजु ज़ुलु बोल्खु) । तुम्हारे सिर (थोलुगाइ) के टूट कर (खागार्खु) एक सहस्र (मिङ्गान्) खण्ड (खेसेग्) हो जाएंगे ।

ऐसा कहने पर राजा से आरम्भ करके (एखिलेन्) पंडित वर्ग, सामन्त, मन्त्री, राजा के परिवार जन (खागाद् उद् उन् उरुग् उद्) तथा सुमहती (माशि ओलान्) प्रजा और जनता (उलुस् इर्गेन्) भयभीत (एमियेन्) और चकित (गायिखाजु) हुई ।

और पुतली ने कहा—मैं तुमको महात्मा विक्रमादित्य का चरित सुनाऊंगी । सो सुनो (सोनुस्) ।

प्राचीन काल में इन्द्रदेव असुरों के

[illegible]

५८ नार् उन् ओरोन् दुर् । आर्वान् खोयार् जिन् वोल्याला । वायिल्दुग्सान् थेरे ध्लिुगेन् दुर् । खोर्मुस्दा यिन् वागा खाधुन् आनु । खोर्मुस्दा यिन् वागा खावेगुन् इ उरिग्राद् । वोजिग् छेड़्लेल् नागादुम् खुरिम् इ ञुइलेद्दुगेद् । दुराशियाग्खु यिन् मेद्ग्यिल इ सेद्खिग्सेन् दुर् । ग्नोनेगुन् उगुलेग्नन् । ध्डि् । गाजार् खोयार् ञुलु नेयिलेखु । खोर्मुस्दा आनु । गुर्वान् छाग् उन् थुर्खान् लुगा आदाग्नि । जोड़ विलिग् थु यिन् थुला । वोल्जु ञुजु वोल्खु । निगेन् छाग् थु उछामाग्छा खेमेगेद् दुयागान् खारिबाइ । थेरे खाधुन् आगुर्लाजु । एल्जिगेन् ञु खोवेगुन् वोल्जु थोरो खेमेन् इरुगेवेइ । ग्योयिना थेरे खाधुन् वुर्खान् वोलुगाद् । दूरा छम्बुदिव् उन् निगेन् येखे खाग्रान् गाल्गित्वा ञुरे ञुगेइ यिन् थुला । खुथुग् गुयुग्सान् इयार् । गोओआ ञुजेस्खुलेड़ थु सेद्ग्यिल् दुर् थागालाग्दाखु मेथु । सायिन् ञुनुर् आङ्खिलुग्सान् । थेयिमु गायिखाम्शिग् थु निगेन् ओखिन् थोर्गेवेइ । थेरे छाग् थुर् । खागान् उ निगेन् मोदुछि खुमुन् एल्जिगेन् दुर् ग्नोल्गेलेजु याजुथाला । थेरे एल्जिगे इनु वुखामुगाद् खोवेगुन् थोरोवेइ । थोराग्सेन् दुर् थेगुन् ञु देगेरे छेछेग् ञुन् खुरा ओरोनाइ । गाजार् खोदेलुगेद् । आलिवा सायिन् दागु थु शिजागुन् दागुन् गारगाद् । ओलान् इरुआ वेलगेस्

लोक (ओरोन्) मे १२ वर्ष तक (वोल्याला) युद्ध करते रहे (वायिल्दुग्सान्) । इस बीच में (थेरे ध्लिुगेन् दुर्) इन्द्र की छोटी रानी ने इन्द्र के छोटे पुत्र को बुला कर (उरिगाद्) नृत्य (वोजिग्), क्रीडा (छेड़्लेल्), व्यायाम (नागादुम्) और उत्सव (खुरिम्) रचा (ञुइलेद्दु गेद्) । अनुराग (दुराशियाखु) की भावना (सेद्खिल्) को प्रकट करने (सेद्खिग्सेन्) पर लडके ने कहा—आकाश और भूमि कभी नहीं मिलते (नेयिलेखु) । इन्द्र, विशाल [दर्शी] बुद्धो के समान, अदृश्य-ज्ञानी (जोड़ विलिग्) है । अत यह नहीं हो सकता । एक समय मिलगे (उछामाग्छा)—यह कह कर लडका भाग निकला (दुयागान् खारिबाइ) । वह रानी रुष्ट हो गई (आगुर्लाजु) और शाप दिया (इरुगेवेइ)—गधे (एल्जिगेन्) के बच्चे बन कर जन्म लो (थोरो) ।

तत्पश्चात् वह रानी मर गई (वुर्खान् वोलुगाद्) । नीचे (दूरा) जम्बुद्वीप के कालरूप नामक एक महाराज के कोई सन्तान (ञुरे) न थी । वर (खुथुग्) मागने पर (गुयुग्सान् इयार्) सुन्दरी (गोओआ), दर्शनीया (ञुजेस्खुलेड़ थु) मनोहरी (मेद्ग्यिल् दुर् थागालाग्दाखु मेथु), सुगन्धित (सायिन् ञुनुर्), सुवासित (आङ्खिलुग्सान्), ऐसी अद्भुत (गायिखाम्शिग्) एक कन्या जन्मी (थोरोवेइ) । उसी समय राजा का एक लकडहारा* (मोदुछि खुमुन्) गधी पर (एल्जिगेन् दुर्) सवार हो कर जा रहा था (ग्नोल्गेलेजु यावुयाला) । वह गधी गर्भवती थी (वुखामुगाद्) । उसने एक लडके को जन्म दिया । जन्म होने पर उसके ऊपर (देगेरे) पुष्पो की (छेछेग् उन्) वर्षा हुई (खुरा ओरोवाइ) । भूमि कम्पन हुआ (खोदेलुगेद्) । नाना (आलिवा) सुन्दर ध्वनि वाले (दागु थु) पक्षियो ने गान किया (दागुन् गारुगाद्) । बहुत से लक्षण (इरुआ) और शकुन (वेलगेस्)

* श्री बॉडेन् ने मोदुछि का अनुवाद बढ़ई किया है । पदा यह अर्थ ठीक नहीं ।


"आपस और भी क्यों नहीं मिलते"
सिंहासनस्थ कुमार तथा कुमारी
राजा कमलरूप
राजकुमारी
"सत्यबुद्ध" लकड़हारा
"गधे के बच्चे बन कर जन्म लो"

(पृष्ठ १३६ के सामने)

५९ बोन्बाइ । थेरे समून् इनु ग्रायिमागाद् बायास्छु । थेरे समुन् नुरे उगेइ यिन् पुना । थिङ् युर्गोन् उ मुछुन् इयेर् नाद्दुर् मोबेगुन् बोन्बाइ मेमेगेद् । थेरे मोबेगुन् इ आम्छुइ दुर् इयान् । एयिन् उगुलेरन् । मामुग् उद्दुस् नामायि ग्रोछिनागासु । नुनेन् आग्गिन् थुइ जा । आयिल् मोथा उलुम् इर्गेन् । मेमे सेउमेद् एल्देब् इयेर् मेनेगेद् एलिग्लेबेसु । थेरे मोदुछि उगुलेरन् ।

गुन्दु छिनागुन् उमुन् दु उरु मोवुसु । मार्माग्छिन् बोदि मोदुन् उ उजेगुर् मारायिजु उल्लु बोल्नु । थेगुन् दुर् आदालि । मिनु टगे यि थेन् इबेगेनेम् । सेमेगेद् आमान्दाबाइ । वि उनेन् बाग्गिन् सेमेम्मेन् दुर् । सामुग् इयार् उनेन् आग्गिन् मेमेन् नेरेयिद्बेइ । मोयिना थेरे मोबेगुन् येन्बे बोठुगाद् । एल्देन् एर्देम् विलिग् इ थेगुस् मुर्वाइ । मागान् उ आबासाइ येसे बोलुग्गान् दुर् । सागान् मामुग् बलुम् इयान् खुरियाजु । सुर्गेन् बोल्गासु सुमुन् इ एसे ओल्बाइ । सोयिना मोदुछि एछिगे । मोबेगुन् सोयार् आल्वान् उ मोदु सुर्गेजु इरेसेन् दुर् । सागान् उ आबाम्बाइ । थेरे मोबेगुन् इ उजगेद् । माशि बायास्छु । एयिमु लाग्गान् बिलिग् थु गोओमा उजेम्नुलेद् थु मोबेगुन् बोलाइ मेमेगेद् । गेर् थेगेन् बायार्गासागार् ओरोबाइ । सागान् । मापुन्

हुए । लकड़हारा चकित और प्रसन्न हुआ (बायास्छु) । उसने कहा—मेरे कोई सन्तान न थी । इसलिये देवताओं और बूढ़ों की शक्ति से मेरे पुत्र हुआ है । उसने उस पुत्र को ले लिया और कहा—चाहे सब लोग मेरा उपहास करें तो भी (*बोछिनागासु*) *मैं सत्य शुद्ध हूं* ।

ग्राम (*आयिल्*) *और नगर के* (*मोथा*) *लोग और जनता* (*इर्गेन्*), *स्त्री और बच्चे नाना प्रकार के* (ऐल्देब् इयेर्) वचन कह कर उपहास करने लगे (एलिग्लेबेसु) । लकड़हारे ने कहा—भारी पत्थर (गुन्दु छिनागुन्) पानी पर नहीं तैरता (मोवुसु) । बन्दर (सार्माग्छिन्) बोधिवृक्ष के शिखर पर (उजेगुर्) छलांगें नहीं मार (सारायिजु उलु) सकता (बोल्नु) । उसी के समान मेरे शब्दों पर कौन (खेन्) विश्वास करेगा (इबेगेनेम्) । यह कह कर उसने शपथ ली (आमाल्दाबाइ)—मैं सत्य शुद्ध हूं । इस पर सबने [उस बालक को] सत्यशुद्ध यह नाम दिया ।

वह बालक बड़ा हुआ । नाना गुण (एर्देम्) और विद्याएं (विलिग्) पूर्ण रूप से सीखे (थेगुस् सुर्वाइ) । राजकुमारी (खागान् उ आबाम्बाइ) भी बड़ी हुई । राजा ने अपनी सब प्रजा को इकट्ठा किया (खुरियाजु) । वर (सुर्गेन्) बनाने योग्य (बोल्गाखु) कोई जन न पाया (ओल्बाइ) । तत्पश्चात् लकड़हारा पिता और पुत्र दोनों कर रूप लकड़ी पहुंचाने आये (खुर्गेजु इरेसेन् दुर्) । राजकुमारी ने उस लड़के को देखा । बहुत प्रसन्न हुई । इस प्रकार *लक्षण लिङ्ग युक्त सुन्दर अभिरूप कुमार है—यह कह कर प्रसन्न होती हुई* (*बायार्गासागार्*) ने अपने घर में प्रवेश किया । राजा और रानी ने

— ᠖᠐ —

— ᠖᠑ —

६० नार् । आम्बाइ मिनु यागुन् उ थुला वायार्लावाइ सेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । आवासाइ उगुलेरुन् । मोदुघ्धि यिन् सोयिना आछा आनु दागाग्सान् थेरे ग्वोबेगुन् इ खागान् उ आयागा वारिगुल्वासु । जोखिस् थाइ गेमेन् सानागाद् वायार्लानाइ सेमेग्मेन् दुर् । थेरे ग्वोबेगुन् इ ओरोगुलुगाद् साछा । उजेजु ग्रायिखागाद् । लाग्शान् बेल्गेस् इनु थेगुसुग्सेन् । छोग् जिव्वुलाङ थु एयिमु खोबेगुन् इ ओल्वाइ खेमेन् वायार्लागाद् । थेरे मोदुघ्धि यि इरे खेमेग्सेन् दुर् । मोदुघ्धि इरेजु खागान् दुर् वार्गाल्खान् सागुवाइ । खागान् जार्ठिग् बोलोरुन् । एने खोबेगुन् इयेन् नादुर् आछा खेमेग्मेन् दुर् । थेरे मोदुघ्धि एयिन् उगुलेरुन् । एने ग्वोबेगुन् वायियुगाइ । मिनु बेये । खागान् थान् उ बुलुगे । थेयिन् आयाला एने खोनेगुन् एन्जिगेन् एछे थोरोग्सेन् उ थुला । यि मेदेसु उगेइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् आगुर्लाजु एगुन् इ आलागाद् आबुवामु । मिनु जोरिग् बुइ जा सेमेन् सानावा । थेरे खोबेगुन् बोसुगाद् सोगुद्छु मोर्गुन् एयिन् आयिलाद्खारुन् । यि एछिगे उगेइ एल्जिगेन् एछे थोरोग्सेन् उ थुला । एने आसुरुन् थेजियेग्मेन् बुलुगे । एगुन् इ आलागाद् नामायि खायिरालाग्सान् आछा एछिगे यि जिर्गागुलुगाद् । नामायि खायिरालावासु सायिन् बुइ जा खेमेग्सेन् दुर् । खागान् । मिनु मानागान् इ मेदेवे गेजु वायार्लागाद्

पूछा—मेरी बेटी (आखाइ), तुम किस कारण इतनी प्रसन्न हो । बेटी बोली—लकडहारे के पीछे पीछे जो उसका लडका आया था यदि उसको राजा का पात्रधारी अर्थात् जामाता बना दें तो (आयागा वारिगुल्वामु) उचित (जोखिस् थाइ) होगा । यह सोच कर मैं प्रसन्न हो रही थी । यह कहने पर उस लडके को अन्दर बुलाया गया (थोरोगुलुगाद्) और एकाएक (साछा) देख कर चकित हो गये । लक्षण लिङ्ग से युक्त (थेगुसुग्सेन्) तेजस्वी (छोग्), ओजस्वी (जिब्बुलाङ थु), इस बालक को पाया है (ओल्वाइ), इति (खेमेन्) प्रसन्न हो कर उस लकडहारे से कहा—आओ (इरे) । लकडहारा आया और राजा के पास मिल कर (वार्गाल्खान्) बैठ गया । राजा ने कहा—यह लडका हमको दे दो (आछा) । लकडहारे ने उत्तर दिया—इस लडके की तो बात ही क्या, मै स्वय (मिनु बेये) भी आपका हू । स्थिति यह है (थेयिन् आयाला) कि यह लडका गधी से उत्पन्न है । अत मे अज्ञानी हू । ऐसा कहने पर राजा रुष्ट हुआ । उसने सोचा—यदि मे इस लकडहारे को मार कर इसके लडके को ले लू (आबुवामु) तो मेरी इच्छा पूरी हो जाएगी (जोरिग् बुइ जा) । लडका उठा (बोसुगाद्) । घुटने टेक कर (सोगुद्छु), नमस्कार करके निवेदन किया—मेरा पिता नही है । मेरा जन्म गधी से हुआ है । अत इसने दया करके (आसुरुन्) मेरा पालन पोषण किया है (थेजियेग्सेन् बुलुगे) । इसको मार कर मुझ पर स्नेह करने (खायिरालाग्सान्) की अपेक्षा मेरे पिता को सुखी करके मुझ पर कृपा करना ठीक होगा । राजा प्रसन्न हुआ और कहा—तुमने मेरे मन के विचारो को जान लिया ।

६१ थेरे खुमुन् दुर् उलुस् । माल् ओग्गुगेद् । आल्वान् आछा गार्गाजुखुइ । खागान् आनु । थेरे खोवेगुन् इ खुर्गेन् बोल्गाखु यिन् थुला । खारिया थु उलुस् इयान् खुरियाजु । येन्वे खुरिम् इ ड्रुइलेदुगेद् । थेरे खोवेगुन् इ खुर्गेन् बोल्गाग्मान् दुर् । खामुग् उलुस् थागान् । खागान् जालिग् वोलोग्न् । एने खोवेगुन् इ खागान् ओरोन् आ सागुग्गाया खेमेन् जालिग् वोलुगाद् गन्दरस्व खागान् खोवेगुन् खेमेन् नेरेयिद्वेइ । थेरे खान् खोवेगुन् । दोथुगादु बुर्खान् उ शाशिन् इ नारान् मेयु गेयिगुलुगेद् । गादागादु थोरु यि ग्वास् खादा मेयु वायिगुलुगाद् । खामुग् इयार् जिर्गान् सागुवाइ । एद्धिगे खागान् । एखे खाथुन् ग्वोथार् निर्वान् बोल्वाइ । थेरे गन्दरस्व खागान् । आसुरि यिन् आयिमाग् इरेजु । छम्वुदिब् उन् आमियान् दुर् खूर् ड्रुइलेद्खुइ दुर् । गन्दरस्व खागान् बेये एछेगेन् रिदि खुविल्गान् उ ओल्गान् छेरिग् इ गार्गागाद् आसुरि नार् थाइ वायिल्दुगाद् दारुजु याबुग्सान् बुलुगे । थेरे खागान् ड्रुरे ड्रुगेइ यिन् थुला । देगेरे बुर्खान् । ल्हि, नेर् इ जाल्वारिखासु ड्रुलु बोलुन् । खाथुन् । खागान् दागान् आयिलाद्खाबा । छि बोग्दा थोरोल्खि थु खागान् मोन् उ थुला । ओलान् खाथुन् इ आवुवासु निगेन् खोवेगुन् थोरोख् बुइ जा खेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् । खागान् जोब्शियेद् । थुशिमेल् जारुजु । गोओआ ड्रुजेस्खुलेङ थु बेये विल्दार् सायिथु

उस पुरुष को प्रजा और धन दिया तथा कर (आल्वान्) से (आछा) मुक्त कर दिया (गार्गाजुखुइ) । उस लडके को वर (खुर्गेन्) बनाने के लिये (बोल्गाखु यिन् थुला) अपनी प्रजा के लोगो को इकट्ठा करके महान् उत्सव (खुरिम्) रचा (ड्रुइलेदुगेद्) । उस लडके को अपना वर बना कर राजा ने अपनी सब प्रजा को आदेश दिया—मै इस लडके को राजासन पर (खागान् ओरोन् आ) बिठाऊगा (सागुग्गाया) । यह कह कर उसने उसको "गन्धर्व राजकुमार" यह नाम दिया ।

राजकुमार ने आभ्यन्तर मे (दोथुगादु) बुद्ध के शासन को सूर्य के समान चमका कर (गेयिगुलुगेद्), वाह्य मे (गादागादु) शासन (थोरु) को हरित मणि (ग्वास् खादा) के समान प्रतिष्ठापित किया (वायिगुलुगाद्) । सब सुखपूर्वक रहने लगे ।

पिता राजा तथा माता रानी दोनो का निर्वाण हुआ । असुरो की सेना (आयिमाग्) ने आ कर (इरेजु) जम्बुद्वीप के प्राणियो को कष्ट (खूर्) दिया (ड्रुइलेद्खुइ) । गन्धर्व राजा ने अपने शरीर से (बेये एछेगेन्) ऋद्धि सिद्धि (रिदि खुविल्गान्) द्वारा बहुत सेना (छेरिग्) को निकाल कर, असुरो से युद्ध कर (वायिल्दुगाद्) उनका दमन किया ।

उस राजा की कोई सन्तान न थी । अत परम (देगेरे) बुद्धो और देवताओ को प्रार्थना का (जाल्वारिखासु) । पर कुछ न बना (ड्रुलु बोलुन्) । रानी ने राजा से निवेदन किया—आप धर्मात्मा ऊचे कुल (थोरोल्खि थु) के राजा है । इसलिये यदि बहुत सी रानियो से विवाह करोगे तो एक लडका उत्पन्न हो ही जायेगा । ऐसा निवेदन करने पर राजा मान गये और मन्त्री को आदेश दिया (जारुजु) कि एक सुन्दरी दर्शनीय-शरीरवती और रूपवती (विल्दार्) अच्छी (सायिथु)

[illegible]

६२ ओसिन् ओल्जु आवाछिरा सेमेग्सेन् दुर् । थेरे थुनिमेल् एरिजु ओल्जु आछिर्गद् । सागान्
दागान् वारिवाइ । थेरे । सागान् उ सायुन् बोलुगाद् । उदाल् जुगेंइ गोल् सुन्दु बोल्वाइ ।
छाग् थागान् सुरुगेद् सोवेगुन् मेन्दुलेवेइ । सागान् एसिलेन् गुर् येसे उलुस् वायास्गुलाङ थु सुरिम्
खिवेइ । थेरे सागान् वेर् मोन् सु थेरे सायुन् दुर् इयान् सायिर् थाइ इनाग् बोलुगाद ।
नोगुगे सायुन् दागान् सायिर् जुगेंइ बोलुग्सान् दुर् । सायुन् इयेर् दोयोरा वान् एयिन् सेद्सिरुन् ।
एगे मेथु एछिगे यिन् सायिर् वार् सागान् बोलुग्मान् बुलुगे । मिनु सुछुन् इयेर् सायुन् आयुग्मान्
बोलाइ । थेयिमु आछि यि जुलु मानान् खारिन् नामायि जोवागानाम् गेजु सेद्गिल् इयेन् जोबानिन्
याबुबाइ
थेरे गाजार् थुर् । जोड बिलिग् थु एर्देम् येवे थु आशि वुइ बुलुगे । थेरे आशि दुर् ।
सायुन् थाबुन् दागागुल् इयान् दागागुलुन् आब्छु एल्देव् थासिल् उन् यागुमा यि बेलेद्छु आबुगा
मोर्गुरे ओद्वाइ । थेरे आशि दुर् सुरुगेद् । छिगुल्गान् उ थासिल् इ एर्गुजु । एल्देव्
खोग् दागुन् इयार् वोजिग्लेजु जाल्वारिवासु वार् । थेरे आशि जुदे श्रोल्याला दागुन् एसे गार्वाइ ।
जुदे यिन् छाग् थुर् निदु बेन् साराग्मान् दु । थेरे सायुन् छाव् एर्गुगेद । मान्दाल् एर्गुजु

लडकी को ढूढकर (ओल्जु) ले आओ (आवाछिरा) । वह मन्त्री ढूढ कर (एरिजु) पाकर ले आया (आछिर्गद्) [और उसको] अपने राजा को दे दिया (वारिवाइ) । वह राजा की रानी बन गई और अविलम्ब (उदाल् जुगेंइ) उसके पैर भारी हो गये अर्थात् गर्भवती हो गई । समय पूरा होने पर लडके को जन्म दिया । राजा तथा राष्ट्र (गुर्) और महती जनता, सबने प्रसन्नता का उत्सव (सुरिम्) मनाया । राजा उसी (मोन् सु) रानी से बहुत प्रेम और स्नेह करने लगा (इनाग् बोलुगाद्) । दूसरी (नोगुगे) रानी से उसका प्रेम न रहा । दूसरी रानी ने अपने मन में (दोयोरा वान्) सोचा— मेरे पिता के स्नेह से यह राजा बना और मेरे प्रयत्नो द्वारा इसको दूसरी रानी मिली । इस भलाई (आछि) को न सोच कर (सानान्) यह राजा उल्टा मुझको ही सता रहा है (जोवागानाम्) । इस विचार से वह दु खी बनी रही (जोवानिन् याबुबाइ) ।

उस देश में अदृश्य (जोड) ज्ञानी अतिगुणी एक ऋषि था । उस ऋषि के लिये, रानी ने अपनी पाच अनुचरियो (दागागुल्) को साथ ले कर (दागागुलुन्), नाना पूजा की सामग्री (यागुमा) बना कर (बेलेद्छु), और ले कर प्रणाम करने गई । ऋषि के पास पहुंच कर, गण पूजा (छिगुलगान् उ थासिल्) चढा कर (एर्गुजु), नाना बाजो की ध्वनि (खोग् दागुन्) से नाच कर (वोजिग्लेजु) प्रणाम किया (जाल्वारिवासु), किन्तु उस ऋषि ने मध्याह्न (जुदे) तक कोई शब्द न निकाला । मध्याह्न काल में उसने अपनी आखें खोली (साराग्मान्) । रानी ने अन्न चढा कर (छाव् एर्गुगेद्) मण्डल उपस्थापित किया

६१ मोगुं वेसु । थेरे आशि जालिग् बोलोह्न् । यागुन् उ थुला गेम्शिजु मोगुं बेइ खेमेग्मेन् दुर् खाथुन् आयिलाद्खाह्न् । उरे उगेइ यिन् थुलादा । उरे यिन् सुथुग् इ गुपुजु आयिलाद्मानाम् गेमेग्मेन् दुर् । थेरे आशि वेर् निगेन् आद्खु शिग्इ आन्छु थानिदाजु । खाथुन् दुर् खायिलविाइ । ओनुखे छिद्खुग्मान् शिने छागाजाड दुर् देल् उन् थोमुन् इयार् जिगुर्छुं इदेवेसु उरे बोल्सु खेमेन् जालिग् बोन्बाइ । थेरे शिग्इ इनु आर्चेइ यिन् गुलिर् बोन्बाड । थेरे खाथुन् थुर्गेन् ए यागारान् मारिगाद् । छागाजाड खिसु खुमुन् । खिगेद् देल् उन् थोसुन् खिग्छि सुमुन् दुर् । दागाल्या मोयार् ओखिन् इयेन् इलेगेग्मेन् दु । थेरे खोयार् खुमुन् निदे उरे उगेइ बुलुगे । खाथुन् थेरे आदिस् इयान् जोगोग्नागाद् । बिदे खोयार् उन् गेगेंइ दुर् खायिरालामु खेमेन् था खोयार् खाथुन् दागान् आमिलाद्खा खेमेग्सेन् दुर् । खायार् ओगिन् बुछागाद् । खाथुन् दागान् आयिलाद्खाग्मान् दुर् । खाथुन् थानु ल्नामा यिन् आदिस्थिद् इ खायिरालासु उगेइ ओग्सुगेइ खेमेग्मेन् दुर् । थेरे खुमुन् यागाराजु खिगेद् । खोयार् एमेस् इयेर् बारिगुल्बा । खाथुन् इयेर् जोगोग्लागाद् । खोयार् एमे दुर् खिशिग् इयेन् ओग्बेइ । थेगुन् एछे छागाजाड दु नागाल्दुजु उलेग्सेन् इ निगेन् दागाल्या ओखिन् इदेवेइ

और प्रणाम किया । ऋषि ने कहा—तुम किस लिये दु खी हो (गेम्शिजु) और प्रणाम कर रही हो । रानी ने निवेदन किया—सन्तान न होने के कारण मैं सन्तान का वर (खुयुग्) मागने (गुपुजु) की प्रार्थना कर रही हूं । उस ऋषि ने एक मुट्ठी भर (आद्खु) मिट्टी (शिग्इ) ले कर उस पर मन्त्र फूका (थानि-दाजु) और रानी को दे दी (खायिलविाइ) । अभी (ओनुखे) बनाए (छिद्खुग्मान्) नये (शिने) चीनी के कटोरे (छागाजाड) मे तिल (देल्) के तेल (थोमुन्) से मिश्रित करके (जिगुर्छुं) यदि खा लोगी तो (इदेवेसु) सन्तान हो जायेगी । वह मिट्टी जौ का आटा (गुलिर्) बन गई । रानी शीघ्रता से (थुर्गेन् ए) लपक कर (यागारान्) लौटी । कटोरी (छागाजाड) बनाने वाले पुरुष (खिसु खुमुन्) तथा तिल का तेल बनाने वाले (खिग्छि) पुरुष के पास अपनी दो दासी (दागाल्या) लडकियो (ओखिन्) को भेजा (इलेगे-ग्सेन् दु) । उन दोनो पुरुषो ने कहा—हम दोनो के भी सन्तान नही । रानी उस प्रसाद (आदिस्) को खा कर (जोगोग्लागाद्) हम दोनो की पत्नियों (गेगेंइ) को भी कुछ दे देवे (खायिरालामु) । यह बात तुम दोनो अपनी रानी से निवेदन कर देना (आयिलाद्खा) । यह कहने पर दोनो दासियो ने लौट कर (बुछागाद्) अपनी रानी को वह सुनाया । रानी ने कहा—मैं लामा के प्रसाद (आदिस्थिद्) को कजूसी किये (खायिरालासु) बिना दूगी । उन पुरुषो ने शीघ्रता से (यागाराजु) [कटोरा और तेल] बना कर अपनी स्त्रियो द्वारा (एमेस् इयेर्) [रानी को] भेज दिये (बारिगुल्बा) । रानी ने खा कर शेष (खिशिग) उन दोनो स्त्रियों को दे दिया । उससे पात्र मे चिपके हुए शेष (उलेग्सेन) को एक दासी कन्या ने खा लिया ।

६४ थायुन् गोंद् पुन्दु बोलुगाद् । सोंयाद् एमेस् इयेर् मोन् खु शिल्यागा थाइ बोल्वाइ । थेरे खाथुन् इयेर् मेन्दुलेख्‍ु छाग् बोलुमान् उ थुला । खागान् आनु थासुरान् थेंजिगेखु नाइमान् एम्मेस् इ आव्छु इरेंवेइ । इरेम्मेन् उु स्मोयिना खाथुन् मेन्दुलेरेइ । मेन्दुलेखु छाग् थुर् । ओलान् व्हि, नेर् इरेजु छेठेग् उुन् खुरा यि ओरोगुल्वाइ । एवुल् बुगेथेले । सोंखे नोगुगा उर्गुगाद् ।
गुर्गुल्दाइ दोङ्गारू । शाइशिन्दुआ । गालिचिङ्गा । गालिड्दाग्गा । शिन् नाइमान् शिवागुद् सायिग्मान् दागुन् गार्वाइ । दासिनिस् ओग्यार्गुइ वार् इग्गेद् गन्दरमुन् बोजिग् इयेर् माग्यान् छेङ्गेन्दुवेइ । लूस् इयेर् इरेगेद् । लिड्खुआ छेछेग् वारिगाद् गायिखाल्दुवाइ । थेयिमु उुजेखु मेयु गायिखाम्शिग् थु यि खागान् । एम्पिलेन् । गुर येगे उलुस् उुजेगेद् गायिखाजु विशिरेवेइ । थेरे खागान् । खोनेगुन् उु सायिन् मागु शिन्जि यि । थेरे आशि दुर । आयिलाद्खाखु यिन् थुला वाग' खाथुन् इयान् इलेगेवे । खुरगेद् । याम्वार् इरुआ वेल्गे बोडुमान् उछिर् इ देरगेरेइगुड ए आयिलाद्खायामु थेरे आशि वेर् आय आ थेयिमु गायिखाम्शिग् थु वुइ आजुगु । थेगुन् उु एर्देम् इ यागुन् उुगुल्नेम् । येग् थेगुन् उु इदेखु इदेगेन् दुर् मिङ्गान थाभुन् जागुन् खासाग् दावुसु

रानी के पैर भारी हो गये । दूसरी दोनो स्त्रिया भी सिद्धार्थ (शिल्यागा थाइ) हुईं । उस रानी का प्रसव काल हो जाने के कारण राजा पालन पोषण करने वाली (आसुरान् थेंजिगेखु) आठ धात्रियों (एवेस्) को लेकर आया । आने के पश्चात् ही रानी ने जन्म दिया । जन्म के समय बहुत से देवताओ ने आ कर पुष्प-वर्षा (खुरा) वर्षाई (ओरोगुल्वाइ) । शीतकाल (एवुल्) होते हुए भी नीचे (खोखे) अर्थात् हरे कोपल (नोगुगा) उग आये (उर्गुगाद्) । कोकिल (गुर्गुल्दाइ), क्रौञ्च (दोङ्गारू) जीवजीव (शाइशिन्दुआ) कलविक, कलन्दर अथवा क्या आदि आठ पक्षियो ने सुन्दर गान किया । डाकिनिया आकाश द्वारा (ओग्यार्गुइ वार्) आईं । गन्धर्वो ने नृत्य द्वारा स्तुति की (माग्यान्) और प्रसन्नता मनाई (छेङ्गेल्दुवेइ) । नागो (लूस्) ने आकर पद्म (लिड्खुआ) पुष्प दिये और चकित हुए । ऐसे दर्शनीय (उुजेखु मेयु) आश्चर्यपूर्ण (गायिखाम्शिग्थु) शिशु को राजा, राष्ट्र और महती प्रजा ने देखा और चकित हो कर पूजा सत्कार किया (विशिरेवेइ) ।

राजा ने शिशु के अच्छे और बुरे लक्षणो (शिन्जि) को ऋषि के पास निवेदन करने के लिये छोटी रानी को भेजा । रानी आई और विस्तारपूर्वक सुनाया कि कैसे (याम्वार) लक्षण (इरुआ) और शकुन (वेल्गे) हुए तथा क्या क्या घटनाए (उछिर्) हुईं । ऋषि ने कहा—आहा ! इतना आश्चर्यजनक शिशु है । उसके गुणो को क्या कहू । साधारणतया (येग्) उसके खाने के भोजन (इदेखु इदेन्) म एक सहस्र पाच सौ गाडी (खासाग्) लवण (दावुसु)

६५ ओरोखु खेमेम्सेन् दुर् । थेरे खाथुन् इयेर् माशि आयुगाद् । खोथा दागान् यागारान् खारिगाद् । खागान् । खाथुन् खोयार् थुर् आयिलाद्खावा । खागान् वेर् सोनुसुगाद् गुनिगाराजु गेदेगुं खेब्येवेइ । खाथुन् आयुगाद् । एने यागुन् बुइ खेमेम्सेन् दुर् खागान् जालिग् वोलोरुन् । येरु गाग्छा खुमुन् ठु इदेखु मिङगा थावुन् जागुन् खासाग् दाबुसु बुगेसु । दोर्बेन् दिब् ठुन् आमियान् खेमेन् नेरेयिद्खु ठुगेइ खेमेम्सेन् दुर् । खाथुन् इयेर् मागाखिखु बुइ खेमेम्सेन् दु खागान् एगुन् इ ओइ यिन् दोथोरा आवाछिजु ओखि गेबेसु । निगेन् थुशिमेल् थेगुन् इ आवाछिगाद् । ओइ यिन् दोथोरा ओखिम्सान् दुर् । थेरे खेठुखेन् ठुगुलेरुन् । आइ थुशिमेल् सोनुस् । थोगुस् शिवागुन् ओम्देगेन् थोरोखु । ओम्देगेन् देल्गेरेगेद् ओस्खुइ दुर् इयेन् । खोखे ओङ्गे येइ वायिखु । ओसुग्सेन् ठु खोयिना । आल्थान् ओङ्गे थेइ वोलुमुइ । थेगुन् दुर् आदालि यिथिन्छु यि एजेलेग्छि खागान् थोरोवेसु । ठुछुखेन् बुखुइ दुर् इयेन् । एछिगे एखे दुर् । थुशिमुइ जा । येखे वोलुगाद् । खागान् ओरोन् इ वारिखुइ छाग् थुर् । दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि छागावदि खागान् वोल्वासु । थेगुन् दुर् येखे दालाइ मेथु खुराग्छि वोर्साङ खुवाराग् उद् बा । थुग् थुमेन् खागाद् छुग्लावा

पडेगा (ओरोखु) । रानी बहुत डरी और नगर को शीघ्रता से लौटी । राजा और रानी को सब बात वह सुनाई । राजा सुन कर चिन्तित हो कर (गुनिगाराजु) पीठ के बल (गेदेगुं) लेट गया । रानी डर गई और पूछा—यह क्यों है । राजा ने कहा—यदि केवल एक पुरुष के खाने के लिये एक सहस्र पाच सौ गाडी लवण चाहिए तो चारो द्वीपो (दिब्) के प्राणियो का नाम लेना ही नही चाहिये । रानी ने पूछा—अब क्या करना है । राजा ने कहा—इसको जगल के भीतर ले जा कर छोड दो (ओखि) । यह कहने पर (गेबेसु) एक मन्त्री शिशु को ले गया और जगल के भीतर छोड दिया । बालक बोला—अरे मन्त्री सुनो (सोनुस्) । मयूर (थोगुस्) पक्षी अण्डा देता है (ओम्देगेन् थोरोखु) । अण्डा फूट कर (देल्गेरेगेद्) बच्चा बडा होने पर (ओस्खुइ दुर्) नीले रग का हो जाता है । पूरे प्रमाण के (ओसुग्सेन्) पश्चात् स्वर्ण के रग का बन जाता है । इसी प्रकार ससार का स्वामी राजा जब जन्म लेता है तो बाल्यकाल में पिता माता के सहारे रहता है (थुशिमुइ जा) । बडा हो कर राजासन ग्रहण करने के समय यदि चारो द्वीपो का स्वामी चक्रवर्ती राजा बन जाता है तो उस समय महान् समुद्र के समान इकट्ठे होने वाले (खुराग्छि) सन्यासी (वोर्साङ) साधु (खुवाराग्) और अयुतो राजाओ के इकट्ठा होने पर,

– 58 –

[illegible]

– 55 –

[illegible]

६६ गेम् । थेगुन् दुर् छाव् सिगेद् । खुरिम् ठुइलेद्सुइ दुर् । मिङगा थावुन् जागुन् खासाग् दावुसुन् आछा वायिथुगाइ । धुमेन् ग्वासाग् दावुसु खुखुं बुयु । थोथि थोराग्नुइ दुर् इयेन् गिवागुन् दागु थु बुगेथेले । ओस्खु छाग् थुर् इयान् ग्वुमुन् उ खेले यि मेदेजु माशि मेर्गेन् बोलुग्छि । थेगुन् दुर् आदालि । निगेन् ग्वान् खोबेगुन् थोरोवेसु । वागा बुखुइ दुर् इयेन् थोरु यि थुशिजु येखे बोल्गाद् । गुर्वान् मिङगान् यिथिन्ठु यि एजेलेग्छि खागान् बोल्वा गेम् । थेगुन् दुर् बुर्खान् बोधिसदुआ नार् खुराग्वु वा । थिङ, खुमुन् छुग्लागाद् एगुंवे गेम् । निगेन् एदुर् थु मिङ्गान् थावुन् जागुन् खासाग् दावुसुन् आछा छु वायिथुगाइ । धुमेन् खासाग् दावुसु खुखुं युयु खेमेन् ठुगुल्क्सेन् दुर् । थेरे थुशिमेल् यागाराजु खारिगाद् । उछिर् वुसुन् इ । ग्वागान् । खायुन् दागान् आयिलाद्खावा । खाग्रान् । खायुन् एखिलेन् उलुस् बुखुन् थेरे ठुनेन् बुल्गे खेमेगेद् गुयुल्छेवे । थेरे ग्वाबेगुन् इ गाजार उन् एजेद् आबुगाद् । लिङग्वुआ छेछेग् इयेर् खुछिजु । आमान् दुर आनु वाल् इ खोखुगुल्बेइ । खागान् । खाथुन् इयेर् खुरुगेद् । थेरे ओसिग्सान् गाजार् इ एसे ओल्जु । वुगुदेगेर् एरिग्सेगेर् याबुथाला । खेठुखेन् उ उसिलाखु दागुन् इ सोनुमुगाद् । खागान् । खेठुखेन् इ एगुंजु ठुगे आसागुबामु । दागुन् एसे गार्बाइ । खागान् एखिलेन् खामुग्

उनके लिये भोजन (छाव्) और उत्सव (खुरिम्) मनाने के लिये एक सहस्र पाच सौ गाडी लवण से क्या बनेगा (आछा वायिथुगाइ), दस सहस्र (धुमेन्) गाडी लवण भी पर्याप्त (खुखुं) होगा क्या(बुयु) । जब शुक उत्पन्न होता है तो उसकी ध्वनि पक्षी की ध्वनि होती है । किन्तु बडा होने के समय पुरुष की भाषा को जान कर बहुत बुद्धिमान् बन जाता है । इसी प्रकार जब राजकुमार उत्पन्न होता है तो शैशव मे (वागा बुखुइ दुर्) राष्ट्र का सहारा लेता है (थोरु यि थुशिजु) । बडा होने पर तीन सहस्र लोको का स्वामी राजा बन जाता है । तब उसके पास बुद्ध, बोधिसत्वगण इकट्ठे हो जाए, देवजन आ जाए (छुग्लागाद्) और उसके लिये उत्सव किया जाए (एगुंबे गेम्) तो एक दिन में एक सहस्र पाच सौ गाडी लवण से तो क्या, दस सहस्र गाडी लवण भी पर्याप्त होगा क्या ।

ऐसा कहने पर मन्त्री शीघ्रता से (यागाराजु) लौटा (खारिगाद्)। सम्पूर्ण घटना अपने राजा रानी को सुनाई । राजा रानी और सब प्रजा ने कहा—यह सच है । और यह कह कर वे दौडे (गुयुल्छेवे) ।

उस बालक को क्षेत्रपति (गाजार उन् एजेद्) लेकर पद्म पुष्पो से ढक कर (खुछिजु) उसके मुह में (आमान् दुर्) मधु (वाल्) चुमा रहे थे (खोखुगुल्बेइ) । राजा रानी आये और जिस स्थान पर बालक छोडा था वहा उसको न पाकर सबके सब इधर उधर ढूढते जा रहे थे (एरिग्सेगेर् यावुथाला) कि बालक के रोने (उसिलाखु) की ध्वनि सुनाई पडी। राजा ने बच्चे को उठाया (एगुंजु) और पूछा । बच्चे ने उत्तर नही दिया । राजा और सब ।

६७ उलुस् गायिखाल्दुबाइ। एने खोवेगुन् इ थारोसुइ छाग् थुर् एल्देव् बेल्गेस् येए वोलुग्सान्।
निल्खा वुमुइ दुर् गुन् उखागान् थु एयिमु ठुगे ठुगुल्खुइ वोलुगाद्। एदुगे वोन्यासु
लिद्दबुआ छेछेंग् इयेर् खुद्धिजु। आमान् दुर् बाल् ग्योखुगुलुग्सेन् इ उजेखुले। एयिमु गायिग्वाम्शिग्
थु वुगेथेले। विदे एसे मेदेग्सेन् इयेन् नामान्दिलामु खेमेगेद्। गेर् थुर् इयेन् आराद्धिगाद्।
दालाइ मेथु येसे खुरिम् खिरेइ। वोग्दा ग्योवेगुन् दुर्।
वोग्दा बिर्कमिजिद् खान् खोवेगुन् खेमेन् नेरेयिद्वेइ। मिनु बिर्कमिजिद् खागान् थेयिमु गायिखाम्शिग्
थु वुलुगे। छि येरे मेथु वुमु खेमेग्मेन् दुर्। आराजि बोजि खागान् गेर् थुर् इयेन् खारिबाइ।

प्रजा चकित हुए। इस बालक के जन्म समय में नाना शकुन और लक्षण हुए थे। शिशु (निल्खा) होते हुए भी इसने गम्भीर (गुन्), बुद्धियुक्त (उखागान् थु) ऐसे शब्द कहे थे। और अब हम इस को पद्मपुष्पों से ढका हुआ तथा मुख में मधु चूसता हुआ देखते हैं। हम पश्चात्ताप करते हैं (नामान्छिलामु) कि इस आश्चर्यजनक बालक को हमने नहीं पहचाना। यह कह कर बालक को घर ले गये। समुद्र के समान महान् उत्सव मनाया और महात्मा बालक को 'महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम दिया।

मेरा विक्रमादित्य राजा ऐसा अद्भुत था। क्या तुम उसके समान हो। यह सुन कर राजा भोज अपने घर लौट गये।

## जिर्गुगार् बोलुग्

### वासा निगेन् मोदुन् खुमुन् त्रु त्रुगुलेग्मेन्

वासा आगाजि बोजि खागान् । निगेन् ओल्जेइ थु एदुर् ए इरेगेद् । ओल्जेइ खुथुग् ओरशिगुल्जु घेरे गिरेगेन् दुर् गार्खुइ दुर् । उरिद् योसुगार् निगेन् मोदुन् खुमुन् गारुगाद् त्रुगुलेग्न् । मिनु बोग्दा बिर्कमिजिद् बागातुर् सुर् जिब्खुलाङ थु । आउग्रा सुछु दु आदालि बोल्बासु सागु । त्रुगेइ बुगेसु सोनुस् गेवे । घेरे खागान् उरिद् योसुगार् सोनुस्वा । घेरे खोवेगुन् इ दोलुगान् नासुन् खुर्येले एगुं गेद् । गङदग्म्ब खागान् गुर् येग्ये खुरिम् त्रुइलेदुगेद् । मोन् बोग्दा खोवेगुन् दुर् । बिर्कमिजिद् खान् खोवेगुन् खेमेन् नेरेयिद्वेइ । थगुन् दुर् आदालि घोरोग्सेन् शागाजिन्दि खुमुन् । देल् त्रुन् थोसुन् गेन्दि खोयार् उन् खोवेगुन् दुर् निगेन् त्रु नेरे योगि । निगेन् त्रु नेरे दिलावा खेमेन् नेरे ओग्बेइ । घेरे छाग् थुर् यग्छस् उन् छेरिग् त्रुद् छम्बुदिव् उन् आमिथान् दुर् मोर्दोग्मान् दु । गङदरस्व खागान् खेगुर् इथेन् शियुगेन् त्रु देर्गेदे थाल्विगाद् । यग्छस् इ ओलान् छेरिग् इथेर् दारुजु यावुयाल् । बागा खाथुन् आनु । येखे खाथुन् दागान्

### छठा अध्याय

### एक और पुतली की कथा

फिर राजा भोज एक पुण्य दिन आने पर मगल (ओल्जेइ खुथुग्) स्थापना कराकर, उस आसन पर चढने लगा। उस समय पहले के समान (उरिद् योसुगार्) एक पुतली निकल कर बोली—यदि मेरे महात्मा विक्रमादित्य वीर के समान ओजस्वी, तेजस्वी (सुर् जिब्खुलाङ थु), प्रभावशाली, शक्तिमान् हो तो सिंहासन पर बैठो। यदि नही हो तो सुनो। राजा ने पहले के समान सुना।

उस बालक को सात वर्ष की आयु (नासुन्) तक (खुर्येले) पाल कर (एगुं गेद्) गन्धर्व राजा ने बहुत बडा (गुर् येखे) उत्सव रचा (खुरिम् त्रुइलेदुगेद्) और उस (मोन्) महात्मा बालक को "विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम दिया। उसी के समान उत्पन्न, कटोरे वाले (शागाजिन्दि) और तिल का तेल पीडने वाले दोनो के बालकों को भी नाम दिये, एक को योगी और दूसरे को तैलप (?)। उस समय यक्षो (यग्छस्) की सेना ने जम्बुद्वीप के प्राणियो पर चढाई की (मोर्दोग्सान् दु)। गन्धर्व राजा ने अपने शरीर को (खेगुर्) पूजागृह (शियुगेन्) मे छोड दिया और यक्षो का दमन करने के लिये बहुत बडी सेना लेकर चला गया। छोटी रानी बडी रानी से

६६ आयिलाद्खारन् । मान् उ एने बोग्दा खागान्। मान् लुगा सागुखुइ दुर् । सुमुन् उ दुरि बेर् वुगेथेले । मोर्दोखु छाग् थुर् इयान् गूआ उुजेस्खुलेङ थु । सेद्खिल् बुलियाखु थेयिमु सुर् जिब्खुलाङ थाइ मोरिलावा । उुगुं ल्जि देर्गेदे इनु थेरे दुरि यि उुजेजु सेद्सिल् खानुजु । सागुसाइ नि सेमेगेद् उखिलाखुइ दुर् । येखे खाथुन् आनु इनियेगेद् उुगुलेरुन् । थेरे सागान् उ बेये यिन् खेगुर् शिथुगेन् उु देर्गेदे थाल्विजु । खूर् थान् दायिसुन् इ दारुखु यिन् थुला । ध्धिङ्स् उुन् दुरि बेर् खुविलुग्सान् वुइ जा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् आनु दोथोर् इयान् एयिन् सेद्खिरुन् । खागान् उ थेरे खेगुर् इ खायिलुगाद् । थुङगालगान् बेये लुगे खाम्थु सागुवामु । जोखिस् थाइ वुइ जा गेजु सानागाद् शियुगेन् नि दुर् ओरोजु । खुरियाग्सान् चन्दन् मोदुन् इयार् गाल् थुलेगेद् । खेगुर् इ इनु खायिल्वाइ । खागान् बेर् मेदेगेद् येखे गाशिगुदान् । सेद्खिल् जोवानिल् थोरोगेद् । निगेन् ग्दिान् दुर् यागारान् खुछुं इरेगेद् । खेगुर् इयेन् खायिलुग्सान दुर् । खाथुन् दागान् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । आसारान् खायिरालाग्सान् खाथुद् खेउुखेद् खिगेद् । खामुर् उन् खुरियाग्मान् खान् खाराछु । खामुग् उलुस् इर्गेन् विदेन् इ । आसुरि नार् उन् इदेशि बोल्वाइ सेमेगेद् । एने बेये बेर् सागुजु उुलु बोल्खु । दोलुगान् खोनुग् बोल्याला छिलागुन् मोन्दोर् ओरोगाद्

बोली—हमारा यह महात्मा राजा हमारे साथ रहते समय (सागुखुइ दुर्) पुरुष के रूप (दुरि) मे रहता है (वुगेथेले), किन्तु चढाई करते समय इसने सुन्दर, अभिरूप, चित्त-हारी (सेद्खिल् वुलियाखु थेयिमु), ओजस्वी, तेजस्वी हो कर प्रस्थान किया है (मोरिलावा) । सदा (उुगुं ल्जि) उसके पास (देर्गेदे इनु) इस रूप को देखते हुए सन्तुष्ट हो कर (सेद्खिल् खानुजु) यदि हम रह सके (सागुसाइ नि)—यह कह कर रोने लगी (उखिलाखुइ दुर्) । बडी रानी मुस्कराई और बोली—राजा ने अपने (बेये यिन्) शरीर को मन्दिर में छोड कर दुष्ट (खूर् थान्) शत्रुओ (दायिसुन्) के दमन (दारुखु) के लिये देवताओ का रूप धारण किया है (खुविलुग्मान् वुइ जा) । इस पर छोटी रानो ने अपने मन में यो सोचा—राजा के इस शव को जला कर (खायिलुगाद्) स्वच्छ (थुङगालगान्) शरीर के साथ (बेये लुगे खाम्थु) रहूगी तो (सागुबासु) उचित होगा । यह सोच कर मन्दिर के अन्दर (दुर्) जा कर इकट्ठे किये (खुरियाग्सान्) चन्दन काष्ठ से आग जला कर (गाल् थुलेगेद्) उस शव को जला दिया (खायिल्वाइ) । जब राजा को पता लगा वह बहुत व्याकुल हुआ (गाशिगुदान्) । उसके चित्त मे दुःख (जोवानिल्) उत्पन्न हुआ । एक क्षण मे (गिन् दुर्) शीघ्रता करके वह आ पहुचा (गुछुं इरेगेद्) । उसका शरीर जल चुका था । अपनी रानियों से कहा—मेरे पाले पोसे (आसारान्), स्नेह किये हुए (खायिरालाग्मान्) रानी और बच्चो, मेरे समान कर इकट्ठे किये (खुरियाग्मान्) राजा और प्रजा (खाराछु) और सम्पूर्ण जनता, हम असुरगण के भोजन (इदेशि) बन गये है। मैं इस शरीर मे नही रह सकता । सात दिनरात के पश्चात् पत्थर (छिलागुन्) के ओले (मान्दोर्) गिरेंगे (ओरोगाद्) ।

[illegible]

[illegible]

७० आसुरि इरेजु एब्देखु वोलुगे । थेयिमु यिन् थुलादा । खायुद् खेउखेद् । एने खोथान् आछा गार्छु । थुर्गेन् दुयागा खेमेगेद् । थावुन् ओङ्के यिन् सोल्सोङगा थायाजु । ओग्यार्गुंइ दुर् गार्छु ओद्वाइ । खायुद् खेउखेद् उलुस् इर्गेन् बुगुदेगेर् उखुद्गेजु उनावाइ । उनाग्सान् इयान् सेगुंजु वोसुगाद् एनेलुन् गासुलाल्छाजु उखिलावाइ । येख्वे खायुन् उगुलेरुन् । सानाजु गासुलावाछु थुसा उगेइ । दुथागावासु जोखिमुइ खेमेगेद् । थावुन् दागागुल् इयान् आवुगाद् । खेउखेद् इयेन् एगुर्गेगेद् गासुलाग्सागार् खोथान् एछेगेन् गारन् यावुवाइ । वागा खायुन् । खेउखेद् । उलुस् इर्गेन् । खोयान् दुर् इयान् गामुलाल्छान् सागुवाइ । येखे खायुन् दोलुगान् खोनुग् यावुगाद् निगेन् दागाल्था ओखिन् इनु । शिल्यागा थाइ यिन् थुला । यावुन् एसे छिदावासु । खायुन् इयेर् । ओखिन् दुर् एमिन् उगुलेरुन् । जोवाजु यावुखुइ दुर् ओखिन् खुमुन् वोलुगाद् । एयिमु शिब्शिग् थु युयु खेमेखुइ दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । उरिदाखि आशि ब्लामा यिन् खायिरालाग्सान् छागाजाङ उन् शाब्बुन् माल्थाजु इदेग्सेन् एछे वुसु । यियिन्छु यिन् उइले खिग्सेन् उगेइ वुइ खेमेग्सेन् दुर् । खायुन् इयेर थेगुन् इ शालु यिन् नुखेन् दुर् खोङ्केजिगुलुगेद् । थेरे खेउखेन् इ आवुया खेमेग्सेन् दु । ओखिन् उगुलेरुन् । एगुन् इ आब्बु आछा वायियुगाइ । सान् सोबेगुन् इ ओखिखु छाग् ओयिरा

असुर आ कर विध्वस करेंगे (एब्देखु वोलुगे) । अत मेरी रानियो और बच्चो, इस नगर से निकल कर शीघ्र (थुर्गेन्) भाग जाओ (दुयागा) । यह कहने पर पाच रग का धनुष् (सोलोङ्गा) छा गया और राजा आकाश में लीन हो गया ।

रानी, बच्चे और प्रजा सब मूर्छित हो कर (उखुद्गेजु) गिर पडे । सचेत हो कर (सेगुंजु) उठे तो (वोसुगाद्) शोक (एनेलुन्) और पश्चात्ताप करते हुए (गासुलाल्छाजु) रोने लगे (उखिलावाइ) । बडी रानी ने कहा—चिन्ता और शोक से कोइ लाभ नही (थुसा उगेइ) । भाग जाना (दुथागावासु) उचित है । पाच दासियो को ले कर, बच्चो को पीठ पर उठवा कर (एगुर्गेगेद्), विलाप करती हुई (ग्रासालुग्सागार्) नगर से चली गई । छोटी रानी, बच्चे तथा प्रजा नगर में ही शोक करते बैठे रहे ।

बडी रानी के सात दिन रात यात्रा करने के पश्चात् एक दासी लडकी गर्भवती (शिल्यागा थाइ) होने के कारण चलने में असमर्थ हो गइ । रानी ने दासी से कहा—दु समयी (दोवाजु) यात्रा (यावखुइ) में कुमारी-जन हो कर ऐसी अभद्र (शिब्शिग् थु) हो । इस पर दासी बोली— पूर्व के ऋषि लामा के दिये हुए (खायिरालाग्सान्) कटोरे के बचे हुए को कुरेद कर (माल्थाजु) खाने से भिन्न (वुसु) सासारिक कर्म (यियिन्छु यिन् उइले) मैंने नही किया (खिग्सेन् उगेइ वुइ) । रानी ने उसको शालु के बिल में (नुखेन् दुर्) प्रसूति कराई (खोङ्केजिगुलुगेद्) और कहा—इस बालक को साथ ले चलेंगे । पर दासी बोली—इसको ले जाना तो रहा, राजकुमार को भी छोडने का (ओखिखु) समय निकट आ गया है ।

७१ वोन्वाइ खेमेगेद् गामुलाग्मागार् यावुवाइ । थेरे ओर्खिग्सान् सेउखेन् इ शालु आवुग़ाद् । नुखेन् दुर् इयेन् ओगेगुल्वाइ । थेरे शालु उन्याग्मान् उ खोयिना । थेरे सेउम्वेन् खोवु यि खोखुग्सेन् दुर् शालु खोवु वेन् खोखुग्सेन् इ मेदेगेद् । ओवेर् उन् जुल्जागा लुग़ा इल्लाल् उगेइ थेजियेवेइ । खाधुन् उम्दाग़ासाजु ओलुसुग्सेगेर् । निगेन् ग्वाग़ान् उ थारियान् उ देर्गेदे ग्वुर्वेसु । थेरे थारियाछिन् इयेर् । खाधुन् खेउखेद् इ उजेगेद् । खानुशि उगेइ सायिम्बान् उ धुलादा । खुरियेलेजु सागुग़ाद् । उम्दा खोगुला मुद्दाशि उगेइ ओग्वेइ । थेन्दे वेन् सागुथाला । थेरे खागान् आनु । आवालारा मोर्दोगाद् यावुथाला । थेरे थारियाछिन् उ दोयोरा गिल्वेलेग्सेन् छिमेग् थेइ ओलान् उलुस् इयार् खुरियेलेगुल्जु मागुग्वुइ यि ग्वाग़ान् वेर् उजेगेद् । थेरे यागन् वुइ । थगुन् इ उजेजु इरे खेमेन् निगेन् खुमुन् इ इलेगेजे । थेरे खुमुन् उजेगेद् गायिखाजु खागान् दुर् इयान् एयिन् उगुलेवेइ । निगेन् खाधुन् वायिना । आल्यान् छिमेग् थेइ । देल्गेर् सारान् मेयु गोओआ उजेस्खुलेड़ घु खोवेगुन् थेइ । थावुन् दागागुल् थाइ खाधुन् वायिना गेजु आयिलाद्ग्वावा । खागान् इरेगेद् मोरिन् आछा वागुजु । खाधुन् उ देर्गेदे सागुजु । गायिखाम्दिग् घु थेरे खाधुन् इ उजेगेद् । आलि गाजार् आछा इरेग्सेन् । खेनुगि वुलुगे खेमेन् आमागुग्मान् दुर् । खाधुन् आलिवा उछिर्

यह कह कर विलाप करती चली गई (गामुलाग्मागार् यावुवाइ) ।

उस छोडे हुए बच्चे को शालु ने ले लिया और अपने बिल मे घुस गया । शालु के सो जाने (उन्याग्मान्) के पश्चात् बच्चे ने उसके स्तन (खोवु) को चूसा (खोखुग्सेन् दुर्) । शालु को चूसे हुए स्तन का पता लग गया । उसने अपने बच्चे से (जुल्जागा लुग़ा) अभिन्न (इल्लाल् उगेइ) उस बच्चे का पालन किया (थेजियेवेइ) ।

जब रानी प्यासी (उम्दाग़ासाजु) और भूखी हो कर (ओलुसुग्सेगेर्) एक राजा के खेत के पास (थारियान् उ देर्गेदे) पहुची तो किसान (थारियाछिन्) रानी और बच्चो को देख कर अनुपम (खानुशि उगेइ) सौंदर्य के कारण उसको घेर बैठे (खुरियेलेजु सागुग़ाद्) । पेय (उम्दा) और भोजन (खोगुला) पेट भर (मुद्दाशि उगेइ) दिया । जब वे लोग वहा बैठे थे, उनका राजा आखेटार्थ (आवालारा) सवार हो कर (मोर्दोगाद्) जा रहा था । उसने किसानों के बीच मे चमकते हुए (गिल्वेलेग्सेन्) आभूषणयुक्त और बहुजन-परिवृत उस रानी को बैठे देखा । उसने कहा—यह कौन है । इसको देख कर आओ । यह कह कर एक पुरुष को भेजा । उस पुरुष ने देख कर चकित हो कर राजा को इस प्रकार कहा—एक रानी है । स्वर्णमय आभूषणो से युक्त है । पूर्णचन्द्र (देल्गेर् सारान्) के समान सुन्दर अभिरूप उसका बालक है । पाच दासिया हैं । यह निवेदन करने पर राजा आया । घोडे से उतरा (वागुजु) । रानी के पास बैठा । आश्चर्यपूर्ण रानी को देखा । और उससे पूछा—किस देश से आई हो तथा किस की (खेनुगि) हो । रानी ने सब (आलिवा) घटनाओ को (उछिर्)

७२ इयान् देलोरेङगुइ ए खेलेम्मेन् दुर् । थेरे म्वागान् आनु सोनुमुगाद् । जिरुखेन् आल्दाजु निदुन् एछेगेन् निल्बुसुन् गार्गाजु । थेरे खाधुन् दुर् मोर्गुगेद् खाधुन् । खेंउखेद् इ गोथा दागान् आराछिजु । निगेन् सायिन् वायिशिङ दुर् मागुल्गागाइ । त्रिकर्मिजिद् मायिमा खुदाल्दुगान् इ गेजु सुरगाद् । खोन्जिजु आवुग्सान् ओर्येग् इयेर् येखे साङ थु बोल्वाइ । एर्देम् येन् मेर्गेद् इ दागाजु एर्देम् बिलिग् इ सुर्बाइ । उरान् दार्खान् इ दागाजु दार्खान् बोल्वाइ । जिलिविछिन् इ दागाजु जिल्वा सुर्वाइ । खुलागायिछिन् इ दागाजु खुलागाइ सुरुन् यावुगाद् बिदि सुरुग्सान् एर्देम् ओरि थोलोगे येइ बुइ जा । थोलोगे उगेइ आनुया खेमेन् खुलागाइ खिरे यावुथाला । एर्देनि यिन् खोयिग् दु ओछिग्सान् थावुन् जागुन् खुदाल्दुगाछिन् जाम् जागुरा इरेखुइ दुर् निगेन् खोवेगुन् । शालु यिन् वेल्युर्गे खेउखेद् येइ थोग्लान् वायिग्वुइ यि उजेगेद् । एने शालु गोरुगेसुन् बुगेयेले । खोवेगुन् खानिछान् थोग्लाजु वायिखु आनु यागुन् बुइ खेमेगेद् ओछिवाइ । थेरे खोवेगुन् एछे । छि यागुन् खोवेगुन् बुइ खमेवेसु । थेरे खोवेगुन् उगुलेरुन् । बि शालु यिन् खोवेगुन् गेवे एने शालु गोरुगेसुन् बुगेयेले । छि यागुन् उ थुला खुमुन् दुरि थु बुइ खेमेग्सेन् दुर् खोवेगुन् बि

विस्तार से वह सुनाया । राजा ने सुना । उसका हृदय (जिरुखेन्) दु खी हुआ (आल्दाजु) । उस की आखो से आसू बह निकले (निल्बुसुन् गार्गाजु) । उसने रानी को नमस्कार किया तथा रानी और बच्चो को अपने नगर मे ला कर एक सुन्दर घर मे (वायिशिङ दुर्) ठहराया ।

विक्रमादित्य ने लेन देन व्यापार (मायिमा खुदाल्दुगान्) करना (गेजु) सीखा (सुरुगाद्) । लाभ रूप में (खोन्जिजु) मिले मूल्य (ओर्येग्) से बहुत बडी निधि वाला (साङ थु) बन गया । गुणवान् विद्वानो का अनुसरण करके गुण और ज्ञान सीखा । कुशल कलाकारो (उरान् दार्खान्) का अनुसरण करके कलाकार बन गया । जादूगरो (जिलिविछिन्) का अनुसरण करके जादू सीखा । डाकुओ (खुलागायिछिन्) की सेवा करके डाका सीखा । अन्य सीखे हुए (बिदि सुरुग्सान्) गुणो मे पहले (ओरि) रुपया लगाना पडता है । बिना रुपया लगाये हुए [सब कुछ] मिल जाए इति डकैती करने चल पडा ।

रत्नो के द्वीप (खोयिग्) मे गये हुए (ओछिग्सान्) ५०० व्यापारी मार्ग के बीच म (जाम् जागुरा) चले आ रहे थे (इरेखुइ दुर्) । उन्होने एक लडके को शालु के पिल्ले (वेल्युर्गे) बच्चो के साथ खेलते हुए (थोग्लान् वायिखुइ) देखा । शालु के वन्य पशु (गोरुगेसुन्) होते हुए भी मनुष्य के बच्चे का इनके साथ मिल कर (खानिछान्) खेलते होना (थोग्लाजु वायिखु) कैसे सम्भव है—यह सोच कर पास आए (ओछिवाइ) और उस बच्चे से कहा—तुम कैसे लडके हो । लडके ने उत्तर दिया—मैं शालु का बच्चा हू । और फिर पूछा—शालु तो वन्य पशु है । फिर तुम किस कारण मनुष्य रूपधारी हो । लडके ने कहा—मै

७३ याम्बार् उछिर् इ मेदेखु त्रुगेइ खेमेबे । वासा थेरे उलुस् त्रुगुलेरुन् । शाल्गु गोरुगेसन् इयेर् यागायिजु यानुखु बुइ छि माल् इयार् यावुखुला जोखिखु बुइ गेबुइ दुर् । बोलुना ओछिया खेमेन् याबुवाइ । थेरे खुदाल्दुगाछिन् जागुरा निगेन् गोओल् दु बागुवाइ । शाल्गु इरेगेद् बार्खिरान् दागुदावासु । थेरे उलुस् । खोबेगुन् एछे आसागुवा । थेरे शाल्गु यागुन् खेरेनेम् खेमेवेसु । थेरे खाबेगुन् त्रुगुलेरुन् । थेरे । मिनु एखे बायिनाम् । नामायि ओखिगाद् यागुन् उ थुला इरेबेइ । छिमाइ एने उलुस् बुनियाजु आबाछिरावाउ । छि ओबेर् इयेन् इरेबेउ । याबुदासुन् ताबु जिर्गुगान् एमेस् । मिनु नुखेन् देगेरे ओखिग्सान् इ बि थेजियेजु एदुइ बोलगाग्सान् आछि यि मिनु उलु मानाखु बुमु छि । ओनो ए सोनि उयेर् बोलुगाद् एने उरुस् त्रुखुने । थेङ्केगु थु छि त्रुलु त्रुखुखु बुमु । ओद्थेर् खारिजु इरे । निगेन् खल्गायिछि गेयेजु बार्यिनाम् गेजु खेलेमुइ खेमेखु दु । थेरे उलुस् आयुगाद् । आछिगालाजु निगेन आगुलान् दु गार्छु यावुथाला । खेम्जिये त्रुगेइ येखे बोरुगान् ओरोबाइ । खुदाल्दुगाछिन् आगुलान् देगेरे खोनुगाद् ओर्लोगे बोस्छु खाराबासु । आगुला यिन् खोयार् खाजिगु बार्

क्या कारण है (याम्बार् उछिर् इ) यह नही जानता । फिर उन लोगो ने कहा— तुम इन वन्य पशु शत्रुओ के साथ कैसे रहते हो । तुम हमारे साथ (माल् इयार) चलो तो ठीक होगा । लडके ने कहा— ठीक है (बोलुना), चलूगा (ओछिया), यह कह कर वह उनके साथ चल पडा ।

मार्ग मे (जागुरा) वे व्यापारी एक नदी पर ठहरे । शाल्गु भी आ पहुची और चिल्ला चिल्ला कर (बार्खिरान्) बुलाने लगा (दागुदावासु) । उन लोगो ने लडके से पूछा—यह शाल्गु क्या कह रही है । लडके ने कहा—यह मेरी माता है । यह कह रही है—मुझ को छोड कर तुम किस लिये चले गये । तुम को ये लोग छीन कर (बुलियाजु) ले आए हैं क्या (आवाछिरावाउ) अथवा तुम स्वय आए हो । जाती हुई (यावुदासुन) पाच छ स्त्रिया (एमेस्) मेरे बिल के पास तुम को छोड गई थी और मैंने तुम को पाल कर (थेजियेजु) इतना बडा (एदुइ) बनाया (बोल्गाग्सान्) । मेरे उपकार (आछि) को क्या तुम नही सोचते (उलु सानाखु बुमु छि) । आज (ओनो ए) रात को बाढ (उयेर्) आएगी (बोलुगाद्) और ये लोग मर जाएगे (त्रुखुने) । किन्तु तुम चतुर हो इसलिये नही मरोगे । अभी अभी (ओद्थेर) लौट आओ । एक डाकू ताक लगाए है—यह कहती है । इस पर वे लोग डर गये । सम्भार लाद कर (आछिगालाजु) एक पर्वत पर चढे ही थे (आगुलान् दु गार्छु यावुथाला) कि अपरिमित (खेम्जिये त्रुगेइ) महती वर्षा (बोरुगान्) पडी (ओरोबाइ) । व्यापारियो ने पहाड पर रात बिताई । प्रात (ओर्लोगे) उठ कर (बोस्छु) देखा तो (खाराबासु) पहाड के दोनो ओर (खाजिगु बार्)

[illegible]

७४ येखे उयेर् उरुस्खाग्सान् आजुगु । थेगुन् इ उजेगेद् । थेरे उलुस् येखेदे आयुजु । एने खावेगुन् एछे बुसु । विदे छोम् एने सोनि उखुखु विले गेजु थेरे खोवेगुन् दु येव यागुमा ओग्वेइ । विदे याम्वार् ओल्जा ओल्वासु खुवियादाग् विले । एने खोबेगुन् इ खेन् विदेन् इ आब्सु वुइ गेजु खेलेल्छेग्सेन् दुर । थेरे खुदाल्दुगाछिन् उ आखा आवुवाइ । थेगुन् उ खोयिथु मानि वासा निगेन गोआर् दुर् खोनुवाइ । विक्रमिजिद् बामा गेथेजु वायियाला । शालु इग्गेद् दागुदावाइ । मोन् उरुस् यागुन् खेलेनेम् खेमेवेसु । खोवेगुन् उगुलेरुन् । थेरे शारु मिनु । नामायि ओसिखु छिनु एने बुसु । एने सानि ओलान् देगेरम् इरेगेद् एने खु खुदाल्दुगाछिन् इ खिदुखु दु छिमायि आलाल्छाखु वुसु । ओदयोर् खारिजु इरे गेनेम् गेजु खावेगुन् खेल्वे । थेक्लेमेग्छे थेरे खुदाल्दुगछिन् आयुन् यागाराजु आछिगालान् निगेन् जिगेस् धुर् ओरोगाद् छेरिग् इयेन् गार्गाजु वायियाला । ओलान् देगेरेम्छिन इरेगेद् आलाल्दुजु खुछुन् एसे खरुगेद् खारिवाइ । थेर खोबेगुन् इ खुदाल्दुगाछिन् उ नोयान् बोलगाया खेमेल्छगेद् । थेगुन् एछे खोयिना वामा निगेन् गोओल् दु वागुवाइ । खोनुग्सान् सोनि बासा विक्रमिजिद् गेथेजु वायियाला । शारु दागुन् गार्वाइ । थरे खुदाल्दुगाछिन् आसागुरुन् । शालु दागुन् गाग्मुइ । यागुन् खेलेनेम् ।

बहुत बाद वह चुकी थी (उग्स्खाग्सान् आजुगु) । उसको देखकर वे लोग बहुत डरे और बोले—यह बालक न होता तो हम सब (छोम्) इस रात को मरे होते । यह कह कर उन्होंने उस लडके को बहुत उपहार (यागुमा) दिये ।

हम जितना लाभ (ओल्जा) पाते है (ओल्वासु), सो बाट लेते (खुवियादाग्) हैं । इस लडके को हम में से कौन लेगा—यह चर्चा करने पर (खलेल्छेग्सेन् दुर्) उन व्यापारियो के मुखिया ने ले लिया । उससे अगली रात फिर एक नदी पर डेरा डाला । विक्रमादित्य फिर ताक में था (गेथेजु वायियाला) । शालु आई और चिल्लाने लगी । वे लोग पूछने लगे—यह क्या कहती है । लडके ने कहा—यह मेरी शालु कहती है— हम को छोड देना (नामायि ओसिखु), तुम्हारा यही (छिनु एने) है क्या (बुसु) । इस रात को बहुत से डाकू (देगेरेम्) आएगे और इन व्यापारियो को मार डालेंगे (खिदुखु) ।तुम भी अपने आप को मरवाओगे (आलाल्छाखु) क्या । अभी लौट जाओ—यह कहती है। इतने में ही वे व्यापारी डर कर शीघ्रता से सम्भार लाद कर (आछिगालान्) एक बेरान म (जिगेस् धुर्) घुस गये और अपनी सेना को बाहर खडा कर दिया । बहुत से डाकू (देगेरेम्छिन्) आये और युद्ध किया (आलाल्दुजु) । अपर्याप्त (एसे खुरुगेद्) शक्ति होने के कारण लौट गये । इस लडके को व्यापारियो का मुखिया बना दें (बोलगाया)—यह परस्पर चर्चा हुई (खेमेल्छेगेद्) । इसके पश्चात् फिर एक नदी पर डेरा डाला । जब वे रात बिता रहे थे तब विक्रमादित्य फिर ताक लगा रहा था । शालु चिल्लाई । व्यापारियो ने पूछा—शालु चिल्ला रही है । क्या कहती है ।

७१ खोवेगुन् सोनुस् गेवे । खोवेगुन् उगुलेद्न् । थेरे । मिनु एखे बायिनाम् । नामायि ओखिखु छिनु एनु बुयु गेजु एनेलेन् गामुलाजु उखिलागाद् । एने सोनि ओओर् छायिखुइ छाग् थुर् । एने उसुन् दुर् निगेन् खुमुन् उरस्छु इरेखु बुइ । थेगुन् इ बारागुन् गुयान् दु छिन्दामुनि बुइ । थेगुन् इ आवुग्माव् खुमुन् दोर्वेन् थिव् इ एजेलेग्छि छावंदि खागान् बोल्खु खेमेमुइ । एगुन् एछे खोयिना बि इरेखु उगेइ खेमेगेद् खारिवाइ एखे मिनु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे उलुस् गोलेम् थोस्छु । ओओर् छायिथाला साखिजु बायिवासु । विक्रमिजिद् थेदेन् एछे उरिद् थेरे गोओल् दु थोस्छु बायिगाद् । उखुग्सेन् खुमुन् इ आव्छु गुया यि खागालगाद् छिन्दामुनि यि आवुबाइ । थेरे खुदाल्दुगाछिन् उखुग्सेन् खुमुन् इ थोस्छु ओलुगाद् । छिन्दामुनि यि एसे ओल्बाइ । विक्रमिजिद् खारिगाद् जिल्विछिन् लुगे खानिलाजु त्खिब् थोर्गा । छेडमे बोस् एद् बुगुदे दुर् बिछिग् बिछिगेद् । थेरे खुदाल्दुगाछिन् दुर् आवाछिजु खुदाल्दुन् देमेइ बालाइ छाल्छिन् खेरेल्दुगेद् खारिजु इरेगेद् । थेरे त्खिब् थोर्गा । छेडमे बोस् थेरिगुथेन् इ मोन् सोनि मायिमाछिन् उ उउथान् दुर् खिजु खारिजु इरेगेद् । मोन् सोनि खागान् दुर् ओछिजु । त्खिब् थोर्गा छेडमे बोस् थेरिगुथेन् इ खुदाल्दुगाछिन् खुलागाइ । खिजु आवाछिवा खेमेन् मेदेगुल्जु । छेरिग् ओग्गुन् सोयोर्खा खेमेग्सेन्

तुम सुनो । लडके ने कहा—यह मेरी माता है । मुझको छोड कर तुम ऐसे बन गये क्या, कि मै दु खी हो विलाप करती और रोती रहू (उखिलागाद्) । आज रात को उषा प्रभात (ओओर छायिखुइ) के समय इस जल मे एक व्यक्ति बह कर (उरस्छु) आएगा । उसकी दक्षिण (बारागुन्) जघा (गुयान्) मे चिन्तामणि है । उसको लेने वाला व्यक्ति चतुर्द्वीपो का स्वामी चक्रवर्ती राजा बनेगा । इसके पीछे मैं नही आऊगी । यह कह कर मेरी मा चली गई है ।

इस पर उन लोगो ने ज ल (गोलेम्) फैलाया (थोस्छु) । उषा प्रभात तक (ओओर् छायिथाला) देखते रहे (साखिजु बायिवासु) । विक्रमादित्य उनसे भी पहले उस नदी म ताक (थोस्छु) पर था । मरे हुए मनुष्य को पकड जघा को चीर कर (खागालगाद्) उसने चिन्तामणि को ले लिया । व्यापारियो ने मरे पुरुष को पकड उठाया (थोस्छु ओलुगाद्), किन्तु चिन्तामणि को न पाया ।

विक्रमादित्य लौट कर जादूगरो के साथ मिल कर सूक्ष्म और स्थूल कौशेय (त्खिब् थोर्गा), ऊनी (छेडमे) और सूती (बोस) वस्त्रादि (एद्) सब पर चिह्न (बिछिग्) अकित कर दिये (बिछिगेद्), और उन व्यापारियो के पास ले जाकर और बेच कर (खुदाल्दुन्) व्यर्थ मे (देमेइ बालाइ) झगडा करके (छाल्छिन्) लडाई करके (खेरेल्दुगेद्) लौट आया । उन सूक्ष्म और मोटे कौशेय, ऊनी और सूती वस्त्रो आदि को उसी (मोन्) रात व्यापारियो (मायिमाछिन्) के बोरो (उउथान्) म डाल कर (खिजु) लौट आया । उसी रात राजा के पास गया और कहा (मेदेगुल्जु)—कौशेय ऊनी सूती आदि वस्त्रो को व्यापारियो ने चोरी कर लिया है । सो सेना देने की कृपा कर (ओग्गुन् सोयोर्खा) ।

[illegible]

— ᠘᠔ —

[illegible]

— ᠘᠕ —

[illegible]

ठर दुर्। खाग्रान् जालिग् बोलोहन्। लाब्या छिनु यागुमा यि आवुग्सान् बुगेसु छेरिग् ओग्सुगेइ थेरे उलुस् इ आलाम्‌ बुइ जा। सेबें एमे गारगिम्। छिमा दुर् याला बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दर्। विकर्मिजिद् डुगुलेड़न्। लाब्या आवुग्मान् डुनेन्। मेदेग्सेन् उछिर् मिनु। खुदाल्दुगा खिजु खेफुल्दुग्सेन् दुर्। खोयिना आछा मिनु दागाजु इरेगेद् आवाछिग्सान् इ वि मेदेवे गेमेग्मेन् दुर्। खाग्रान् वेर् सेङ्गेगें देलेदुगेद्। छेरिग् डुद् खुराग्मान् इयार्। खाग्रान् जालिग् बोलोहन्। एने विकर्मिजिद् डुन् एद् थावार् इ थेरे खुदान्दुगाछिन् खुलागुजु आवुबाइ गेनेम्। था ओद्छु खुदाल्दुगाछिन् इ नेडजिगेद्। आवुग्सान् बोल्वामु। गुर्वान् जागुन् खुमुन् डु थोलुगाइ यि ओग्योलुगाद आब्छु इरे। सेबें एसे ओल्वामु। एने सोवेगुन् डु थोलुगाइ यि आब्सु बुइ एगुन् इ एद् थावार् बुगुदे विछिग् थेइ गेनेम्। थेम्देग् इनु थेरे गेजु जालिग् बोल्वाइ। थेरे खुदाल्दुगाछिन् दुर्। या एने खुमुन् इ ओछोग्दुर् खुदाल्दुगा खिजु खेरेल्दुगेद्। एगुन् डु एद् थावार् इ दागाजु ओछिगाद् खुलागुजु आवुग्मान् दुर्। थान् इ नेडजिनेम् खेमेखुइ दुर् थेरे खुदाल्दुगाछिन् डुगुलेड़न्। विदे एगुन् इ यागुमा यि थोड डुलु आब्सु खेमेगेद् नेडजि खेमेग्सेन् दुर्।

इस पर राजा ने कहा—यदि सचमुच (लाब्या) तुम्हारी वस्तुओ (यागुमा) को लिया है तो मैं सेना दूगा और तुम पुरुषो को मार डालना। किन्तु यदि (सेबें) तुम्हारी वस्तुए न ली हो तो (गार्वगिम्) तुमको दण्ड मिलेगा। इस पर विक्रमादित्य ने कहा—उन्होने मेरी वस्तुओ को लिया है यह सच है। मेरे जानने का कारण यह है कि व्यापार करते समय झगडा होने पर (खेफुल्दुग्सेन् दुर्) वे लोग मेरे पीछे पीछे आए और ले गये (आवाछिग्सान्)। यह मैं जानता हू। इस पर राजा ने दगाडा बजवाया (सेङ्गेगें देलेदुगेद्)। सेना इकट्ठी हो गई और राजा ने आदेश दिया—इस विक्रमादित्य की धन सम्पत्ति को व्यापारी चुरा कर ले गये। तुम जा कर व्यापारियो की छानबीन करो (नेडजिगेद्)। यदि उन्होने वस्तुएं ली हैं तो पाच सौ पुरुषो के सिरो को काट कर लाओ। यदि वस्तुएं न मिलें तो (ओल्वामु) इस लडके के सिर को ले आओ। इसकी धन सम्पत्ति सब अंकित वही जाती है और चिह्न उसका यह है।

उन्होने व्यापारियो को कहा—तुमने इस पुरुष से कल (ओछोग्दुर्) व्यापार करते हुए झगडा किया और इसके धन सम्पत्ति को पीछे से (दागाजु) जा कर (ओछिगाद्) चोरी कर लिया (खुलागुजु आवुग्मान्)। हम तुम्हारी छानबीन करेंगे। ऐसा कहने पर वे व्यापारी बोले—हमने इसकी वस्तुओ को सर्वथा नही (थोड डुलु) लिया। तुम ढूढ लो।

७७ एगुन् उ एद् उन् थेम्देग् छोम् विछिग् थेइ वुइ खेमेजु नेड्जिगेद् गागंसान् दुर् । गुर्वान् जागुन् सुमुन् इ आलाखु यिन् थुलादा । थोङ आगुसान् उगेइ बिले । यागुन् उ जिग् बोल्वाइ । ध्ति् । छिद्सुर् आवाछिर्वाउ । जिन्विछिन् आवाछिरावाउ । खेमेगेद् खोङ्गेरेस्थेले गामुल्वाइ थेरे छेरिग् उन् खुमुन् खेलेबे । खेन् छु बोल्वा । थान् उ उखुल् खुछि खेमेगेद् । थेरे छेरिग् उद् यागाखिजु आलाखु बुइ खेमेजु बायिखुइ दुर् । विर्कमिजिद् उगुलेरुन् । थावुन् जागुन् सुमुन् थान् उ आमिन् इ बि आगुराया । एने शालु खाबेगुन् इ नादुर् ओग् । खेर्बे एसे ओग्वेसु । थान् उ उखुखु थेरे वुइ जा । खेमेग्सेन् दुर् थेरे शालु खाबेगुन् उगुलेरुन् । उरिदा बि थान् उ आमिन् दुर् खोयार् उये थुसा बोलुलुगा । ओनो ए थान् इ आमिन् इ थुसालाखु यिन् थुला । बि ओछिमुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ग्युदाल्दुगाछिन् । मान् उ आमिन् दुर गुर्वान् उये येबे थुसा खिबेइ । एगुन् एछे खोयिना विदे सायिन् बोल्खुला । आल्बायान् इर्गेन् छिनु बोलसुगाइ । मागु बगेसु । छिमायि खामिगा याबुग्मान् गाजार् थुर् एद् थावार् खुर्गेजु ओग्सुगेइ खेमेल्छेगेद् गामुलाग्मागार् खारिवाइ । बिर्कमिजिद् । थेरे खोबेगुन् इ गेर् थेगेन् आराछिगाद् । एबे इनु आसागुरन् । एने यागुन् खोबेगुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् । थान् इ इरेखुइ छाग् थुर् दागाल्था

इसकी सब (छोम्) वस्तुओ पर चिह्न है । यह कह कर उन्होंने ढूढा और निकाल लिया । तीन सौ लोगो को मार देंगे इस कारण वे गूज उठने तक (खोङ्गेरेस्थले) चिल्लाने लगे (गामुल्वाइ)—हमने सर्वथा (थोन्) नही लिया । यह क्या धोखा (जिग्) है । दानव (छिद्खुर्) ले आये क्या (आवाछिर्वाउ) अथवा जादूगर ले आये क्या ।

सेना के लोगो ने कहा—कुछ भी हो (खेन् छु बोल्बा), तुम्हारी मृत्यु आ गई है (उखुल् खुछि) । सैनिक यह कह ही रहे थे कि कैसे (यागाखिजु) मारेंगे (आलाखु) कि विक्रमादित्य बोल पडा—तुम ५०० पुरुषो के प्राण मे बचा दूगा (आवुराया) । इस शालु लडके को मुझे दे दो । यदि नही दोगे तो तुम्हारी मृत्यु होगी ही । शालु लडके ने कहा—पहले मैंने तुम्हारे प्राणो को दो बार (उये) लाभ पहुचाया है (थुसा बोलुलुगा) । अब (आनो ए) तुम्हारे प्राणा के लाभ के लिये (थुसालाखु यिन् थुला) मे जाता हू (ओछिमुगाइ) । व्यापारी बोले—हमारे प्राणो के लिये तीन बार बडा उपकार किया है । अब से आगे यदि हमारा कुशल रहा तो हम कर देने वाली (आल्बायान्) तुम्हारी प्रजा (इर्गेन्) बन जाएगे (बोलसुगाइ) । किन्तु यदि अकुशल हुआ तो जहा भी जाओगे, उसी स्थान म धन सम्पत्ति पहुचाते रहेंगे (खुर्गेजु ओग्सगेइ) । यह कहते कहते (खेमेल्छेगेद्) विलाप करते (गामुलाग्सागार्) चले गये ।

विक्रमादित्य उस लडके को अपने घर ले गया । मा ने पूछा—यह कौन लडका है । विक्रमादित्य ने कहा—तुम्हारे आते समय, दासी (दागान्था)

[illegible]

७८ आछा थोरोग्सेन् वुयु । उगेइ वुयु खेमेग्सेन् दुर् । थोरोग्सेन् ओखिन् उगुलेरुन् ।
जागुरा मिनु थारोग्सेन् खोबेगुन् वोल्वाउ खेमेखुइ दुर् । थेरे खोबेगुन् एखे वेन् थानिगाद् । उखिलान् ओछिवासु । एखे यिन् शिर्गेग्सेन् खोखु इनु सागाम्शिगाद् । खोबेगुन् खागाछाग्सान् वुगेयेले । खोखुग्सेन् इयेर् । खोबेगुन् उ वेये यिन् मूखाइ उसु उनागाद् । आछिग्सान् थोलि मेथु ओङ्गे थेइ बोल्बाइ । थेरे खोबेगुन् इ उरिदा ओखिग्सान् इयान् गेम्शिजु उखिलागाद् । वायासुल्छाजु सेद्खिल् इयेन् खानुग्सान् दुर् । विक्रमिजिद् उरिदा एछिगे यिन् खोयान् दुर् मागु इरुआ बोलुग्सान् इ सोनुसुगाद् । एखे दुर् इयेन् आयिलाद्खारुन् । वि थेरे खोथान् दुर ओछिया खेमेग्सेन् दुर् एखे इनु एयिन् जालिग् वोलोरुन् । थेरे गाजार् आ खोला बोलुगाद् । जागुरा आनु खोओर्थान् ओलान् बुइ । यागाखिजु यावुखु वुइ खेमेग्सेन् दुर् । विक्रमिजिद् उगुलेरुन् । गाजार् आ खोला बोल्वासु याबुन् मेदेये । खोओर्थान् दायिसुन् ओलान् बोल्वासु दारुजु उजेंये । खोयार् थुसा यि सानाखु छाग् बोल्वाइ जा । आइ एखे मिनु वू खोरि गेवे । एखे इनु एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् इ थोरोखुइ छाग् थुर् एल्देब् इरुआ बेलगेस् बोलुग्सान् वूलुगे । खोयिना जोबाजु याबुसुइ दुर् ।

से कोई जन्मा था अथवा नही । यह कहने पर जन्म देने वाली लडकी बोली—मेरे मार्ग मे उत्पन्न होने वाला यह लडका है क्या इति । लडके ने अपनी मा को पहचान लिया (थानिगाद्) और रोते हुए (उखिलान्) उसके पास गया तो (ओछिवासु) मा के सूखे (शिर्गेग्सेन्) स्तन (खोखु) मे दूध भर आया (सागाम्शिगाद्) । लडका [अब तक] वियुक्त (खागाछाग्सान्) रहा था । मा का दूध पीने से (खोखुग्सेन् इयेर्) लडके के शरीर के भद्दे (मूखाइ) बाल (उसु) गिर गये । लडका मार्जित दर्पण (आछिग्सान् थोलि) के समान रग वाला बन गया । लडके को पहले छोड दिया था, इसलिये [मा ने] पश्चाताप किया और रोई । फिर प्रसन्नता मनाई और अपने चित्त को सन्तुष्ट किया (खानुंग्सान्) ।

विक्रमादित्य ने पहले अपने पिता के नगर म बुरे शकुनो (इरुआ) के होने को सुन कर अपनी माता को कहा—मै उस नगर मे जाऊगा । मा ने कहा—वह स्थान दूर (खोला) है और उसके मार्ग मे बहुत हिंसक (खोओर्थान्) हैं । तुम कैसे जाओगे । विक्रमादित्य ने कहा—यदि स्थान दूर है तो मैं चल कर देखूगा । यदि हिंसक शत्रु बहुत हैं तो दमन करके देखूगा । दो हितो को सोचने का समय हो गया है । हे मेरी मात , मत रोको (खोरि) । मा ने ऐसे सोचा—इसके जन्म के समय नाना लक्षण शकुन हुए थे । पीछे से जब कष्ट उठा कर (जोबाजु) चल रहे थे तब

७६ छिन्दामुनि एर्देनि धेरिगुलेन् एल्देव् एद् यावार् ओवेसुवेन् खुराग्सान् आनु । एने खोवेगुन् उ रुछुन् बुइ जा गेजु सानागाद् । छि ओवेर् इयेन् मेदे गेवे विर्कमिजिद् । शालु यि आवुन् योधिद्राइ ।
विर्कमिजिद् । शालु खोवेगुन् इयेन् आवुग्सान् । ग्विगेद् । निगेन् मोदुन् खुमुन् ढ ढगुलेग्सेन् थोलाइ ।

चिन्तामणि रत्न आदि नाना धन सम्पत्ति इसने स्वय (ओवेसुवेन्) एकत्र किये थे (खुराग्सान्)। यह लड़का अवश्य शक्तिशाली है । यह सोच कर माता ने कहा—तुम स्वय जानो (मेदे)।

इस पर विक्रमादित्य शालु को लेकर चल दिया (योधिद्राइ) । यह एक पुतली की कहानी है—कि विक्रमादित्य शालु लड़के को ले कर इत्यादि ।

वासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेरसेन् ।

वासा आराजि वोजि खागान् ओल्जेइ थु एदुर् ए । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुल्जु । थुग् गिउर् खाद्खुजु । बुरिये बिशिगूर् थायाजु । छाड़ खेङ्गेर्गे देलेद्छु । शिरेगेन् देगेरे
गारुया खेमेग्दुइ दुर् निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरन् ।
वोग्दा विक्रमिजिद् खागाथुर् बिशि । थेरे मेयु आउगा खुछु थु आर्गा बिलिग् थु बोलाइ ।
छि । सोनुस् थेरे गन्दरस्व खागान् उ गाजार थुर् आतु । एबुल् खाबुर् गेखु जुइल् उगेइ
खोखे नोगुगा उर्गुजु । मुद्दाशि उगेइ ओलान् जिमिस् उर्गुमुइ । थेरे गाजार् उन् खुमुन्
दु एबेद्छिन् याखुल् इयेर् छु उगेइ । थेयिमु जिर्गालाङ थु येरु खाव्यागाइ उलुस् आल्दार्शिजु
सोनुसुग्सान् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् खिजागार् गाजार् थुर् निगेन् गालासा नेरे थु खागान् बुलुगे ।
थेरे खोरिन् दोर्बेन् उछुखेन् खाद् इ एजेलेग्सेन् । खागान् थेरे खाद् थुर् जारा यावुगुलुगाद् एथिन्
उगुलेरुन् थेरे गन्दरस्व खागान् उ थेरे खोथान् दुर् थेयिमु ओल्जेयि थु गाजार् आ गेनेम् ।
बिदे बुगुदेगेर् थेरे गाजार् थुर् नेगुजु ओछिगाद् । थेरे खोथान् इ एजेलेये गेजु जारा यावुगुल्बा

## सातवाँ अध्याय

### फिर एक पुतली बोली

फिर राजा भोज ने एक शुभ दिन स्वस्ति मंगल स्थापना कर (ओरुशिगुल्जु), ध्वज (थुग्) पताका (गिउर्) खड़े कर (खाद्खुजु), शंख (बुरिये) शहनाई (बिशिगूर्) बजवा कर, करताल (छाड़) ढोल (खेङ्गेर्गे) पिटवा कर (देलेद्छु) कहा—मैं सिंहासन पर बैठूंगा । इस पर एक पुतली बोली—तुम महात्मा बिक्रमादित्य शूरवीर नहीं (बिशि) हो । उसके समान विशाल शक्तिशाली उपाय-ज्ञानवान् हो तो सुनो—उस गन्धर्व-राज के देश में शीत (एबुल्), वसन्त (खाबुर्) कहने का भेद नहीं था । नीला घास (खोखे नोगुगा) उगता था (उर्गुजु) । पर्याप्त (मुद्दाशि उगेइ) नाना फल उगते थे । उस देश के व्यक्तियों को रोग और ज्वर (याखुल्) भी न होते थे । इस प्रकार सुखी साधारण सामान्य (येरु खाव्यागाइ) जनता की प्रसिद्धि (आल्दार्शिजु) सुनी जाती (सोनुसुग्सान्) थी । उस समय सीमा (खिजागार्) देश में एक कलश नाम का राजा था । वह २४ छोटे राजाओं का प्रभु था । राजा ने छोटे राजाओं को आदेश (जारा) भेजा (यावुगुलुगाद्) और कहा—उस गन्धर्व के नगर को ऐसा समृद्धिशाली मानते हैं (गेनेम्) । हम सब उस देश में उठ चलें (नेगुजु ओछिगाद्) और उस नगर के स्वामी बन जाएं ।

८१ खाद् उद् जोब्धियेजु गुब्धि बेर् नेगुजु । थेरे गाजार् थुर् ओछिगाद् सागुयाला । आसुरि नार् उन् छेरिग् इरेगेद् । थेरे खोथा यि एजेलेजु । खागान् आछा आल्वा आब्खुइ दागान् निगेद् एदुर् ए । निगेन् नोयान् थेरिगुलेन् जागुन् खुमुन् इ इदेखु बुलुगे । जिगुदाजु वोल्खु उगेइ । थेयिमु यिन् थुला । येखे गाशिगुन् जोवालाङ थु बोल्बाइ । थेरे छाग् थु बोग्दा बिर्कमिजिद् मोन् खु खुछु इरेबेसु । निगेन् एमेगेन् गेदेगु उरुगु उनाजु शिरुइ ओम्खुल्जु । आबुराग्छि उगेइ । थोनिलाखु उगेइ गेजु वाखिराजु खेब्थेग्सेन् दुर् । आइ एखे मिनु यागुन् उ थुला गासुलावाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमेगेन् उगुलेहुन् । बिदेन् उ एने गाजार् थुर् । ओलान् खाद् उद् इरेग्सेन् बुलुगे । बि । खोयार् खोवेगुन् थेइ बुइ बिले । मान् उ एने गाजार् आ आदास् छिद्खुर् ओलान् बुइ यिन् थुला । उरिद् निगेन् खोवेगुन् इ आवाछिसान् । ओनो ए वासा निगेन् खोवेगुन् इ मिनु वासा आवाछिबा । थेयिमु यिन् थुला गासुलाबाइ । खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् थेरे खोवेगुन् इ छिनु ओरोन् दुर् आनु बि ओछिगाद् । खोवेगुन् इ छिनु गार्गागुल्सु खेमेखुइ दुर् । एमेगेन् उगुलेहुन् । आइ आ गायिखाम्शिग् थु खोवेगुन् छिनु एखे एने मेथु गासुलाजु एनेलेखु बुइ जा । थेयिमु यिन् थुला वायिगि । बि दागुसुग्सान् इयार् दागुसुया खेमेग्सेन् दुर्

राजाओ ने मान लिया (जोब्धियेजु)। सब (गुब्धि बेर्) उठ कर उस देश में जा बैठे। असुरो की सेना आई और उस नगर पर प्रभुत्व जमा लिया। राजा से कर लेने के रूप में प्रतिदिन एक मुखिया और सौ पुरुष खा जाते थे। भाग निकलना (जिगुदाजु) सम्भव न था। इस कारण बहुत कष्ट और दु ख में थे। उस समय महात्मा विक्रमादित्य स्वयं वहा पहुचे। एक बुढिया (एमेगेन्) पीठ के बल (गेदेगु), पेट के बल (उरुगु) गिर कर (उनाजु) मिट्टी (शिरुइ) मुह में भर कर (ओम्खुल्जु) "अनाथ (आबुराग्छि उगेइ) हू, मुक्ति नही (थोनिलाखु उगेइ)" यह चिल्ला कर (वाखिराजु) लेटी हुई थी। हाय मेरी मा तुम किस लिये दु खी हो—यह पूछने पर बुढिया बोली—हमारे इस देश में बहुत से राजा आए हैं। मेरे दो पुत्र थे। हमारे इस देश में दैत्य (आदास्) और भूत (छिद्खुर्) बहुत हैं। इस कारण पहले एक लडके को ले गये। अब (ओनो ए) फिर मेरे दूसरे लडके को ले गये हैं। इस कारण मैं दु खी हूं। इस पर विक्रमादित्य बोला—तुम्हारे लडके के स्थान में मैं जाऊंगा और तुम्हारे लडके को निकाल लाऊंगा (गार्गागुल्सु)। इस पर बुढिया ने कहा— हे अपूर्व बालक, तुम्हारी माता मेरे समान विलपेगी और दु खी होगी। इसलिये तुम रहने दो। मैं नष्ट हू ही, सो नष्ट हो जाऊंगी (दागुसुया)। इस पर

८२ खाबेगुन् उगुलेरुन् । आइ आ एखे मिनु बिथेगेइ गासुला । खोबेगुन् इ छिनु बि इलेगेसुगेइ । खेर्बे एसे इलेगेबेसु । मिनु एने दागाग्सान् खोबेगुन् छिमायि एगुं थुगेइ । खेमेग्सेन् दुर् एमेगेन् वायालवाइ थन्देछे विर्क्रमिजिद् । ओलान् छुग्लाग्सान् उलुस् थुर् ओछिवासु । थेरे गुछिन् दोर्बेन् खाद् उद् इयेर् । एदुर् सोनि उगेइ येखेदे खोङ्गेरेस्थेले गासुलान् वायिखुइ दुर् । विर्क्रमिजिद् । थेरे खागान् उ गेर् थु ओरोवासु । खागान् । खाथुद् इयेर् बोसुगाद् । एने खोबेगुन् इ ओरोखुइ दुर । निदे यागुन् उ थुला वोस्वाइ । एने खोबेगुन् येखे छिनार् थु बुइ जा । एने खुरान् छिगुलुग्मान् उ दोथोरा एयिमु गायिखाम्शिग् थु खुमुन् उगेइ बुलुगे । छि आलि गाजार् आछा इरेग्मेन् विले । खेनुगेइ बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि गङ्दरस्य खागान् उ बुलुगे । एछिगे उगेइ । उगेगू । यादागु यिन् थुला । निगेन् देगू बेन् दागागुलुन् याबुग्मान् विले बि थेरे देगू दुर् इयेन् निगेन् एमेगेन् उ खू यि । एन्दे आल्वान् दुर् इरेग्सेन् दु । उने खुदाल्दुगान् इ आब्छु । थेरे देगू दुर् ओग्गुये खेमेन् इरेग्मेन् बुलुगे । खमेग्सेन् दुर् । खागान् एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् उ उगे बोल्वासु । खुमुन् उ आमिन् उ थुला ।

लडके ने कहा—हे मेरी माता, मत (बिथेगेइ) विलाप करो (गासुला) । तुम्हारे लडके को मैं भेज देना हू (इलेगेसुगेइ) । यदि (खेर्बे) नही भेजूगा तो मेरे इस साथी (दागाग्सान्) लडके को तुम पाल लेना (एगुं थुगेइ) । ऐसा कहने पर बुढिया प्रसन्न हुई ।

नव विक्रमादित्य बहुत इकट्ठे हुए पुरुषो में चला गया । वे ३४ (गुछिन् दोर्बेन्) राजा दिन रात के भेद बिना, बहुत बडी गूज उठने तक (खोङ्गेरेस्थेले), विलाप कर रहे थे (गासुलान् वायिखुइ) । विक्रमादित्य उस राजा के घर मे गया । राजा और रानी उठे । इस बालक के प्रवेश करने पर हम विम लिये उठे । यह बालक बडा ओजस्वी (छिनार् थु) है । इन इकट्ठे हुए (खुरान् छिगुलुग्मान्) पुरुषो के बीच मे ऐसा अपूर्व व्यक्ति नही है ।

तुम किस देश से आये हो और किसके (खेनुगेइ) हो । इस पर लडके ने कहा—मै गन्धर्व-राज का [पुत्र] हू । पितृहीन, दीन (उगेगू), दरिद्र (यादागु) होने के कारण अपने छोटे भाई को साथ ले घर जा रहा था । उस छोटे भाई के स्थान मे एक बुढिया के लडके (खू) को, जो यहा कर के रूप मे आया हुआ है, मूल्य (उने) दे कर (खुदाल्दुगान्) लिया है (आब्छु) । अपने भाई को देने के लिये आया हू । इस पर राजा ने सोचा—इसके शब्दो से लगता है कि दूसरो के प्राणो के लिये

८१ ओबेर् उन् आमिन् इयान् ओंग्खु एयिमु यि सानाग्रामु । लाब्या मान् इ
आबुराग्छि बुइ जा । येम्बे छोग् जिब्खुलाङ थु बोलुगाद् । लाग्शान् बेलो थु यायिनाम् गेजु
सानागाद् । एने आसुरि यिन् छेरिग् थु सोनि बुरि जागुन् खुमुन् इ इदेदेग् बुलुगे । छि
पेगुन् दुर् थेस्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । आमियान् उ आमिन् इ आबुराग्सान् इयार् । निगेन् सायिन्
थोराल् इ ओल्खु बुइ जा । बि नोयान् बोल्जु ओछिमुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् बेर् जोद्
गेजु आयिलादुग्मान् दुर् । ग्गोबेगुन् उगुलेछुन् । मिनु ओनो ए एदुर् खेलेग्सेन् उगे बेर्
बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । खागान् बोलुया गेबे । येरे खोबेगुन् । जागुन् खुमुन् इ
दाग्रागुलुग्राद् याबुखुइ दुर् । येरे खोबेगुन् गिल्वाल्जाजु छोग् थाइ आ याबुखुइ दुर् । येरे खाद् उद्
बुगुदेगेर् ग्वारागाद् गायिखाजु । मान् उ जोवालाङ आछा आबुराग्छि इथेगेल् बुइ जा खेमेगेद् ।
बुगुदेगेर् खोयिनाछा आनु मोर्गु गेद् । एने छुग्लाम्साद् थुर् । मान् इ आबुराग्छि बोल्बासु ।
एने गोनि निगेन् येम्देग् बोल्खु बुइ आ जा गेजु खेलेल्छेगेद् । यू थार्खाया खमेल्छेगेद् बायिबा ।
बिर्कमिजिद् । येरे खोयान् दुर् ओरोगाद् शिग्जिलेन् उजेबेस । येरे खोया मेयु जोखिस् थाइ

अपने प्राणो को देने को तत्पर है (सानाग्रामु) । निश्चय ही (लाब्या) यह हमारा रक्षक बनेगा । बहुत श्री-युक्त, तेजस्वी (जिब्खुलाङ थु) तथा लक्षण-चिह्न-युक्त है । यह सोचकर उसने कहा— ये असुरो के सैनिक प्रतिरात्रि (सोनि बुरि) सौ पुरुषो को खा जाते हैं । क्या तुम इसको सहोगे (थेस्खु बुयु) । यह कहने पर उसने कहा—प्राणियो के प्राणो की रक्षा द्वारा अच्छे जन्म को पा सकता हू । इसलिये मैं अध्यक्ष (नोयान्) बन कर (बोल्जु) जाऊगा (ओछिमुगाइ) । राजा ने कहा—ठीक है । लडका बोला—आज के दिन मेरे कहे (खेलेग्सेन्) आदेश (उगे) चलेंगे क्या (बोल्खु बुयु) । इस पर राजा ने कहा—हा चलेंगे ।

लडका सौ पुरुषो को साथ ले कर चला गया । लडका चमकता हुआ (गिल्वाल्जाजु) और (छोग् थाइ) श्री-सम्पन्न जा रहा था (याबुखुइ दुर्) । राजा, सब के सब, देख कर (खारागाद्) चकित हो रहे थे और कह रहे थे—हमारी दु खा से रक्षा करने वाला निश्चय रूप से यह हमारा नाथ (इथेगेल्) है । सबने उसको पीछे से नमस्कार किया और कहा—यदि इस समूह के लिये यह प्राणो का रक्षक बनेगा तो इस रात को शकुन होगा । उन्होने चर्चा की—हम न लौटेंगे, इकट्ठे ही रहेंगे ।

विक्रमादित्य ने नगर में प्रवेश किया और जब ध्यान से देखा (शिग्जिलेन् उजेबेस्) तो वह नगर के समान उचित रूप से

[illegible]

८४ वारिग्सान् आजुगु । थेरे दोयोरा । सुमुन् उ यासुन् इयार् दुगुर्गेद् । एछिगे एखे यिन्
सागुग्सान् शिरेगे । खामुग् बुगुदे यि जुजेगेद् । येखेदे उयाराजु खायिलुग़ाद् । येरु
एने ओछिलाङ उन् आमियान् दुर् मोह्लें बुसु गेग्छि एने वायिना । येरु एने खोयान् दुर्
आमाराग्लान् खायिरालाग्सान् खायुद् खेजुखेद् । खामुरन् खुरियाग्सान् उलुस् इर्गेन् । दोयोनालान्
खुरियाग्सान् एद् थावार् वाराग़ान् वुइ वोल्चासु । खोगुसुन् खुराग्सान् खुदाल्दुगान् उ खुराल् मेयु
थार्खान् ओद्वाइ गेजु सानाग़ाद् । सेद्खिल् इयेन् गुनिग़ारान् । थेरे जागुन् सुमुन् दुर् इयेन्
जार्लिग् थोलोरुन् । था वुछाग़ाद् । खागान् दागान् एयिन् खेले । एने दोर्बेन् खागाल्गान् दुर् ।
दोर्बेन् जागुन् इर्गे । दोर्बेन् जागुन् माहि उखेर् । दोर्बेन् जागुन् खुविङ वुदागा ।
दोर्बेन् जागुन् लोङखो आरिखि यि दोर्बेन् खाग़ाल्ग़ान् दुर् आनु थाल्वि । मिनु देर्गेदे ।
निगेन् जागुन् शार् निगे जागुन् इर्गे । निगे जागुन् माहि उखेर् निगे जागुन् खुविङ वुदागा
वेलेद्छु थाल्वि खेमेन् खेले गेजु यावुगुल्वाइ । थेरे उलुस् उन् खाद् उद् थुर् इयान् खेलेबेसु । थेरे
खाद् उद् इयेर् उछिर् शिल्याग़ान् वुइ वुइ जा गेजु वायालाजु खेलेल्छेगेद् । थेरे खोवेगुन्
याग़ाखिजु सागुना खेमेन् आसागुवासु । थेरे उलुस् उगुलेर्न् । थेरे खोया दोयोरा निगेन् येखे
सुमे वायिना । येगुन् उ दोयोरा । निगे येखे आर्सालान् थु थाव्छाङ वुइ । थेरे खोवेगुन्

बना हुआ था । उसके अन्दर मनुष्यो की हड्डिया भरी हुई थी (दुगुर्गेद्) । पिता माता के बैठने का राजासन तथा अन्य वस्तुओ को देखा और बहुत व्याकुल हो कर (उयाराजु) रोया (खायिलुगाद्) । और *सोचा—साधारणतया इस जगत् (ओछिलाङ) के प्राणियो मे अनित्यता (मोह्लें बुसु) नामक यह वस्तु है* (गेग्छि एने वायिना) । साधारणतया नगर मे प्रेम (आमाराग्लान्) और ध्यान से रखी हुई (खायिरालाग्सान्) रानिया और बच्चे, इधर उधर से (खामुरन्) इकट्ठी हो गई (खुरियाग्सान्) जनता और प्रजा, अपनाई हुई (दोयोनालान्) और सगृहीत धन सम्पत्ति सामग्री (वारागान्), जो कुछ भी थी (वुइ वोल्वासु), वह सूने (खोगुसुन्) एकत्रित (खुराग्सान्) मेले (खुदाल्दुगान् उ खुराल्) के समान तितर बितर हो गई *(थार्खान् ओद्वाइ) । इस प्रकार चिन्ता में दु खी हो कर (गुनिगारान्) उन सौ पुरुषो को कहा—* तुम लौट कर (वुछागाद्) राजाओ से ऐसे कहो (खेले)—इन चारो द्वारो पर (खागाल्गान् दुर्) चार सौ भेड (इर्गे), चार सौ भैंसें (माहि उखेर्), चार सौ मटके (खुविङ) चावल (वुदागा) और चार सौ कूपी (लोङखो) मदिरा (आरिखि), चारो द्वारो पर रख दो (थाल्वि) और मेरे सामने (देर्गेदे) एक सौ बैल (शार्), एक सौ भेड, एक सौ भैंसे एक सौ भात (वुदागा) की थालिया सज्ज करके (वेले-*द्छु) रख दो । यह कह कर भेज दिया । उन्होने देश के राजाओ को यह कह दिया और राजाओ ने* प्रसन्न हो कर एक दूसरे से कहा (खेलेल्छेगेद्)—यह बातचीत (उछिर् शिल्यागान्) है । और पूछा कि वह लडका क्या कर रहा है (यागाखिजु सागुना) । लोगो ने उत्तर दिया—नगर के अन्दर एक बडा विहार है । उसके अन्दर एक बडा सिंहासन (आर्सालान् थु थाव्छाङ) है । लडका

८५ थेगुन् उ देगेरे गारुगाद् आयुखु मेथु दुरि थेइ बोल्वाइ। खाराजु एसे छिदाबाइ गेखु दु।
थेदेगेर् खाद् इयेर्। आवुराग्छि वुर्खान् बोल्वाउ। आलाग्छि छिद्खुर् बोल्वाउ। आलिन् इ छु
बोल्वा। उइले यि वुथुगेये खेमेगेद्। बुगुदेगेर् ओछिजु थेरे यागुमा यि थेगुस् वुरिन्
इयेर् वेलेदुगेद्। थेरे खोबेगुन् इ देगेदे बुगुदे ओछिजु उजेवेसु थेरे खोबेगुन् उ वेये
छोग् वादाराजु वायिखुइ दुर्। खाद् उद् इयेर् सुदेंगेद्। दागुन् उगेइ खारिगाद् खेलेल्छेवेइ।
ओनो ए जागुन् खुमुन् इ एन्दे सागुखु खेरेग् उगेइ खारिछागाग्युन् गेवे। ओदो विदे
गाछुं खोया यिन् गादाना खोनुया गेजु खेलेल्छेखु इ दुर्। थेरे गाजार् उन् उलुस् इरेजु
छुल्लारान् खोनुल्छावाइ। मोन् सोनि आसुरि यिन् छेरिग् इरेखुइ दुर्। छिलागुन् मोन्दोर्
ओरोगल्जु। गाजार् खोदेल्गेजु इरेखुइ दुर्। थेदेगेर् उलुस् छोम् दुयागात् खारिवाइ।
दोर्वेन् जुग् उन् खागाल्गान् दुर्। ओरोजु इरेगेद्। थेरे इदेगेन् इ उजेजु। वारि विदे
एने इदेगेन् इ उरिद् इदेगेद्। खोयिना उलुस् इयान् इदेये खेमेजु इदेगेन् इ इदेवेइ।
आरिखिन् इ ऊगुगाद् वुरिन् ए मोग्योजु उनावाइ। आसुरि खागान् खोयिना खुछुं इरेगेद् थेरे
छेरिग् इयेन् मोग्योग्मान् इ मेदेजु सेरेगुल्वेसु एसे सेरेवेइ। थेरे आसुरि यिन् खागान्

उसके ऊपर चढ कर भैरव रूप वाला बन गया है। हम उसकी ओर देख (खाराजु) नही सकते। राजाओं ने पूछा—वह रक्षा करने वाला बुद्ध है क्या, अथवा मारने वाला दैत्य है क्या। कोई भी (आलिन् इ छु) हो (बोल्वा), हम अपना काम (उइले) पूरा करे (वुथुगेये)। सब के सब चले गये और वस्तुओ को सर्वथा पूर्ण (थेगुस् वुरिन्) रूप से सज्ज किया (वेलेदुगेद्)। सब उस लड़के के सामने गये और देखा तो उस लडके का शरीर श्री से दमक (वादाराजु) रहा था। राजा घबरा गये (सुदेंगेद्) और बिना शब्द के लौट कर एक दूसरे से कहने लगे—आज सौ पुरुषों के यहा ठहरने की आवश्यकता नही। सब लौट जाए (खारिछागाग्युन्)। अब हम निकल कर नगर के बाहर (गादाना) रात बिताए।

उस देश के लोग निकल आए और इकट्ठे हो कर रात बिताई।

उसी रात असुरो की सेना आई और पत्थर के ओलों (मोन्दोर्) की वर्षा की। वे भूमि को कपाते हुए आए। सब लोग भागे और लौट गये। चार दिशा के द्वारो में घुस आने पर [असुरों ने] उस भोजन को देखा और बोले— ले लो (वारि)। हम इस भोजन को पहले खाएंगे, पीछे पुरुषो को। यह कह कर भोजन खाया, मदिरा पी, और सब के सब (वुरिन् ए) अचेत हो कर (सोग्योजु) गिर गये। असुरों का राजा पीछे से आया और अपनी सेना को मदिरामत्त जान कर जगाने लगा (सेरेगुल्वेगु) पर वे नही जागे (एसे सेरेवेइ)। उस असुरो के राजा ने

८६ आगुर्लागाद् सुमे दुर् ओरोजु । विक्रमिजिद् इ उजेगेद् सेलेम् इयेन् सुगु थायाजु दालायिगाद् जिरुखेन् आल्दाजु छाञ्छिजु एसे छिदावाइ । विक्रमिजिद् उगुलेरुन् । मिनु एने वेलेदुसेन् इदेगेन् इ छोम् वाराजु इदेवेसु । वि छिनु दागाल्था वोलुया । खेवे एसे वारावासु । लाव्या छिमायि आलाखु वुइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे आसुरि इदेगेन् इ छोम् इदेवेइ । आरिखिन् इ ऊगुगाद् सोग्थोजु उनावाइ विक्रमिजिद् दोयोर् इयान् एयिन् सेद्खिरुन् । खोओर् थान् इ आर्गा वार् आलाग्सान् आछा । खुछुन् इयेर् आलावासु । नेरे आल्दाशिखु वुइ जा गेजु सानागाद् । बेलिग् उन् सेलेम् इयेन् विलिगुदेजु सागुगाद् । ओइ आसुरि नार् वोस् । खेजिये नागाद्खु वुलुगे । खोओर् थान् खोओर् खिन् एसे छिदावासु । खोओर् थान् वुमु । थेरे आसुरि छोछिमागा वोसुगाद् । विक्रमिजिद् इ छाञ्छिवासु एसे दागागावाइ । विक्रमिजिद् दुम्दागुर् आनु खोयार् आङ्गि थासु छाञ्छिवासु । खोयार् खुमुन् वोलुन् नोछुल्दुवाइ । दोवेन् आङ्गि चोल्गावासु । दोवेन् खुमुन् वोलुन् इरेजु नोछुल्दुन् वायिथाला । दोवेन् खागालान् उ सोग्थोजु उनाग्सान् ओलान् छेरिग् गुञ्छि वेर् इरेगेद् । छिलागुन् मोन्दोर् ओरोगुलुगाद् । इर् थु मेसे वेर् खार्वुलाजु छाञ्छिलान् इरेबेसु ।

रुष्ट हो कर (आगुर्लागाद्) विहार मे प्रवेश किया । विक्रमादित्य को देख कर अपनी तलवार (सेलेम्) एकाएक खीची (सुगु थायाजु) और ऊपर उठाई (दालायिगाद्), किन्तु हृदय (जिरुखेन्) घबरा गया (आल्दाजु) और काट न (छाञ्छिजु एसे) सका (छिदावाइ) । विक्रमादित्य ने कहा—यदि मेरे सज्ज किये हुए (वेलेदुसेन्) भोजन को पूर्णरूप से (छोम्) खा कर समाप्त कर दोगे तो (वाराजु इदेवेसु) मै तुम्हारा दास (दागाल्था) वन जाऊंगा । यदि समाप्त न कर सकोगे तो (एसे वारावासु) निश्चय ही (लाव्या) तुम को मार डालूगा । यह कहने पर असुर ने सव भोजन खा लिया, मदिरा पी ली और अचेत (सोग्थोजु) हो कर गिर पडा । विक्रमादित्य ने अपने मन में यह सोचा—हिंसक (खोओर् थान्) को चतुराई से मारने की अपेक्षा यदि शक्ति द्वारा मारूं तो मेरा नाम प्रसिद्ध होगा (आल्दाशिखु वुइ जा) । यह सोच कर जादू की (बेलिग् उन्) तलवार को शान पर लगाता रहा (विलिगुदेजु सागुगाद्) और कहता रहा—अरे असुरो उठो, कब (खेजिये) खेलोगे (नागाद्खु वुलुगे) । यदि दुष्ट दुष्टता नही कर सकते तो दुष्ट कैसे बने ।

यह असुर एकाएक उठा (छोछिमागा वोसुगाद्) और विक्रमादित्य को काटा तो काट न सका (एसे दागागावाइ) । विक्रमादित्य ने इसके मध्य में (दुम्दागुर्) से काट कर सर्वथा (थासु) दो अंग (आङ्गि) कर दिये । दोनो अंग दो पुरुष बन कर लड़ने लगे (नोछुल्दुवाइ) । उसने उनको काट कर चार अंग बना दिये । सो वे चार पुरुष बन कर आ गये और लड़ने लगे । चारो द्वारो पर मदिरोन्मत्त गिरे हुए बहुत से सैनिक इकट्ठे हो कर आ गये और पत्थर के ओले वर्साने लगे । तीक्ष्ण धार वाले (इर् थु) अस्त्रो को (मेसे वेर्) फेंक कर (खार्वुलाजु) आक्रमण करते (छाञ्छिलान्) आ पहुंचे तो

८७ बिक्रमिजिद् । वेये एछेंगेन् गाए् उन् ओछि ओसुर्गेन् ग़ार्गाग़ाद् । थेदेगेर् उन् वेयेस् थुर्
थोस्छु थामु थुलेग्देनेइ । उरिदा यिन् नोछुल्दुग्मान् दोर्वेन् खुमुन् इ नाइमान् सेसेग् बोल्गावासु । नाइमान्
वार्स् बोल्जु खुखिरेन् दागुन् गार्खु इ दुर् । नाइमान् आर्सालान् बोलुन् सुर्खेखु इ दुर् । गाजार् इयेर्
जिर्गुगान् जुइल् इयेर् देङ्स्लेन् खोदेल्गेजु । आगुला खाब्छागाइ बोलुन् एब्देरेवेइ । खागुराइ
गाजार् आछा उसु देल्विरेन् गार्बाइ । बायिशिङ खोथा छोम् एब्देरेवेइ । खुमुन् आमियान् उखुद्गेजु
उनावाइ । मोन् आर्सालान् इयेर् ओसुर्गोद् वार्स् इ वारिगाद् आलावाइ । ओलुंगे बोल्खुइ दुर्
आदिस्थिद् थु सुवुर्गान् इ शिरुइ आछा आवुगाद् । जुग् बुरि साछुवासु । एब्देग्सेन् आगुला
ओरोन् ओरोन् दुर् इयान् बोल्बाइ । एब्देरेग्सेन् खोथा बायिशिङ उरिदासा उलेम्जि सायिखान्
बोल्बाइ । उखुद्गेग्सेन् आमियान् वेलो बिलिग् थोरागेद् । बागाथुर् सेद्खिल् एगुस्खेल्दुबेइ ।
बिक्रमिजिद् खोथान् आछा ग़ारग़ाद् । निगेन् खुमुन् इ दागुदान् आवुगाद् । गालाशा खागान् एखिलेन्
खामुग् इयेर् छुग्ला खेमेग्सेन् दुर् । खागान् एखिलेन् खायुद् खेवुखेद् इयेर् छुग्लावासु । थेरे
ओलान् उलुस् आसुरि यिन् यासुन् इ उजेगेद् । आयुन् बायिखुइ दुर् । बिक्रमिजिद् उगुलेरुन् ।
बू आयुग्युन् । एने यासुन् इयार् गुर्वान् दाब्खुर् खेरेम् वारि खेमेग्सेन् दुर् । गुर्वान् दाब्खुर्

*विक्रमादित्य* ने अपने शरीर से अग्नि की चिंगारियां (ओछि) उछाल कर (ओसुर्गेन्) निकाली। चिंगारियां उनके शरीर में लगी (थोस्छु) और वे सर्वथा (थामु) जल गये (थुलेग्देवेइ)। पहले से युद्ध करते हुए चार मनुष्यो के आठ भाग कर दिये। वे आठ व्याघ्र बनकर घुर घुर (खुखिरेन्) करने लगे। विक्रमादित्य भी आठ सिंह बन गया और घुर्राने लगा। पृथ्वी छः प्रकार से नीचे ऊपर होती हुई (देङसेलेन्) *कांप उठी (खोदेल्गेजु)। पर्वत लम्बे हो कर (खाब्छागाइ बोलुन्) टूट गये (एब्देरेवेइ)। सूखे (खागुराई)* स्थलो से पानी फूट (देल्विरेन्) *निकला*। घर (*बायिशिङ*) नगर सब (छोम्) विध्वस्त हुए (एब्देरेवेइ)। पुरुष प्राणी मूर्छित हो कर (उखुद्गेजु) गिर पड़े। उन (मोन्) सिंहो ने कूद कर (ओसुर्गोद्) व्याघ्रो को पकड़ कर मार डाला। प्रातः (ओलुंगे) होने पर पुण्य चैत्य को भूमि से निकाल कर सब दिशाओ में बखेर दिया (साछवासु)। टूटे (एब्देग्सेन्) पर्वत अपने अपने स्थान (ओरोन् ओरोन्) पर खड़े हो गये (बोल्बाइ)। विध्वस्त नगर और घर पहले से (उरिदासा) अधिक (उलेम्जि) सुन्दर बन गये। मूर्छित (उखुद्गेग्सेन्) प्राणियो में ज्ञान (वेलो बिलिग्) उत्पन्न हुआ और वीरता के विचारो का उद्भव हुआ (एगुस्खेल्दुवेइ)।

*विक्रमादित्य नगर से निकला* और एक पुरुष को बुलाकर अपने साथ लिया और कहा—कलश राजा तथा अन्य सब एकत्र होवें। राजा प्रभृति रानी बच्चे इकट्ठे हुए तो सब ने असुरो की हड्डियो को देखा और भयभीत हो गये। विक्रमादित्य ने कहा—मत डरो। इन हड्डियो से तिगुनी (गुर्वान् दाब्खुर) प्राचीर (खेरेम्) बनाओ (वारि)। यह कहने पर तिगुनी

— 10 —

[illegible]

— 11 —

[illegible]

-- खेरेम् वारिवा। खोयिना थेरे खागान्। खाथुन् वुगुदेगेर् इरेगेद्। विर्कमिजिद् थुर् मोगु जु। आइ वोग्दा इयेगेल् मान् इ जोवालाड आद्धा आगुरावाइ। वोग्दा छिनु जालिग् आद्धा उलुथेले वू दावासुगाइ गेजु खामुग् इयेर् सोगुद्दुगेद्। आइ वोग्दा आलि गाजार् आद्धा इरेसेन् वुगुगे। खामिगा सागुलु वोन्वा गेजु आयिलाद्खाग्मान् दुर्। खागान् जालिग् वोलोरुन्। विगद्दरस्व खागान् उ खोनेगुन् विर्कमिजिद् गेग्धि वुलुगे। मान् उ गाजार् एने वुइ। एव्देरेल् वोलुग्सान् उ थुला। दुथागाजु ओछिग्सान् वुलुगे। थेरे खागान् खाराछुस् वुगुदेगेर् येखे वायारखुलाड वोलुगाद्। वोग्दा एजेन् इयेन् ओन्वाइ गेजु नागुर् दालाइ मेथु येखे खुरिम् वेलेदुगेद्। विर्कमिजिद् इ शिरेगेन् देगेरे गार्गाजु वुगुदेगेर् जिर्गान् सागुवाइ मिनु वोग्दा खागान्। थेयिमु जोवालाड थु आमिथान् इ जिर्गागुलुन् यावुग्सान्। थेयिमु रिदि खुबिल्गान् थु वुइ जा। छि थेरे मेथु वुसु यिन् थुला। सागुजु ढुलु वोलुमुइ।
सारि गेवे। आराजि वोजि खागान् गेर् थेगेन् खारिवाइ।

प्राचीर वनाई।

पीछे राजा रानी सब आए और विक्रमादित्य को नमस्कार करके कहने लगे—हे महात्मन्, नाथ, आपने हमको आपत्ति से बचाया है। महात्मन्, हम आपके वचनो को मरने तक कभी न टालगे (दावासुगाइ)। यह कह कर सबने घुटने टेके (सोगुद्दुगेद्) और पूछा—हे भगवन् आप किस देश से आए है। आप कहा रहते है। राजा ने उत्तर दिया—मैं विक्रमादित्य नामक गन्धर्व-राजपुत्र हू। मेरा यही देश है। विध्वस (एव्देरेल्) होने के कारण हम भाग गए थे। राजा और प्रजा (खाराछुस्) सब बहुत प्रसन्न हुए और बोले—हमको अपना महात्मा स्वामी मिल गया है। यह कह कर भील (नागुर्) और समुद्र के समान बडा उत्सव रचा। विक्रमादित्य को आसन पर बिठा कर सब सुखी रहने लगे (जिर्गान् सागुवाइ)।

मेरा महात्मा राजा इस प्रकार दु खी प्राणियो को सुखी करता था। उसकी ऐसी ऋद्धि और सिद्धि थी। तुम उसके समान नही हो। इसलिये तुम नही बैठ सकते। लौट जाओ (खारि) इति (गेवे) राजा भोज अपने घर लौट गया।

वासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन्

आराजि बोजि खागान् । वासा निगेन् सारा बोलुग्सान् उ खोयिना । निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए इरेगेद् । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुलुन् । बरिये विशिगूर् थाथागाद् । छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्छु आराजि बोजि खागान् शिरेगेन् देगेरे गारुया खेमेखुइ दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेग्रन् । मिनु उगे यि सोनुस् । छि गार्छु उलु बोल्खु । मिनु बोग्दा विर्कामिजिद् । थेदेगेर् उलुस् इ एजेलेगेद् । निगेन् येखे नागुर् थोग्थागा गेजु जार् खेलेबे । खेलेग्सेन् दुर् । बोग्दा दुर् । खुछु बेन् ओग्गुये गेजु । खेउखेद् एछे देगेग्शि एरे एमे उगेइ बुगुदे छुग्लागाद् इरेजु । निगेन् येखे गोओल् बुलुगे । थेरे गोओल् इ बोगु आ खेमेन् जालिग् बोलुग्सान् दुर् । वुगुदेगेर् थेरे गोओल् इ शिरुइ छिलागुन् इयार् बोगुजु याबुथाला । थेरे उसुन् उलाम् देगेग्शि देल्गेजु याबुखुइ दुर । थेरे बोग्दा विर्कामिजिद् । नागुर् थोग्थागाखु खेम्जिये यि उजेये गेजु । शालु यि दागागुल्जु । निगेन् थोलुगाइ देगेरे गार्छु खारावासु । थोग्थागाखु

आठवा अध्याय

फिर एक पुतली बोली

राजा भोज, फिर एक मास होने के पश्चात् एक शुभ दिन आ कर, स्वस्ति प्रतिष्ठा करा कर, शख (बुरिये) शहनाई (विशिगूर्) बजवा कर, झाझ (छाङ) ढोल (खेङ्गेर्गे) पिटवा कर (देलेद्छु), कहने लगा—मै सिहासन पर चढूगा । तब एक पुतली बोली—मेरे शब्दो को सुनो । तुम मत चढो । मेरे महात्मा विक्रमादित्य ने उन लोगो पर प्रभुत्व जमा कर, "एक बडे सरोवर की स्थापना करो (थोग्थागा)" ऐसा आदेश (जार्) दिया । आदेश देने पर बच्चो से ले कर ऊपर (देगेग्शि) तक, स्त्री पुरुष के भेद के बिना, सब ने इकट्ठे हो कर और आ कर कहा—महात्मा को हम अपनी शक्ति देंगे ।

वहा एक बहुत बडी नदी थी । राजा ने आदेश दिया—इस नदी को रोक लो अर्थात् बाध बनाओ (बोगु आ) । सब उस नदी को मिट्टी (शिरुइ) और पत्थरो से (छिलागुन् इयार्) रोकते जा रहे थे और उसका पानी और ऊपर (उलाम् देगेग्शि) फैलता जा रहा था (देल्गेजु याबुखुइ) । महात्मा विक्रमादित्य—सरोवर की स्थापना (थोग्थागाखु) के परिमाण (खेम्जिये) को देखू (उजेये)—इस विचार से (गेजु) शालु को साथ ले कर एक टीले पर (थोलुगाइ देगेरे) चढ़ा (गार्छु) और देखा तो (खारावासु) स्थापना (थोग्थागाखु)

— ᠘ —

— ᠙ —

६० खेम्जिये यि मेदेगेद् । साव्थागाइ दुर् जार् थार्खागावाइ । वायिथुगाइ खेमेजु लिङखुआ थारियाछिद्
लिङखुआ छाङदान् थारियाछिन् छाङदान् । थाला मोदुन् । वोदि मोदुन् । एल्देब् जिमिस् थु मोदुन् इ याछिन्
दालाइ यिन् जिखादु थारि खेमेन् जार्लागाद् । थेरे उलुस् इ खाराजु वायिवासु । थेदेगेर् उन् उलुस् उन्
दोथोरा । निगेन् खुमुन् उसु वेन् शाङखुलुगाद् । थेरे उसुब् उ उजुगुर् वुरि एछे
एल्देब् ओङ्गे यिन् जोगिस सागुगाद् । यावुखुइ छाग् थुर् निसुन् ओद्दुगाद् । सागुखुइ
छाग् थुर् दुर्खेरेन् इरेजु सागुगाद् । योग्था उगे वेर् सेगुंगेन् सागुखु वुलुगे । थेगुन् इ
खागान् उजेगेद् । शालु यि इलेगेवे । थेरे निगेन् एमे ऊ । ओखिन् ऊ आव्छु इरे
खेमेग्सेन् दुर् । शालु ओछिगाद् आव्छु इरेवेइ । थेरे एमे विर्कमिजिद्
थुर् मोगुंगेद् सागुवाइ । खागान् जालिग् वोलोरुन् ।
छि खेन् उ एमे वुलुगे । खादाम् एछिगे एखे छिनु खेन् वुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमे
खारिगु उगुलेरुन् । एछिगे एखे उगेगू यादागु खुमुन् वुलुगे । खादाम् एछिगे एखे ।
एरे मिनु जान्दाल्छि इजागुर् थु बूइ खेमेन् आयिलाद्साग्सान् दुर् । खागान् वि छिमायि आवुया
गेवे । थेरे एमे जोब् गेजु आयिलाद्खावासु । थेगुन् उ एरे यि आव्छु इरे खेमेवे ।

के परिमाण को जान गया । और पृथ्वी (खाव्थागाइ) पर आदेश (जार्) फैलाया (थार्खागावाइ)—रुक जाओ । कमल लगाने वालो (थारियाछिद्) से कमल, चन्दन लगाने वालो से चन्दन, तालवृक्ष, बोधिवृक्ष, नाना फल-वृक्ष, विशाल (याछिन्) सरोवर के तट पर (जिखा दु) लगाओ (थारि)—यह आदेश दिया । जब सब लोग देख रहे थे तो (खाराजु वायिवासु) उन लोगो के बीच मे एक स्त्री अपने केशो (उसु वेन्) को जूडा बना कर (शाङखुलुगाद्) आई । उसके प्रत्येक (वुरि) बाल के शिखर पर (उजुगुर्) नाना रग की मधुमखिया (जोगिम्) बैठी थी । चलते समय ये मखिया उड जाती थी (निसुन् ओद्दुगाद्) । बैठते समय गूज कर (दुर्खेरेन्) आ बैठती थी । पहेलियो (योग्था उगे) द्वारा चित्त को बहलाती रहती थी (सेगुंगेन् सागुखु वुलुगे) ।

उसको राजा ने देख कर शालु को भेजा । चाहे यह स्त्री हो चाहे कुमारी, इसको ले आओ । ऐसा कहने पर शालु गया और ले आया । वह विक्रमादित्य को नमस्कार करके बैठ गई । राजा ने कहा—तुम किस की स्त्री हो, तुम्हारे सास सुसर कौन हैं । स्त्री ने उत्तर दिया—मेरे पिता और माता दीन हीन पुण्य थे । मेरे सास और सुसर तथा मेरे पति चण्डाल (जान्दाल्छि) कुल के हैं । ऐसा निवेदन करने पर राजा ने कहा—मैं तुम को लूगा । स्त्री ने निवेदन किया—अच्छा ठीक है । राजा ने कहा—इसके पति को ले आओ ।

६१ एरे यि आवाछिराग्मान् दुर् । खाद् उद् वुगुदे छग्लाग्सान् दुर् । छिनु एमे यि वि आवुया मेमेग्सेन् दुर् । थेरे लुमुन् उगुलेहन् । यि वोग्दा एजेन् देगेन् वारिसुगाइ । एने इनु नादा एमे सेमेजु नेरेयिद्वेछु । नादा लुगा खानिलाजु यावुदाग् उगेइ वुलुगे खेमेन् आयिलादखाग्सान् दुर् । खागान् । नोयाद् थुर् जालिग् वोलोहन् । था नादुर् निगेन् ओखिन् इ ओग्गुमु खेमेन् गुयुग्मान् दुर् । निगेन् नोयान् । वि खेउखेन् इयेन् ओग्छु खुर्गेन् वोल्गासुगाइ खेमेन् आयिलादखावा । जोब्मियेजु खोयान् दुर् इयान् इरेगेद् येखे खुरिम् खिबेइ । सोनि खोनुखुइ दुर् । खाधुन् साग्रान् लुगा खाम्थु उलु नोयिर्सुग्राद् । छि नामायि साधुन् खिखु वोल्वासु । खोर्मुस्दा ध्डि यिन् देगेंदे निगेन् एर्देनि इयेर् वायिगुलुग्मान् खोया वुइ । थेगुन् इ उजेगेद् इरे । इरेग्सेन् खोयिना । छिनु गाथुन् वोलुमुइ गेवे । विकर्मिजिद् थेरे सोनि खोर्मुस्दा यिन् ओरोन् दुर् जोरिन् यावुवाइ । यावुथाला जागुरा । उम्दागासाजु छिलेगेद् । निगेन् थाला मोदुन् उ सेगुदेर् थुर् नोयिर्साजु खेन्येयेले । देगेरे इनु वार्खिरान् दागुन् गार्वाइ । आनुराग्छि उगेइ । निगुलेस्खुइ उगेइ । एने उखुल् एछे खेन् थोनिलाग्वु वुइ गेजु वायिखु दु ।

पति के लाए जाने पर और सब राजाओ के इकट्ठा होने पर विक्रमादित्य ने कहा—मैं तुम्हारी स्त्री को लेने लगा हू । इस पर पति ने कहा—मै अपने महात्मा स्वामी को भेंट करता हू (वारि-सुगाइ) । यद्यपि यह मेरी पत्नी कहलाती है, यह मेरे साथ कभी मिल कर (खानिलाजु यावुदाग्) नही रही (उगेइ वुलुगे) । ऐसा निवेदन करने पर राजा ने अपने सामन्तो को कहा—क्या तुम हम को एक लडकी दोगे (ओग्गुमु) । ऐसा मागने पर (गुयुग्सान् दुर) एक सामन्त ने निवेदन किया—मै अपनी लडकी दे कर जामाता (खुर्गेन्) बनाऊगा (वोल्गासुगाइ) । राजा ने मान लिया और अपने नगर मे जा कर महान् उत्सव रचा । रात को जब सोने लगे तो रानी राजा के साथ नही सोई (नोयिर्सुगाद्) । उसने कहा—यदि तुम मुझको अपनी रानी बनाना चाहते हो तो इन्द्रदेव के सामने रत्नो से बना जो नगर है उसको देख कर आओ । आने के पश्चात् तुम्हारी रानी बनूगी ।

विक्रमादित्य उस रात को इन्द्रलोक की ओर (जोरिन्) चला । जाते २ मार्ग मे (यावुथाला जागुरा) प्यास लगी (उम्दागासाजु), थक गया (छिलेगेद्) और एक तालवृक्ष की छाया (सेगुदेर्) मे सोने के लिये लेटा ही था (नोयिर्साजु खेब्येयेले) कि उसके ऊपर चिल्ला कर (वार्खिरान्) ध्वनि हुई । कोई रक्षक नही, दयावान् (निगुलेस्खुइ) नही । इस मृत्यु से कौन बचाएगा । इस पर (वायिखु दु)

[illegible]

१२ विर्कमिजिद् सेरेगेद् खारानासु । निगेन् ग्राबुरागु मोगाइ थाला मोदुन् ओगेदे आविरान् गाल्विङ्गा यिन् खेवुसेन् इ जाल्गिखु ओयिराधुग्सान् दुर् विलिग् उन् सेलेम् इयेर् दुम्दागुर् आनु थासु छाब्छिजु ओखिगाद् खेव्येयेले । गाल्विङ्गा एरे एमे खोयार् शिवागुन् इरेगेद् एल्देव् जिमिस् उमु आनाछिराजु । ग्वेवुसेन् दुर् इयेन् ओगुग्मेन् दु खेवुखेन् इनु उलु इदेन् उगुलेद्रन् । एने एदुर् ए उखुर् उन् एजेन् एछे आबुराग्छि एने सुमुन् दुर् ओग् । मान् इ जालिगसु खेमेन् इरेगसेन् निगेन् आबुरागु मोगाइ आद्या आनुरानाइ । येगुन् दुर् ओगुवेसु सायिन् बुइ जा खेमेग्सेन् दुर् थेरे गाल्विङ्गा शिवागुन् आनु । बोग्दा यिन् दर्गेदे इरेगेद् । एगेशिग् इयेर् दागुलान् सेरेगुलुग्सेन् दुर् । खागान् बोसुगाद् सागुवाइ । जिमिम् उसुन् इ बारिगाद् । उखुल् खुरुग्मेन् आमियान् इ आबुराग्छि बोग्दा था खेन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । वि विर्कमिजिद् गेग्छि खागान् वुलुगे । खोर्मुस्दा यिन् देर्गेदेखि एल्देब् एर्देनिस् इयेर् वायिगुरुग्सान् खोथा यि उजेरे ओद्मुइ गेबे । थेरे खोयार् गाल्विङ्गा शिवागुन् आइ एइमु बोग्दा लुगा उद्धाराल्दुवाइ खेमेगेद् बायालजि मोर्गुबेइ । थेरे गाल्विङ्गा उगुलेरुन् । थेरे खोयान् दुर् बखु उखुग्मेन् आमियान् बुइ ।

विक्रमादित्य जागा (सेरेगेद्) और देखा तो एक भीम (आबुरागु) सर्प (मोगाइ) तालवृक्ष के ऊपर (ओगेदे) चढ रहा था और कलविंक पक्षी के बच्चो को निगलने ही वाला था (जाल्गिखु ओयिराधु-ग्सान्) कि विक्रमादित्य ने तीक्ष्ण तलवार (विलिग् उन् सेलेम्) से उसको बीच में (दुम्दागुर्) से सर्वथा काट (थासु छाब्छिजु) छोडा (ओखिगाद्) । वह लेटा ही था (खेव्येयेले) कि कलविंक पति पत्नी दोनो पक्षी आए और नाना फल और जल ला कर अपने बच्चो को देने लगे । किन्तु बच्चो ने नही खाए और कहा—आज मृत्युपति से बचाने वाले इस पुरुष को दो । इसने हम को निगलने के लिये (जाल्गिखु खेमेन्) आए हुए एक भीम सर्प से बचाया है । यदि इसको दोगे तो अच्छा होगा । ऐसा कहने पर उन कलविंक पक्षियो ने महात्मा के पास आ कर मधुर ध्वनि से (एगेशिग् इयेर्) गा कर (दागुलान्) उस को जगाया (सेरेगुलुग्सेन्) । राजा उठ बैठा (बोसुगाद् सागुवाइ) । उस को फल और जल दिया और पूछा—मृत्यु के निकट पहुचे प्राणी को बचाने वाले महात्मा तुम कौन हो । इस पर विक्रमादित्य ने कहा—मैं विक्रमादित्य नामक राजा हू । इन्द्र के सामने नाना रत्नो से बनाए हुए नगर को देखने जा रहा हू (ओद्मुइ) इति । वे दोनो कलविंक पक्षी बोले—अहो, इस प्रकार (एइमु) के महात्मा से हम मिले हैं (उद्धाराल्दुवाइ) । यह कह कर वे प्रसन्न हुए और नमस्कार किया । वे कलविंक बोले—उस नगर मे सब मरे हुए प्राणी हैं ।

६३ थेन्दे यागुन् खिखु बुइ गेबे । खागान् जालिग् बोलोरुम् ओछिखु खेरेग् बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।
गाल्विङ्ग्रा शिवागुन् मिनु देगेरे उनु । वि खुर्गेसुगेइ गेबे । बिर्कामिजिद् इ उनुगुलुगाद्
याबुबाइ । निगे ग्शिन् जागुरा खुर्बे । थेरे खोया यिन् गादाना ग्गोयार् शिरेगे बुइ आजुगु ।
थेगुन् उ निगेन् इनु उलागान् । निगेन् इनु खोखे ओङ्गे थेइ शिरेगेद् बुइ दुर् । थेरे खागान् इ
वागुल्गागाद् । गाल्विङ्ग्रा खारिखुइ दागान् आइ बोग्दा । खामिगाशि याबुखुइ दुर् इयान् नामायि
सानान् दुराद्बासु । दारुइ दुर् बि इरेखु बुइ खेमेगेद् खारिबाइ । खागान् उलागान् शिरेगेन्
देगेरे गारुगाद् सागुबासु । ओग्थार्गुइ गाजार् बुखुन् ए उलागान् बोल्जु खागान् उ
बेये छु उव् उलागान् बोल्बाइ । खुमुन् आमिथान् खाराजु उलु बोल्खु थेयिमु गेरेल् थेइ
बोल्बाइ । खोखे शिरेगेन् देगेरे गार्वासु मोन् उरिद् योमुगार् बोल्वाइ । थेरे खोया यिन् खागाल्गा आनु खास्
बुयु । थेरे खागाल्गा वार् ओरोवासु दोयोरा आनु । छेछग् थु नागुर् छाड्दान् इयार् बुथुग्सेन् एल्देव्
जिमिस् थु ओइ मोदुन् बुलुगे । थेरे दोयोरा एल्देब् आरिया थान् गोरुगेसुन् इयेर् दुगुरुग्सेन्
एल्देव ओलान् शिवागुन् बुइ बुलुगे । खुमुन् आमिथान् इयार् दुगुरुग्सेन् बुयु । थेदे बुगुदे

वहा क्या करोगे । राजा ने कहा—मुझे जाने (ओछिखु) की आवश्यकता है (खेरेग् बुइ) । इस पर कलविक पक्षी ने कहा—मेरे ऊपर चढ जाओ (उनु) । मैं पहुचा दूगा (खुर्गेसुगेइ) । और विक्रमादित्य को चढाकर (उनुगुलुगाद्) चल दिया । एक क्षण मात्र मे (ग्शिन् जागुरा) वे पहुच गये ।

उस नगर के बाहर दो आसन थे । उनमे एक रक्तवर्ण और दूसरा नीलवर्ण आसन था । राजा को उतार कर (वागुल्गागाद्) कलविक पक्षी लौटते हुए कहने लगा—अहो महात्मन्, जिधर भी जाना हो (खामिगाशि याबुखुइ), मुझको स्मरण कर लेना । उसी समय (दारुइ दुर्) मैं आ जाऊगा । यह कह कर कलविक चला गया ।

राजा रक्तवर्ण सिहासन के ऊपर जब चढ बैठा तो आकाश और भूमि सब लाल हो गये । राजा का शरीर भी सर्वथा (उव्) लाल हो गया । इतना चमक वाला हो गया कि जन प्राणी उसकी ओर देख न सकते थे ।

जब वह नीले सिहासन पर चढा तो पहले के ही समान हुआ ।

इस नगर का द्वार हरितमणि का बना हुआ था । उसने द्वार मे प्रवेश किया तो अन्दर पुष्पवती झील थी । चन्दन युक्त, नाना फल युक्त, वन्य (ओइ) वृक्ष थे । इनमे नाना दातो वाले (आरिया थान्), वन्य पशु (गोरुगेसुन्) भरे थे और बहुत प्रकार के पक्षी थे । जन प्राणी भी भरे थे (दुगुरुग्सेन्) । वे सब

६४ ुखुग्सेन् बोलाइ । थेगुन् एछे छिनादु निगेन् आल्थान् खागाल्गा वुइ । थेरे खागाल्गा वार् ओरोगामु
एल्देव् एर्देनि वेर् नायिरागुलुग्सान् थाब्छाड देगेरे । ब्डि्स् उन् जोगेलेन् निमेगेन् खुब्छाद्
इयार् छिमेग्सेन् सेद्खिल् इ बुलियाखु मेथु गोओआ ुजेस्खुलेड ओखिन् । थेगुन् उ देर्गेदे
सेद्खिशि ुगेइ ओखिन् खुरियेलेग्सेन् । थेंदे बुगुदेगेर् उखुग्सेन् इ ुजेगेद् । खागान् येखेदे
गोमुदुजु । आइ एइमु ओलान् अमिथान् उखुखु यागुन् उ शिल्यागान् बोल्वा गेजु सानागाद् ।
गाल्विङ्गा शिबागुन् इरेखुले सायिन् विले गेजु सानायाला । थेरे शिबागुन् इरेवे । बिर्क्रमिजिद् उनुगाद् ।
ओर्दु खाशि दुर् इयान् खारिबाइ । खोथा दागान् खारिग्सान् दुर् । खाथुन् आनु ।
छि थेरे खोथा यि ुजेबेडु खेमेग्सेन् दुर् । ुजेगेद् इरेवे । थेरे आमियान् बुगुदे
उखुजुखुइ । यागुन् उ शिल्यागान् बोल्वा गेमेग्छे । खाथुन् आनु निर्वान् बोल्बाइ । थेंदेगेर्
खाद् उद् छोम् छुग्लाजु इरेगेद् । एइमु खेशिग् जायागान् ुगेइ बुयु गेजु बुगुदेगेर्
गाशिगुदान् गोमुदुबाइ । दोलुगान् खोनुग् बोल्याला बुयान् नोम् उइलेद्दुगेद् । बिकर्मिजिद्
खागान् वेर् थेरे गाल्विङ्गा शिबागुन् इ इरेखुले सायिन् विले गेजु सानावासु । शिबागुन् इयार् इरेगेद् ।

मरे हुए थे । इनसे परे जा कर एक स्वर्ण द्वार था । इस द्वार मे प्रवेश किया तो नाना रत्नो से निर्मित (नायिरागुलुग्सान्) आसन (थाब्छाड) पर दिव्य कोमल (जोगेलेन्) सूक्ष्म (निमेगेन्) वस्त्रो (खुब्छाद्) से अलकृत (छिमेग्सेन्) मनोहारिणी (सेद्खिल् इ बुलियाखु मेथु) सुन्दरी रूपवती कन्या थी । उसको अचिन्त्य (सेद्खिशि ुगेइ) कुमारिया घेरे खडी थी (खुरियेलेग्सेन्) । ये सब मरी हुई थी । इनको देख कर राजा बहुत दु खी हुआ (गोमुदुजु) । हाय, इतने बहुत से प्राणी मरने का क्या कारण (शिल्यागान्) है । और सोचा कि कलविक पक्षी आ जाए तो अच्छा हो । यह सोचा ही था कि पक्षी आ गया । विक्रमादित्य चढ गया और अपने महल (ओर्दु खाशि) मे लौट आया । नगर में लौटने पर रानी ने पूछा—तुमने उस नगर को देखा है क्या । राजा ने कहा—देख आया हू । वहा सब प्राणी मर चुके हैं । क्या कारण है । यह कहते ही (गेमेग्छे) उसकी रानी का निर्वाण हो गया । सब सामन्त इकट्ठे हुए—यह कैसा दुर्भाग्य है (खेशिग् जायागान् ुगेइ) । यह कह कर सब ने विलाप किया और शोक मनाया । सात दिन तक पुण्य (बुयान्) सस्कार (नोम्) किये ।

विक्रमादित्य राजा ने सोचा—यदि वह कलविक पक्षी आ जाए तो अच्छा हो । पक्षी आ गया ।

६५ मोन् मिवागुन् इ विक्रमिजिद् उनुग्राद् थेरे एर्देनि यिन् खोयान् दुर् इयान् यावुवाइ । सुरुगेद् साद्धा उुजेवेसु । थेरे आमियान् वुगुदे एदेगेजु वोसुम्मान् आजुगु । थेरे खास् सागाल्गा थार् ओरोनामु। इजागुर् उन् उुजेग्छि ओम्बिद् वुरिन् ए एदेगेस्सेन् इ विक्रमिजिद् उुजेगेद् । वामा थेगुन् एछे दोयोना उग्दि ओखिद् उुन् सागुखु खाशि दुर् खुर्वेसु । थेन्दे छेठेग् वोजिग्छि ओग्गिन् थेरिगुल्लेन् । ओलान् दासिनिस् इयार् ग्वुरियेलेगुल्जु ध्याड खेङ्गेगें देलेद्दुन् । वुरिये विशिगूर् थायाजु । ओलान् साथिखान् उनुर् थु छेछेग् उुद् इ वारिजु । ग्योग् दागुन् इयार् वोजिग्लेजु उग्पुन् इरेगेद् । खान् ग्योवेगुन् मिनु छिलेन् आल्जियाजु इरेवेउ । सेद्खिल् इयेन् जोगावाउ । वोग्दा आ आ ग्वेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् । ग्वागान् जालिग् वोलोरन् । ग्राल्यिक्ङ्गा शिवागुन् उ सुछुन् इयेर् छिलेल् उुगेइ इरेवे । खाथुन् इयान् निर्वान् वोलुग्मान् उ थुला । जोगावासु वार् सेद्खिल् दुर् जोग्विस् थु छिमायि उुजेगेद् । सेद्खिल् मिनु सेगुंवेइ खेमेसु दु । थेरे ओखिन् इयेर् खाग्रान् खोवेगुन् उु गार् आद्धा वारिगाद् । खाशि दुर् इयान् जालाग्राद् । उुलिगेर्लेशि उुगेइ । ध्छिस् उुन् याब्द्धाड देगेरे सागुल्गाजु । जागुन् आम्था थु इदेंगेन् इ वारिगाद् । थेरे ओखिन् एयिन्

उसी पक्षी पर विक्रमादित्य सवार हो कर अपने रत्नो के नगर में गया । पहुच कर एकाएक (साद्धा) देखा तो वे प्राणी सबके सब जीवित हो कर (एदेगेजु) उठ चुके थे । उस हरितमणि द्वार से प्रवेश किया तो देखा कि पूर्व की (इजागुर् उन्) देखी हुई (उुजेग्छि) सब लडकिया जीवित (एदेगेस्सेन्) हो गई हैं । फिर इससे अन्दर (दोयोना) पहले लडकियो के बैठने के महल मे पहुचा तो वहा पुष्प-नर्तकी कुमारी आदि, अनेक डाकिनियों से घिरी हुई थी । भाझ और ढोल बज रहे थे (देलेद्दुन्) । शख और शहनाई बज रहे थे (थायाजु) । अनेक सुन्दर सुगन्धित (उनुर् थु) पुष्पो को हाथ मे लिये (वारिजु) सगीत (ग्योग् दागुन्) के साथ नृत्य करती (वोजिग्लेजु) स्वागतार्थ (उग्पुन्) आई और बोली—मेरे राजकुमार थके (छिलेन्) मादे (आल्जियाजु) आये हो (इरेवेउ) क्या । मन दु खी है क्या (जोगावाउ) हे (आ आ) महात्मन् । यह निवेदन करने पर राजा ने कहा—कलविक पक्षी की शक्ति से थके विना (छिलेल् उुगेइ) आ पहुचा हू । अपनी रानी के निर्वाण होने के कारण दु खी था (जोगावासु) परन्तु (वार्) मनोमोहिनी (जोग्विस् थु) तुम को देख कर मेरा चित्त नया हो गया है (सेगुंवेइ) । इस पर वह लडकी राजकुमार के हाथ को पकड कर अपने महल मे निमन्त्रित कर (जालागाद्) ले गई। अतुल्य (उुलिगेर्लेशि उुगेइ) दिव्य आसन (याब्द्धाड) पर विठा कर (सागुल्गाजु) सौ स्वाद वाले (आम्था थु) भोजन उपस्थापित किये (वारिगाद्) । और वोली—

[illegible]

६९ उगुलेम्न् । आइ वोग्दा । वि खोर्मुस्दा यिन् ओखिन् वूलुगे । दोओरा छम्वुदिय् दुर्
ओछिग़ाद् । थाङ्‌ थायिमुङ्‌ खागान् उ खोयान् दुर् यावुजु ओलान् गेम् खिग्सेन् उ थुला ।
एछिगे मिनु नामायि वुरुगु वार् वोल्गाग़ाद् । यिथिन्ठु यिन् खुमुन् आमियान् दु दुरा थाइ वोल्वासु ।
माल् दुर् आदालि खुमुन् उ ओखिन् वोल्जु थारोसुगेइ । जान्दाल्छि खिगेद् । शिम्नुस् इजागुर्
थु । थेयिमु एरे दुर् । ओछि खेमेग्सेन् दुर् एछिगे यिन् जालिग् आछा उलु दावाखु यिन् थुलादा ।
थेन्दे मागु इजागुर् थु यिन् एमे वोलुग्सान् इयार् । थेन्दे छिनु खाथुन् एसे वोलुग्सान् उछिर्
थेरे थुगेद् । एदुगे आरिगुन् वेये यि ओलुग्सान् इयार् । वोग्दा छिमा दुर् उछारावाइ खेमेगेद् ।
दोलुगान् खोनुग् वोल्याला । वोजिग् छेङ्गेल् नागादुम् इयार् सेगुं गेजु । खागान् दुर् आयिलाद्खाग्सान्
आनु । मिनु एछिगे नामायि इरेग्सेन् इ मेदेगेद् । येखेदे खिलिङलेजु जोवागाखु वुइ जा ।
वोग्दा गेर् थेगेन् खारिखुला याम्वार् वोल्वा खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जालिग् वोलाध्न् । छिनु याम्वार् था ।
खेरेग् इ उजेगेद् खारिसुगाइ गेयेले । खार्मुस्दा थ्डि देर्गेदेखि थ्डि नेर् थुर् जालिग् वोलोध्न् ।
मिनु ओखिन् इरेजु गेनेम् । थेगुन् इ थुर्गेन् आ छु इरे खेमेग्सेन् दुर् । थ्डि नेर् इरेगेद् छेछेग्

हे महात्मन्, मैं इन्द्र की पुत्री हू । नीचे (दोओरा) जम्बुद्वीप मे जा कर (ओछिगाद्), थाङ थायि-सुङ राजा के नगर मे पहुची । वहा बहुत पाप (गेम्) किये । अत मेरे पिता ने मुझको दोष (वुरुगु) लगा कर (वोल्गागाद्) कहा—ससार के जन प्राणियो म तुम्हारा प्रेम है तो (दुराथाइ वोल्वासु) पशुओ के समान नर कुमारी के रूप मे तुम्हारा जन्म होगा । चण्डाल (जान्दाल्छि) और भूत (शिम्नुस्) कुल वाले (इजागुर् थु) पति के पास (एरे दुर्) जाओ (ओछि) इति । पिता का आदेश न टल सकने (दावाखु) के कारण मैं नीच कुल की पत्नी (एमे) बन गई । वहा तुम्हारी रानी न बन सकने का कारण (वोलुग्सान् उछिर्) भी यही है । अब (एदुगे) शुद्ध शरीर को पा लिया है । सो महात्मन् तुम को मिल गई हू (उछारावाइ) ।

सात दिन रात तक नृत्य (वोजिग्), क्रीडा (छेङ्गेल्), व्यायाम (नागादुम्) से प्रसन्न किया (सेगुं गेजु) और फिर राजा से निवेदन किया—जब मेरा पिता मुझको लौट आई हुई जानेगा तो बहुत रुष्ट हो कर (खिलिङलेजु) दण्ड देगा (जोवागाखु वुइ जा) । यदि महात्मा अपने घर लौट जाए तो कैसा रहेगा । इस पर राजा बोला—कुछ भी हो, घटना (खेरेग्) को देख कर ही लौटूगा । ऐसा कहते ही (गेयेले) इन्द्रदेव ने निकट के (देर्गेदेखि) देवताओ से कहा—मेरी लडकी आ गई है—ऐसा कहा जाता है । उसको शीघ्र (थुर्गेन्) ले आओ । सो देवता आए और पुष्प-

६७ वोजिन्धि यि जोदोग्सागार् आवाछ्गिसान् दुर् । खोर्मुस्दा ष्ङि जालिग् बोल्रोरुन् । एगुन् इ आवाछ्गिाद् गुरु खारा छिलागु वोल्गाजु ओखिग्युन् । निगेन् गाल्वा वोल्याला खेव्येयुगेइ । खेमेन् इरुगे खेमेग्सेन् दुर् । आवाछ्गिाद् थेरे योसुग्गार् खोलाबाइ । विक्रमिजिद् मेदेगेद् । बेलिग् उन् सेलेम् इ वेल्गे वेलिग् उन् वेलिगुन् इयेर् वेलिगुदेन् खोर्छादखागाद् । थेरे छिलागुन् इ मिखान् दुर् आदालि सायिथुर् थाथाजु राशियान् उ उसुन् दुर् एल्देव् एम् उद् इ खोलिगाद् । वुरिजु निगेन् छेछेग् थारिल्छावाइ । युर्गेन् इयेगेखु बोल्थुगाइ खेमेन् इरुगेल् थाल्विगाद् खारिजु इरेवेइ । उदेशि एर्गेजु उजेवेसु । निगेन् वाद्मा यिन् देगेरे । इजागुर् उन् बेये एछे उलेम्जि खेयुर्खेइ गेयिजु गिल्वेल्जु वायिखुइ यि उजेगेद् । ग्गार् एछेगेन् वारिल्छाग्गाद् । उगुं सुगुं एल्देव् एगेशिग् इयेर् उगुलेल्दुगेद् । वायास्खुलाङ थु सेद्खिल् इयेर् वायामुग्सागार् । ओर्दु खाशि दागात् खारिगाद् । आमुगुलाङ नुथुदा जिर्गान् सागुबाइ । थेदेगेर् ओखिद् इयेर् वायासुगाद् । खागात् । खाथुन् इ बोजिग् नागादुम् इयार् सेगुं गेवेइ । छेछेग् वोजिग्धि उगुलेरुन् । आ आ वोग्दा । मिनु एछिगे जोङ बेलिग् थेइ यिन् थुला । मेदेगेद् आवाछ्गिजु जोवागाखु बुइ

नर्तकी को पीटते हुए (जोदोग्सागार्) ले गये । इन्द्रदेव बोले—इसको ले जा कर (आवाछ्गिाद्) ठोस (गुरु) काला (खारा) पत्थर (छिलागु) बना कर (बोल्गाजु) छोड़ दो (ओखिग्युन्) और एक कल्प (गाल्वा) तक (बोल्याला) पड़े रहने दो (खेव्येयुगेइ) । यह (खेमेन्) शाप (इरुगे) देने पर वे उसको ले गये और उसको उसी प्रकार (थेरे योसुगार्) बना दिया । विक्रमादित्य को पता लगा । जादू की तलवार को ज्ञान के शाण (बेलिगुन्) पर रगड कर (बेलिगुदेन्) तीक्ष्ण किया (खोर्छादखागाद्) और उस पत्थर को मास के समान अच्छी प्रकार चूर्ण बना कर (थाथाजु), अमृत के जल में नाना औषधियों को (एम् उद् इ) मिलाया (खोलिगाद्) और दही के समान जमा कर (बुरिजु) एक फूल उगाया (थारिल्छावाइ) । और—शीघ्र (युर्गेन्) जीवित हो जाओ (इयेगेखु बोल्थुग्गाइ)—यह प्रार्थना (इरुगेल्) करके (थाल्विग्गाद्) लौट आया । जब सायं को (उदेशि) लौट कर (एर्गेजु) देखा तो एक पद्म (वाद्मा) के ऊपर पहले के (इजागुर् उन्) शरीर से अधिक (उलेम्जि) बढ कर (खेयुर्खेइ) चमकते (गेयिजु) दमकते हुए (गिल्वेल्जु) शरीर को पाया । हाथ से एक दूसरे को छू कर (वारिल्छाग्गाद्) मीठी २ नाना ध्वनियो (एगेशिग्) से एक दूसरे से बात की (उगुलेल्दुगेद्) और प्रसन्नता भरे चित्त से मुदित हो कर (वायासुग्सागार्) अपने महल मे लौट आए । शान्ति (आमुगुलाङ) तथा शाश्वत (नुथुदा) सुख से (जिर्गान्) रहने लगे (सागुवाइ) । कन्याएँ भी प्रसन्न हुईं । और राजा रानी को नृत्य क्रीडा द्वारा बहलाती रही ।

पुष्प-नर्तकी बोली—हे महात्मन्, मेरा पिता अदृश्य-ज्ञानी (जोङ बेलिग्) है । अतः जब उसको पता लगेगा तो मुझे ले जा कर (आवाछ्गिजु) फिर सताएगा (जोवागाखु बुइ जा) ।

६८ जा। ओर्दु खाशि दुर् इयान् ओगेदे बोल्खुला याम्बार् बुइ खेमेग्सेन् दुर्। विर्कमिजिद् जालिग् बोलोरुन्। वि निगेन् शिलुग् बोजिग् इ थेदुइ सुर्गासुगाइ खेमेगेद्। एर्थे उरिदा छाग् थुर्। विब्शि नेरे थु बुर्खान् छम्बुदिब थुर् इरेगेद्। नोम् उन् खुर्दुन् इ सायिथुर् ओछिगुल्जु बायिखुइ दुर्। थेरे छाग् उन् आमियान्। नाइमान् थुमेन् नासु थु बुलुगे थेरे बुर्खान् उ ओग्लिगे उन् एजेन् गेरेल् नेरे थु खागान् बुलुगे। दोलुगान् थुमेन् नासुन् उ छाग् थु निर्वान् बोलुया खेमेखुइ दुर्। थेरे गेरेल् नेरे थु खागान् बेर् थाङसुग् एर्गुगेद् खिनारि ध्विङ् यिन् एगेशिग् इयेर्। थेरे बुर्खान् इ माग्थाग्सान् दुर् बुर्खान् इयेर् नाइमान् थुमेन् सेगुदेर् नासुलाग्सान् बुलुगे। थेरे मेथु जिर्गुगान् गाल्बा बोल्थाला। मोन् खु थेरे बर्खान् दुर् थाङशुग् एर्गुगेद्। एसुआ यिन् एगेशिग् इयेर् बोजिग्लेन् माग्थागाद् जाल्बारिग्सान् दुर्। थेरे बुर्खान् इयेर्। छाग् थुर् इयान् नोम् उन् खुर्दुन् इ सायिथुर् ओछिगुलुग्सान् बुलुगे। थेरे छाग् थुर् ओग्लिगे उन् एजेन्। एने खोर्मुस्दा ध्विङ् बुलुगे। थेयिमु ओलान् शिलुग् उद् इयेर् माग्थागाद् जाल्बारिग्सान् दुर्। थेरे बुर्खाद् इयेर् बुगुदेगेर् बायासुग्सान् बुलुगे। थेयिमु यि बेन्। खोर्मुस्दा ध्विङ्

यदि अपने महल मे तुम चले जाओ तो कैसा होगा। इस पर विक्रमादित्य ने कहा—मै एक श्लोक-नृत्य (शिलुग् बोजिग्) मात्र (थेदुइ) तुमको सिखा देता हू (सुर्गासुगाइ)। पूर्व काल में विपश्यिन् (विब्शि) नामक बुद्ध जम्बुद्वीप मे आए और धर्म के चक्र का सम्यक् प्रवर्तन किया। उस समय के प्राणी ८० सहस्र वर्ष आयु के होते थे। उस बुद्ध का दानपति (ओग्लिगे उन् एजेन्) प्रकाश नामक राजा था। ७० सहस्र वर्ष आयु के समय में निर्वाण होना चाहता हू—यह कहने पर उस प्रकाश नामक राजा ने अमूल्य उपहार (थाङसुग्) दिये (एर्गुगेद्)। किन्नर देवो की ध्वनि (एगेशिग्) से बुद्ध की स्तुति की (माग्थाग्सान् दुर्)। तब बुद्ध ८०,००० वर्ष की आयु तक (सेगुदेर्) जीवित रहे (नासुलाग्सान् बुलुगे)। इस प्रकार छ कल्प बीत गये। उन्ही बुद्धो को अमूल्य उपहार देते रहे। ब्रह्मा (एसुआ) की ध्वनि से नृत्य किये, स्तुति की और हाथ जोडे (जाल्बारिग्सान् दुर्)। बुद्ध ने समय पर धर्मचक्र का सम्यक् प्रवर्तन किया। उस समय के दानपति यह इन्द्रदेव थे। इस प्रकार बहुत श्लोको द्वारा स्तुति प्रार्थना करने पर बुद्ध सब के सब सन्तुष्ट हुए। उस रूप वाले अपने आपको इन्द्रदेव

९६ जिर्गाल् दागान् दाशिगुर्गाद् मार्थाग्सान् वुइ । एगुन् इ सानागुल्जु दुराद्नामु । वायासखु वुइ जा खेमेगेद् । दोलुगान् खोनुग् वोल्याला । बोजिग् इयेर् सुर्गावाइ । छेछेग् बोजिग्छि थेरिगुलेन् । दागाल्या ओखिद् थुर् आनु । विक्रमिजिद् जालिग् बोलोरुन् । थान् इ वासा आवाछिवुइ दुर् । वि उरिद् निगेन् सोनुसुग्मान् शिलुग् वुइ वुलुगे । आखाइ दुर् एगुन् इ वारिसुग़ाइ खेमेगेद् । यागाछुं बोजिग्ले । वि दागाजु ओछिन्छासुगाइ । थेरे ग्धोर्मुस्दा ध्डि़् वायासुगाद् । छिमायि माग्थाखु वुइ । वायासुग्सान् उ थुला । छिमा दुर् एर्देनिस् उन् एरेखे । बेलगे बेलिग् उन् वुलेजेगे । थेयेम् थु माल्गा खुजुगुब्छि । वागुब्छि । सुगुब्छि । एर्देनिस् उन् माद्जिल्गा छिमेग् उद् इ वुरिन् ए ओग्गु वुइ जा । थेरे माल्गा । एरेखे वुलेजेगे । थेदे वुगुदे यि छिमा दुर् ओग्वेसु । छि नादुर् ओग्छु वायिथुगाइ खेमेन् सुर्गाजु वायिथाला । ध्डि़् नेर् इरेगेद् । थेरे ओखिन् इ उरिद् योसुगार् आवाछिग्सान् दु । खोर्मुस्दा ध्डि़् जालिग् वोलोरुन् । था एगुन् इ आवाछिगाद् खागान् दुर् आयिलाद्खा । निगेन् गाल्बा वोल्याला । वू गार्गा गेजु जाखिजु ओग् गेवे । छेछेग् बोजिग्छि । एछिगे देगेन् एयिन् उगुलेरुन् । आखाइ यिन् जालिग् आछा दावाजु उलु वोल्खु यिन् थुला । ओछिमुगाइ खेमेगेद् । एर्थे उरिदा निगेन् शिलुग् सोनुसुग्सान् वुलुगे ।

भोग विलास मे (जिर्गाल् दागान्) मग्न हो कर (दाशिगुर्गाद्) भूल गये हैं (मार्थाग्सान् वुइ) । उसका स्मरण (सानागुल्जु) दिलाने पर (दुराद्वामु) वह बहुत प्रसन्न होंगे । सात दिन रात नृत्य सिखाया । पुष्प-नर्तकी और अनुचरी दासियो को विक्रमादित्य ने कहा—जब तुमको फिर लेने आए तो कहना—हमने पहले एक श्लोक सुना है । सो गुरुजन को भेट करती हू । यह कह कर गति से (यागाछुं) नाचने लगना (बोजिग्ले) । मैं तुम्हारे पीछे २ (दागाजु) आऊगा (ओछिन्छासुगाइ) । इन्द्रदेव प्रसन्न होंगे । तुम्हारी स्तुति करेंगे । प्रसन्न होने के कारण तुमको रत्नो की माला, ज्ञान की अगूठी (वुलेजेगे), मकुट (थेयेम्) वाली (थु) टोपी (माल्गा), गले का हार (खुजुगुब्छि), कक्ण (वागुब्छि), अगद (सुगुब्छि), रत्नो का वडा हार (माद्जिल्गा) और अनेक अलकार (छिमेग्) पूरे पूरे (वुरिन् ए) देंगे । जब टोपी, माला, अगूठी, सब तुमको देंग तो तुम मुझको देते रहना (ओग्छु वायिथुगाइ) । जव वह यह शिक्षा दे रहा था तव देवता आ गये और लडकी को पूर्व के समान ले गये । इन्द्रदेव ने आदेश दिया—तुम इसको ले जाओ और राजा को कह दो कि एक कल्प तक वाहर न निकलने दे । यह समझा दो (जाखिजु ओग्) । पुष्प-नर्तकी ने अपने पिता से कहा—पिता का आदेश टाला नही जा सकता । अत जाऊगी (ओछिमुगाइ) । पूर्व काल मे मैंने एक श्लोक सुना था ।

[illegible]

१०० थेगुन् इयेन् उगुलेसुगेड़ सेमेरेइ। विक्मिजिद्। वासा ओग्निद् उन् छिमेग् इयेर् छिमेग्सेन् युगेद्। जेगें वेर् बोजिग्लेन् माग्याग़ामु म्योर्मुस्दा ग्यिङ् वेर् येखेंदे बायासुग्गान् दुर्। ग्यामुग् ग्यिङ् नेर् इयेर् सोगुदुगेद् गायिखाल्छावाइ। ग्योर्मुस्दा ग्यिङ् वेर् जालिग् बोलोरुन्। एर्ये उरिदा छाग् थुर्। थेरे ओलान् बुर्खाद् इ बायास्गाग्सान् उ थुला। ग्यिङ्स् उन् एर्खे थु खागान् बोऽलुग्गा। एर्येन् उ थेरे याबुदाल् युगान् मार्यांग्सान् बुइ जा ग्येमेजु। एयिमु गायिग्वाग्शिग् थु खेउखेन् इयेन् जोग़ागाग्मान् मिनु बुरुगु बोल्वाइ गेजु आयिलादुगाद्। एर्देनिर् उन् एर्खे बेन् खायिर्लावा। थेरे एरेग्वे यि विक्मिजिद् थुर् ओग्वेइ। वासा दागुलाखुइ दुर्। खोर्मुस्दा येखेंदे बायासुग़ाद्। जालिग् बोलोरुन्। वि एर्ये गान्वा उद् उन्। थेरे बुर्खाद् इ बायास्खान् उइलेदुग्सेन् बुलुगे। थेयिमु यि मार्याल् उगेइ बाजिग्लेसेन् दुर्। वि बायार्लागाद्। ओग्लिगे ओग्गुमुइ गेजु। बुसु ग्यिङ् नेर् थुर् जालिग् बोलुगाद्। थेयेम् थु माल्गा बान् खायिर्लाग़ाइ। थेरे माल्गा यि मोन् विक्मिजिद् थुर् आग्वेइ। वामा बोजिग्लेग्सेन् दुर्। ग्योर्मुस्दा जालिग् बोलोरुन्। एने ग्येउखेन् गिनु एयिमु वेल्गे वेलिग् थु गेजु माग्थागाद् बुलेजेगे बेन्

उसको मैं सुनाऊगी।

विक्रमादित्य लडकियो के अलकारो से अलकृत था और साथ साथ (जेगें वेर्) नाच (बोजिग्लेन्) और स्तुति कर रहा था। इन्द्रदेव बहुत प्रसन्न हो गये। सब देवताओ ने घुटने टेक दिये (सोगुदुगेद्) और चकित हो गये (ग़ायिखाल्छावाइ)। इन्द्रदेव बोले—पूर्वकाल मे बहुत बुद्धो को प्रसन्न करने के कारण मैं देवताओ का राजा इन्द्र बन गया। पूर्वकाल के अपने इस चरित्र (याबुदाल्) को मैं भूल चुका था (मार्यांग्सान् बुइ जा)। ऐसी अद्भुत अपनी लडकी को मैंने सताया सो मेरी भूल (बुरुग) है। यह कह कर अपनी रत्नो की माला उसको दे दी (खायिर्लावा)। उसने माला विक्रमादित्य को दे दी। फिर गीत गाया (दागुलाखुइ दुर्)। इन्द्र बहुत प्रसन्न हुआ और कहा—मैने पहले कल्पो के बुद्धो को प्रसन्न किया था। उसी को भूले बिना (मार्याल् उगेइ) नाचने पर मैं सन्तुष्ट हो कर दान देता हू (ओग्लिगे ओग्गुमुइ)—यह सब देवताओ से कहा और मकुट वाली टोपी दे दी। उस टोपी को भी उसने विक्रमादित्य को दे दिया। फिर नाचने पर इन्द्र ने कहा—यह मेरी पुत्री इतनी ज्ञानवती है। इस प्रकार प्रशंसा करके अपनी अगूठी

१०१ वासा ओग्बेइ आवुगाद् । विर्कमिजिद् थु ओग्बेइ । एल्देव् एगेशिग् इयेर् छेङ्गेग्सेन् दुर् ।
सोर्मुस्दा ष्ङि । एगुन्छे खोयिशि बि वायिसुगाइ खेमेगेद् । एल्देव् ओग्लिगे ओग्गुगेद् । थेरे वोजिग्लेग्छि
खेउखेद् इ खोर्मुस्दा ष्ङि सारावासु । विर्कमिजिद् उन् मालगा एरेखे जेगुग्सेन् इ उजेगेद् ।
एने यागुन् खुमुन् बुइ खेमेवेसु । एने विर्कमिजिद् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोर्मुस्दा ष्ङि ।
आइ वोग्दा । यागुन् उ थुला । ओगेदे बोल्बाइ खेमेगेद् मोर्गुग्सेन् दुर् । विर्कमिजिद् याम्बार् वा ।
उछिर् इयान् देलोरेङगुइ जालिग् बोलग्सान् दुर् । खोर्मुस्दा मेदेग्सेन् उगेइ खेमेगेद् ।
शिरेगेन् देगेरे जालागाद् । यागुन् खेरेग्लेखु बुगेसु जालिग् बोलुग्थुन् खेमेग्सेन् दुर् । खेउखेन्
खिगेद् । शिरेगेन् इ छिनु गुयुमुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । आइ बोग्दा दुर् वारिमुगाइ खेमेगेद् । गुछिन्
सोयार् मोदुन् खुमुन् इयेर् खुरियेलेग्मेन् शिरेगे खिगेद् । खेउखेन् इयेन् वारिबाइ ।
वोग्दा विर्कमिजिद् । गाल्विङ्गा शिवागुन् इरेस्नुले सायिन् बुलुगे गेजु सानामाग्छा । थेरे
शिवागुन् इयेर् खुछुं इरेग्सेन् दुर् । थेरे शिरेगेन् इ गाल्विङ्गा यिन् देगेरे थाल्विगाद् ।
खागान् । खाथुन् शिरेगेन् देगेरे सागुजु । ओर्डु खाशि दुर् इयान् ओगेदे बोलुन् इरेबे ।

दे दी । उसने ले कर विक्रमादित्य को दे दी । नाना ध्वनि से सन्तुष्ट होने पर (छेङ्गेग्सेन् दुर्) इन्द्रदेव ने कहा—इसके पश्चात् मैं रुक जाता हु (वायिसुगाइ) । यह कह कर नाना उपहार दिये । नर्तकी पुत्री की ओर जब इन्द्रदेव ने देखा तो (खारावासु) विक्रमादित्य को टोपी, माला और अगूठी पहने पाया । और पूछा—यह कौन है । कहा—यह विक्रमादित्य है । इन्द्रदेव ने पूछा—हे भगवन् आप कैसे पधारे हैं (ओगेदे बोल्बाइ) । यह कह कर नमस्कार किया । विक्रमादित्य ने सब घटनाओ को विस्तारपूर्वक सुनाया । इन्द्र ने कहा—मुझे पता न था । यह कह कर सिंहासन पर निमन्त्रित किया (जालागाद्) और कहा—जो कुछ आवश्यक्ता हो (खेरेग्लेखु बुगेसु) आदेश दो । विक्रमादित्य बोला—आपकी पुत्री और सिंहासन की प्रार्थना करता हू (गुयुमुगाइ) । इस पर इन्द्रदेव बोले—हे महात्मन् मैं तुमको देता हू । यह कह कर ३२ पुतलियो से जटित सिंहासन और पुत्री को दे दिया ।

महात्मा विक्रमादित्य ने सोचा कि कलविंक पक्षी का आ जाना अच्छा होगा । पक्षी आ पहुचा । उस सिंहासन को कलविंक के ऊपर रखा । राजा और रानी सिंहासन के ऊपर बैठे और अपने महल में आ पधारे (ओगेदे बोलुन् इरेबे) ।

[illegible]

---

[illegible]

[illegible]

२०२ ग्रालाशा खागान् थेरिगुलेन्। ओलान् खाद् इयेर् । एल्देव् खुरिम् इ बेलेद्वेइ। ध्ङि स् उन् खुरिम् इयार् खुरिम्लावाइ । खुरिम्लाजु दुगुरुम्सेन् उ खोयिना । बुगुदेगेर् थार्खावाइ । विर्कमिजिद् उन् योसुन् आनु । खोयान् दुर् गुर्वान् जिल् सागुजु । थाला दुर् गुर्वान् जिल् यावुजु । थाला यिन् आमिथान् इ थुसालाखु । आगुलान् दुर् गुर्वान् जिल् यावुजु । आगुला यिन् आमिथान् इ थुसालाखु। थेयिमु योसु यावुदाल् इ थार्खागावाइ । मिनु थेरे बोग्दा विर्कमिजिद् । थेरे मेथु आउगा खुछु थु बुलुगे । विर्कमिजिद् । खोर्मुस्दा यिन् ओरोन् आछा । छेछेग् बोजिग्छि ओखिन् खिगेद् । गुछिन् खोयार् मोदुन् खुमुन् इयेर् खुरियेलेग्सेन् शिरेगेन् वागुल्गाजु आबुग्सान् इ निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् उलिगेर् बोलाइ ।

कलश राजा और अनेक राजाओ ने नाना उत्सव रचे और दिव्य उत्सव द्वारा विवाह किया (खुरिम्ला-वाइ) । विवाह उत्सव की समाप्ति के पश्चात् (दुगुरुम्सेन् उ खोयिना) सब अपने अपने घर चले गये (थार्खावाइ) । विक्रमादित्य ने नियम बनाया—अपने नगर में तीन वर्ष रहना । स्थल प्रदेश (थाला) में तीन वर्ष चलना, स्थल देश के प्राणियों का हित करना । पर्वत प्रदेश मे तीन वर्ष फिरना और पर्वत प्रदेश के प्राणियो का हित करना (थुसालाखु) । इस नियम चरित की घोषणा की (थार्खागावाइ) ।

यह मेरा महात्मा विक्रमादित्य इस प्रकार विशाल शक्तिशाली था । यह विक्रमादित्य के इन्द्रलोक से पुष्प-नर्तकी पुत्री और ३२ पुतलियों से जटित सिंहासन को उतार कर (वागुल्गाजु) लाने की (आबुग्सान्) एक पुतली की कही कहानी हुई ।

*वासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।*

आराजि वोजि खागान् । वासा निगेन् एदुर् ए इरेगेद् । थेरे मोदुन् खुमुन् एछे । बिर्कामिजिद् उन् । आमिथान् इ खेर् थुसालाग्मान् इ जालिग् बोलुन् सोयोर्खा खेमेग्सेन् दुर् । वासा निगेन् मोदुन् एयिन् उगुलेरुन् । मान् उ थेरे
बोग्दा खागान् उ आर्शि यिन् आदिस्थिद् इयार् । दिलावा । योगि खोयार् उन् योगि आनु ब्लामा बोलुगाद् । खोयागुला एल्देब् एर्देम् इ थेगुस् सुर्वाइ । थेरे खागान् दुर् नायियाङगुइ सेद्खिल् थोरोजु । दिलावा दुर् एयिन् उगुलेरुन् । एने खागान् उ उग् आनु खाराछु बोलुगाद् । आर्शि ब्लामा यिन् आदिस्थिद् इयार् । बिदे गुर्वागुला आदालि वुलुगे । एने मान् आछा देगेरे बोल्बा । एगुन् दुर् बिदे खोओर् उइलेदुगेद् । बिदे शू ओर्खिजु । निगेन् बिदेन् इ खागान् बोलुया । निगेन् बिदेन् इ थोरु यि बारिग्छि थुशिमेल् बोलुया खेमेग्सेन् दुर् । दिलावा उगुलेरुन् । योगि । थेयिमु खोओर् थु सेद्खिल् इ वू एगुस्खे । एने बोग्दा खागान् आनु नारान् दुर् आदालि ।

## नवा अध्याय

### एक और पुतली की कथा

राजा भोज फिर एक दिन आया और पुतली से कहा—विक्रमादित्य ने प्राणियो का किस प्रकार (खेर्) हित किया, यह बताने की कृपा करो (सोयोर्खा) ।

पुतली बोली—हमारे इस महात्मा राजा के ऋषि के प्रसाद (आदिस्थिद्) से, तैलप और योगी, इन दोनो मे से योगी लामा बन गया । दोनो ने नाना गुणो को पूर्ण रूप से (थेगुस्) सीखा । राजा के प्रति ईर्ष्या (नायियाङगइ) के विचार उत्पन्न होने पर योगी ने तैलप को कहा—इस राजा का मूल्य (उग्) सामान्य (खाराछु) है । ऋषि लामा के प्रसाद से हम तीनो समान थे । यह हमसे ऊपर हो गया है । इसको हम हानि (खोओर) पहुचा कर (उइलेदुगेद्), पासा (शू) छोड कर (ओर्खिजु) हममे से एक राजा बन जाएगा और दूसरा शासन को (थोरु यि) धारण करने वाला मंत्री । तैलप ने कहा—योगी ऐसे दुष्ट (खोओर्) विचारो को मत (वू) उत्पन्न होने दो (एगुस्खे) । यह महात्मा राजा सूर्य के समान

१०४ दोर्वेन् थिन् इ गेयिगुडुन् छिदाग्थि एर्देम् थु दुइ। बिदे आनु गाड् थु गोरोखाइ दुर् आदालि। एने मागान् छासु थु आगुला थिन् आर्मालान् दुर् आदालि। छाग्लाशि उगेइ आउगा सुछु थु दुइ। बिदे गेर् ड्रन् खोखे नोखाइ दुर् आदालि। येयिमु जुछुग्येन् बुगेयेले। खोओर् थु मेद्गिल् सेर् जोग्खिखु दुइ गेवे। योगि आनु आगुर्लागाद् सुछुन् येग्ले थिन् थुलादा। दिलाबा थि ओइ थिन् दोयोरा निगेन् मोदुन् इयेर् मुलिजु ओंखिगाद्। मागान् दुर् निगेन् जिगासुन् इ खुविल्गागाद्। दोयोर् आनु ओग्यु एर्देनि खिजु एदुर् बुरि बारिदाग् बुलुगे। येरे जिगासुन् इ यानुन् खोओर् इयार् खुविल्गाग्मान् आजिगु। दोयोराखि एर्देनि इनु छिलागुन् बुलुगे। ओंग्गुग्सेगेर् निगेन् वायिशिड दुगुर्बेइ। येरे एर्देनि ओग्यु यासा निगेन् वायिशिड दुगुर्बेइ। योगि एथिन् सेद्खिरुन्। एथिमु खोओर् थुर् डुरु ड्रखु यागुन् उ जिग् बोल्वा गेजु मानागाद्। निगेन् आर्गा बार् आलामुगाइ सेमेजु। निगेन् शावि युगान् सागान् दुर् इलेगेवेइ। इलेगेख़ु देगेन् एथिन् जाखिरुन्। मागान् छि मिनु ओंग्लिगे थिन् एजिन् बुलुगे। बि छिनु ब्लामा आसान् थुला। ओनो ए सानि मान् उ गेर् थु ओंगेदे बोल्जु इरेयुगेइ गेजु खेले सेमेन् जाग्खिगाद् इलेगेवेइ।

चार द्वीपों को प्रकाशित (गेयिगुलुन्) कर सकने वाला (छिदाग्थि) गुणवान् है। हम अग्निकीट जुगनू (गाड थु खोरोखाइ) के समान हैं। यह राजा हिमाचल (छासु थु आगुला) के सिंह के समान अचिन्त्य महाशक्तिमान् है। हम घर के काले कुत्ते (खोखे नोखाइ) के समान हैं। इतने छोटे होते हुए हमारे दुष्ट विचार किस प्रकार (गेर्) ठीक हो सकते हैं। योगी रुष्ट हो गया और अधिक शक्तिशाली होने के कारण तैलप को जगल के अन्दर एक वृक्ष से बाध कर (खुलिजु) छोड गया। एक मछली बना कर (खुविल्गागाद्) उसके अन्दर एक हरा रत्न (ओग्यु एर्देनि) डाल कर (खिजु) राजा को प्रतिदिन उपहार देने लगा (बारिदाग् बुलुगे)। यह मछली पाच विषा (खोओर्) से बनाई गई थी। इसके अन्दर का (दोयोराखि) रत्न पत्थर था। देते २ (ओंग्गुग्सेगेर्) एक घर भर गया। हरे रत्नो से एक और घर भर गया (दगुर्बेइ)। योगी ने सोचा—इतने विषा से नही मरा, क्या कारण (जिग्) है। यह सोच कर एक चतुराई से मारूगा इति एक अपने शिष्य (शावि) को राजा के पास भेजा। भेजते समय (इलेगेखु देगेन्) यह समझाया (जाखिरुन्)—राजन्, तुम मेरे दानपति हो। मैं तुम्हारा गुरु हू। अब आज रात मेरे घर पधारिये (ओंगेदे बोल्जु इरेयुगेइ)—यह कहो (गेजु खेले)। यह (समेन्) समझाकर (जाखिगाद्) भेज दिया।

१०५ थेरे खुमुन् खुरुगेद् । खागान् दु आयिलाद्गाग्मान् दुर् । खागान् जोव् गेवे । थेरे मोनि खागान् उ ओद्खुइ दुर् । खायुन् आनु एयिन् आयिलाद्खादन् । खागान् सुमुन् गाग्छागार् सोनि देमेइ याबुदाग् विलिङ्ग । थेरे योगि ञुजेसुइ दुर् सायिखान् । ञुगे इनु जोगेलेन् । ञुनेन् इनु येखे खारा बुइ जा गेजु आयिलाद्खाग्मान् दुर् । खागान् जाल्गिग् वोलोदन् । यि ओनो ए गाग्छा सोनि याबुग्बुइ आछा वायियुगाइ । आगुला थाला दुर् गुर्वा गुर्वान् जिल् दुर् याबुसु छाग् थुर् । खेन् लुगे ग्वानिलाजु यानुदाग् बुलुगे । खागान् सुमुन् गाग्छा जाल्गिग् पु बुइ जा गेजु आयिलादुगाद् याबुबाइ । जागुरा मोर् देगेरे निगेन् खुमुन् दागुदावा । ञुजेन् गेखुले । दिलावा यि मोदुन् दुर् खुलिग् थेइ वायिसु यि ञुजेगेद् । छिमायि खेन् खुलिबे खेमेखु दु । दिलावा । योगि यिन् याम्वर् बा । उछिर् इ देलेगेरेङगुइ ए ञुगुलेगेद् । थेरे योगि उसुन् उ जिवा दुर् छिमायि खुलियेजु वायिनाम् । थेरे जोल्गोगाद् एयिन् ञुगुलेखु बुइ । छि खागान् बोल्वाछु । यिथिन्छु यिन् थोरु वारिग्सान् उ थुला बुजार् बुइ । ओखिन् ध्डि यिन् सुमे यि एर्गोंखु यिन् थुला । एने उसुन् दुर् ओरोजु । वेमे वेन् उगिया गेखु बुइ । एगुन् दुर् ओरो गेग्सुइ दुर् ।

वह मनुष्य आया और राजा से निवेदन किया । राजा ने कहा ठीक है ।

रात को राजा के चलते समय रानी ने कहा—राजा जन अकेले रात्रि को यू ही (देमेइ) जा सकते हैं क्या । वह योगी देखने में सुन्दर, उसके शब्द मधुर, किन्तु उसके बारे में सच यह है कि वह बहुत काला है । ऐसा कहने पर राजा बोले—मैं आज (ओनो ए) अकेला रात को जाऊंगा, यह तो क्या, पर्वत और स्थल प्रदेशो मे तीन २ वर्ष तक घूमते समय किसके साथ मिल कर गया हूं । राजा जन एक वचन वाला होता है । यह कह कर चला गया ।

बीच में (जागुरा) मार्ग पर (मोर् देगेरे) एक पुरुष ने बुलाया । देखा तो (ञुजेन् गेखुले) तैलप को वृक्ष मे बंधा (खुलिग् थेइ वायिखु यि) पाया । पूछा तुमको किसने बाधा है । इस पर तैलप ने योगी की सब बातो को (याम्वार् बा उछिर् इ) विस्तार से सुनाया । वह योगी जल के तट पर तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है (खुलियेजु वायिनाम्) । वह मिल कर (जोल्गोगाद्) कहेगा—यद्यपि तुम राजा हो, किन्तु ससार के शासन को धारण करने के कारण अपवित्र (बुजार्) हो । देवी के मन्दिर की प्रदक्षिणा (एर्गोंखु) के लिये इस जल में प्रवेश करके अपने शरीर का स्नान करो (उगिया) । इसके अन्दर प्रवेश करो—ऐसा कहेगा ।

[illegible]

[illegible]

१०६ उसुन् आनु इरुगार् उ्रगेइ गुंन् बुइ । खागान् छि योगि दु खेले । छि आरिगुन् छिनार् थु यिन् थुला । था उरिद् इयार् ओरो । वासा वि खोयिनाछा दागाग्मागार् ओरोसुग्राइ गेजु बू ओरो । वासा थेरे उसुन् आछा छागान् आ सुमे दुर् ग्युरुगेद् । छिमायि एमुने यावुजु एर्गि । वि छिनु ग्वोयिनाछा दागासुगाइ गेखु बुइ । थेगुन् दुर् वासा छि खेले । ब्लामा एमुने यावुग्यु बुइ जा । वि छिनु खोयिनाछा दागामुगाइ गेजु बू वोल् । खेर्वेर् एमुने यावुखु वोल्वासु । गुर्यान् खुगुस् ग्विग्सेन् इल्दु बुइ । थेरे इल्दु इनु खुमुन् एछे बायिथुगाइ । थेमुर् छिलागुन् दुर् उ्रलु थोर्खु बुइ । वासा सुमे दोथोरा ओरोगाद् । छिमायि उरिद् मोगुं गेखु बुइ । ब्लामा छि उरिद् मोगुं । वि खागान् उ थोर् यि वारिग्मान् उ थुलादा । शाशिन् उ योमु यि मेदेखु उ्रगेइ बुइ । छि उरिद् इयार् मोगुंगेद् । नादा जिगाजु ओग् । बि छिमायि दागुरियाजु मोगुंये गेजु खेले । छि उरिद् मोगुंबेमु । थेरे थिङ् दुर् बारिग्सान् निगेन् इल्दु बुइ । थेरे इल्दु बेन् आबुगाद् छिमायि छाब्छिवासु । थुदेल् उ्रगेइ छाब्छिग्यु बुइ । थेयिमु यिन् थुलादा उ्रलु मोगुंखु । थेरे सेलेम् इयेर् योगि यि छाब्छिजु आला । खेर्वेर् योगि यि

पानी अगाध (इरुगार् उ्रगेइ) गहरा (गुन्) है। राजन्, तुम योगी से कहना—तुम शुद्ध तत्त्व वाले हो (आरिगुन् छिनार् थु) अतः पहले प्रवेश करो, फिर मै पीछे मे अनुसरण करता हुआ प्रवेश करूगा। यह कहना और प्रवेश मत करना। फिर पानी से आगे (छागान् आ) मन्दिर के पास पहुच कर वह कहेगा—तुम सामने जा कर (एमुने यावुजु) परिक्रमा करो (एर्गि)। मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा। उसको फिर तुम कहना—लामा पहले तुम चलो, मै तुम्हारे पीछे पीछे आऊंगा। यह कहना और उसकी बात न (बू) मानना (वोल्)। यदि (खेर्वेर्) तुम आगे जाओगे तो तीन खण्डो (खुगुस्) से बनी तलवार है। उस तलवार को मनुष्य तो क्या लोहे का पत्थर भी नही रोक सकता (उ्रलु थोर्खु बुइ)। फिर मन्दिर में प्रवेश करने पर—तुम पहले नमस्कार करो—यह कहेगा। पर तुम कहना—तुम पहले नमस्कार करो। म राज शासन को धारण करने के कारण (बारिग्सान उ थुलादा) धर्म (शाशिन्) की विधियो को नही जनता। तुम पहले नमस्कार करके मुझको समझा दो (जिगाजु ओग्)। मै तुम्हारा अनुसरण करके नमस्कार करूगा। यदि तुम पहले नमस्कार करोगे तो देवता ने एक तलवार पकडी हुई है। यदि उस तलवार को ले कर वह तुमको काटेगा तो बिना रुकावट (थुदेल् उ्रगेइ) तुम कट जाओगे। अतः मत नमस्कार करना। उस तलवार द्वारा योगी को काट कर मार डालना। यदि योगी को

१०७ छाञ्छिजु एसे आनायामु । शाशिन् छिनु देलोरेमु जुगेइ वोलुगाद् । थोरु यि वारिजु ज़ुलु वोल्नु । ज़ुइले खेरेग् छिनु ज़ुलु वुथुस्सु । विदे सोयार् थाङगारिग् इयान् एब्देजु । नामायि मुलिजु सायागावाइ । आइ वोग्दा छि थेगुन् इ आला । एमे छिदावासु । थाङगारिग् एब्देरेगसेन् ज़ु थुला । थेरे इल्दु ओबेर् इयेन् सोदेल्जु योगि यि आलाग्सु वोल्युगाइ खेमेन् इरुगेर् ए थारिवगाद् । दिलावा यिन् आमिन् आनु थासुर्वाइ । विकमिजिद् मेब्वेदे गोमुदुगाद् छिनाग्दि यावुथाला । उसुन् उ जिग्ना दुर् योगि थाइ जोल्गोल्छायाइ । योगि । आइ वोग्दा सागान् छिनु इरेग्सेन् सायिन् । वायालविा गेद् । इनियेजु ग्रार् आछा इनु वारिजु । येरु सागान् सुमुन् शाशिन् इ वारिखुइ दुर् । ओग्गिन् थिङ् यि थासिसु खेरेग् थेइ । ओदो ओखिन् थिङ् दुर् मोगुंखु यिन् थुलादा । एने उसुन् दुर् ओरोजु उगिया खेमेग्सेन् दुर् । सागान् जालिग् वोलोरन् । आइ ब्लागा उरिद् ओरो । वि छिमा आछा उरिद् ओरोसु जुगेइ खेमेखुइ दुर् । ब्लामा ओबेर् इयेन् उरिद् ओरोवा । विर्कमिजिद् दोगोगुर् नि ओरोगाद् गार्छु ओछिवाइ । थेगुन् एछे छागान् आ सुमे दुर् गुरुगेद् । सागान् छि उरिद् यावुजु एगि । वि छिनु सोयिनाछा दागासुगाइ गेवे ।

काट कर न मारोगे तो तुम्हारे धर्म का प्रसार न होगा । राज्य को धारण न कर सकोगे । तुम्हारे कार्य (ज़ुइले) और उद्देश्य (खेरेग्) पूरे न होंगे (ज़ुलु वुथुखु) । हम दोनों ने अपनी प्रतिज्ञा (थाङगारिग्) तोड़ दी (एब्देजु) । वह मुझको बाध कर सुखा गया है (सायागावाइ) । महात्मन् तुम उसको मार डालो । यदि नही मार सकते तो प्रतिज्ञा भंग करने के कारण वह तलवार स्वंय हिल कर (सोदेन्जु) योगी को मार देवे (आलाखु वोल्युगाइ)—यह शाप (इरुगेर्) दिया ।

तैल्प के प्राण (आमिन्) टूट गये (थासुर्वाइ) । विक्रमादित्य ने बहुत विलाप किया (गोमुदुगाद्) और आगे (छिनाग्दि) चला । पानी के तट पर योगी मिला (जोल्गोल्छावाइ) । योगी ने कहा—हे महात्मन् राजन् तुम्हारा आना शुभ हो । मैं प्रसन्न हूं । यह कह कर हंसा और उसको हाथ से पकड़ लिया । साधारणतया जब राजा जन धर्म को ग्रहण करते हैं तो देवी की पूजा (थाखिखु) आवश्यक (खेरेग् थेइ) होती है । अब देवी की पूजा के लिये इस पानी मे प्रवेश कर स्नान करो । यह कहने पर राजा बोले—हे लामा, पहले तुम प्रवेश करो । मैं तुम्हारे से पहले प्रवेश नही करूगा । इस पर लामा ने स्वयं पहले प्रवेश किया । विक्रमादित्य नीचे से जा कर (दोगोगुर् नि ओरोगाद्) निकल गया (गार्छु ओ-छिवाइ) । वहा से आगे (छागान् आ) मन्दिर मे पहुंचे तो योगी बोला—राजन् तुम पहले जाकर परिक्रमा करो, मैं पीछे से तुम्हारा अनुसरण करूगा ।

१०८ खागान् एसे वोल्वा । वि एर्गेल् मेदेखु उगेइ यिन् थुलादा । छिनु खोयिनाछा दागामुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । योगी ओवेर् इयेन् उरिद् यावुगाद् सुमे यिन् दोथोरा ओरोजु । खागान् इ छि ओखिन् ध्दि, दुर् मोगुं गेखुइ दुर् । खागान् जार्लिग् वोलोरन् । वि यिर्थिन्छु यिन् थोर् यि वारिजु यावुग्मागार् । शाशिन् उ एर्गेल् मोगुंल् इ मेदेखु उगेइ बिशिउ । छि उरिद् मोगुं । वि छिमायि दागुरियाजु मोगुं मे खेमेग्वुइ दुर् । योगि खेव्येजु मोगुं वेइ । थेरे ध्दि, यिन् सेलेम् ओवेर् इयेन् ओसुछुं इरेगेद् । थोलुगाइ यि इनु थासुल्जु देलेद्वे । दारुइ दुर् निगेन् खेगुर् युर् ओरोगाद् । खागान् ओर्दु ग्वार्गि दुर् इयान् खारिवाइ । थावुन् खोओर् इयार् वुयुसेन् जिगासुन् इ थावुन् राशियान् वोल्गावाइ । छिलागुन् एर्देनि यि मोन् एर्देनि वोल्गाजु आदिस्लावाइ । थेरे जिगासुन् इयार् येखे खुरिम् खिवेइ । थेरे छिलागुन् एर्देनि वेर् ओग्लिगे ओग्वेइ । थेरे खागान् उ देर्गेदे गोओआ उजेस्खुलेङ थु निगेन् खोवेगुन् इरेग्सेन् दुर् । खागान् उजेगेद् । वायालजि आवुगाद् दागागुल्वाइ । निगेन् एदुर् खोयागुला निगेन् छेछेर्लिग् थुर् ओगेदे वोलुग्सान् दु । थेरे ओइ यिन् दोथोरा ओलान् थोथि छुग्लाग्सान् दुर् । थेदे निगेन् थोथि युगान् उग्येगेजु आलाग्मान् दुर् । खागान् उजेगेद् । आइ आ खोगेरुखुइ छि । एने थोथि ।

राजा न माना (एसे वोल्वा)— मैं परिक्रमा (एर्गेल्) करना नही जानता । अतः तुम्हारे पीछे अनुसरण करूंगा । इस पर योगी ने स्वयं पहले जा कर मन्दिर के भीतर प्रवेश किया । फिर राजा को कहा—तुम देवी को प्रणाम करो । इस पर राजा ने कहा— मै ससार के शासन को धारण करता हूं । अतः धर्म की परिक्रमा और नमस्कार को नही जानता । नही न (बिशिउ) ? । तुम पहले नमस्कार करो, मैं तुम्हारा अनुसरण करके नमस्कार करूंगा । योगी ने लेट कर नमस्कार किया । देवी की तलवार स्वयं उछल कर (ओसुछुं) आई और उसके सिर (थोलुगाइ) को काट कर (थासुल्जु) उसको मार डाला (देलेद्वे) ।

पीछे से (दारुइ दुर्) योगी ने एक शव (खेगुर्) मे प्रवेश किया । राजा अपने महल मे लौट आया । पाच विषो से बनी हुई मछली के पाच अमृत बना दिये । पाषाण रत्न को सच्चा (मोन्) रत्न बना दिया और आशीर्वाद दिया (आदिस्लावाइ) । उस मछली से महान् उत्सव रचाया और पाषाण रत्न से दान दिये ।

राजा के सामने सुन्दर रूपवान् एक लड़का आया । राजा ने देखा और प्रसन्न हो कर उसको ले लिया और अनुचर बना लिया (दागागुल्वाइ) । एक दिन दोनों एक वाटिका (छेछेर्लिग्) में गये । वहा जंगल के भीतर बहुत से शुक इकट्ठे हुए थे । [लड़के ने] उनमें से एक शुक को मूर्छित करके (उग्येगेजु) मार डाला । राजा ने देखा—अरे तुम तपस्वी (खोगेरुखुइ) शुक,

१०९ याम्बार् जोनालाङ थु गेमॅ् गिगेन् इयेर् आलाग्दावाइ। येए् आमियान् एने ओछिगाङ दुर् गोह्वे वुसु। एइमु जोनालाङ थु दोग्शिन् बुरुग् आमियान् इ याम्बार् आर्गा वार् थुसालासुगाइ गेजु सेलेगेद्। मिनु खेगुर् इ छि खादागाला। चि थोथि थिन् गेगुर् थुर् ओरोगाद्। एने आमियान् इ सुमुग् विशिरेल् थोरोगुलेसुगेइ सेमेगेद्। वालागाद् थुर् ओरोग्नु उवादिस् इयार् येगुद्गेगेद्। थेरे थोथि बेर् एदेगेगेद्। थोथिस् उन् ओरोन् सुर्वेले नेखेजु निसुन् सुपुगेद्। थेरे थोथिद् थुर् एयिन् उगुलेहुन्। वि उरिद् खोओर् थु सेद्सिर् थु वुलुगे। निगेन् बोग्दा लुगा उछाराल्दुजु। नामायि एदेगेगेद्। उखाग्गान् थु सेद्सिल् थारोगुल्बेइ। या बेर् नादा आछा निगे उगे सोनुस्। येए् ओछिलाङ उन् आमियान् दुर्। थोङ मोह्वे उगेइ। गुमुन् दुर् थोरोवेसु। वायाजिवाला वार्दाम् खाराम् येसेद्गेद्। वाखान् उछुखेन् इ दोरोम्जिनासु। उगेइरेजु वाराग्दानासु खेनेगेरेन् गाशिगुदामुइ। एनेद्छु जोवानासु। गामालाजु एम्गेनिमुइ। ओथेलुजु नासुजिवामु उग्वागान् आनु मुङखारामुइ। उखुजु येगुद्खेवेसु। आयुशि थामु दुर् थोरोगेद्। आल्गाग्दासु गोझिग्देसु जोवालाङ इ एदुर् बुरि उजेमुइ। आदुगुमुन् आ थोरोनेसु। आछिग्दाग्नु उनुग्दाग्नु आलाग्दासु इदेग्देखु। ओनेर् जागुरा वान् आलाल्छाग्नु थुइ। आलि छु आमियान् दुर् येए् आमुर् उगेइ। आरिगुन्

कैसा (याम्बार्) दु सपूर्ण पाप (गेम्) करने से तुम मारे गये हो। साधारणत प्राणी इस ससार (ओ-छिलाङ) मे नित्य नही (मोह्वे वुसु)। एव दु खी प्रचण्ड (दोग्शिन्) दु शील (बुरुग्) प्राणियो का मैं सभी उपायो से हित करूगा। यह कह कर—मेरे शरीर की तुम रक्षा करना (खादागाला)। मैं शुक के शव म प्रवेश कर इन प्राणियो में श्रद्धा (सुमुग्) भक्ति (विशिरेल्) उत्पन्न करूगा (थोरोगुलेसुगेइ)। यह कह कर नगर अर्थात् शरीरान्तर (वालागाद्) मे प्रवेश करने के मन्त्र (उवादिस्) द्वारा अपना शरीर छोड दिया (येगुद्खेगेद्)। वह शुक जी उठा (एदेगेगेद्) और शुको के स्थान तक (सुर्वेले) पीछा कर (नेखेजु) उडकर (निसुन्) पहुच गया। वह शुको को इस प्रकार कहने लगा—मैं पहले दुष्ट मन वाला था। एक महात्मा से मिला (उछाराल्दुजु)। उमने मुझे जीवित किया और मुझमे ज्ञान के विचार उत्पन्न किये। तुम मेरे से एक बात सुनो। साधारण जगत् के प्राणियो के लिये सर्वथा नित्यता (थोङ मोह्वे) नही। यदि वे मनुष्यो मे उत्पन्न होते हैं तो धनी होने पर (वायाजिवाला) अभिमान (वार्दाम्) और कृपणता (खाराम्) बढ जाती है (येसेद्गेद्)। दीन होनो पर (वाखान् उछुखेन् इ) अत्याचार करते हैं (दोरोम्जि-नाखु)। निर्धनी होकर (उगेइरेजु) दरिद्र हो जए तो (वाराग्दावासु) दु ख पाते (खेनेगेरेन्) और विलाप करते हैं (गाशिगुदामुइ)। रोगी हो जाने पर (एवेद्छु) कष्ट उठाते हैं (जोवावासु) और विलाप करते तथा दु खी होते है। बूढे हो कर (ओथेलुजु) यदि लम्बी आयु हो तो (नासुजिवासु) इनकी बुद्धि (उखागान्) क्षीण हो जाती है (मुङखारामुइ) अथवा मोहयुक्त हो जाती है। यदि मर कर समाप्त हो जाएं तो (उखुजु येगुद्खेवेसु) आयुष्मान् (आयुशि) नरक (थामु) में उत्पन्न होकर मारे जाते हैं (आलाग्दाखु), पीटे जाते हैं (गोझिग्देखु), प्रतिदिन दु खो को देखते हैं। यदि पशुओ मे (आदुगुमुन् आ) जन्म लें तो बोझ उठाते हैं (आछिग्दाखु), उनपर सवारी की जाती है (उनुग्दाखु), उनको मारते और खाते है। परस्पर में (ओनेर् जागुरा वान्) लडते हैं। प्राणियों में कोई भी सुखी नही। यदि शुद्ध

[illegible]

- ᠐᠐᠐ -

## ᠬᠣᠷᠢᠳᠤᠭᠠᠷ ᠪᠦᠯᠦᠭ

[illegible]

— ᠐᠐᠐ —

[illegible]

११० सेद्खिल् इयेर् याबुबासु ।'आमुर् बुर्खान् गेच्छि ओरोन् दुर् थोरोगेद् । आमुर् सागुजु जिर्गाखु गेनेम् । थेरे बुर्खान् उ ओरोन् दुर् येगुद्खेखु गासालाख् ओथेलुखु उखुगु थिन् जोबालाङ उगेइ । गुयुखु एरिखु यिन् जोबालाङ उगेइ । आलिबा सानाग्मान् आनु ओबेर् इयेन् बुथुजु बायिखु गेनेम् विशिढ्व खेमेग्सेन् दुर् । थोथि उद् इयेर् उगुलेरुन् । थेयिमु ओरोन् दुर् यागाग्जिु थोराग्नु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् थोथि उगुलेरुन् । थेयिमु ओरोन् दुर् थोरोखु यि दुराल्लखु बुगेसु । थेरे खुमुन् नादुर् सुर्गाबाइ । थेयिमु मोर् इ ओल्खु नोम् इ नादुर् नोम्लाबाइ । वि सुर्गाइ । नामायि बाग्शि बारिखु बुगेसु । वि थान् दुर् नोम्लासुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेदे उगुलेरन् । छिमायि खागान् बोल्गाया खेमेन् खेलेगेद् । जुग् बुरि निसुन् ओदुगाद् । जुइल्बुरि यिन् जिमिस् इ आव्छु दरेगेद् । खागान् थोथि दुर् एगुंजु । मान् दुर् थेरे नोम् इ नोम्लान् सोयोर्खा खेमेग्सेन् दुर् । बोदि मोर् थुर् खुखुं नोम् इ नोम्लाग्सान् दुर् । थेदे बुगुदेगेर् येगुस् बिशिरेल् थु बोलुगाद् । बुर्खान् उ गाजार् आ ओद्खु सेद्खिल् इ एगुस्खेल्दुबेइ । मिनु खागान् गेच्छि थेयिमु रिदि खुबिल्गान् थु बोलुगाद् । आमिथान् इ थुसालाग्छि बुइ । थेयिमु यिन् थुलादा । छि सागुखु उलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि खागान् गेर् थुर् इयेन् खारिबाइ ।

मन से चलें तो सुखावती बुद्ध नामक लोक मे जन्म लेकर सुख से रहते हुए (अमुर् सागुजु) प्रसन्न होते है (जिर्गाखु)—यह कहते हैं (गेनेम्) । उस बुद्ध-लोक में पुनर्जन्म (येगुद्खेखु), शोक, जरा (ओथेलुखु) और मरण का दु ख नही । मागने (गुयुखु) और ढूढने (एरिखु) का दु ख नही । सब (आलिबा) कामनाए (सानाग्सान्) स्वय पूरी हो जाती हैं । यह कहते हैं न (विशिढ्व) ।

यह कहने पर शुक बोले— ऐसे लोक में किस प्रकार जन्म होता है । इस पर शुकराज बोला—यदि ऐसे लोक मे जन्म की इच्छा (दुराल्लखु) हो तो (बुगेसु) उस पुरुष ने मुझको सिखाया है और इस मार्ग की प्राप्ति के धर्म का मुझको उपदेश दिया है (नोम्लाबाइ) । मैंने सीख लिया है । यदि मुझको गुरु ग्रहण करोगे तो मैं तुमको उपदेश दूगा । इस पर वे बोले—हम तुमको राजा बनाएगें । यह कहकर वे सब दिशाओ में उड गये । सब प्रकार (जुइल्बुरि) के फल ले आये और शुकराज को दिये (एगुंजु) । हम पर धर्मप्रवचन की कृपा करो (सोयोर्खा) । यह कहने पर बोधिमार्ग (बोदि मोर्) मे पहुचाने वाले (खुखुं) धर्म का उपदेश किया । वे सब पूर्ण (येगुस्) भक्त (बिशिरेल् थु) बन गये और उनम बुद्ध-लोक जाने का विचार उत्पन्न हुआ (एगुस्खेल्दुबेइ) ।

मेरा राजा इस प्रकार ऋद्धि सिद्धि वाला (रिदि खुबिल्गान् थु) था । वह प्राणियो का हितैषी था । अत तुम्हारा इस सिंहासन पर बैठना नही हो सकता । इस पर राजा भोज अपने घर लौट गये ।

वासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् । वासा निगेन् एदुर् ए इरेगेद् । उरिद् निगेन् एदुर् उन् दुथागु यि नोम्लान् सोयोर्वा खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । थेरे खिया आनु । बिर्कमिजिद् उन् खेगुर् थुर् ओरोगाद् । ओवेर् उन् वेये वेन् एब्देजु । खागान् उ बेये योलुगाद् । खाशि दागान् ओरोग्सान् दुर् । खायुन् आनु । शिन्जिलेजु उजेगेद् । आइ छि खामिगा ओछिग्मान् बुइ । छोग् जिब्खुलाङ गेरेल् खिगेद् । उनुर् छिनु उगेइ बोलुग्सान् उछिर् शित्थागान् यागुन् नुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् वि आगालाग् गाजार् आ ओछिग्सान् उ थुला । आल्जायाजु जुदेरेग्सेन् बुइ जा गेवे । खायुन् आसागुरुन् । छिनु दागागुलुग्मान् आमाराग् खिया छिनि खामिगा ओद्वा खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उगुलेङ्न् । थेरे ओइ दुर् निगेन् ओलान् थोथि शिग्रागुन् वायिना । थेगुन् दुर् बाग्शि बोल्जु सागुलुगा गेवे । खायुन् दोथोरा वान् मेद्गिरुन् । गेनेद्थे गोओआ उजेस्खुलेङ थु खोवेगुन् इरेगेद् । खागान् उ सेद्खिल् इ बुलियाजु । येखेदे खायिरालादाग् बिले । बोग्दा खागान् मिनु । आमियान् इ

## वसवा अध्याय

### एक और पुतली की कथा

राजा भोज फिर एक दिन आये और कहा—पिछले दिन के शेष (दुथागु) उपदेश को सुनाने की (नोम्लान्) कृपा करें ।

अनुचर (खिया) ने विक्रमादित्य के शव मे प्रवेश कर अपने शरीर को नष्ट कर दिया (एब्देजु) । राजा वन कर महल मे प्रवेश किया । रानी ने ध्यान से देखा—अहा तुम कहा (खामिगा) गये थे (ओछिग्मान् बुइ) । श्री, तेज, प्रभा और सुगन्ध तुम्हारी नही रही । इसका कारण (उछिर्) हेतु (शित्थागान्) क्या है । राजा ने कहा— मैं निर्जन (आगालाग्) देश मे गया था । अत. थका (आल्जायाजु) मादा (जुदेरेग्सेन्) हू (बुइ जा) । रानी ने पूछा—तुम्हारा साथी, प्रिय (आमाराग्) अनुचर कहा गया । राजा ने उत्तर दिया—जंगल मे बहुत शुक पक्षी थे । वह उनका गुरु बन कर रह गया (सागुलुगा) । रानी ने अपने भीतर सोचा— एकाएक (गेनेद्थे) सुन्दर अभिरूप लडके ने आ कर राजा के चित्त को हर लिया (बुलियाजु) । उस पर राजा ने बहुत अनुग्रह किया । मेरा महात्मा राजा प्राणियो की

[illegible]

११२ ओर्‌शियेपुइ सेद्‌खिल्‌ थु बोलुगाद्‌। खारिन्‌ येरे थोथिम्‌ थुर्‌ खुबिलुगाद्‌। नोम्‌ नोम्लाग्सान्‌ बुइ जा गेजु सानागाद्‌। येरे जुखिलाजु गासुलान्‌ एनेलेवेइ। खागान्‌ आसागुरुन्‌। छि मागुन्‌ उ थुलादा येखेदे गामुलावाइ गेजु आसागुवामु। खाथुन्‌ जालिग्‌ बोलोरुन्‌। येरे बोग्दा मिनु छि विशि। येगुन्‌ त्रु त्रुनुर्‌ इनु। शाग्शावाद्‌ उन्‌ त्रुनुर्‌ थु बोलुगाद्‌। सेद्‌खिल्‌ इ बुलियाखु मेथु गोओशा त्रुजेम्पुलेइ थु बुलुगे खेमेन्‌ खेलेगेद्‌। एदुर्‌ सोनि त्रुगेइ येसे गासालाइ थु बोल्वाइ। येरे खागान्‌ बेर्‌ आगाशि यान्‌ जाब्खागाद्‌। दागुन्‌ गारुल्‌ त्रुगेइ यावुवाइ। खाथुन्‌ इयेर्‌ येरे खागान्‌ लुगा नोयिर्साखु त्रुगेइ। येरे छाग्‌ थुर्‌। खागाद्‌ उद्‌ ओओर्‌ छायिखु छाग्‌ थु खागान्‌ दुर्‌। वार्गान्खिावासु। इमाग्था इजागुर्‌ उन्‌ योरु शाशिन्‌ शास्थिर्‌ इ नोम्लादाग्‌ बुलुगे। एदुगे जोब्‌ बुरुगु त्रुगे खेलेगेद्‌। योसु त्रुगेइ छागाजा एगुस्खेमुइ गेजु। येरे खाथुन्‌ सेद्‌खिल्‌ आमुर्‌ त्रुगेइ बोल्वाइ। खाथुन्‌ त्रुगुलेरुन्‌। एयिमु योसु त्रुगेइ छागाजा एगुस्खेखु यि त्रुजेवेसु। एने लाब्था ओनोखि इनाग्‌ खिया बुइ जा। नादुर्‌ दुराशियाखु सेद्‌खिल्‌ येखे बुरुगे गेजु सानागाद्‌। एनेरेजु गासुलान्‌ यावुवाइ। येरे खागन्‌ बेर्‌ दोयोरा वान्‌ सेद्‌खिरुन्‌।

भलाई करने की (ओरुशियेपुइ) बुद्धि वाला बन कर उल्टा (खारिन्‌) मृकरूप धारण कर (खुबिलुगाद्‌) धर्म प्रवचन कर रहा होगा (नोम्‌ नोम्लाग्सान्‌ बुइ जा)। यह सोच कर रानी बहुत रोई (त्रुखिलाजु), विलाप किया (गासुलान्‌) और दुःखी हुई (एनेलेवेइ)। राजा ने पूछा—तुम किस लिए दुःखी हो। रानी बोली—मेरे महात्मा तुम नही हो। उसकी सुगन्ध शिक्षापद (शाग्शावाद्‌) की गन्ध है। चित्त को हरण करने वाला (बुलियाखु) उसका सुन्दर शोभायमान रूप है।

दिन रात बिना भेद किये वह शोकातुर रहती थी। राजा की प्रकृति (आर्गाशा) बिगड़ गई (जाब्खागाद्‌)। बिना बोले (दागुन्‌ गारुल्‌ त्रुगेइ) रहने लगा। रानी उस राजा के साथ सोई (नोयिर्साखु) नही। उन दिनों सामन्त उषा (ओओर्‌) प्रभात (छायिखु) के समय जब राजा को (खागान्‌ दुर्‌) मिलने आते तो (वार्गान्खिावासु) सदा (इमाग्था) परम्परागत (इजागुर्‌ उन्‌) राजनीति (योरु) और धर्म (शाशिन्‌) शास्त्र (शास्थिर्‌) का उपदेश राजा उनको देता था। अब उचित (जोब्‌) अनुचित (बुरुगु) का भेद किये बिना राजा बोलता है, अयुक्त आदेश (छागाजा) चलाता है (एगुस्खेमुइ)। रानी का मन अशान्त (आमुर्‌ त्रुगेइ) हो गया। रानी बोली—इस प्रकार अयुक्त आदेश स्थापन को यदि देखूं तो यह निश्चय ही वही (ओनोखि) प्रिय (इनाग्‌) अनुचर (खिया) है। मुझ पर अत्यधिक कामातुर (दुराशियाखु सेद्‌खिल्‌ येखे) है (बुरुगे)। यह सोच कर रोती (एनेरेजु) और विलाप करती रही। राजा ने भीतर सोचा—

११३ थेरे खागान् थोथि खेर्बे ईरेवेसु । मिनु आमिन् दुर् खोओर् बोलुग़ाद् । एयिमु सायिखान् खाधुन् आछा खागाछागुल्खु बुइ जा गेजु सानागाद् । खागान् गादाना गार्छु । थोथि यि उरिखादान् वारिग्छिद् इ छुग्लागुल्जु । थेदेन् दुर् । एयिन् जाखिरुन् । था खागान् थोथि एखिलेन् बुगुदे यि उरिखादाजु वारि । आव्छु इरेवेसु । थान् दुर् मिङ्गान् थावुन् जागुन् आल्यान् जोगोस् इयार् शाङ्नासुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेदे येखेंदे बायालांगाद् । यिदे आलि आगुलान् दुर् ओछिजु उरिखादान् वारिग् बुइ गेवे । थेयिन् खेलेल्छेजु बायिखुइ यि निगेन् सुमुन् सोनुसुगाद् । खाधुन् दुर् इयान् उछिर् इ आयिलाद्खावा । खायुन् । शालु यि इरे गेंवे । शालु बुयुगेल् इयेन् दागुसुन् खुछुं इरेगेद् । नामायि यागुन् दु इरे खेमेग्सेन् बोल्बा । खायुन् माम्बार् उछिर् थु येखेंदे गासुलाबाइ खेमेखुइ दुर् । आलिवा उछिर् इ बुरिन् ए जालिग् बोलुग्सान् दुर् । ओनो ए बोल्खुला । थोथि बुगुदे यि आलाखु गेनेम् खेमेखुइ दुर् । शालु सोनुसुगाद् । उखुद्गेजु उनावाइ । सेरिगुन् चन्दन् उ उसुन् इयार् सुछिवेसु । देलेछुं बोसुगाद् । एनेलेजु गासुलान् एने लाव्या योगि मोन् बुइ जा गेजु खेलेगेद् । थोथि वारिग्छिद् पुर् यागारान् ओछिगाद् । थेदेन् दुर् उगुलेरुन् । खागान् थान् दुर् यागुन् जालिग् बोल्या खेमेखुइ दुर् । थेदे खागान् उ

यदि (खेर्बे) वह शुक राजा आ जाए तो मेरे प्राणों के लिये घातक (खोओर्) होगा । ऐसी सुन्दरी रानी से वियोग कराएगा (खागाछागुल्खु बुइ जा) । यह सोच कर राजा बाहर गया । शुकों को जाल से (उरिखादान्) पकडने वालो (वारिग्छिद्) को इकट्ठा किया और उनको यों कहा—तुम शुक राजा आदि (एखिलेन्) सब को जाल में (उरिखादाजु) पकड़ लो (वारि) और ले आओ । तुमको एक सहस्र पाच सौ स्वर्ण मुद्रा (जोगोस्) पुरस्कार दूगा (शाङ्नासुगाइ) । ऐसा कहने पर वे बहुत प्रसन्न हुए । हम सभी (आलि) पर्वतो मे जा कर जाल द्वारा पकड़ लाएंगे (उरिखादान् वारिखु बुइ) । यह चर्चा करते हुओ (खेलेल्छेजु बायिखुइ) को एक व्यक्ति ने सुन कर रानी को बात कह सुनाई । रानी ने शालु को कहा—आओ । शालु अपना साधन अर्थात् पूजापाठ (बुयुगेल्) समाप्त करके (दागुसुन्) पहुंच गया (खुछुं इरेगेद्)—मुझको किस लिये बुलाया है । रानी किस कारण से अति व्याकुल है । इस पर रानी ने सब (आलिबा) बात पूर्णतया (बुरिन् ए) सुना दी । अब सब शुकों को मार डालेंगे—यह कहा । शालु ने सुना । मूर्छित हो कर (उखुद्गेजु) गिर पड़ा । शीतल (सेरिगुन्) चन्दन के पानी से छिडका तो (सुछिवेसु) सचेत हो उठा (देलेछुं बोसुगाद्) और शोक विलाप करते हुए कहा—यह निश्चय ही वही योगी है । शुक पकड़ने वालो के पास शीघ्रता से (यागारान्) गया और उनसे कहा—राजा ने तुमको क्या आदेश दिया है । उन्होंने राजा के

११४ जालिग् योलुग्मान् इ देलगेरेंड्गुइ ए उुगुलेवेइ । शालु उगुलेर्न् । मिङ्गान् थावुन् जागुन् जोगोस् वुगेसु । वि गुर्वान् सागुला आल्यान् इ ओग्सुगेइ । खान् थोथि वारिग्दावासु । नादुर् ओग्थुगेइ गेवे । थेंदे वेर् उुगुलेद्न् । वारिग्दावासु ओग्गुये गेवे । थेरे थोथिस् उन् खागान् खेगुर् थुर् इयेन् इरेगेद् । सिया वा । खेगुर् इनु उुगेइ यिन् थुलादा । येद् आमियान् इ थुसालाखुइ दुर् । खेरेग् उुगेइ यावुदाल् वोल्वाइ । गेदेगुं वेन् वुद्धागाद् । थोथि यिन् आमिमाग् इ छुग्लागुल्जु । थेङसेल् उुगेइ नोम् इ नोम्लाजु सागुवाइ । उरिग्वाछिन् इयेर् थेरे आगुलान् दुर् इरेगेद् । आम्या थु सायिखान् जिमिस् इ उुरेजु ओखिगाद् । उरिखा वान् थोस्छु खेब्येथेले । निगेन् थोथि इरेगेद् । थेरे जिमिस् एछे इदेगेद् । निगे यि जिगुन् आवाछिजु नोखुद् थेगेन् ओग्वेइ । थेंदे नोखुद् इनु इदेगेद् आम्याशिजु । एने जिमिस् । ओलान् वोरखुला आव्छु इरेगेद् । खागान् थोथि दुर् वारिया खेमेन् निस्छु ओद्दुगाद् । थेरे जिमिस् एछे आव्छु यावुग्सागार् । ओलान् इयार् उरिखान् दुर् थोओरोथावाइ। थेदेन् उ जारिम् आनु छाम् खिजु । जारिम् आनु खागान् उ छाव् वारिजु वायिदाग् वुलुगे । छाव् वारिग्छिन् थोथिस् उरिखान् दुर् थोओर्थाग्मान् उ थुला । वुसुद् थोथि आनु खेबेंर् इरेवेसु । निगेन् इ ओलुगाद् । थेगुन् एछे उलाम्जिलान् वुगुदेगेंर्

आदेश को विस्तार से बताया । शालु ने कहा—यदि एक सहस्र पाच सौ मुद्रा की बात हो तो (वुगेसु) मैं तीन कलश (सागुला) स्वर्ण दूगा । यदि शुकराज को पकड लो तो मुझे देना । उन्होने कहा—यदि हम पकड पाए तो आपको देंगे ।

वह शुकराज अपने शव के पास आया किन्तु उसका अनुचर और शरीर दोनो ही वहा न थे । अत सामान्य प्राणियो की भलाई करना निरर्थक (खेरेग् उुगेइ) घटना (यावुदाल) हो गई । सो वह पीछे (गेदेगुं वेन्) लौटा (वुद्धागाद्) और शुकों के झुण्ड को इकट्ठा करके अपरिमित (थेङसेल् उुगेइ) धर्म का प्रवचन करता रहा (नोम्लाजु सागुवाइ) । चिडीमार (उरिखाछिन्) उस पर्वत में आए और स्वादिष्ठ (आम्या थु) सुन्दर फलो को फैला (उुरेजु) छोडा (ओखिगाद्) । तथा अपने जाल को (उरिखा वान्) फैला कर (ओस्छु) लेटे ही थे कि (खेब्येथेले) एक शुक आया, उन फलो में से खाया और एक फल चोच से उठा लाया (जिगुन् आवाछिजु) और अपने मित्रो को दिया । उन मित्रो ने उसको खाया । वह स्वाद लगा (आम्याशिजु)—यदि पर्याप्त हो तो ले आएं और शुकराज को दे देवें (वारिया) । यह कह कर पक्षी उड (निस्छु) गये (ओद्दुगाद्) । उन फलो में से ले कर चलते २ (यावुग्सागार्) बहुत से जाल में फंस गये (थोओरोथावाइ) । उनमे से कुछ (जारिम्) नृत्य करते (छाम् खिजु*), कुछ राजा का भोजन बनाते (छाव् वारिजु) रहते थे (वायिदाग् वुलुगे) । भोजन लाने वाले शुक जाल में (उरिखान् दुर्) फस गये, अत यदि दूसरे (वुसुद्) आते तो (खेबेंर् इरेवेसु) एक को पाते (ओलुगाद्)—उससे धीरे धीरे (उलाम्जिलान्) सब के सब

* श्री बॉडन ने खिजु के स्थान में भूल से गेजु पढ़ा है ।

११८ छुग्लाजु । बुसु नोंगुद् इयेन् उरिखान् आद्धा गार्गाया गेजु याबुग्सागम्र् । थेरे थोथिद् बुगुदेगेर् थोओरान् दु ओरोवाइ । थेदे उरिखाछिन् इरेगेद् । ग्वागान् थोथि वायिना उ खेमेन् आसागुबासु। ज्ञुगेइ गेजु ग्वेलेवेइ । थेरे उरिखाछिन् ओबेर् जागुरा बान् खेलेल्छेजु । खागान् थोथि ज्ञुगेइ थुला। एदेन् इ वारिजु यागुन् थुमा । ग्वागान् थोथि यि खुलियेये गेजु ग्वेलेल्छेगेद् । निगुजु सागुग्मान् गाजार् थुर् इयान् ओद्वाइ । खागान् थोथि बेर् थेदेन् इ ज्ञुगेयिल्गेद् । एरिजु ओलुगाद् । खागन् थोथि ज्ञुगुलेकन् । उरिदा ज्ञुगेइ इदेगेन् दुर् दाशिगुछुं । एर्देनि थु । *आमिन् आद्धा ग्वागाछाखु गेग्छि एने थुइ जा । वामा एने उरिखान् दुर् वारिग्दावासु सायिन् बुइ जा ।* एदेन् उ आमिन् इ आबुरासुगाइ । नामायि आलाग्यु बुइ जा । एदेन् इ थात्यिखु वोलाइ खेमेन् मानागाद् । उरिखान् दुर् ओरोवाइ । थेरे उरिखाछिन् इरेग्सेन् दुर् । खागान् थोथि ज्ञुगुलेखन् । ओलान् थोथिस् इ ज्ञुने देमेइ ज्ञलेम्जि ओग्खु ज्ञुगेइ । गाग्छा नामायि वारिग्सान् इयार् । उरिदा यिन् थोगुये खेमेग्मेन् इ ओग्खु बुइ जा खेमेवेसु । थेदे उरिखाछिन् एयिन् ज्ञुगुल्ल्दुखन् । खेग्यु ज्ञुगे इनु । माशि येखे उग्वागान् थू बुइ । मिनु खागान् उ सेलेग्सेन् इ मेदेजु येलेनेम् विशिउ गेजु खेले छेगेद् । शालु दुर् ओग्गुये खेमेल्छेगेद् । बुसु थोथिद् इ बुगुदेगेर् इ

इकट्ठे हो गये—अपने दूसरे साथियो को जाल से निकालेंगे (गार्गाया) इति कहते २ वे सब शुक जाल में फंस गये । चिडीमार आये और पूछा—क्या शुकराज है (वायिना उ) । उन्होने कहा—नही । चिडीमारो ने परस्पर (ओबेर् जागुरा बान्) चर्चा की—शुकराज न होने से इनको पकडने से क्या लाभ (वारिजु यागुन् थुमा) । शुकराज की प्रतीक्षा करेंगे (खुलियेये) । यह कह कर अपने छिप रहने के स्थान में चले गये ।

शुकराज ने उनकी अनुपस्थिति का अनुभव किया (ज्ञुगेयिलेगेद्) । उनको ढूंढा (एरिजु) और पा लिया । (ओलुगाद्) । शुकराज ने कहा— अपूर्व (उरिदा ज्ञुगेइ) भोजन के लिए ललचाना (दाशिगुछुं) "रत्नमय प्राणा से वियोग" (खागाछाखु) नामक यही है । फिर (वासा) इस जाल में यदि मै भी फस जाऊ तो अच्छा होगा । इनके प्राणो को बचा सकूगा । मुझको तो मार ही देंगे, किन्तु इनको छोड देंगे (थात्यिखु वोलाइ) । यह सोच कर जाल मे प्रवेश किया । चिडीमार आये । उनको शुकराज ने कहा—बहुत से शुको का मूल्य (ज्ञुने) इतना (देमेइ) अधिक (ज्ञुलेम्जि) नही देगा, केवल (गाग्छा) मुझको देने से, पहले का (उरिदा यिन्) कहा मूल्य देगा । इस पर चिडीमार यू बोले— इसके कहे शब्द अत्यधिक बुद्धिपूर्ण हैं । राजा के कहे हुए को जानकर यह बोल रहा है न (खेलेनेम् विशिउ) । यह चर्चा करते हुए कहा—इसको शालु को देंगे । दूसरे सब शुक

[illegible]

११६ थाल्विवाइ । खागान् थोथि यि आवुगाद् । शालु दुर् ओंग्वेइ । शालु आवुगाद् । गुर्वान् सागुल्ना आल्यान् इ ओंग्वेइ । शालु । थेरे थोथि यि खाथुन् दुर् इयान् आवाछिजु ओंगुग्सेन् दुर् । देर्गेदेगेन् ए निगेन् खायिर्छाग् थु खिगेद् । निगेन् खोनि यि आलागुल्जु शिरेगेन् उ दोओरा थाल्विगाद् । खोशिगे थाथाजु । थेरे खाथुन् येखेदे गाशिगुदाग्राद् । थुरुल्गु वेन् उनाजु खेव्थेग्सेन् दुर् । खाग्रान् वेर् । गार् आछा आनु बारिजु यागुन् उ थुलादा । येखेदे गाथुलाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् उगुलेरुन् । मिनु बोग्दा दुर् आदालि एर्देम् थु बोल्वासु । छिनु खाथुन् बोलुया । थेरे मेयु एर्देम् उगेइ बोल्खुला । यागाखिजु खाथुन् बोल्खु बुइ खेमेवेसु । खागान् उगुलेरुन् । थेरे बोग्दा नामायि । खागान् ओरोन् दु सागु । बि आवेर् इयेन् आदुगुसुन् आमियान् इ थोनिल्गाखु यिन् थुला । थोथि यिन् खेगुर् थुर् ओरोगाद् ओदुलुगा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् आसागुरुन् । थेरे खागान् वेर् छिमायि ओरोगुल्वामु । छि ओवेर् इयेन् खेगुर् थुर् ओरोबाउ खेमेवेसु । बि ओवेर् इयेन् एर्देम् थु यिन् थुला ओरोवा खेमेग्सेन् दु । खाथुन् इयेर् । थेयिमु खेगुर् थुर् ओरोखु उवादिस् इ छिनु उजेये खेमेवेसु । नादुर् निगेन् आमियान् उ खेगुर् आव्छु इरे । बि ओरोवासु । छि मिनु खाथुन् बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दु । बि छिनु खाथुन्

छोड दिये (थाल्विवाइ) ।

*शुकराज को ले लिया और शालु को दे दिया । शालु ने ले कर तीन कलश स्वर्ण दे दिया । शालु* उस शुक को अपनी रानी के पास ले आया और दे दिया और उसने अपने पास (देर्गेदेगेन् ए) उसको एक डिब्बे (खायिर्छाग्) में रख लिया । एक भेड मरवा कर अपने सिंहासन के नीचे (दोआरा) डाल दी (थाल्विगाद्) । यवनिका (खोशिगे) तान ली (थाथाजु) । रानी बहुत विलाप करने लगी । पेट के बल (थुरुल्गु वेन्) गिर कर लेट गई । राजा ने उसको हाथ से पकडा और पूछा—किस कारण इतना विलाप कर रही हो । रानी ने कहा—यदि तुम मेरे महात्मा के समान गुणवान् हो तो तुम्हारी रानी बनूगी । किन्तु तुम उसके समान गुणवान् नही तो मैं कैसे तुम्हारी रानी बन सकूगी । उस महात्मा ने मुझको कहा था—तुम राजासन पर बैठो (खागान् ओरोन् दु सागु) । *मैं स्वय पशु (आदुगुसुन् ए) प्राणियों की मुक्ति (थोनिल्गाखु) के लिये शुक-शरीर मे प्रवेश करूगा ।* इस पर रानी *बोली—क्या राजा ने* तुमको [अपने शरीर मे] प्रवेश कराया था अथवा तुमने स्वयं शव मे प्रवेश किया था । उसने उत्तर दिया— मैं स्वय इस विद्या के कारण प्रवेश कर गया । रानी ने कहा—इस प्रकार शव में तुम्हारी प्रवेश-विद्या (उवादिस्) को मैं देखना चाहती हूं । मेरे लिये एक प्राणी का शव ले आओ । यदि मैं प्रवेश करूं तो तुम मेरी रानी बनोगी न । इस पर रानी ने कहा—मैं तुम्हारी रानी

११७ बोलुया खेगेन् खेलेजु । छिगु छागाना खोशिगेन् उ दारदा निगेन् उखुगसेन् खोनि बायिना । थेगुन् दु ओरो खेमेवेसु । गाछुं उजेगेद् । खागान् उ खेगुर् इ शियुगेन् उ देर्गेदे थाल्बिजु । थेरे खोनिन् दुर् ओरोजु बोसुगाद् । मायिलान् थुयुलाजु बायिल्इ दुर् । खायुन् आनु । थोथि यिन् खुजुगुन् इ थासु थायागाद् ओखिबाइ । खागान् खेगुर् थुर् इयेन् ओरोगाद् । खाशि दाग्रान् ओगेंदे बोल्वासु । शाग्शाबाद् उन् ह्युनुर् आङ्गिलान् गेयिजु । गिल्बेरेन् इरेखुइ दुर् । खायुन् दाग्रात्था वुगुदेगेर् गासुरुन् । खागान् दुर् आयिलाद्खारुन् । आइ बोग्दा मिनु । खामिगा याबुजु । मान् इ एयिन् खु जोवागावाइ खेमेगसेन् दुर् । खागान् बेर् उगुलेरुन् । निगेन् ओलान् थोथिद् इरेगेंद् । निगेन् इयेन् आल्गसान् दुर् । एने आमिथान् निगेन् निगेन् इयेन् आलाग्सु एयिमु जोवाखाइ थु आजुगु खेमेन् सानागाद् । खेगुर इयेन् खादागालान् बायिल्गाजु। थेरे आमिथान् इ इयेर् थोनिलगाखु यिन् थुलादा। ओछिग्सान् मिनु थेरे बुल्गे । योगि यिन् सेद्खिल् इनु येखेंदे गोमुदुबाइ खेमेगेद् । ओर्दु खाशि दुर् इयान् सागुग्सान् दुर् । थेरे खोनि बेर् मेदेन् । देमेइ दुथागाजु । निगेन् येसे गोओल् इ गारुगाद्। थेगुन् एछे छिनाग्शि निगेन् आगुला यिन् ओबोर् थुर् गाछुं याबुवासु। थेगुन् दुर् निगेन् आगुइ दुर् सागुग्सान् आर्शि उखुगसेन् इ उजेगेंद् । खेगुर् थुर् आनु

बनूगी। तुम्हारे आगे (छागाना) यवनिका (खोशिगेन्) की ओट मे (दारदा) एक मृत भेड है। इसमे प्रवेश करो। उसने जा कर देखा। राजा के शव को मूर्ति (शियुगेन्) के पास (देर्गेदे) छोड कर (थाल्बिजु) उस भेड में प्रवेश कर खडा हो गया। मैं मै करता हुआ (मायिलान्) कूदने लगा (थुयुलाजु)। रानी ने शुक की ग्रीवा (खुजुगुन) को टूटने तक (थासु) खीच (थायागाद्) छोडा (ओखिबाइ)। राजा अपने शरीर म प्रवेश कर अपने महल में पधारा तो (ओगेंदे बोल्वासु) शिक्षापद की सुगन्ध फैली (आङ्गिलान्) और सब ज्योतिर्मय हो गया (गेयिजु)। चमकते हुए पधारने पर रानी, दासी सबने विलाप किया और राजा से निवेदन किया—हे हमारे महात्मन्, आप कहा चले गये थे और हमको इस प्रकार दु खी कर गये थे (जोवागावाइ)। इस पर राजा ने कहा—बहुत से शुक आये थे। उनमें से एक मारा गया था। ये प्राणी अपने एक २ के मरने से इतने दु खी हो गये हैं यह सोच कर अपने शरीर को सुरक्षित (खादागालान्) रख कर (बायिल्गाजु) उस प्राणी की मुक्ति (थोनिलगाखु) के लिये मैं चला गया था (ओछिग्सान् मिनु थेरे बुलुगे)।

योगी का चित्त बहुत दु खी हुआ (गोमुदुबाइ)। राजा अपने महल मे रहने लगा। भेड को पता लगा और इधर उधर भाग गई (देमेइ दुथागाजु)। एक बडी नदी को पार किया (गारुगाद्)। उसके पार (छिनाग्शि) एक पर्वत के पार्श्व पर (ओबोर् थुर्) चढ गई। उसमें, एक गुहा में (आगुइ दुर्) रहते हुए ऋषि को मरा पाया (उखुगसेन् इ उजेगेद्)। योगी [भेड क शरीर को छोड कर] उसके शरीर में

११८ ओरोबाइ। थेगुन् दुर् वाता छाम् खिजु सागुबाइ। बिर्कमिजिद्। थुग् गिउर् खाद्खागाद् बुरिये थायावासु। खाथुद् एखिलेन्। सायिद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् छुग्लाजु इरेवेइ। थेदेन् दुर् खागान् जालिग् वोलोरन्। बि येरु याम्वार् वा। ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् इयेन् खाथुद् खिगेद्। सायिद् थुशिमेद् वा। ओवेर् उन् आमिन् इयान् ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् सागाद् वू खियुगेइ। सेर्वे सागाद् सिखु आवासु। आगालाग् थुर् गारुगाद्। आरिगुन् याबुदाल् इयार् यावुजु। आमियान् इ थुसालासुगाइ गेवे। खाथुन् खिगेद्। खाद् सायिद् थुशिमेद् इयेर् बुगुदे सोगुद्छु एयिन् आयिलाद्खारुन्। खागान् थोरु यि थेब्छिवेसु खाशि दायिसुन् इ खेन् दारखु युइ। खामुग् आमियान् आनु। खागान् उगेइ खेन् इ शियुखु बुइ। खायिरालाजु ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् छिनु वू खिसुगेइ खेमेन् आयिलाद्खाग्मान् दुर् खागान् जालिग् वोलोरन्। येरु मिनु जालिग आछा दावाखु वुयु खेमेग्सेन् दुर्। वोग्दा यिन् जालिग् आछा वू दावासुगाइ खेमेगेद् थाङगारिग्लावाइ। खागान् वेर् जालिग् वोलोरन्। थाला दुर् इयान् यावुखु छाम् मिनु वोलबाइ। बारागुन् जुग् निगेन् येखे गोओल् उन् देर्गेदे निगेन् आगुला यिन् ओवोर् थुर् निगेन् आर्शि युइ। थेगुन् इ खेन् आब्छु इरेखुले।

प्रविष्ट हुआ। फिर उसमे ध्यान (छाम्) लगा कर बैठ गया।

विक्रमादित्य ने ध्वजा (थुग्) और पताका (गिउर्) लगवाए (खाद्खागाद्)। शंख बजवाए। रानियों से लेकर सामन्त मन्त्री सब को इकट्ठा किया और कहा—जो भी (येरु याम्वार् वा) दान (ओग्लिगे) हो सो देते समय (ओग्खुइ दुर्) रानियो, सामन्तो, मन्त्रियो, स्वय अपने प्राणो के दान देने मे भी बाधा (सागाद्) मत (वू) डालना (खियुगेइ)। यदि बाधा डालोगे तो (सिखु आवासु) निर्जन मे (आगालाग् थुर्) जा कर शुद्ध जीवन-यात्रा करूगा और प्राणियो का भला करूगा। इस पर रानी और राजा, सामन्त और मन्त्री सबने घुटने टेके (सोगुद्छु) और निवेदन किया—हे राजन्, यदि तुम शासन को छोड दोगे तो विद्रोहियो (खाशि) और शत्रुओ का कौन (खेन्) दमन करेगा। सब प्राणी राजा के विना किस को शरण (शियुखु) बनाएगे। करुणा करके (खायिरालाजु) दान देने में हम बाधा न डालेंगे (वू खिसुगेइ)। यह निवेदन करने पर राजा ने आदेश दिया—क्या तुम मेरे आदेश को टालोगे। सब ने प्रतिज्ञा की (थाङगारिग्लावाइ)—हम महात्मा के आदेश को नही टालेंगे। राजा ने कहा—स्थल प्रदेश में मेरा जाने का समय हो गया है। पश्चिम दिशा (बारागुन् जुग्) में एक बडी नदी के पास एक पहाड के पार्श्व (ओवोर्) मे एक ऋषि रहता है। उसको जो कोई भी ले कर आएगा

''६ ओग्निगे ओम्गुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । खुराम्मान् उलुम् जुगुलेल्दुरन् । विदे ओग्लिगे आव्छु ओछिम्मान् आछा । आवुल् उगेइ जालाजु इरेगुले जोसिखु वुइ जा गेजु बुलियाल्दुन् यावुगाद् । आशि यि जालाजु इरेगेद् खागान् उ देगेंदे ओरोगुल्जासु । खागान् वेर् थाव्छाड देवेस्छु ओग्वेसु । आशि वेर् सागुम्मान् दुर् । खागान् जालिग् वोलोम्न् । आइ आशि सेद्खिल् इयेन् वू जोमा । छिनु सेद्खिल् इ खाड्गासुगाइ । एगुन् एछे खोयिना खोओर् थु मागु सेद्खिल् इ थेव्छिजु । ग्वोयाला आमियान् उ थुमा इ सेद्खिजु । खोगुसुन् छिनार् इ विशिरगावासु । बोदि खुथुग् थुर् खुसुं इनु । लाव्था वुइ जा । नामायि आगुला थाला दुर् यावुखु दु । मिनु ओरोन् इ छि वारिजु खाथुन् इ मिनु आवुथुगाइ । नामायि इरेखुइ दुर् । छि छाम् दु गागुथुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे आशि वेर् येखेदे वायाम्वाइ । खाथुन् आनु गेम्शिनेसु छु । ग्वागान् उ जालिग् आछा उलु दावाखु यिन् थुलादा बोल्वाइ । थेरे छाग् थुर् । निगेन् येखे आशि वुइ वुलुगे । थेरे निगेन् खोनेगुन् थेड आजिगु । थेरे खोवेगुन् इयेन् एर्देम् सुरथुगाइ गेजु खेलेवेसु । वि सुरुम्जा खेमेन् खेलेगेद् । उलु बोलुन् यावुवाइ । थेरे आशि वेर् थुर्गेन् एवेद्छिन्

उमको दान दूगा । एकत्रित हुए लोगो ने कहा—हम दान ले कर जाने की अपेक्षा (ओछिग्सान् आछा) लिये बिना (आवुल् उगेइ) बुला कर आ जाएगें (जालाजु इरेखुले) तो ठीक होगा ।

यह कह कर वे स्पर्धा करते हुए चले गये (बुलियाल्दुन् यावुगाद्) और ऋषि को बुला लाए । राजा के पास प्रवेश कराया । राजा ने आसन (थाव्छाड) बिछा दिया (देवेस्छु ओग्वेसु) । ऋषि बैठ गया । राजा ने कहा—हे ऋषि, चित्त मे शोक मत करो । मैं तुम्हारी कामना को सन्तुष्ट करूगा (खाड्गासुगाइ) । यदि तुम आज के पश्चात् विषमय (खोओर् थु ) दुष्ट (मागु) विचारो को छोड कर (थेव्छिजु) सब (खोयाला) प्राणियो की भलाई की चिन्ता करोगे तो शून्यता (खोगुसुन् छिनार्) पर ध्यान लगाकर (विशिल्गावासु) बोधितत्त्व मे (बोदि खुथुग् थुर्) पहुच जाओगे । यह निश्चय है (लाव्था वुइ जा) । मेरे पर्वत और स्थल प्रदेशो मे यात्रा के समय तुम मेरे आसन को ग्रहण करो और मेरी रानी को भी ले लो । मेरे लौटने पर तुम ध्यान मे बैठना । इस पर वह ऋषि बहुत प्रसन्न हुआ । रानी दु खी हुई भी पर (गेम्शिदेसु छु) राजा के आदेश को न टाल सकी ।

उस समय एक महर्षि था । उसका एक पुत्र था । वह अपने लडके को अपनी विद्या सीखने को कहता था । लडके ने कहा — मै सीखूगा (वि सुरुम्जा) । किन्तु उसने कुछ न सीखा । ऋषि अकाल रोग से (थुर्गेन् एवेद्छिन्)

[illegible]

[illegible]

१२० सुर्युगेद् उयुखुइ ए ओयिराथुग्मान् उ थुला । खोबेगुन् इनु मादुर् नोम् जिगाजु आछा गेवे । आशि उगुलेरुन् । उखुग्मेन् खुमुन् एछे नोम् मुर्दाग् बिलिउ । बासा थाखिजु दाखिन् जिगाजु आछा गेवे । थेरे आशि आमिन् इयान् गार्गुइ दुर् । जाद्‌बाबू दाद्‌बाबू खेमेजु खेलेगेद् उखुदेइ । एछिगे यिन् बुयान् इ उइलेदुगेद् । थेरे खोबेगुन् इ खुमुन् जालावासु । नोम् उलु मेदेखु यिन् थुलादा जाद्‌बाबू दाद्‌बाबू गेखुइ दुर् । आशि यिन् खोबेगुन् थेनेग् एबेद्‌छि थु बोल्जु देमेइ दोड्गुद्‌दुनाम् गेजु खेलेल्छेगेद् थोगोम्जि उगेइ बोल्बाइ । थेरे खोबेगुन् । बि नोम् इयान् बिर्कमिजिद् थुर् खुदाल्दुगाद् । आल्यान् आब्छु आमिन् इयान् थेजियेसुगेइ खेमेन् सानागाद् । बिर्कमिजिद् उन् खोथान् दुर् जोछिबाइ । खुरुगेद् साङ उन् गेर् थुर् ओरोगाद् । खागान् दुर् । बि नोम् खुदाल्दुरु खुमुन् बिले खेमेसेन् दुर् । साङ इ खादागालाग्छिन् उगुलेरुन् । छिनु नोम् याम्वार् नोम् बुइ गेखुइ दुर् । उरिद् सुरुग्मान् उगे बेन् खेलेबेइ । थेयिमु नोम् गेग्छि यि मेदेखु उगेइ । गारु खेमेन् खोगेजु गार्गाबाइ । बिर्कमिजिद् खोथान् आछा गार्खुइ दुर् । बुरिये बिशिगूर् थाथाजु । छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्‌छु । साङ उन् गेर् थुर् ओगेदे बोल्बासु । आशि यिन् खोबेगन् उछारागाद् । खागान् दुर् मोर्गुंजु । बि निगेन् नोम् इ

ग्रस्त हो कर (खुर्युगेद्) मरणासन्न हो गया (उखुखुइ ए ओयिराथुग्सान्) । अत. लडके ने कहा—मुझे धर्म (नोम्) सिखलाइये (जिगाजु आछा) । ऋषि ने कहा—मरते हुए जन से धर्म सीखते हैं क्या (मुर्दाग् बिलिउ) । फिर पुनः (थाखिजु) दोबारा (दाखिन्) सिखलाने के लिये कहा । ऋषि ने प्राणों के निकलते २ "यद् भावि तद् भावि" (जाद् बाबू ताद् बाबू)यह कहा और मर गया ।

पिता के संस्कार (बुयान्) करने पर, उस लडके को लोगो ने बुलाया (जालावासु) । लड़के ने धर्म न जानने के कारण कहा—यद् भावि तद् भावि । लोगो ने, ऋषि का पुत्र मूर्ख (थेनेग्) है । यह रोगी (एबेद्‌छि थु) बन कर (बोल्जु) व्यर्थ मे बक रहा है (देमेइ दोड्गुद्‌दुनाम्), ऐसी चर्चा की और उसकी ओर ध्यान (थोगोम्जि) नही दिया । लडके ने सोचा—मैं अपने धर्म-ज्ञान को विक्रमादित्य के पास बेचूंगा और स्वर्ण पा कर अपने प्राणो को पालूगा (थेजियेसुगेइ) । यह सोच कर विक्रमादित्य के नगर मे चला गया (जोछिबाइ) । वहा पहुच कर निधिगृह (साङ उन् गेर्) मे प्रवेश किया और कहा—मैं राजा के पास धर्म-ज्ञान बेचने वाला व्यक्ति हू । निधि के रक्षक (खादागालाग्छिन्) ने कहा—तुम्हारा धर्म-ज्ञान कैसा है । उसने पहले सीखे हुए अपने वचन कहे । निधिरक्षक ने कहा—इस प्रकार के धर्म कहलाने वाले (गेग्छि) वचनो को मै नही जानता । निकल जाओ (गारु) । यह कह कर उसको भगा कर निकाल दिया (खोगेजु गार्गाबाइ) ।

विक्रमादित्य नगर से बाहर निकल रहा था । शंख और शहनाई बज रहे थे । झाझ और ढोल पिट रहे थे । जब उसने निधिगृह मे प्रवेश किया तो उसको ऋषिपुत्र मिला (उछारागाद्) । उसने राजा को नमस्कार कर निवेदन किया—मैं एक धर्म-ज्ञान को

१२१ खुदाल्दुखु बुलुगे खेमेन् आयिलाद्खावासु । खागान् । नोम् छिनु याम्वार् नोम् बुइ खेमेवेसु । मोन् उरिद् उगे वेन् खेलेवेइ । खागान् खेदुइ छिनेगेन् यागुमा आछा ओग्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । गुर्बान् सागुल्गा आल्थान् आछा ओग्खु गेवे । खागान् वेर् । साङ खादागालाग्छिद् थुर् । गुर्बान् सागुल्गा आल्थान् इ ओग् खेमेवे । साङ खादागालाग्छिन् उगुलेल्दुग्न् । एने जुगेर् खोबेगुन् बुसु बुइ जा । योग्दा खागान् मेदेगेद् शाङनाजु ओग्बेइ । बिदे उलु मेदेखु गेग्छि एने वायिनाम् गेजु । आल्थान् इयान् ओग्गुगेद् । खुन्दुलेजु खारिगुल्वाइ । बिर्कमिजिद् । गुर्बान् सारा यावुजु । निगेन् खोथान् दुर् खुर्बेइ । थेरे खोथान् दुर् । निगेन् येखे खागान् बुइ आजिगु । थेगुन् दुर् निगेन् येखे नोम्छि आर्शि बुइ बुलुगे । थेरे आर्शि दुर् । खागान् उ ओखिन् । छेरिग् उन् नोयान् उ ओखिन् । वागाथुर् थुशिमेल् उन् ओखिन् । उखागान् थु थुशिमेल् उन् ओखिन् । थेरे दोर्वेन् ओखिन् । आर्शि दुर् नोम् जिगाल्गाजु यावुदाग् बुलुगे । बिर्कमिजिद् थेरे आर्शि दुर् उगुलेग्न् । वि उने उगेइ एर्देम् जिगाल्गाखु खुमुन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । छिनु नेरे येन् बुइ खेमेवेसु । मिनु नेरे जाद्वाव् दाद्बाव् गेवे । याम्वार् छु उगे खेलेवे ।

बेचना चाहता हूं । राजा ने कहा—तुम्हारा धर्म कौन सा धर्म है । उसने वे ही पहले शब्द कहे । राजा ने पूछा—कितने (खेदुइ) प्रमाण (छिनेगेन्) की सामग्री (यागुमा) तुमको देनी होगी (ओग्खु बुइ) । उसने कहा—तीन कलश स्वर्ण देना होगा । राजा ने निधिरक्षक से कहा—तीन कलश स्वर्ण दे दो । निधिरक्षकों ने एक दूसरे से कहा—यह साधारण (जुगेर्) लड़का नहीं हो सकता । महात्मा राजा ने समझ कर इसको उपहार दिया है । हम अज्ञानी हैं । यह कह कर उसको स्वर्ण दे कर सम्मानपूर्वक (खुन्दुलेजु) लौटाया (खारिगुल्वाइ) ।

विक्रमादित्य तीन मास चल कर एक नगर पहुंचा । उस नगर में एक महाराज रहता था । वहां एक परमधर्मज्ञ (नोम्छि) ऋषि था । राजकुमारी, सेनापति-कुमारी, वीरमन्त्रि-कुमारी और बुद्धिमन्त्रि-कुमारी, ये चारों कुमारियां ऋषि के पास (आर्शि दुर्) धर्म सीखने (जिगाल्गाजु) जाती थीं । विक्रमादित्य ने उस ऋषि से कहा—मैं अमूल्य विद्याओं को सीखने वाला व्यक्ति हूं । ऋषि ने पूछा—तुम्हारा क्या नाम है । उसने कहा—यद् भावि तद् भावि । ऋषि जो भी पूछता, वह उत्तर देता—

[illegible]

१२२ जाद्‌बाबू दाद्‌बाबू गेजु याबुबाइ। थेरे आशि यिन् गेर् थुर् याम्वार् बा उइले यि उइलेद्‌छु याबुग्सान् दुर्। आशि येखेदे खायिरालाबाइ। निगेन् खान् खुमुन् एबेद्‌छु। आशि यि जालाखुइ दुर्। आशि ओबेर् उन् खोबेगुन् इयेन् इरे गेजु सुर्गाखु उगे खेलेबे। एने खेउखेद् थु नोम् सायिखान् जिगाजु ओग्। थाछियाङगुइ यिन् नोम् इ बू उइलेद्। थाछियाङगुइ येखेद्‌बेसु थामु दुर् थोरोजु। थोनिल्बु यिन् मोर् थुर् थोद्‌खादाग्छि। थेमुर् थोओर् थुर् थोओर्थाग्सान् शिवागुन् मेथु गेम् थु बोलाइ गेजु सुर्गागाद् याबुबाइ। खोयिना निगेन् एदुर् थेरे बाग्शि यिन् गोबेगुन्। थेदेगेर् खेउखेद् इ जोदोबाइ। थेरे खेउखेद् उगुलेहुन्। बिदे याम्वार् गेम् उइलेद्‌बे खेमेखुइ दुर्। खोबेगुन् उगुलेहुन्। मिनु उगे बेर् बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर्। बोलुया गेबे। बाग्शि यिन् खोबेगुन् उगुलेहुन्। एने सोनि खागान् उ ओखिन्। चन्दन् मोदुन् उ इरुगार् थु इरे। छेरिग् उन् नोयान् उ ओखिन्। बोदि मोदुन् उ इरुगार् थु इरे। बागाथुर् थुशिमेल् उन् ओखिन्। थारिग्मान् छेछेग् उन् दोथोरा इरे। उखागान् थु थुशिमेल् उन् ओखिन्। जिमिस् थु मोदुन् दुर् इरे गेजु बोल्जुगा खेलेल्छेबे। जाद्‌बाबू खोबेगुन् सोनुसुगाद्।

यद् भावि तद् भावि। वह उस ऋषि के घर में सब काम काज करता रहा। ऋषि उससे बहुत प्यार करने लगा। एक राज-जन रोगी हुआ। ऋषि को बुलाया गया। ऋषि ने अपने लड़के को बुलाया और शिक्षावचन कहे—इन लड़कियों को धर्म अच्छी प्रकार सिखादो (जिगाजु ओग्)। केवल कामशास्त्र (थाछियाङगुइ यिन् नोम्) नही। यदि काम बहुत हो जाए तो नरक (थामु) में जन्म होता है। मोक्ष के मार्ग में बाधा डालने वाले (थोद्‌खादाग्छि) लोहे के जाल मे फसे हुए पक्षी के समान दण्ड पाते हैं (गेम् थु बोलाइ)। यह शिक्षा दे कर ऋषि चला गया।

तत्पश्चात् एक दिन ऋषि-पुत्र ने उन लड़कियों को पीटा (जोदोबाइ)। लड़कियों ने कहा—हमने क्या दोष किया है। लड़के ने कहा—तुम मेरे वचन के अनुसार करोगी क्या। उन्होने कहा—करेंगी। अध्यापक के पुत्र ने कहा—आज रात को राजकुमारी चन्दन वृक्ष की जड़ मे आए। सेनापति की कुमारी बोधिवृक्ष की जड़ में आए। वीर मंत्री की कुमारी लगाए हुए फूलो के बीच में आए। बुद्धिमान् मन्त्री की कुमारी फलवान् वृक्षों मे आए।

यद् भावि तद् भावि ने (यह सब बात) सुनी

१२१ एग्ने दुर् आनु उगुलेङ्न्। आइ एखे मिनु। थेरे खोबेगुन् छिनु गाल्जागुराखु वुइ जा। येस्वेद्रेसु। वाग्शि गिगेद् थान् उ आमिन् दुर् खोओर् वोल्सु वोलाइ खेमेग्मेन् दुर्। ग्योबेगुन्। थेरे याम्वार् याम्वार् गेम् गिब्रेइ खेमेग्मेन् दुर्। ग्योब्रेगुन् उ याम्वार् वा उछिर् इ देल्गेरेङगुइ ए गेलेवेसु। एग्ने इनु आधुगाद् यागाग्गिखु वुइ गेभेग्मेन् दुर्। जाद्वाबू उगुलेङ्न्। खोबेगुन् उ इरेभेग्छे ग्यागाल्गा वान् थायुलागाद् वू गार्गा। एने मोनि गेजु वोल्जुग्मान् गेबे। मोन् ग्योबेगुन् इनु इरेगेद्। नादा इदेगेन् आछा। निगेन् नोम् इ उइलेद्सु थिन् थुलादा। एने मोनि ओछिवु वूलुगे खेमेग्सेन् दुर्। एखे इनु इदेगेन् इ सिजु ओग्गुगेद्। खागाल्गा वान् थायुलाजु खागागाद् मागुवाइ। थेरे इदेगेन् इ इदेजु दागुमुगाद् सोनि वोलग्सान् छाग् युर्। गादाना गाग्या गेवेसु। एग्ने इनु छूर्गालाजु वेग्गिलेग्सेन् उ थुलादा एमे गार्वाइ। एखे दुर् इयेन् इरेगेद्। खागाल्गा थायिलाजु आछा गेबे। एखे इनु उगुलेङ्न्। ओनो ए उदेशि गादाना गार्खु खेरेग् उगेइ। नोम् उइल्देदसु वुगेसु सुभे छितु एने वायिना खेमेसुइ दुर्। खोबेगुन् इनु उग्सिलान् वार्गिराजु खागाल्गा थायिला गेजु वायिवाइ। थेरे जाद्वाबू

और मा से कहा—हे मेरी मात, तुम्हारा लडका बावला (गाल्जागुराखु) ही हो गया है। यदि बढता गया तो (येस्वेद्वेसु) अध्यापक और तुम्हारे प्राणों को हानि पहुचाएगा। उस ने पूछा—लडके ने क्या २ दोष किया है। उसने लडके की सब बातो को विस्तार पूर्वक कह सुनाया। उसकी मा डर गई और कहा—क्या किया जाए। यद् भावि तद् भावि ने कहा—लडके के आते ही (इरेमेग्छे) अपने द्वार को दृढ कर देना (थायुलागाद्) और उसको बाहर मत निकलने देना। आज रात भर के लिये यह निश्चय है (गेजु वाल्जुगसान् गेबे)। वह लडका आया और कहा—मुझे खाने के पश्चात् एक धर्म-कृत्य के लिये आज रात जाना है (ओछिवु वूलुगे)। इसकी माता ने भोजन बना कर दे दिया (खिजु ओग्गुगेद्) और अपने द्वार दृढता से (थायुलाजु) बन्द करके (खागागाद्) बैठ गई (सागुबाइ)। भोजन खा कर और समाप्त कर (दागुमुगाद्) रात होने के समय कहने लगा— मै बाहर जाऊगा (गादाना गाग्या)। मा ने ताला लगा कर (छूर्गालाजु) दृढ कर दिया था। अत वह बाहर नही निकल सका। उसने मा के पास आ कर कहा—द्वार खोल दो (थायिलाजु आछा)। मा ने कहा—आज सन्ध्या (उदेशि) बाहर निकलने की आवश्यकता नही। यदि धर्म-कृत्य करना है तो तुम्हारा मन्दिर यहा पर ही है। लड़का रोया (उग्सिलाद्) चिल्लाया (वार्खिराजु) और कहता रहा—द्वार खोल दो, द्वार खोल दो।

यद् भावि तद् भावि

१२४ थेरे छिङ्गेन् दुर् ओछिगाद् । सागान् उ ओगिन् उ बोल्जुगा दुर् गुठुं सेव्येवेगु । सागान् उ ओगिन् इरेगेद् । मोन् छाग् थुर् ओगिन् इ आब्युइ दुर् । याम्बार् वा खुब्छागुन् इ एरे दुर् एमुस्वेदेग् योमु बुढुगे सेमेन् । थेरे सुजुगुन् उ छिमेग् थेरिगुयेन् एल्देब् खुब्छागुन् इ आब्छु इरेगेद् । मायिन् उनुर् थेन् इ इनु बेये दुर् सुछिगेद् । वाशि यिन् ग्यानेगुन् वोस् सेमेग्गुइ दुर् । जाद्गावू दाद्गावू गेजु गेलेगेद् वोस्वाइ । ओगिन् उगुलेथन् । उरिदु उरिदु यिन् इग्गेद् वोन्दाग् आजि । ओना ए एदुर् उन् आर्गा जामादाग् इयार् उठु बोलसु खेमेगेद् सारिवाइ । जाद्वानू दाद्वानू मोन् सेव्येजु वायिवामु । आशि यिन् ग्यानेगुन् इनु । एलिगे मिनु एवेद्दुनेम् । गेर् थु वागुवामु । वुर्पान् दुर् चुजार् वोरमु । छि नामायि वारिजु वाइ । वि गादाना गारया खेमेग्सेन् दुर् । एखे इनु खोवेगुन् इ गादाना गार्गाश्राइ । एखे वेन् थुल्पिजु ओगिगाद् । यावुजु वोल्जुगा थु गाजार् आ खुएन् गेखुले । जाद्वानू दाद्वानू छि याम्बार् खोओर् थु खोबेगुन् विले । मिनु उन्याम्गु गाजार् थुर् यागुन् दु इरेवे गेजु खोयागुल्ला खेर्ल्दुवेइ । जाद्गानू दाद्वावू यावुवाइ । थेरे खोनेगुन् थेन्दे वेन् सेव्येग्सेन् दुर् । जाद्वावू खोवेगुन् इनु । नोयान् उ

इस बीच में (छिङ्गेन् दुर्) पहुंच गया । जब वह राजकुमारी के सकेत स्थान (वोल्जुगा) पर पहुच कर लेटा तो राजकुमारी आई । उन दिनो (मोन् छाग् थुर्) कन्या के विवाह पर (आब्युइ दुर्) जो भी (याम्बार वा) वस्त्र (खुब्छागुन्) वर को (एरे दुर्) पहनाने की विधि थी (एमुस्वदेग् योमु बुलुगे), वह कण्ठ का हार (सुजुगुन् उ छिमेग्) आदि नाना सम्भार ले आई। सुन्दर सुगन्ध से इसके शरीर को सुवासित कर (सुछिगेद्) बोली—गुरुपुत्र उठो ।

"यद् भावि तद् भावि" यह कह कर वह उठा । लडकी ने कहा—पुराने पूर्व के प्रणिधान (इग्गेद्) से [विवाह-सयोग] होता है । आज दिन की चतुराई तथा छल कपट से नही होता* । यह कह कर चली गई ।

यद् भावि तद् भावि वही लेटा रहा ।

ऋषिपुत्र ने कहा—मेरा यकृत् (एलिगे) दुखता है (एवेद्दुनेम्) । मैं घर मे शौच करूगा तो (वागुवामु) वृद्ध के लिये अपवित्र होगा । तुम मुझको पकडे रहो । मैं बाहर निकलूगा । मा ने लडके को बाहर निकाला । उसने अपनी मा को धकेल छोडा (थुल्खिजु ओखिगाद्) और चलता हुआ । सकेत स्थान पर पहुचा ही था कि यद् भावि तद् भावि ने कहा—तुम कैसे दुष्ट लडके हो । मेरे सोने के (उन्याम्गु) स्थान पर क्यो आए हो । यह कह कर दोनो (खोयागुला) लड पडे (खेर्ल्दुबेइ) । यद् भावि तद् भावि चला गया । वह लडका वहा लेट गया। यद् भावि तद् भावि लडके ने सेनापति की

*श्री वॉडन का अनुवाद सर्वथा भ्रान्त है 'This is a prayer from olden times I cannot conform to today's false trickery."

१२४ थेरे छिरुगेन् दुर् ओछिगाद् । खागान् उ ओसिन् उ बोल्जुगा दुर् सुर्हु खेब्येवेसु । खागान् उ ओग्सिन् इरेगेद् । मोन् छाग् थुर् ओसिन् इ आब्बुइ दुर् । याम्वार् वा खुब्छामुन् इ एरे दुर् एमुस्नेदेग् योमु बुलुगे खेमेन् । थेरे खुजुगुन् उ छिमेग् थेरिगुथेन् एल्देब् सुब्छासुन् इ आब्छु दरेगेद् । सायिन् उनुर् थेन् इ इनु वेये दुर् सुछिगेद् । वाग्शि यिन् खोनेगुन् बोम् सेमेगुइ दुर् । जाद्वाबू दाद्वाबू गेजु खेलेगेद् बोस्वाइ । ओग्मिन् उगुलेछन् । उरिदु उरिदु यिन् इरुगेल् बो दाग् आजि । ओनो ए एदुर् उन् आर्गा जासादाग् इयार् उलु बोत्खु सेमेगेद् सारिवाइ । जाद्वाबू दाद्वानू मोन् सेब्येजु वायिवामु । आग्शि यिन् गोवेगुन् इनु । एलिगे मितु एवेद्दुनेम् । गेर् थु वागुवामु । वुर्सन् दुर् वुजार् बोल्नु । छि नामायि वारिजु वाइ । वि गादाना गारया सेमेग्मेन् दुर् । एसे इनु सोवेगुन् इ गादाना गार्गानाइ । एखे वेन् थुल्गिजु ओखिगाद् । याबुजु बोल्जुगा थु गाजार् आ खुरुन् गेखुले । जाद्वानू दाद्वानू छि याम्वार् खोओर् थु खोनेगुन् विले । मितु उन्याम्बु गाजार् थुर् यागुन् दु इरेवे गेजु खोयागुला खेरल्दुवेइ । जाद्वानू दाद्वाबू यानुवाइ । थेरे सोवेगुन् थेन्दे वेन् खेब्येग्मेन् दुर् । जाद्वाबू खोवेगुन् इनु । नोयान् उ

इस बीच में (छिरुगेन् दुर्) पहुंच गया । जब वह राजकुमारी के सकेत स्थान (बोल्जुगा) पर पहुच कर लेटा तो राजकुमारी आई । उन दिनो (मोन् छाग् थुर्) कन्या के विवाह पर (आब्बुइ दुर्) जो भी (याम्बार वा) वस्त्र (खुब्छासुन्) वर को (एरे दुर्) पहनाने की विधि थी (एमस्खदेग् योमु बुलुगे), वह कण्ठ का हार (खुजुगुन् उ छिमेग्) आदि नाना सम्भार ले आई। सुन्दर सुगन्ध से इसके शरीर को सुवासित कर (सुछिगेद्) बोली—गुरपुत्र उठो ।

"यद् भावि तद् भावि" यह कह कर वह उठा । लडकी ने कहा—पुराने पूर्व के प्रणिधान (इरुगेल्) से [विवाह-सयोग] होता है । आज दिन की चतुराई तथा छल कपट से नही होता* । यह कह कर चली गई ।

यद् भावि तद् भावि वही लेटा रहा ।

ऋषिपुत्र ने कहा—मेरा यकृत् (एलिगे) दुखता है (एवेद्दुनेम्) । मैं घर मे शौच करूगा तो (वागुवामु) वृद्ध के लिये अपवित्र होगा । तुम मुझको पकडे रहो । मैं बाहर निकलूगा । मा ने लडके को बाहर निकाला । उसने अपनी मा को धकेल छोडा (थुल्खिजु ओखिगाद्) और चलता हुआ । सकेत स्थान पर पहुचा ही था कि यद् भावि तद् भावि ने कहा—तुम कैसे दुष्ट लडके हो । मेरे सोने के (उन्याम्बु) स्थान पर क्यो आए हो । यह कह कर दोना (खोयागुला) लड पडे (खेरल्दुवेइ) । यद् भावि तद् भावि चला गया । वह लडका वहा लेट गया । यद् भावि तद् भावि लडके ने सेनापति की

*श्री बोम्पा का अनुवाद सर्वथा भ्रान्त है 'This is a prayer from olden times I cannot conform to today's false trickery."

१२५ ओखिन् थुशिमेल् उुन् ओखिन् सेल्ये यि उरिदु योसुगार् खारिगुल्वाइ । मोन् आदि यिन् मोवेगुन् । मोर् मोर् थु आनु ओरोगाद् खोगुमुन् इयार् खारिवाइ । थेरे छाग् थुर् खागान् उ ओखिन् बोल्खुला । खुर्गेन् दु ओग्खुइ दुर् । आल्यान् इयार् छिमेग्लेजु ओग्गु । नोयान् उ ओखिन् इ मोङगु इयेर् छिमेखु । थेगुन् एछे वुसुद् इ आलि ओल्दाग्सान् इयार् छिमेदेग् बुलुगे । थेन्दे एछे जाद्बाबू देमेइ आरिजल् उुगेइ खोला यावुगाद् । बुरुगु नोम् थु खारा थुशिमेल् नेरे थु । निगेन् खागान् उ ओरोन् दुर् खुर्बेइ । थेरे खागान् बेर् । निगे जोव् नोम् थु खागान् उ ओखिन् इ गुयुन् आबुग्सान् दुर् । येरे ओखिन् बि खागान् दुर् ओछिखु उुगेइ । खेर्बेर् ओछिवासु । येये बेन् मिङगान् खेसेग् एन्देसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खागान् आगुर्लाजु । थेगुन् इ याङखान् बोल्गावाइ । थेगुन् दुर् एदुर् खेदुन् खुमुन् यावुवासु मोङगु आब्खु बुलुगे । थेगुन् दुर् निगेन् खेङ्गेर्गे उयागाद् । निगेन् देलेद्बेसु छेन् आब्खु । खेदुइ छिनेगेन् देलेद्बेसु । येदुइ छिनेगेन् छेन् आब्खु बुलुगे । जाद्बाबू खोबेगुन् खुरुगेद् । खेङ्गेर्गे उुन् बिछिग् इ उजेगेद् । थोगा उुगेइ ओलान् या देलेद्बेइ । खागान् बेर् मोनुसुगाद् । याम्बार् ओलान् उलुस्

लडकी, मंत्री की लडकी, सब (सेल्ये) को पहले समान लौटा दिया। उस ऋषिपुत्र ने एक २ मार्ग मे प्रवेश किया और शून्य पा कर लौट गया।

उन दिनो यदि राजकुमारी होती तो (बोल्खुला) वर को (खुर्गेन् दु) देते समय (ओग्खुइ दुर्) स्वर्ण से आभूषित कर (छिमेग्लेजु) देते थे। सेनापति की कन्या को चादी से आभूषित करते (मोङगु इयेर् छिमेखु)। इससे भिन्न (वुसुद्) को जो कुछ मिलता (आलि ओल्दाग्सान्) उसी से आभूषित करते।

तब यद् भावि तद् भावि इधर उधर (देमेइ) बिना थके हुए (आरिजल् उुगेइ) दूर (खोला) चला गया और मिथ्या धर्म वाले (बुरुगु नोम् थु) कृष्णमंत्री (खारा थुशिमेल्) नाम के एक राजा के देश मे पहुंच गया। इस राजा ने एक सम्यग्धर्म वाले (जोव् नोम् थु) राजा की कन्या को माग कर (गुयुन्) उससे विवाह किया था (आबुग्सान् दुर्)। वह लडकी बोली—मैं राजा के पास न जाऊगी (आछिखु उुगेइ)। यदि (खेर्बेर्) जाऊंगी तो (ओछिवासु) अपने शरीर के एक सहस्र खण्ड कर दूगी (खेसेग् एन्देसुगेइ)। इस पर राजा रुष्ट हो गया (आगुर्लाजु) और उसको वेश्या बना दिया (याङखान् बोल्गावाइ)।

उसके पास (थेगुन् दुर्) दिन मे जितने भी व्यक्ति जाते, उनसे धन ले लिया जाता। उसके पास एक ढोल लटका दिया गया था (उयागाद्)। यदि एक बार बजाते तो एक माशा (छेन्) मिलता। जितनी बार बजाते, उतने ही माशे धन मिलता। यद् भावि तद् भावि लडका आया। ढोल पर लिखा हुआ देखा। असंख्य (थोगा उुगेइ) बार बजाया। राजा ने सुना। कितने (याम्बार्) अधिक (ओलान्) लोग

[illegible]

— [illegible] —

[illegible]

— [illegible] —

[illegible]

११६ छुग्लाग्सान् बोल्बा गेजु वाशर्लागाद् । निगेन् थुशिमेल् इ इलेगेजु तुजेगुलुग्सेन् दु । गाग्छासान् खुमुन् गेजु इरेबेइ । एवेद्छि थेइ खुमुन् बोल्बाउ । याम्वार् खुमुन् वोल्वा गेजु खेलेल्छेवेइ । थेरे खायुन् सोयार् दागागुल् थाइ वुलुगे । थेरे ओखिन् इयेन् इलेगेजु तुजे खेमेवेसु । निगेन् खुमुन् वायिनाम् गेजु इरेवे । निगेन् ओखिन् इ जासागाद् निगेन् ओरोगे वायिशिड दुर् ओरोगुलुगाद् । दिड सायागाग्सान् दुर् । दालावु उम्थार्गाजु ओखिबा । खोब्रेगुन् उगुलेरुन् । दिडछि एमे दिड इयेन् शियागा गेवे । थेरे ओखिन् । खायुन् दागान् ओछिगाद् । नामायि दिडछि गेजु एसे बोल्वाइ । ओरो देविस्खेर् जासाग्छि ओखिन् इयेन् इलेगेवे । ओरो देविस्खेर् जासावासु दालावु आवगाद् बुरु ओखिजु वायिबा । वासा विरमिजिद् उगुलेरुन् । ओरो जासाग्छि एमे । ओरो जोब् जासा गेवे । थेरे ओखिन् वासा ओछिगाद् । खायुन् दागान् उगुलेरुन् । नामायि ओरो जासाग्छि गेजु एसे बोल्वा खेमेग्सेन् दुर् । खायुन् इयेर् उगुलेरुन् । एने बगुदे यि मेदेखु उखागान् थु बोल्बाउ । सेडगेर्गे ओलान् देल्दगु बुगेसु बोदिसादुआ बोल्वाउ । याम्वार् खोवेगुन् वायिना गेजु आसागुवा । ओखिन् उगुलेरुन् । खुमुन् उ वेयेन् एछे सेयुर्खेइ तुलेम्जि बेये थेइ । सुर् जिब्गुलाड थु वायिना

इकट्ठे हुए होंगे (छुग्लाग्सान् बोल्वा), यह सोच कर प्रसन्न हुआ । एक मन्त्री को भेजा । देख कर मन्त्री आया और कहा—केवल एक व्यक्ति है । क्या रोगी जन है, किस प्रकार का जन है, यह चर्चा करने लगे ।

उस रानी के दो दासियां थी । उसने इन दासियों को भेजा कि देख आओ । लडकियों ने कहा—केवल एक जन है । उसने एक लडकी को आभूषित कर (जासागाद्) एक स्तम्भकोष्ठ (ओरोगे वायिशिड pavilion) में प्रवेश कराया (ओरोगुलुगाद्) । जब उसने दीपक (दिड) जलाया तो (सायागाग्सान् दुर्) दालावु ने बुझा छोडा (उम्थार्गाजु ओखिबा) । लडके ने कहा—दीपक वाली वनिते, अपना दीपक जलाओ (शियागा) । लडकी अपनी रानी के पास गई और कहा—मुझको दीपक वाली कहते हैं और कुछ नहीं मानते (एसे बोल्वाइ) । पलग (ओरो) और बिस्तर (देविस्खेर्) बिछाने वाली (जासाग्छि) लडकी को भेजा । पलग और बिस्तर बिछाया तो दालावु ने उठा कर (आवुगाद्) उलटा छोडा (बुरु ओखिजु वायिबा) ।

फिर विक्रमादित्य ने कहा—पलंग बिछाने वाली वनिते, पलग ठीक बिछाओ । वह लडकी भी चली गई और अपनी रानी से कहा—मुझको पलंग बिछाने वाली कहते हैं और कुछ नहीं मानते । रानी बोली—क्या वह सब कुछ जानने वाला पडित है । ढोल को बहुत बार बजाया है तो क्या बोधिसत्त्व है । कैसा लडका है । यह पूछने पर दासी ने कहा—व्यक्ति के शरीर से आवश्यकता से अधिक (सेयुर्गेइ तुलेम्जि) ओजस्वी तेजस्वी शरीर है ।

१२७ गेरे । थेगिमु योन्चागु आब्लु इरे गेरे । सागान् वेर् इरेजु उजेगेद् दनियेनेइ । साधुन् इयेर् उजेगेद् वायामुन् इनियेनेइ । सागान् उ बेयेन् एछे छागान् ओन्ने थेइ गेरेल् गाग्गाद् । वामा एर्गेजु वायिना । साधुन् उ जिग्मेन् दुर् शिङ्गेवेइ । साधुन् उ बेयेन् एछे उगागान् ओन्ने थु गेरेल् गाग्गाद् । वामा सागान् उ बेयेन् दुर् शिङ्गेवेइ । सागान् । साधुन् नेयिलेग्सेन् दुर् । थेरे वायिशिड गेगेन् गेरेल् इयेर् दुगुरुवेइ । वायास्गुलाड छेड्गेल् थोग्गेजु सोनुगाइ । मार्गाया आनु धुनिमेल् सागान् । सोनि ओलान् सेड्गेर्गे देलेद्दुग्धि सुमुन् एछे आब्लु इरे गेजु निगेन् सुमुन् इ इल्गेवेइ । थेरे सुमुन् ओछिगाद् । सागान् । साधुन् इ उजेजु सुर् थुर् दाग्दागाद् । उगुलेन् एगे छिदागाद् । वुधाजु सागान् दागान् आयिलाद्साग्न् । थेरे सुमुन् येगे गुर् जिव्सुलाड थाइ । आयुगु मेयु दुरि थेइ बुगेद् । याङसान् लुगा गाम्धु सागुना गेजु खेलेग्सेन् दुर् । सागान् वेर् दावें थावुन् सायिद् इ ओछिजु इरे गेवे । थेरे सायिद् ओछिगाद् । मोन् सुर् थुर् आनु दाग्दागाद् । दागुन् उगेइ वुधाजु । सागान् दागान् उगुलेघुन् । सागान् वेर् आयुगाद् । छिङ् बोल्याउ । यागुन् बोल्या गेजु छेरिग् उन्

यदि ऐसी बात है तो ले आओ । विक्रमादित्य आया, वेश्या को देखा और हसा । वेश्या भी देख कर प्रसन्न हुई और हसी । राजा के शरीर से श्वेतवर्ण की प्रभा निकली । फिर उसकी परिक्रमा की (एर्गेजु वायिना) और वेश्या के हृदय में लीन हो गई (शिङ्गेवेइ) । वेश्या के शरीर से रक्तवर्ण की प्रभा निकली जो राजा के शरीर मे लीन हो गई । राजा और रानी मिले (नेयिलेग्सेन् दुर्) और वह घर (वायिशिड) चमकते प्रकाश से (गेगेन् गेरेल् इयेर) भर गया (दुगुरुवेइ) । आनन्द क्रीडा (वायास्गुलाड छेड्गेल्) हुई और ऐसे रात बीती ।

अगले दिन (मार्गाया), मन्त्री राजा ने "रात्रि को बहुत बार ढोल बजाने वाले व्यक्ति से रुपया लेकर आओ" यह कह कर एक व्यक्ति को भेजा । वह व्यक्ति गया । उसने राजा और वेश्या को देखा । वह उनके तेज से अभिभूत हो गया (दाग्दागाद्) और बोल न सका । लौट कर (वुधाजु) अपने राजा से निवेदन किया । वह जन बहुत ओजस्वी तेजस्वी है, भैरवरूप है । वह वेश्या (याङ्सान्) के साथ बैठा हुआ है । राजा ने चार पाच सामन्तो को कहा—जा कर लाओ (ओछिजु इरे) । सामन्त गये । वे भी (मोन्) उसके तेज से अभिभूत हुए । बिना शब्द कहे लौट आये और अपने राजा से निवेदन किया । राजा भयभीत हो गया । देवता है क्या । क्या है इति सेना की

[illegible]

[illegible]

१२- आयिमाग् इ दागुदाजु । छेरिग् इयेर् गुरियेलेगुलुन् । इर् थु मेसे मारिजु । थेरे वायिशिद दुर् ओद्विगाद् । छि यागुन् गुमुन् वुइ गाछुं इरे गेव । निगेन् ओखिन् इयेर् । उरिदा यिन् दोर्जेन् ओगिन् उ एमुस्नेल् इ ओग्छिस्सेन् दुर् । सागान् थेरे सुन्धागुन् इ उजेगेद् । एगिमु येखे साइ थु गुमुन् वायिना गेरे । थेरे ओखिन् एछे आमागुना । सायिन् ओर्जे गेरल् थेइ वायिना गेरे । सागान् वेर् उगुलेरुन् । इरे गेरेसु उलु बोलुम् । वि ओवेर् इयेन् ओद्विया सेमेगेद् । एमुने वेन् सायिद् थुर् जेर् जेब्सेग् वारिगुल्जु ओरोगुल्वासु । बिर्कमिजिद् सागान् नेइ उलेम्जि गेरेल् वादाराजु वायिगुइ दुर् । सायिद् इयेर् आयुगाद् सोगुद्छु सागुवाइ । सागान् वेर् ओरोगाद् । गेरेल् गुर् थुर् दारुदाजु दागुन् गारर् उगेइ वासा सोगुद्वेइ । मोन् सागाव् वेर् खेन् बुइ सेमेन् आमागुन् एसे छिदावाइ । जाद्वाग् उगुलेरुन् । खोओर् थान् इ एछुल्गेग्छि बुरगु नोम् थान् इ दारुजु । जोव् नोम् इयेर् थेद्खुजु देल्गेरेगुलुन् । जोग्रालाइ थु आमियान् इ जिर्गागुलुग्छि । बिर्कमिजिद् सागान् वि बुलुगे सेमेगुइ दुर् । थेरे सागान् एगिरेन् सायिद् थुद्रिमेद् सोगुद्दुन् मोर्गु गेद् । बोग्दा येखे नेरे यि सोनुसुग्सान् बुलुगे ।

टुकडी को बुलाया (आयिमाग् इ दागुदाजु) । अपनी सेना से घेरा डलवा कर (गुरियेलेगुलुन्), तीक्ष्ण अस्त्र (इर् थु मेसे) हाथ में ले कर, उस घर में गया और कहा—तुम कौन जन हो, बाहर निकल आओ। उसने एक दासी के द्वारा पहले की चार कुमारियो के वस्त्रो को भेज दिया। इनको देख कर पिता ने कहा—कितना बडा धनी जन होगा । और दासी से पूछा । दासी ने कहा—वह सुन्दर वर्ण-प्रभा वाला व्यक्ति है । राजा ने कहा—आओ । पर वह नही माना (बोलुम्) । अब मैं स्वय जाता हू—यह कह कर अपने आगे सामन्तो को अस्त्र शस्त्र (जेर् जेब्सेग्) पकडा कर (वारिगुल्जु) प्रवेश कराया । राजा विक्रमादित्य अत्यधिक (नेइ उलेम्जि) प्रभामय और ज्वलन्त (वादाराजु) शरीर था । सामन्तो ने भयभीत हो कर घुटने टेक दिये । राजा ने प्रवेश किया । प्रभा और तेज से (थुर्) अभिभूत हो कर कुछ बोल न सका । उसने भी (वासा) घुटने टेक दिये । राजा यह भी न पूछ सका—तुम कौन हो ।

यद् भावि तद् भावि बोला—दुष्टो का (खोओर् थान् इ) अन्त करने वाला (एछुल्गेग्छि), मिथ्या धर्म का दमन कर (बुरगु नोम् थान् इ दारुजु), सम्यग् धर्म की रक्षा कर (थेद्खुजु) उसकी उन्नति करने वाला (देल्गेरेगुलुन्), दुःखी प्राणियो को सुखी करने वाला (जिर्गागुलुग्छि) मैं विक्रमादित्य राजा हू । यह कहने पर राजा प्रभृति सामन्तो और मन्त्रियो ने घुटने टेक कर नमस्कार किया और कहा—हमने महात्मा के बडे नाम को सुना है ।

१२६ छिनु जालिग् आछा बू दावासुगाइ खेमेगेद् । खारिजु खोथान् दुर् छुग्लान् जोब्लेजु खेलेल्छेवेइ । थेरे खागान् उ ओखिन् [एर्खे] दुर् । बिदे ओरोखु बुयु गेजु सायिद् आछा वान् आसागुबासु । सायिद् आनु उगुलेरुन् । एने बिकर्मिजिद् थुर् । दायिसुन् एगुस्खेखु एछे वायिथुगाइ । बेये यि इनु उजेगेद् सुर्येखु बुगेयेले । दायिसुन् एगुस्खेजु उलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् । खागान् बेर् एने खागान् उ एर्खे दुर् ओरोया खेमेगेद् । येखे खुरिम् इ बेलेद्छु विकर्मिजिद् इ । खाथुन् थाइ खोयागुला यि जालाबाइ । थाब्छाङ देविस्छु खागान् । खाथुन् इ थेरे थाब्छाङ देगेरे सागुरगाजु खुरिम् वारिगाद् खागान् दुर् आयिलाद्खारुन् । खागान् उ जालिग् इयार् याम्बार् वा । खेरेग् इ बिदे उइलेदुये खेमेग्सेन् दुर् । विकर्मिजिद् जोब्शियेगेद् थोनिलाखु यिन् योग यिन् गुछिन् जिर्गुगान् बुथि यि नोम्लान् ओग्गुगेद् । थेदेगेर् नेर् खारिल् उगेइ सुसुग् बिशिरेल् थोरोग्सेन् इयेर् आमुगुलाङ ओरोन् दुर् थोरोखु बोल्बाइ । विकर्मिजिद् खारिखुइ दुर् जागुन् मिङगान् जागान् दुर् । एर्देनि यिन् साङ इ आछिजु । मोन् थेरे खाथुन् दागान् । ओलान् दागाल्था यि दागागुरुन् । खागान् उ जालिग् इयार् शिखुर् । दुबाछा । छोमोलिग् थुग् । गिउर्

हम तुम्हारे आदेश को नही टालेंगे । वे लौट कर नगर मे इकट्ठे हुए और मिल कर बातचीत की । राजा ने अपने सामन्तो से पूछा—क्या हम उस राजा के अधीन (एर्खे दुर्) हो जाए । सामन्तो ने कहा—इस विक्रमादित्य के साथ शत्रुता की रचना करना तो दूर रहा (दायिसुन् एगुस्खेखु वायिथुगाइ) उसके शरीर को देख कर ही हम लोग घबरा गए हैं (सुर्येखु बुगेयेले) । अत शत्रुता की रचना नही हो सकती । राजा ने कहा—अच्छा इस राजा के अधीन हो जाएगे (एर्खे दुर् ओरोया) । राजा ने बडा उत्सव रचा और विक्रमादित्य तथा उसकी रानी दोनो को निमन्त्रित किया । आसन (थाब्छाङ) बिछा कर (देविस्छु), उस पर बिठा कर भोज दिया (खुरिम् वारिगाद्) और निवेदन किया—राजा के आदेश से कोई भी (याम्बार् वा) काम (खेरेग्) हो उसको हम करेंगे (उइलेदुये) । विक्रमादित्य ने स्वीकार किया और मुक्ति (थोनिलाखु) योग की ३६ भूतियो (बुथि) का प्रवचन दिया । उनमें अप्रत्यागामिनी (खारिल् उगेइ) श्रद्धा (सुसुग्) भक्ति (बिशिरेल्) उत्पन्न (थोरोग्सेन्) होने से सुखावती लोक में (आमुगुलाङ ओरोन् दुर्) उनका जन्म होगा (थोरोखु बोल्बाइ) ।

विक्रमादित्य के लौटते समय, १०० सहस्र हाथियो पर रत्न निधि लाद कर (आछिजु) दी गई । उस रानी के पीछे २ अनेक दासिया चली । राजा के आदेश से छत्र (शिखुर्), ध्वज (दुबाछा), वितान (छोमोल्गि्), झण्डे (थुग्), केयूर ? (गिउर्)

१३० खाद्खुन् । छाट सेंड्गेगें देलेद्दुन् । वुरियेन् । विशिगुर् थाथागुल्जु । वुर्खान् उ योसुन् एयिमु वुगेद् । ओगेदे बोल्खुइ दुर् । थेयिमु बोलाइ । एगुन्छे खोयिना । एने मेयु बोल्खु गेजु सुर्गगाद् खागान् । खायुन् इ थेरे खागान् थेरिगुलेन् वुगुदेगेर् दागान् याबुबाइ । खागान् । इनादु खागान् दुर् एल्छि इलेगेजु एयिन् जाखिरुन् । खागान् छि बेर् । बोग्दा बिर्कामिजिद् इ एसे थानिग्सान् आजुगु । थान् उ गाजार् आ याबुखु दागान् जाद्वाबू दाद्बाबू खेमेन् याब्जु सुइलेग्सेन् गेनेम् । एने बोग्दा विर्कामिजिद् । मान् उ एन्दे ओगेदे वोलुगाद् । खाराड्गुइ सेद्खिल् इ मानि । नारान् उर्गुग्सान् मेयु गेयिगुल्बेइ । विदे खोयार् येखे दायिसुन् बोलोल्छागाद् । छेरिग्लेन् उखुलेल्दुगेद् बुलुगे । ओदो एखे । खोबेगुन् खोयार् थुर् आदालि बोल्खु वुइ जा खेमेन् एल्छि इलेगेवेइ । थेरे एल्छि खुरुगेद् । खागान् दुर् । एने उछिर् इ आयिलाद्खाग्सान् दुर् । खागान् आधुगाद् । एने यागुन् उगे बुलुगे खेमेगेद् । सायिद् बुगुदे एछे आसागुवासु । खेउखेद् उगुलेनेम् बिले । बिर्मान् नाग्शि यिन् देर्गेदे याबुग्सान् जाद्वाबू दाद्बाबू नेरे थु खोबेगुन् याबुदाग् । थेरे उजेजु खानुशि उगेइ गोओआ उजेस्खुलेड थु थेयिमु खोबेगुन् बुलुगे

खडे किये गये (खाद्खुन्), झाझ और ढोल पिटवाए गये, शंख शहनाई बजवाए गये । और उनको समझाया—युद्धों का यह नियम है । यात्रा होने पर इस प्रकार होता है । आज से आगे इसके समान हुआ करेगा । राजा आदि सब, राजा रानी के पीछे २ चले ।

राजा ने इधर के (इनादु) राजा के पास दूत भेज कर यों कहा (जाखिरुन्)—राजन् तुमने विक्रमादित्य को नही पहचाना था । तुम्हारे देश मे यात्रा करते समय यद् भावि तद् भावि यह कहते २ चलता हुआ (याबुजु) थक गया था (सुइलेग्सेन्) । इस महात्मा विक्रमादित्य ने हमारे यहा (एन्दे) पधार कर (ओगेदे बोलुगाद्), हमारे अन्धकारमय (खाराड्गुइ) चित्त को, उदय (उर्गुग्सान्) होते हुए सूर्य के समान प्रकाशित किया है (गेयिगुल्बेइ) । हम दोनो बहुत शत्रु बन कर (बोलोल्छागाद्) लडते रहे हैं (छेरिग्लेन्), मार काट करते रहे हैं (उखुलेल्दुगेद् बुलुगे) । अब हम को माता और पुत्र, इन दो के समान हो जाना चाहिये ।

यह कह कर, जो दूत भेजे गये थे, वे आ पहुंचे । ये बात निवेदन करने पर राजा ने भयभीत हो कर कहा—यह कैसे शब्द हैं । सब सामन्तो से पूछा । उन्होंने कहा—लड़किया कह रही थी— ब्राह्मण (बिर्मान्) गुरु के पास (देर्गेदे) चलता फिरता (याबुग्सान्) यद् भावि तद् भावि नाम का लड़का आया था । उसको देख कर सन्तोष (खानुशि) नही होता था । वह इस प्रकार का सुन्दर अभिरूप लड़का था ।

१३१ गेजु उरिद् यारुग्गान् यावुदार् इ देगेरेड्गुइ ए उगुलेग्गेन् दुर् ।, सागान् येरोदे वायागुगाद् उगुलेग्गुन् । येरे वोग्दा दुर् गुछुं मोगुंये गेमेन् गेलेल्छेगेद् । गारिन् एन्दे ओगेदे वोडुग्गान् इ चि एशे मेदेग्सेन् इ दोर्वेन् गेजुग्वेद् एयिमु मेदेग्मेन् आजुगु गेमेगेद् । नागुर् दानाइ मेयु येग्वे खुरिम् इ वेन्द्गेद् । खागान् । गायुन् । सामुग् गायिद् युशिमेद् उलुस् इर्गेन् वुगुदे गुरागाद् । वुर्गान् उ योगुगार् उग्युन् यावुनाइ । वोग्दा विकर्मिजिद् । येन्दे गुठुं इरेग्गुइ दुर् इयेन् । नारान् उ गेरेल् मेयु वादाराजु इरेग्गुइ दुर् । वुगुदेगेर् उजेजु गायिसागाद् । आइ वोग्दा गागान् गेग्छि एने वुइ जा खेमेन् वायासुलाद्ध यु सेद्खिल् योरोगेद् । वायार्ग्गागार् इरेगेद् । सागान् एग्गिलेन् । सामुग् वुगुदे उनान् मोगुंगेद् । आमुगुलाद्द इ इरेजु वायासुन्छागाद् । सोयान् दुर् इयान् जालानाइ । येखे खुरिम् इ वारिगाद् । वुगुदेगेर् एगे योगेगुर् जोलागुल्छाग्गान् मेयु सेद्ग्गिर् येन् योल्वा । विकर्मिजिद् । येरे सागान् उ ओरोन् दुर् शाशिन् योगु यि वाधुदा वायिगुल्जु । जासाग् छागाजा यि योल्शिद्खगेद् यावुगुल्वाइ । येदेगेर् आमियान् इ योनिलागु यिन् मार् युर् उदुरिदुगाद् दोर्वेन् सेडुखेद् इ सायुन् योल्गालुगा ।

यह कह कर पढ़ते हुए चरित को विस्तार से कह सुनाया । राजा बहुत प्रसन्न हो कर बोला—उस महात्मा के पास चल कर नमस्कार करेंगे । उल्टी (खारिन्) बात है कि उसके यहां (एन्दे) पधारने को (ओगेदे योलुग्गान् इ), जिसको मैं नही जानता था, चार लडकिया इतनी अच्छी प्रकार जानती हैं। यह कह कर सरोवर और समुद्र के समान महान् उत्सव रचाया । राजा रानी, समस्त सामन्त मन्त्री और सब प्रजा (उलुस्) और जनता (इर्गेन्) इकट्ठे हुए और बुद्ध के नियमानुसार उनके स्वागत के लिये चले (उग्युन् यावुवाइ) । महात्मा विक्रमादित्य वहा आ पहुचे । वे सूर्य के समान ज्वलन्त होते हुए आये । सब देख कर चकित हुए और कहने लगे—यह महात्मा राजा कहलाते हैं। प्रसन्नता के विचार उत्पन्न हुए । प्रसन्नता पूर्वक आ कर राजा आदि सब जनो ने गिर कर (उनान्) अर्थात् दण्डवत् प्रणाम किया । क्षेम (आमुगुलाद्द) पूछा (इरेजु) और प्रसन्न हुए । अपने नगर मे निमन्त्रित किया । बडा उत्सव दिया (वारिगाद्) । सब के सब माता और पुत्र के समान मिले हुए चित्त वाले बन गये । विक्रमादित्य ने उस राजा के देश में धर्म और शासन को दृढता पूर्वक (वाधुदा) स्थापित किया (वायिगुल्जु) । नीति शासन (जासाग् छागाजा) को सुधार कर (योल्शिद्खेगेद्) चलाया (यावुगुल्वाइ) । प्राणियो को मुक्ति (योनिलाखु) के मार्ग में ले जा कर (उदुरिदुगाद्) चारो लडकियो को रानी बनाया ।

[illegible]

१३२ विर्कमिजिद् येग्ये ओर्दु गार्शि दुर् इयान् थेगेरेजु जालारान् ओगेदे वोल्वाइ । थेरे सागान् उरिदा एरिद्ध इरेगेमु देगेन् । सायुन् एग्गिग्न् । गाल्शा सागान् । शालु थेरिगुयेन् वुगुदे दुर् गेरे गेमेन् इरेगेवेइ । एल्हि मुगुगेद् । गायुन् दुर् मागान् उ आयिलादुग्गान् इ छोम् आयिलादगाग्मान् दुर् माधुन् जानु मामुग् थुर् जार्गाजु । वुगुदेगेर् छुग्लान् इरेगेद् । वोग्दा यि उग्युगु दागान् । वुसान् उ योमुन् इयार् । एल्देब् थाग्गिल् इ वारिजु । वोजिग् नागादुम् इयार् वोजिगलेग्सेगेर् उग्युजु । ओगेदे वोठुन् इरेगुइ यि । सायुन् एग्गिलेन् । शाद् नोयाद् वुगुन् इयेर् उजेगेद् गायिग्गारछावाइ । सुछुं इरेमेग्ठे । सागान् इ येग्येदे मोरगेस्छु छोम् निदुन् एछे निल्नुसुन् छुनुरागुल्जु एयिन् उगुलेन्दुरन् । आइ वोग्दा सागान् मिनु छिरेन् आल्जियाजु यावुवाउ । आमुर् मेन्दु वेर् ओगेदे वोठुन् इरेवेउ खेमेग्गुइ दुर् । सागान् जालिग् वोतोदन् । आर्वान् निगुल् इ थेग्छिजु । आर्गान् वुयान् थु नोम् इ देलगेरेगुलुग्मेन् उ सुछुन् इयेर् आमुर् मेन्दु इरेवेइ खेमेन् आलि वुगुदे सुर्गाल् उन् मावुदाल् इ आयिलादुगाद् । आमुर् मेन्दु सागुवाउ था खेमेगेद् । उलेशि उगेइ सार्शि दुर् इयान् ओगेदे वोल्वाइ । येग्ये ग्युरिम् खेशिग् इ आग्छु ओद्दुग्मान्

और फिर विक्रमादित्य सवार हो कर (थेगेरेजु) अपने बडे महल में प्रस्थान करके (जालारान्) पधारा ।

राजा ने पहले ही (उरिदा) अपने दूत भेजे थे—रानी से ले कर कनक राजा और शालु आदि सबको कहो (गेले)। दूत आए और रानी को राजा का कहा हुआ सब कुछ (छोम्) निवेदन किया। रानी ने सब को घोषणा की (जार्गाजु)। सब इकट्ठे हो कर आ गये और महात्मा का स्वागत किया। बुद्ध के नियमानुसार नाना बलि दी (थाग्गिल् इ वारिजु)। नृत्य क्रीडा से नृत्य करते करते स्वागत किया। पधार कर आते हुए को, रानी आदि राजा सामन्त, सबने देख कर आश्चर्य किया। जैसे ही पहुचे (सुछुं इरेमेग्ठे), बहुत वियोगग्रस्त हो कर (मोरगेस्छु) सब ने आखो से आसू (निल्नुसुन्) बहा कर (छुनुरागुल्जु) यो कहा—हे हमारे महात्मन् राजन्, थके (छिरेन्) मादे (आल्जियाजु) आपने यात्रा की क्या (यावुवाउ)। कुशल क्षेम (आमुर् मेन्दु) पूर्वक पधार आए हैं क्या। राजा ने कहा— दस पापो (निगुल्) को त्यागने (थेग्छिजु) और दस पुण्यमय (वुयान् थु) धर्मों का विस्तार करने की शक्ति द्वारा कुशल क्षेम पूर्वक आ गया हू। यह कह कर सभी ने (आलि वुगुदे) शिक्षा (सुर्गाल्) चरितो का वर्णन किया। फिर पूछा—कुशल क्षेम पूर्वक तुम लोग रहे हो क्या (सागुवाउ था)। यह कह कर अपने अपूर्व (उलेशि उगेइ)महल मे चला गया। महाभोज के प्रसाद (खेशिग्) को ले कर आए हुए

१११ येरे उट्टुम् पेरियुलेन् बुगुदे दुर् दोलुग्गन् ओनुग् बोल्याना। नुरिम् ओग्गुगेद्। शामिन् इ देन्नेरेगुट्टुन् जियान् मागुवाइ। मिनु
बोन्दा विरमिजिद्। येरे मेघु एर्दम् धु युल्गे गेमेग्मेन् दुर्। आराजि बोजि साग्गन्
गेद् पुर् इयेन् ग्यारिवाइ। बुग्गु नोम् यान् इ दोरोमिथुगुलुग्मान् सिगेद्। निगेन् मोदुन् नुमुन्
उगुरेग्मेन् नूल्गेर् बोनाइ।

उन सब जनों को सात दिन रात तक भोज दिया (नुरिम् ओग्गुगेद्)। और धर्म को फैला कर सुख से रहता रहा।

मेरा महात्मा विक्रमादित्य इन समान गुणी था। यह कहने पर राजा भोज अपने घर लौट गया। मिथ्या धर्म वालों को गिनने (दोरोमिथुगुलुग्गान्) आदि की यह एक पुतली की कही कहानी है।

'यामा निगेन् मोदुन् सुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

एर्थे छाग् थुर् । थुगिद् उन् ओरोन् दुर् खोयार् आर्शि युइ बुलुगे । खोयार् आर्शि छाम् बिजु मागुदाग् आजुगु । थेरे छाग् थुर् । दोओरा छाम्बुदिव् उन् आमियान् दुर् । निगेन् येखे धाशिन् देल्गेरेग्सेन् ओरोन् बुलुगे । थेरे ओरोन् दुर् निगेन् येखे जिब्खुलाङ थाइ खागान् बुइ बुगेद् । थेरे खागान् येर् उरे उगेइ यिन् थुला । सुवुर्गा वोस्खाजु । बुर्खान् बोदिसोङ दुर् जाल्बारिन् । उगेगू यादागु दुर् ओग्लिगे ओग्गुन् । ब्डि् लूस् आछा गुयुन् जाल्वार्छु वायिदाग् आजुगु । मोन् थेरे खागान् उ थुसा थुशिमेल् निगेन् छु उरे उगेइ दुर् बुर्खान् ब्डि् दुर् उर्गुल्जिदे जाल्बारादाग् बोलाइ । थेरे खागान् आनु । निगे जागुन् खाथुन् थाइ । थुशिमेल् इनु । दोछिन् एमे येइ आसान् आजुगु । देगेरेखि थेरे खोयार् आर्शि यिन् वागा आर्शि आनु । थेरे खागान् उ उरे उगेइ यि मेदेगेद् । येखे आर्शि यिन् देर्गेदे ओद्छु मोर्गुगेद् । एयिन् आयिलादगारुन् दोओरादु छाम्बुदिव् थु निगेन् खागान् । थुशिमेल् खोयार् उरे

## एकादश अध्याय

फिर एक पुतली बोली ।

प्राचीन काल में तुषित लोक मे दो ऋषि रहते थे । दोनो ऋषि ध्यान करते (छाम् बिजु) बैठे रहते थे (मागुदाग् आजुगु) । उस समय नीचे के (दोओरा) जम्बुद्वीप के प्राणियो मे एक महाधर्म-विस्तार का प्रदेश था । उस प्रदेश मे एक महातेजस्वी राजा था । उस राजा की कोई सन्तान न थी । अत उसने चैत्य बनवाए (सुवुर्गा वोस्खाजु), बुद्ध बोधिसत्वो (बोदिसोङ) से प्रार्थना की (जाल्बारिन्), दीनहीनो को (उगेगू यादागु दुर्) दान दिया । वे देवो तथा नागो से भी प्रार्थना करते रहते थे (गुयुन् जाल्वार्छु वायिदाग् आजुगु) । उसी राजा के विशेष (थुसा) मंत्री की एक भी (निगेन् छु) सन्तति न थी । अत' वह बुद्ध और देवताओ की सदा (उर्गुल्जिदे) प्रार्थना करता रहता था । राजा के १०० रानिया थी । मत्री के भी ४० स्त्रियां रहती थी (आगान् आजुगु) । ऊपर के (देगेरेखि) उन दो ऋषियो में से छोटे ऋषि को राजा के सन्तान न होने का पता लगा । उसने बडे ऋषि के पास जा कर नमस्कार किया और कहा—नीचे के जम्बुद्वीप के एक राजा और मन्त्री दोनो के सन्तान

१३८ डुगेइ आजुगु । थगुन् दुर् ओछिजु थोरोगेद् । आमियान् इ थुसालावासु बोलुमु खेमेग्सेन्
दुर् । येखे आशि जालिग् वोलोरुन् । वि वासा मेदेग्सेन् बोलाइ । छिमायि ओछिख् वुगेसु ।
वि ओछिग्वु डुगेइ । मिनु देगेंदे छुग् थोरोवेसु । आमियान् दुर् मिनु । छि खोओर् डुइलेद्वु ।
थुमागार् गाजार् आ थोरोवेसु सायिन् । खाम्धु थोरोवेसु शाशिन् इ एव्देखु दायिसुन् बोलुगाद् ।
मिनु बेये यि जोवागागु बुइ छि । एने छाम् दागान् सागु खेमेग्सेन् दुर् । बागा आशि
डुगुलेरुन् । गोदाम् थोयिन् उ देगेंदे ओछिगाद् । थाड्गारिग्लाजु छिनु देगेंदे याबुसुगाइ
खेमेग्सेन् दुर् । येखे आशि जोव्शियेगेद् । थेदे नेर् गोदाम् थोयिन् उ देगेंदे ओद्छु आयिलाद्खारुन् ।
दोओरा दु छाम्बुदिव् थुर् निगेन् ग्नागान् । थुशिमेल् खोयार् डुरे डुगेइ यिन् थुला । खुथुग्
गुयुन् इरुगेल् थाल्विजु गाशिगुदान् वायिखु थुला । विदे खोयार् ओछिजु थोरोगेद् । थेरे
आमियान् इ थुसालाखुला सायिन् वुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । येखे आशि डुगुलेरुन् । थोरोगेद् छि
नामायि जोवागाखु बुइ गेमेग्छे बागा आशि डुगुलेरुन् । वि खोओर् थु सेद्खिल् एगुस्खेखुले ।
बेये मिनु मिड्गान् खेसेग् खागाराथुगाइ गेजु थाड्गारिग्लावाइ । गोदाम् थोयिन् जालिग् वोलोरुन् ।

नही है । उनके यहा जा कर (ओछिजु) जन्म ले कर (थोरोगेद्) हम प्राणियो का भला करें (थुसालावासु), यह होगा क्या (बोलुमु) । ऐसा कहने पर बडे ऋषि ने कहा—मुझे भी यह पता था । यदि तुम्हारा जाना होगा तो मेरा जाना न होगा । यदि तुम मेरे साथ जन्म लोगे तो तुम मेरे प्राणो को हानि पहुचाओगे । हम लोगो का विभिन्न (थुमागार्) स्थानो मे उत्पन्न होना अच्छा होगा । यदि हम साथ जन्म लेंगे तो धर्म के नाशक (एव्देखु) शत्रु बनेंगे । मेरे शरीर को तुम सताओगे (जोवागाखु बुइ) । अत यहा अपने ध्यान मे बैठे रहो । छोटे ऋषि ने कहा—गौतम मुनि (गोदाम् थोयिन्) के पास जा कर (देगेंदे ओछिगाद्) प्रतिज्ञा करूगा (थाड्गारिग्लाजु) और तब तुम्हारे साथ जाऊगा । बडे ऋषि ने मान लिया । उन्होने (थेदे नेर्) गौतम मुनि के पास जा कर निवेदन किया—नीचे के जम्बुद्वीप में एक राजा और मन्त्री दोनो सन्तानहीन होने के कारण वर (खुथुग्) मागते (गुयुन्), प्रार्थना करते (इरुगेल् थाल्विजु) और दु खी रहते हैं (गाशिगुदान् वायिखु) । अत हम दोनो जा कर जन्म लेंगे । वहा प्राणियो की सहायता करना भला होगा । यह कहने पर बडे ऋषि ने कहा—जन्म ले कर तुम मुझको सताओगे । यह कहते ही (गेमेग्छे) छोटे ऋषि ने कहा—यदि मै दुष्ट विचारो की रचना करूं तो (एगुस्खेखुले) मेरा शरीर सहस्र खण्डो में टूट जाए (खागाराथुगाइ) । यह कह कर शपथ ली (थाड्गारिग्लावाइ) । गौतम मुनि बोले—

[illegible]

१३६ एने आशि यिन् जुगे बेर् यावु गेजु जोछियेनेइ । येखे आशि जुगुलेयन् । छि खागान् उ खोबेगुन् बोलुन् थोरो । बि थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् बोलुन् थोरोये गेजु बेलेल्छेगेंद् । सागुसान् ओरोन् दागान् जोछिवाइ । खुरुगेद् छाम् दुर् सागुजु थेरे खोयागुला निर्वान् बोल्वाइ । खागान् । थुशिमेल् खोयार् थुर् खुबिल्जु ओरोवाइ । खागान् बेर् वायासखुलाङ थु खुरिम् खिबेइ । थुशिमेल् इयेर् थेरे योसुगार् जुइलेद्छु । खारिया थु उलुस् थुर् इयान् जार्लावाइ । खागान् उ गादाना । बुगुदेगेर् छुग्ला खेमेन् । निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए । थेरे थुशिमेल् इयेर् येखे खुरिम् इ आवुग्राद् । खोबेगुन् इयेन् दागागुल्जु । खागान् दुर् वार्गाल्खान् मोर्गुजु एयिन् आयिलाद्खारुन् । खुथुग् इरुगेल् थाल्बिग्सान् उ खुछुन् इयेर् खागान् छु जुरे येइ बोल्वा । बि छु खोबेगुन् थेइ बोल्वा । येयिमु यिन् थुला । खोबेगुन् इयेन् जोल्गोगुल्जु वायासखुलाङ थु खुरिम् वारिसुगाइ खेमेन् इरेलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खागान् बेर् वायासुगाद् येखे खुरिम् खिबेइ । खागान् उ खोबेगुन् । थुशिमेल जुन खोबेगुन् इ जुजेगेद् येबेदे बायार्लाजु । गार् आछा इनु बारिगाद् खुब्छासुन् इयान् आन्दुल्दुजु एमुसुगेद् । जोखिस् थु शिलुग् इयेर् एसेगुं थेसेगुं जुगुलेल्छेग्सेन्

इस ऋषि के वचन पर चले जाओ । यह कह कर स्वीकृति दी । बड़े ऋषि ने कहा—तुम राजकुमार बन कर जन्म लो । मैं मन्त्रिपुत्र बन कर जन्म लूगा । यह बात कर अपने रहने के स्थान पर चले गये (जोछिवाइ) । वहा पहुंच कर ध्यान में बैठ कर दोनों का निर्वाण हुआ । राजा और मन्त्री के यहा अवतार ले कर प्रवेश किया (खुबिल्जु ओरोवाइ) । राजा ने आनन्दमय उत्सव मनाया (खिबेइ) । मन्त्री ने उसी अनुसार किया । अपने अधीनस्थ लोगो में (खारिया थु उलुस् थुर् इयान्) घोषणा की (जार्लावाइ) कि राजा के बाहर (गादाना) सब इकट्ठे हों । एक पुण्य दिन मन्त्री ने बहुत भोज पाया (आवुगाद्) । लड़के को साथ लिया । राजा के दर्शन कर (वार्गाल्खान्) प्रणाम किया और यह निवेदन किया—वर (खुथुग्) प्रार्थना (इरुगेल्) करने (थाल्बिग्सान्) की शक्ति द्वारा राजा भी (छु) सन्तान युक्त हो गये तथा मैं भी पुत्रवान् बन गया । अतः अपने लडके को आप के साथ मिला कर (जोल्गोगुल्जु) आनन्दमय उत्सव दू (वारिसुगाइ) इसलिये आया हूं (खेमेन् इरेलुगे) । यह कहने पर राजा प्रसन्न हुआ । बडा उत्सव किया । राजा का पुत्र मन्त्री के पुत्र को देख कर बहुत प्रसन्न हुआ । इसको हाथ से पकड कर अपने वस्त्र परिवर्तन करके (आन्दुल्दुजु) पहने (एमुसुगेद्) । समयोचित (जोखिस् थु) श्लोकों (शिलुग्) द्वारा परस्पर (एसेगुं थेसेगुं) बात चीत की (जुगुलेल्छेग्सेन्) ।

१३७ दुर्। खागान् एखिलेन् बुगुदेगेहू इ गायिखाल्छावाइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ खारिगुल्खु उगेइ मोन् थेन्दे सागुवाइ। खोयागुला बेर् थेगुस् एर्दम् इ सुर्छु याबुवाइ। येखे बोलुग्सान् उ खोयिना। थेवेगेछेगेजु नागादुन् यावुथाला। खागान् उ खोबेगुन् उ ओस्खेलेग्सेन् थेबेग् इनु खागान् उ आमिन् दुर् आदालि आमाराग् खायिरा थु खाथुन् इ उसुन् इयेन् साम्लाजु मागुथाला। थेरे थेबेग् इनु थोनो आ वार् ओरोगाद्। खाथुन् उ थोलुगाइ दुर् थुसुग्मान् दु। खाथुन् आगुर्लागाद् थेरे खोयार् खोबेगुन् इ थेवेग् इयेन् आव्छु इरे खेमेग्सेन् दु। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेहन्। खागान् उ खाथुन् इ देर्गेदे ओरोखु उगेइ। छि उरे इनु थुलादा। ओबेर् इयेन् ओरोजु आव् खेमेग्सेन् दुर्। खागान् उ खोबेगुन् ओरोगाद्। थेबेग् इयेन् आबुवासु। खाथुन् निगुर् इयान् मागाजिलाजु उलायिलगागाद् नोछुजु येखेदे वार्खिरान्। खाथुन् नोछुल्दुग्सागार् गार्बाइ। खागान् सोनुमुगाद्। यागुन् बोल्वा खेमेन् इरेबेसु। खाथुन् इयेर् एने खोबेगुन् छिनु नामायि एरेगुल्जु इड्खेजु वायिना गेबे। खागान् येखेदे आगुर्लाजु। उरे थेइ बोल्बासु। खारिन् मिनु बेयेन् दुर खोओर् उइलेदुमुइ। नामायि आमिथु बुगेथेले। एयिमु योसुन् उगेइ उइले उइलेदखु

इस पर राजा आदि सबको आश्चर्य हुआ। मन्त्री के पुत्र को लौटने नही दिया (खारिगुल्खु उगेइ)। वह वही (थेन्दे) रह गया (सागुवाइ)। दोनो पूर्ण विद्याओ को (थेगुस् एर्दम् इ) सीखते गये (सुर्छु याबुवाइ)। बडे होने के पश्चात् चिडिया खेल रहे थे (नागादुन् याबुथाला) कि राजपुत्र के पादप्रहार से (ओस्खेलेग्सेन्) चिडिया राजा की प्राणसम प्रिय स्निग्ध रानी के, जो अपने बालो को कघी से सवार रही थी (साम्लाजु मागुथाला), वह चिडिया तम्बू के छिद्र मे से (थोनो आ वार्) प्रवेश कर रानी के सिर पर (थोलुगाइ दुर्) जा लगी (थुसुग्सान् दु)। रानी ने रुष्ट हो कर (आगुर्लागाद्) दोनो लडको को कहा—अपनी चिडिया लेने के लिये आओ। मन्त्री के पुत्र ने कहा— मै राजा की रानी के पास नही जा सकता। तुम इसकी सन्तान होने के कारण स्वय जा कर ले लो। राजपुत्र ने जैसे ही प्रवेश किया और चिडिया को लिया वैसे ही रानी ने अपने मुख को नख मे नोच कर (मागाजिलाजु), लाल बना कर (उलायिल्गागाद्), प्रज्वलित हो कर (नोछुजु) बहुत चीत्कार किया (वार्खिरान्)। रानी लडती भगडती (नोछुल्दुग्सागार्) बाहर निकली। राजा सुन कर आया और पूछा क्या हुआ तो रानी ने कहा—यह तुम्हारा लडका मुझसे छेड छाड करता है (एरेगुल्जु इड्खेजु वायिना)। राजा को बहुत क्रोध आया और कहा— मैं सन्तान वाला तो बना किन्तु उल्टा मेरे ही शरीर को हानि पहुचाता है (खोओर् उइलेदुमुइ)। मेरे जीते जी ही (बुगेथेले) ऐसा अनुचित व्यवहार (उइले) करता है (उइलेदखु) तो

[illegible]

[illegible]

१३८ बुगेसु येखेखेन् वोल्वागेम् नि लाब्था आलाखु बुइ जा खेमेगेद् । थुशिमेद् इ जार्लान् इरेगुल्जु । खोबेगुन् इयेन् उछिर् इ जालिग् वोल्वासु । जारिम् थुशिमेल् इयेर् खागान् दुर् एयिन् ओछिरुन् । खागान् खुमुन् उ उरे यि आलाखु योसुन् उगेइ बुलुगे खेमेगेद् । जासाग्लाखु बोल्वासु उछुखेन् उ थुला । खोगेजु ओर्खिबासु जोखिमुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् थेगुन् इ जोछिशियेजु । एने खोबेगुन् इ मिनु निदुन् दुर् उजेग्देखु । छिखिन् दुर् उलु सोनुस्दाखु उसेद् खोला गाजार् आ खोगेजु ओल्दे खेमेगेद् खोगेजु ओर्खिवाइ । येखे थुशिमेल् इनु खोबेगुन् इयेन् आबुगाद् खारिवाइ । थेरे खोबेगुन् गेर् थेगेन् खुरुगेद् । आरिखि दारासुन् इ खुरियाजु एछिगे एखे खामुग् थुर् वारिगाद् वोजिग् नागादुम् इयार् जोखिस् थाइ वोजिग्लेग्सेन् दुर् । बुगुदेगेर् येखे गायिखाम्शिग् थोरोजु । सागुग्सागार् जारिम् उद् आनु सोग्थोजु उनावाइ । जारिम् उद् आनु दुगुरुजु उनाबाइ । सोनि बोलुग्सान् दुर् । थेदे बुगुदे यि उन्थाग्सान् उ खोयिना । थुशिमेल् उन् साङ उन् गेर् थु ओरोगाद् । एर्देनि यिन् निगेन् दालिङ खिगेद् । खोयार् एर्देनि थ् थुगुलगान् खुखुर् इ आबुगाद् निगेन् खुलुग् मोरिन् इ उनुजु । सागादाग् इयान् आग्सागाद् यावुवाइ । खागान् उ खोबेगुन् इ गुइछेगेद् खुरुग्सेन्

जब कुछ बड़ा होगा तो (येखेखेन् बोल्वागेम्) निश्चय ही (लाब्था) वध करेगा (आलाखु बुइ जा) । यह कह कर मन्त्रियो को आदेश दे कर बुलाया (जार्लान् इरेगुल्जु) और अपने लड़के की बात को कह सुनाया । कुछ (जारिम्) मन्त्रियों ने अपने राजा से कहा (ओछिरुन्)—नृपजन की सन्तान को मारना अनुचित है । यदि दण्ड देना हो तो (जासाग्लाखु बोल्वासु) बच्चा होने के कारण निर्वासित करके छोड देना उचित होगा (खोगेजु ओर्खिबासु जोखिमुइ) । राजा ने इसको मान लिया । और कहा—यह लड़का मेरी आखो में दिखाई न पडे, कानों में (छिखिन् दुर्) सुनाई न दे, ऐसे बहुत दूर (उसेद् खोला) स्थान पर निर्वासित कर दो (खोगेजु ओल्दे) । यह कह कर निर्वासित कर छोड़ा । महामन्त्री अपने पुत्र को ले कर घर लौट गया । लड़के ने घर पहुंच कर मदिरा (आरिखि) मद्य (दारासुन्) संग्रह की (खुरियाजु) और पिता माता सबको दी (वारिगाद्) । नृत्य क्रीडा द्वारा सुन्दर रूप मे (जोखिस् थाइ) नृत्य किया (वोजिग्लेग्सेन् दुर्) । सब मे बहुत आश्चर्य (गायिखाम्शिग्) उत्पन्न हुआ (थोरोजु) । बैठे २ (सागुग्सागार्) कुछ (जारिम्) मदिरामत हो कर (सोग्थोजु) गिर पड़े (उनाबाई), कुछ भर कर गिर पड़े । रात्रि होने पर उन सब के सो जाने (उन्थाग्सान्) के पश्चात् [मन्त्रिपुत्र ने] मन्त्री के निधिगृह में प्रवेश किया । रत्नो का एक थैला (दालिङ) और दो रत्नमयी सीसे की कूपियां (थुगुलगान् खुखुर्) लीं । एक उत्तम (खुलुग्) घोड़े पर सवार हो कर, तूणीर (सागादाग्) पहन कर (आग्सागाद्) चल दिया और राजपुत्र के पास पीछे से पहुंच गया (गुइछेगेद् खुरुग्सेन्) ।

१३६ दुर्। सागान् उ गोबिगुन् येबेदे बायालाजु। आवुगाइ यिन् इरेग्मेन् गायिन्। एने सागादाग् नुथु सुमुन् इयार् यागुन् गिम्नु वुइ खेमेग्मेन् दुर्। सोबिगुन् उगुलेरुन्। मान् दुर् बेलेन् खोगुला ओल्दाखु गाजार् आ वुइ बिलिउ। बिदे आमिन् इयान् थेजियेखु वुइ जा। सेमेगेद् यावुवाइ। थेरे एर्देनि यिन् सुसुर् थुर् उगुन् दुगुर्गेजु आबुवाइ। थेरे खुखुर् उन् एर्देम् इनु। उगुन् दुगुरेगेगसेन् द मिङगान् सुमुन् छु वोल्वाइ। गुर्वान् सारा दु ऊगुखु बुलुगे। गाग्छा खोयार् खुमुन् छु वोल्याइ। मोन् सु गुर्बान् मारा दु ऊगुम्यु बुलुगे। थेन्दे एछे एल्छिर् उगेइ गाजार् आ यावुथाला। निगेन् एब्देखेंइ बायिशिङ दुर् गुगुन् गेखुले। जोगोजु वोल्डुग्मान् मिखान् वुइ आसान् आजुगु। थेगुन् इ ओल्जु उजेगेद्। थेन्दे वेन् सागुथाला। एमुने जुग् निगेन् सागान् वुइ आगसान् आजुगु। थेरे सागान् वेर् उरे उगेइ वुगेद्। सागान् उ गाग्छाखान् आमाराग् मोलुर् मेथु ओङगे थेइ। माशि येखे सुजुग् थु निगेन् ओसिन् वुइ बुलुगे। थेरे ओलुंगे एछे उदे बोल्थाला। बोर्साङ खुवाराग् उद् इ थाग्जिु। उदे एछे खोयिशि ओइ दुर् ओदुगाद्। छेछेग् जिमिस् इ थेगुजु। एछिगे एखे यि याखिदाग् बुलुगे। थेरे छाग् थुर्। शिम्नुस् उन्

राजपुत्र बहुत प्रसन्न हुआ और कहने लगा—भाई (आवुगाइ) का आना अच्छा हुआ। इस तूणीर, धनुप (नुथु) और बाण (सुमुन्) से क्या (यागुन्) करना है (गिखु वुइ)। इस पर लडके ने उत्तर दिया—हमारे लिए बना बनाया (बेलेन्) भोजन (खोगुला) मिलने का (ओल्दाखु) स्थान है क्या (वुइ बिलिउ)। हमको अपने प्राणों की रक्षा करनी ही होगी (थेजियेखु वुइ जा)। इस पर दोनो चल दिये। उस रत्नमयी कूपी मे जल भर लाए (दुगुर्गेजु आबुवाइ)। उस कूपी का गुण यह था कि उसमे पानी भर दो तो यदि सहस्र पुरुष भी हों तो तीन मास तक पानी पीते रह सकेंगे। केवल (गाग्छा) दो पुरुष हो तब भी तीन मास तक ही पी सकेंगे।

वहा से (थेन्दे एछे) निर्जन (एल्छिल् उगेइ) स्थान मे जाते समय (यावुथाला) वे एक टूटे (एब्देखेंइ) घर में पहुंचे। वहा संग्रह किया हुआ मास पडा था। उसको पाया और देखा।

वे वहा ठहर गये।

दक्षिण दिशा मे एक राजा रहता था। इस के सन्तान न थी। इस राजा के एकमात्र प्रिय वैडूर्य (मोलुर्) समानवर्ण वाली अत्यधिक भक्तिमती (सुजुग् थु) एक कन्या थी। वह प्रातः (ओलुंगे) से मध्याह्न (उदे) तक (बोल्थाला) संन्यासी (बोर्साङ) भिक्षुओ (खुवाराग् उद्) की पूजा करती (थाग्जिु)। मध्याह्न के पश्चात् (खोयिशि) वन मे जा कर (ओदुगाद्) फूल फलो को चुनती (थेगुजु) और पिता माता की पूजा करती (थाखिदाग् बुलुगे)। इन्ही दिनों एक दैत्य (शिम्नुस्)

१४० निगे बुग्ता जागान् आर्नान् उ एदुर् थुर् सुमुन् इ बारिजु इदेदेग् आजुगु । निगेन् एदुर् थुर् । मिङ्गान् वारा यिन् गाजार् थुर् सुछुं यानुगु । थेयिमु निगेन् शिम्नुम् वोलाइ । थेरे यावुग्मागार् सागान् उ ओगिन् इ ओइ यिन् दोयोरा जिमिन् छेछेग् थेगुजु यानुथाला । थुस् वोल्जु उछारान्दुगाद् ग्यागान् उ सेङ्रसेन् ट बारिजु आनुगाद् यानुजुग्नुइ । दागाग्गान् ओग्विन् इनु जिगुदान् मेग्देग्सेगेर् उग्गिलान् ग्युछुं इरेगेद् । उछिर् इ आयिनाद्ग्वावामु । सागान् । खाथुन् इयेर् गोनुमुगाद् उखुद्गिजु ग्गोसेर् थुर् उनावाइ । सायिद् थुशिमेद् इयेर् सुराजु इरेगेद् । ग्यागान् । साथुन् उ वेये दुर् । चन्दन् उ उमुग् इयार् सुछिजु बुगुदेगेर् येगे गामाल्गाङ थु वोल्जु वायिथाला । ग्यागान् सेगुंगेद् एयिन् जार्ग्ग् वोरोरन् । एदुशे विदे एनेङ्गन् गामालावाछु निगेगेन् इयेर् थुमा उगेइ । गुर्वान् जागुन् मायिन् एरे दुर् जेर् जेग्मेग् थेगुम्वेन् ओग्गुगेद् । जागुगाद् जागुगाद् मोरिन् इ ओग्छु नेखेगुलुये सेमेन् इरेगेनेइ । थेदुइ थेरे छेरिग् इयेर् ओद्छु एरिग्मेगेर् गुर्वान् जिल् वोलुगाद् । मोरिद् इयान् एछेगेजु । गुइछेन् उगेइ बुछाजु इरेग्मेन् दुर् । ग्यागान् । सायुन् इयेर् येवेदे गामालाजु । ग्यागान् ओनेर् इयेन् यानुया गेजु वायिसुइ दुर् । निगेन् थुशिमेन् उगुलेङ्न् । नेग्वेबेसु वेर्

नर हाथी (बुखा जागान्) प्रति दसवें दिन व्यक्ति को पकड कर खा जाता था । वह एक दिन मे सहस्र योजन (वारा) दूर स्थान पर पहुंच जाता था । ऐसा एक दैत्य था ।

यह चलते २ राजपुत्री को जंगल के अन्दर फल फूल चुनती हुई को सयोग से (थुस् बोल्जु) मिला (उछाराल्दुगाद्) । उसने राजकन्या को उठा लिया और चल दिया । इसकी दासिया भाग कर (जिगुदान्) शीघ्रता से (मेग्देग्सेगेर्) रोती हुई (उखिलान्) घर आ पहुची (खुछुं इरेगेद्) और घटना सुनाई । राजा रानी सुन कर मूर्छित हो (उखुद्गिजु) भूमि (ग्योसेर्) पर गिर पडे । सामन्त मन्त्री इकट्ठे हुए, राजा रानी के शरीर पर चन्दनजल छिडका (सुछिजु) । जब सब बहुत विलाप कर रहे थे तब राजा ने सचेत हो कर (सेगुंगेद्) आदेश दिया—अब हमारे शोक विलाप करने का (एनेलुन् गामाग्गाछु) एक भी लाभ नही (निगेवेन् इयेर् थुमा उगेइ) । तीन सौ अच्छे वीरो को अस्त्र शस्त्र (जेर् जेग्मेग्) पूरे (थेगुम्वेन) दे कर (ओग्गुगेद्), सौ २ (जागुगाद् जागुगाद्) घोडे दे कर पीछा करवाना चाहिये (नेखेगुलुये) । यह कह कर भेज दिया । तब वे सैनिक चले गये । ढूढते हुए तीन वर्ष बीत गये । उनके घोडे थक कर चूर हो गये (एछेगेजु) । पहुचे विना (गुइछेल् उगेइ) लौट आये (बुछाजु इरेग्मेन्) । राजा और रानी बहुत व्याकुल हुए । राजा ने कहा—मै स्वय जाऊगा । इस पर एक मन्त्री ने कहा—पीछा करने पर भी (नेखेवेमु वेर्)

१४१ गुइछेग्देखु ठुगेइ । गुइछेवेसु छु बेर् आलाग्दाखु आमियान् बुसु । थेरे खुछुन् येखे यिन् थुला नेखेजु ठुलु बोल्खु । जुग् जुग् छुन् खाद् उद् थुर् एल्छि इलेगेवेसु बोल्खु वुइ जा । वासा निगेन् खुछु थु बोदिसोद नार् वुइ बोल्वासु थुसालाखु आनु मागाद् ठुगेइ खेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् । थेरे खागान् जोव्वियेगेद् । एल्छि यि जुग् बुरि यावुगुल्वाइ । खागान् छु बोल्वा । खाराछु छु बोल्वा । थुसालाजु आब्छु इरेवेसु । खागान् ओरोन् खिगेद् । खामुग् उल्सु इयान् ओग्सुगेइ खेमेन् विछिग् इलेगेवेइ । खोयार् खुमुन् इ खोरिन् मोरि थाइ इलेगेजु छोग् थु खागान् उ जुग् यावुथाला जागुरा मोर् थुर् उरिदा यिन् थुशिमेल् तुन् खोवेगुन् उछारागाद् । था यागुन् उ थुला । यावुगा उलुस् वुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे उलुस् उछिर् इयान् देल्गेरेङ्गुइ ए खेलेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् तुन् खोवेगुन् ठुगेलेछन् । था थेरे गाजार् आ ओछिग्रासु छु । थेन्दे सायिन् एरे ठुगेइ । एन्दे मान् उ खागान् उ खोवेगुन् बायिनाम् । थेरे छिदाखु खुछु थु सायिन् एरे वुइ जा । बिदे आवालाजु गोरुगेसुन् खोगेजु यावुग्सागार् थोगोरेजु इरेग्सेन् बुलुगे खेमेग्मेन् दुर् । एल्छि ठुगुलेछन् । मान् उ खागान् दुर् ओछिखुला

आप पहुंचेंगे नही (गुइछेग्देखु ठुगेइ) । पहुंचने पर भी यह मरने वाला प्राणी नही । उसकी शक्ति बडी होने के कारण इसका पीछा करना नही हो सकता । दिशा २ में राजाओं के पास यदि दूत भेजें तो हो सकता है । यदि कोई शक्तिशाली बोधिसत्त्व हो तो वह रक्षा कर दे (थुसालाखु), यह निश्चित नही (मागाद् ठुगेइ) अर्थात् यह भी सम्भव है । राजा मान गया और दूतो को सब दिशाओं मे भेज दिया ।

चाहे राजा हो (खागान् छु बोल्वा) चाहे प्रजा हो (खाराछु छु बोल्वा), यदि रक्षा करके (थुसालाजु) ले आएगा तो (आब्छु इरेवेसु) राजासन और सब अपनी प्रजा उसको दूगा । यह पत्र भेजा । बीस घोडों के साथ भेजे हुए दो जन श्रीमान् (छोग् थु) राजा की दिशा मे जा रहे थे कि बीच मार्ग में (जागुरा मोर् थुर्) पूर्व का मन्त्रिपुत्र मिला (उछारागाद्) । उसने पूछा— तुम किस कारण जाने वाले पुरुष हो (यावुगा उलुस् वुइ) अर्थात् किस लिए जा रहे हो । उन लोगो ने अपना वृत्तान्त विस्तार से कहा । मन्त्रिपुत्र ने कहा— तुम उस स्थान पर पहुंच भी गये तब भी (ओछिग्रासु छु) वहा अच्छे वीर (सायिन् एरे) नही हैं । यहा (एन्दे) हमारे राजा का पुत्र है । वह समर्थ (छिदाखु) शक्तिशाली वीर पुरुष है । हम आखेट खेलते हुए (आवालाजु) वन्य मृग का (गोरुगेसुन्) पीछा करते हुए (खोगेजु यावुग्सागार्) भ्रान्त हो कर (थोगोरेजु) आये हुए हैं । दूतो ने कहा— यदि हमारे राजा के पास चलोगे तो (ओछिखुला)

[illegible]

[illegible]

१४० यामार् वायिनाम् खेमेग्मेन् दुर्। बोलुना ओछिया गेबे। खागान् उ खोबेगुन् दुर्। एल्छिद् उन् आलिबा उछिर् इ खेलेगेद् याबुबाइ। थेरे एल्छि उरिद् निगेन् खुमुन् इयेर् मेदेगे याबुगुल्बाइ। थेरे खुमुन् खुछुं खागान्। खाधुन् दागान् आयिलाद्खाबाइ। खागान्। खाधुन् आनु सोनुसुगाद् वायार्लाजु। थेरे खोयार् खोबेगुन् इ एमुने एछे उग्धुबाइ। जोल्गोल्छागाद्। आबाखाइ यि बुखा जागान् आवाछिग्मान् उछिर् इ उगुलेवेइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेइन्। बिदे खोयार् नेखेसुगेइ खेमेग्मेन् दुर् खागान् माशि येखेंदे वायार्लागाद्। गेर् थुर् इयेन् ओरोगुलुगाद्। खेदुइ छिनेगे छेरिग् खुनेसु आञ्खु बोल्वा खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेइन्। मान् दुर् छेरिग् खुनेसु गेरेग् उगेइ। बिदे खोयार् बेये बेर् याबुया खेमेग्सेन् दुर्। खागान् दोथोरा बान् एयिन् सेर्दखिरुन्। एगुन् उ खेलेखु बोल्यासु। येखे खुबिल्गान् थु बुइ जा गेजु सानागाद्। येखे सुन्दुलेजु। खागान् उ खोबेगुन् दु योसु थु खुब्छाद् इयान् ओग्वे। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् दु थियेम् थु मालगा यान् ओग्वे। थेरे खोयार् खोबेगुन् याबुगाद्। बुखा जागान् उ मोर् इ मोस्मिजु उजेत्रेसु। मिङगान् खासाग् छिर्ग्सेन् येदुइ आजुगु। थेरे मोर् इयेर् ओरोगाद् गुर्वान् गारा बोल्थाला याबुगाद्। इदेगेन् उम्दागान् खुनेसुन् इयेन् वाराजु याबुथाला। निगेन् एर्देनिस्

धंगा (यामार्) रहेगा (वायिनाम्)। इस पर उसने कहा—ठीक है (बोलुना), चलेंगे (ओछिया)। राजकुमार को दूतों की सब बात (आलिबा उछिर्) कह कर [और उसको साथ लेकर वह] चल दिया। उन दूनों ने पहले एक जन द्वारा सन्देश भेजा (मेदेगे याबुगुल्बाइ)। उस जन ने आ कर राजा रानी को सूचना दी। राजा रानी सुन कर प्रसन्न हुए। वे दोनों लड़कों को सामने से (एमुने एछे) लेने आए (उग्धु-बाइ)। मिल कर (जोल्गोल्छागाद्), कुमारी को नर हाथी ले गया (आवाछिग्मान्)—यह बात बतलाई। मन्त्रिकुमार ने कहा—हम दोनों पीछा करेंगे (नेग्मेसुगेइ)। इस पर राजा अत्यधिक प्रसन्न हो कर उनको अपने घर में लाया और कहा—जितनी मात्रा में चाहो (सेदुइ छिनेगे), सेना और पाथेय (खुनेसु) ले लो। मन्त्रिकुमार ने कहा— हमारे लिये सेना और पाथेय की आवश्यकता नहीं। हम दोनों अपने शरीर मात्र से जाएंगे। राजा ने अपने भीतर ऐसे सोचा—यदि ये इनके वचन हैं तो (खेलेखु बोल्यासु) ये बड़े सिद्ध (खुबिल्गान् थु) होंगे। यह सोच कर बहुत सम्मान किया (सुन्दुलेजु)। राजकुमार को विध्यनुसार अपने कपड़े दिये, मन्त्रिकुमार को मुकुट वाली अपनी टोपी (थियेम् थु मालगा यान्) दी। दोनों कुमार चले गये। नर हाथी के मार्ग को ढूंढते हुए देखा तो जैसे सहस्र गाड़ियां (खासाग) घसीटी गई हों (छिर्ग्सेन्) ऐसे था (येदुइ आजुगु)। उस मार्ग पर चढ़ कर तीन मास चले गये। उनका खाने पीने का सम्भार (खुनेसुन्) समाप्त होने लगा (वाराजु याबुथाला) कि एक रात्रि

१४३ उुन् आगुला उजेग्देवेइ । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् उगुलेर्न् । थेरे आगुलान् दुर् ओछ्विबासु । उसुन् ओल्दाखु वुइ जा । छि एने जाम् इयार् यावुजु बाइ । चि थेरे आगुलान् दुर् ओछ्विया खेमेगेद् यावुवाइ । थेरे आगुलान् दुर् खुरुन् गेखुले । निगेन् आवादुदि ब्लामा सागुन् आजुगु । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् येगुन् दुर् मोर्गुजु आलिवा उछिर् इयान् आयिलाद्खाबासु । थेरे ब्लामा यागुन् वेर् उलु उगुलेन् । दोओरा आछा वान् निगेन् योङखोर् उयासुन् इ आव्छु ओग्गुगेद् । ब्लामा निदुन् इयेन् खादान् थुस् खारावासु । निगेन् खार्गुइ खाराग्दाग्वाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् थेरे खार्गुइ वार् ओरोगाद् यावुवाला । निगेन् खुद्दुग् उजेग्देवेइ । थेरे खुद्दुग् इ उजेगेद् । खागान् उ खोबेगुन् इ दागुदाजु आवुगाद् । थेरे खुद्दुग् उन् उसुन् आनु खोला यिन् थुला । आव्छु उलु बोल्खुइ दुर् । योङखोर् उयासुन् इयान् खुखुर् थुर् उयाजु ओखिबासु । गुन् इनु मिङगान् थावुन् जागुन् आल्दा खुद्दुग् बुयु । थेरे खुद्दुग् आछा उसुन् आव्छु मोरि वेये वेन् ग्वाङगागाद् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् यावुया खेमेवेइ । खागान् उ खोबेगुन् एन्दे खोनुया खेमेग्सेन् दुर । थुशिमेल् उन खोबेगुन् एन्दे खोनुजु बोल्खु उगेइ खेमेगेद् यावुवाइ । यासा गुर्बान् सारा बोल्जु । खुनेसु उम्दा वान् वाराजु यावुवाला । निगेन्

का पर्वत दिखाई पडा । मन्त्रिकुमार ने कहा— यदि हम उस पर्वत पर चलें तो पानी मिलेगा (ओल्दाखु) ही । तुम इस मार्ग पर चले चलो । मैं उस पर्वत पर जाऊंगा । यह कह कर चला गया । पर्वत पर पहुचते ही (खुरुन् गेखुले) एक अवधूत (आवादुदि) लामा को बैठे पाया । मन्त्रिपुत्र ने उसको नमस्कार कर जब सब अपना वृत्तान्त सुनाया तो लामा कुछ (यागुन्) भी (वेर्) नही बोला । अपने नीचे से एक कौशेय (योङखोर्) का धागा (उयासुन्) ले कर दे दिया । लामा की आँखें पहाडी की ओर देख रही थी (खादान् थुस् खाराबासु) । वहा एक छोटा मार्ग (खार्गुइ) दिखाई दिया (खाराग्दाग्वाइ) । मन्त्रिकुमार उस छोटे मार्ग मे चढ कर चला ही था कि एक कूप (खुद्दुग) दिखाई पडा । उस कूप को देख कर राजकुमार को बुला लिया (दागुदाजु आनुगाद्) । उस कूप के पानी के दूर होने के कारण उस तक पहुचना नही हुआ । इसलिए कौशेय के धागे को पात्र मे बाध कर (खुखुर् थुर् उयाजु) लटकाया (ओखिबासु) । कूप की गहराई (गुन्) एक सहस्र पाच सौ व्याम* (आल्दा) थी । कुप से पानी ले कर घोडों और अपने आप को तृप्त किया (ग्वाङगागाद्) । मन्त्रिपुत्र ने कहा—चलो चलें । किन्तु राजपुत्र ने कहा—यहा ही रात बसेरा करेंगे । मन्त्रिपुत्र ने कहा—यहा बसेरा नही करगे । इस पर वे चल दिये । फिर तीन मास व्यतीत हो गये । खाना पीना समाप्त हो चला । एक

* श्री बॉइन—fathoms

१४ येस्ते निड्ग्पुआ छेठेग् थु नागुर् थुर् गुवेंइ । येगुन् दुर् खुरुगेद् उुजेवेसु । ओलान् बोदि मोदुन् उगुंग्सान् नागुर् आजुगु । बुखा जागान् येगुन् दुर् ओलान् ओरोजु यावुग्सान् मोर् इ ओन्जु उुजेगेद् यागाराजु सुखुर् थुर् इयेन् उमुन् दुगुर्गेजु आबुगाद् । निगेन् खादान् उ इरुगार् थुर् सुछुं वागुगाद् । खादान् देगेरे गाछुं खाराबासु । थेरे बुखा जागान् । नारान् उगुंखु दु । मोन् थेरे उमुन् दुर् ओरोजु इरेवेइ । खाराबासु थेरे आवाखाइ आनु खुजुगुन् देगेरे इनु गाछुं उनुग्सागार् याबुखुइ यि उुजेवेइ । बुखा जागान् उमुन् ऊगुगाद् गाखुंइ दुर् । थुशिमेल् उुन् खोवेगुन् खोयिनाछा आनु दागाजु याबुवासु । थेरे बुखा जागान् निगेन् चन्दन् मोदुन् उ इरुगार् थुर् खुरुगेद् खेव्येवेइ । थुशिमेल् उुन् खोवेगुन् थेरे आवाखाइ यि उुजेगेद् । छिनागुन् इ आवुगाद् । थेरे बुखा जागान् उ देर्गेदे ओछिवासु । थेरे आवाखाइ खोवेगुन् इ उुजेगेद् दोखियालाजु मोदुन् देगेरे आबिरि गेवे । थुशिमेल् उुन् खोवेगुन् मोदुन् दुर् आबिराजु गारुगाद् सागुवाइ । थेरे बुखा जागान् उन्यावाइ । थेरे आवाखाइ गार् इयान् सार्वायिग्सान् दुर् । थुशिमेल् उुन् खोवेगुन् छिलागुन् इयान् ओग्वेइ । आवाखाइ सेम् इयेर्

बडा कमल पुष्पो वाला सरोवर दिखाई पडा । वहा पहुंच कर देखा तो बहुत से बोधि वृक्षो से उगी हुई (उगुंग्मान्) भील (नागुर्) थी । नर हाथी उसमें अनेक बार (ओलान्) प्रवेश करने के लिए जिस मार्ग से जाता था उसको उन्होने पा लिया । देखते ही शीघ्रता से (यागाराजु) अपने कलश मे पानी भर लाए और एक पहाडी की जड मे पहुंच कर डेरा डाल दिया (वागुगाद्) । उस पहाडी के ऊपर (खादान् देगेरे) चढ कर देखा तो (गाछुं खाराबासु) वह नर हाथी सूर्योदय होने पर (उगुंखु दु) उसी (मोन् थेरे) पानी में प्रवेश कर रहा था । देखा तो वह कन्या (आवाखाइ) उसकी ग्रीवा पर (खुजुगुन् देगेरे) चढ कर (गाछुं) सवारी करती (उनुग्सागार्) जा रही थी । नर हाथी पानी पी कर बाहर निकला । मन्त्रिपुत्र पीछे अनुसरण करता गया (दागाजु याबुवासु) । नर हाथी एक चन्दन वृक्ष के मूल मे (इरुगार् थुर्) पहुच कर लेट गया । मन्त्रिपुत्र ने उस कन्या को देखा । पत्थर ले कर वह उस नरहाथी के पास पहुचा । लडकी ने लड़के को देख कर सकेत करके (दोखियालाजु) कहा—वृक्ष के ऊपर चढो (आबिरि) । मन्त्रिपुत्र वृक्ष पर चढ कर (आबिराजु गारुगाद्) बैठ गया । नर हाथी सो गया । लडकी ने अपना हाथ फैलाया (मार्वायिग्सान् दुर्) । मन्त्रिपुत्र ने अपना पत्थर दिया । लडकी ने चुपके से (सेम् इयेर्)

१४५ बोसुगाद् ओरोन् दुर् इयान् छिलागुन् इ थाल्बिगाद् । बागुजु इरेंग्सेन् दुर् । खोवेगुन् मोदुन् आच्छा बागुजु इरेगेद् । आवाखाइ यि आनुन् याबुवाइ । खागान् उ खोवेगुन् उ देर्गेदे इरेन् गेखुले । थेरे खोवेगुन् जिमिस् थेगुजु उर्गु सुर्गु गुयुजु याबुमुइ । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् उगुलेर्न् । आवाखाइ यि आब्छु इरेबे । दारुइ याबुया खेमेबेसु । खागान् उ खोवेगुन् उलु बोलुन् । बि जिमिस् थेगुये खेमेखुइ दुर् थुशिमेल् उन् खोवेगुन् यागाराजु थुर्गेन् ए थेगुजु ओग्गुगेद् । मोर्दोंगुलुन् याबुवाइ । उरिदा यिन् थेरे गुद्दुग् थुर् इयान् खुछुं इरेद् । उसुन् इ आब्छु यायुया खेमेखुइ दुर् । खागान् उ खोवेगुन् बि यानुजु उलु बोल्खु । एन्दे खोनुया खेमेगेद् एमेगेल इयेन् आब्छु देरेल्गेद् उन्यावाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् थेरे खुद्दुग् उन् आम्सार् इ थागाल्गाद् । नुमु सुमुन् इयान् ओनिलाजु बेलेद्गेन् सागुथाला । खागान् उ खोवेगुन् गेनेद्थे सेरेगेद् नुमु सुमु बान् ओनिलाजु सागुखु यि उजेगेद् । छि नामायि आलाग्नु खेरेग् छिनु यागुन् बोलाइ खेमेखुइ दुर् । थुशिमेल् उन खोबेगुन् उगुलेर्न् । बि छिमायि यागुन् थुला आलाखु बुलुगे खमेग्सेन् दुर् । खागान् उ खोवेगुन् उगुलेर्न् । एने आवाखाइ यि छि आब्खु बुइ जा । नामायि आब्खु मेथु सानाजु आलाखु छिनु एने बुइ जा गेबे । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् उगुल्वे ।

उठ कर (बोसुगाद्) अपने स्थान पर पत्थर रख दिया (थाल्बिगाद्) और उतर आई (बागुजु इरेंग्सेन् दुर्) । लडका भी वृक्ष से उतर आया और लडकी को ले कर चल दिया । जब राजपुत्र के पास पहुचे तो वह फल इकट्ठे करने के लिए इधर उधर (उर्गु सुर्गु) दौड रहा था (गुयुजु याबुमुइ) । मन्त्रिपुत्र ने कहा—मैं राजकुमारी को ले आया हूं, तुरन्त (दारुइ) चलेंगे (याबुया) । राजपुत्र न माना (उलु बोलुन्) । उसने कहा— मै फल इकट्ठे करूगा । मन्त्रिपूत्र ने शीघ्रता से कुछ फल उठाए और उसको दे दिये और उसको सवार कराके चल दिया (मोर्दोंगुलुन् याबुवाइ) । पहले वाले कुए पर आए और कहा—पानी ले कर चलेंगे । राजपुत्र ने कहा—मेरा जाना न होगा । यहा ही रात विताऊगा । यह कह कर अपनी काठी (एमेगेल्) ले कर, उसका शिरोधान बना कर (देरेल्गेद्) सो गया । मन्त्रिपुत्र ने उस कुए के मुह (आम्सार्) को बन्द कर दिया (थागाल्गाद्) और अपने धनुर्बाण को चढा कर (ओनिलाजु) सज्ज हो कर (बेलेद्गेद्) बैठ गया (सागुथाला) । इतने मे राजकुमार ने एकाएक (गेनेद्थे) जाग कर (सेरेगेद्) धनुर्बाण चढा कर बैठे हुए मन्त्रिपुत्र को देखा और कहा—तुम्हें मुझको मारने की आवश्यकता क्या पडी है । मन्त्रिकुमार ने उत्तर दिया—मैं तुमको किस लिए मारूगा । इस पर राजपुत्र ने कहा—इस कुमारी को तुम लोगे ही । मैं इसको ले लूगा, यह सोच कर मुझको मारोगे ही । इस पर मन्त्रिपुत्र ने कहा—

[illegible]

१४६ एने गुद्दुग् उन् दोथोरा । थानुन् जागुन् छिद्सुर् बुइ । सोनि गाछुं नाइमान् थुमेन् बारा यिन् गाजार् आ याबुजु । आमियान् इ खोओलांग्छि बोलाइ । एदुर् गार्वासु । थोलुगाइ आनु खागारागु थेयिमु आजुगु खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उ खोबेगुन् उगुलेछन् । थेयिमु बुगेसु छि नादुर् उलु खेलेखु बिलिउ । एने छिनु थोड ग्युदाल् उगे खेमेगेद् नोछुजु बायिखुइ दुर् । धुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि एर्थे छाग् थुर् थाङगारिग् थुर् ओरोगुलुग्सान् बुलुगे । छि मानाजु उजे गेदे । खागान् उ खोबेगुन् उगुलेछन् । खेर्बेर् एसे गाछुं इरेबेसु । मिनु उगे बेर् बोलुया । खेर्बेर् गाछुं इरेबेसु । छिनु उगे बेर् बोलुन् याबुया । एसे इरेबेसु । बिदे खोयार् खेरुल्दुखु बुइ खेमेगेद् । खुदुग् इ मानाजु सागुबा । धुशिमेल् उन् खोबेगुन् उन्याबाइ । खागान् उ खोबेगुन् देमेइ खेलेने खेमेगेद् । बासा उन्याबाइ । थेरे छिद्सुर् गाछुं इरेगेद् थेरे आबाखाइ यि आबुगाद् खुदुग् थुर् ओरोजु ओदबाइ । धुशिमेल् उन् खोबेगुन् सेरेगेद् । खागान् उ खोबेगुन् इ सेर्गुल्जु । आबाखाइ मिनि आलि । छिमायि माना गेजु एसे खेलेलु । बि थेरे आबाखाइ यि आबाछिगाद् खागान् उ थोरु यि छि बारिखु बुलुगे । शाशिन् थोरु यि खोयार् इ छिनु । बि थुगिजु थाङसुग् येखे जिर्गाल् इयार् जिर्गाखु आमुइ जा । एर्थेन् उ थाल्बिग्सान् बेर्से थाङगारिग् इ मार्थान्

इस कुए के अन्दर ५०० दानव हैं । रात को निकल कर अस्सी सहस्र* योजन भूमि पर चलते फिरते हैं और प्राणियो को हानि पहुचाते हैं । यदि दिन मे निकले तो उनके सिर खण्ड खण्ड (खागाराखु) हो जाते हैं । राजकुमार ने कहा—यदि ऐसा होता तो तुम मुझको बताते क्या । ये तुम्हारे सर्वथा (थोड) झूठे (खुदाल्) वचन (उगे) है । यह कह कर लडने लगा तो मन्त्रिपुत्र ने कहा—पूर्व समय मे मैने इनको शपथ दिलाई थी (थाङ्गारिग् थुर् ओरोगुलुग्सान् बुलुगे) । तुम ध्यान से देखना (मानाजु उजे) । राजपुत्र ने कहा—यदि (खेर्बेर्) दैत्य नही निकल आए तो मेरी बात (मिनु उगे बेर्) रहेगी (बोलुया) । यदि निकल आए तो तुम्हारी बात मान लूगा (बोलुन् याबुया) । यदि न निकले तो हम दोनो लडेंगे (खेरुल्दुखु बुइ) । कुए का पहरा देता रहा । मन्त्रिकुमार सो गया । राजकुमार भी—व्यर्थ की बात कहता है (देमेइ खेलेने)—यह कह कर सो गया । दैत्य निकल आए और उस कुमारी को ले कर कुए मे घुस गये । मन्त्रिकुमार ने जाग कर राजकुमार को जगाया—मेरी कुमारी कहा (आलि) है । तुमको—पहरा देना—यह नही कहा था क्या । मैं उसको ले आऊ तो (आबाछिगाद्) राजशासन तुम धारण करोगे । धर्म और शासन दोनो तुम्हारे होगे । मैं इनका सहारा ले कर (थुगिजु) विशाल (थाङसुग्) महान् सुख (जिर्गाल्) से सुखी शान्त रहूगा (जिर्गाखु आमुइ जा) । पूर्व की ली हुई (थाल्बिग्सान्) कठोर (बेर्खे) शपथ को भूल (मार्थाल्)

* श्री बॉडन ने भूल से आठ सहस्र अर्थ किया है ।

१४७ ञुगेड़ दागाग्सान् बुङ्गे चि । खुचि जायागान् ञुगेड़ खागान् बोलाइ छि खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उ खोबेगुन् गेम्शिजु दागुन् एसे गार्वाइ । थुशिमेल् ञुन् खोबेगुन् ञुगुलेर्‌न । चि थेरे मोडग्वोर् उथामु वार् देगेमुलेजु ओरोसुगाइ । उमुन् आछा नागाना मागुमा ञुगेड़ बोल्बासु । देगेसु बेन् दुग्याराजु थाथामुगाइ । सेवें आवाग्वाइ उमुन् उ जाखा दुर् बुइ आवामु । गुर्बान् ञुये दुग्याराजु थाथाया सेमेन् खेलेगेद् । खुद्दुग् दोथोरा ओरोवाइ । आवाखाइ यि आवाछिगाद् उसुन् उ जाग्वा दुर् निगेन् नुखेन् दोथोरा ग्वोजु* सागुल्गाग्सान् आजुगु । थुशिमेल् ञुन् खोबेगुन् ओन्जु ञुजेगेद् । थेरे आवाग्वाइ दु । देगेसु बेन् वारिगुल्जु । गुर्बान् ञुये दुग्याराग्सान् दुर् । देगेग्शि इनु थाथाजु गार्गाबाइ । आवाखाइ थेरे देगेसु बेन् थुशिमेल् ञुन् खोबेगुन् दुर् ओर्खिजु ओग्गुये खेमेग्सेन् दुर् । खाग्रान् उ खोबेगुम् इयेर् एसे ओर्खिगुल्वाइ । खाग्रान् उ खोबेगुन् । आवाखाइ यि जोदोगाद् । मोरिन् दुर् इयान् उनुगुलुगाद् याबुबाइ । थेरे आवाखाइ येखेदे गासुलाजु उखिलागाद् । एयिन् ञुगुलेरुन् । शिम्नुस् उन् ओरोन् आछा आबुराग्छि । गाग्छाखान् इथेगेल् मिनु बुलुगे । आछि ञुगेड़ खोगुमुन् ग्युद्दुग् थुर् ओर्खिबाइ खेमेन् गाशिगुदाजु

बिना (ञुगेड) मैंने तुम्हारा अनुसरण किया है । भाग्य और दैवहीन (खुचि जायागान् ञुगेड) तुम राजा बन गये हो । ऐसा कहने पर राजपुत्र दु खी हुआ और उसके मुख से एक शब्द न निकला । मन्त्रिकुमार ने कहा— मैं उस कौशेय धागे के साथ बध कर (देगेसुलेजु) कुए मे प्रवेश करूगा । पानी से इधर (नागाना) यदि कुछ नही हुआ तो अपनी डोरी को (देगेसु बेन्) झटका दे कर (दुग्याराजु) खीचूगा (थाथामुगाइ) । यदि कुमारी जल के तट पर (जाग्वा दुर्) हुई तो (बुइ आवामु) तीन बार झटका दे कर खीचूगा । यह कह कर कुए मे प्रविष्ट हुआ ।

कुमारी को ले जा कर पानी के तट पर एक गुहा (नुखेन्) के अन्दर डाल कर (खीजू) बिठाया हुआ था (सागुल्गाग्सान् आजुगु) । मन्त्रिकुमार ने उसको पा लिया और कुमारी को अपनी डोरी पकडवा दी (देगेसु बेन् वारिगुल्जु) । तीन बार झटका देने पर (दुग्याराग्सान् दुर्) ऊपर (देगेग्शि) खिच कर (थाथाजु) कुमारी निकल आई (गार्गाबाइ) । कुमारी ने कहा—इस डोरी को मन्त्रिकुमार के लिए कुए में छोडो, किन्तु राजकुमार ने डोरी को नीचे नही छोडने दिया । राजपुत्र ने कुमारी को पीटा (जोदोगाद्) और अपने घोडे पर सवार करा कर चल दिया । कुमरी ने बहुत विलाप किया और रोई, और यू बोली—दैत्यो के लोक मे बचाने वाला वह मेरा एक मात्र शरण था । कृतघ्न (आछि ञुगेड़) हो कर शून्य कूप मे छोड दिया । यह कह कर विलाप करती (गाशिगुदाजु)

* श्री ग्रॉइन ने "गेनु" पढ़ा है । सो ठीक नहीं ।

१४८ यावुदुइ दुर् । सागान् उ खोवेगुन् एयिन् उगुलेर्न् । मिनु सुछुन् इयेर् । थुशिमेल् ज्ञुन् खोवेगुन्
छिमायि आब्छु इरेग्सेन् वुइ जा । थेगुन् उ थुला । यागुन् दु गोमुदुखु वुइ । एने यावुदाल् इ
सागान् एखिलेन् । खामुग् उलुस् थुर् वू सेले गेजु जाखिगाद् यावुवाइ । सागान् उ ओदु खांशि
दुर् खुरुग्सेन् दुर् । सागान् खाथुन् । खेउखेन् इयेन् उजेगेद् जोल्गोजु येखेदे गाशिगुदान्
एडखुरेसेन् सेद्गिल् इयेन् खानुगाद् । एदुर् सोनि उगेइ उगुंल्जि वायासुल्छान् जिर्गाबाइ ।
सागान् उ खोवेगुन् दुर् । आवाखाइ यि ओगुये खेमेग्सेन् दुर् । आवाखाइ उगुलेरुन् । मुडखाग्
आदुगुसुन् उ देगेदे यावुग्सान् उ थुला । वुजार् वोलुग्सान् वुइ जा । गुर्वान् सारा छाम् दुर्
सागुसुगाइ खेमेगेद् छाम् दुर् सागुबाइ । थेरे थुशिमेल् ज्ञुन् खोवेगुन् खुदुदुग् थुर् खेव्येयेले
एनेद्खेग् ज्ञुन् ओरोन् आछा दोलुगान् आजार् यावुजु थेन्दे इरेगेद् । मिडगान् थावुन् जागुन् आल्दान्
योडखोर् उयासुन् दुर् खोवुगा उयाजु । उसुन् दुर् ओखिवासु । थुशिमेल् ज्ञुन् खोवेगुन् ।
थेगुन् एछे वारिग्मान् दुर् । थेरे आजार् नार् उगुलेरुन् । छिद्खुर् वुइ ऊ लूस्
वुइ ऊ खेमेन् दागुदाग्मान् दुर् । याम्वार् छु वोल्वा । नामायि थाया
खेमेवे । थायाजु गार्गागाद् । छि यागुन् खोवेगुन् वुइ

चलती गई। राजपुत्र बोला—मेरी शक्ति द्वारा मन्त्रिकुमार तुम को ले आया था, अतः तुम क्यों दुःखी हो (गोमुदुखु वुइ)। इस बात को राजा और सब प्रजा को मत कहना। यह समझा कर (जाखिगाद्) चलता रहा। जब राजा के महल मे पहुंचे, राजा रानी अपनी कन्या को देख कर और मिल कर (जोल्गोजु) बहुत रोए (गाशिगुदान्) तथा वियुक्त (एडखुरेग्सेन्) चित्त को तृप्त किया (खानुगाद्)। दिन रात, विना भेद के, निरन्तर (उगुंल्जि) प्रसन्नता मनाते रहे (वायासुल्छान्) और सुखी हुए (जिर्गाबाइ)। कहने लगे—राजकुमार को अपनी कन्या देंगे। कुमारी ने कहा—मूढ, (मुडखाग्) पशु के पास (आदुगुसुन् उ देगेदे) रहने से (यावुग्सान् उ थुला) मैं अवश्य अपवित्र बन गई हूं। (वुजार् वोलुग्सान् वुइ जा)। तीन मास ध्यान (छाम्) मे बैठूंगी। यह कह कर ध्यान में बैठ गई।

जब मन्त्रिकुमार कुए में पड़ा हुआ था तब भारत देश से सात आचार्य* (आजार्) चलते २ वहां पहुंचे। एक सहस्र पांच सौ व्याम (आल्दान्) कौशेय (योडखोर्) डोरी मे (उयासुन् दुर्) डोल (खोवुगा) बाध कर (उयाजु) पानी में छोड़ा तो (ओखिवासु) मन्त्रिकुमार ने पकड़ लिया। वे आचार्य बोले—तुम दैत्य हो अथवा नाग (लूस्) हो। ऐसा बुलाने पर (दागुदाग्सान् दुर्) मन्त्रिपुत्र ने कहा—जो भी हूं मुझको खीच लो (थाया)। उन्होने खीच कर निकाल लिया। तुम कौन लड़के हो,

* श्री बॉडन को आजार् शब्द मोंगोल कोशों में नहीं मिला, इसलिये वे न समझ पाए कि यह संस्कृत "आचार्य" है।

१४६ एने सुदुगुन् दोथोरा यागुन् खिजु खेब्येमुइ खेमेन् आसागुवासु । थेरे ग्वोबेगुन् आलि बुगुइ उछिर् इयान् देलोरेगुलुन् उगुलेबेसु । थेदे उगुलेरुन् । ग्वायिरान् एयिमु आछि थुसा थु ग्वोबेगुन् इ खाराङगुइ यिन् इरुगार् थुर् छिलागुन् मेथु ओखिलु । छाम्युदिव् उन् आमिथान् खोओर् थु सेद्खिल् थु बुइ जा । बिदे एनेद्खेग् उन् ओरोन् आछा सुमे सुबुर्गा एब्देरेग्सेन् उ थुला । बादार् वारिरा इरेग्सेन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् उन् ग्वोबेगुन् एयिन् थेयिन् ग्वारागालाबासु खागान् उ ग्वोबेगुन् उ सागुग्सान् गाजार् आ शिरुइ ओवोगालाग्मान् इ ग्वारागाद् ओछिवासु । थेरे आवाखाइ आतु दालिन् दुर् खिग्सेन् निगेन् एर्देनि इ बुलाजु ओखिग्सान् इ ओल्जु । थेगुन् इ आबुगाद् आजार् नार् थुर् वारिवाइ । थेदे वायार्लाजु आबुगाद् यावुवाइ । थुशिमेल् उन् ग्वोबेगुन् । जाम् दुर् ओरोन् बुछाखु जुग् याबुवाइ । थेरे खागान् उ ग्वोबेगुन् । आवाखाइ यि छाम् दुर् सागुग्मान् उ ग्वोयिना । वि खामुग् इ मेदेग्छि बोल्सुगाइ खेमेन् । खागान् दु आयिलाद्खाग्सान् दुर् । खागान् जालिग् बोलोरुन् । उरिद् ग्वेलेग्सेन् उगे मिनु वायिग्सागार् बुइ जा गेबे । खान् ग्वोबेगुन् थेरे ग्वागान् उ दोर्बेन् जुग् उन् खागालगान् इ साखिग्छिद् थुर् एयिन् उगुलेरुन् । निगेन् सायिसान् जिमु थु ग्वोबेगुन् इरेगेद् । एने थेरे खेमेन् उगे खेलेबेसु । था थेगुन् इ वारिजु खुलिगेद् । नादुर् खेले खेमेन्

इस कुए के अन्दर क्या करते लेटे थे (यागुन् खिजु खेब्येमुइ) । लडके ने जब सब कुछ अपना वृत्तान्त सविस्तर सुनाया तो वे बोले—हाए (ग्वायिरान्), इतने कृपालु हितकारी (आछि थुसा थु) लडके को अन्धकार के (खाराङगुइ यिन्) तल मे (इरुगार थुर्) पत्थर के समान छोड दिया । सो यह जम्बुद्वीप के प्राणियो मे दुष्टचित्त वाला जन है । हम भारतवर्ष से, विहार और चैत्य नष्ट होने के कारण (एब्देरेग्सेन् उ थुला) दान* मागने आए है (बादार् वारिरा इरेग्सेन् बुलुगे)। ऐसा कहने पर मन्त्रिपुत्र ने इधर (एयिन्) उधर (थेयिन्) देखा तो (ग्वारागालाबासु) राजपुत्र के बैठने के स्थान मे मिट्टी (शिरुइ) ढेर लगी (ओवोगालाग्मान्) देखी । देख कर (खारागाद्) वहा पहुचा तो (ओछिवासु) कुमारी ने थैली (दालिन्) मे डाले हुए (खिग्सेन्) एक रत्न को गाडकर (बुलाजु) छोड दिया था (ओखिग्सान्) । उसने उसको पाकर (ओल्जु), लेकर (आबुगाद्), आचार्यो (आजार् नार्) को दे दिया (वारिवाइ) । वे प्रसन्नता पूर्वक लेकर चले गये । मन्त्रिपुत्र मार्ग मे प्रवेश कर के (जाम् दुर् ओरोन्) लौटने की दिशा में चला (बुछाखु जुग् याबुवाइ) ।

राजकुमार ने कुमारी के ध्यान मे बैठने के पश्चात् राजा से निवेदन किया— मै सब का अधिकारी (मेदेग्छि) बनूगा (बोल्सुगाइ) अर्थात् सब वस्तुए अपने अधिकार में लूगा । राजा ने कहा—मेरे पहले कहे वचन अभी तक हैं ही (वायिग्सागार् बुइ जा) । राजपुत्र ने राजा के चार दिशाओ के द्वारो के रक्षको को यू कहा—एक सुन्दर रूप वाला (जिसु थु) लडका आएगा । यदि वह इधर उधर (एने थेरे) की बातें करने लगे तो (खेमेन् उगे खेलेबेसु) तुम उसको पकड कर बाध लेना (खुलिगेद्) और मुझ को बताना (खेले) ।

* बादार = पातर् = पात्र, भिक्षापात्र ।

१५० जाखिगाद् सागुथाला । थुशिमेल् तुन् खोबेगुन् सुछुं इरेसेन् दुर् । थेरे खागाल्गा साखिग्छिद् । खान् खोबेगुन् उ खेलेग्छि एने आयिना खेमेगेद् । थेगुन् इ बारिजु खुलिगेद् । खान् खोबेगुन् दुर् आयिलाद्खारुम् । थेयिमु खोबेगुन् इरेग्सेन् दुर् । बिदे बारिजु खुलिगेद् इरेबे खेमेग्सेन् दुर् । खान् खोबेगुन् ठुगुलेरुन् । थेगुन् इ निगेन् गार् खोल् इ इनु खुगुलुगाद् निगेन् निदुन् इ थेसेल्जु । खुबाखायिराग्सान् मोदुन् उ देर्गेदे आवाछिजु ओंखि खेमेबे । थेरे मोदुन् आनु । एर्देनि थु मोदुन् बुगेद् । थेरे मोदुन् दुर् आवाछिजु ओंखिग्सान् दुर् । थेरे मोदुन् आछा उर्गुंग्सान् जिमिस् इ इदेबेसु । याम्बार् वा । एबेद्छिन् एग्गेग् इदेगेखु बुलुगे । जागुन् खोनुग् बोरयाला ओलुस्खु उम्दागास्खु ठुगेइ आजुगु । थेरे मोदुन् इ उरिद् बुर्याणालाग्सान् उ थुला । खुबाखायिराग्सान् बुगेद् । थुशिमेल् तुन् खोबेगुन् इ थेरे मोदुन् उ देर्गेदे ओंखिबाइ । थेरे मोदुन् इ थारिग्छि खुमुन् इ खान् बुरुगुशियाजु आला खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् सोनुसुगाद् । दुथागान् गारुगाद् । एदुर् इनु नुखेन् दुर् ओरोजु । सोनि गेर् थेगेन् इरेजु खोगुला इदेदेग् बुरुगे । निगेन् एदुर् ए नुखेन् एछेगेन् गारुगाद् । थेरे मोदुन् जुग् इयेन् खाराबासु । थेरे मोदुन् आनु बारायिजु खाराग्दावाइ । खुबाखायिराग्सान् मोदुन् आनु आमिदुराबाउ खेमन् सानागाद् सोनि ओछिग्रासु । इरुगार् थुर् आनु निगेन् खोबेगुन् खेब्येखुइ यि उजेगेद् । छि यागुन् खोबेगुन् बुलुगे खेमेग्सेन्

यह आदेश देकर बैठा था कि (जाखिगाद् सागुथाला) मन्त्रिपुत्र आ पहुंचा । द्वार-रक्षको ने कहा—राजपुत्र का कहा हुआ (खेलेग्छि) यही है । सो उसको पकड कर बाध दिया और राजपुत्र को सूचना दी—इस प्रकार के लडके के आने पर हमने उसको पकड कर बाध लिया और आपके पास आए हैं । राजकुमार ने कहा—इसका एक हाथ और एक पाव तोड डालो (खुगुलुगाद्) । एक आख फोड दो (थेसेल्जु) । सूख हुए (खुबाखायिराग्सान्) वृक्ष के पास ले जाकर (आवाछिजु) छोड दो (ओंखि) । यह वृक्ष रत्नमय वृक्ष था । उस वृक्ष के पास ले जाकर छोड दिया ।

यदि उस वृक्ष से उत्पन्न हुए (उर्गुंग्सान्) फल को कोई खा लेता, तो जो भी रोग (एबेद्छिन्) अथवा कष्ट होता वह ठीक (इदेगेखु) हो जाता, और १०० दिन रात तक भूख (ओलुस्खु) प्यास (उम्दागास्खु) न रहती । यह वृक्ष पहले अपवित्र करने के कारण (बुर्याणालाग्सान् उ थुला) सूख गया था (खुबाखायिराग्सान) । मन्त्री के पुत्र को उस वृक्ष के पास छोड गये । इस वृक्ष के लगाने वाले जन (थारिग्छि खुमुन) को अपराधी ठहरा कर (बुरुगुशियाजु) राजा ने मारने का आदेश दिया था । उस मनुष्य ने वह आदेश सुन लिया था और सुनकर भाग निकला था (दुथागान् गारुगाद्) । वह दिन मे गुहा (नुखेन्) मे प्रवेश कर जाता और रात को अपने घर आकर भोजन (खोगुला) खाता था । एक दिन गुहा से निकलते हुए उसने वृक्ष की ओर (मोदुन जुग्) देखा तो (खाराबासु) वह वृक्ष हरा सा दिखाई दिया (बारायिजु खाराग्दावाइ) । सूखा वृक्ष जी उठा क्या (आमिदुराबाउ)—यह सोच कर रात को जब गया तो (ओछिग्रासु) जड में (इरुगार् थुर्) एक लडके को लेटे हुए (खेब्येखुइ) देखा । पूछा—तुम कौन लडके हो ।

१५१ दुर् । वि खान् खोवेगुन् दुर् गेम् खिग्सेन् उ थुला । नामायि छागाजिलाजु । एने मोदुन् उ देगेंदे ओखिवाइ । खेमेग्दुइ दुर् थेरे खुमुन् आसागुरुन् । एने मोदुन् इजागुर् खुवारासान् वुलुगे । एदुगे याम्वार् वायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् । खोवेगुन् ऊगुलेरुन् । नामायि ओखिखुइ दुर् खुवाखाइ विले । एदुगे छेठेग् उर्गुजु वायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् ऊगुलेरुन् । वि एने मोदुन् इ साखिग्सान् खुमुन् वुलुगे । एने मोदुन् खुविराग्सान् इयार् । आलाल्गान् दुर् खुरुग्सेन् खुमुन् वुगेद् । मिनु उरुग् सादुन् आमिदुराग्सान् वायिना । वि गेर् थेगेन् खारिगाद् छिमा दुर् इदेगेन् आवाछिरामुगाइ खेमेगेद् खारिवाइ। गेर् थेगेन् खारिगाद् । खेउखेद् थेगेन् याम्वार् वा । उछिर् इ खेलेजेसु । वुगुदे वायार्लाजु । थेरे खोवेगुन् छिनु वेयेन् एछे इल्गाल् ऊगेइ विशिऊ । थेयिमु यिन् थुला । इदेगेन् इ येग्ने आवाछिजु ओग् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् इदेगेन् इ आवाछिजु ओग्गुगेद् । एने मोदुन् उ जिमिस् उर्गुवासु छि विदे खोयार् उन् जिर्गाल् उर्गुसु वुइ जा । छि एदुर् उर्गुखु यि ऊजेजु वाइ सोनि एर्गेजु ऊजेसु खेमेगेद् । नुखेन् देगेन् ओद्वाइ । सोनि वोल्खुइ दुर् थेरे खुमुन् इरेगेद् जिमिस् उर्गुजु ऊ खेमेगेद् आसागुवासु । थुशिमेल् ऊन् खोवेगुन् जिमिस् उर्गुजु वायिना गेंजु खेलेवे । छि खागान् उ आवाखाइ यि मेदेदेग् वुयु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् ऊगुलेरुन् । वि येखे मेदेग्वु वुलुगे । मिनु निगेन् ओखिन्

मैंने राजकुमार का अपराध (गेम्) किया, अत मुझको दण्ड देकर (छागाजिलाजु) इस वृक्ष के पास छोड गये । इस पर उस पुरुष ने पूछा—इस वृक्ष की जड सूख गई थी । अब (एदुगे) कैसी है । लडके ने उत्तर दिया—जब मुझको छोड गये थे तब सूखी (खुवाखाइ) हुई थी । अब फूल उग आए हैं । इस पर वह व्यक्ति बोला—मैं इस वृक्ष का रक्षक (साखिग्सान्) जन था, इस वृक्ष में परिवर्तन हो गया, सो मैं मृत्युदण्ड प्राप्त जन बन गया । मेरे सम्बन्धी (उरुग् सादुन्) जीवित (आमिदुराग्सान्) हैं । मैं अपने घर जाकर तुम्हारे लिये भोजन ले आता हूं । यह कह कर चला गया । अपने घर जाकर अपने बच्चों को सब कुछ वृत्तान्त सुनाया । सब प्रसन्न हुए और बोले—यह लडका तुम से (छिनु वेयेन् एछे) अभिन्न (इल्गाल् ऊगेइ) नही हैं क्या (विशि ऊ), अतः इस को बहुत सा भोजन ले जा कर दो । पुरुष भोजन ले गया और लडके को दे दिया । यदि इस वृक्ष के फल उग आएं तो हमारा और तुम्हारा सुख भी उगेगा । तुम उगने को दिन में देखना, मैं रात को चक्र लगाकर (एर्गेजु) देखूगा—यह कह कर गुहा में चला गया । रात होने पर वह पुरुष आया और पूछा—क्या फल उग गये । मन्त्रिकुमार ने कहा—हा उग गये हैं । तुम राजकुमारी को जानते हो क्या । इस पर वह पुरुष बोला—मैं बहुत अच्छी प्रकार जानता हूं । मेरी एक लडकी

[illegible]

१५२ थेरे आवाखाइ यिन् इनाग् दाग़ाल्या वुलुगे । थेरे आवाखाइ यि बुखा जागान् आवाछिग्मान् इ निगेन्
खुविलान् खोबेगुन् इरेगेद् । थेरे बुखा जागान् उ खोयिना आछा नेखेजु याब्छु इरेग्सेन् दुर् ।
थेरे खोबेगुन् दु । आवाखाइ यि ओग्गुगेद् । खान् ओरोन् दुर् सागुल्याखु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे आवाखाइ गुर्वान्
सारा वोल्थाला छाम् दुर् सागुग्मान् वुलुगे । मिनु ओखिन् इनु छाव् छाइ यि
वारिजु यावुदाग् वोलाइ खेमेग्सेन् । थेरे खोबेगुन् उगुलेरुन् । निगेन् जिमिस् थु नाब्छिन् इ नादा
आबुगाद् आछा खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् आब्छु ओग्वेइ । थेरे खोबेगुन् इनु नाब्छिन् दुर् ।
शिलुसुन् इयेर् बिछिग् बिछिगेद् थेरे खुमुन् दुर् उगुलेरुन् । छि एगुन् इ आवाछिगाद् । ओबेर् उन्
ओखिन् दुर् ओग्छु । थेरे आवाखाइ दुर् उजेगुले गेजु जासिजु ओग् खेमेग्सेन् दुर् ।
थेरे खुमुन् नाब्छिन् इ आवुगाद् । गेर् येगेन् इरेजु खोगुला इदेजु सागुथाला । ओखिन् इनु
इरेवेइ । एछिगे इनु मोदुन् इयान् ओग्बे । ओखिन् इनु उगुलेरुन् । खागुछिन् मोदुन् आछा जिमिस्
उगुंग्मान् वुयु । यागुन् मोदुन् युइ खेमेग्सेन् दुर् । एछिगे इनु उगुलेरुन् । थेरे मोदुन्
दुर् मान् उ जिमिस् उगुंवाइ खेमेखुइ दुर् ओखिन् उगुलेरुन् । एछिगे लुगे बेन् गाग्छाग्सान् वोलाइ ।
खाम्थु जिर्गाखु मान् उ एने बुइ जा खेमेगेद् । थेरे मोदुन् इ आवाछिगाद् आवाखाइ दुर्
वारिवा । आवाखाइ उजेगेद् । एवेउ एने मोदुन् आछा जिमिस् उगुंग्मान् आजुगु खेमेगेद् ।

उसकी प्रिया (इनाग्) दासी है । उस राजकुमारी को नर हाथी ले गया था (आवाछिग्सान्) । एक सिद्ध लडका आया और नर हाथी का पीछा करके राजकुमारी को ले आया । उस कुमार को राजकुमारी देने और राजासन पर विठाने को कहा तो वह कुमारी तीन मास के लिये ध्यान में वैठ गई । मेरी लड़की इसको भोजन (छाव्) और चाय देने जाती रहती है (वारिजु यावुदाग् वोलाइ) । इस पर मन्त्रिकुमार ने कहा—एक फल वाला पत्ता (नाब्छिन्) हम को ला कर दो (आछा) । उस व्यक्ति ने ला दिया । मन्त्रिकुमार ने उस पत्ते पर लाला से (शिलुसुन् इयेर्) पत्र लिखा और उस पुरुष को कहा—तुम इसको ले जाओ और अपनी लड़की को दे दो । और वह उस कन्या को दिखला देवे (उजेगुले) । यह समझा दो (जाखिजु ओग्) । इस पर उस पुरुष ने पत्ता ले लिया । अपने घर आ कर भोजन कर ही रहा था कि उसकी लड़की आ पहुंची । पिता ने वृक्ष का पत्ता दिया । लडकी ने पूछा—क्या पुराने (खागुछिन्) वृक्ष के फल लग गये हैं अथवा यह कौन सा वृक्ष है । पिता ने कहा—हमारे वृक्ष पर फल उग आए हैं । लडकी बोली— मैं अपने पिता से (एछिगे लुगे) वियुक्त (गाग्छाग्सान्) हो गई थी, अब हम इकट्ठे (खाम्थु) सुख से रहेंगे । उसने पत्ते को ले कर राजकुमारी को दे दिया (वारिवा) । कुमारी ने देखा—अरे (एवेउ) इस वृक्ष के फल उग आए हैं ।

१५३ एर्गेगुल्जु उुजेगेद् । थेरे बिछिग् इ उुजेजु । मोन् नाब्छिन् दुर् शिलुसुन् इयेर् बिछिगेद् । जागुन् आम्या थु इदेगेन् इ खाम्थु ओग्गुगेद् । एयिन् जाखिरुन् । थेरे मोदुन् उ देर्गेदे याम्बार् छु खुमुन् ओछिवासु ओग् खेमेन् जाखिजु । ओखिन् दुर् ओग्गुगेद् । येखेदे एनेरेजु खायिलावाइ । थेरे ओखिन् गायिग्वागाद् । एछिगे देगेन् ओग्छु । एछिगे एछेगेन् एयिन् आसागुरुन् । थेरे मोदुन् दुर् खुमुन् वुइ ऊ । मान् उ थेरे आवाखाइ येखेदे एनेरेजु खायिलावाइ खेमेग्सेन् दुर् । एछिगे इनु उुगुलेरुन् । थेरे मोदुन् उ देर्गेदे निगेन् गेम् खिग्सेन् खोवेगुन् गार् खोल् उुगेइ छागाजिलाग्दाजु खेव्येदेग् वुइ । थेगुन् इ वि ओर्बेदजु इदेगेन् ओग्गुदेग् बोलाइ खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् उुगुलेरुन् । थेरे मोदुन् दुर् । खोवेगुन् इ ओखिसु छाग् थुर् याम्बार् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोवेगुन् इ ओग्खिुइ दुर् खुवाखाइ बिले । एदुगे थेरे खोवेगुन् एछे खोयिशि। जिमिस् उगुंवा खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ओखिन् । थुशिमेल् उुन् खोवेगुन् छु वुइ जा गेजु सानागाद् खारिवाइ । थेरे खुमुन् ओछिगाद् इदेगेन् । नाब्छिन् इ थेरे खोवेगुन् दुर् ओग्वेइ । खोवेगुन् इनु । नाब्छिन् दाखि बिछिग् इ उुजेगेद् । उुगुलेरुन् । मार्गाथा नारान् गुदुयिखु छाग् थुर् इरे । छिनु जोवालाङ इ वि आबुसुंगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् बायार्लगाद् ।

उलट कर (एर्गेगुल्जु) देखा तो लेख पाया । उसी पत्ते पर उसने भी लाला से लिखा । सौ स्वाद वाले (आम्या थु) भोजन को साथ (खाम्थु) दिया और यह समझाया—उस वृक्ष के पास जो कोइ जन हो (ओछिवासु) उसको दे दो । यह समझ कर लडकी को दे दिया और बहुत दयापूर्ण (एनेरेजु) रोने लगी (खायिलावाइ) । वह लडकी चकित हुई । अपने पिता को दे कर उससे पूछने लगी—क्या उस वृक्ष के पास कोई जन है । हमारी राजकुमारी उसके लिये शोक विलाप कर रही है । इस पर पिता बोला—उस वृक्ष के पास एक लडका है जिसने अपराध किया है । उसको हाथ पाव काटने का दण्ड दिया गया है । अब वह वहा लेटा है । दया करके (ओर्बेदजु) मैं इसको भोजन देता रहा हू । लडकी ने पूछा—वृक्ष के पास लडके को छोडने के समय वृक्ष कैसा था । पिता ने उत्तर दिया—लडके को छोडने के समय वृक्ष सूखा था । अब उस लडके के आने के पश्चात् (खोयिशि) फल उग आए हैं । लडकी ने सोचा—यह मन्त्रिकुमार ही होगा । यह सोच कर वह लौट गई । उसके पिता ने जा कर भोजन और पत्ता लडके को दे दिया । लडके ने पत्ते पर के (नाब्छिन् दाखि) लेख को देखा और कहा—कल (मार्गाथा) सूर्यास्त (नारान् गुदुयिखु) समय आओ (इरे) । तुम्हारे दु ख को मैं दूर करूंगा (आबुसुंगाइ) । इस पर वह पुरुष प्रसन्न हुआ ।

१५४ एने लाब्या निगेन् बोदिसदुआ बुइ जा गेजु सानागाद् नुम्मेन् देगेन् ओद्‌बाइ । मार्गाया नारान्
गुदुयिखुइ दुर् । थेरे खुमुन् इरेगेद् ज्रुजेवेसु । ओग्यार्गुइ दुर् ओलान् ओङ्गो यिन्
सोलोङ्गा थायागाद् । गाजार् देलेखेइ बेर् दोल्गिसुन् खोदेलोद् । निगेन् आल्यान् थेर्गेन् दुर्
सागुग्सान् आयुखु मेथु दुरि थेइ ब्लामा खुछुं इरेबेसु । थेरे बुगुदे ज्रुखुदगेन्
उनावाइ । थेरे नुखेन् दुर् खेव्येदेग् खुमुन् । दान्दा ओरोग्गु गाजार् इयान् ओलुन् यादाजु
बायिखुइ दुर् । धुशिमेल् ज्रुन् खोबेगुन् उगुलेप्न् । यू आयु खेमेगेद् । निगेन् आद्‌खु शिरइ
थानिदाजु साछुवासु । थेरे खुमुन् ज्रु आयुखु सेद्‌खिल् इनु उगेइ बोल्वाइ । थेरे ब्लामा
छिमायि खेन् एने मेथु गार् खोल् निदुन् उगेइ बोल्गावाइ । थेरे खुमुन् ज्रु मिग्वान् इ इदेसुगेइ ।
छिमुन् इ ऊगुसुगाइ । आरासु वार् इनु खुब्रूर् खिसुगेइ गेमेग्सेन् दुर् धुशिमेल् ज्रुन् खोबेगुन्
ज्रुगुलेह्न् । वि एने मोदुन् उ जिमिस् इ इदेये खेमेन् । एने मोदुन् दुर् आविराजु बायिम्मागार्
एब्देरेबेइ । खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ब्लामा दाखिन् दाखिन् आयिलाद्‌वासु एसे खेल्वेइ । थेरे ब्लामा
ज्रुगुलेह्न् । देगेदु बोग्दा मोन् ज्रु थुला । बुसुद् उन् गेम् इ निगुग्राद् । ओबेर् ज्रुन् गेम् इ
गार्गामुइ खेमेगेद् । एरिखेन् इयेन् ओग्छु आर्वाइ बेर् माछुगाद् । देगेरे इनु मायिखान् गेर्

यह निश्चय ही (लाब्या), बोधिसत्त्व होगा । यह सोच कर अपनी गुहा मे चला गया । अगले दिन सूर्यास्त के समय उस मनुष्य ने आ कर देखा तो आकाश में बहुत रगो का इन्द्रधनुष (सोलोङ्गा) छा गया (थायागाद्) । पृथ्वी (गाजार देलेखेइ) हिली (दोल्गिसुन्) और कापी (खोदेलोद्) । एक स्वर्ण रथ (थेर्गेन्) मे बैठा हुआ भैरव रूप वाला (दुरि थेइ) लामा आया । सब मूर्छित हो कर गिर पडे (ज्रुखुदगेन् उनाबाइ) । गुहा म ऐटने वाले जन को अपने छुपने (दाल्दा ओरोखु) के स्थान के मिलने में (ओलुन्) कठिनाई (यादाजु) हुई । मन्त्रिकुमार ने कहा—मत डरो । एक मुट्ठी भर (आद्‌खु) मिट्टी (शिरइ) मन्त्र* फूक कर बखेर दी (थानिदाजु साछुवासु) । उस मनुष्य की भय-भावना न रही । लामा ने पूछा—किसने तुम्हारे हाथ, पाव और आख को इस प्रकार नाश किया । उस मनुष्य का मैं मास खा जाऊगा, ग्हू पी जाऊगा, उसकी चमडी (आरासु) से कल्श बनाऊगा (खिसुगेइ) । इस पर मन्त्रिकुमार ने कहा—मैं इस वृक्ष के फल को खाऊगा । यह सोच कर इस वृक्ष पर चढते चढते (आविराजु बायिम्मागार्) मेरे अग टूट गये (एब्देरेबेइ) । इतना कहने पर लामा ने उसको बार २ (दाखिन् दाखिन्) पूछा । फिर भी उसने नही बताया । लामा ने कहा—परम महात्मा (देगेदु बोग्दा) होने के कारण दूसरो के अपराध को छिपा कर तुमने स्वय के अपराध को दिखाया है । अपनी माला (एरिखेन्) उसको दे कर, उस पर जो (आर्वाइ) बखेर कर (साछुगाद्), उसके ऊपर एक तम्बू (मायिखान्) का घर (गेर्)

---

* थार्नि=धारणी=मन्त्र ।

१५५ वायिगुल्जु ओग्गुगेद् । थेरे नुखेन् उ सुमुन् इ । एगुन् दुर् थुसालाग्सान् उ आछि खुछुन् इयेर् निगेन् नासुन् दुर् बोदि खुथुग् थुर् सुसु्ं योल्थुगाइ खेमेन् इरुगेर् थाल्विग्राद् । उलु् उजेग्देन् ओद्वाइ । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् उगुलेर्न् । छि जिमिस् एछे वेन् । खागान् दागान् मार्गाथा आवाछिजु वारि । नाछिन् दाखि बिछिग् इ आवाम्बाइ दुर् ओग् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे सुमुन् येखेदे, वायास्छु उगुलेहुन् । छि निगेन् बुर्खान् बुइ जा । थेरे मेथु आयुगु दोग्शिन् दुरि येइ ल्लामा इरेगेद् । खेन् जामाग्लावाइ खेमेन् आसागुवासु । आमियान् दुर् खोओर् बोल्चु यि सानाजु उलु उगुलेन् आजुगु । एने खुवाग्वाइ मोदुन् आछा नाछि छेछेग् उर्गुसान् आनु । छिनु आदिस्यिद् उन् खुछुन् बोलाइ । छि नादुर् निगुल् उगेइ आयिलादुन् सोयोर्खा । छि यागुन् खुमुन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोवेगुन् उगुलेहुन् । याम्बार् बा उछिर् इ मिनु खागान् खाथुन् । मायिद् थुशिमेद् एने मोदुन् उ देर्गेदे इरेगु बुइ जा । थेरे देगेरे उछिर् इयान् मेदेग्जे । विदे छि बेर् उरिद् थोरोल् दुर् जोवाग्सान् दुर् । वि छिमायि थुसालाग्सान् खुछुन् इयेर् एदुगे मिनु जोवाजु मेंव्येखुइ दुर् । छि बेर् थुमालाग्सान् बुइ जा । एगुन् एछे खोयिशि आरिगुन् यावुदाल् इयार् यावुजु आरिलुग्सान् ओरोन् दुर् खुखु्ं छिनु सागायाल् उगेइ बोल्थुगाइ

बना कर (वायिगुल्जु) उसको दे दिया। वह गुहा-मनुष्य इस पर (एगुन् दुर्) भलाई करने (थुसालाग्सान्) के फल (आछि) की शक्ति द्वारा एक जन्म में (नासुन् दुर्) बोधि अवस्था को (बोदि खुथुग् थुर्) प्राप्त हो जाए—यह आशीर्वाद दिया (इरुगेर् थाल्विगाद्) और अदृश्य (उलु् उजेग्देन्) हो गया। मन्त्रिपुत्र ने कहा—कल तुम अपने फलो मे से कुछ फल अपने राजा को जा कर (आबाछिजु) दे दो (वारि), और पत्ते पर के लेख को राजकुमारी को दे दो। इतना कहने पर वह मनुष्य बहुत प्रसन्न हुआ और बोला— तुम अवश्य बुद्ध होगे। उस भैरव (आयुखु) प्रचण्ड रूप (दोग्शिन् दुर्) वाले (येइ) लामा के आने पर—किसने दण्ड दिया—यह पूछने पर तुमने, किसी प्राणी को हानि (खोओर्) पहुंचेगी (बोल्खु), यह सोच कर नही बताया था। इस सूखे हुए वृक्ष के पत्ते और फूल उग आए—यह तुम्हारे पुण्य (आदिस्यिद्) की शक्ति है। तुम हमको छिपाए बिना बताने की कृपा करो (सोयोर्खा) कि तुम कौन जन हो। इस पर लडके ने कहा—जो कुछ मेरी बात चीत है, सो राजा, रानी, सामन्त और मन्त्री इस वृक्ष के पास आएगे। उनसे सब बात को जान लेना (मेदेग्जे)। पूर्व जन्म (थोरोल्) में तुम दु.खी थे और मैंने तुम्हारी सहायता की थी। उसकी शक्ति से अब मेरे दु खी लेटे होने पर तुमने सहायता की है। इस के पश्चात् शुद्ध चरित द्वारा आचरण करके (याबुजु) सुखावती लोक (आरिलुग्सान् ओरोन्) मे पहुंच कर बिना बाधा के (सागाथाल् उगेइ) वहा रहोगे (बोल्थुगाइ)।

[illegible]

११९ खेमेग्मेन् दुर् । थेरे गुमुन् वायाल्जाु यागारान् गेर् थेगेन् गारिगाद् । मायिन् आग्या थु ङदेगेन् इ छुग्नागुल्जु आबुगाद् थुशिमेन् उन् गोनेगुन् दुर् आवाछिराजु बारिगाद् । थेरे सोवेगुन् उ देगेंदे गोनुसाइ । ओर्लुंगे इनु वोमुगाद् । जिमिस् नाञ्छि वान् आवुगाद् आवासाइ यिन् देगेंदे ओदछु बारिवाइ। थेरे नाञ्छि यि आञ्छु उजेगेद् वायार्नाजु । थेरे जिमिस् इ मोङगुन् वालान् दुर् ग्जिजु । थेरे सुमुन् इ दागागुडुन् । मागान् उ देगेंदे गुर्वेम् । खागान् । सेउसेन् इयेन् उजेगेद् । छाम् इयान् थायिल्वाउ गार् थुर् बारिग्मान् छिनु थागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् वि छाम् इयान् थायिल्वाइ । एर्देनि मोदुन् उ नाञ्छि छेछेग् उर्गुंग्सान् उ थुला । आञ्छु इरेबेइ । थेरे मोदुन् उ खादागालाग्छि सुमुन् गादाना बुइ बिले खेमेग्सेन् दुर् खागान् बेर् बायास्छु । मोदु जिमिस् नाञ्छि छेछेग् उर्गुंग्सान् आनु । छिनु छाम् दु सागुग्साम् उ खुछुन् इयेर् बोल्वाइ । थेरे सुमुन् उ उखुर् एछे गार्गाग्मान् छिनु माशि सायिन् खेमेगेद् । मोदुन् उ ग्वादागालाग्छि गुमुन् इ गागान् खाशि दागान् ओरोगुल्जु इरेगेद् । खेशिग् शाद्द ओग्गुगेद् बायासगाबाइ । आनाखाइ । सागान् दागान् एयिन् आयिलाद्साग्न् । थेरे एर्देनि थु मोदुन् उ देगेंदे खाभुग् इयेर् छुग्नाजु खुरिम् सिबेसु सायिन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । सागान् जोञ्छियेगेद् । ओलान् बुखुन् दुर्

इस पर वह मनुष्य प्रसन्न हो कर शीघ्रता से (यागारान्) अपने घर गया और सुन्दर स्वादिष्ठ भोजन संग्रह करके ले आया और मन्त्रिकुमार को भेंट दी । उसी कुमार के पास रात बिताई ।

प्रात (ओर्लुंगे) उठ कर, फल और पत्ते ले कर, कुमारी के पास जा कर दे दिये । वह पत्ते को ले कर और देख कर प्रसन्न हुई । फल को चादी के थाल में (मोङगुन् बालान् दुर्) डाल कर (खिजु) और उस मनुष्य को साथ ले कर राजा के पास गई । राजा ने अपनी कुमारी को देख कर पूछा—क्या तुमने अपना ध्यान समाप्त कर दिया (थायिल्वाउ) । तुम्हारे हाथ मे पकडी हुई क्या वस्तु है । इति । लडकी ने कहा— मैंने अपना ध्यान समाप्त कर दिया । रत्नवृक्ष के पत्ते और फूल उग आए हैं । अत· ले कर आई हू । उस वृक्ष का रक्षक जन बाहर खडा है । इस पर राजा प्रसन्न हुआ और बोला—वृक्ष के फल पत्ते और फूल निकले हैं । यह तुम्हारे ध्यान में बैठने की शक्ति द्वारा हुआ है । उस पुरुष को तुमने मृत्यु से निकाला है । सो बहुत अच्छा किया है । इस पर वृक्ष के रक्षक जन को राजा के महल में प्रवेश कराया गया और उसको पारितोषिक और धन (खेशिग शाद्द) दे कर प्रसन्न किया गया । कुमारी ने कहा—रत्नवृक्ष के पास यदि सब जन इकट्ठे हो कर उत्सव मनाए तो अच्छा होगा । राजा ने मान लिया और सब को (ओलान् बुखुन् दुर्)

१६७ जारा ओग्बेइ । जार्लिग् याबुगुल्खुइ दुर् । एर्रेनि थु मोदुन् मान् उ नाब्छि छेछेग् जिमिस् थगुस् उर्गु:सान् बामिनाम् । येयिमु थिन् थुला मार्गाथा मोदुन् उ देर्गेदे बुगुदेगेर् छुग्लाजु खुरिम् खिलु बुइ खेमेन् जार्लबाइ । मोदुन् खादागालाग्छि दुर् आवाखाइ एल्देब् आम्था थु इदेगेन् खिगेद् । सायिन् खुब्छाद् इ ओग्छु थुशिमेल् उन् खोबेगुन् दुर् इलेगेवेइ । थेरे खुमुन् इ छि आलिवा सोनुसुग्सान् इयान् सोबेगुन् दुर् उगुले गेबे । थेरे खुमुन् खारिजु । खोबेगुन् दुर् इदेगेन् खुब्छासुन् इ ओगगेद् । एल्देब् सोनुसुग्सान् इयान् खेलेबेइ । थेरे खुमुन् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उ देर्गेदे खोनुबाइ । मार्गाथा ओर्लुगे एर्थे । खागान् उ ओर्दु इरेजु । मोदुन् उ खोयिना बागुबाइ । बुगुदे उलुस् खुरान् छुग्लाजु इरेखुइ दुर् खोबेगुन् उ देर्गेदेखि मायिखान् आनु । आर्बान् गुर्बान् आसार् थु मायिखान् बोल्बाइ । थेरे उलुस् ओबेर् जागुर् इयान् उगुलेल्दुरुन् मान् उ खागान् उ एयिमु गायिखाम्शिग् थु ओर्दु खाशि बुइ आसान् बायिनाम् खेमेन् खेलेल्छेबेइ । खागान् । खाथुन् ओगेदे बोल्जु इरेगेद् । एने एयिमु येखे खोथा बायिशिङ दुर् आदालि गेर् खेन् इ बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । निगे छु खुमुन् मेदेजु एसे खेलेग्सेन् दुर् । आवाखाइ उगुलेरुन् । एने गेर् थुर् ओरोया खेमेग्सेन् दुर् । खागान् । खाथुन् बुगुदेगेर् ओरोवामु । गेर्

आदेश (जारा) दिया (ओग्बेइ) । आदेश यह था—हमारे रत्नवृक्ष के पत्ते, फूल और फल पूर्णरूप (येगुस्) से उग आए हैं । इस कारण कल वृक्ष के पास सब इकट्ठे हो कर उत्सव मनाएं । वृक्ष के रक्षक को कुमारी ने नाना स्वाद के भोजन और सुन्दर वस्त्र देकर मन्त्रिकुमार के पास भेजा और कहा —तुमने जो कुछ सुना है वह कुमार को बता देना । वह व्यक्ति गया । कुमार को भोजन और वस्त्र दे दिये । नाना बातें, जो सुनी थी, वे भी बता दी । और मन्त्रिकुमार के पास ही सो गया । अगले दिन प्रात. सवेरे ही (एर्थे) राजा की सभा (ओर्दु) आई और वृक्ष के पीछे डेरा डाला (बागुबाइ) । सब लोग इकट्ठे हो कर पहुचे । कुमार के सामने वाला (देर्गेदेखि) तम्बू १३ शिखर (आसार्) वाला तम्बू बन गया । लोग मार्ग में (जागुर्) चर्चा करने लगे (उगुलेल्दुरुन्)—हमारे राजा का कितना अद्भुत महल बन गया । राजा रानी पधारे (ओगेदे बोल्जु इरेगेद्) और पूछा—यह ऐसा महान् नगर के भवन के समान किस का घर है । एक भी जन जान कर भी न बता सका । कुमारी ने कहा—इस घर में प्रवेश करें । जब राजा रानी और सब ने प्रवेश किया तो घर

[illegible]



[illegible]

१५- दोथोरा आनु यागुमा उगेइ बोलुगाद् । सोबेगुन् गाच्छागार् खेब्येग्सेगेर् आजुगु । थेरे आबाखाइ गार् आछा इनु बररिजु उखिलागाद् । एने गार् खोल् इयेन् एब्देजु ओखिग्सान् दुर् । येखेदे जोबाबाइ जा । छि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि जोबाग्सान् उगेइ आमुर् खेब्येबेइ खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ उगुलेग्न् । उलु जोबाबाइ गेग्छि छिनु थोड खुदाल् बुइ जा । गेम् खिग्सेन् खुमुन् दुर् उलु ओशियेलेखु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । आशियेलेखु उगेइ । ओशियेलेखु बुगेसु । गार् खोल् मिनु एब्देरेग्सेगेर् एब्देरेथुगेइ । खेबेर् ओशियेलेखु सेदखिल् उगेइ बुगेसु । एर्खेथेन् मिनु निगेन् ग्सान् जागुरा थेगुस्खु बोल्थुगाइ खेमेगेद् बोम्बासु एर्खेथेन् इनु थेगुस्बेइ । खागान् । खाथुन् दुर् मोर्गु बेसु । खागान् खाथुन् एम्बिलेन् खामुग् इयेर् गायिखाजु । एने यागुन् खुमुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ आनु । आलि बुखुन् यानुग्सान् उछिर् इ छोम् उगुलेग्सेन् दुर् । खागान् आनु । खान् खोत्रेगुन् दुर् येखेदे खिलिडलेजु एगुन् इ मिडगान् खेसेग् ओग्थोल् गेजु छिडगादा खाराबासु । खागान् उ खावेगुन् येखेदे आयुन् । आवुगाइ नागाना* खेमेन् बाखिराबासु । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् । खागान् दुर् मोर्गु जु येखदे खायिलागाद् । एगुन् इ आलाबासु मिनु बेये मिडगान् खेसेग् बोलुगाद् गालाब् बोल्थाला जोबाखु

के अन्दर कोई वस्तु न थी । केवल मात्र लडका लेटा हुआ था । उसको हाथ से पकड कर लडकी रोई (उखिलागाद्) । हाथ पाव तोड कर जब तुमको छोड दिया था, तब तुमको महान् कष्ट हुआ होगा । इस पर कुमार बोला— मुझे कष्ट नही हुआ । मैं सुखी (आमुर्) लेटा रहा । कुमारी बोली—दु ख नही हुआ, तुम्हारा यह कहना सर्वथा झूट है (थोड खुदाल्) है । अपराध किये हुए जन के प्रति तुम्हारा कोइ द्वेष (ओशियेलेखु) नही है क्या । इस पर लडके ने कहा—कोई द्वेष नही । यदि द्वेष हो तो मेरे टूटे हुए (एब्देरेग्सेगेर्) हाथ और पाव टूटे हुए रहें (एब्देरेथुगेई) । किन्तु यदि द्वेष की वृद्धि न हो तो मेरी इन्द्रिया (एर्खेथेन्) एक क्षण मात्र में (ग्मान् जागुरा) पूर्ण हो जाएं । यह कह कर उठने लगा तो (बोस्बासु) उसकी इन्द्रिया पूरी हो गईं । उसने राजा रानी को नमस्कार किया । राजा रानी आदि सब को आश्चर्य हुआ । उन्होने पूछा—यह कौन जन है । कुमारी ने जो कुछ बीती बात थी, सब (छाम्) कह सुनाई । राजा राजकुमार पर बहुत रुष्ट हुआ और चण्डता से (छिडगादा) उसकी ओर देख कर कहा— इसको सहस्र खण्डो मे काट दो (ओग्थोल्) । राजकुमार बहुत डरा और चिल्लाया (बाखिराबासु)—भाई (आवुगाइ), बचाओ (नागाना) । मन्त्रिकुमार ने राजा को नमस्कार किया और बहुत रोया— यदि इसको मार दोगे तो मेरा शरीर सहस्र खण्ड हो जाएगा और कल्पा (गानाय्=कल्प=कल्पा) तब मैं दु खी

* "नागाना" का अर्थ है—रक्षा ।

१५६ बुलुगे । वि एगुन् इ एने मेयु जोवागाग्मान् बुइ जा । थेगुन् इ ओरि योलोगेसुन् इमेर् नायापि जोवागाग्मान् आनु एने बुलुगे खेमेग्मेन् दुर् । खागान् एग्विलेन् खामुग् इमेर् गायिखाजु । एने थुशिमेल् उन् खोवेगुन् थुर्तान् बुइ जा । एने खागान् उ खोवेगुन् । आमियान् दुर् खोओर् खिग्छि शिम्नु आमुइ जा । आलि छु आमियान् इ इवेगेग्छि यिन् थुलादा । खोओरा थु सेदखिल् उगेइ बोलाइ खेमेगेद् । खागान् उ ग्वोवेगुन् इ खोगेजु ओखि खेमेन् । ग्योयार् थुशिमेल् खुमुन् खोरिन् खुलुग् मोरिन् ओग्गुगेद् । एने ग्गुलुग् इ एसे यावुग्सान् गाजार् आ बागुलगाजु ओखि गेजु जाखिगाद् यावुगुल्वाइ । थेरे खुमुन् गुर्वान् सारा यिन् गाजार् आ यावुजु ओखिगाद् इरेवेइ । खागान् । खाथुन् एखिलेन् खामुग् इमेर् जिर्गान् सागुवाइ । मिनु बोग्दा खागान् । थेयिमु एर्देम् थु बुगेथेले । उलु मेदेखु यिन् दुरि वेर् यावुजु आमियान् इ थुमालादाग् बुलुगे खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि खागान् गेर् थेगेन् खारिवाइ ।

रहूंगा । मैंने इमको इस प्रकार कष्ट दिया होगा और उसका फल (ओरि) प्रतिशोध (योलोगेसुन्) मुझको यह कष्ट मिला है । इतना कहने पर राजा आदि सब चकित हुए और बोले— यह मन्त्रिपुत्र अवश्य बुद्ध है । और यह राजकुमार प्राणियों को हानि (खोओर्) पहुंचाने वाला (खिग्छि) दैत्य है । सब प्राणियों पर कृपा करने (इवेगेग्छि) के लिए इसने दुष्ट विचारों को नष्ट किया है । राजपुत्र को भगा (ग्वोगेजु) छोड़ो (ओखि)—यह कह कर दो मन्त्री जनों को बीस उत्तम (खुलुग्) घोड़े दिये और कहा—जहां [से आगे] ये घोड़े न जा सकें वहां इसको उतार कर (बागुलगाजु) छोड आओ (ओखि) । यह समझा कर (जाखिगाद्) भेज दिया (यावुगुल्वाइ) । वे पुरुष तीन मास की दूरी के स्थान पर जा कर छोड़ आए । राजा रानी आदि सब सुखी रहने लगे (जिर्गान् सागुवाइ) ।

मेरा महात्मा राजा इस प्रकार गुणयुक्त था । अज्ञात (उलु मेदेखु) रूप में (दुरि वेर्) जा कर (यावुजु) प्राणियों की सहायता करता था । इस पर राजा भोज अपने घर लौट आया ।

यामा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

वासा आराजि वोजि खागान् । निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए इरेगेद् । उरिद् एदुर् उन् दुयागु यि आयिलाद् खेमेग्सेन् दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरुन् । युशिमेल् उन् खोबेगुन् दु । मोङ्गुन् छिमेग् यु आवाखाइ यि ओग्गुये गेजु खुरिम् खिवेइ । युशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि एने नासुन् दुर् । एमे आब्खु उगेइ थाङगारिग् थाइ बुलुगे । खोङशिम् बोदिसदुआ यिन् सुमे दुर् मोर्गुजु । थाङगारिग् इयान् नामान्छिलागाद् इरेसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । मोङ्गुन् छिमेग् यु आवाखाइ उगुलेरुन् । बि छिम् लुगा दागाजु ओछिसुगाइ खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । युशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि आर्गा उगेइ इरेसुगेइ खेमेगेद् यावुवाइ । खुलुग् मोरिन् उ मोर् थुर् ओरोगाद् । गुर्बान् सारा यिन् गाजार् इ थोब्छिलाजु । गुर्बा खोनुगाद् खुर्बेद । खागान् उ खोबेगुन् ओले खोगुला उगेइ खेब्येयेले । युशिमेल् उन् खोबेगुन् इ उजेगेद् । आइ आवुगाइ मिनु इरेवेइ गेजु वायार्लाबाइ । युशिमेल् उन् खोबेगुन् । उम्दा खोगुला ओगुगेद् । आलिबा उछिर् इयान् खेलेल्छेगेद् यावुवाइ । यावुग्सागार् एजेगुइ थाला दुर् यावुन् आयाला । गुर्बान्

## १२ वां अध्याय

फिर एक पुतली ने कहा ।

फिर राजा भोज एक शुभ दिन आए और बोले—पिछले दिन की शेष (दुयागु) कहानी को सुनाओ। एक पुतली बोली— मन्त्रिकुमार को चादी के आभूषण वाली कुमारी देंगे । यह विचार कर उत्सव रचा । मन्त्रिकुमार ने कहा—मैंने इस जन्म (नासुन्) मे स्त्री न लेने की प्रतिज्ञा (थाङगारिग्*) की है। मैं अवलोक्तिेश्वर (खोङशिम् बोदिसदुअ) के मन्दिर (सुमे) मे प्रणाम कर अपनी प्रतिज्ञा (थाङगारिग्) से क्षमा ले कर (नामान्छिलागाद्) आऊगा । इस पर चादी के आभूषणो वाली कुमारी ने कहा— मैं तुम्हारे साथ चलूगी । मन्त्रिकुमार ने कहा— मैं चतुराई किये बिना अर्थात् अवश्य ही (आर्गा उगेइ) लौट आऊगा (इरेसुगेइ) । यह कह कर वह चला गया । उत्तम घोडो के मार्ग मे चल पडा। तीन मास के स्थान को, समय संक्षेप कर के (थोब्छिलाजु), तीन दिन रात में पहुंच गया । राजकुमार अन्न (ओले), भोजन (खोगुला) हीन लेटा हुआ था । मन्त्रिकुमार को देख कर प्रसन्न हुआ— अरे मेरे भाई तुम आ गये हो । मन्त्रिकुमार ने पेय (उम्दा) भक्ष्य (खोगुला) दिया । [दोनो ने] अपना सब वृत्तान्त एव दूसरे को सुनाया और चल दिये । चलते २ (यावुग्सागार्) निर्जन (एजेगुइ) स्थल में (थाला दुर्) जा रहे थे (यावुन् आयाला) कि तीन

* मोंगोल वाक्य का शब्दार्थ है—पत्नी न लेने की प्रतिज्ञा वाला हूं ।

१६१ सारा बोठ़ुगाद् । खुखूर् देखि उसुन् इ बारुग्सान् उ थुला । उम्दागासुन् यावुथाला । निगेन्
मोदुन् उुजेग्देवेइ । थेगुन् उु देर्गेदे खुर्वेसु । थेरे वोदि मोदुन् आजुगु । थेरे मोदुन् उ
ओन्दुर् खिगेद् । वुदुगुन् इनु । थावुन् जागुन् आल्दा वुइ । थेगुन् उु सेगुदेर् थुर् सागुजु ।
नाब्छिन् इ शिन्जिलेजु उुजेवेसु । नाब्छि वुरि दु आनु । मिङगान् वुर्खान् उ ओरोन् वुइ
आजुगु । थेगुन् इ गायिग्वाजु खाराजु सागुथाला । खोयार् गालागुन् निस्छु यावुखुइ यि थुशिमेल्
उन् खोव्रेगुन् उुजेगेद् । एने गालागुन् इ बि दागाजु उमुन् ओल्जु ऊगुसुगाइ । छि मोदुन् उ
देर्गेदे मागु खेमेगेद् । गालागुन् उ ग्योयिना आछा दागान् ओद्वाइ । आर्वान् खोनुग् दागान् मावुवासु ।
थेरे गालागु निगेन् लिङखुआ थु नागुर् थुर् खुर्वेइ । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् । थेरे उसुन्
आछा थुगुल्गान् सुसूर् थेगेन् ग्विजु आवुगाद् । वुछाजु इरेबेसु । खागान् उ खोबेगुन् उम्दागासाजु
थेरे वोदि मोदुन् इ एर्गेजु यावुग्मागार् निगेन् नुखे यि उुजेगेद् । थेगुन् दुर् ओरोन्
गेखुने । निगेन् गोओआ उुजेस्मुलेङ ओखिन् । खोयार् गार् थागान् आन्यान् पिला । मोङगुन् पिला
ग्योयार् थुर् । निगेन् दुर् आनु एल्देब् जिमिस् खिजु । निगेन् दुर् आनु । एम् उुन् जुइल इ
ग्विजु वायिनाम् आजुगु । येगुन् उु छागाना निगेन् सुबुद् खागालगा वुइ । थेगुन् इयेर् ओरोथाला ।

भाग हो गये । कलश का पानी समाप्त* हो गया । इस कारण वे प्यासे जा रहे थे कि एक वृक्ष दिखाई पड़ा । उसके पास पहुचे तो वह बोधिवृक्ष निकला । इस वृक्ष की ऊंचाई (ओन्दुर्) और मोटाई (वुदुगुन्) पाच सौ व्याम थी । वे इस की छाया में बैठ गये और पत्तो को ध्यान से (शिन्जिलेजु) देखने लगे तो प्रत्येक पत्ते पर सहस्र बुद्धो का निवासस्थान था । जैसे ही वे पत्तों को आश्चर्यपूर्वक देख रहे थे, दो हसों (गालागुन्) को उड कर जाते हुए (निस्छु यावुखुइ) मन्त्रिकुमार ने देखा और कहा— मैं इन हसों के पीछे जा कर जल प्राप्त करूगा । फिर हम उसको पियेंगे (ऊगुसुगाइ) । तुम वृक्ष के पास बैठे रहो । यह हसों का पीछे से अनुसरण करते हुए चला । जब पीछे चलते २ दस दिन रात हो गये तो वे एक पद्मसरोवर पर पहुचे । मन्त्रिकुमार ने उस पानी से अपने सीसे (थुगुल्गान्) के कलश को भर लिया (ग्विजु आवुगाद्) । जब लौट आया तो राजकुमार प्यास के मारे उस बोधिवृक्ष की परिक्रमा करता हुआ (एर्गेजु यावुग्मागार्) एक गुहा (नुखे) देख कर उसमें घुस गया । उसमें एक सुन्दर रूपवती लड़की थी । उसके एक हाथ में सोने की थाली (पिला) और दूसरे हाथ में चादी की थाली थी । एक में नाना प्रकार के फल डाले हुए थे, दूसरी में ओषधियो के अनेक प्रकार (जुइल) डाले हुए थे । लड़की के आगे (छागाना) एक मोतियों (सुबुद्) का हार (खागालगा) था । ज्यों ही वह उसमें घुसा

* बारुग्सान् के स्थान में बारागसान् चाहिए ।

[illegible]

१६२ ओखिन् वारिग्मान् थावाग् इयान् ओखिन् नोछुवासु । थुलिखजु ओखिगाद् ओरोवाइ ।ओरोन् गेखुले । थुड्गालाग् सायिखान्,गेरेल् थेइ थेयिमु दाखिनि यिन् खुरुग् इ उजेगेद् । आमिथु मेयु सानाजु । खुरुग् उन् गार् आछा इनु वारिजु । एमे यावु । गारुया गेजु देमेइ देमेइ खेलेजु वायिथाला । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् खुछुँ इरेगेद् । खागान् उ खोवेगुन् इ ओलजु यादागाद् । मोर् इ इनु निगेन् नुखेन् दुर् ओरोगुल्वाइ । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् मोन् थेरे नुखेन् दुर् ओरोवासु । थेरे नुखेन् इनु उरिद् योसुगार् वायिग्सान् दुर् । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् एयिन् आसागुरुन् । छि यागुन् ओखिन् बुलुगे । एने पिला छिनु यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । वि छिमायि शिन्जिलेबेसु । लाग्दिान् बेल्गे थेगुसुग्सेन् । सायिवार् ओदुग्साद् उन् बेये थु खोवेगुन् बोलाइ छि खेमेगेद् । वि गाजार् उन् ओखिन् थ्डि बुलुगे । एने बोदि मोदुन् दुर् साराबुरि यिन् शिने यिन् खोयार् थु मिड्गान् बुर्खान् इरेदेग् बुलुगे । एने पिलाद् दाखि जिमिस् इ थेरे बुर्खान् दुर् छाव् एर्गु देग् बोलाइ । एने एम् उन् जुइल् इ खामुग् आमियान् दुर् । एवेद्छिन् छोगेन् बोल्थुगाइ गेजु एर्गु देग् आमुइ । बोग्दा छि खामिगा आछा ओगेदे बोल्जु इरेबे मेमेग्सेन् दुर् । वि थुशिमेल् उन् खोवेगुन् । खोवेगुन् बिले । खागान् उ खोवेगुन् उ मोर् इ इनु । एने नुखेन् दुर् ओरोग्मान् वायिनाम् । खामिगादि ओद्वाइ खेमेखुइ दुर् ।

लडकी हाथ में पकडे (वारिग्मान्) थाल को (थावाग् इयान्) छोड कर झपटी (नोछुवासु) । उसे धकेल (थुलिखजु) छोडा (ओखिगाद्) और प्रवेश किया। अन्दर प्रवेश किया ही था कि स्वच्छ (थुड्गालाग्) सुन्दर प्रभा वाली डाकिनी की प्रतिमा (खुरुग्) दिखाई पडी । जीवित समझ कर मूर्ति को हाथ से पकड कर व्यर्थ २ (देमेइ देमेइ) बातें करने लगा—हे स्त्री (एमे), चलो (यावु), बाहर निकलो इति । इतने में मन्त्रिपुत्र आ पहुंचा। राजा के पुत्र को ढूढने में कठिनाइ हुई (ओल्जु यादागाद्) । जिस मार्ग से राजकुमार घुमा था उस मार्ग को एक गुहा में जाते हुए पाया । मन्त्रिपुत्र उसी गुहा में प्रविष्ट हुआ । उस गुहा में पहले के समान (उरिद् योसुगार्) सब कुछ हुआ । मन्त्रिपुत्र ने पूछा—तुम कौन कन्या हो । ये तुम्हारी थालिया कैसी हैं । लडकी ने कहा—यदि मैं तुमको ध्यान से देखू तो तुम सम्पूर्ण लक्षण युक्त हो, तथागत (सायिवार् ओदुग्माद्) के शरीर वाले कुमार हो । यह कह कर उसने कहा—मैं इस स्थान की देवी हूं । इस बोधिवृक्ष पर प्रतिमास की दूसरी तिथि (शिने) को सहस्र बुद्ध आते हैं और मैं इस थाली में के फलों का उन बुद्धो को भोजन (छाव्) देती हूं (एर्गु देग् बोलाइ) । और इन ओषधियो के प्रकार को, सब प्राणियो के रोग (एवेद्छिन्) न्यून (छोगेन्) हो जाएं, इसलिये देती हू (एर्गु देग् आमुइ) । महात्मन्, आप यहा से (खामिगा आछा) पधारे हैं । उसने कहा—मैं मन्त्री का लडका हूं । राजकुमार का मार्ग इस गुहा में आता है । वह किधर चला गया है । यह कहने पर

१६१ थेरे ओ्सिन् त्रुगुलेह्न् । खाग़ान् उ खोनेगुन् बुसु बुइ जा । मागु इरुआ थु देमेइ वालाइ
खेलेजु थेरे खोवेगुन् छिनु । ग्नोगुसुन् खुहुग् इ नोछुजु देमेइ बेर् दोङ्गुदुन् बायिनाम् ।
छि ओरोनासु थोड़ गाठुं इरेग्नु ज्रुगेइ ग्येमेग्सेन् दुर् । ग्नोवेगुन् आसागुच्न् । थेरे यागुन्
उछिर् बुइ खेमेवेसु । ओ्सिन् त्रुगुलेह्न् ।
आबिदा बुर्खान् उ ओरोन् आछा । गेरेल् उन् दुवाछा नेरे थु खागान् उ ओ्सिन् । आल्यान् छिमेग् थु ।
आल्यान् येर्गे थु दोलुग़ान् दाम्खुर् आल्यान् ग्वुगूर् थु थेरे ओ्सिन् इरेगेद् । एने मिङ्गान्
बुर्खान् दु मोर्गु ग्वुइ दुर् । थेगुन् उ गेरेल् इनु गाजार् थुसुग्सान् दुर् । बिशिउगाराम्
उरालाजु । एने ग़ाजार् थु सुहुग्ग्लेग्सेन् बोलाइ । थेगुन् इ गेरेल् इ सेन् इयेर् खाराजु उलु
बोल्खु । आरागालाजु एने खोवेगुन् इ आब्छु बुगेसु बिशिउगाराम् मेदेसु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।
एदुगे खामिगा बुइ खेमेवेसु । खोर्मुस्दा थ्डि जालाजु । बुर्खान् गोओदाम् यिन् आर्बान् नाइमान्
नामुन् उ दुरि । छाम्बुदिब् थुर् बुइ यिन् थुला । थेगुन् उ छिद्खुमाल् इ बुथुगेग्नु यिन् थुला
जालाग्मान् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोवेगुन् खोर्मुस्दा यिन् ओरोन् दु खुर्वेसु । बिशिउगाराम्

लड़की बोली—निश्चय वह राजकुमार नही है । वह तुम्हारा कुमार कुलक्षणयुक्त (मागु इरुआ थु) है, और व्यर्थ निरर्थक (देमेइ वालाइ) बोलता है (खेलेजु) । वह शून्य (खोगुसुन्) प्रतिमा को (खुहुग् इ) झपट कर (नोछुजु) व्यर्थ बक रहा है (दोङ्गुदुन् बायिनाम्) । यदि तुम प्रवेश करोगे तो कभी बाहर न निकल सकोगे । लडके ने पूछा— यह क्या बात है । लडकी ने उत्तर दिया— अमिताभ (आबिदा) बुद्ध के लोक से प्रभाध्वज (गेरेल् उन् दुवाछा) नाम के राजा की कन्या स्वर्णभूषणवती स्वर्णरथवती और एक दूसरे के अन्दर रखे हुए (दाम्खुर्)* सात स्वर्ण कलश वाली कन्या यहा आई है । सहस्र बुद्धो को नमस्कार करते हुए उसकी प्रभा पृथ्वी पर गिरी (थुसुग्सान् दुर्) और विश्वकर्मा (बिशिउगाराम्) ने कलात्मक रूप दे कर (उरालाजु) इस स्थान म प्रतिमा बना दी (खुहुग्लेग्सेन् बोलाइ) । उसकी प्रभा को कोई भी देख नही सकता । यदि धोखे से वह इस राजकुमार को पकडे हुए होगी तो विश्वकर्मा को पता लग जाएगा । इस पर उसने पूछा— अब विश्वकर्मा कहा है । उसने कहा—इन्द्रदेव ने बुलाया है (जालाजु) । बुद्ध गौतम के १८वें जन्म के रूप के जम्बुद्वीप में होने के कारण उसकी मूर्ति (छिद्खुमाल्) को बनाने (बुथुगेखु) के लिये बुलाया है (जालाग्सान् बुलुगे) । जब कुमार इन्द्र-लोक में पहुचा तो विश्वकर्मा

*श्री रौडन ने अनुवाद किया है seven double golden milking pots सो double ठीक नहीं ।

[illegible]



[illegible]

१६४ उन् छाब् खिखु निगेन् ओखिन् इयेर् उदयन मिन् निगेन् दाखिनिस् इरेगेद् । बोग्दा यिन् देगेंदे निगे दाखिनिस् बोग्दा यिन् बेये यिन् सुहुग् इ वायिगुल्खुइ दुर् । थुसालाखु मिन् थुला इरेग्सेन् बुलुगे खेमेगेद् । थेरे ओखिन् उसुन् आन्छु यावुखुइ दाग्रान् निगेन् आल्दा गाजार् आछा इलेगू गाखुं ड्रुगेइ आजुगु । थेगुन् एछे खोवेगुन् आसागुरुन् । दुल्वा यिन् योसुन् साखिग्सान् ओखिन् सेन् इ योल्वा चि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ड्रुगुलेरुन् । खोयाला थेगुसुग्सेन् सायिन् इजागुर् थु । बोग्दा खोवेगुन् आ आ । विशिउगाराम् उन् छाब् खिखु ओखिन् बुलुगे चि खेमेग्सेन् दुर् । खोवेगुन् ड्रुगुलेरुन् चि विशिउगाराम् उन् खोवेगुन् बिले । नामायि जोल्गोल्गुला खेमेन् खेले खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् इयेर् । थेरे ड्रुगे यि विशिउगाराम् दुर् खेलेवेसु । विशिउगाराम् ड्रुगुलेरुन् । मिनु शावि आछा बुसु । येरु खोवेगुन् ड्रुगेइ बुलुगे । छाम्बुदिव् उन् ओरोन् आछा एन्दे इरेखु बुगेसु । एर्देम् थु निगेन् बोदिसादु बुइ जा खेमेगेद् ओरोगुला गेबे । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् ओरोजु इरेगेद् । याम्बार् या । उछिर् जोरिग् इयान् देल्गेरेङगुइ ए खेमेग्सेन् दुर् । विशिउगाराम् ड्रुगुलेखुन् । चि थेरे आविदा बुर्खान् उ ओग्लिगे यिन् एजेन् गेरेल् उन् दुवाछा नेरे थु खागान् उ ओखिन् । बोदि मोदुन् उ देगेंदेखि बुर्खाद् थुर् मोगुरे इरेग्सेन् दुर् । थेगुन् उ गेरेल् इ ड्रुजेगेद् ड्रुलिगेलेंजु

की भोजन बनाने वाली (छाब् खिखु) एक लडकी ने कहा—उदयन की एक डाकिनी आई है । महात्मा के पास एक डाकिनी महात्मा के शरीर की मूर्ति (सुहुग्) को बनाने में (वायिगुल्खुइ दुर्) सहायता देने के लिये (थुसालाखु यिन् थुला) आई है । यह कह कर लडकी पानी ले कर चलते समय एक व्याम स्थान से अधिक (इलेगू) नही गई थी कि उससे लडके ने पूछा—विनय (दुल्वा) नियम (योसुन्) पालन करने वाली (साखिग्सान् ओखिन्) तुम किस की लडकी हो । वह बोली—सुसम्पूर्ण (खोयाला थेगुसुग्सेन्), भद्रकुलीन (सायिन् इजागुर् थु), हे महात्मन् कुमार, मैं विश्वकर्मा के भोजन बनाने वाली लडकी हूं । लडके ने कहा— मैं विश्वकर्मा का पुत्र हू । उसको कहो कि मुझे (नामायि) मिलने के लिये बुलाए (जोल्गोल्गुला) । लडकी ने उसके शब्दो को विश्वकर्मा से कह दिया । विश्वकर्मा बोले—शिष्यो (शावि) से भिन्न (बुसु) मेरा सर्वथा (येरु) कोई लडका नही । जम्बुद्वीप लोक से यहा आया है तो गुणी बोधिसत्त्व होगा । यह कह कर कहा—प्रवेश करने दो (ओरोगुला) । मन्त्रिकुमार ने अन्दर प्रवेश किया । और अपनी सब बात और उद्देश्य (जोरिग्) विस्तार पूर्वक कहे । विश्वकर्मा ने कहा—अमिताभ बुद्ध के दानपति (ओग्लिगे यिन् एजेन्) प्रभाध्वज नामक राजा की कन्या जब बोधिवृक्ष के पास के बुद्धो को नमस्कार करने के लिये आई तब उसकी प्रभा को देखा और उसके रूप को ले कर (ड्रुलिगेलेंजु)

१६५ गाजार् थुर् वायिगुलुग्सान् बुलुगे । थेगुन् इ गार्गासु आर्गा यि वि मेदेसु ठुगेद् । मोन्
थेरे आबाखाइ यि आच्छु इरेबेसु गार्गाखु बुइ जा खेमेगेद् सोबेगुन् नादा युच्छाद् इयान्
थायिल्जु । वेये बेन् ठुजेगुल्जु खायिर्लासु वेये यि छिनु ठुजेमुइ खेमेग्सेन् दुर् सोबेगुन् उगुलेदुन् । मिनु
वेयेन् दुर् यागुन् उ सायिन् लग्शन् आखु विले खेमेगेद् । थायिल्जु ओग्बेसु । वेरगे विलिग् ठुन् वेये इनु गेयिजु
गारुग्सान् दुर् विशिउगाराम् मोगुंगेद् । खोमुंस्दा थ्डि । साग्यमुनि यिन् आर्वान् नाइमान् नासुन् उ
छिद्खुमाल् इ खिजु आछा खेमेग्सेन् दुर् छिद्खुजु सागुगा बुलुगे खेमेन् आयिलाद्खाग्राद् ।
मोगुंजु थेग् थाथाजु आबुवाइ । थेरे सोबेगुन् सुगावादि यिन् ओरोन् दुर् ओद्खुइ दुर् ।
आवादुदि ब्लामा दुर् जोल्गोग्राद् मोगुंजु आलिबा उच्छिर् इयान् देल्गेरेगुलुन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् ।
आवादुदि ब्लामा यागुमा ठुलु उगुलेन् मुशियेगेद् । दोलुगान् खारा छिलागुन् इ
खायिरालाबाइ । थेगुन् इ आबुगाद् याबुवाइ । सुगावादि यिन् ओरोन् दुर् खुरुन् गेखुले । निगेन् ओखिन्
चन्दन मोदुन् इ थेगुजु याबुग्सान् थेगुन् लुगे जोल्गोल्छाबाइ । थेरे ओखिन् एछे एयिन् आसागुरुन्
आरयान् छिमेग् थु । आबाखाइ खामिगा बुइ खुमुन् जोल्गोदाग् बुयु खेमेग्सेन् दुर् ।
ओखिन् ठुगुलेरुन् । थेगुन् दुर् खुमुन् जोल्गोखु आछा वायियुगाइ । एरे

पृथ्वी पर रख लिया (वायिगुलुग्सान् बुलुगे) । उसको निकालने के उपाय को मैं जानता नहीं । उस कुमारी को यदि ले आओ तो वह निकाल सकेगी। यह वह कर उसने लडके से वहा—हमको अपने कपडे उतार कर (थायिल्जु) अपना शरीर दिखाने की कृपा करो (खायिर्लासु)। तुम्हारा शरीर देखूंगा। इस पर लडके ने कहा—मेरे शरीर पर कौन से अच्छे लक्षण होंगे । यह कह कर उतार दिये (थायिल्जु ओग्बेसु) और इसका प्रज्ञामय शरीर चमक उठा—विश्वकर्मा ने नमस्कार किया । इन्द्रदेव ने—शाक्य-मुनि के १८ वें जन्म की मूर्ति (छिद्खुमाल्) को बना (खिजु) लाओ (आछा)—ऐसे कहा था । सो मैं उस मूर्ति को ढाल (छिद्खुजु) रहा हूं (सागुगा बुलुगे) । यह कह कर नमस्कार किया । रेखा तान कर (थेग् थाथाजु) माप लिया (आबुवाइ) । सुखावती लोक मे जाते हुए कुमार को अवधूत (आवादुदि) लामा मिला (जोल्गोगाद्) । उसको नमस्कार किया और अपना सब वृत्तान्त विस्तार पूर्वक सुनाया । अवधूत लामा कुछ न बोला । केवल मुस्करा कर (मुशियेगेद्) उसको सात काले पत्थर दे दिये (खायि-रालाबाइ) । इनको लेकर वह चला गया । जब वह सुखावती लोक में पहुंचा तो एक लडकी, जो चन्दन की लकड़ी संग्रह कर (थेगुजु) रही थी (याबुग्सान्), उसको मिली (जोल्गोल्छाबाइ) । उसने लडकी से पूछा—स्वर्णभूपणवती कुमारी कहा है । क्या पुरुप उससे मिल सकता है । लड़की बोली—उससे पुरुप (एरे) का मिलना तो रहा, पुरुप

१६६ खुमुन् उ नेरे सोनुस्वासु । वुजार् वोल्वा गेजु । दोलुगान् सागुल्गा उसुन् इयार् उगियाजु । आरिगुन् चन्दन् गुगुल् इयेर् वेये वेन् आरिगुल्जु ओदुगाद् दोलुगान् खोनुग् थुर् । छाम् दुर् सागुदाग् वुलुगे । थेगुन् इ एर्गुस्सेन् एखे यिन् गेर् थुर् याबुदाग् ओखिन् विले । वि छाव् खिखु थुलेयेन् इ थेगुजु याबुनाम् खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । वि छिनु खाथुन् उ उरिदु थोरोल उन् खोबेगुन् वुलुगे । वि थेरे एखे दुर् इयेन् जोल्गोया खेमेन् इरेग्सेन् वुइ । छि एखे देगेन् खेले खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ओखिन् खारिगाद् । खाथुन् दागान् खेलेग्सेन् दु । खाथुन् आनु उगुलेरुन् । मिनु उरिदु थोरोल् दुर् । थेयिमु खोबेगुन् इ मेदेखु उगेइ वायिनाम् । यिथिन्छु दुर् ओलान् था थोगोरेग्सेन् उ थुला । ओरोगुला खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् ओरोजु इरेगेद् । एखे देगेन् जोल्गोखुइ दुर् । एखे इनु एयिन् उगुलेरुन् । वि उरिदु थोरोल् उन् खोबेगुन् इ मेदेखु उगेइ वुलुगे । छि वेर् येखे जोड विलिग् थु यिन् थुलादा । खेन् बिशि गेजु खेलेखु वुइ खेमेगेद् । येखे वायालजु सायिन् आम्या थु इदेगेन् इ ओग्गुगेद् । थोनिलाखु यिन् नोम् इ आसागुबासु । निगुछा खोल्गेन् उ नोम् इ नोम्लासान् दुर् । बिशिरेजु गायिखागाद् । एयिमु बोग्दा थाइ आग्सान् आजिगु खेमेन् वायालजु सागुवाइ । खोबेगुन् उगुलेरुन् । छिनु खेजुखेन् दुर्

जन का नाम भी यदि सुन लेवे तो अपवित्र (वुजार्) वन गई हूं यह मान कर सात कलश (सागुल्गा) पानी से स्नान कर (उगियाजु), शुद्ध चन्दन और गुग्गुल (गुगुल्) से अपने शरीर को पवित्र करके सात दिन रात तक ध्यान मे वैठ जाती है । मैं उसको गोद लेने वाली (एर्गुस्सेन्) माता के घर मे काम करने वाली (याबुदाग्) लडकी हूं । मै भोजन बनाती हू (छाव् खिखु) और इन्धन (थुलेयेन्) इकट्ठा करती हूं (थेगुजु याबुनाम्) । लडके ने कहा— मैं तुम्हारी रानी का पूर्व जन्म का पुत्र हूं और मैं इस अपनी माता को मिलने के लिये आया हू । तुम मेरी माता को कह दो । लडकी लौट गई और अपनी रानी से कहा । रानी ने कहा—मैं अपने पूर्व जन्म के किसी पुत्र को नही जानती । ससार मे अनेकों वार जन्म लिया है । अत. उसको प्रवेश करने दो (ओरोगुला) । लडके ने प्रवेश किया । अपनी माता से मिला । मा बोली—मै पूर्व जन्म के पुत्र को नही जानती, किन्तु तुम बहुत परम (जोड) प्रज्ञावान् हो अत· कौन "नही" कह सकता है । बहुत प्रसन्न हो कर अच्छा स्वादिष्ठ भोजन दिया । मुक्ति (थोनिलाखु) धर्म पर प्रश्न किया । गुह्य यान के धर्म का प्रवचन करने पर श्रद्धा जागृत हुई (बिशिरेजु) तथा आश्चर्य हुआ । उसने कहा—ऐसे महात्मा के साथ हूं अर्थात् मुझे ऐसे महात्मा मिले हैं । यह कह कर वह प्रसन्न होती रही । लड़के ने पूछा—तुम्हारी कन्या से

१६७ खुमुन् जोल्गोदाग् युगु खेमेग्गुइ दुर्। उरिद् ओखिन् उ आदालि बुरिन् थेगुस् खेलेबेइ। थेरे
ग्वोबेगुन् खुदाल्दुग्गान् उ गाजार् आ ओदुगाद्। निगेन् आल्थान् छेछेग् इ खुदाल्दुन् आबुगाद्। थेगुन् इयेर्
देविल् ग्विबेइ। थेरे देविल् इ उजेग्रेसु। गुर्बान् मिड्गान् यिर्थिन्छु यिन् ओरोन् दुर् छुखाग्
बुलुगे। थेगुन् इ आल्थान् खायिर्छाग् थुर् खिजु। एर्देमि यिन् एद् थावार् इ आबुगाद् ग्वारिबाइ।
एखे दुर् एद् थावार् इ ओग्गुगेद्। छि एने आल्थान् खायिर्छाग् दोयोरा आल्थान् देविल् बुइ।
छिनु थेरे एर्गुग्सेन् दाग्निनि दुर् बेलेग् वारिगुल्वा खेमेन् खेलेजु। एयिन् जाखिरुन्। मिनु उरिदु
थोरोल् उन् निगेन् ओखिन् इरेजु नादुर् जोल्गोगाद्। छिमा दुर् जोल्गोया खेमेग्सेन् बुलुगे।
छाम्बुदिव् थुर् यावुग्मान् बुजार् उन् थुला। यागाखिजु जोल्गोनाम् गेजु। आब्छु इरेग्सेन्
बेनेग् इ मिनु आबुगु गेजु वारिगुल्वा खेमेन् वारि खेमेग्सेन् दुर्। एखे इनु आल्थान्
खायिर्छाग् उन् दोयोराखि देविल् इ उजेजु। एयिमु गायिखाग्दिाग् थु देविल् इ यागुन् खुमुन्
खिबे। एने खोयार् मोरुन् दुर् वायिग्छि शिबागुन् याम्वार् शिबागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर्। निगेन्
इनु एरे खार्छागा बुइ। नोगुगे इनु एमे खार्छागा बोलाइ गेजु खेलेगेद् ओग्छिनेगेबेइ।

कोई पुरुष मिल सकता है क्या। इस पर पूर्व लडकी के कहे समान ही पूरा २ कहा (बुरिन् थेगुम् खेलेबेइ)।

लडका व्यापार के स्थल पर (खुदाल्दुगान् उ गाजार्) गया और एक स्वर्णपुष्प मोल ले आया। उससे एक चोला (देविल्) बनाया (खिबेइ)। यदि उस चोले को देखो तो तीन सहस्र लोकों के क्षेत्र मे वह दुर्लभ (छुखाग्) था। उसको स्वर्ण मजूषा (खायिर्छाग्) मे डाला और रत्नमय धन सम्पत्ति को ले कर लौटा। माता को धन सम्पत्ति दे दी और कहा—इस स्वर्णमजूषा के अन्दर स्वर्ण का चोला है। तुम्हारी पाली हुई (एर्गुग्सेन्) डाकिनी को भेंट (बेलेग्) भिजवा दो। यह कह कर यो समझाया—मेरे पिछले जन्म की एक कन्या आ कर मुझे मिली है। वह तुमको मिलना चाहती है। जम्बुद्वीप मे जा कर अपवित्र (बुजार्) होने के कारण कैसे (यागाखिजु) मिलू (जोल्गोनाम्), लाई हुई मेरी भेंट को स्वीकार करोगी क्या। यह कहने पर माता ने स्वर्ण मजूषा के अन्दर के चोले को देखा और कहा—ऐसे अद्भुत चोले को किस व्यक्ति ने बनाया है। दोना कन्धो (मोरुन्) पर स्थित (वायिग्छि) पक्षी कौन से पक्षी हैं। इस पर उसने कहा—एक नरश्येन (एरे खार्छागा) है और दूसरी स्त्रीश्येन (एमे खार्छागा) है। यह कह कर भेज दिया (ओग्छिनेगेबेइ)।

१६= एगे इनु आव्छु ओछिगाद् खाबेगुन् उ उगे यि छोम् लेलेवेइ । खेलेम्मेन् दुर् । थेरे आवाखाइ आन्यान् छेछेग् देविल् इ आबुगाद् । एयिमु गायिखाम्दिग् थु देविल् छाम्बुदिव् थुर् थुइ वायिनाम् गेजु खेलेगेद् एमुसुम्सेन् दुर् । थेरे आवाखाइ यिन् गेरेल् । देविल् उन् गेरेल् खोयार् थुर् । दोलुग्रान् दाम्पुर् खोथान् दुर् थुड्गालाग् थोर्दोर्खाइ गेयिगुल्बेइ । थेरे आवाखाइ उगुलेरुन् । एने गिवागुन् इ यागुन् गेनेम् गेजु आसागुवासु । निगेन् एनु एरे खाछागा । नोगुगे इनु एमे खाछागा गेनेम् खेमेम्सेन् दुर् । बुजार् वोल्वा खेमेगेद् देविल् इयेन् थायिन्जु ओर्विगाद् । एबे बेन् जोदोजु खारिगुल्वाइ । दोलुगान् सागुला उसुन् इयार् उगियावाइ । आरिगुन् खुजिम् इयेर् उथाग़ाद् । छाम् दुर् सागुवाइ । एगे इनु उखिलाग्सागार् गेर् थेगेन् इरेगेद् । मिनु यागुन् खोबेगुन् गेजु इरेजु । खेजुखेन् दुर् जादोगुल्वाइ खेमेम्सेन् दुर् । खोबेगुन् आसागुरुन् । आइ एखे मिनु यागुन् उ थुला उखिलावाइ खेमेम्सेन् दुर् । एखे इनु । एरे खाछागा । एमे खाछागा खेमेम्सेन् दुर् जोदोवाइ खेमेमेग्छे । खोबेगुन् गायिगुइ खेमेगेद् । वामा थेरे खुदालुगान् उ गाजार् आ ओदवाइ । गुर्वान् दाम्बुर् आसार् थाइ । दोछिन् यिसुन् खागाल्गा थाइ

उसकी माता ले गई और लडके ने सब (छोम्) शब्द कह दिये। लडकी ने स्वर्णपुष्पमय चोले को ले लिया—ऐसा अद्‌भुत चोला क्या जम्बुद्वीप में होता है। यह कह कर पहन लिया (एमुसुम्सेन् दुर्)। कन्या की प्रभा और चोले की प्रभा, दोनो सप्तभूमि महल में स्पष्ट (थुड्गालाग्) निर्बाध (थोर्दोर्खाइ) चमकने लगी। लडकी ने पूछा—इन पक्षियो को क्या कहते हैं। उसने उत्तर दिया—इनमे से एक नरश्येन है और दूसरा स्त्रीश्येन कहलाता है। यह कहने पर—मैं अपवित्र हो गई—यह कह कर चोले को उतार फेंका और अपनी मा को पीट कर (जोदोजु) भगा दिया (खारिगुल्वाइ)। सात कलश पानी मे स्नान किया। शुद्ध धूप (खुजिस्) से धूपित किया (उथागाद्) और ध्यान मे बैठ गई। मा रोती हुई (उखिलाम्सागार्) अपने घर आई। तुम मेरे कैसे पुत्र आए हो जो मेरी लडकी से मुझ को पिटवाया (जादोगुल्वाइ) है। लडके ने पूछा—हे मेरी मा, किस कारण रोती हो (उखिलावाइ)। माता ने कहा—जब मैंने नरश्येन और स्त्रीश्येन कहा तो मुझको पीटा (जोदोवाइ)। लडके ने कहा—कोई बात नही (गायिगुइ)। फिर वह व्यापार के स्थान में गया। त्रिकूट स्तम्भ वाले (गुर्वान् दाम्बुर् आसार् थाइ), ४६ (दोछिन् यिसुन्) द्वार वाले,

१६६ मायिखान् गेर् । दोछिन् यिसुन् एरिखे शाम्याब् थाइ आबुगाद् । वासा एर्देनिस् उन् एद् थावार् इ येखेदे आब्छू । गेर् थेगेन् बुछागाद् । एखे दुर् इयेन् एद् थावार् इ ओगुस्सेन् दुर् । एखे इनु वायालाजु आवुगाद् सागुथाला । निगेन् गुयिलिङछि खुमुन् इरेजु । थेरे खोबेगुन् एछे यागुमा गुयुबामु । खोवेगुन् उगुलेरुन् । बि गाग्छाखान् खुमुन् दु ओग्खु यागुन् थुसा । ओलान् गुयिलिङछि इरे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे यावुगाद् । दोछिन् यिसुन् खुमुन् इरेबेइ । थेदे बुगुदे दुर् लामा खुब्छासुन् इ ओग्छु एमुसुखेगेद् । एखे देगेन् एयिन् उगुलेरुन् । बिदे याबुगाद् गुर्वा खोनुजु इरेखु वुइ । मान् दुर् इदेगेन् इ बेलेद्छु वायिथुगाइ । बिदे आग़लागा दुर् गारुया । नामायि गेजु ग्मुनु दुर् खेले खेमेगेद् याबुबाइ । एर्देनि जिरुखेन् आगुला यिन् उजुगुर् थुर् गाछुं । थेरे आगुलान् दुर् । गुर्वान् जागुन् आसार् थु मायिखान् गेर् वारिगुलुगाद् । थेन्दे सागुवासु । थेरे आगुलान् दुर् । सारा यिन् शिने दु । आबिदा बुर्खान् उ गेरेल् थेन्दे थुस्दाग् आजिगु । थेरे आगुलान् दुर् सुजुग् थेन् इरेजु मोर्गुंजु वायिगाद् । थेरे खोयान् इ उजेजु । बुगुदेगेर् आगुलान् ओगेदे आबिरान् गाछुं । थेरे खोयान् दुर् खुर्बेसु । थेरे .

तम्बू और ४६ माला और परिधान (शाम्थाब्) लिये। फिर रत्नो के धन सम्पत्ति को बहुत मात्रा मे लेकर अपने घर लौटा । अपनी माता को यह धन सम्पत्ति दे दी । माता प्रसन्न हुई और उनको ले कर बैठी ही थी कि एक भिखारी (गुयिलिङछि) जन आया और लड़के से कुछ मागा । लड़के ने कहा—केवल एक (गाग्छाखान्) को देने से (ओग्खु) मुझे क्या (यागुन्) लाभ (थुसा) । बहुत से भिखारी आएं । वह चला गया । ४६ जन आ गये । उसने सबको लामा के वस्त्र दे कर पहना दिये (एमुसुखेगेद्) और अपनी माता से यो कहा—हम जाते हैं । तीन दिन रात के पश्चात् आएंगे । हमारे लिये भोजन सज्ज रखना (बेलेद्छु वायिथुगाइ) । हम निर्जन (आग़लागा) में जाएंगे (गारुया) । यह बात हमारे सम्बन्ध मे लोगो को कह देना । यह कह कर चला गया और रत्नगर्भ (एर्देनि जिरुखेन्) पर्वत के शिखर पर चढ गया । उस पर्वत पर ३०० स्तम्भ वाले तम्बू को स्थापित किया और वहा रहने लगा । उस पर्वत पर मास के प्रारम्भ मे (शिने दु) अमिताभ बुद्ध की प्रभा पडती थी (थुस्दाग् आजिगु) । पर्वत पर भक्त (सुजुग् थेन्) आ कर नमस्कार करते थे । उस महल को देख कर वे सब पर्वत के ऊपर (ओगेदे) चढ आए (आबिरान् गाछुं ) । जब वे महल में पहुंचे तो

[illegible]

१७० खोवेगुन् इनु दोछिन् यिसुन् खागालगान् दुर् । दोछिन् यिसुन् लामा यि सागुलगागाद् । एयिन् सुर्गारुन् । वि ओबेर् इयेन् निगेन् लामा बोलुया । था नार् । येन् खुमुन् इरेजु मोर्गु खु वुगेसु । था उगुले । ओग्थार्गु इ आछा वागुजु इरेसेन् निगेन् बुर्खान् । थोड आरिलुग्सान् सेद्खिल् थु बुलुगे । गाग्छाखु थेरे ब्लामा यिन् मिनु छेगेर्लेखु इनु । एमे खुमुन् उ नेरे यि बुजार् बोल्वा गेजु । दोछिन् यिसुन् सागुल्गा उसुन् इयार् उगियाखु । सायिन् ओनोर् थेन् इयेर् उथाजु । दोछिन् यिसुन् खोनुग् छाम् दुर् सागुखु आमुइ । मान् दुर् उसुन् ओल्दाखु वा । थेदुइ खोनुग् सागुखु मोर्गुखु छिलुगे ओल्दाखु उगेइ गेजु खेले खेमेन् जाखिबाइ । थेरे खागाल्गान् उ दोछिन् यिसुन् लामा जाखिग्मान् योसुगार् उगुलेजु वायिबाइ । दाम् दाम् इयार् सोनुसुगाद् थुग् थुमेन् इयेर् खुराजु । खागान् उ सायिद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् मोर्गुजु याबुवाइ । निगेन् थुशिमेल् खागान् दागान् एयिन् आयिलाद्खावा । एने आगुलान् उ उजुगुर् देगेरे इनु । गुर्बान् जागुन् आसार् थाइ दोछिन् यिसुन् खागाल्गा थाइ मायिखान् गेर् । थेगुन् उ दोथोरा । थेडसेल् उगेइ बोग्दा ब्लामा सागुनाम् । थेरे खागालगा बुरि दु निगे निगे लामा । थेगुन् उ शावि नार् उन् खेलेखु उगे

लडके ने ४६ द्वारो मे ४६ लामाओं को बिठा कर (सागुलगागाद्) यो समझाया—मैं स्वयं लामा बनूगा । तुम सब (था नार्), जो कोई व्यक्ति आए और नमस्कार करे, उसको कहना—आकाश से उतर कर (वागुजु) आया हुआ एक बुद्ध है । सर्वथा (थोड) शुद्ध चित्त वाला है । केवल मात्र उस हमारे लामा का एक ही अनिष्ट (छेगेर्लेखु) है । स्त्रीजन के नाम को सुनने मात्र से अपवित्र हो जाता है । ४६ कलश पानी से स्नान करता है । सुगन्ध से धूप देता है (उथाजु), और ४६ दिन रात ध्यान मे बैठ जाता है । हमको (मान् दुर्) पानी मिलना (ओल्दाखु) और इतने (थेदुइ) दिन रात (खोनुग्) रहने (सागुखु) और प्रणाम करने का (मोर्गुखु) अवसर (छिलुगे) मिलता (ओल्दाखु) नही (उगेइ)—यह (गेजु) कहो (खेले) इति समझाया (जाखिबाइ) । उन द्वारो के ४६ लामाओ ने आदेश के अनुसार (जाखिग्सान् योसुगार्) कहा । एक दूसरे से (दाम् दाम् इयार्) सुन कर दस सहस्रो मे (थुग् थुमेन्) लोग इकट्ठे होने लगे (खुराजु) । राजा के सामन्त मन्त्री सब नमस्कार करने चले । एक मन्त्री ने अपने राजा से कहा—इस पर्वत के शिखर पर ३०० स्तम्भो वाला तथा ४६ द्वारो वाला तम्बू है । उसके भीतर अनुपम (थेटसेल् उगेइ) महात्मा लामा बैठा है । प्रत्येक द्वार पर एक एक लामा है । उसके शिष्य वर्ग के कथित वचन (खेलेखु उगे) ये हैं—

१७। ओग्याग्ुं इ आद्धा बागुजु इरेंग्सेन् । थोड्ड इदेखु ऊगुखु यिन् जुइल् ज़ुगेइ । खिइ
मन्दल इयार् यावुलु थेयिमु ब्लामा गेनेम् । विदे सोनुसुगाद् मोगुंजु इरेबेइ खेमेखुइ दुर् ।
खागान् । आइ थेयिमु ग्रायिखाम्शिग् यु वुर्खान् इरेंग्सेन् बायिनाम् खेमेगेद् । मोगुंये खेमेन्
थाखिल् उन् आयिमाग् इ बेलेद्छु आबुगाद् । थुशिमेद् इयेन् दागागुल्जु जोरिन् याबुवाइ । खुरुगेद्
मोगुंजु खागान् एयिन् आयिलाद्खारुन् । आलि ओरोन् आद्धा ओगेदे बोलुग्सान् बुलुगे । आलि उलुस् धुर्
ओगेंदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ब्लामा जालिग् बोलोरुन् । बि इरेखुइ देगेन् थुशिद् ज़ुन्
ओरोन् आद्धा इरेलुगे । थुसालाखु मिनु बुखुइ यिर्थिन्छु दुर् बोलाइ खेमेन् जालिग् बोल्वाइ ।
खागान् आयिलाद्खारुन् । घोनिलाखु यिन् मोर् थुर् थुर्गेन् नोम् इ नोम्लान् सोयोर्खा खेमेग्सेन् दुर् ।
ब्लामा बेर् थोनिल्खु यिन् मोर् ज़ुन् नोम् इ नोम्लाजु ओग्बेइ । खागान् खारिगाद् एदुर् बुरि
इरेजु मोगुंदेग् युलुगे । खागान् आद्धा । खाघुन् आनु आसागुरुन् । एदुर् बुरि खामिगा
याबुदाग् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जालिग् बोलोरुन् । एर्देनि जिरुखेन् आगुलान् उ उजुगुर्
देगेरे । एर्खिम् देगेदु ब्लामा सागुदाग् बुलुगे । थेगुन् दुर् मोगुंजु याबुवाइ बि

आकाश से उतर कर आया है । सर्वथा (थोड्ड) खाने पीने का नाम नहीं । वायुमण्डल में चलता है । ऐसा लामा है । यह सुन कर हम नमस्कार करने आए हैं । इस पर राजा ने कहा—अहो ऐसा अद्भुत बुद्ध आया है । मैं नमस्कार करने जाऊंगा इति । पूजा (थाखिल्) की सामग्री (आयिमाग्) सज्ज कर ले गया (बेलेद्छु आबुगाद्) । मन्त्री साथ चलने के उद्देश्य से (जोरिन्) गये । पहुंच कर नमस्कार करके राजा ने निवेदन किया । आप किस लोक से पधारे हैं और किन जनो मे जाएंगे । इस पर लामा ने उत्तर दिया—मैं आते समय तुषित लोक से आया हू । मेरा हित करना सब ससार के लिये है । राजा ने कहा—मुक्ति के मार्ग के लिये शीघ्र (थुर्गेन्) उपदेश के प्रवचन करने की कृपा करें (सोयोर्खा) । लामा ने मुक्ति के मार्ग के धर्म का उपदेश दिया (नोम्लाजु ओग्बेइ) । राजा लौट गया और प्रतिदिन आ कर नमस्कार करने लगा । राजा से रानी ने पूछा—आप प्रतिदिन कहा जाते हैं । राजा बोले—रत्नगर्भ पर्वत के शिखर पर गुणोत्तम (एर्खिम् देगेदु) लामा रहता है । मैं उसको नमस्कार करने जाता हू ।

१७२ खेमेग्मेन् दुर् । खाथुन् उगुलेरुन् । बुर्खान् दु मोर्गुंखु यि खाराम्लाजु मोर्गुदेग् वुयु खेमेग्वुइ दुर् । खागान् उगुलेरुन् । थेरे ब्लामा दुर् एमे खुमुन् मोर्गुंखु एछे वायियुगाइ । एमे खुमुन् उ नेरे यि सोनुस्खु उगेइ । थेयिमु छेब्रेर् गेनेम् खेमेग्वुइ दुर् । खाथुन् उगुलेरुन् । येरु बुर्खान् । खामुग् आमियान् उ युसा यि सानाम्बु वुगेयेले । एमे खुमुन् इ युसाठाखु उगेइ । याम्वार् बोदिसादुआ यिन् योमुन् वुइ थेरे । वि ओछिजु मोर्गुंखु वुइ जा । गादाना इरेग्सेन् बुर्खान् इ वायास्खान् एसे उइलेदुग्सेन् इयेर् । बालाइ मागु थारोल् दुर् थारोखु वुइ जा । खेमेग्मेन् दुर् । खागान् । थेयिमु योसु थाइ गेनेम् खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् । थेयिमु योमुन् उगेइ । आर्गा उगेइ ओछिजु मोर्गुंखु वुइ गेवे । खागान् । निगेन् थुशिमेल् इ ब्लामा दुर् इलेगेवे । थेरे थुशिमेल् खुरुगेद् । खागाल्वान् उ लामा दुर् खेलेवेसु । थेयिमु योसुन् उगेइ उगे बू खेले खेमेगेद् । वुगुदेगेर् थुशिमेल इ जोदोवाइ । थेरे थुशिमेल् इनु उखिलाजु यागारान् गेर् थेगेन् बुछाजु इरेगेद् । खागान् । खाथुन् दागान् आयिलादखाबाइ । खाथुन् आनु उगुलेरुन् । एमे खुमुन् खेशिग् वुयान् उगेइ बुगेसु । खामुग् आमियान् देल्गेरेखु

इस पर रानी बोली— बुद्ध को नमस्कार करने में स्वार्थी हो कर (खाराम्लाजु) दर्शन करते हो क्या । राजा ने कहा—उस लामा को स्त्रीजन नमस्कार करने से तो रही, स्त्रीजन का नाम भी वह नही सुन सकता । वह इतना पवित्र (छेब्रेर्) कहा जाता है । रानी बोली—सामान्य रूप से (येरु) बुद्ध सब प्राणियो की भलाई को सोचते हैं । स्त्रीजन का हित न करना, यह किस प्रकार का बोधिसत्त्व का नियम है । मैं जा कर दर्शन करूंगी ही । समीप (गादाना) आए बुद्ध को प्रसन्न न करूंगी तो नीच (बालाइ) और दुष्ट (मागु) योनि (थारोल्) में मेरा जन्म होगा । राजा ने कहा— यह नियम के अनुकूल कहा जाता है । फिर रानी बोली— यह कोई नियम नही । मै अवश्य (आर्गा उगेइ) जा कर दर्शन करूंगी ।

राजा ने एक मन्त्री को लामा के पास भेजा । मन्त्री ने पहुंच कर द्वार के लामाओ से जब कहा तो वे बोले—इस प्रकार के नियमहीन शब्द मत कहो । यह कह कर सबने मन्त्री को पीटा । मन्त्री रोता हुआ (उखिलाजु) शीघ्रता से (यागारान्) अपने घर लौट आया (बुछाजु इरेगेद्) और राजा रानी को सूचित किया । रानी ने कहा—यदि स्त्रीजन भाग्य (खेशिग्) और पुण्य (बुयान्) हीन है तो सब प्राणियो की वृद्धि होना (देल्गेरेखु)

१७४ सेतुखेन् मिनु । एसे मोंगुंग्सेन् उ घुला । लाब्या उखुखु बुलुगे । थेयिमु यिन् घुलादा ।
आयिलाद्खानाम् खेमेग्सेन् दुर् ८ ब्लामा जालिग् वोलोरुन् । उखुखु इनु उनेन् बुगेसु । खाथुन् वा
सेतुखेन् छिनु मोंर्गुयुगेइ । बुसु एमे सुमुन् मोंगुंजु उलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् खागान्
वायालीन् खारिगाद् । खाथुन् । खेतुखेन् खोयार् इ मोंगुंगुलुरे इरेबेइ खेमेबेइ । थेगुन् एछे उरिदा
ब्लामा सागाल्गाछिन् दुर् जासिबा । खाथुन् एखिलेन् खामुग् उलुस् इ उरिद् मोंगुंगुले । आवाखाइ यि
सोजिम् आव्छु इरे गेवे । थेन्दे एछे सागान् । खाथुन् सायिद् थुशिमेद् इ उरिद् मोंगुंगुल्वे
आनासाइ यि दोंछिन् यिसुन् लामा सागाल्गा वान् खागागाद् इरेजु मोंगुंगुल्वेसु । ब्लामा बेर्
सेतुखेन् उ उसुन् एछे वारिजु । साद्यार् इ इनु आलागादावासु । खेतुखेन् उगुलेरुन् । आइ ब्लामा ।
यागुन् उ थुला आगुर्लांबा म्नेमेग्सेन् दुर् उगुलेरुन् । याम्बार् दाखिनिस् एरे यिन् नेरे छेगेलेंदेग्
बिले । एमे दाग्मिनि गुर्बान् मिङ्गान् यिथिन्छु यिन् उलुस् इ देल्गेरेगुल्सु बुगेयेले । यागुन् उ
उधिर् इयार् एयिमु वोन्खु बुलुगे खेमेग्मेन् दुर् । आवाखाइ उगुलेरुन् । ब्लामा यिन् जालिग् उनेन्
बुगेयेले । नामायि दोर्बेन् ओरोन् उ खागाद् गुयुग्सान् बुलुगे । एरे इजागुर् थान् उजेगेद् । खोरिद्यासुइ
सेर्दग्गिल् योरोमु बुलुगे । थेयिमु निगुल् थु गोओआ उजेस्खुलेङ्ग थु यिन् थुला । एरे दुर्

पुत्री दर्शन न कर सकने के कारण निश्चय ही मरने लगी हैं। इस कारण मैं निवेदन कर रहा हूं।
लामा ने कहा—यदि उनका मरना सत्य है तो तुम्हारी रानी और पुत्री दर्शन कर लेवें। किन्तु दूसरे
स्त्रीजन का दर्शन करना न होगा। इस पर राजा प्रसन्न हो कर चला गया और कहा—रानी और
पुत्री दोनों को दर्शन कराने के लिये (मोंगुंगुलुरे) आया हूं। इससे पूर्व लामा ने द्वारपालों को आदेश
दिया (जागिरा)—रानी आदि सब प्रजा को पहले नमस्कार कर लेने देना। राजपुत्री को अन्त में
(सोजिम्) ले कर आना।

अत राजा, रानी, सामन्त और मन्त्रियों को पहले दर्शन कराया (मोंगुंगुल्वे)। राजपुत्री को
४६ लामा द्वार बन्द करके ले आए और दर्शन कराए। लामा ने राजकुमारी को कानों से पकड़ कर
गालों पर (साद्यार् इ) चपत लगाए (आलागादावासु)। राजकुमारी बोली—हे लामा, किस लिये
रुष्ट हो गये हो (आगुर्लांबा)। लामा ने पूछा—कौनसी डाकिनी पुरुष के नाम को बुरा मानती है।
माता डाकिनी (एरे डाकिनी) तीन सहस्र लोकों की प्रजा की समृद्धि (देल्गेरेगुल्सु) करती है।
किस कारण से तुम रोगी हो। राजपुत्री ने कहा—लामा का कहना सत्य होते हुए भी (बुगेयेले) मुझको
चार लोकों के राजा चाहते (गुयुग्सान्) रहे हैं। पुरुष जाति वालों को (एरे इजागुर् थान्) देख कर
काम (सोरिद्यासुइ) विकार उत्पन्न होते हैं। ऐसी कामिनी (निगुल् थु) सुन्दरी और रूपवती होने के
कारण पुरुषों से (एरे दुर्)

१०८ येद् वू उछिर्मुंगाइ गेजु छेगेलेंबे । एरे यिन् नेरे यि छु वू सोनुमुसु गेजु बुलुगे । ल्गामा यिन् जालिग् यागुन् वोल्वासु थेगुन् इयेर् वोल्सुगाइ खेमेग्सेन् दुर्-ल्लामा जालिग् वोलोग्न् । थेयिमु वुगेसु मिनु ओग्निगे यिन् एजेन् छोग्यु नेरे थु खागान् वुलुगे । थेगुन् उ ग्योगेगुन् थुसा वुयुगेग्छि खान् ग्योबेगुन् वुलुगे । थेगुन् दुर् खाथुन् वोल्वु यिन् थुला । ओद् खेमेन् जालिग् वोलुग्मान् दुर् छिनु जालिग् इयार् वोलुया खेमेग्मेन् दुर् । ल्लामा जालिग् वोलोग्न् । छि ग्योयिथु सोनि जेगुदेलेबे गेजु । खागान् दुर् आयिलाद्खा । चि बेर् छाम्बुदिन् थुर् ओदुगाद् । खागान् उ ग्योबेगुन् उ खाथुन् वोलुना गेजु जेगुदेलेबे खेमेन् खागान् दुर् आयिलाद्खा खेमेन् सुर्गानाइ । ग्येङुग्येन् जोछियेगेद् खारिवाइ । खोयिथु सोनि जेगुदे जेगुदेलेग्सेन् इ खागान् दुर् आयिलाद्खावासु । एने याम्बार् मागु इरआ थु जेगुदे वुलुगे खेमेन् । ल्लामा दुर् आयिलाद्खावासु । ल्लामा जालिग् वोलोग्न् । आमिथान् इ थुसालासु छाग् आनु सुहुग्सेन् आजुगु । दोरोना जुग् थुर् । मिनु ओग्निगे यिन् एजेन् छोग्यु नेरे थु खागान् वुलुगे । थेगुन् दुर् निगेन् खान् खोबेगुन् थुइ । खाथुन् उगेइ यिन् थुला । थेगुन् दुर् ग्याथुन् वोल्गाथुगाइ खेमेन् जालिग् बोलुग्मान् दुर् खागान् बेर् । थेरे ओरोन् दुर् खेन् खुर्गेंजु आवाछिवु थुइ । थेरे गाजार् आछा खेन् इरेसु थुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

सर्वथा (येद्) न (वू)मिलूगी (उछिर्मुंगाइ)—यह (गेजु) निषेध किया था (छेगेलेंबे) और पुरुष का नाम भी (छु) न सुनूंगी, यह कहा था । लामा का आदेश जो भी हो (यागुन् वोल्वासु) उसी के अनुसार (थेगुन् इयेर्) हो जाऊंगी (वोल्सुगाइ) । इस पर लामा ने कहा—यदि यह बात है तो मेरा दानपति श्रीमान् नामक राजा है । उसका पुत्र सिद्धार्थ (थुसा वुयुगेग्छि) राजा है । उसकी पत्नी बनने के लिये चली आओ (ओद्) । इतना कहने पर उसने कहा—तुम्हारे आदेशानुसार करूंगी । लामा ने कहा—कल रात (खोयिथु सोनि) राजा को कहना कि मैंने स्वप्न देखा है (जेगुदेलेबे), मैं जम्बुद्वीप में गई और राजकुमार की पत्नी बन गई । यह स्वप्न देखा है—ऐसा राजा से कहना । यह समझाया (सुर्गाबाइ) । लडकी मान गई और चली गई । अगली रात स्वप्न देखने का समाचार राजा को सुनाया । यह किस प्रकार का कुलक्षण वाला (मागु इरआ थु) स्वप्न (जेगुदेन्) है—यह लामा से कहा । लामा ने उत्तर दिया—प्राणियों का हित करने का इसका समय आ गया है । दक्षिण (दोरोना) दिशा में मेरे दानपति श्रीमान् नामक राजा रहते हैं । उनका एक राजकुमार है । पत्नीहीन होने के कारण इसको उसकी पत्नी बनने दो (बोल्गाथुगाइ) । इस पर राजा ने पूछा—इसको उस देश में कौन पहुंचाएगा (खुर्गेंजु आवाछिवु थुइ) । उस देश से कौन आएगा । इस पर

१७१ योसुन् उगेइ वुलुगे। बुर्खान् दु एसे मोंगुं खु बुगेसु। खोयिना उछाराखु आनु बेर्खे।
बुइ जा। एदुगे बेये बेन् येगुद्खेजु। एरे थोरोल् इ ओलुगाद् मोंगुं सुगेइ गेजु बेये
येगुद्खेखु यिन् छाम् दुर् सागुखु यि जाब्दुवासु। आवाखाइ आनु सोनुसुगाद्। एखे एछेंगेन्
येगुद्खेखु यिन् योसुन् छिनु यागुन् वुइ खेमेग्सेन् दुर्। ब्लामा यिन् उछिर् इ बुरिन् ए खेलेग्सेन् दुर्।
थेरे आवाखाइ। खागान् दुर् आयिलाद्खारुन्। एर्थे छाग् थुर् याम्बार् बोदिसादुआ नार् एखेनेर्
खुमुन् इ छेंगेलेंदेग् बुलुगे। खागान् सोनुस्छु आयिलादुग्सान् बुयु खेमेग्सेन् दुर्। खागान् जालिग्
बोलोरुन्। एर्थे छाग्। एदुगे छाग्। इरेगे एदुइ छाग्। बुर्खान् बोदिसादुआ नार् उन् योसुन् आनु एयिमु
गेनेम् खेमेग्सेन् दुर्। खागान् आ आ एखे लुगे वेन् वि खाम्थु निर्वान् वोलुगाद्। निगेन् बेये
ओन्जु मोंगुं सुगेइ खेमेग्सेन् दुर्। खागान् येखेदे आयुगाद्। खाथुन् बा खेउखेन् एछे खागाछाखु
बोल्वाइ गेजु सानागाद्। आ आ था वायिछा। वि ब्लामा दुर् आयिलाद्खाजु मेदेये खेमेगेद्
ओगेदे बोल्वाइ। ब्लामा दुर् मोंगुं गेद्। आलागा वान् खाम्थुद्खाजु एयिन् आयिलाद्खारुन्।
ब्लामा यिन् योमुन् इ सोनुसुग्सान् वुलुगे। थेयिमु बेर् बोल्वासु। खाथुन् बा।

नियमहीन है। यदि वे बुद्ध के दर्शन न करें तो भविष्य मे (खोयिना) उनका मिलना (उछाराखु) कठिन (वेर्खे) होगा। अब मै अपने शरीर को त्याग कर (येगुद्खेजु) पुरुषजन्म को ले कर दर्शन करूगी। यह कह कर शरीरत्याग के ध्यान मे बैठने के निकट पहुची (जाब्दुवासु) तो उसकी लडकी ने सुना और अपनी मा से पूछा—देह त्यागने का तुम्हारा नियम क्या है। लामा के वृत्तान्त को पूर्णरूप से सुनाने पर लडकी ने राजा से कहा—प्राचीन काल मे सब बोधिसत्त्वो के लिये स्त्रीजन वर्जित (छगेलेंदेग्) थीं। राजा ने सुना होगा। इस पर राजा बोला—प्राचीन समय, वर्तमान समय और भविष्य (इरेगे एदुइ) काल के बुद्धो और बोधिसत्त्वो के नियम इसी प्रकार के कहे जाते हैं। इस पर उसने कहा—हे राजन्, मैं अपनी माता के साथ निर्वाण प्राप्त करना चाहती हू और एक दूसरा नर-शरीर प्राप्त कर दर्शन करूगी।

राजा बहुत डर गया। उसने सोचा, रानी और पुत्री से वियोग (खागाछाखु) हो जाएगा और कहा—अरे तुम ठहरो (वायिछा)। मैं लामा से निवेदन करके देखता हू (आयिलाद्खाजु मेदेये)। यह कह कर चला गया (ओगेदे बोल्वाइ)। लामा को नमस्कार किया। अपनी हथेली जोड कर (खाम्थुद्खाजु) निवेदन किया—मैंने लामा जी के नियम को सुना है। तिस पर भी (थेयिमु बेर् बोल्वासु) मेरी रानी और

[illegible]

१७६ ब्लामा जालिग् बोलोरुन् । बि छिगि बोल्वा । आमिथान् इ थुसालाखु छाग् थुर् खुर्वे । थेरे ओरोन् दुर् ओद्खु बुलुगे बि इलेगेखु बुगेसु । नादुर् ओग्युगेइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जोव्शियेगेद् । इलेगेखु बोल्याइ । खेदुइ दु ओगेदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दु । ब्लामा । बि ओनो ए याबुया गेजु जालिग् बोलुग्सान् दुर् । खागान् यागाराजु खारिगाद् । खाथुन् गेजुगेन् खोयार् थुर् उछिर् इ खेलेबेसु । बुगुदेगेर् जोव्शियेजु । यागारान् एद् थावार् बेलेद्गेद् । जागुन् जागान् दुर् आछिजु । मिङगान् खुमुन् इयेर् खुर्गेगुल्वेइ । ब्लामा । खेउखेन् थेर्गेन् दुर् खोल्गेलेजु याबुवाइ । बोदि मोदुन् दुर् खुछुं इरेखुइ दुर् इयेन् । ब्लामा खेउखेन् दुर् उगुलेरुन् । मान् उ थेरे खान् खोवेगुन् गेग्छि छिमायि । बोदि मोदुन् उ देर्गेदेखि मिङगान् बुर्खान् दुर् मोर्गुखुइ दुर् छिनु । विशिगाराम् बेये यि छिनु शिन्जिलेजु उजेगेद् । जिरुजु एने गाजार् आ बायिगुलुग्सान् दुर् थेरे खागान् । छिनु खुरुग् इ उजेगेद् । नुखेन् एछे गार्खु उगेइ वायिखु यिन् थुला । छिमायि जालाजु इरेग्सेन् मिनु एने बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् खेउखेन् उगुलेरुन् । ओङगेन् दुर् थाछियाखु । गेरेल् दुर् दुराशियाखु बुगेसु । मागु दाङगाइ इजागुर् थु खोवेगुन् बायिना खेमेग्सेन् दुर् ब्लामा उगुलेरुन् । बि थेगुन् उ यूशिमेल् उन् खोवेगुन् बुलुगे

लामा ने कहा—मैं भी तो हूं (छिगि बोल्वा) । प्राणियों के हित करने के समय मैं आया हूं । मैं उस देश में जा रहा हू । यदि भेजना हो तो (इलेगेखु बुगेसु) मुझे दे दो (ओग्युगेइ) । राजा मान गया । भेजने के लिये उद्यत हो गया (इलेगेखु बोल्वाइ) । आप कब पधारेंगे (खेदुइ दु ओगेदे बोल्खु बुइ) । इस पर लामा ने कहा—आज ही जाऊंगा । राजा शीघ्रता से घर लौटा । रानी और राजकुमारी दोनो को बात बतलाई । सब मान गये । शीघ्रता से धन सम्पत्ति इकट्ठी कर १०० हाथियो पर लाद कर (आछिजु) एक सहस्र मनुष्यो द्वारा भेज दी (खुर्गेगुल्वेइ) । लामा और कुमारी रथ मे सवार हो कर (खोल्गेलेजु) चले गये ।

बोधिवृक्ष पर पहुच कर लामा ने लडकी से कहा—हमारे राजकुमार ने तुमको—जब तुम बोधिवृक्ष के पास के सौ बुद्धो को नमस्कार कर रही थी, उस समय विश्वकर्मा ने तुम्हारे शरीर को ध्यान से (शिन्जिलेजु) देख कर, मूर्ति बना कर (जिरुजु), इस स्थान मे स्थापित कर दी थी (बायिगुलुग्सान् दुर्) —राजकुमार ने तुम्हारी इस प्रतिमा (खुरुग्) को देखा और अब गुहा से बाहर नही निकल सकता । अत. तुमको निमन्त्रित (जालाजु) करके मेरा यह आगमन (इरेग्सेन्) हुआ है । इस पर लडकी बोली—यदि सौन्दर्य (ओङ्गेन्) पर मुग्ध हो कर (थाछियाखु) मेरी प्रभा मे मन लगा लिया है तो (दुराशियाखु बुगेसु) वह दुष्ट नीच (दाङगाइ) कुल का (इजागुर् थु) लडका है । लामा ने कहा—मैं उसी के मन्त्री का लडका हूं ।

१७७ खेमेगेद् । याम्बार् वा । उछिर् इ इयान् देरगेरेडगुइ ए उगुलेगेद् । छि खागान् उ खोबेगुन् दुर् ओछिगाद् । खाराडगुइ यिथिन्छु थिन् आमियान् इ गेयिगुल्वेसु । ओवेर् वुसुद् उन् थुसा वुइ जा । गेजु खेलेग्सेन् दुर् खेउखेन् उगुलेरुन् वि थेगुन् दुर् खाथुन् वोल्वासु । गेम्शिजु जोवालाड ओलान् वोल्खु वुइ जा । नादा आछा एसे जिग्शिवेसु । वोग्दा खोबेगुन् खायिरालामु खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । वि एने थोरोल् दुर् । वोदि याबुदाल् इयार् याबुखु बुलुगे । थोड आरिलुग्सान् सेद्खिल् थु यिन् थुला । गेर्गेइ यि शियुखु उगेइ । मिनु उगेन् एछे उलु दावाखु वुगेसु । वि निगेन् खागान् उ थोरोल् आबुगाद् । छिम् लुगा उछारासुगाइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे आवाखाइ येखेदे उयाराखु सेद्खिल् थोरोजु । एगुन् उ जालिग् आछा दावावासु । थोरोल् दुथुम् उलु जोल्गोखु वुइ जा खेमेन् सानागाद् । थेरे खोबेगुन् उ देर्गेदे खोयागुला इरेजु । आवाखाइ लुगा खाम्यु निगेन् नुखेन् दु ओरोवासु । नुखेन् उ दाखिनि मोर्गुगेद् । यागुन् उ थुलादा । ओगेदे वोल्वा खेमेग्सेन् दुर् । वोग्दा खोबेगुन् उ वेल्गे बिलिग् उन् आर्गा वार् इरेग्सेन् वुइ जा खेमेगेद् । थेरे खोबेगुन् सुवुद् खागाल्गान् उ छाग्राना बुलुगे । आवाखाइ ओरोग्सान् दुर् एमे याबुया गेजु खुरुग् उन् गार् आछा वारिजु वायिसागार् आजुगु । आवाखाइ याबुसा याबुया खेमेगेद् । गार्

यह कह कर अपना सब वृत्तान्त विस्तार से कह सुनाया—यदि तुम राजकुमार के पास जा कर और अन्धकारमय (खाराडगुइ) ससार के प्राणियो को प्रकाशित करोगी तो तुम्हारी अपनी और सबकी भलाई होगी । लडकी बोली—यदि मैं उसकी रानी वन जाऊं तो बहुत शोक और दुःख होगा । यदि मेरे से घृणा न करो तो (एसे जिग्शिवेसु) हे महात्मन् कुमार, तुम मेरे से अनुराग करो (खायिरालामु)। लडके ने कहा—मुझे इस जन्म में बोधिचरित द्वारा चलना है । सर्वथा शुद्ध (थोड आरिलुग्सान्) चित्त होने के कारण गृहिणी (गेर्गेइ) का सेवन नही कर सकता (शियुखु उगेइ) । यदि मेरे शब्दो को न टालोगी तो (दावाखु वुगेसु) मै राजा का जन्म ले कर तुम्हारे से मिलूंगा (उछारासुगाइ) । इस पर उस कन्या में बहुत कोमल (उयाराखु) विचार उत्पन्न हुए — यदि मैं इस के आदेश से टलूंगी तो (दावावासु) जन्मजन्मान्तर (थोरोल् दुथुम्) इससे मिलना (जोल्गोखु) न होगा । यह विचार कर उस लडके के पास दोनों पहुंच गये । लडकी को साथ ले कर जब गुहा में प्रवेश किया तो गुहा की डाकिनी ने नमस्कार करके पूछा—किस लिये पधारी हो । उसने कहा—महात्मा लडके के ज्ञानोपाय द्वारा आई हू ।

यह लडका मोतियो (सुवुद्) के द्वार के (खागाल्गान्) पीछे (छाग्राना) था । जब लडकी ने प्रवेश किया—हे स्त्री, चलो—यह कह कर प्रतिमा (खुरुग्) को हाथ से पकड़े हुए था । कुमारी ने कहा—यदि चलते हो तो चलो (याबुसा याबुया) । जब हाथ

[illegible]

१७८ आछा बारिवासु । थेरे खोबेगुन् आवाखाइ यि उजेगेद् । गार् देगेरे एछे वारिन् गार्छु इरेबेइ । थेरे खोबेगुन् आवाखाइ यि छुलु थाल्बिन् सागुखुइ दुर् । आवाखाइ एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् एछे याम्वार् आर्गा बार् गाग्छाखु वोल्वा गेजु एम्गोनिन् सागुबाइ । खोयिथु खोथोल् मिङगान् खुमुन् खुछुं इरेसेन् दुर् । थेदे येखे खुरिम् ओग्गुगेद् । ओग्लिगे ओग्छु खारिगुलुगाद् । खागान् खाथुन् इ जालाजु एल्देव् आम्था थु जिमिस् इयेर् खुरिम् बारिगाद् । खागान् खाथुन् इ जिर्गाग्सान् खोयिना । बोदि मोदुन् उ इजागुर् थुर् नोम् सानाजु सागुथाला । एरे एमे खोयार् गालागुन् इरेगेद् एरे गालागुन् आनु एमे गालागुन् दुर् एयिन् उगुलेरुन् । एने थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ रिद् खुबिलगान् उ आदिस्थिद् इयार् खागान् उ खोबेगुन् जिर्गाबाइ। सेद्खिल् उन खारा बार् जिर्गाग्मान् थुशि उगेइ बोल्बाइ खेमेग्सेन् दुर् । एमे गालागुन् उगुलेरुन् । यागुन् दु जोबाखु थुइ । एरे गालागुन् उगुलेरुन् । एन्दे एछे ओछिगाद् । जिब्खुलाङ थु खागान् उ आवाखाइ यि वासा आब्खु । थेगुन् एछे छागाना । एछिगे खागान् ओछिवासु । इजागुर् उन् खाथुन् एखे इनु उग्थुजु निगेन् खोओर् ओग्खु । थेगुन् इ इदेबेसु बेर् लाव्था उखुखु खेमेग्सेन् दुर् । एमे इनु

से पकडा तो लडके ने कुमारी को देखा और उसका हाथ पकड़ कर बाहर निकल आया । लड़का जब कुमारी को छोड न रहा था (सागुखुइ दुर्) तब कुमारी ने यू सोचा—इससे किस उपाय द्वारा छुटकारा होगा । यह सोच कर व्याकुल हो रही थी (एम्गोनिन् सागुबाइ) ।

पीछे से उसके अनुचर (खोथोल्) एक सहस्र जन आ पहुंचे । उनको बहुत बड़ा भोज (खुरिम्) दिया और दान दे कर लौटा दिया । राजा और रानी को निमन्त्रित कर नाना स्वाद वाले फलों से भोज दिया (बारिगाद्) । राजा और रानी प्रसन्न हुए । तत्पश्चात् बोधिवृक्ष के मूल मे धर्म पर विचार कर रहे थे । तब पति पत्नी दो हंस (गालागुन्) आए । नर हस ने हंसी से कहा—मन्त्रिकुमार की ऋद्धि (रिद्) और शक्ति के प्रमाद (आदिस्थिद्) से राजपुत्र सुखी हुआ है (जिर्गाबाइ), किन्तु विचारो के काला होने मे उसकी प्रसन्नता आधारहीन (थुशि उगेइ) है । इस पर हंसी बोली—इसको क्या दु:ख होगा । हस ने कहा—यहा से जा कर तेजस्वी राजा की कुमारी से फिर विवाह करेगा । इसके पश्चात् जब वह पिता राजा के पास जाएगा तो पहले (इजागुर्) की इसकी रानी माता सामने से स्वागत करके (उग्थुजु) विष देगी (खोओर् ओग्खु) । यदि यह इसको खा लेगा तो निश्चय ही मर जाएगा । हंसी ने

१७८ ज़ुगुलेरुन् । थेगुन् दुर् आर्गा ज़ुगेइ वुयु खेमेग्सेन् दुर् । एरे इनु ज़ुगुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् आम्खाजु ओखिवासु । यागुन् ज गेम् वोल्वु वुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेगुन् एछे छागाना ओवेर् ज़ुखुल् वुइ खेमेग्सेन् दुर् । एमे गालागुन् ज़ुगुलेरुन् । याम्बार् जोवालाङ वुइ खेमेग्सेन् दु । एरे गालागुन् ज़ुगुलेरुन् । वासा निगेन् उग्थुगुल् इरेखु । छागान् मोरि । सागादाग् नुमु । छागान् देबेल् ओग्छिलेगेखु वुइ । थेरे मोरि उनुमाग्छा लू वोल्खु । देबेल् मागादाग् आनु आयुङगा यिन् सुमुन् वोल्खु । थेगुन् दुर् ज़ुखुखु । थेगुन् ज़ छागाना । ओरोखु खागालागा खाछावाछि आनु इर् थु मेसे वोल्गुगाद् छाब्छिजु आलाख्‌ । खागान् । खाथुन् खोयान् आछा जिगुदाजु ओछिख्‌ । सोनि नोयिर्सुग्सान् खोयिना । आबुर्गु मोगाइ इरेगेद् । एने खान् खोवेगुन् इ जालिगजु ओखिख्‌ । एमे गालागुन् ज़ुगुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् खेलेवेसु यागाखिखु वुइ खेमेग्सेन् दुर् । एरे गालागुन् ज़ुगुलेरुन् । थेगुन् इ खेलेवेसु गुरु खारा छिलागुन् वोल्खु । थेरे बेर् छिलागुन् वोल्खासु । एदेगेखु आर्गा वुइ ऊ गेवे । एरे गालागुन् ज़ुगुलेरुन् । एने खोयार् आवाखाइ आछा खोवेगुन् थोरोवेगेम् । थेगुन् ज़ गालागुन् छिसुन् इ दुस्गावासु एदेगेखु वुइ खेमेगेद् निस्छु ओद्वाइ । थूशिमेल् ज़ुन् खोवेगुन् एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् इ

कहा—इसका उपाय नही है क्या । पति ने उत्तर दिया—इसको जानने वाला जन यदि [विष को] गिरा छोडे तो (आम्खाजु ओखिवासु) क्या दोष हो सकता है । इसमे भी आगे एक और मृत्यु (ज़ुखुल्) है । हंसी ने पूछा—वह क्या कष्ट है । हस बोला—फिर एक स्वागत (उग्थुगुल्) होगा (इरेखु) । श्वेत घोडा, तूणीर (सागादाग्), धनुष (नुमु), श्वेत चोला मिलेंगे । यदि उस घोडे पर सवारी करेगा तो (उनुमाग्छा) घोडा नाग बन जाएगा और चोला तथा तूणीर वज्रपात (आयुङगा) के बाण (सुमुन्) बन जाएगे । उनसे मृत्यु होगी । उसके पीछे प्रवेशद्वार के स्तम्भ (खाछावाछि) तीक्ष्ण (इर् थु) छुरी (मेसे) बन कर काट मारेंगे (छाब्छिजु आलाखु) । राजा रानी नगर से भाग (जिगुदाजु) निकलेंगे (ओछिख्) । रात को सोने के (नोयिर्सुग्सान्) पश्चात् विषमय (आबुर्गु) महानाग (मोगाइ) निकलेगा और इस राजकुमार को निगल छोडेगा (जालिगजु ओखिख्) । हंसी ने पूछा—जो इसको जानने वाला व्यक्ति वह दे तो क्या होगा । हस ने उत्तर दिया—यदि वह इस बात को कह देगा तो ठोस (गुरु) काला पत्थर बन जाएगा । यदि वह पत्थर बन जाए तो जीवित करने (एदेगेखु) का उपाय है क्या । हस ने कहा—इन दोनो कुमारियो से यदि कोई लडका जन्म ले (थोरोवेगेम्) और यदि उसके उष्ण (गालागुन्) रक्त को छिडक दें (दुस्गावासु) तो जीवित हो जाएगा । यह कह कर दोनो हंस उड गये (निस्छु ओद्वाइ) । मन्त्रिपुत्र ने सोचा—इसको

१७८ आछा वारिखासु। थेरे खोबेगुन् आबाखाइ यि उजेगेद्। गार् देगेरे एछे वारिन् गार्छु इरेवेइ। थेरे खोबेगुन् आबाखाइ यि थुलु थाल्विन् सागुखुइ दुर्। आबाखाइ एयिन् सेद्खिरुन्। एगुन् एछे याम्वार् आर्गा वार् गाम्छाखु वोल्वा गेजु एम्गेनिन् सागुबाइ। खोयिथु खोथोल् मिङ्गान् खुमुन् खुछुँ इरेसेन् दुर्। थेदे येसे खुरिम् ओग्गुगेद्। ओग्लिगे ओग्छु खारिगुलुगाद्।
खागान् खाथुन् इ जालाजु एल्देव् आम्या थु जिमिस् इमेर् खुरिम् वारिगाद्। खागान् खाथुन् इ जिर्गागसान् खोयिना। वोदि मोदुन् उ इजागुर् थुर् नोम् सानाजु सागुथाला। एरे एमे खोयार् गालागुन् इरेगेद् एरे गालागुन् आनु एमे गालागुन् दुर् एयिन् उगुलेरुन्। एने थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ रिद् खुविलान् उ आदिस्थिद् इयार् खागान् उ खोबेगुन् जिर्गावाइ। सेद्खिल् उन खारा वार् जिर्गागसान् थुशि उगेइ वोल्वाइ खेमेग्सेन् दुर्। एमे गालागुन् उगुलेरुन्। यागुन् दु जोवाखु बुइ। एरे गालागुन् उगुलेरुन्। एन्दे एछे ओछिगाद्। जिब्खुलाङ थु खागान् उ आवाखाइ यि वामा आव्ख्। थेगुन् एछे छागाना। एछिगे खागान् ओछिवासु। इजागुर् उन् खाथुन् एखे इनु उग्थुजु निगेन् खोओर् ओग्खु। थेगुन् इ इदेबेसु बेर् लाव्या उखुखु खेमेग्सेन् दुर्। एमे इनु

से पकडा तो लडके ने कुमारी को देखा और उसका हाथ पकड़ कर बाहर निकल आया। लड़का जब कुमारी को छोड न रहा था (सागुखुइ दुर्) तब कुमारी ने यू सोचा—इससे किस उपाय द्वारा छुटकारा होगा। यह सोच कर व्याकुल हो रही थी (एम्गेनिन् सागुवाइ)।

पीछे से उसके अनुचर (खोथोल्) एक सहस्र जन आ पहुंचे। उनको बहुत बडा भोज (खुरिम्) दिया और दान दे कर लौटा दिया। राजा और रानी को निमन्त्रित कर नाना स्वाद वाले फलों से भोज दिया (वारिगाद्)। राजा और रानी प्रसन्न हुए। तत्पश्चात् बोधिवृक्ष के मूल मे धर्म पर विचार कर रहे थे। तब पति पत्नी दो हंस (गालागुन्) आए। नर हंस ने हंसी से कहा—मन्त्रिकुमार की ऋद्धि (रिद्) और शक्ति के प्रसाद (आदिस्थिद्) से राजपुत्र सुखी हुआ है (जिर्गावाइ), किन्तु विचारो के काला होने से उसकी प्रसन्नता आधारहीन (थुशि उगेइ) है। इस पर हंसी बोली—इसको क्या दु:ख होगा। हंस ने कहा—यहा से जा कर तेजस्वी राजा की कुमारी से फिर विवाह करेगा। इसके पश्चात् जब वह पिता राजा के पास जाएगा तो पहले (इजागुर्) की इसकी रानी माता सामने से स्वागत करके (उग्थुजु) विष देगी (खोओर् ओग्खु)। यदि यह इसको खा लेगा तो निश्चय ही मर जाएगा। हंसी ने

१७९ उ़गुलेरुन् । थेगुन् दुर् आर्गा उगेइ बुयु खेमेग्सेन् दुर् । एरे इनु उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् आम्खाजु ओंखिवासु । यागुन् उ गेम् बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेगुन् एछे छागाना ओबेर् उ़खुल् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एमे गालागुन् उ़गुलेरुन् । याम्बार् जोवालाङ बुइ खेमेग्सेन् दु । एरे गालागुन् उगुलेरुन् । बामा निगेन् उग्थुगुल् इरेखु । छागान् मोरि । सागादाग् नुमु । छागान् देबेल् ओंग्छिलेगेखु बुइ । थेरे मोरि उनुमाग्छा लू बोल्खु । देबेल् सागादाग् आनु आयुड्गा यिन् सुमुन् बोल्खु । थेगुन् दुर् उ़खुखु । थेगुन् उ छागाना । ओरोखु खागालागा खाछावाछि आनु इर् थु मेसे बोलुगाद् छाब्छिजु आलाखु । खागान् । खाथुन् खोथान् आछा जिगुदाजु ओछिखु । सोनि नोयिर्सुंग्सान् खोयिना । आबुर्गु मोगाइ इरेगेद् । एने खान् खोबेगुन् इ जालिगजु ओंखिखु । एमे गालागुन् उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् खेलेबेसु यागाखिखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एरे गालागुन् उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ खेलेबेसु गुरु खारा छिलागुन् बोल्खु । थेरे बेर् छिलागुन् बोल्वासु । एदेगेखु आर्गा बुइ ऊ गेबे । एरे गालागुन् उ़गुलेरुन् । एने खोयार् आबाखाइ आछा खोबेगुन् थोरोवेगेम् । थेगुन् उ गालागुन् छिमुन् इ दुस्गावासु एदेगेखु बुइ खेमेगेद् निस्छु ओद्बाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् एयिन् सेद्गिरुन् । एगुन् इ

कहा—इसका उपाय नही है क्या । पति ने उत्तर दिया—इसको जानने वाला जन यदि [विष को] गिरा छोड़े तो (आम्खाजु ओंखिवासु) क्या दोष हो सकता है । इसमे भी आगे एक और मृत्यु (उ़खुल्) है । हमी ने पूछा—वह क्या कष्ट है । हस बोला—फिर एक स्वागत (उग्थुगुल्) होगा (इरेखु) । श्वेत घोड़ा, तूणीर (सागादाग्), धनुप (नुमु), श्वेत चोला मिलेंगे । यदि उस घोडे पर सवारी करेगा तो (उनुमाग्छा) घोडा नाग बन जाएगा और चोला तथा तूणीर वज्रपात (आयुड्गा) के बाण (सुमुन्) बन जाएगे । उनसे मृत्यु होगी । उसके पीछे प्रवेशद्वार के स्तम्भ (खाछावाछि) तीक्ष्ण (इर् थु) छुरी (मेसे) बन कर काट मारेंगे (छाब्छिजु आलाखु) । राजा रानी नगर से भाग (जिगुदाजु) निकलेंगे (ओछिखु) । रात को सोने के (नोयिर्सुंग्सान्) पश्चात् विषमय (आबुर्गु) महानाग (मोगाइ) निकलेगा और इस राजकुमार को निगल छोडेगा (जालिगजु ओंखिखु) । हंसी ने पूछा—जो इसको जानने वाला व्यक्ति वह दे तो क्या होगा । हंस ने उत्तर दिया—यदि वह इस बात को कह देगा तो ठोस (गुरु) काला पत्थर बन जाएगा । यदि वह पत्थर बन जाए तो जीवित करने (एदेगेखु) का उपाय है क्या । हस ने कहा—इन दोनों कुमारियो से यदि कोई लडका जन्म ले (थोरोवेगेम्) और यदि उसके उष्ण (गालागुन्) रक्त को छिडक दें (दुस्गावासु) तो जीवित हो जाएगा । यह कह कर दोनों हंस उड गये (निस्छु ओद्बाइ) । मन्त्रिपुत्र ने सोचा—इसको

[illegible]

१८० याम्वार् आर्गा वार् जिर्गागुल्मुगाइ गेजु सानागाद् । खागान् । खाथुन् इ सेरेगुल्जु आबुगाद् यावुवाइ। खान् खोबेगुन् इयेन् ग्राजार् वोल्जोयु । थेरे जिव्खुलाङ थु खागान् दुर् ओछिवाइ । खुरुगेद् खागान् । खाथुन् दु एयिन् आयिलाद्खारन् । वि खोडशिम् वोदिमादु यिन् सुमे दुर् खुछुं मोगुं गेद् । घाम् दुर् सागुजु थायिल्गाद् इवेंइ खेमेग्सेन् दुर् खागान् । खाथुन् । खेज़ुखेन् इयेन् ओबेग्इ । थेरे खोबेगुन् उगुलेरन् । वि एछिगे एखे दुर् इयेन् खुछुं आबुसुगाइ खेमेगेद् । थेरे आवाखाइ यि ओलान् दागागुल् थाइ यि एद् वारागान् इ जागान् दुर् आछिजु ओग्वेइ । खोबेगुन् आबुगाद् यागारान् । थेरे आवाखाइ दुर् । आल्थान् छिमेग् थु यिन् योसुगार् । आलिवा उछिर् इयान् थोगालाजु खेलेगेद् । थेरे आवाखाइ यि खाथुन् वोल्गान् एगुं गेद् याबुवाइ । उरिदा खागान् दु एल्धि इलेगेवेसु । खागान् खाथुन् आयुजु । येखे खुछु थु बोल्गाद् । एयिमु खाथुद् इ आबुग्मान् बुगेसु । ओमिलेखु आलाखु बुइ जा गेजु खेलेल्छेगेद् निगेन् खोओर् इ खुबिल्गाजु जिमिम् वोल्गाजु ओग्छिलेगेवेइ । इरेग्सेन् छिनु सायिन् । वायालविाइ विदे गेजु खेले गेवे । घुशिमेल् उन् खोबेगुन् उरिदा यावुवाइ । थेरे एल्धि खुछुं इरेवेसु । वेलेग् इ इनु आबुगाद् खारिगुल्वाइ । थेरे खोओर् इ उसुन् दुर् ओखिवासु । उसुन् आनु बुछालाव्राइ ।

किम उपाय द्वारा सुखी रखू (जिर्गागुल्सुगाइ) । यह सोच कर राजा रानी को जगा कर ले गया (सेरेगुल्जु आबुगाद् यावुवाइ) । राजपुत्र के साथ मिलने का स्थान निश्चित किया (वोल्जोयु) । मन्त्रिकुमार तेजस्वी राजा के पास गया । पहुच कर राजा रानी से निवेदन किया—मैने अवलोकितेश्वर (खोडशिम्) बोधिसत्त्व के विहार (सुमे) में जा कर दर्शन किया और ध्यान मे बैठना पूरा करके (थायिल्गाद्) लौट आया हूं । इस पर राजा रानी ने उसको अपनी कन्या दी । लड़के ने कहा—मै अपने माता पिता के पास जा कर (खुछुं) विवाह करूंगा (आबुसुगाइ) । उन्होंने लडकी को, बहुत सी दासियो (दागागुल्) को, तथा धन (एद्) सम्पत्ति (वारागान्) को हाथियो पर लाद कर (आछिजु) दे दिया । मन्त्रिकुमार ने ले कर शीघ्रता से उस लडकी को—जिस प्रकार पहले स्वर्णभूपणवती को बताया था उसी प्रकार—अपना सब वृत्तान्त गिन कर (थोगालाजु) बताया । उस कुमारी को रानी बना कर और राजकुमार को दे कर [मन्त्रिकुमार स्वयं वहा से] चला गया ।

मन्त्रिकुमार ने जब पहले राजा के पास दूत भेजा तो राजा और रानी ने डर कर चर्चा की—बहुत शक्तिशाली हो गया है । इस प्रकार अनेक रानियो से विवाह किया है । द्वेष से (ओमिलेखु) हम इसको मार डालेंगे (आलाखु बुइ जा) । यह चर्चा करके एक विष को, रूप परिवर्तन करके (खुबिल्गाजु) फल बना कर उसके पास भेजा और [दूत से] कहा— तुम्हारा आना शुभ हो । हम प्रसन्न हैं—यह कहना । मन्त्रिपुत्र पहले से ही चला गया । जब दूत पहुंचा तो उपहार को ले कर उसको लौटा दिया । उस विष को जब पानी में डाला तो पानी खौलने लगा (बुछालावाइ) ।

१८१ थेरे एल्छि खुरगेद् खेलेवेसु । छागान् देबेल् सागादाग् नुमु ओग्छिलेगेवेइ । थुशिमेल् उन्
खोबेगुन् उग्थुजु आबुगाद् । कासा एल्छि यि उरिजु खुरिम् बेलेद्गेबेइ । थेगुन् इ आबुगाद्
मोरिन् इ मोदुन् आछा उयाबाइ । देबेल् इ इनु एमुस्छु सागादाग् इ इनु बुस्लेबेसु ।
थेरे मोरिन् इ लू बोल्वाइ । देबेल् इनु गाल् बोल्वाइ । सागादाग् आनु आयुड्गा यिन् सुमुन्
बोल्बाइ । थेरे मोदुन् इ उन्दुसुन् उगेइ बोल्गावाइ । खोयार् उखुल् एछे गार्गाबाइ खेमेगेद्
यावुजु खुर्वेसु । खागान् । खाथुन् इयान् आबुगाद् उग्थुजु ओद्बाइ । थुशिमेल् उन् खोवेगुन् ।
खागाल्गान् इ एन्देगेद् देरेसु खुलुसु बार् खागाल्गा वाथिगुल्बाइ । खागान् खाथुन् उग्थुजु
खोथान् दुर् ओरोगुल्वाइ । देरेसु खुलुसुन् ग्वागाल्गान् आनु खुन्दु छिलागुन् बोलुन् ।
खान् खोबेगुन् इ आमिन् बुथुथेले दारुबाइ । आबुगाइ नागाना खेमेन बाखिरान् खेब्येथेले । थुशिमेल् उन्
खोबेगुन् थायाजु गार्गाबाइ । ओर्दु खाशि दुर् ओरोजु खागान् । खाथुन् थाब्छाङ देगेरे
सागुजु । सायिद् थुशिमेद् छुग्लाजु खुरिम् खिवेइ । सोनि खोनुखुइ दुर् । थुशिमेल् उन्
ग्वोबेगुन् एयिन् सेद्खिरुन् । गुर्वान् उखुल् एछे गार्गासुगाइ खेमेगेद् । खागान् इ सोग्थोजु

जब दूत ने आ कर कहा तो उन्होने श्वेत चोला, तूणीर और धनुष भेज दिया । मन्त्रिपुत्र ने सामने से आ कर (उग्थुजु) ले लिया और (कासा) दूत को बुला कर (उरिजु) भोज सज्ज किया । उन उपहारो को ले कर घोडे को वृक्ष से बाध दिया (उयाबाइ) । चोला [वृक्ष पर] पहना दिया (एमुस्छु) । जब तूणीर (सागादाग्) को [वृक्ष पर] बाधा (बुस्लेबेसु) तो घोडा नाग बन गया, चोला आग बन गया, तूणीर वज्र का बाण बन गया । उन्होने वृक्ष की जड को शून्य अर्थात् नष्ट (उगेइ) कर दिया । मैने इसको दो मृत्युओं से निकाला है (गार्गाबाइ)—यह कह कर आ पहुचा । राजा अपनी रानी को ले कर उसके स्वागत के लिए (उग्थुजु) आया । मन्त्रिपुत्र ने द्वार को तोड कर (एन्देगेद्) तृण (देरेसु) और सरकण्डा (खुलुसु) से द्वार बनाया ।

राजा रानी ने राजकुमार का स्वागत किया और नगर मे प्रवेश कराया । तृण और सरकण्डे का द्वार भारी (खुन्दु) पत्थर बन गया और राजकुमार को, प्राण बन्द होने तक (आमिन् बुथुथेले) दबा दिया (दारुबाइ) । हे भाई (आबुगाइ), क्षमा करो—यह कह कर चिल्ला कर गिरा ही था (बाखिरान् खेब्येथेले) कि मन्त्रिकुमार ने खीच कर (थायाजु) निकाल लिया । महल में प्रवेश कर राजा और रानी अपने आसन (थाब्छाङ) पर बैठे । सामन्त और मन्त्री इकट्ठे हुए और उत्सव रचाया । रात बसेरा करने पर मन्त्रिपुत्र ने सोचा— तीन मृत्युओ से बचाया है । राजा के मत्त हो कर (सोग्थोजु)

[illegible]

१८२ नोयिर्सुंसान् खोयिना । सोनि आबुर्गु मोगाइ थेंदेन् इ थेन्दे एछे गाछुं इरेगेद् जालिगखु गेजु बायियाला । बिलिग् जुन् सेलेम् इयेर् थासु छाब्छिजु आलाबाइ । थेरे मोगाइ यिन् छिसुन् आनु खागान् खोबेगुन् उ उरगुल् दुर् दुस्वासु । थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् । खोओर् गुइछेखु यिन् उरिद् आछिमुगाइ खेमेगेद् आछिवासु । खागान् उ खोबेगुन् सेरेगेद् । बोसुन् नोछुजु । आलाखु खेरेग् छितु यागुन् बुइ गेजु । उलु थाल्बिन् बायिखु दुर् । थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् खेलेवेसु छिलागुन् बोल्खु यिन् थुला । उलु जुगुलेन् आयुन् बुखुइ दुर् । खागान् उ खोबेगुन् आगुर्लाजु सेलेम् इयेर् छाबाछिलाजु जोवागायासु । थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् दोथोरा बान् सानारुन् । छिमा दुर् आलाग्दाखु आछा । खारा छिलागु बोलुसान् मिनु । देगेर बुइ जा खेमेगेद् । खेलेवेसु । छिमायि दोर्बेन् जुखुल् एछे थोनिल्गाबाइ । बि बेर् खेलेवेसु । गुरु खारा छिलागुन् बोल्खु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उ खोबेगुन् इनु । एने जुगे छितु थोड खुदाल् गेजु गेलेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् । दोर्बेन् जुखुल् एछे छिमायि थोनिल्गाजु गार्गाबाइ खेमेखुइ दुर् । थेयिमु बुगेसु । छिमादुर् इथेगेखु आर्गा बुइ बुयु गेबे । थुशिमेल् जुन् खोबेगुन् उगुलेरुन् छितु खोयार् खाधुन् इ खेउखेन् उ छिसुन् इ दुस्गाबासु एदेगेखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

मो जाने (नोयिर्सुंसान्) के पश्चात् रात्रि मे एक विषमय (आबुर्गु) साप उनके यहा (थेन्दे) से निकल कर आया और निगलने (जालिगखु) ही वाला था (गेजु बायियाला) कि मन्त्रिपुत्र ने प्रज्ञा की तलवार (बिलिग् जुन् सेलेम्) से दो भागो में (थासु) काट कर (छाब्छिजु) मार डाला (आलाबाइ) । उस साप का लहू राजकुमार के होठो (उरगुल्) पर टपका तो (दुस्वासु) मन्त्रिकुमार ने, विष (खोओर्) फैल जाने (गुइछेख्) से पूर्व (उरिद्) पोछ दू (आछिमुगाइ), यह कह कर पोछा तो (आछिवासु) राजपुत्र जाग उठा (सेरेगेद् बोसुन्) और क्रुद्ध हो कर (नोछुजु) बोला—तुम्हारा मुझको मारने का क्या प्रयोजन है। [यह कह कर राजकुमार ने मन्त्रिपुत्र को पकड लिया] वह उसको छोड (थाल्बिन्) न (उलु) रहा था (बायिखु दुर्) । यदि मन्त्रिकुमार कहता (खेलेवेसु) तो पत्थर बन जाता । अत कुछ न बोला । भय-भीत हो गया । राजकुमार ने क्रुद्ध हो कर अपनी तलवार से वार करके घायल किया । मन्त्रिपुत्र ने अपने अन्दर सोचा (सानारुन्)—तुमसे मारे जाने (आलाग्दाखु) की अपेक्षा (आछा) मेरा काला पत्थर बन जाना उत्तम (देगेरे) होगा । और कहा—यदि कहूं कि तुमको चार मृत्युओं से बचाया है (थोनिल्गा-बाइ) तो भारी काला पत्थर बन जाऊंगा ।

राजपुत्र ने कहा— यह तुम्हारा कहना सर्वथा झूठ (खुदाल्) है । इस पर मन्त्रिपुत्र ने कहा—मैंने चार मृत्युओं से बचा कर निकाला है । [राजकुमार ने पूछा—] यदि ऐसा हो तो तुम्हारे तारण (इथेगेखु) का कोई उपाय है क्या । मन्त्रिपुत्र ने कहा—तुम अपनी दो रानियो के बच्चो के रक्त से यदि छींटा दोगे तो (दुस्गाबासु) मैं जीवित (एदेगेग्) हो जाऊंगा । इस पर

१८३ छिनु छिनागुन् बोल्गुम्मान् छिनु आलि बुइ थोइ मुदार् उगे गेबे। मोन् थुगिमेल् उन् खोवेगुन् उगुलेरुन् एने मोगाइ छिमायि जाल्गिन् आयाला। आलाग्सान् मिनु उनेन् बुलुगे खेमेगेद्। गुर् मारा छिलागुन् बोवाइ। मार्गाया ओलोंगे म्वोयार् खाघुन् इरेगेद्। थुगिमेल् उन् ग्वोवेगुन् ग्यामिगागि ओद्वाइ खेमेग्मेन् दुर्। खान् ग्वोवेगुन् उगुलेरुन्। येरे बाछि थु गेर् येगेन् खारिवाइ गेमेग्सेन् दुर्। एने येखे छिलागुन् यागुन् बुइ। मोन् एने येबे मोगाइ यागुन् बुलुगे गेमेग्मेन् दुर्। ग्वान् ग्वोवेगुन् इनु। सोनि इरेग्सेन् इ बि आगावा ग्वेमेन् खेलेबेइ। खाधुद् आनु। थुगिमेल् उन् ग्वोवेगुन् इरेल् येइ बिले। यागुन् दुर् उदावा गेजु। गेर् थुर् आनु सुमुन् इलेगेवेसु। एछिगो थुगिमेल् इनु उगुलेरुन्। ग्वोवेगुन् मिनु इरेग्सेन् उगेइ खामिगा ओद्वाइ। एन्दे खेरेग् येइ गेजु खोनुग्मान् बोल्वाउ खेमेग्सेन् दुर् खाधुन् गाशिगुदाजु। ग्वान् ग्वोवेगुन् इ उलु थाल्विन्। ग्वोगुला उम्दा उलु इदेगुलुन् नोछुल्दुन् यायिखुइ दुर्। ग्वान् खोवेगुन् आर्गा जाब्वागाद् खाघुन् उछिर् इ येगुम् इयेर् खेलेबेसु। खोयार् खाघुन् इयेर् गागान् इ एजेगुइ दुर्। आल्यान् छिमेग् थु खाधुन् खेलेबेइ। बि खोर् खुन्दु बोरुग्मान् बुलुगे। मेन्दुलेगेद् येरे खेडुग्मेन् इ आलाजु छिमुन् इ दुसागाया खेमेन्। मेन्दुलेजु दुस्गावासु।

उसने कहा—तुम्हारा पत्थर हो जाना कहा है (आलि बुइ), सर्वथा झूठ वचन (उगे) है। मन्त्रिपुत्र ने कहा—यह नाग तुमको निगलने ही वाला था (जाल्गिन् आयाला) कि मैंने इसको मार दिया। यह सच है। यह कहते ही वह भारी काला पत्थर बन गया।

अगले दिन प्रात (ओलोंगे) दोनो रानिया आई और पूछा—मन्त्रिपुत्र कहा चला गया। राजकुमार ने कहा—वह चतुर (बाछि थु) व्यक्ति अपने घर लौट गया। उन्होंने पूछा—यह बडा पत्थर क्या है, यह बडा साप क्या है। राजकुमार ने कहा—यह रात को आया था, मैंने इसको मार डाला। रानियो ने मन्त्रिपुत्र के घर व्यक्ति भेजा कि मन्त्रिकुमार को आ जाना चाहिये था (इरेल् येइ बिले)। किस लिये विलम्ब (उदावा) किया है। पिता मन्त्री ने कहा—मेरा पुत्र नही आया, वह कहा चला गया। यहा आवश्यकता है यह सोच कर [राजकुमार के साथ] रात बिताई है क्या। इस पर रानिया विलाप करने लगी और राजपुत्र को नही छोडा। खाना (ग्वोगुला) पीना (उम्दा) न खिला कर (उलु इदेगुलुन्) झगडती (नोछुल्दुन्) रही। जब राजकुमार ने उपायहीन हो कर (आर्गा जाब्वागाद्) सब बात पूर्ण रूप से बता दी* तो राजा की अनुपस्थिति में (एजेगुइ दुर्) स्वर्णभूषणवती रानी ने कहा—मेरे पैर भारी (खोल् खुन्दु) हो गये है। जन्म दे कर (मेन्दुलेगेद्) उस बालक को मार कर उसका रक्त छिडकूगी।

जन्म दे कर जब उसने रक्त छिडका तो

*"खोयार खाघुन् इयेर्" ये शब्द वाक्य में नहीं बैठते।

१८४ थुशिमेल् उन् खोवेगुन् एदेगेजु बोस्वाइ । एदेगेगेद् थुशिद् उन् ओरोन् दुर् खुछुं । राशियान् इ आवुन् इरेगेद् । थेरे निल्खा खोवेगुन् इ एदेगेगेद् । वि एगुन् इयेर् आलि वुरि यावुन् खेमेगेद् । ओग्थार्गुं इ वार् निस्छु ओद्वाइ । खिइ मन्दल् देगेरे वायिशिङ वायिगुल्जु सागुवासु । खोयार् खाथुन् आनु । निल्खा खेतुसेद् इयेन् आवुगाद् निस्छु इरेगेद् सागुवाइ । खागान् उ खोवेगुन् खार्थि देगेरे गाछुं निस्खु खेमेजु उनागाद् खोल् इनु खुगुर्वाइ । एछिगे खागान् आनु मेदेगेद् । इरेजु । खोयार् निदुन् इ थासाल्जु । गार् ग्योल् इ इनु खुगुलुगाद् । शावार् थुर् खिजु ओंखिवाइ । थेरे एदुर् सोनि उगेइ एने जोवालाङ आछा मिनु आवुरा । आवुगाइ नागाना खेमेन् वाखिरान् खेव्येवेइ । आल्यान् छिमेग् थु आवाखाइ आमियान् इ निगुलेसुग्धि दाखिनि मोन् उ थुलादा । खिइ बेर् आदिस्लाजु एदेगेवेइ । एछिगे खागान् आनु थेगुन् इ उजेगेद् । वामा उरिद् उन् योसुगार् खागेजु ओंग्विवाइ । निगेन् खार्गुं इ जाम् इयार् देमेइ यावुयाला थुशिमेल् उन् खोवेगुन् एनेरेजु । थेगुन् उ एमुने इनु निगेन् गेर् उन् छिनेगेन् आल्यान् इ ओवोगालाजु ओंखिवाइ । खागान् उ खोवेगुन् । थेरे खार्गुं इ वार् यावुगाद् । बि सोग्वुर् वोल्वागेम् इ एने खार्गुं इ वार् यावुजु छिदाखु वोल्वाउ खेमेगेद् । निदुन् इयेन् आनिन् यावुजु ।

मन्त्रिपुत्र जीवित हो उठा (एदेगेजु बोस्वाइ) । जीवित हो कर तुषित लोक मे जा कर अमृत (राशियान्=रसायन) ले आया । और उस छोटे (निल्खा) बालक को जीवित किया । मैं इसके द्वारा सब स्थानो पर जा सकता हू । यह कह कर आकाश से उड गया । वायुमण्डल (खिइ मन्दल्) मे घर (वायिशिङ) बना कर रहने लगा । दोनो रानिया अपने छोटे बच्चो को ले कर उड कर आईं और रहने लगी । राजपुत्र महल से निकल कर "उड जाऊ (निस्खु)" इति (खेमेजु) गिर कर (उनागाद्) उसकी टाग टूट गई (खुगुर्वाइ) । उसके पिता राजा को पता लगा तो उसने आ कर उसकी दोनों आखें निकाल दी (थासाल्जु), हाथ पाओं तोड दिये (खुगुलुगाद्) और कीचड (शावार्) में डाल (खिजु) छोडा (ओंग्विवाइ) । दिन रात, बिना भेद—इस दु ख से मुझे बचाओ । भाई क्षमा करो —इति चिल्लाता हुआ (वाखिरान्) वहा लेटा रहा (खेव्येवेइ) । स्वर्णभूषणवनी रानी (आवाखाइ) प्राणियों पर दया करने वाली (निगुलेसुग्धि) डाकिनी थी । इस कारण वायु द्वारा (खिइ बेर्) प्रसाद दे कर (आदिस्लाजु) स्वस्थ कर दिया (एदेगेवेइ) । पिता राजा ने उसको देखा और फिर पहले के समान भगा छोडा (खोगेजु ओंग्विवाइ) । जब वह अन्धा हो कर मार्ग पर यो ही (देमेइ) जा रहा था तब मन्त्रिपुत्र ने दया कर (एनेरेजु) उसके सामने एक घर जितना (छिनेगेन्) सोना ढेर लगा छोडा (ओवोगालाजु ओंखिवाइ) । राजपुत्र अन्वेषन (खार्गुंइ) से निकल गया— मैं अन्धा (सोखुर्) हो गया हूं तो क्या मैं जाने में शक्त हूंगा । यह कहता हुआ आखें मीच कर (आनिन्) चला गया ।

१८५ आल्थान् इ ज़ुजेग्सेन् ज़ुगेइ ओड्गेरेन् यावुज़ुखुइ । थुदिमेल् ज़ुन् खोबेगुन् ज़ुगुलेहुन् । खेसेग् जायागान् इयान् बारुग्सान् उ धुलादा । थेरे आल्थान् इ ज़ुजेल् ज़ुगेइ । येयिमु सेद्खिल् सेद्खिगेद् ओड्गेरेन् ओद्बाइ खेमेगेद् । खोयार् खाथुन् उ छाग् बोलुग्सान् उ धुलादा । आल्थान् छिमेग् थु आबाखाइ मालाया एमुने जुग् थुर् शाशिन् देल्गेरेग्सेन् खागान् उ ओखिन् बोलुन् थोरोसुगेइ । मोङ्गुन् छिमेग् थु आवाखाइ । खोयिथु जुग् थुर् शाशिन् इ एदेलेग्छि खागान् उ ओखिन् बोलुन् थोरो खेमेग्सेन् दुर् । आल्थान् छिमेग् थु आवाखाइ ज़ुगुलेहुन् । वि थान् उ देगू बोलुन् थोरोमे गेबेइ । दारुइ खोयार् खाथुन् निर्वान् बोल्बाइ । खेउखेन् इनु छाम् दुर् सागुबाइ । थुदिमेल् ज़ुन् खोबेगुन् इनु । खागान् उ खोबेगुन् इ जोवालाङ् ग्राछा गार्गासुगाइ खेमेन् । निगेन् एबुगेन् लामा बोलुन् यावुबाइ । खागान् उ खोबेगुन् उ ओयिरा खुरुगेद् । एमुने इनु बायिबाइ । खागान् उ खोबेगुन् खुर्छु इरेगेद् मोर्गु जु । लामा खामिगा आछा इरेग्सेन् बुलुगे खामिगा ओगेदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् लामा जालिग् बोलोरुन् । ओर्छिलाङ् उन् जोवालाङ् आछा आयुजु जिगुदुजु यावुनाम् बि खेमेन् जालिग् बोल्बाइ । खागान् उ खोबेगुन् ज़ुगुलेहुन् । खामिगा यावुजु थोनिलाखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

सोने को देखे बिना पार कर गया (ओड्गेरेन् यावुज़ुखुइ) । मन्त्रिकुमार ने कहा—इसका दैव्य (खेसेग्) और भाग्य (जायागान्) समाप्त (बारुग्सान्) हो गया है । अतः सोने को देखे बिना ऐसे विचारों को सोचता हुआ पार कर (ओड्गेरेन्) गया ।

दोनो रानियों के समय हो जाने के कारण स्वर्णभूषणवती रानी बोली—मै मलय (मालाया) अर्थात् दक्षिण (एमुने) दिशा मे धर्मविपुल (शाशिन् देल्गेरेग्सेन्) राजा की कन्या बन कर जन्म लूगी । रजतभूषणवती रानी, तुम उत्तर (खोयिथु) दिशा में धर्माचार (एदेलेग्छि) राजा की कन्या बन कर जन्म लो ।

स्वर्णभूषणवती रानी फिर बोली—मैं तुम्हारी छोटी बहिन बन कर जन्म लूंगी । तत्पश्चात् (दारुइ) दोनो रानियों का निर्वाण हो गया । इनके बच्चे ध्यान में बैठ गये । मन्त्रिकुमार, राजकुमार को कष्ट से निकालने के लिये (खेमेन्), बूढ़ा लामा बन गया, राजपुत्र के निकट (ओयिरा) आया और उसके सामने खड़ा हो गया । राजपुत्र ने आ कर नमस्कार किया और पूछा—हे लामा, कहा से आए हो, कहा जाना होगा । इस पर लामा ने कहा—संसार (ओर्छिलाङ्) के कष्टों से डर कर (ग्रांजु) भागा (जिगुदुजु) जा रहा हू (यावुनाम्) । राजपुत्र ने कहा—कहां पहुच कर (यावुजु) मुक्ति होगी (थोनिलाखु बुइ) । इस पर

[illegible]

[illegible]

१८६ आग्लागा दुर् गारगाद् । छाम् दुर् सागुवासु थोनिलाखु यिन् खुथुग् इ ओल्वु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बि छिमायि दागाजु शौवि छिनु बोल्सुगाइ नादा साखिल् आछा खेमेग्सेन् दुर् । साखिल् ओ्गुगेद् । सुर्गाल् जालिग् सुर्गागाद् याबुवाइ । निगेन् आगुलान् दुर् बुइ सुमे यि ठुजेगेद् लामा थेन्दे ओगेंदे बोलुया खेमेग्सेन् दुर् । शावि छुगुलेरुन् । येरु खोगुला खेरेग् थेइ यिन् थुला । बायिशिङ दुर् खुनेसु ओलुया गेजु एसे बोल्बाइ । लामा । थेरे सुमे दुर् मोर्गु गेद् इरेसुगेइ । छि खुलियेजु बाइ खेमेगेद् थेरे सुमे दुर् मोर्गु गेद् इरेखुइ दुर् । लामा यिन् खोल् इनु । छिलागुन् दुर ओ्ग्युजु उलायिजु इरेवेसु । थेरे शावि निगेन् आल्यान् जोगोस् ओल्जु बायालीन् बायिगाद् । लामा यिन् खोल् उन् छिसुन् इ ठुजेगेद् । ओदे उगेइ सुमे दुर् मोर्गु खु यिन् थुसा आनु गेजि ओछिगाद् । खोल् इयेन् उलायिलगाजु इरेवेइ । देगेरे सुमे दुर् मोर्गु खु थुसा थानु । यागुन् बुइ । बि आल्यान् जोगोस् ओल्बाइ । एने थेरे बुइ खेमेगेद् खोयागुला याबुवाइ । बासा निगेन् सुमे खेयिद् इ ठुजेगेद् याबुन् सुर्वेसु इनु । बुरियेन् थायावाइ । शावि बि ओछिसु । लामा छि बेर् यागुमा बान् खिजु सागु

निर्जन (आग्लागा) में जा कर (गारगाद्) यदि ध्यान मे बैठोगे तो मुक्ति के तत्त्व (थोनिलाखु यिन् खुथुग्) को प्राप्त होगे । उसने कहा—मैं तुम्हारा अनुसरण करके तुम्हारा शिष्य बनूगा । मुझको (नादा) दीक्षा दो (साखिल् आछा) । इस पर दीक्षा दी । और शिक्षा-वचन (सुर्गाल् जालिग्) सिखाए (सुर्गागाद्) और चले गये । एक पहाड पर स्थित (बुइ) मन्दिर को देख कर लामा ने कहा— वहा (थेन्दे) चलें (ओगेंदे बोलुया) । शिष्य ने कहा—सदा ही भोजन (खोगुला) की आवश्यकता रहती है । अन घरा मे भोजन (खुनेसु) प्राप्त करने जाएगे । यह कह कर लामा की बात न मानी (एसे बोल्बाइ) । लामा ने कहा—उस विहार मे नमस्कार करके आऊगा । तुम प्रतीक्षा करते रहना (खुलियेजु बाइ) । यह कह कर वह विहार मे नमस्कार करके आ रहा था कि उसके पाव में पत्थर से चोट लग कर (ओ्ग्युजु) रक्त निकल आया (उलायिजु) । जब लामा लौटा तो शिष्य एक स्वर्णमुद्रा (आल्यान् जोगोस्) पा कर प्रसन्न हो रहा था । लामा के पाव म रक्त को देख कर—कल्याणहीन (ओदे उगेइ) विहार में दर्शन का लाभ होगा यह सोचते हुए (गेजि) तुम गये थे (ओछिगाद्), अब पाव से लहू बहते हुए आए हो । ऊचे विहार में नमस्कार करने से क्या लाभ होता है । मुझे स्वर्णमुद्रा मिली है । वह यह है ।

दोनो इकट्ठे चलते गये । फिर एक विहार चैत्य को देखा । जब चल कर पहुचे तो नग (बुरियेन्) बज रहे थे (थायावाइ) । शिष्य ने कहा—मैं जाऊगा, हे लामा तुम अपना काम (यागुमा) करते रहो (खिजु सागु) ।

१८७ खेमेगेद् ओछिगाइ । सुमे दुर् ओरोजु गागुवामु । नोम् उड्शिलुइ दुर् दागुन् आनु
आमुरि मिन् एग्गिग् युर् आदाल्गि मिन् थुला । खुराम्मान् सुवाराग् गायिखाजु शिरेगेन् देगेरे गार्गावाइ ।
खागान् । खाथुन् बुगुदेगेर् इरेजु ग्रायिखान् माग्यावाइ । थेगुन् दुर् वारिछा येखे बारिवाइ ।
एयिमु येखे ओल्जा थाइ इरेवेइ वि । छि । मिनु शावि बोल् वि छिनु वाग्शि बोल्मुगाइ
खेमेग्मेन् दुर् । लामा जाल्गिग् बोल्वाइ वि शावि बोलुया खेमेबे । मोनि बोल्बुइ दुर् शावि उगुलेगुन् ।
खागान् नामायि इरे खेमेग्मेन् बुलुगे । वि ओछिया खेमेग्मेन् दुर् । लामा उगुलेगुन् ।
छिमा दुर् ओछिग्मु येरेग् उगेइ गेबे । शावि एमे बोलुगाद् । छि मिनु उगेन् एछे दावाग्मु
बुयु खेमेगेद् ओद्गाइ । खागान् उ बागा खाथुन् उ बायिशिड दुर् खुरगेद् । उन्थाग्मान् इ
मेदेगेद् छुउर्गान् इ एब्देन् ओरोगाद् । खाथुन् इ आवुगाद् बुछावाइ । लामा मिन् देगेदे खुरुग्सेन्
दुर् लामा एने यागुन् बुलुगे खेमेगुइ दुर् । शावि यावुया गेजु यावुवाइ । लामा खोयिनाछा
दागान् यावुवाइ । शावि थेरे खाथुन् इ उगुरेग्सेगेर् यावुगामु । खाथुन् सेरेगेद् वार्गिरान्
थेल्छिलेजु बायिग्बुइ दुर् । खुजुगुन् देगेरे थेन् उनुगुल्वाइ । थेरे खाथुन् खुजुगुन् उग्गु आनु
बागाजु शिगेगेजु ओग्गिवामु । आजिग्लाद् उगेइ यावुगाइ । खागान् सेरेगेद् । खाथुन् इयान् उगेयिलेजु

यह कह कर चला गया । जब मन्दिर में प्रवेश करके बैठा तो पाठ करने मे (नोम् उड्शिलुइ दुर्) उसकी ध्वनि असुरों के स्वर (एग्गिग्) के समान थी । अत एकत्रित (खुराम्मान्) सघ (सुवाराग्) ने चकित हो कर उसको सिंहासन पर (देगेरे) बिठाया (गार्गावाइ) । राजा रानी सबने आ कर चकित हो कर स्तुति की (माग्यावाइ) और उसको बहुत दक्षिणा (वारिछा) दी ।

इतना बडा मगलवान् (ओल्जा थाइ) हो कर आया हू मैं । तुम मेरे शिष्य बनो । मै तुम्हारा गुरु बनूगा । इस पर लामा ने कहा—मैं तुम्हारा शिष्य बनूगा । रात होने पर शिष्य ने कहा—राजा ने मुझको आने को कहा था, सो मै जाता हू । इस पर लामा ने कहा—तुमको जाने की आवश्यकता नही । शिष्य नहीं माना । तुम मेरे शब्दो को टालते हो क्या (दावाखु बुयु) । यह कह कर चला गया । राजा की छोटी रानी के घर म पहुचा । सोई हुई (उन्थाग्मान्) को जान कर ताले (छुउर्गान्) को तोड कर (एब्देन्) प्रवेश किया और रानी को ले कर लौट आया (बुछावाइ) । लामा के पास पहुचने पर लामा ने कहा—यह क्या है । इस पर शिष्य ने कहा— चलो चलें । यह कह कर वह चल दिया । लामा पीछे से अनुसरण करता हुआ चला । जब शिष्य उस रानी को पीठ पर लाद कर (उगुरेग्सेगेर्) जा रहा था, तो रानी जाग गई और चिल्ला कर (वार्गिरान्) हाथ पाव मारने लगी (थेल्छिलेजु बायिखुइ दुर्) । उसने उसको अपनी ग्रीवा पर (खुजुगुन् देगेरे) चढा लिया (उनुगुल्वाइ) । रानी ने ग्रीवा के नीचे (खुजुगुन् उग्गु) विष्ठा और मूत्र कर (बागाजु शिगेगेजु) छोडा (ओग्गिवामु) । वह बिना ध्यान किये (आजिग्लाल् उगेइ) चलता रहा । राजा जागा और अपनी रानी के न होने पर (उगेयिलेजु)

१८८ खामिगाशि ओद्वाइ गेजु इरेजु एमे ओलुगाद् । त्रुगुलेल्दुरुन् ओछोग्दुर् उन् मामिन् जालिग् घाइ बुगेथेले । खाथुन् इ उजेंगेद् । आगाशि वान् एब्देनेम्
बिले । थेरे *मार्गा* थु *लामा* बुइ *जा* थेगुन् इ नेख्येये
ख्येमेगेद् । नेख्येजु गुरुन् गेम्बुले । ख्याथुन् इ सुजुगुन् देगेरे वेन् उनुगुलुग्मागार् आजुगु । ब्लामा यि वारिगाद् । येये यि इनु एब्देर्येले जोदोगाद् । ख्याथुन् इयान् बोलियान् आबुगाद् ख्यारिवाइ । थेगुन् इ ब्लामा आदिम्लाजु एदेगेगेद् याबुवाइ । वामा निगेन् सुमे यि खारागाद् माबुथाला । बूरियेन् थाथावाइ । उरिद् योसुगार् बि ओछिमु गेजु ओछिबामु । शिरेगेन् देगेरे सागुल्गाजु वासा गायिखान्छावाइ । थेरे सुमे दुर् आल्यान् मोड्गुन् सुबुर्गा बुइ आजुगु । ब्लामा एने सुबुर्गा यि ख्युलागाइ ख्यिजु आबुवासु खुनेसुन् मुन्दाशि उगेइ वोल्बु वायिनाम् गेजु सानागाद् खारिवाइ । सोनि उन्थाग्मान् खोयिना । थेरे सुमे दुर् ओछिगाद् । वामा छुउर्गान् इ एब्देगेद् ओरोजु । सुबुर्गान् इ आबुगाद् खारिवाइ । आल्यान् सुबुर्गान् इ ब्लामा यिन् ओर्गोगेन् दुर् ख्यिजु । मोड्गुन् सुबुर्गान् इ ओवेर् उन् ओर्गोगेन् दुर् खिजु थाल्बिगाद् । ब्लामा यि

वहा चली गई, यह कह कर ढूढा (एरेजु) । पर जब न पाया तो चर्चा होने लगी (त्रुगुलेल्दुरुन्)—बल (ओछोग्दुर्) जब वह सुन्दर वचन बोल रहा था तो रानी को देख कर उसकी प्रवृत्ति (आगाशि) बदल गई (एब्देनेम् बिले) । सो वही चतुर लामा होगा । उसका पीछा करे (नेखेये) । उसका पीछा करके पहुंचे तो लामा ने रानी को अपनी ग्रीवा पर चढाया हुआ था । उन्होने लामा को पकड लिया और उस के शरीर को नष्ट होने तक (एब्देर्येले) पीटा (जोदोगाद्) । अपनी रानी को छीन लिया (बोलियान् आबुगाद्) और लौट आए (खारिवाइ) ।

उसको लामा ने आशिष् दे कर स्वस्थ किया (एदेगेगेद्) और [दोनो आगे] चले । फिर एक विहार को देख कर (खारागाद्) वहा पहुचे । शख बज रहे थे । पहले के अनुसार शिष्य ने कहा—मै जाऊगा । यह कह कर चला गया । सिहासन पर बिठा कर फिर लोग चकित हुए । उस मन्दिर में सोने चादी के चैत्य थे । लामा ने सोचा यदि इन चैत्यो को चुरा कर (खुलागाइ खिजु) ले लू तो भोजन (खुनेसुन्) असीम (मुन्दाशि उगेइ) हो जाएगा । यह सोच कर लौट आया । रात में [सबके] सो जाने के पश्चात् उस मन्दिर में गया । फिर ताले को तोड कर प्रवेश किया और चैत्यो को ले आया । स्वर्ण चैत्यो को लामा के सभार (ओर्गोगेन्) में डाल दिया (खिजु) । चादी के चैत्यो को अपने सम्भार मे डाल कर (खिजु) रख लिया (थाल्बिगाद्) । लामा को

१८६ सेरेगुलुगेद् याबुबाइ। सुमे यिन् खुराल् उन् खुवाराग् ओर्लोगे इनु सुबुर्गान् इ उगेमिलेगेद् नोयान् दागान् आयिलाद्खावासु। नोयान् आनु जालिग् बोलोरुन्। ओछोग्दुर् उन् ब्लामा नोम् उडशिजु सागुखु दागान्। सुबुर्गान् इ शिर्येखु इनु येखे बिले। येगुन् इ नेखेये खेमेगेद्। नेखेजु गुइछेगेद्। सुबुर्गान् इ यागुन् दु खुलागाइ खिबे खेमेग्सेन् दु। चि छिनु सुबुर्गा यि आल्खुला बेये मिनु मिङगान् खेसेग् खागार्सु गेबे। एबुगेन् ब्लामा उगुलेरुन्। आबुग्सान् बोल्खुला एब्देरेग्सेगेर् एब्देर्यु गेइ खेर् बेर् एसे आबुग्सान् बुगेसु। बेये मिनु गेरेल् बोलुन् खायिलुगाद् सुबुर्गान् दुर् शिङ्गेयुगेइ ग्वेमेग्सेन् दुर्। थेन्दे शाबि नेङजिगेद्। मोङगुन् सुबुर्गान् इ गार्गावाइ। थेरे याम्बार् आमा आल्दाबासु। थेगुबेर् खुखु यिन् थुलादा मिङगान् खेसेग् एब्देरेबेइ। एबुगेन् ब्लामा यि इनु नेङजिगेद्। आल्यान् सुबुर्गान् इ गार्गावासु। थेरे एबुगेन् ब्लामा खाराजु उलु बोल्खु आल्यान् ओङ्गे थु गेरेल् बोलुन्। खायिलुगाद् सुबुर्गान् दुर् शिङ्गेबेइ। थेदे बुग्दुदेगेर् ग्वेलेल्छेरुन्। एने यान्दि लाब्या छिद्खुर् बुइ जा एने एबुगेन् ब्लामा उनेगेर् दुर्खान् बोल्गाद खेमेन् ग्वेलेछेगेद्। सुबुर्गान् दुर् मोर्गुबेइ। थेरे सुबुर्गान्

जगा कर (सेरेगुलुगेद्) चल दिया। विहार की समिति (खुराल्) के सघ (खुवाराग्) ने प्रात चैत्यो को न पा कर (उगेमिलेगेद्) अपने अध्यक्ष को सूचना दी। अध्यक्ष ने कहा—कल (ओछोग्दुर्) का लामा धर्मपाठ करते समय चैत्यो को बहुत टकटकी लगा कर देख रहा था (शिर्येखु चिने)। उसका पीछा करना चाहिये। उसका पीछा करके पकड लिया (गुइछेगेद्) और पूछा—चैत्यो को क्यो चुराया है (खुलागाइ खिबे)। उसने कहा—मैंने तुम्हारे चैत्यो को लिया हो तो मेरा शरीर सहस्र खण्डो मे टूट जाए (खागार्सु)। बूढे लामा ने कहा—यदि मैने लिया हो तो टूटते २ टूट जाऊ (एब्देर्यु गेइ) और यदि (खेर् बेर्) न लिया हो तो (आबुग्सान् बुगेसु) मेरा शरीर प्रकाश बन कर उड जाए (खायिलुगाद्) और चैत्यों मे लीन हो जाए (शिङ्गेयुगेइ)। तब (थेन्दे) शिष्य की वस्तुओ को देखा (नेङजिगेद्) और चादी के चैत्यों को निकाला। उसने जैसी (याम्बार्) शपथ (आमा) ली थी (अल्दाबासु) उसके अनुसार (थेगुबेर्) होने से (खुखु यिन् थुलादा) शरीर सहस्र खण्डो मे टूट गया। बूढे लामा की वस्तुओ को देखा और स्वर्ण चैत्यो को निकाला तो बूढा लामा अदृश्य (खाराजु उलु) हो कर हेमवर्ण प्रभा बन गया। पिघल कर (खायिलुगाद्) चैत्यो मे लीन हो गया। वे सब आपस में चर्चा करने लगे—यह सीखने वाला (यान्दि) अवश्य दैत्य (छिद्खुर्) होगा और यह बूढा लामा सचमुच बुद्ध है। यह बातचीत कर उन्होंने चैत्या को नमस्कार किया। ये चैत्य

[illegible]

१६० मिडगान् गाल्बा बोल्याला ञुठु एब्देरेखु । थेरे सुबुर्गात् आनु एदुगे रान्छागारागु बालागुन्
दुर् बुइ बुलुगे ।
थुशिद् ञुन् ओरोन् आछा बागुजु इरेग्सेन् इयेर् आशि यिन् ञुलिगेर् इ निगेन् मोदुन् खुमुन् ञ
ञुगुलेग्सेन् ।

## आर्बान् ग_र्बादुगार् बोलुग्

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् ञ ञुगुलुग्सेन् आर्बान् गुर्बादुगार् बोलुग् । आराजि बोजि
खागान् । थेरे शिरेगेन् ञ निगेन् थाला बार् गाख्या खेमेन् जाब्दुग्सान् दुर् ।
निगेन् मोदुन् खुमुन् ।
खागान् बायिजा । छि सागुजु ञुलु बोलुमुइ ।
बोग्दा बिर्कमिजिद् । खागान् उ निगेन् यातुदाल् इ ञुगुलेसुगेइ खेमेन् । एने ञुलिगेर् इ
ञुगुलेष्ुन् । बिर्कमिजिद् खागान् उ निगेन् माशि ञुजेस्खुलेङ्ट येगुल्देर् सायिखान् खाथुन् बुलुगे ।
थेरे खाथुन् आछा थोरोग्सेन् इनु । ओग्निन् नुगुन् खोयार् बोलाइ । नुगुन् देगू यिन् छिखिन्
इनु । ओग्यु मेयु यिन् थुला । थेरे खोबेगुन् दुर् ओग्यु छिखि यु खान् खोबेगुन् नेरे
ओग्बेइ । खागान् । खाथुन् ग्योयार् खेत्रुबेन् देगेन् आमिन् जिग्नेन् लुगे इल्गाल् ञुगेइ इनाग्

सहस्र कल्प (गाल्बा) तक (बोन्याला) नाश न होगे । ये चैत्य आजकल राजगृह (रान्छागारागु) नगर
मे हैं ।

तुषित-लोक से उतर कर आये हुए ऋषि की कहानी जिसको एक पुतली ने सुनाया ।

## तेरहवां अध्याय

फिर एक पुतली बोली—राजा भोज जब उस सिंहासन पर एक ओर (थाला) से चढ़ने की सज्जा कर
रहे थे (जाब्दुग्सान् दुर्) तो एक पुतली ने कहा—राजा ठहरो । तुम्हारा बैठना न होगा । मैं महात्मा
विक्रमादित्य राजा के एक चरित को सुनाऊंगी । उसने यह चरित सुनाया ।

विक्रमादित्य राजा की सौंदर्य (ञुजेस्खुलेङ्ट) युक्त (येगुल्देर्) रूपवती रानी थी । उस रानी से जन्मे
हुए पुत्री (ओग्निन्) और पुत्र (नुगुन्), दो बच्चे थे । भाई (नुगुन् देगू) के कान (छिखिन्) हरिताश्म
(ओग्यु) के समान थे । अत लड़के को हरिताश्मकर्ण (ओग्यु छिखि यु) राजकुमार नाम दिया । राजा
रानी को दोनों अपने बच्चे प्राण और हृदय से अभिन्न (इल्गाल् ञुगेइ) प्रिय (इनाग्)

१६१ आजुगु । खोयिना निगेन् छाग् थुर् । खाथुन् उ ओङ्गे छाराइ वागुछुँ येखेदे मागुखाइ
बोल्बा । खागान् एखिलेन् बुगुदेगेर् गुनिखाराजु येखेदे जोवाल्छागाद् । खागान् आसागुरुन् । आय् आ
तुजेस्वुलेङ थेगुस् सायिखान् आमाराग् खाथुन् मिनु छि तुजेवेसु । छितु ओङ्गे गेरेल्
उरिदाखि आछा वागुर्गाद् । तुजेशि तुगेइ मागुखाइ बोल्गसान् उछिर् । यागुन् आछा बोल्बा ।
एसेबेसु एर्दनि मेथु बेयेन् दु छितु । एम्गेग् जोबालाङ उछिर्वाउ । एने उछिर् इ नादुर्
निगुल् तुगेइ बुरिन् ए तुगुले खेमेन् एनेलुखुइ बेर् ओछिवेसु । खाथुन् तुगुलेरुन् । आइ
खागान् मितु आयिलादुन् सायोर्खा । आलिबा आमियान् थोरोग्सेन् उ एछुस् तुखुमुइ । आबुरिदा
नामायि तुखुग्सेन् तु खोयिना । आछि थु खागान् एछिगे छि बेर् । आमाराग् खोयार् खेतुखेन् इ
मितु जोबागाखु बोल्बाउ खेमेन् सानाबासु । आइ मितु दोथोरा थेस्देशि तुगेइ जोबालाङ
थोरोमुइ । एयिमु सेजिग् थोरोग्सेन् एछे उलाम् एरेगुल् छाराइ मितु एब्देरेगेद् । एम्गेग्
एबेद्छिन् खुर्थेग्सेन् एछे तुलेम्जि । एरेगु जोबालाङ दुर् नेर्बेम्देग्सेन् इयेर् मागु बोल्बा ।
खेमेन् ओछिबेसु । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् । आय् आ आमाराग् खायुन् मितु । सोनुसुन् सोयोर्खा ।

थे। पीछे एक समय रानी का रंग (ओङ्गे) और मुख (छाराइ) ढल कर (वागुछुँ) बहुत भद्दा (मागुखाइ) बन गया। राजादि सबने दुःखी हो कर (गुनिखाराजु) बहुत शोक मनाया (जोवाल्छागाद्)। राजा ने पूछा—हे मेरी सुन्दर सम्पूर्ण शोभायुक्त प्रिय रानी, तुम देखो कि तुम्हारा रंग और प्रभा पहले से ढल कर अदर्शनीय (तुजेशि तुगेइ) कुरूप बन गया है। इसका कारण क्या है। नहीं तो (एसेबेसु) रत्न समान तुम्हारे शरीर में पीडा (एम्गेग्) और दुःख लग गये हैं क्या (उछिर्वाउ)। इस बात को हमसे छिपाए (निगुल्) बिना पूर्ण रूप से कह दो। इस प्रकार विलाप से (एनेलुखुइ बेर्) कहा तो (ओछिवेसु) रानी बोली—हे मेरे राजा सुनने की कृपा करो (आयिलादुन् सोयोर्खा)। सब (आलिबा) प्राणी जिन्होने जन्म लिया है, उनका अन्त (एछुस्) मृत्यु है। जब (आबुरिदा) मैं मर जाऊंगी, उसके पश्चात् कृपालु (आछि थु) राजा और पिता तुम मेरे प्रिय दोनो बच्चों को सताओगे क्या (जोवागाखु बोल्बाउ)। जब मैं यह सोचती हू तो (सानाबासु) मेरे अन्दर असह्य (थेस्देशि तुगेइ) शोक उत्पन्न होता है। इस संशय (सेजिग्) के उत्पन्न होने से धीरे २ (उलाम्) मेरा स्वास्थ्य (एरेगुल्) और मुख विकृत हो गया है (एब्देरेगेद्)। पुराना (एम्गेग्) रोग (एबेद्छिन्) लगने से (खुर्थेग्सेन् एछे) अधिक (तुलेम्जि) कष्ट और दुःख-पीड़ित हो कर (नेर्बेम्देग्सेन्) मैं भद्दी (मागु) बन गई हूं। जब यह कहा तो (ओछिबेसु) राजा बोले—अहो मेरी प्यारी रानी, सुनने की कृपा करो।

[illegible]

[illegible]

११२ आमाराग् एने खोयार् सेडुम्बेद् मानु । आछि थु एछिगे एखे बिदेन् उ निदुन् उ छेछेगेइ मेयु आदालि । मानु सेन् छु उरिदा नोग्छिवेसु । आवुरिदा एने खोयार् इ जोवागाखू योमुन् थुइ बयु मेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । खायिरान् थेरे मेयु उजेस्खुलेङ थेगुल्देर् । थेरे खाधुन् आनु । खारिल् उगेइ ओछिलाङ दुर् नोग्छिवेइ । खामुग् उन् एजेन् खागान् थेरिगुलेन् । खायिरालाग्सान् येखे बागा नोयाद् मायिद् । खाराछुस् ओलान् गुइ आल्बा थु थुगुदेगेर् । गाशिगुन् जोवाल्लाङ दुर् दारुग्दाजु गुर्बान् ओन् बोल्याला येखे गासालाङ थु बोल्जु बायिबाइ । थेदुइ थेरे गाजार् उन् येखे बागा नोयाद् । थेम्देग्थेइ ए थेरे खागान् उ बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिलगान् थुशिमेल् । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् एखिलेन् । थेन्दे खुराग्सान् बुगुदे बेर् छिगुलान् खेलल्छेबेसु । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् उगुलेवृन् । एर्देनि मेयु बायिगुलुग्सान् योष् शाशिन् । नेङ येखे देलेखेइ देगेरेखि ओलान् उलुस् । एजेन् खागान् उ एने येखे गाशिगुन् जोवालाङ दुर् । एगुरिदे । एने मेयु जोवाल्छाग्सागार् बायिबासु यागुन् थुसा । खागान् उ एने मेयु सेद्खिल् इ

ये हमारे प्रिय दोनो बच्चे, कृपालु (आछि थु) पिता और माता हम दोनो की आंखो की पुतली (छेछेगेइ) के समान हैं। हम मे से (मानु) कोई (खेन्) भी (छु) पहले मरे तो (नोग्छिवेसु) इन दोनो को सताने की बात हो सकती है क्या।

यह कहने पर प्रिय (खायिरान्) और तत्समान सौन्दर्यपूर्ण रानी अनिवर्त्य (खारिल् उगेइ) [जन्म मरण] के चक्र में चली गई (नोग्छिवेइ)। सब के स्वामी राजा प्रभृति, पाले हुए (खायिरालाग्सान्) बडे छोटे अध्यक्ष (नोयाद्), सामन्त (मायिद्), जनता (खाराछुस्), बहुत से महान् कर देने वाले जन (आल्बा थु), सब लोग, दु.खी हो कर (गाशिगुन्), विलाप मे (जोवालाङ दुर्) निमग्न हो कर (दारुग्दाजु), तीन वर्ष (ओन्) तक (बोल्याला) बड़े शोक में रहे। तब उस देश के बडे छोटे अध्यक्ष और विशेषत: (थेम्देग्थेइ ए) उस राजा के दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री (खुबिलगान् थुशिमेल्), वाम को जानने वाले विद्वान् (छेछेन्) मन्त्री, तथा (एखिलेन्) वहा एकत्रित अन्य सब जन चर्चा करने लगे। वाम को जानने वाले विद्वान् मन्त्री ने कहा—रत्न के समान स्थापित प्रशासन (थोरु), धर्म और सुमहती (नेङ येखे) पृथ्वी पर के (देलेखेइ देगेरेखि) बहुत जन (ओलान् उलुस्), स्वामी (एजेन्) राजा के इस महान् दु.ख और शोक से सदा (एगुरिदे) इसी प्रकार (एने मेयु) विलाप मे रहते रहे तो क्या लाभ (थुसा) होगा। राजा के इस प्रकार के चित्त को

१६१ सेगु गेखु यिन् थुला । सामुग् इयेर् छुग्लाजु । आवा आवालायामु । सारिन् थुगा बोल्सु बोल्याउ गेजु सानानाम् । सामुग् खुराग्साद् एगुन् इ यागुन् गेमेमुइ सेमेन् ओछिवेसु । वारागुन् इ मेदेग्छि सुबिल्गान् थुशिमेल् ओछिरन् । आय् आ साराछु गामुग् वुगुदे जोब्लेग्सेन् वुगेद् । आछि उरे एछे दाबाजु उलु बोल्सु यिन् थुला । आर्गा उगेइ वुयु गेमेगेद् । आवा आवालाया गेमेन् गेलेल्छेन् थोग्यावा । थेदुइ खागान् दुर् आयिलाद्खावासु । खागान् जोब्शिमेन् आवा आवालावा । वारागुन् इ मेदेग्छि सुबिल्गान् थुशिमेल् वारागुन् ओर्दु यि आब्छु । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् । जेगुन् ओर्दु यि आब्छु यावुथाला । वारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्गान् थुशिमेल् उन् गाजिगु थु । बाछि थु निगेन् जालागु एमे सागुखुइ यि उजेवेइ । थुशिमेल् वालामाद् जिरुखेन् देगेन् सुमु थुसुग्सान् मेथु बोलुन् वुरुगु खारागाद् । ओङ्गेरेजु गार्वासु । वासा दाख्इ खागान् दागारिन् इरेगुइ दुर् । बाछि थु थेरे एमे वेयेन् एछे गेन् गेरेल् बादारागुलुन् खागान् उ निदुन् उ एमुने थुरुखावा । खागान् थेरे गेरेल् इ सिलाम् खिजु उजेवेसु । गायिखाम्दिग् थु निगेन् सोलोङ्गा बुखुइ दुर् । खाराजु थेगुन् इ दागाग्सागार् ओद्वासु । खाथुन् खादान् उ खोन्देइ दुर् गायिखाम्सु मेथु निगेन्

आश्वासन देने (सेगु गेखु) के लिये सब के सब इकट्ठे हो कर आखेट खेलें तो (आवा आवालायासु) हो सकता है कि हित हो जाए—यह सोचता हूं (गेजु सानानाम्)। सब इकट्ठे जन (खुराग्साद्) इसके लिये क्या कहते हैं। यह कहने पर (ओछिवेसु) दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री ने कहा (ओछिरन्)—अहो सारी जनता (खाराछु) ने मान लिया है (जोब्लेग्सेन), और इसके परिणाम से (आछि उरे एछे) टलना नही हो सकता। अब कोई उपाय नही है। आखेट खेलने चलें। यह चर्चा कर के (खेलेल्छेन्) निश्चय किया (थोग्यावा)। तब राजा से निवेदन किया। राजा के मानने पर आखेट खेलने निकले। दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री ने मुख्य (वारागुन्) सेना (ओर्दु) को ले कर और वाम को जानने वाले विद्वान् मन्त्री ने गौण सेना को ले कर ज्यों ही प्रस्थान किया तो दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री के पास (गाजिगु थु) छलपूर्ण (बाछि थु) एक युवती (जालागु) स्त्री (एमे) बैठी हुई (सागुखुइ) दिखाई दी। मन्त्री व्याकुल हुआ (वालामाद्)। उसने, अपने हृदय मे बाण (सुमु) लगा हो (थुसुग्सान्), इस समान हो कर उल्टी ओर (वुरुगु) देखा (खारागाद्) तथा आगे निकल गया (ओङ्गेरेजु गार्वासु)। फिर पीछे से (दाख्इ) राजा वहा से हो कर (दागारिन्) आया तो (इरेखुइ दुर्) छलपूर्ण स्त्री ने अपने शरीर से प्रभा प्रज्वलित कर (बादारागुलुन्) राजा की आखो के सामने उपस्थित की (थुरुखावा)। राजा ने उस प्रभा को तिरछी आख से (खिलाम् खिजु) देखा तो अद्भुत इन्द्रधनुष् (सोलोङ्गा) उपस्थित हुआ। उसको देख कर (खाराजु) जब उसका पीछा करता हुआ गया तो (दागाग्सागार् ओद्वासु) पहाडी की (*खादान् उ) गुहा (खोन्देइ) मे एक आश्चर्यमयी (गायिखाखु मेथु)

* "खादान्" से पूर्व "खाथुन्" पद व्यर्थ है।

१६४ तुजेम्खुनेद थु जालागु एमे सागुसुइ । नारान् सागान् । जानागु एमे यि तुजेगेद् ।
थेम्देग्येइ ए छुग्लाग्सान् ओलान् आवा यि थार्वागाद् । ध्धिङ् एछे नादुर् जायागा थु साथुन्
वागुजुखुइ खेमेन् । थेस्देशि तुगेइ येग्वे वायार् थोरोगुडुन् । ओंदु सांशि दागान् आवुन्
खारिवा । खागान् ओर्दुन् दागान् खुरुग्सेन् खोयिना । खायिरा थु थेरे ग्वाथुन् इ तुजेस्नुलेड
थेरे ओङ्गेन् दुर् । खायिरान् खागुच्छिन् खाथुन् खिगेद् । खोयार् खेजुलेन् थेइ यि छोम् मार्थाना ।
खुविल्गान् उग्वागान् थु थेरे सायिन् थुशिमेल् । खोयार् मेजुखेद् इ शिम्नुस् थुर् एरस्थेगुजेइ
खेमेन् खुबिलुन् निगुगाद् । ग्रादाग्शि तुलु गार्गान् वुलुगे । खोयिना निगेन् एदुर् उन् घाग्
थुर् । खोओर् थु थेरे एमे शिम्नुस् ग्रादाना सागुन् आथाला । छिवुला थेरे खोयार्
खेजुखेद् ओयिरायुगाद् छिबेल् थु थेरे शिम्नुस् उन् निदुन् तु एमुने
छिगुल्छाजु नागादुन् यावुखुइ यि तुजेगेद् । छिग्वुला देगेंदे
दागाग्माद् आछा छिखुल्दागुलुन् जान्दुरान् आसागुवासु । देगेंदे वायिग्मान् थेदेगेर् उलुम् । थेगुन् इ
खोब्लान् खेलेखु सानागा तुगेइ बोल्बाछु । थेरेखु शिम्नुस् उन् उवादिसु सुर् येग्वे यिन् थुल्ा । थेगुस्

रूपवती युवती स्त्री बैठी हुई थी । सूर्य राजा ने युवती स्त्री को देखा । विशेष रूप से (थेम्देग्येइ ए) इकट्ठे हुए बडे आखेट को समाप्त किया (थार्वागाद्) । और वहा—आकाश से हमारे लिये भाग्यवती रानी उतर कर आई है । असह्य (थेस्देशि तुगेइ) महती प्रसन्नता उत्पन्न हुई है ।

राजा उसको अपने महल में ले आया । राजा अपने महल मे लौटने के पश्चात्, [नई] प्रियतमा रानी के सुन्दर वर्ण मे पुरानी (खागुच्छिन्) प्रिय रानी तथा उसके दोनो बच्चों, सबको (छोम्), भूल गया (मार्थावा) । अवतार बुद्धिमान् अच्छे मन्त्री ने दोनो बच्चो को, डायन (शिम्नुस्) से धोखा न खा जाए (एरस्थेगुजेइ), इति रूप परिवर्तन करके (खुबिलुन्) छिपा दिया (निगुगाद्) और बाहर न निकलने दिया ।

पीछे से एक दिन एक समय जब वह दुष्ट डायन स्त्री बाहर बैठी हुई थी, वे दोनो बच्चे इकट्ठे समीप आए (ओयिरायुगाद्) और उस दुष्ट डायन की आखो के सामने मिल कर खेलने लगे (नागादुन् यावुखुइ) । उनको देख कर विशेष (छिखुला) निकट (देगेंदे) दासी (दागाग्माद्) से धमका कर डाट कर (छिखुल्दागुलुन् जान्दुरान्) पूछा तो समीप के सब लोगो ने असूया करके बता दिया (खोब्लान् खेलेखु) । बताने का विचार (खेलेखु सानागा) न होते हुए भी (तुगेइ बोल्बाछु) उस (थेरेखु) डायन की माया (उवादिसु) और तेज (सुर्) के बडा होने के कारण पूर्णरूप से (थेगुस् बुरिन्)

१६५ बुरिन् इयेर् थोग्लान् खेलेम्सेन् दुर् । सोओर् थु शिम्नु एमे । खोयार् खेवुखेद् इ उच्छिर् शिल्यागान्
इ मेदेगेद् । खागुछिन् एवेद्छिन् मिनु खोदेल्वेइ खेमेन् । खोयार् ओगुछिन् दागान् शिङखु शार्जा
खोयार् इ आनु बालागुगाद् । ओडखुरेन् थोगुराजु बोगेल्जिन् खेब्येबेइ । खायिरा थु येरे खाथुन्
इयान् । खुन्दु एवेद्छिन् खुर्येसेन् दुर् । खागान् एखिलेन् खामुग् वुगुदे बेर् गाजार् गाजार् आछा
एम्छि नेर् । दोम्छि नार् इ छुग्ल्ागुलुन् जासागुल्वासु । खारिन् एवेद्छिन् मिनु खुन्दुद्नेइ
म्येमेन् ओरिलान् छारिलान् खेव्येमुइ । थेरे खागान् बेर् देग्सेल्जु । सेद्खिल् इनु माशि जोगागाद् ।
देर्गेदे इनु हरेजु । एयिन् उगुलेहुन् । उनेगेर् उजेस्खुलेड् येगुल्देर् खाथुन् मिनु छि
उजेग्सेन् छिनु वुगेसु ओलान् । उर्गुल्जि सोनुसुग्सान् छिनु खोला । उनेन् एवेद्छिन् दुर्
छिनु थुसा थु एम् यागुन् बुइ । ओरुशियेजु नादुर् उगुले खेमेन् ओछिवेसु । खाथुन्
ओछिहुन् । आइ एजेन् मिनु आयिलादुन् सोयोर्खा । आवुरान् खायिरालाग्सान् छिम् आछा खोलादामुइ ।
आर्गा उगेइ बेर् एलिग् उन् गार् थुर् ओद्मुइ । आयुल् थु एवेद्छिन् एछे थोनिल्गाग्छि एम्
आवुराग्छि एजेन् छिमा दुर् बुइ आथाला । नादुर् ओग्गुमुइ म्येमेन् ओछिवेसु । खागान् बायार्लान्
यागारान् बोसुगाद् । खालाखाइ आमिन् आछा उलेम्जि आमाराग् छि मिनु । गादाना । बायिग्छि खेरेग्

गिन २ कर (थोग्लान्) बनाया (खेलेम्सेन् दुर्)। दुष्ट डायन स्त्री ने दोनो बच्चो की बात चीत को (उच्छिर् शिल्यागान्) जान कर कहा—मेरा पुराना रोग हिलने लगा है (खोदेल्वेइ)। अपने दोनो गालो (ओगुछिन्) में रक्तमणी (शिङखु vermillion) और पीला रग (शार्जा sulphurous arsenic) [लगा कर तथा] दोनो को मुह मे डाल कर (बालागुगाद्) लुडकती (ओडखुरेन्), चक्कर खाती (थोगुराजु), वमन करती (बोगेल्जिन्) लेट गई (खेयेबेइ)। प्रिय रानी भारी रोगग्रस्त हो गई सो राजा आदि सब जनो ने देश २ से वैद्यो और भाडफूक करने वालो को (दोम्छि नार् इ) इकट्ठा करके (छुग्लागुलुन्) उपचार कराया (जासागुल्वासु)। किन्तु (खारिन्) मेरा रोग (एवेद्छिन्) भारी हो गया (खुन्दुद्नेइ)—यह कह कर चिल्लाई (ओरिलान्), चीखी (छारिलान्) और लेट गई। राजा घबराया (देग्सेल्जु)। उसका चित्त बहुत दुखी हुआ। रानी के पास आ कर बोला—सम्यक्सौन्दर्ययुत मेरी रानी, तुमने बहुत कुछ देखा है, निरन्तर (उर्गुल्जि) दूर २ सुना है*। सचमुच तुम्हारे रोग के लिये हितकारी औषध क्या है। कृपा करके (ओरुशियेज) मुझको बताओ। इस पर रानी बोली—हे मेरे पति, सुनने की कृपा करो। शरण दे कर (आवुरान्) प्रेमकर्ता आपसे (खायिरालाग्सान् छिम् आछा) दूर होने वाली हू (खोलादामुइ)। उपायहीन हो कर यम (एलिग्) के हाथो मे जा रही हू। भयानक रोग से बचाने वाली औषध मेरे शरणदाता और स्वामी तुम्हारे पास है, पर मुझको दोगे क्या। यह कहने से राजा प्रसन्न हुआ। शीघ्रता से उठा (बोसुगाद्)—हाए (खालाखाइ), प्राणो से अधिक प्रिय (आमाराग्) तुम मेरी बाहर (गादाना) स्थित (बायिग्छि) आवश्यक (खेरेग्यु)

* श्री बॉडन का अनुवाद ठीक नहीं—Those who have looked at you are many, those who have continuously listened to you are far distant

[illegible]

१६६ थु एमे एद् माल् इयान् छु वायिथुगाइ । ग्यायिरा थु आमिन् इयान् छु उलु ग्यायिरालान् ओगगुमुइ । गेमेन् आमान् आथुवासु । साथुन् वायालंजु मांगुगेद् । एयिन् ओछिद्न् । एग्गेग् बोल्ग्सान् मिनु एने ग्योओर् थु एवेद्छिन् दुर् । एग् एरिवेसु येर् उलु ओल्दाग्‌ु । खोयार् एम् छिनु एन्देसि छिनु खोयार् खेउग्‌नेद् उन् सेले जिर्गेन् खोयार् इ इदेवेसु । एगुरिदे एवेद्छिन् मिनु आरिलुगाद् छिम् लुगा नोगुछेमुइ गेमेन् उग्‌दुद्‌गिजु उनावा । ग्यागान् यागारान् मेड्देन् वोसुन् । खारिया थु ग्योयार् दागाग्सान् गिया नार् इ । खुर्दुन् यानुजु । खायिरा थु खोयार् खेउखेद् उन् खेले । जिगग्वेन् खोयार् इ ग्वात्याराल् ठुगेइ सुर्दुन् आलागाद् । आन्ठु इरेजु इदेगुले गेवेसु । दाएइ थेरे खोयार् खुमुन् दाल्दुराल् ठुगेइ खुट्ग्सेगेर् ओछिजु । थेरे खोयार् खेउखेद् उन् गार् आछा ग्योथोलुगेद् । दालाइ यिन् जासा दुर् आवाछिजु । आलान् जाब्दुग्वुइ दुर् । ग्योगेरुखुइ थेरे एगेछि देगू खोयार् । खोन्दोलेन् गुदुस् वेये वेयेन् देगेरे येन् उनागाद् खालाखालाल्छाजु । खोङ्गेरेस्थेले गासालाखु दागुन् गार्गुइ दुर् । गेनेद्दे थेरे दालाइ यिन् दोथोराछा । सेलेशि ठुगेइ निगेन् येसे जिगासुन् गार्छु इरेगेद् । गेम् थु थेरे खुमुन् इ गेम्शियेले जान्दुरुन् दोड्गुद्दु एयिन् ठुगुलेर्न् । थालु थेनेग् खोयार् खुमुन् इ एने । थाड्सुग् खोयार् सायिखान् खेउग्वेद् इ । था खोयार् गेम्

भृत्या, धन सम्पत्ति तो रहने दो, मैं अपने प्रिय प्राणो को भी विना कंजूसी के (उलु खायिरालान्) दे दूगा। जब यह शपथ (आमान्) ली तो रानी ने प्रसन्न हो कर नमस्कार किया और कहा—मुझको सताने वाले इस दुष्ट रोग के लिये यदि औषध ढूढोगे तो न मिलेगी। तुम्हारे यहा दो औषध हैं—तुम्हारे इन दोनो बच्चो के जिह्वा और हृदय। यदि इन दोनो को खा लू तो सदा के लिए (एगुरिदे) मेरा रोग दूर हो जाएगा (आरिठुगाद्) और तुम्हारे साथ रहूगी (नोखुछेमुइ)। यह कह कर मूर्छित हो कर (उवुद्गिजु) गिर पडी। राजा झटपट शीघ्रता मे (यागारान् मेड्देन्) उठा और अपने निजी (खारिया थु) दो अनुचर भृत्यो (गिया नार्) को कहा—शीघ्र (खुर्दुन्) जा कर प्रिय (खायिरा थु) दोनो बच्चो के जिह्वा और हृदयो को, घबराए बिना (खाल्थाराल् ठुगेइ), झटपट मार कर ले आओ और खिला दो। तुरन्त (दाएइ) वे दोनो जन घबराए बिना (दाल्दुराल् ठुगेइ) पहुच गए और उन दोनो बच्चो को हाथ से खीच कर (ग्योथोठुगेद्) समुद्र के तट पर (जाखा दुर्) ले गये। मारना तुरन्त हो जाएगा (जाब्दुग्पुइ दुर्), इसलिये बेचारे (खोगेरुखुइ) बहिन और भाई दोनो तिरछे (ग्वोन्दोलेन्) सीधे (गुदुम्) एक दूसरे के शरीर पर गिर कर, एक दूसरे की ओट मे हो कर (खालाखालाल्छाजु), गूजने तक (खोङ्गेरेस्थेले) विलाप ध्वनि करने लगे। इस पर एकाएक (गेनेछे) उस समुद्र के अन्दर से एक बडी अवर्णनीय (सेलेशि ठुगेइ) मछली निकल आई और अपराधी (गेम् थु) पुरुषो को पश्चात्ताप करने तक (गेम्शियेले) डाट कर (जान्दुरुन्) फटकार कर (दोड्गुद्दु) बोली— तुम दुष्ट* मूर्ख (थेनेग्) जन यदि इन दो प्यारे सुकुमार बच्चों को हानि (गेम्)

* "थालु के स्थान में "था मागु" पाठ स्पष्ट है। था=तुम, मागु=दुष्ट।

१६७ थाल्बिबासु । थासुराल् ठुगेइ थान् उ ठुरे यिन् ठुरे यि थासुलुमुइ बि । थासुलुग्छि थेरे शिम्नु दागान् एगुन् इ ओग् खेमेन् । जिगासुन् उ खेले जिरुखेन् खोयार् इ ओग्गुगेद् खारिगुल्वा । थेदुइ थेरे खोयार् खुमुन् खारिजु इरेगेद् । थेरे खोयार् खेठुखेद् ठुन् खेले जिरुखेन् एने खेमेन् ओग्बेसु थेरे शिम्नु खाधुन् आब्छु इदेगेद् । एबेद्छिन् मिनु एदेगेबे खेमेन् । थेडछेशि ठुगेइ सायिखान् छिराइ वान् गार्गान् सागुवा । खागान् माशि बायास्छु । खामुग् ओल्गान् खुरासाद् इयान् छुग्लागुल्जु । खारिम् एड ठुगेइ येखे बायार् बोल्जु जिर्गान् सागुवा । खोयिना निगेन् छाग् थुर् खोओर् थु शिम्नु गादाना गारगाद् । खोयार् खेठुखेद् निगुजु याबुखु यि ठुजेगेद् । बासा खास्खिरान् उरिदा खोयार् खेठुखेद् ठुन् खेले जिरुखे इदेग्सेन् बुलुगे । एदुगे एने खोयार् आजिग् थाइ रोठुखेद् खेन् इ बुइ । उरिदा खेठुखेद् एछे ठुलेग्सेन् बोल्वाउ खेमेन् आसागुवासु । उर्गिग् थु दागाग्सान् मागु एमे ठुगुलेरुन् । उरिदाखि खेठुखेद् एछे ठुलेग्सेन् बुसु । ठुनेगेर् छिम् दुर् खागुराजु जिगामुन् उ खेले जिरुखेन् ओग्गुसेन् बुइ खेमेबेसु । उरिदाखि आछा एबेद्छिन् मिनु नेड खुन्दुद्बे खेमेगेद् । ओखिरान् बार्खिरान् गासुलान् खेब्थेखुइ दुर् । खागान् माशि येखे जोवानिन् एग्गेनिजु । आय् आ आमाराग् खाधुन् मिनु छि यागाखिबेइ खेमेन् आसागुवासु । खाधुन् ओछिरुन् ओरुशियेल् थु एजेन् मिनु आयिलादुन् सोयोर्खा । ठुनेगेर् छिनु खोयार् खेठुखेद् ठुन् खेले जिरुखेन्

पहुंचाओगे तो (थाल्बिबासु) अविच्छिन्न (थासुराल् ठुगेइ) तुम्हारी सन्तान की सन्तान को (ठुरे यिन् ठुरे यि) मैं मार दूगी (थासुलुमुइ)। विनाशकारिणी (थासुलुग्छि) अपनी डायन को यह दे देना (एगुन् इ ओग्)। यह कह कर मछली के जिह्वा और हृदय दे कर दोनो को लौटा दिया। वे दोनो जन लौट आए। ये दोनो बच्चो के जिह्वा और हृदय हैं—यह कह कर जब दिये तो डायन रानी ने ले कर खा लिये और बोली—मेरा रोग ठीक हो गया (एदेगेबे) और अतुल्य (थेडछेशि ठुगेइ) सुन्दर मुख प्रगट कर बैठ गई (गार्गान् सागुवा)। राजा बहुत प्रसन्न हुआ और अपनी सभा को इकट्ठा किया। वे असीम (एड ठुगेइ) महोत्सव (येखे बायार्) मना कर (बोल्जु) सुखी रहने लगे (जिर्गान् सागुवा)।

पीछे एक समय दुष्ट डायन बाहर निकली और दोनो बच्चो को छिप कर जाते हुए देख कर चिल्लाई (खास्खिरान्) और पूछा—पहले दो बच्चो के जिह्वा और हृदय खाए थे, अब ये दो वर्तमान (आजिग् थाइ) बच्चे किसके है। पहले बच्चों से शेष (ठुलेग्सेन्) हैं क्या। यह पूछने पर अपशकुन वाली (उर्गिग् थु) अनुचरी दुष्टा स्त्री बोली—ये पहले के बच्चों से शेष बचे हुए नही हैं। सचमुच सुमर्वा धोखा दे कर (खागुराजु) मछली के जिह्वा और हृदय दिये गए हैं। इस पर रानी बोली—पहले से मेरा रोग अधिक (नेड) भारी हो गया है (खुन्दुद्बे)। रोती (ओखिरान्), चिल्लाती (बार्खिरान्), विलाप करती (गासुलान्) लेट गई। राजा अत्यधिक दुःखी हुआ (जोवानिन्) और व्याकुल हो कर (एग्गेनिजु) बोला—हे मेरी प्रिय रानी, तुमने क्या कर लिया (यागाखिबेइ)। यह पूछने पर रानी बोली—मेरे कृपालु (ओरुशियेल् थु) स्वामी, सुनने की कृपा करो। वास्तव में तुम्हारे दो बच्चो के जिह्वा और हृदयों

[illegible]

१६८ बुमु । उखुग्सेन् जिगासुन् उ खेन्ले जिरुखेन् इ खागुरान् ओग्गुग्सेन् इयेर् । उखुखुइ दुर् ओयिरायुबाइ एजेन् मिनु आयिलाद् खेमेन् उखिलाखुइ दुर् । खागान् माशि येसे खिलिड्लेजु । थेरे खोयार् मागु सुमुन् इ सुर्दुन् आब्छु इरे खेमेन् आब्छिरागाद् जा आ था मागु खोयार् । मिनु आमिन् जिरुसेन् मेथु आदालि खायुन् उ एबेद्छिन् दु थुसालाखु एम् इ उलु ओग्गुगेद् । खारिन् उखुग्सेन् जिगासुन् उ खेले जिरुखेन् ओग्गुग्सेन् थान् उ यागुन् बुइ खेमेन् जाड्दुरान् उगुलेबेसु । उछुसेन् थेरे खोयार् खुमुन् आलामु खेमेन् आयुजु । उछिर् शिल्यागान् इ बुरिन् थेगुस् इयेर् खेलेबेसु । खागान् जालिग् बोलोरुन् । एदुगे थेरे खोयार् खेउखेद् इ यागारान् आबाछिजु । दालाइ यिन् जाखा आछा थुस्गार् गाजार् आ ग्वोदेगे दु आलागाद् । खेन्ले जिरुखेन् खोयार् इ आब्छु इरे खेमेगेद् । थेरे खोयार् खुमुन् उ देगेरे । वासा खोयार् सुमुन् इ नेमेजु । दोर्बेन् खुमुन् बोल्गाजु इल्लेगेबेइ । थेदुइ थेरे दोर्बेन् खुमुन् । दालाइ आछा जायिलाजु । येखे आगुला यिन् इरुगार् थुर् थेरे खोयार् खेउखेद् इ आलान् जाब्दुखुइ दुर् । खोयार् खेउखेद् इनु । बेये बेयेन् देगेरे बेन् उनागाद् । नामायि आला खेमेन् उसिलाखुइ दुर् । खादा यिन् जाब्सार् आछा निगेन् खुरिड्ड एरियेन् आयुग्वु मेथु आब्रुगुं मोगाइ गारुगाद् । एयिन् उगुलेरुन् । आय् आ खिलिन्छे थु मागु दोर्बेन्

से भिन्न मरी हुई मछली के जिह्वा और हृदय घोसा करके (खागुरान्) मुझको दिये गये थे। इससे मृत्यु के समीप हो गई हूं (उखुखुइ दुर् ओयिरायुबाइ)। मेरे स्वामी सुनो (आयिलाद्)—यह कह कर रोने लगी (उखिलाखुइ दुर्)। इस पर राजा को बहुत अधिक क्रोध आया। उसने कहा—उन दोनों दुष्ट जनों को शीघ्र पकड़ कर लाओ। जब वे लाए गये (आब्छिरागाद्) तो राजा ने कहा—हा (जा आ) तुम दुष्ट दोनों, मेरी प्राणहृदय समान रानी के रोग में तुमने हितकर (थुसालाखु) औषध न दे कर उल्टे मरी मछली की जिह्वा और हृदय दिये। तुमको क्या हुआ। इस प्रकार डांट कर (जाड्दुरान्) जब कहा तो (उगुलेबेसु) वे दोनों छोटे जन, मार देगा, इति (खेमेन्) डर कर (आयुजु) बात चीत पूर्ण रूप में सुना दी। राजा ने आदेश दिया—अब इन दोनों बच्चों को शीघ्रता से ले जा कर समुद्र तट से किसी ओर (थुस्गार्) प्रदेश में सूखे स्थान (ग्वोदेगे) पर मारो और जिह्वा तथा हृदय दोनों को ले आओ। उन दोनों जनों के ऊपर फिर दो जनों को लगा कर (नेमेजु), चार जन बना कर (बोल्गाजु), भेज दिया। तब (थेदुइ) वे चारों जन समुद्र से हट कर (जायिलाजु) बड़े पर्वत के मूल में (इरुगार् थुर्) दोनों बच्चों को मारने ही जाते थे (आलान् जाब्दुखुइ दुर्) कि दोनों बच्चे एक दूसरे के शरीर पर गिर पड़े और कहने लगे—मुझको मारो, मुझको मारो। और रोने लगे (उखिलाखुइ दुर्)। शिला (खादा) के बीच (जाब्सार्) से एक भूरा (खुरिड्ड), चिकना (एरियेन्), भयानक (आयुग्वु मेथु) महान् सर्प निकला और बोला—अरे पापी (खिलिन्छे थु) दुष्ट चारों

१६६ सुमुन् था। खिलिन्छे थान् उ देलोरेगेद्। आयुशि थामु दुर् उनामुइ। बि मेन्बेरेगेद् थान् उ उग् उन्दुसुन् इ थासुलुमुइ। एने छु खोयार् सेउम्बेद् इयेर् एन्दे उलु सागुन् देमेइ ओछिग्युन्
एनेल् थु थेरे खोओर् थु गिम्नु दागान्। एने सेले जिहुबेन् खोयार् इ ओग् सेमेगेद्। नोखाइ यिन् बेले जिहुसेन् खोयार् इ ओग्बे। थेरे बेले जिहुसेन् इ थेगुन् दुर् ओग्छु इदेगुलुग्सेन् दुर्। थेगुन् उ एबेद्छिन् एदेगेबे खेमेन् आमुजिन् सागुवा। थेदुइ बोयार् बेउसेद् जाम् दुर् ओरोजु देमेइ यानुथाला। देगू इनु उम्दागामाग्मान् दुर्। उमुन् एरिजु थोड एमे ओल्दावाइ। देमेइ वामा एरिन् यावुवासु देगू इनु छाडगाजु उनावा। एगेछि इनु यागारान् मेग्देन् यावुजु उमुन् ओल्दागसान् उगेइ मोरिन् उ निगेन् गिने वागाग्सान् वागामुन् इ ओलुगाद्। एगेछि इनु आमा बार् इयान् शिमेजु शिगुसुन् इनु खोयार् आलागा बान् दुगुर्गेगेद् देगू देगेन् ओग्गुये खेमेन् आवुन् ओदुवासु देगू उनाग्सान् गाजार् थागान् उगेइ। सेगुंगेद् देमेइ यावुजुग्वुइ। एगेछि आनु मोर् इयेर् खोयिनाछा इनु एरिग्सेगेर् ओद्वासु। ओल्दाग्सान् उगेइ। थेरे देगू इनु देमेइ थोगेरिग्सेगेर् यावुजु निगेन् उलुस् उन् जाग्रा दुर् खुर्बेइ। थेरे गाजार् आ जाखा यिन् गेर् थुर् ओरोबासु। थेग्शि सेद्खिल् थेइ निगेन् एवुगेन् सागुन् आमुइ। एवुगेन् थेरे खेउसेन् इ। उजेगेद्। एनेरेन् बोमुन् खुन्दुलेन् सागुल्गागाद्

जब तुम, तुम्हारा पाप (खिलिन्छे) बढ गया है (देलोरेगेद्)। तुम आयुष नरक म (आयुशि थामु दुर्) गिरोगे। मैं उल्ट कर (सेलबेरेगेद्) तुम्हारे सन्तान-मूल (उग् उन्दुमुन्) को काट दूगा (थासुलुमुइ)। दोनो बच्चो, यहा मत ठहरो, इधर उधर (देमेइ) चले जाओ (ओछिग्युन्)। आधिग्रस्त (एनेल् थु) दुष्ट अपनी डायन को ये जिह्वा और हृदय दे दो। यह कह कर कुत्ते ने जिह्वा और हृदय दे दिये। उन्होने वे जिह्वा और हृदय डायन को दे दिये और उसने खा लिये। मेरा रोग ठीक हो गया—यह कह कर वह सुखी (आमुजिन्) रहती रही (सागुवा)।

तब दोनो बच्चे सडक पर चल कर इधर उधर जा रहे थे कि भाई (देगू) को प्यास लगी (उम्दा-गासाग्सान् दुर्)। पानी ढूढने पर भी सर्वथा नही (थोड एसे) मिला (ओल्दावाइ)। इधर उधर फिर ढूढने जा रहे थे कि भाई प्यास के मारे (छाडगाजु) गिर पडा। बहिन (एगेछि) शीघ्रता से घबरा कर (मेग्देन्*) चली किन्तु पानी न मिला। घोडे की नई गिरी हुई (वागाग्सान्) लीद (वागासुन्) मिली। बहिन ने अपने मुह से (आमा बार्) चूम कर (शिमेजु) इसके रस को (शिगुसुन् इ) दोना हथेलियो मे (आलागा) भर लिया (दुगुर्गेगेद्)। अपने भाई को दूगी यह सोच कर चली तो भाई अपने गिरे हुए स्थान पर न था। वह सचेत हो कर (सेगुंगेद्) इधर उधर चला गया था। बहिन मार्ग में पीछे से ढूढती हुई (एरिग्सेगेर्) चली तो (ओद्वासु) मिला नही। भाई इधर उधर घूमता (थोगेरिग्सेगेर्) चलता हुआ एक देश की सीमा पर पहुचा (खुर्बेइ)। उसने उस देश की सीमा के एक घर मे प्रवेश किया तो सम चित्त वाला (थेग्शि सेद्खिल् थेइ) एक बूढा बैठा हुआ था। बूढे ने बच्चे को देखा और दया कर (एनेरेन्) उठ कर, सम्मान कर (खुन्दुलेन्) बिठाया (सागुल्गागाद्)।

*मे

[illegible]

[illegible]

१०० एरिग्सेन् उम्दा खोगुला खानुथाला ओग्नेइ । थेंदुइ थेरे गाजार् उन् खागान् आनु नोंग्छिगेद् । थेगुन् उ सिरिगेन् देगेरे सागुलु खोवेगुन् उगेइ यिन् थुला । थेदेगेर् वुगुदे छुग्लाजु । आगुइ मेखे गुन् उखागान् थु जागान् उ खावार् थुर् राशियान् दुगुर्गेग्सेन् आल्थान् खोम्खा यि उयागाद् आलिवा मेर्गेन् उखागान् येगुसुग्सेन् सायिन् इजागुर् थु खुमुन् दुर् । आल्थान् खोम्खा थाल्विग्सान् थेरे खुमुन् इयेर् खागान् थाल्विया सेमेन् खेलेल्छेन् थोःयावा । थेदुइ थेरे एवुगेन् एयिन् सेद्खिफ्न् खोवेगुन् थेइ खुमुन् । खोवेगुन् इयेन् आव्छु ओद्मुइ । वि एने खोवेगुन् इ आब्छु ओद्सुगाइ । खेमेगेद् । थेरे खोवेगुन् इ थेदेगेर् खुराग्साद् उन् थेन्दे आव्छु ओदुगाद् । वासा सेद्खिफ्न् । एने खुराग्साद् । मिनु खोवेगुन् वुमु यि मेदेगेद् । खारिन् नादा गेम् थेइ वोल्खु गेजु । निगेन् खोन्देइ खोङ्गिल् मोदुन् उ दोयोरा निगुजु सागुल्गावा । ओलान् खुराग्साद् छुग्लाग्मान् उ खोयिना । जागान् उ खावार् थुर् राशियान् खिग्सेन् आल्थान् खोम्खा यि उयागाद् थाल्विवा । खुविल्गान् उखागान् थु । थेरे जागान् इयेर् । खुरान् छुग्लाग्सान् थेरे उलुस् इ गुर्वन् उये एर्गेजु थोगुरिन् यावुगाद् । खोङ्गिल् मोदुन् उ देगेरे खोम्खान् इ थाल्विगाद् इरेवे । खामुग्

अन्विष्ट (एरिग्सेन्) पानी (उम्दा) और भोजन (खोगुला) को यावत्तृप्ति (खानुथाला) दिया। उसी समय उस देश का राजा मर गया (नोंग्छिगेद्) । उसके सिंहासन पर बैठने वाला पुत्र न होने के कारण वहां के सब जन इकट्ठे हुए और विशाल अतिगंभीर बुद्धिमान् हाथी की सूड पर (खावार् थुर्) अमृत भरा स्वर्ण कलश बाध दिया (उयागाद्) । जिस किसी (आलिवा) विद्वान् (मेर्गेन्) बुद्धिमान् सम्पूर्ण गुणयुक्त (येगुसुग्सेन्) भद्रकुलीन (सायिन् इजागुर् थु) जन पर [यह हाथी] स्वर्णकलश रख देगा उसी को राजा बनाएगे । यह चर्चा करके निश्चय किया ।

तब उस बूढे ने सोचा—पुत्रवान् पुरुष अपने २ पुत्र को ले जाएगे, मै इस पुत्र को ले जाऊंगा । उस लड़के को उन एकत्रित जनो के (खुराग्साद् उन्) स्थान पर (थेन्दे) ले कर चला गया। फिर सोचा—ये इकट्ठे हुए जान जाएगे कि यह मेरा लडका नही है और उल्टा मुझको दोषी ठहराएंगे । अतः एक खोखले (खोन्देइ खोङ्गिल्) वृक्ष के अन्दर छिपा कर विठा दिया। बहुत जनो के आने और इकट्ठा होने के पश्चात् हाथी की सूड पर अमृत डाला हुआ स्वर्णकलश बाध छोड़ा । अवतार (खुविल्गान्) बुद्धिमान् हाथी ने सब इकट्ठे संगृहीत जनो की तीन बार घूम फिर कर परिक्रमा की (एर्गेजु थोगुरिन् यावुगाद्) और खोखले वृक्ष के ऊपर कलश को छोड़ आया (थाल्विगाद् इरेवे) । सब

२०१ सुराग्मांन् ओलान् उदुस् थेदेगेर् छोग् गागिगा छान् । एने जागान् मानु ओयोल्वेउ । एयिमु ओनान् उलुस् वायिन् आयाता । एरिजु ओदुगाद् । मोदुन् देगेरे थाल्विरिद्ध आनु गागुन् बुइ गेमेगेद् वागा दागिन् थाल्विवाइ । मोन् सु थेरे सोद्गिल् मोदुन् उ देगेरे थाल्वियाइ । ओद्गिनेन् एने जागान् मानि इद्विजु एन्देगुरेसु योसुन् उगेइ वुलुगे । एने याम्यार् जिग् वोल्वाइ गेमेन् दागिन् सोम्मान् इ उयाजु थाल्विवासु । उदाल् उगेइ वागा थेरे गोद्गिल् गोदुन् उ देगेरे थाल्विया एउगेन् वोसुगाद् एयिन् उगुलेदन् । एवेउ एवेउ एने उगागान् सु जागान् मानु । एयें एछे इनाग्शि एदुगे सुयेंले । इद्विजु येए उउ एन्देगुरेन् वुलुगे । एने गोद्गिल् मोदुन् दु एयेंन्दि निगेन् उद्धिर् बुइ जा ओद्धिजु उजेबेसु । थेरे मोदुन् उ दोपोरा । थेम्देग्थेइ ए निगेन् मायिग्रान् ग्योबेगुन् । लागिशन् बेलगे थेगुसुग्मेन् । थेगुन् उ सोयार् छिग्गिन् इनु ओम्पु आनुगु थेदेगेर् सुरागसाद् बुगुदेगेर् । थेरे सेउग्वेन् इ शाग्शिरान् गायिग्वाजु । थिद् एछे जायागा वार् मानु एजेन् वोलबु सेउसेन् एने मोन् खेमेल्छेगेद् । थेरे ग्योबेगुन् इ जालाजु ओदुगाद् । सागान् ओरोन् दुर् सागुल्गावा । ग्योयिना । थेरे सागान् ग्योबेगुन् । सोयाला वुगुदे ओलान् सागान् साराछु खाथुन् थेरिगुलेन् । एद् थावार् साद इ एजेलेजु सोयालागार् यायासुन् छेङ्गेन् जिर्गान् सागुवाइ ।

इकट्ठे जन चकित हुए और कहने लगे—यह हमारा हाथी बूढा हो गया क्या (ओयोल्वेउ) । जब इतने अधिक जन यहा विद्यमान हैं तब ढूढते चलते वृक्ष के ऊपर कलश रख दे, सो यह क्या बात बनी । पुनः फिर से (दागिन्) [हाथी पर कलश] रखा [और हाथी ने फिर से] उसी खोखले वृक्ष के ऊपर कलश रख दिया । इतने पर (ओद्गिनेन्) इस हमारे हाथी का इस प्रकार (इद्विजु) भूलने (एन्देगुरेसु) का नियम (योसुन्) नही रहा है । यह कैसा लक्षण है कि दोबारा कलश को बांध कर रखने पर, अविलम्ब (उदाल् उगेइ) फिर उसी खोखले वृक्ष के ऊपर छोड आया है ।

बूढा उठ कर बोला—अहो (एवेउ एवेउ), यह हमारा हाथी बुद्धिमान् है । प्राचीन समय से (एयें एछे) इधर आज तक (इनाग्शि एदुगे सुयेंले) ऐसे (इद्विजु) कभी नही (येए उउ) भूला था (एन्देगुरेन् वुलुगे) । इस खोखले वृक्ष में अवश्य (एयेंन्दि) कोई बात (उद्धिर्) है । जा कर देखा तो उस वृक्ष के अन्दर चिह्न वाला (थेम्देग्थेइ) एक सुन्दर कुमार लक्षणो (लागिशन्) और शकुनों (बेलगे) से युक्त (थेगुसुग्मेन्) [बैठा था] । उसके दोनो कान (छिग्गिन्) पन्ने (ओम्पु) के थे । इकट्ठे हुए सबने जिह्व से तन्-तन् की (शाग्शिरान्) और चकित हुए । आकाश से भाग्य (जायागा) द्वारा (वार्) हमारा स्वामी बनने वाला यह बालक है—यह चर्चा करके बालक को निमंत्रित किया (जालाजु) और ले जा कर राजासन पर बिठा दिया । तत्पश्चात् राजकुमार ने समस्त सम्पूर्ण (सोयाला वुगुदे) नाना राजा प्रजा (साराछु) रानी आदि धन सम्पत्ति निधि को अपने अधीन कर (एजेलेजु) लिया । सब (सोयालागार्) प्रसन्न हो कर क्रीडा करते (छेङ्गेन्) सुख से (जिर्गान्) रहने लगे ।

[illegible]

२०२ थेदुइ थेरे खागान् बायास्खुलाङ थु वोलुन् सागुन् आयाला । खागान् छाराइ ओङगे माशि वागुराजु खारिन् एमेगेग् ओलुग्मान् मेथु,बोलुग्सान् दुर् खाथुन् एखिलेन् खागान् खाराछु बुगुदे खेबिलेन् छुग्लागाद् । खागान् दुर् एयिन् आयिलाद्खादन् । आय् आ ओल्मुइ आ बेर्वे छिन्दामुनि एर्देनि मेथु खागान् ओल्जु । येखे सागुरिन् दुर् सागुलाग्सार् आछा इनाग्शि । ओलान् खान् खाथुद् । खाराछु बुसुन् विदे ओम्योगाइ उगेइ येगे बायास्बुलाङ जिर्गोल् थेगुस्छु । आमुर्जिन् सागुन् आयाला । खेथुर्खेंइ गेगेन् छाराइ ओङगे थानि गेयिग्सेन् नारान् सारान् मेथु बुलुगे । गेनेद्दे वागुरान् दोरोयियागाद् । गेम्दिागुलेङ ओलान् एम्गेग् ओलुग्सान् बोल्वाउ । खायिरा थु खाथुन् खिगेद् । खागान् खाराछु । खागाखाइ आ ओलान् एर्देनि साङ । खालागुन् गेगेन् बेये दु । खारस्छु गोमुदुखु उछिर् वुइ वुइ जा । खायिरालाजु इलेखेंइ ए जाल्गि् बोलुन् सोयोर्खा खेमेन् ओछिवामु । खागान् एयिन् जालिग् बोलोरुन् । एदेगेर् साङ खिगेद् । ओलान् बुगुदे थान् दुर् । एम्गेग् सानाजु गोमुदुग्सान् सेद्खिल् निगेखेन् बेर् उगेइ एने बेयेन् दुर् । एवेद्छिन् थाखुर् जोबालाङ इयेर् छु उगेइ । एने उछिर् इ बि थान् दुर् बुरिन् ए उगुलेये खमेगद् एयिन् जाल्गि् बोलोरुन् । आय् आ आछि थु एछिगे एखे एछे आमाराग् एगेछि देगू खोयागुला

जब वह राजा सुखी रह रहा था तो राजा का मुख (छाराइ) वर्ण (ओङगे) बहुत उतर गया (वागुराजु) और वह रोगी के समान हो गया । इस पर रानी आदि और राजा प्रजा सब इकट्ठे हुए । (खेबिलेन् ?) । उन्होंने अपने राजा से निवेदन किया—हे दुर्लभ (ओल्मुइ आ बेर्वे) चिन्तामणि रत्न के समान राजन् तुमको पा कर महासन (येखे सागुरिन्) पर बिठाने से ले कर इधर तक अनेक राजा रानी, प्रजा, हम सब असीम (ओम्योगाइ उगेइ) महती प्रसन्नता और सुख से युक्त हो कर (थेगुस्छु) सुखी रहे हैं (आमुर्जिन् सागुन आयाला) । [अब तक] अति (खेथुर्खेंइ) भास्वर (गेगेन्) आपका मुख उदित (गेयिग्सेन्) सूर्य चन्द्र के समान था । अचानक (गेनेद्दे) उतर कर (वागुरान्) मुरझा गया है (दोरोयियागाद्) । आप चिन्तित और अनेक रोगों से ग्रस्त हो गये हैं क्या । प्रिय रानी, राजा प्रजा, खण्डित (खागाखाइ) अनेक रत्न निधि, उष्ण (खालागुन्) ज्योतिर्मय (गेगेन्) शरीर पर (बेये दु), पश्चात्ताप करने (खारुस्छु) और दुःखी होने का कारण होगा ही (बुइ बुइ जा) । स्नेह करके (खायिरा-लाजु) स्पष्ट रूप से (इलेखेंइ ए) कहने की कृपा करो । जब ऐसे कहा तो राजा बोले—इन (एदेगेर्) निधियां और बहुत सारे आप लोगों के प्रति मैंने दूषित (एम्गेग्) विचार नहीं किया (सानाजु), दुःखी (गोमुदुग्सान्) मन (सेद्खिल्) एक बार भी (निगेखेन् बेर्) नहीं किया । इस शरीर में रोग, ज्वर (थाखुर्) दुःख (जोबालाङ) कुछ भी नहीं है । इस बात को मै आपको पूर्णरूप से बताऊगा । यह कह कर फिर कहा—हाए, कृपालु (आछि थु) पिता (एछिगे) और माता से स्नेही (आमाराग्) दो बहिन भाई

२०१ थोरोग्मेन् बुटुगे । आयुर् थु दिम्नुम् उन् एर्वे दुर् ओरोजु । आछि थु एछिगे मिनु । आयुर् थु दोर्वेन् खुमुन् इयेर् आलागुलुगाद् । मानु खेले जिश्खेन् खोयार् इ आब्छु इरे खेमेथेले । आवुराग्छि खुरिड् एरियेन् आयुखु मेयु आनुरागु मोगाइ । आमुरु खादा यिन् जाम्सार् आछा गारगाद् । आल्दाग्छि दोर्वेन् खुमुन् एछे आल्दागुलुन् थाल्विगुलुग्सान् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् थेरे ओरोन् आछा जायिलाजु देमेइ यावुगामु । थेदुइ वि उम्दागासागाद् एगेछि मिनु नादुर् उसुन् एरिजु ओंददुग्सागार् थोगेरिल्छेरेइ । विदे । एगेछि देगू खोयार् थेगुन् एछे खोयिशि एगेछि एछेगेन् सालुगाद् । एरिजु ओलुल् उगेइ वि । एने गाजार् थुर् खुछुं इरेवेइ । एर्देनि आन्थान् मोङगुन् वा । एद् थावार् साङ विगेद् । ग्यागान् खाराछु खिजागार् उगेइ ओलान् उगुस् खारिन् खायिरालाग्सान् एदेगेर् । खाथुद् थान् इयेर् बुइ बोल्वाछु । एगेछि युगेन् सानाग्सान् उ थुरा । एने बेये मिनु एम्नोग् एवेद्छिन् खुर्यसेन् एछे नेङ् उलेम्जि । एगुरिदे गासुलुन् शिनालान् सानाजु यावुखु उलाम् आछा एयिमु सानागा योङग्मान् उछिर् एने खेमेन् बुरिन् इयेर् उगुलेग्सेन् दुर् । खाथुन् सिगेद् । खाद् थुगिमेद् बुगुदेगेर् एयिन् ओछिरुन् । गाजार् आ देलेखेइ देगेरेगि एजेन् येग्ने खागान् बोङगाद् । गाग्छा एगेछि यि एरिजु उलु ओल्वु खेमेन् यागुन् उ

जन्मे थे । भयानक दैत्य के वश मे (एर्वे दुर्) आ कर (ओरोजु) मेरे कृपालु पिता ने भयानक चार जनो को आदेश दिया था कि हमको मार कर हमारे जिह्वा और हृदय ले आए । उसी समय रक्षक भूरे (खुरिड्) चितकबरे (एरियेन्) भयानक महासर्प (मोगाइ) ने ऊचे (आमुरु) चट्टान के (खादा यिन्) बीच में से (जाम्सार् आछा) निकल कर हत्यारे चार जनो से छुडा कर (आल्दागुलुन्) हमको बचाया था (थाल्विगुलुग्सान् बुलुगे) । उस समय उस स्थान मे भाग कर (जायिलाजु) इधर उधर फिरते हुए मुझे प्यास लगी । मेरी बहिन मेरे लिये पानी ढूढने चली गई और हम बिछड गये (थोगेरिल्छेबेइ) । तत्पश्चात् बहिन से वियुक्त हो कर (सालुगाद्), ढूढते २ उसको न पा कर, मै इस स्थान मे आ पहुचा ।

रत्न स्वर्ण चादी (मोङगुन्), धन सम्पत्ति निधि, राजा प्रजा और असीम (खिजागार् उगेइ) अनेक देश, स्निग्ध (खायिरालाग्सान्) रानिया—आप सब के होते हुए भी (बुइ बोल्वाछु), अपनी (युगेन्) बहिन की चिन्ता करने के कारण, यह मेरा शरीर रोगग्रस्त होने से कही अधिक, सदा (एगुरिदे) शोक विलाप और स्मरण करता रहता है । यह कहने पर रानी, राजा, मन्त्री सब ने यो कहा—पृथ्वी (देलेखेइ) पर के (देगेरेगि) स्वामी महाराज हो कर अपनी इकलौती (गाग्छा) बहिन को ढूढ नहीं पा सके—सो किस

[illegible]

२०४ थुला । एदुइ येखे छिनेमुइ गेमेल्छेजु गायिसाम्शिग् थु गुर्दुन् जागान् इ उनुगुलुगाद् । गाजार् बुरि एरिगुल्बेमु । खायिरा थु थेरे एगेछि यि यागुन् दु उलु ओलुमुइ गेमेजु । ओलान् एल्छि नेर् थुर् जागान् इ उनुगुलुन् जुग् बुरि यागारान् जारबासु । थेदे गाजार् आ गाजार् आ खुछुं एरिन् सुराजु थोड़ एसे ओल्दाबाइ गेमेन् इरेग्सेन् दुर् । थेदुइ खागान् माशिदा छिलेजु । दाब्बुर् बायिशिड़ उन् देगेरे । सान्दालिन् दुर् सागुजु जुग् बुरि खाराबासु एमुने एछे निगेन् खुमुन् इरेखुइ यि खाराजु । खागान् उ दोथोरा सेजिग् थोरुन् यागारान् बोम्छु । थेरे जुग् थुर् उग्थुबासु । एगेछि इनु मोन् आजुगु । एगेछि देगू खोयागुला बेये बेये बेन् थानिल्छागाद् एग्शिग् थु येम्बे दागुन् गार्गान् थेबेलेंछेगेद् । एड़ उगेइ येम्बे सुरा ओरोग्सान् दुर् आदालि एम्बेनिजु उखिलाल्छाग्सान् निल्बुसुन् थानु एनेद्खेग् उन् गाजार् आ । एदुगे बोल्याला । खोसेल् सानुग्मान् नागुर् थुइ । थेदुइ थेरे एगेछि यि उजेबेसु । एमुसुग्सेन् देबेल् इनु । बेये लुगा थानु नागाल्दुगाद् । उसुन् इनु माल्गा थानु शिर्लादुजु । बोग्सुन् खिगुर्सुन् थानु । दुगुरेन् छुग्लाजुबुइ । एगेछि इनु एयिन् ओछिरुन् । एलिग् उन् गाजार् आछा सालाजु

कारण इतने (एदुइ) अधिक व्याकुल (छिनेमुइ) हो । उन्हों ने यह चर्चा की और कहा—यदि आश्चर्य-जनक शीघ्रगामी (खुर्दुन्) हाथियों पर सवारी करा कर (उनुगुलुगाद्) समस्त पृथ्वी पर ढुढवावें तो यह प्रिय (खायिरा) बहिन क्यों न मिलेगी । यह कह कर बहुत से दूतो को हाथियो पर सवार कर के प्रत्येक दिशा में शीघ्रता से भेजा (जारबासु) । वे देश २ मे पहुंचे, ढूढा, पूछताछ की (सुराजु), किन्तु आ कर कहा—सर्वथा नही (थोड़ एसे) मिली । तब राजा बहुत व्याकुल हुआ । ऊंचे (दाब्बुर्) भवन (बायिशिड़) के ऊपर आसन (सान्दालिन्) पर बैठ कर प्रत्येक दिशा मे देखा तो (खाराबासु) दक्षिण से (एमुने एछे) एक जन आता हुआ दृष्टिगोचर हुआ । राजा के भीतर सन्देह (सेजिग्) उत्पन्न हुआ । शीघ्रता से उठ कर उस दिशा में स्वागत के लिये आगे बढा तो यह उसकी बहिन ही थी । बहिन भाई दोनो ने एक दूसरे के शरीर को पहचान लिया (थानिल्छागाद्) और मधुर (एग्शिग् थु) ऊंचा स्वर निकाल कर आलिङ्गन किया (थेबेलेंछेगेद्) । अपरिमित (एड़ उगेइ) महती वर्षा (सुरा) बरसने (ओरोग्सान्) के समान रोने (एम्बेनिजु) और चिल्लाने (उखिलाल्छाग्सान्) के इनके आसू (निल्बुसुन्) भारत देश मे अब तक (एदुगे बोल्याला) पूर्णकाम (खोसेल् सानुग्सान्) नामक सरोवर (नागुर्) बन गये ।

जब उसने बहिन को देखा तो पहने हुए कपड़े उसके शरीर के साथ चिपक गये थे (नागाल्दुगाद्) । इसके बाल और टोपी (माल्गा) जुड़ गए थे (शिर्लादुजु) । जुएं (बोग्सुन्) और लीखें (खिगुर्सुन्) भर कर इक्ट्ठी हो गई थी । बहिन बोली—यम के लोक से छूट कर (सालाजु)

२०५ गारुगाद् । एगेछि देगु खोयार् विदे थेर्गेगुर् थुर् ओरोगाद् याबुन् आयाला । एर्देनि आमि मेथु छिमायि युगान् छाड्गाजु उनाग्सान् दुर् । एरिजु उसुन् आवुरा ओछिसान् दुर् । एन्देल्छेन् थोगेरेस्सेन् एछे इनाग्शि एदुगे खुर्येले । छिमायि युगान् एरिस्सेगेर् याबुग्सान् मिनु वोलाइ । एने एदुर् गेनेद्दे उछाराजु जोल्गोग्सान् मानु एर्थेन् उ सायिन् बुयान् उ उरे बुइ जा खेमेगेद ओर्दुन् दुर् ओरोजु एमुसुग्सेन् देवेल् खुब्छासुन् इ आनु थायिलुगाद् । एल्देव् एर्देनि बेर् छिमेजु । एङ उगेइ खाथुद् खाद् थुशिमेद् इ जोल्गोगुल्जु । एह्ले आमुगुलाङ बुरिदुन् जिर्गाजु सागुबाइ । थेदुइ थेरे खागान् एयिन् जालिग् वोलोरुन् । एरिजु सानाग्सान् आमाराग् मिनु जोल्गोबाइ एर्थेन् उ इरुगेल् उन् खुछुन् माशि बेर्खे यिन् थुला । एर्देनि मेथु आछि थु एछिगे मिनु । एन्देगुर्छु एमे शिम्नु यिन् उबिदिस् थुर् दारुग्दाजु खेब्थेस्सेगेर् बुलुगे । एदुगे थेगुन् इ नोमुगादखाखुइ छाग् मिनु बोल्बा । बि ओदुमुइ खेमेग्सेन् दुर् । खाद् नोयाद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् एयिन् ओछिरुन् । आल्यान् देलेखेइ देगेरेखि यिन् एजेन् बोलुगाद् । आयुल् थु थेरे शिम्नु यि नोमुगादखारा ओगेदे बोल्खुइ दुर् ।

निकल आए तो बहिन भाई दोनो हम मार्ग (थेर्गेगुर्) में पहुच कर चल ही रहे थे कि रत्नप्राण सम अपने तुम (छिमाइ युगान्) प्यास से (छाड्गाजु) मूर्छित हो गये (उनाग्सान् दुर्)। ढूढ कर पानी लाने के लिये मै चली गई। किन्तु भूल से (एन्देल्छेन्) बिछड गई (थोगेरेस्सेन्)। तब से आज तक अपने तुमको ढूढते २ (एरिस्सेगेर्) चलती रही हूं। आज अचानक (गेनेद्दे) हम लोगो ने देख लिया और मिल गये। सो यह हमारे पूर्व शुभ पुण्य का फल है। यह कह कर महल मे प्रवेश किया। पहने हुए चोले और वस्त्रो को उतारा। नाना रत्नों से भूषित किया। उच्च रानी, राजा, मन्त्रियों के साथ मिलाया (जोल्गोगुल्जु)। सब पूर्ण शान्ति (एह्ले आमुगुलाङ) मे सुखी हो कर (जिर्गाजु) रहने लगे (सागुबाइ)।

तब राजा ने कहा—जिसको ढूढने की चिन्ता थी वह मेरी प्यारी बहिन मिल गई। पूर्व के दैव (इरुगेल्) की शक्ति (खुछुन्) बहुत प्रचण्ड (बेर्खे) होने के कारण रत्न समान और हितैषी मेरा पिता भ्रान्त हो कर (एन्देगुर्छु) डायन स्त्री की माया मे (उबिदिस् थुर्) दबा पड़ा है (दारुग्दाजु खेब्थेसेगेर् बुलुगे)। अब उस डायन को दमन करने का मेरा समय हो गया है। सो मै जाता हूं। इस पर राजा, सामन्त, मन्त्री सब यों बोले—स्वर्णमयी पृथ्वी पर के स्वामी हो कर भयावह उस दैत्य के दमनार्थ (नोमुगादखारा) जाते समय (ओगेदे बोल्खुइ दुर्)

[illegible]

[illegible]

२०६ आलिवा मेर्गेन् वागायुर् सायिन् खुछु थु छेरिग् इ आछि थु एजेन् खेदुइ खेरेग्लेबेसु । आय् आ छिनु खोयिना आछा दागान् ओद्सुगाइ खेमेन् एनेरेन् ओछिवेसु । खागान् जालिग् बोलोरुन् । एने एमे शिम्नु यि दारखुइ दुर् एदेगेर् ओलान् छेरिग् इ खेरेग्लेसु खेरेग् उगेइ । एछिगे यिन् आछि । खारिगुलासु यिन् थुला । एदुगे गाग्छागार् ओद्बासु बोलुमुइ खेमेगेद् थेदुइ मोर्देन् ओगेदे वोल्वाइ । खुरुगेद् साछा बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्गान् थुशिमेल् उन् गेर् थुर् बागुबासु । थेगुस् उखागान् थु खुबिल्गान् थुशिमेल् वोस्छु उग्थुन् जोलगोजु उखिलागाद् एयिन् उगुलेरुन् । आमि जिरुखेन् एछे उलेम्जि । आमाराग् खोयार् आवाइ मिनु । आछि थु एछिगे थानु शिम्नु दुर् दारुदाजु । आर्गा उगेइ बोल्वाइ । आल्थान् एर्देनि उलेम्जि था खोयार् मिनु । आमुगुलाङ मेन्दु बुयु । आछि थु एछिगे छिनु । आलिवा उखागान् बिलिग् इनु थोगेरिगेद् । आर्गा उगेइ शिम्नु यिन् एर्खे दुर् ओरोजु । आल्थान् आमिन् आनु ओनो ए मार्गाथा वोल्जुघुइ । आछि थु सान् खोवेगुन् मिनु खुर्दुन् ओगेदे वोल्जु आल्थान् आमिस् आनु थुसाला । थेरे शिम्नु बोल्वासु । एर्थे यिन् छाग् थुर् दोर्बेन् जुग् थु गोरुगेलेमुइ । उदेशि यिन् छाग् थुर् । खोरिन् खुमुन् इ गुलिजु बेलेदुमुइ । उदेशि खुछुं इरेगेद् । थेरे खोरिन् खुमुन् इ इदेमुइ थेगुन् एछे

जो भी (आलिवा) बुद्धिमान् शूरवीर अच्छे शक्तिशाली सैनिक कृपालु (आछि थु) स्वामी को जितने भी आवश्यक हों (खेदुइ खेरेग्लेबेसु) वे आपके पीछे २ अनुसरण करते चलेंगे । जब सबने शरणा-पूर्वक यह कहा तो राजा बोले—इस डायन को दमन करने के लिये बहुत से सैनिकों की आवश्यकता नहीं । अपने पिता की भलाई को (आछि) चुकाने के लिये (खारिगुलासु) अब अकेला जाऊंगा । यह कह कर सवार हो कर (मोर्देन्) प्रस्थान किया । पहुंचते ही (खुरुगेद् साछा) दक्षिण ज्ञानी अवतार मन्त्री के घर पर उतरा । सम्पूर्ण बुद्धिमान् अवतार मन्त्री उठा, स्वागत किया, मिला और रो कर (उखिलागाद्) यों बोला—प्राण और हृदय से भी अधिक प्रिय (उलेम्जि आमाराग्) तुम दोनों मेरे कुमार और कुमारी (आवाइ), तुम्हारे कृपालु पिता को डायन ने अपने वश में किया हुआ है । कोई उपाय नहीं है । स्वर्ण और रत्नों से अधिक तुम दोनों मेरे प्यारे, कुशल (आमुगुलाङ) मङ्गल (मेन्दु) हो गया । तुम्हारे कृपालु पिता के सब बुद्धि और ज्ञान (बिलिग्) भटक गये (थोगेरिगेद्) । उपायहीन हो कर डायन के वश (एर्खे) में चढ़ गया । उसके स्वर्ण प्राण आज कल के हो गये हैं । कृपालु मेरे राजकुमार, शीघ्र (खुर्दुन्) जाओ (ओगेदे) और उसके स्वर्ण प्राणों को बचाओ (थुसाला) । जहां तक उस डायन की बात है, प्रातः (एर्थे) के समय चार दिशाओं में आखेट करने जाती है (गोरुगेलेमुइ) । सन्ध्या (उदेशि) के समय में बीस मनुष्यों को बाघ कर (गुलिजु) सज्ज करते हैं (बेलेदुमुइ) । सन्ध्या को आ कर वह डायन उन बीस मनुष्यों को खाती है । उसके पश्चात्

२०७ गेर् थुर् ओरोग्राद् । येगे सोरुगुल् आछा गेमेन् आवुगाद् । गागान् उ गेदेसुन् देगेरे थाल्विजु सोरुमुइ । थेयिमु यिन् थुला । एछिगे यिन् छिनु । गेदेसुन् इनु गेर् उन् छिनेगे । थोलुगाइ आनु । योगोन् उ येदुइ । शिल्विन् इनु देरेसुन् मेयु । खोगुलाइ आनु उयासुन् आछा नारिन् एयिमु बोल्जु आमि थाइ आमि उगेइ । खोयार् उन् खोगोरुन्दु खेब्येगे बुलुगे मेमेन् बुरिन् ए उगुलेम्सेन् दुर् । खागान् खोवेगुन् यागारान् गार्खुइ दुर् । थुशिमेल् दाखिन् ओछिरुन् । आवाइ थुर् बायिजा । थेगुन् उ इरेखु छाग् आनु आरायिखान् एदुइ । खेरेग् येइ यागुमा आव्छु ओछि खेमेगेद् । निगेन् येखे ऊथा ओड्गोसुन् ओगवेइ । खागान् खोवेगुन् थेगुन् इ आवुगाद् ओदछु । खागान् एछिगे यिन् दु गुर्छु उजेवेसु । थुशिमेल् उन् उगुलेम्सेन् योसुगार् आजुगु । खागान् खिलाम् खिजु खारागाद् । आवाइ आवाइ छि मिनु आमिथु विलिउ । आछि थु एछिगे युगेन् सानावासु । आरासु यि मिनु छि मेदे । आमि यि मिनु बियेगेइ थासुल् खेमेन् गुयुन् खेब्येवे । थेदुइ थेरे शिम्नु उदेशि यिन् खिरि बोल्खुइ दुर् खुर्छु इरेगेद् । थेरे उयाग्मान् खोरिन् खुमुन् इ छिस् थास् खियाला थासुर् थायान् जाल्गिजु ओखिगाद् । यासुन् इ इनु दोगिजु ओखिवाइ । थेरे दोयोरा गेर् थु ओरोन् । येखे मोगुल् आछा गेखुलेरे । खागान् खोवेगुन् सेलेम् वेन् सुगु थाथान् ।

घर में प्रवेश करती है और कहती है—बड़ी नाली (सोरुगुल) लाओ (आछा) । बड़ी नाली को लेकर (आगुगाद्) राजा के पेट (गेदेसुन्) के ऊपर (देगेरे) रख कर चूसती है (सोरुमुइ) । इसके कारण तुम्हारे पिता का पेट घर के परिमाण (छिनेग) का, सिर (थोलुगाइ) कड़ाहे (योगोन्) के परिमाण (येदुइ) का, जघा (शिल्विन्) तिनके (देरेसुन) के समान, ग्रीवा (खोगुलाइ) धागे (उयासुन्) से भी सूक्ष्म (नारिन्) हो गई है । प्राणवान् (आमि थाइ) तथा प्राणहीन (आमि उगेइ), दोनो के बीच मे (खोगोरुन्दु) तुम्हारे पिता लेटे हैं (खब्येगे बुलुगे) । इस प्रकार पूर्ण रूप से कहने पर राजकुमार शीघ्रता से निकला । मन्त्री ने फिर (दाखिन्) कहा—प्रियवर (आवाइ), क्षणभर (थुर्) ठहरो (बायिजा) । उसके आने का समय अभी नही हुआ (आरायिखान्), आवश्यक सामग्री (यागुमा) ले कर जाओ (आव्छु ओछि) । यह कह कर एक बहुत बड़ा बोरा (ऊथा) ऊन (उड्गसुन्) का दिया । राजकुमार उसको ले कर चला गया । अपने राजा पिता के पास पहुच कर देखा तो मन्त्री के कहे अनुसार ही था । राजा ने तिरछी आख से देखा (खिलाम् खिज खारागाद्) और कहा—हे मेरे प्रिय, क्या तुम जीवित हो (आमिथु विलिउ) । यदि अपने कृपालु पिता की चिन्ता करो तो तुम मेरे चमड़े (आरासु) को सभालो (मेदे) । मेरे प्राणो को मत तोड़ो (बियेगेइ थासुल्)—यह प्रार्थना कर लेटा रहा (गुयन खेब्येवे) । तब वह डायन सन्ध्या का समय (खिरि) होने पर आ पहुची । उन बाधे हुए (उयाग्सान्) बीस मनुष्यो को कटकट (छिस थास्) करते २ (खियाला) टूटने तक (थासुर) खीचा (थाथान) और निगल (जाल्गिजु) छोड़ा (ओगिगाद्) । इनकी हड्डिया को थू थू करके (दोगिजु*) फेंक दिया । फिर उसने घर मे प्रवेश किया और ज्यों ही उसने कहा (गेखुलेरे) "बड़ी नाली दा", राजकुमार ने अपनी तलवार खीच कर (सुगु थायान्)

* सी शॅडन—with a rattle

[illegible]

२०८ योलुग़ाइ यि इनु थामु द्याव्छिवासु । खोगुसुन् छेगेजिन् इनु । खागान् इ जाल्गिन् गेयेले ।
खागान् उ एमुने येन् वेलेदुन् थाल्विग्मान् ऊया थु ओडग़ोसुन् इ जाल्गिगाद् । खागान् इ जाल्गिन्
एमे छिदावाइ । खागान् ग्योबेगुन् । येरे दिम्नु यि । ओलान् इर्गेन् इयेर् 'येखे थुलेयेन् इ
खोरियाल्गाजु थुइमेर्येन् ओखिगाद् । खागान् । एछिगी युगेन् आमिदुरागुलुन् खान् वा ।
साराछुम् इ जिर्गागुल्जु । खाथुद् खेजुखेद् इयेन् आब्छु इरेगेद् । खोयार् खागान् उ उलुस् इ
एजेलेन् थेद्खुजु खोयार् थिव् उुन् येखे उलुस् इ गेयिगुल्जु शाशिन् थोए खोयार् इ येग्शि
बारिन् । ओलान् आमियान् इ नोम् उन् जिर्गाल् इयार् गेयिगुलुग्सेन् येयिमु छागलाशि उगेइ एर्देम् थु
खागान् उ शिरेगे थुलुगे । छि येगुन् दुर् । आदालि येयिमु गायिखाम्शिग् थु खागान् बुगेसु
एने शिरेगेन् दुर् मागु । येयिमु बुसु बोल्वासु एने शिरेगेन् दुर् सागुजु उुलु
बोलुमुइ सेमेन् उगुलेग्सेन् निगेन् मोदुन् खुमुन् उु आर्बान् दोयुगेर् योलुग् ॥

उसके सिर को (धोलुग़ाइ) काट डाला (थामु छाब्छिवासु) । उसकी खोखली छाती (खोगुसुन् छेगेजिन्) राजा को निगलने लगी (जाल्गिन् गेयेले) तो राजा के सामने सज्ज रखे हुए (वेलेदुन् थाल्विग्सान्) थैले वाले (ऊया थु) ऊन को (ओडग़ोसुन्) निगल गई और राजा को न निगल सकी । राजकुमार ने उस डायन के लिये बहुत जनता (इर्गेन्) से बड़ा भारी ईंधन (थुलेयेन्) इकट्ठा करवाया (खोरियाल्गाजु) और उसको आग लगा (थुइमेर्येन्) छोडी (ओखिग़ाद्) । अपने राजा पिता को जीवित किया (आमिदुरागुलुन्) । राजा और प्रजा प्रसन्न हुए । वह अपनी रानी और बच्चों को ले आया और दोनों राजाओं की प्रजा को अधीन कर (एजेलेन्) पाला (थेद्खुजु) । दोनों द्वीपों (थिव्) की महती जनता को प्रकाशित कर (गेयिगुल्जु), धर्म और शासन दोनो को समान रूप से (येग्शि) संभाला । अनेक प्राणियों को धर्म के सुख (जिर्गान्) से प्रकाशित करने वाले ऐसे अचिन्त्य (छाग्लाशि उगेइ) गुणवान् राजा का यह सिंहासन है । तुम उसके समान ऐसे अद्‌भुत राजा हो तो इस सिंहासन पर बैठो । किन्तु यदि ऐसे नही हो तो इस पर बैठना न होगा ।

यह है एक पुतली का कहा हुआ तेरहवा* अध्याय ॥

---

* आर्बान् दोयुगेर् = चौदहवां । सो ठीक नहीं ॥

༄༅། །རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏའི་སྤྱོད་པ་ཤིང་མི་དང་པོ་ནས་བཅུ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་
རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བཛྫི་དང་ཕན་ཚུན་སླ་བར་བྱེད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བཞུགས་སོ།།

།ན་མོ་གུ་རུ་མཉྫུ་གྷོ་ཥཱ་ཡ།

༄༅། དུས་དང་གནས་སྐབས་ཐམས་ཅད་དུ་རྗེས་སུ་བཟུང་དུ་གསོལ། འདིར་ཐོན་སུམ་ཅུ་རྩ་གསུམ་གྱི་གནས་སུ། ལྷའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷའི་བཟོ་བོ་བི་ཤྭ་ཀརྨ་ལ་རིན་ཆེན་སྣ་ཚོགས་ལས་གྲུབ་པའི་གསེར་ཁྲི་ཞིག་བཟོ་ཞིག་ཅེས་བཀའ་སྩལ་བ་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨས་བསྒྲུབ་པའི་སྐབས་སུ། བི་ཤྭ་ཀརྨའི་བཙུན་མོས་ཉིན་རེ་ལ་བཟའ་བཏུང་སྦྱིན་པའི་ཚེ། ཤིང་མི་རེ་བཟོས་ནས་བཟའ་བཏུང་སྦྱིན་པས། བི་ཤྭ་ཀརྨ་གསེར་ཁྲི་ཀང་པ་སོ་གཉིས་ལ་ཤིང་མི་རེ་རེ་ནི་ཁང་པ་ར་རེ་ལ་བཀོད་པས་སོ་གཉིས་སུ་འགྱུར་རོ། །དེ་ནས་ཕྱིས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་གདུང་བརྒྱུད་དུ་གཏོགས་པའི་རྒྱལ་པོ་བྷ་ལ་ནྡྷ་ཛ་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་དབང་བའི་གསེར་ཁྲི་ཁང་པ་སོ་གཉིས་དང་ལྡན་པ་དེ་ནི་ཕྱིས་སུ་དུས་གཅིག་ཏུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་མ་ཧཱ་སམ་སྨ་ཏིའི་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་མ་དྷུ་ལ་ཀྵྨཱི་ཞེས་བྱ་བའི་བུ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་སྐྱེས་པ་གཉིས་ལ་དབང་བོར་བྱེད་པའི་ཁྲི་ནི། སྔོན་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ལ་འོག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་འཁྱེར་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ཞེས་རང་གི་སླབ་མོ་མི་དོག་གར་མ་དང་བཅས་ཏེ་གནང་བ་ནི་འབྱུང་ཁུངས་ཡིན་ནོ། །དེ་ནས་དུས་ཕྱིས་སུ་རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་གྲུ་ཆེན་པོར་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཨཛྫི་བཛྫི་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་རྙེད་ནས་དེ་ལ་བཞུགས་པར་འདོད་ན་ཡང་ཤིང་མི་བཅུ་གསུམ་གྱིས་བཀག་ནས་མི་བཟོད་དོ། དེ་ནས་དུས་ཕྱིས་རིང་བ་ན་འོད་ལས་སྐྱེས་པའི་སྤྲུལ་པ་སྟོབས་ཆེན་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཀི་སི་ན་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་ཆུ་བོ་ཆེན་པོ་ཡ་མུ་ནའི་འགྲམ་དུ་གྲོང་ཁྱེར་ཆེན་པོ་ཀུ་ཀུ་ལ་ཅེས་བྱ་བ་ལ་བསྐལ་པ་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་གྱུར་ནས་བཞུགས་སོ། །དེའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གླང་ཆེན་ཞེས་བྱ་བས་བྱིས་པ་རྣམས་རྩེད་མོ་བྱས་པ་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས་ཁྲིན་བྱས་ནས་ཁྲི་དེ་ལ་བཞུགས་པར་སེམས་ནས་བློན་པོ་རྣམས་རེས་མོས་སུ་ཕྱིན་པར་ཤིང་མི་རྣམས་རེས་མོས་སུ་ཕར་ཚུར་གླེང་བར་བྱེད་པ་འདི་ནི། ༈ བྱང་ཕྱོགས

འགྲོ་བའི་མགོན་པོ་བསྟན་པའི་ཉི་མ་གསལ་བར་བྱེད་པའི་རྗེ་བཙུན་བློ་བཟང་བསྟན་པའི་རྒྱལ་མཚན་དཔལ་བཟང་པོའི་སྐུ་ཚེའི་རིང་ལ་རྒྱ་གར་གྱི་ཕྱོགས་ནས་འོངས་པའི་ ༄པཎྜི་ཏ་ཨ་ཙར་ཟླ་ཏ་ཞེས་བྱ་བས་རྗེ་ཉིད་ཀྱི་སྤྱན་སྔར་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་ནི། རྒྱ་གར་གྱི་སྐད་ལས་སོག་པོའི་སྐད་དུ་བསྒྱུར་ནས་ཕུལ་བ་ཡིན་པར་ ༄རྗེ་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་ཐར་སོག་ཡིག་གིས་བྲིས་པ་ལ་ཡོད་པར་བས་རྒྱེན་བྱས་ནས་བོད་དུ་བསྒྱུར་བ་ནི་མེད་དམ་སྙམ་ནས་ཉིན་མོ་འཕྲུལ་པའི་ཐབས་སུ་སོག་ཡིག་ལས་བོད་ཀྱི་སྐད་དུ་བྲི་བར་བྱེད་པ་ནི་འདི་ལྟར་རོ།།

གླིང་གཞི།

༄༅ སྔོན་གྱི་དུས་གཅིག་ན་རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་དུ་ཨཛྫེ་བུཛྫེ་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་དོ།། རྒྱལ་པོ་དེས་བཀུག་པའི་གྲོང་ཁྱེར་གྱི་ལྷོ་ཕྱོགས་སུ་སྒྲོ་བོ་ཚག་ཞེས་བྱ་བའི་རི་ཆུང་ཞིག་ཡོད་དེ། གྲོང་ཁྱེར་དེའི་ཁྱེའུ་ཆུང་རྣམས་མ་ཏེ་སྟོང་མར་བྱས་པའི་ཚེ། བྱིས་པ་ཅིག་ན་རེ། བདག་ཅག་ལས་གཅིག་ནི་རྒྱལ་པོར་བརྫད་ནས་ཚེད་པོ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། གཅིག་ན་རེ། དེ་ལྟར་ཚེད་མོ་བྱེད་མི་ཆུང་རྒྱལ་ངོས་མཚར་ནགྱིན་དུ་གཙར་པོ་ཡིན་ཟེར་བར། ཡང་གཅིག་ན་རེ། འོད་ཅག་གིས་ཉིན་མོ་གཅིག་ལ་རྒྱལ་བར་འགྱུར་ནས་ཚེད་མོ་བྱེད་པ་ལ་ཉེས་པ་ཅི་འགྱུར། ང་ཅག་དག་ཏུ་རྒྱལ་པོར་བརྫད་ནས་ཡུལ་ཁམས་པ་དབང་བར་བྱེད་སྐད་པ་ནི་མ་ཡིན་པས་ཅི་ཡིས་སྡུག་གོ་ཟེར་བ་ལ། གཅིག་ནི་བདེན་ཟེར་བས། ཡང་ཅིག་ན་རེ། དེ་ནི་བདེན་ནོ་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ནས་བརྫད་པ་ལ་ལུས་བརྫད་ཟེར་བ་ལ། ཡང་གཅིག་ན་རེ། ངེད་ཅག་ས་ཐག་རིང་པོ་ནས་རྒྱུགས་ནས་གང་སྔོན་དུ་གཏང་བ་དེས་རྒྱལ་པོར་བརྫད་དོ་ཞེས་གྲོས་བྱེད་དུས་བྱིས་པ་ཞིག་སྐྱེབས་ནས་བློ་བོ་ཚག་ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོར་འདུག་པ་ལ། བྱིས་པ་རྣམས་བྱིས་པ་གཅིག་གིས་ཆོ་དང་བློ་རྒྱབ་ས་བོགས་ཀུན་འདར་བྱེད་པ་བར་ཀྱི་དུ་ཐུས་དེ་རྒྱལ་པོ་ཡིན་ཟེར་བའི་ཁྲི་ཙེ་དེ་ལ་ཁྲི་ཕྱི་ག་དོ་བར་ལུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་བློས་དཔོན་བདེན་དང་བློ་བཏང་། བཙུན་པར་སྒྲུབ་དཔོན་ཅན་ནི་ཤེས་ཤིང་མངོན་བསྐུར་དགོད་པར་བྱེད་པས། ཁྱེ་བཀའ་ཞུས་དཔོན་གྱིས་གཅིག་ལ་ཁ་གོ་ཁྲིམས་ལ་བཅར་བྱེད་ཕྱིར་དོར་བཙོན་དུ་ཆུ་བར་བྱེད་པ་ཡོད་དོ།།

༄༅། ཐོན་དུས་སུ་ཡུལ་ཕྱོགས་དེར་ཕྱུགས་པོ་གཅིག་ཀླུ་ཡིན་ཞེས་བྱ་བའི་མིང་ཅན་མིས། གཞན་སྐྱིད་ཉེ་བའི་ལྷར་ཡོག་མིང་ཅན་གཅིག་ལ། རང་གི་ཁྱིམ་དུ་བོས་ནས་བཟའ་བཏུང་སྟེར་བའི་ཚེ། རང་ལ་ཡོད་པའི་ཚེ་དངུལ་སྲང་བཅུ་སྦྲོམ་བར་བཅུག་ཡོང་མེད་པར། གཞན་ནས་མགྲོན་པོ་ཞིག་སླེབ་བྱུང་བ་ལ། གོང་དུ་བོས་བའི་མགྲོན་པོ་དེ་སྟན་འོག་ཏུ་བཞག་ནས། ཕྱིས་འོང་བའི་མགྲོན་པོ་ལ་བསུ་བ་བྱུང་བ་ལ། དེ་ལྷར་ཡོག་བརྡད་འདུག་པར་བྱེད་པའི་སྟན་ལག་པས་སྦུལ་བས་དངུལ་ཡོད་པར་ཤེས་ནས། ཁྱིམ་བདག་ཀླུ་ཡིན་ཕྱིར་འཁོར་བའི་སྐབས་སུ་བརྐུ་ནས་ཡིན། ཀླུ་ཡིན་རེས་མགྲོན་པོ་ཐོན་པའི་རྗེས་སུ། དངུལ་བཙལ་བས་མི་རྙེད་པར་མི་གཞན་མེད་པས། ངེས་པར་ལྷར་ཡོག་ཡིན་བསམས་ནས། ལྷར་ཡོག་ཁྱོད་ཀྱི་གདན་འོག་ཏུ་བཅུག་པའི་དངུལ་རྐུ་ནས་ཁྲང་ངོ་ཟེར་ནས། ཡང་ཡང་སྐྱོགས་པས་ལྷར་ཡོག་ངོ་ཚ་ནས་མ་བྱིན་པར། ཀླུ་ཡིན་རེས་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བྲཛྙ་ལ་ཞུས་པར་འཛོངས་པས། ལྷར་ཡོག་ཉིད་མགྲོན་དུ་བོས་བའི་རྒྱུ་མཚན་དང་དངུལ་སྟོར་བའི་རྒྱུ་མཚན་གྲངས་ནས་ཞུད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་རེས་སྨྲས་པ། ཁྱོད་དངུལ་མི་འདི་ལ་བཙང་བ་མེད་ལ། དངུལ་བཞག་པ་ལ་མི་འདིས་མཐོང་བ་མེད་པའི་ཕྱིར། མི་འོས་པའི་འོལ་ཚོད་ཅམ་གྱིས་མི་འདིས་ཁྲངས་སྐམ་པ་ནི་མི་རིགས་དངུལ་དངོས་སུ་མ་མཐོང་བས་ཤིན་ཏུ་མི་རིགས་ཞེས་བཀའ་བཀྲོན་མང་པོ་མཛད་དོ།། དེ་ནས་ཀ་ཡིན་རེས་ཤིན་ཏུ་མི་དགའ་བར་བྱས་ནས་ཕྱིར་ཁྱིམ་དུ་སླེབ་ཙ་ན། ཁྱེའུ་རྣམས་རྩེད་མོ་བྱས་པའི་ཁྲ་བོ་ཚག་ལ་སླེབ་བྱུང་བར། དེ་ཉིན་ལ་རྒྱལ་པོ་བྱས་པའི་ཁྱེའུ་ཕོས་ནས། ཁྱེའུ་གཞན་ཞིག་གཅོལ་ནས་མི་དེ་ཚུར་སླེབ་འོང་བ་ལ། རྒྱུ་མཚན་དྲིས་པ་ལ། མི་དེས་སྔར་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ་དང་རྒྱལ་པོས་གཅོད་པ་སོགས་ཞིབ་པར་སྨྲས་པས། རྒྱལ་ཆུང་དེས་རྒྱུས་ཤེས་ནས་བོས་ཏེ་ཀླུ་ཡིན་དང་ལྷར་ཡོག་གཉིས་ཀྱི་ལག་མཐིལ་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་ཏེ། གང་གང་བདེན་ན་ཡི་གེ་འདི་རླུང་གིས་ངང་གི་གསལ་བ་ཡོད། ཁྱེད་ཡང་ཡང་བདེན་བདེན་བྱས་ནས་འདུག་ཟེར་བཅོལ་ཏེ་འདོམ་གང་བརྒྱུད་ཕར་ས་ན་འདུག་སྟེ། ལྷར་ཡོག་གི་ཆུང་མ་བོས་ནས་དྲིས་པ་ལ། ཁྱོད་ཀྱི་ཁྱོ་ནི་དངུལ་སྲང་བཅུ་ཁྱེར་ནས་ཁྱེད་ལ་བྱིན་ཏེ་གྲོས་དུ་ཚུད་ཟེར། བདེན་ནམ་ཞེས་དྲིས་ན། མོས་བརྫུན་ཟེར་བ་ལ། དེ་ལྟ་ནའང་ཁྲོ་ལས་བདེན་ནམ་བརྫུན་ནམ་ཞེས་འབོད་ནས་དྲིས་ཟེར་བར། མོས་དེ་འདྲ་སྨྲ་མདོག་པར་པོ་ནི་བདེན་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། མོ་ནི་ཁྱོད་བདེན་ཞེས་ཟེར་ན་ངང་ལ་སྐྱོན་མེད་ཟེར་

ནས། འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། བདག་གི་ཁྱོ་ནི་རི་བྲགས་བྲ་ཀུ་ལན་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་བོས་ནས་བརྡུན་པ་བྱེད་པར། རེའི་ཁྱིམ་ནས་དབྱུལ་སྒྲང་བཙ་བདག་གི་ཁྱོ་སླངས་འོངས་དེ། ངལ་བྱེད་པར་བདག་སྐྲོས་ཧང་དུར་བཅུག་ནི་བདེར་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་དེས་དབྱུལ་ལེན་དུ་འོངས་དེ་ལེགས་པར་བལྟས་ནས་སྨྲས་དེ། ཀུ་ལེན་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་དབྱུལ་ཅེས་བཅིངས་དེ་བཞག །ཆེ་ཆུང་ཐེ་ལྟར་ཡོད་དྲིས་པ་ལ། ཀུ་ལེན་གང་གང་གསལ་བར་སྨྲས་པ་ལ་ཡིན་པར་ངེས་ནས། རྒྱལ་ཆུང་དེས་རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བཛྫི་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཨེས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཁྱེད་ཁྲིམས་གཉིས་ལེགས་པར་བརྩང་བའི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་བ་ལ། བཤགས་པ་འདི་ཡངས་པར་བདང་བ་ནི་ཅི་ཡོད། ང་ནི་གཅོད་པ་འབྱེད་ནས་ལེགས་པར་ཐོབ་པ་འདི་ནི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཁྲལ་དང་དགོས་པ་ཀུན། ང་ཡི་གཅོད་པ་ལྟར་བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་སྐྱོང་ནུས་རྒྱལ་པོར་འདུག །དེ་ལྟར་མི་ནུས་ན་ཁྲི་ཡང་ང་ལ་བྱིན་ཅིག །རྒྱལ་པོ་འདི་ཚབ་ཏུ་བདག་སྡོད་ཟེར་ནས། མི་དེ་རྣམས་དབྱུལ་དང་བཅས་པ་བསྐྱིལ་དེ་གཏོང་བས། རྒྱལ་པོ་འདི་སྒྲ་དྲངས་ཀུན་གྱིས་ཡ་མཚན་ནས་དབྱུལ་དེ་བདག་པོ་ལ་གཏད་དོ། སྔར་ལོག་དེ་ལ་བཀའ་བཀྲིན་ཆེན་པོ་མཛད་དོ༎

ཀྱཻ ཡང་བྱི་དུས་གཅིག་ན་ཡུལ་དེ་ཉིད་དུ། རྫ་ནའི་མིང་ཅན་ཅེས་བྱ་བའི་མི་གཅིག །བྱིའི་རྒྱ་མཚོར་རིན་པོ་ཆེ་ལེན་དུ་ཕྱིན་པའི། མི་གཅིག་ཁྱིམ་ལ་སྤུར་སླེབ་པའི་ནི་གཞུའི་མིང་ཅན་གྱིས་ལོག་པའི་ཚེ། རྫ་ནས་རང་གི་ཁྱིབ་ཏུ་དབྱུལ་སྒྲང་ལྔ་བརྒྱའི་རིན་ཅན་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་བྱིན་པ་ལ། ནི་གཞུས་རྫ་ནའི་བྲ་སྐད་ལ་མ་བྱིན་པར་ཉོས་ནས་ཟོས། རྫས་སྲུ་རྫ་ནས་རྒྱ་མཚོ་ལས་ནོར་བུ་ལེན་ནས་ཕྱིར་འཁོར་བར་བྱེད་ནས་ཁྱིམ་ལ་འོངས་པའི་ཚེ། རང་གི་བྲན་སྐད་ལ་བདག་གིས་ཁྱེད་རྣམས་འཚོ་བ་བཅའ་ཕྱུག་ཡོད་དམ་སྙམ་བསམ་ནས། སྤུར་འོང་བའི་ནི་གཞུ་གིས་ནོར་བུ་རིན་ཆེ་བ་གཅིག་བྱིན་པར་འདུག་པས། ཁྱེད་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདི་ལྟར་རེད་པ་ལགས་ཟེར་དྲིས་པས། མོ་ན་རེ། ནི་གཞུ་གིས་ང་ཅག་ལ་རིན་པོ་ཆེ་ཡེ་མ་བྱིན་ནོ། །ཡང་དེ་བྱིན་ན་ཁྱོད་རང་གིས་འགྲོ་ནས་དྲིས་ཟེར་བར། ཁྱོ་ནི་ནི་གཞུ་གི་ལས་དྲིས་པས། ནི་གཞུ་གི་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ཀྱི་བྲ་སྐད་ལ་བྱིན། དེ་ཤེས་པའི་མི་ཡང་ཡོད། ཁྱོད་སྐར་ཁྱིམ་དུ་འགྲོ་ནས་ངེས་པར་དྲིས་ཟེར་བར། སླེབས་ནས་བྲན་མེད་པ་དྲིས་པ་ལ། ནི་གཞུ་གིས་ནོར་བྲ་ཁྱོད་ལ་ངེས་པར་བྱིན་པའི་ཚེ། ངེས་པར་ཤེས་པའི་མི་ཡང་ཡོད་དམ་ཟེར། ཁྱོད་ཀུང་དེ་ཚས་ཀྱི་རིན་ཆེ་བའི་

དངོས་པོ་བླངས་ནས་ཇི་ལྟར་འདོར། དོར་ནས་མི་ལ་ལྟེབ་བྱེད་པའི་རྒྱུ་མཚན་དྲིས་ན། མོས་ནིཙུ་གི་སྣ་ཡི་ཞྭང་དུ་གཏད་དམ། རིན་ཐང་ཆེ་བའི་རིན་པོ་ཆེ་ང་ཅག་ལ་གཏད་ནས་བདག་ཅག་འདི་ལྟར་རེད་པ་ལགས་ཟེར། ནིཙུ་གི་ཏེ་ཐབས་ཟད་ནས་འདི་སྐད་སེམས། རིན་པོ་ཆེའི་བདག་པོ་ནི་རྒྱ་མཚོ་ལས་མི་འཁོར་བར་བསམས་ཏེ་རིན་པོ་ཆེ་སྦས་ནས་བཀོལ་བ་ལགས། འདི་སླེབས་ནས་འདི་འདྲའི་མི་འོས་པ་བྱུང་སྟེ། ད་ལྟ་མི་གཅིག་ལ་ཐབས་བྱས་ཏེ་དབང་དུ་མ་འདུག་ན། རིན་པོ་ཆེ་འདི་ནི་རྒྱལ་པོར་མི་ནུས་པར་བསམས་ཏེ། གྲོང་ཁྱེར་དེའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཉིས་ལ་འགྲོ་ནས། ཇུ་ནའི་མིང་ཅན་མི་ང་ལ་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་བཏང་བའི་རིན་ཆེན་ནི་བདག་མ་བུ་ལ་ནི་ངེས་པར་བྱིན་པ་ལགས། མོས་དེས་ལེན་པ་ལ་མི་ཤེས་ཟེར་ནས། ང་ལ་ངེས་ལྟིབ་པ་ཡིན་པས། ཁྱེད་གཙུས་པས་བདག་ལ་དབང་དུ་འགྱུར་ནས་ང་རང་གིས་རིན་པོ་ཆེ་དེ་ནི་མོ་ལ་བྱིན་པར། ང་ཅག་གཉིས་ཀྱང་ཡོད་དོ་ཟེར་ན། ང་ལ་དྲིན་ཆེ་བས་ངེས་པར་ན། ང་ཁྱེད་གཉིས་ལ་སྒྲ་དིག་དཀར་པོ་འི་སྒྲིང་བ་རེ་རེ་ཕྲུལ་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་དེ་གཉིས་དང་དུ་བླངས་ནས་དེ་སྐད་གསོལ་ཟེར། དེ་ནས་ཇུ་ནས་ནིཙུ་གི་ལ་སོང་ནས། ཁྱོད་རིན་པོ་ཆེ་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་གཏང་བར་མ་བྲ་ཡི་མ་ཤེས། བདག་ཁྱེད་ལ་ཡིད་ཆེས་ནས་རིན་པོ་ཆེ་བྱིན། ཁྱོད་འདི་ལྟར་ངན་སེམས་བསྐྱེད་དེ་ང་ལ་མ་བྱིན་ན། བདག་གཤགས་ས་པ་ཆེན་པོར་བྱེད་པར་འགྱོ་ཟེར་ནས། རྒྱལ་པོ་ཨཛི་བྲཛི་ལ་སོང་ནས་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་ནིཙུ་གེ་བོས་ནས། མི་འདིས་ཡིད་ཆེས་ཏེ་རིན་ཆེན་བྱིན་པར། ཡི་མ་བྱིན་པ་ནི་ཅི་ཉེས་ཟེར་བ་ལ། ནིཙུ་གི་ན་རེ། འདིའི་མོས་ལྟེབས་ཏེ། བདག་གིས་བྱིན་པའི་ཚེ། ངེས་པར་ཤེས་པའི་བློན་པོ་ཟ་ད་དང་ཨཀ་གཉིས་ཀྱི་མདུན་དུ་བཏད་པ་ནི་དེ་གཉིས་ཤེས་པར་འདུག་ཟེར། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་བློན་པོ་དེ་གཉིས་ལས་དྲིས་པས་ཤེས་པར་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་བློན་པོ་གཉིས་འབོད་ནས་དྲིས་པས། དེ་གཉིས་ན་རེ། ཁྱུ་ཅག་གཉིས་རིན་ཆེན་སྟེར་བ་ནི་ཤེས་ཟེར་བར། ནོར་བུའི་བདག་པོ་ལ་བསྐྱོན་མཛད་དེ། ཁྱོད་ཀྱི་ནོར་བུ་དེ་མོ་ལ་སྟེར་བར་མཐོང་བའི་མི་ཡོད་པར་ལགས་ན། ཁྱོད་ཐར་སྐད་ཀྱི་ཚིག་གིས་ལྟེབས་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཞེས་བཀའ་བསྐྱོན་མཛད་དོ། །མི་དེས་ཞིན་དུ་མ་དགའ་ནས་ཁྱིམ་གྱི་ཕྱོགས་སུ་བྱིན་པའི་ཚེ། ཁྱིཙུ་ཚུང་མང་པོ་རྩེད་མོ་བྱེད་པའི་གནས་སྤྲ་བོ་ཚག་ལ་གཏད་ནས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་ཚུང་མཐོང་ནས་བོས་པས་སླེབས་པར་དྲིས་བས། དེས་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་རྒྱས་པར་

ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱེད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་དེས་ཆད་པ་གཅོད་པ་བཞིན། བདག་མི་ཉུང་
བས་ན་བཤེག་ཏེ་གཅོད་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། བློན་པོ་གཉིས་དང་མི་གཉིས་དང་བཞི་ཀ་ཚོགས་པར་བློན་
པོ་གཉིས་ལས་ཁྱེད་གཉིས་ཀྱིས་རིན་པོ་ཆེ་མོ་ལ་སྟེར་བའི་ཚེ། དངོས་སུ་རིན་ཆེན་མཐོང་ངམ་ཞེས་དྲིས་
པར་ངེད་གཉིས་དངོས་སུ་མཐོང་ལགས་ཟེར། རྒྱལ་ཕྲུང་དེས་ཛྷ་ན་ཤིའུ་གི་ཟ་ཏ་ཡཀྵ་བཞི་པོ་བྲོགས་བཞི
ན་རིང་རིང་པར་འདུག་པ་ལ། མི་གཅིག་མདངས་གཞུག་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་བདད་ནས། ཁྱེད་བཞི་རིན
པོ་ཆེ་དང་འདྲ་བ་འཛིམ་པས་བཟློས་ལ་ཤོག་ཅིག་ཟེར་བར། ཛྷ་ན་ཤིའུ་གི་གཉིས་བྱིན་པ་དང་ལེན་པར
བྱས་པ་ཡིན་པས་རིན་པོ་ཆེ་དང་འདྲ་བར་བཟློས། བློན་པོ་གཉིས་ཀྱིས་མ་མཐོང་བས། གཅིག་གིས་ནི་སུ
ལར་རིན་ཆེན་དང་འདྲ་བའམ་སྐམ་ནས་རྟའི་མགོ་ལྟ་བུ་གཅིག་བྱས། གཅིག་གིས་ནི་ངེས་པ་འདི་ལྟར
ཡིན་སྐམ་ནས་ཁྲ་ཚུར་ཙམ་གཅིག་བྱས། རྒྱལ་ཕྲུང་དེ་རྣམས་ཀྱིས་བཟོ་བ་རྣམས་མཐོང་ནས་བཞི་པོ་མི
འདྲ་བས། བློན་པོ་དེ་གཉིས་ལས་དྲིས་པ། ཁྱེད་གཉིས་རིན་ཆེན་སྟེར་བའི་ཚེ་མཐོང་ཞེས་སྨྲ་བ་ནི་ཤིན
ཏུ་བརྫུན་པར་གདའ། མཐོང་བ་ནི་བདེན་པ་མིན། མི་འདིས་བཟོ་བྱས་པ་ལྟར་བཞི་པོ་འགྲིགས་ན་ཉུང
སྟེ། ཡེ་མི་འདྲ་བས་ཁྱོད་གཉིས་ཀྱིས་གཞན་གྱི་ངོར་བལྟ་ནོར་ལ་ཞེན་ནས་དབང་དུ་བཙུག་པ་ནི་ངེས
པ་ཡིན་པས། བདེན་པར་སྨྲ་ན་ལེགས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། བློན་པོ་དེ་གཉིས་ཀྱིས་ཆོག་ལ
བཏུགས་ནས་རིན་ཆེན་གཏད་པ་ནི་ང་མ་མཐོང་བ་ནི་བདེན། མི་འདིས་ང་ཅག་ལ་སྨྲ་བ་ལ་ངེས་པར་བྱེད
པ་ཉི་བདེན། མི་འདིས་སྤྱིབས་པ་སྐད་ཟེར། བདག་ཁྱེད་གཉིས་ལ་ཞུ་ཏིག་དཀར་པོའི་ཕྲེང་བ་རེ
བྱིན་ཟེར་ནས། ང་ཁྱེད་གཉིས་དབང་དུ་འཇུག་ཟེར་བར་ངེད་གཉིས་རྒྱལ་པོ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་སྟེར་བ་ལ་ངེད
གཉིས་མཐོང་ཞེས་བརྫུན་གྱིས་ཞུས་པ་ལགས། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ལྷ་བུ་དབྱེ་བྲ་གཅོད་པར་མ་བསམས་སོ་ཟེར
བ་ལ། རྒྱལ་ཕྲུང་དེས་བཞི་པོ་དེ་དག་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བྲཛྙི་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་བསྒྲིལ་ལོ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད
ཞུགས་གཉིས་བརྟུང་བའི་ཕྱིར། ཁྲལ་དགོས་རྣམས་ཚུལ་བཞིན་བྱས་ནུས་པ་མེད་པའི་ཁར། གཞན
གྱི་ངོར་བརྟེས་ནས་འདི་ལྟར་ཕོག་བར་བཅད་དམ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་བདག་འདྲ་བར་གཅོད་ནུས་ན་རྒྱལ་པོར
འདུག ། མི་ནུས་ན་ཁྲི་དེ་ཡང་ཙ་ཅག་ལ་བྱིན་ཟེར་དེ་བསྒྲིལ་བར། རྒྱལ་པོ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད
ཀྱིས་ཁྱེའུ་ཅང་རྫ་ཞོག ། གང་མི་ཆེན་པོ་རྣམས་ཀྱི་བདེ་བར་དཀའ་བའི་འདི་ལྟར་ངོ་མཚར་བའི་རྫོ

དང་རྫོང་པའི་ཁྲིའུ་ཆུང་ངོ་ཞེས་ཟ་མཚན་ནོ། སྔོན་པོ་དང་རིན་པོ་ཆེ་མ་སྤྱིར་བའི་མི་དམངས་ལ་བཀའ་
བཀྱེར་ཐུབ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་དབུལ་པོ་ལ་ཕྱུད་དོ།།

༄ ཡང་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བྲྫི་གདར་རྒྱལ་པོ་གཞིག་དང་འཁྲབ་ནས་དམག་མི་རྣམས་གཅིག་སྟོང་བཤམས་འདོན་པར། སྔོན་པོ་གྲུ་པོའི་བུ་ཅིག་དཀའ་གཏུ་འགྲོ་འོ། །ཕྱིལ་དམག་རྣམས་ལོག་སྦྱང་བའི་ཚོ། སྔོན་གྲུན་གྱི་བུའི་ཞོན་པ་རྣམས་ངན་པས་ཁྲིམ་ལ་ཕྱུར་འོང་བའི་སེམས། པ་ན་ལ་འདི་སྙད་དོ། བདག་བདེ་འཛིགས་སུ་བསྐྱོད་པས་ཉིན་མོ་འདི་ལ་སློབ་ཐང་ཡོད་པ་ལ། ཞོན་པ་ངན་པས་སང་ཉིན་དུ་ཕྱིན་བས་ཁྲིད་རྣམས་བདེ་མོ་ལགས་པས་ཞེས་བཅོལ་སྐྱེ་བས། པ་མ་དང་བུ་སྨད་ཀུན་མཉན་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་བར་གདའ་བ་ལ། བདུད་ཞིག་སྔོན་བུར་སྤྲུལ་ནས་དགོང་པ་ཀ་དེ་ཉིད་ལ་འོངས་པས། གཉེན་གོ་ན་འཕྲད་ནས་སྨྲས་པ། ད་སོགས་ངལ་བས་འདི་ཉིན་ལ་སློབ་མི་ཐུབ་རུས་ནས་ཕྱིར་འོང་བའི་སེམས་པ་མའི་བདེ་ཐུབ་ནས། བདག་ངེ་ཡང་ཉིན་འོང་ཞེས་བསམས་ཀྱང་། རྫི་ལྟར་ཞོན་པ་ངལ་ཀྱང་དམག་ལ་འགྲུང་པ་པས་ཁྲིད་ཡས་པ་ལ་འཕྲད་པར་དགའ་ནས་ལ་ཐུར་སློབ་ཟེར་བར། བདེན་སྨྲས་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་བ་བྱུང་། ད་དང་གོས་སོགས་ཀུན་བུ་དང་འདྲ་བས་བུ་ཡིན་པར་ངེས་བསམས། བུ་འདི་ཉི་བད་བར་སློབ་ཡོང་བ་ཟེར་དགའ་བར་འདུག་པ་ལ། རང་ཉིན་རང་གི་བུ་དངོས་ནི་སློབ་བྱུང་བ་ལ། པ་མ་ལ་སོགས་པ་རྣམས་ལས་དེ་གང་གང་ཡང་བུ་དངོས་དང་འདྲ་བ་ལགས། བུ་དེ་གཉིས་པ་མ་དང་བུ་སྨད་སོགས་ལ་རྩོད་པས་མ་འཆམས་པར། རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བྲྫི་ལ་ཞུས་ནས་རྩོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྲིད་གཉིས་ཀུན་ནས་མཆུངས་ངོ་ཤེས་དཀའ་སྟེ། ཁྲིད་གཉིས་པ་མེས་ཀྱི་རབས་བགྲངས་ནུས་སམ་ཟེར། བུ་དངོས་ནི་པ་མེས་ཀྱི་རིམ་པ་གསུམ་བཞི་ལས་མ་འབྱུང་། བདུད་ཀྱི་བུས་རབས་བདུན་གྱི་བར་དུ་ཆགས་གོགས་མེད་པར་བགྲང་བས། བདུད་བུས་བུ་དངོས་ཡིན་པར་ཐག་ཆོད་ནས་རང་གི་བུ་བསྐྲད་དོ། །བུ་དེས་སེམས་ཤིན་ཏུ་ཡི་མུག་ནས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་ཆུང་དུས་འདུག་པའི་གྲོ་བོ་ཚག་ལ་གཏད་ནས་ཕྱིན་ངས། རྒྱལ་ཆུང་དུས་བརྟེས་ནས་བོས་ཏེ་འོང་བས་འགྲོ་བའི་རྒྱུ་མཚན་དྲིས་པས། བྱུར་ལོ་རྒྱུས་ཞིབ་པར་ཞུས་པས། ཡང་བདུད་བུ་འབོད་དེ་འོང་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། ཁྲིད་གཉིས་ཆུང་རིང་པོ་ནས་རྒྱུགས་ཏེ་གང་ཐུབ་པའི་ནང་དུ་ཚུད་པ་དེ་སྔོན་པོའི་བུ་དངོས་ཡིན། མ་ཚུད

པ་དེ་རྔོན་པོ་འི་བུ་དངོས་ནི་མ་ཡིན་ཟེར་ནས། དེ་གཉིས་དཀྲུས་ས་ཐག་རིང་པོ་ནས་དཀྲུས་ཏེ་སྤྲར་བདུད་བུ་འོངས་ནས་བུས་པར་བཙུག. །དེའི་རྗེས་སུ་རྔོན་པོ་འི་བུ་འོངས་ཏེ་བུམ་པར་བཙུག་གོ་སྐམ་པར་ལུས་ལྷ་ཞིག་ལག་པ་ཤང་མ་ཐར་བས། རྒྱལ་པོ་ཡང་བུམ་པའི་ཁ་ལེགས་པར་བཀབ་ནས། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙི་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་ཡི་གེ་དང་བཅས་པ་བསྐུར། བདུད་བུ་འདི་པ་སེམས་ཀྱི་རབས་བདུན་མ་ཟད་བརྒྱའི་བར་དུའང་འདྲེན་ནུས་པ་ཡིན་པས། དེ་ཙམ་གྱིས་རྔོན་པོ་འི་བུ་ཡིན་པར་ཐག་བཅད་པ་ནི་མི་རིགས། ང་ནི་ཐབས་ཀྱིས་ངོ་ཤེས་ནས་ཁྱེད་ལ་བསྐུར་བ་ཡིན། རྔོན་བུས་པ་སེམས་ཀྱི་རབས་རྒྱུད་མ་ཤེས་པ་དང་བུམ་པར་བཙུག་མི་ནུས་པ་ལ་རྔོན་པོ་འི་བུ་འདི་དངོས་ཡིན་ནོ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ལགས་ཉེས་ཆོས་བཞིན་གཅོད་ན་བདག་ལྷ་བུར་ལེགས་པར་གཅོད། དེ་ལྟར་མི་ནུས་པར་བདུད་ཀྱི་བུ་ལ་བསླུས་ཏེ་ཕ་མ་དང་བུ་སྐད་དང་བཅས་པ་འཕྲུལ་ནས་སྨྲག་པ་ནི་ཅི་ཡོད་ཟེར་ནས་བསྐུར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙི་ཡི་གེ་དེ་འཇིད་ད་བརྟས་ནས་ཤིན་ཏུ་ངོ་ཚ་སྟེ་ཊ་ལས་པའི་ངང་ནས་བདུད་ཀྱི་བུ་དེ་བསྒྲིག་པར་བྱས། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙི་འདི་ཚོར་ཏེ། མི་གཅིག་དག་ཏུ་བཞུགས་ན་ཟུང་སྟེ། ཉིན་རེ་བཞིན་མི་རེ་རེས་རྒྱལ་སར་བསྐྱོད་ནས་ཁྲལ་དགོས་པ་རྣམས་ལེགས་པར་དབྱེ་བ་ནི་ཕ་མཚན། མི་གཅིག་ཁོ་ན་ཡིན་ན་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་ཀྱི་སྤྱན་པ་སྐམ་སེམས། དེ་མིན་བུ་མང་པོ་རྒྱུགས་ནས་སྒྲུས་སྤྲར་འོང་བ་ནི་གྲོ་བོ་ཚག་སྟེང་དུ་བཙྟད་ནས་ཐྲ་གྲིབ་དང་ལྡན་པ་དེས་གྲོ་བོ་ཚག་གྲོལ་དོགས་ནང་དུ་ངོ་མཚར་བའི་དངོས་པོ་གཅིག་ཡོད་རྣམ་ནས། རྒྱལ་པོས་རྔོན་འབངས་དང་བཅས་པ་ཁྲིད་ནས། རྒྱལ་ཚང་རིས་གསུམ་པའི་གྲོ་བོ་ཚག་གྲོལ་གཔ་ནི་བཤེག་སྟེ་བརྟས་པས་དེའི་ནང་དུ་གསེར་དང་རིན་པོ་ཆེས་གྲུབ་པའི་གདན་ཁྲི་གཅིག་བྱུང་། གདན་ཁྲི་དེ་ནི་གསེར་གྱི་ཀང་པ་སོ་གཉིས་དང་ལྡན་པ། ཀང་པ་རེ་རེ་ལ་ཤིང་ལས་བཟོས་པའི་མི་རེ་རེ་བདག་པ་ཡོད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙིས་གསེར་གྱི་ཁྲི་དེ་བརྡུས་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས། བདག་སྐལ་ལྡན་གྱི་རྒྱལ་པོ་གདངས། འཇིག་རྟེན་འདི་ན་མེད་པའི་ངོ་མཚར་ཅན་གྱི་གདན་ཁྲི་རྟེན་དེའི་བདག་ཟེར་ནས་གདན་ཁྲི་དེ་རང་གི་ཕོ་བྲང་གི་ནང་དུ་བཞུགས་སྐམ་ནས་ཕོ་བྲང་གི་ནང་དུ་ཁྱེར། ཡང་ཉིན་བཟང་པོ་གཅིག་ལ་དགེ་འདུན་རང་པོ་ཚང་དང་ཛ་དང་ཞི་བྲང་ལ་སོགས་པའི་སྒྲ་དང། སྤོས་ཀྱི་བཟང་པོ་སོགས་བསྒྲིག་སྟེ། བཀྲ་ཤིས་པ་བརྒྱད་པའི་ཉིན་མོར། རྣམ་པ་དང་ལྡན་བས་ཁྲི་རྟེན་དོ། །དེ་ཏུ་ཁྲི་ལ་འདུག་ནས

ཉ་ ཅོན་ནི་ཁྲི་རི་ཁར་འཛོམས་ནི་འགྲོན་པར། ཁང་པར་བཏགས་པའི་ཁྱང་གི་ཤིང་མིས་ཁྱབ་ནས་བྲངས།
ལྗོན་འདི་ཤིང་མིས་བྲང་ནས་འཕྲུལ་ནི་གད་རྒྱངས་ཆེན་པོས་བཤད་གད་བྱས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཁེ་ཛྲ་བྲུ་ཛྲས
འཛོམས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས་སྨྲས་པ། འདི་མཚར་ལགས་ཟེར། ཤིང་གི་བྱས་པའི་མི་གཅིག་གིས་ནི
མདུན་ནས་བྱུང་། གཅིག་གིས་ནི་རྒྱབ་ནས་བྲངས་ནི་བ་དང་གད་བྱེད་པ་ནི་ངོ་མཚར་པོ་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་
མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཨེ་ཛྲ་བྲུ་ཛྲ་ཁྱོད་ས་ལ་འདུག །ཁྲི་འདིའི་རྒྱུ་མཚན་ནི་བཤད་ཟེར་ནས།
ཁྲི་འདི་བྱ་བ་ཇོན་གྱི་དུས་སུ་ཧྭའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་བཞུགས་པའི་ཁྲི་ཡིན་ནི། དེའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་བི
ཀྲ་མ་ཛི་ཏ་བཞུགས་པའི་ཁྲི་ཡིན། དེས་ཕྱིར་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་རིགས་དྲུག་གི་འགྲོ་བ་ནུས་པ་ལ་ཕན་པའི་ཆེད
དུ་ཙམ་སྤྱོག་ལ་མ་གཞིས་ན་འདུག་ཆོང་། ནི་མིན་ན་མི་ཆོང་། ཡང་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཛི་ཏ་དང་འདྲ་ན
འདུག་མི་ཏ་ན་མི་ཆོང་བ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་འདུད་ནས་ཕྱག་བྱས་པ་ལ།
ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོས་ལྷ་བྲངས་པའི་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ལེགས་པར་ཉོན་ཅིག །ཁྲི་འདི
བསླབས་པའི་ཚུལ་ནི་སྨྲའོ། །ད་ཧྲ་ང་ཅག་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་བསླབས་པའི་རྒྱུ་མཚན་ནི། ཁྲི་འདི
ནི་ཐོག་མར་བསླབས་པའི་ཆོ་ན། ལྷའི་བཟོ་བོ་བི་ཤྭ་ཀརྨས་ཞག་སུམ་ཐུར་འདུག་ནས་བྱེད་པ་སྟེ།
བི་ཤྭ་ཀརྨའི་ཐུང་མཐའ་ནི་ཤིང་ལས་ང་ཅག་བྱས་ལ། སྲོག་ལྡན་བྱས་ནི་ཐུང་མས་བཀོད་ནས་ལྷའི་བཟོ་བོ
བི་ཤྭ་ཀརྨ་ལ་བཟང་བཏང་གསོལ་ཞེས། དེར་ནི་གཅིག་གཅིག་གིས་སྐྱེལ་བར་ཕྱིར་མ་ལོག་པར་བཞུང
ནས་ཁང་པ་རེ་རེར་ང་ཅག་རེ་རེ་བཏགས་བཞིན་པར་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་འཕྲུང་པའི་གླིང་གཞིའི་ལེའུ་སྟེ
དང་པོའོ།།

ལེའུ་དང་པོ།

ཧཱུྃ དེ་ནས་དང་པོའི་ཤིང་ཞིས་ན་རེ། ང་ནི་ཁྱེད་ཅག་ལ་དཔེ་ཅིག་སྨྲའོ། །རྒྱལ་པོས་ལྷ
བྲངས་པའི་ཁྱེད་རྣམས་ཉོན་ཅིག །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདུད་དམག་ལ་ཐོན་ནས་ལོ་བཅུ་གཉིས
ཀྱི་བར་དུ་འགོར་བས་ན་སྐབས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བཙུན་མོ་ཚུང་དུས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ནུ་བོ་ཚུང་དུ་བོས་ཏེ
སློབས་པ་ལ། ནུ་བོ་ལ་སྡོན་མོ་ཆེན་མོ་བྱས་ཏེ། བཙུན་མོས་ནུ་བོ་དེ་ལ་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པ་ལ།

བོ་རིས་ན་རེ། ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་ནི་དུས་གསུམ་གྱི་སངས་རྒྱས་དང་འདྲ་བ་ལགས་ཏེ། དེའི་ཕྱིར
ྣམས་སྤྱོད་བྱེད་པས་སྐྱེ་བ་ཐམས་ཅད་དུ་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་བས། ཕྱིས་ནི་ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་སྐབས་
ིག་ཏུ་སྐྱེ་བ་ཞིག་བླངས་ཏེ་འཕྲད་ནས་པོ་མོར་སྤྱོད་ལམ་འདེབས་ཟེར་ནས་འགྲོས་ཏེ་འཁོད། བཙུན
ོས་ཞིན་ཏུ་ཕྱང་ནས་ཁྲོད་ནི་སྐྱེ་བ་ཕྱི་མར་བོང་བུ་ལུས་སྐྱེ་བར་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་བོ། །
ེའི་རྗེས་སུ་བཙུན་མོ་འདས་སོ། དེ་ནས་ན་བོ་རི་ཡང་འདས་སོ། །འདས་ནས་ཀྱང་འཇོམ་བྱ་སྐྱིང
ུ་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཀ་ར་ཞེས་བྱ་བའི་གླིང་ཅན་གཅིག །བུ་མེད་པས་རྟག་ཏུ་སྨོན་པས། བཙུན་མོ་གཅིག
ལས་བུ་མོ་གཅིག་བཙས་སོ། །བུ་མོ་དེའི་དྲི་ནི་བཟང་ལ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཡིན་ནས། རྒྱལ
པོ་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་བུ་མད་ཀྱི་ང་བུ་མོ་ཧ་ན་སྡུག་པ་ལ། མི་གཞན་མཚན་དང་ལྡན་ན་ཞིག་ལ་ཟ་མོ་བྱིན
ནས་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་ངོ་སྙམ་ནས་དགའ་བ་དང་། བུ་མོ་ལ་རྡ་ན་སྡུག་པ་ཞེས་པའི་མཚན་བཏགས་སོ།།
རྒྱལ་པོ་འདིའི་འབངས་ལ་ཞིང་མཁན་གཅིག་ལ་ཡང་། བུ་པེད་པས་ཡང་བུ་སྨོན་པར་འགྲོ་བ་ལ།
རྒྱལ་པོ་དེའི་འབངས་ལ་ཞིང་མཁན་མི་ལ་ བོང་མོ་གཅིག་ཡོད་པ་ལ་ ཞོན་ལས་ ཁྱིམ་གཞན་ལ་ ཁྱེར་ནས།
ལོགས་པའི་ལམ་དུ་བོང་མོས་བུ་མཚན་བཟང་པོ་དང་ཡིད་དུ་འོང་བ་གཟི་བརྗིད་དང་ལྡན་པ་ཞིག་བཙས་སོ།
བུ་དེ་ཉིད་བཙས་པའི་ཚེ། ཀ་ལ་ཟིང་ཀ་དང་ཀ་ལན་ད་ཀ་ལ་སོགས་པའི་བྱ་རྣམས་སྐད་སྙན་པར་སྒྲོགས
པ་དང་ནམ་མཁར་འཇའ་ཚོན་ཤར་བ་དང་། བུའི་ལུས་ལས་ཙུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་ངད་སྣོམ་པ་དང་། ལྷ
ན་སྡུག་པ་ཞིག་འདུག་གོ །ཞིང་མཁན་དེས་བུ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། །བདག་ལ་བུ
མེད་པས་ཅེ་གཅིག་པའི་སེམས་ཀྱིས་ལྷ་དང་སངས་རྒྱས་ལ་ཕྱག་མཆོད་བྱས་པས་བདག་ལ་ངོ་མཚར་བའི
བུ་ཞིག་བཙས་པས། ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་བུ་དེ་ཉིད་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་བླངས་ནས། བུ་གསོས་བསྐྱེད་དེ
འདུག་པ་ལ། ཁྱིམ་གཞན་གྱི་མི་རྣམས་ན་རེ། ཞིང་མཁན་རེས་བོང་བུས་རང་གི་ཧུང་མ་བྱས་ཏེ་བུ
བཙས་ཞེས་འཕྱ་ཞིང་སྨོད་པར་བྱས་སོ། །ཞིང་མཁན་དེས་ཐོས་ནས་སྨྲས་པ། ཡོངས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི
ཤིང་ལ་སྤྲེའུ་པ་འཚོངས་ཀྱང་མི་ཐར། བྲན་ངན་གྱི་དུད་འགྲོ་དང་མ་ཆགས་སོ། །ཆགས་པ་ཀྱང་དུད་འགྲོ
ལས་སྐྱེས་པའི་རྒྱུ་མེད། བདག་ལ་བརྙས་པ་ནི་ཅི་ཡིན། ཅི་འདྲ་ཡང་བདག་གིས་བུ་ཞིག་བཏེད་དོ་ཞེས
འཕྱ་སྨོད་བྱེད་པ་ལ་མི་དགོས་པར་བུ་བརྟེ་བས་ལེགས་པར་གསོས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིན་ཀྲར་མངའ

-འབངས་ཐམས་ཅད་འཚོགས་ནས་སྨོན་མོ་ཆེན་པོ་བྱས་ནས། རྒྱལ་པོས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ།། ཕྱིད་ཀུན་ལ་བྱ་མཚན་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོད་ན། བདག་གིས་བྱ་མོ་འདི་སྙིང་ལ་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པར་གྲགས་པས། ཚོགས་པ་ཀུན་ནས་གཅིག་ཀྱང་ལན་མི་ཐེབས་པས། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལན་ཀླ་རས་ཡི་སྨུག་སྟེ་འདི་བསམ་པ་མོ། །ཚོགས་པ་མང་པོ་ཆེ་ཡང་འདིའི་ནང་ནས་མི་བཟང་པོ་གཅིག་ཀྱང་མི་འདུག་གོ། །དངའི་ཡུལ་འཛིན་པ་ལ་རྩུས་སྤོད་ནས་སྲིད་རྫོང་ནས་ཟེར་ཤིན་ཏུ་སྨུག་འདུག་པ་ལ། ཤིང་མཁན་གྱིས་ཐོང་བྱ་མོ་ངས་སྐྱེས་པའི་བྱ་འཕྲིད་དེས་འགྲོ་བར་བྱ་མོས་རྫོ་བྱུར་དུ་མཐོང་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་གསོལ་ཏོ། །ཡབ་རྒྱལ་པོས་ཟོལ་བའི་མཚན་དང་ལྡན་པའི་བྱ་ཞིག ཤིང་མཁན་མིའི་ལྡང་ན་འདུག །གཞི་བརྗོད་དང་ལྡན་བ་ཡོད་དུ་འོང་བ་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་སྲིད་འཛིན་ནུས་པ་གཅིག་ཡོད་ཞེས་ཞུས་ངས། རྒྱལ་པོས་ཐོས་ནས་དགའ་སྟེ་བོས་པས། ཤིང་མཁན་དེ་ཉིད་བྱ་དང་ཧྲ་ཅིག་ཏུ་འོངས་པས། རྒྱལ་པོས་བྱ་མཐོང་ནས་ཤིང་མཁན་དེ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱོད་ཀྱི་བྱ་འདི་ཤིན་ཏུ་མཛེས་ཤིང་སྨུག་པས་བྱ་འདི་ང་ལ་ཕྱིན་ཅིག་ཟེར་བར། ཤིང་མཁན་ན་རེ། བྱ་འདི་ལྟ་ཞིག་རང་གི་ལུས་ཀྱང་སྲུ་ཡི་ཡིན། འོན་ཀྱང་བྱ་འདིའི་རྒྱུ་ནི་བོ་ བྱ་ལས་སྐྱེས་པའི་བྱ་ལགས། བྱ་འདི་ཉིད་ཀྱིས་ཤེས་པ་ཡོད་ཞེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་ཤིང་མཁན་གྱིས་ཟླས་པ་ཐོས་ནས་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ། མི་འདི་ངན་ང་ལ་ཕྱིར་པའི་འདོད་པ་ཡེ་མེད་པར་སྨྲ་བ་འདི་ནི་མི་འོས་པས། མི་ངན་འདི་བསད་ལ་བྱ་ནི་ལེན་ན་ངའི་དབང་ཡིན་ཞེས་སེམས་ཤིང་འདུག་པར། བོང་བྱ་ལས་སྐྱེས་པའི་བྱས་རྒྱལ་པོའི་བསམ་ངན་ཤེས་ནས་འདུད་དེ་སྨྲས་པ། ང་ནི་བོང་བྱ་ལས་སྐྱེས་པ་བདེན་པ་ནི་ལགས། དེ་འདྲ་ཡིན་ཀྱང་རང་ཉིད་བྱ་བཞིར་བརྒྱངས་ཏེ་ཆེར་བསྐྱེད་པས་རྒྱལ་པོའི་སྐུ་བསོད་དང་འཐུད། རྐྱར་འདི་འདྲའི་ཤིང་མཁན་ངན་པ་གསོད་ལ་བྱ་ལེན་ན་ངའི་འདོད་མོད་ཀྱི་ཞེས་སེམས་པ་ནི་ཅི་ཡིན། སྔར་ཤིང་མཁན་འདི་ཉིད་ལ་བྱ་དགའ་མང་པོ་ཕུལ་ན་རྒྱལ་པོ་ཉིད་ཀྱི་གྲགས་པ་ཁྱབ་དེ་སྲིད་ལ་བརྟེན་པའི་ཆོས་པོ་ཆེན་པོ་ལ་སོགས་པའི་སེམས་ལ་འཐད་པ་ལ་སོགས་པ་འབྱུང་ཞེས་ཞུས་པ། རྒྱལ་པོས་བྱའི་ངག་མཉན་ནས་དགའ་ཞིང་བཞིན་ནས། འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །ཨའི། བྱ་འདི་ཉིད་སེམས་དགེ་ལ་ངག་འཇམ་པ་སོགས་ལ་བརྟེན་ན། བདག་གི་སེམས་དང་མཐུན་པ་ཞིག་ཐོབ་ཞེས་ཤིན་ཏུ་དགའ་སྟེ་བྱ་ཁྱོད་ཀྱི་རྣམ་པ་བཞིན་སྐྱབ

ཟེར། ཙིཏྲའི་ངག་བཞིན་ཤིང་མཁན་ལ་བྱ་དགའ་མང་པོ་བྱིན་ནས་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ཏེ། བུ་མོ་ལྟ་ན་སྡུག་པ་ནི་ཙིཏྲའི་བཙུན་མོར་ཕུལ་ནས་དེའི་རྒྱལ་སྲིད་ནི་ཙིཏྲ་འདི་འཛིན་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་བཞིན། རྒྱལ་སྲིད་ཙིཏྲ་ལ་གནང་ནས་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་བའི་ཙིཏྲའི་མིང་ནི་རྒྱལ་པོ་ཀན་ཏ་ར་ཕྲ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བྱཛྫི་ཁོལ་པོ་ཛྭར་ཛ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཌེ་ཏ་ཕུར་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་ཏེ། རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་སྟེ་བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་ཚུལ་བཞིན་སྐྱོང་ཅུས་ན་ཁྲི་འདི་ལ་འདུག །དེ་མིན་ན་མི་རུང་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བྱཛྫིས་འཇིགས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པའི་ཤིང་མི་ཐོག་མའི་ལེའུ་སྟེ་དང་པོའོ། །

## ལེའུ་གཉིས་པ།

༄ དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བྱཛྫིས་ཁྲི་འདི་ངའི་ལས་སྐལ་ཡིན་པས། ཁྲི་འདི་ལ་ཡང་འདུག་པར་རིགས་ཞེས་སེམས་སོ། །དེ་ལ་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་དམར་བར་འདུག །སྔོན་དུས་སུ་ཛེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཌེ་ཏ་ཆུང་ངུའི་དུས་ན་འཁྲོག་དགོན་པ་རོར་ཟའི་ཚེ། ཕྱག་གྲུར་རྟག་མངགས་ཀྱི་གཡུང་བྱུང་བ་དང་། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཏ་ད་རོ་ཏ་དང་ཆབ་འབངས་ཐམས་ཅད་ཕྱག་འཚལ་བའི་རྒྱུ་མཚན་དེ་རྣམས་སྨྲས་ཞེས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཏ་ད་རོ་ཏས་བཙུན་མོ་གཟུགས་མཛེས་པ་ཞིག་བླངས་ནས། བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་སྐྱོང་བཞིན་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་བུ་མེད་པ་ལ་ལྷ་དང་སངས་རྒྱས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས་ཤིང་སྐྱོ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། བཙུན་མོས་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། བདག་ཅག་ལ་བུ་མེད་པས་ཅིའི་ཕྱིར་སྡུག །ཡང་གཅིག་བཙུན་མོ་ལེན་ན་བུ་ཡོད་སྲིད་ཀྱི་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་བཙུན་མོ་ནི་བུ་མེད་པས་བདེན་ནམ་ནས། རང་གི་ཆབ་འོག་ཏུ་གཏོགས་པའི་གཟུགས་མཛེས་པའི་བུ་མོ་གཅིག་བླངས་སོ། །དེ་ལ་ཙིཏྲ་ཞིག་བཅས་པས་བཙུན་མོ་ལ་སྙིང་ཤིན་ཏུ་ཉེ་བར་འགྱུར་བ་ལ། གོང་གི་གཟུགས་མཛེས་པའི་བཙུན་མ་སེམས་ནི་མི་དགའ་པ་ལ། འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། །ངའི་མཐུ་བཙུན་མོ་གཅིག་བླངས་ནས། ངང་ལ་ཡེ་མི་བརྩི་བར་འདུག་སྐྱམ་མོ། །བཙུན་མོས་ཕྱིས་ལ་འདི་སེམས་སོ། །ངེད་ཅག་གི་ཡུལ་དུ་བྲ་མ་གྲུབ་པ་ཐོབ་པ་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེར་སོང་ནས་ཕྱག་འཚལ་ཞུས་ཏེ

བུའི་དངོས་གྲུབ་སློང་ནམ་ནས་བུ་མོ་ཟླ་བརྒྱ་དང་བཅས་ཏེ་གསོལ་ཟས་སྣ་ཚོགས་བསྣམས་བླ་མར་ཕྱིན་ཏེ
ཕྱག་འཚལ་ཅིང་སྐབས་ཞུས་ནས་བུའི་དངོས་གྲུབ་སློང་བས། བླ་མ་ཐུགས་དམ་ལ་གནས་པ་ཡིན་པས
བཀའ་མ་གནང་བ་ལ། བཙུན་མོས་ཕྱག་བསྐོར་ཞུས་པ་ལ། ཟླ་དྲོའི་དུས་སུ་བླ་མས་བཙུན་མོ
མཐོང་ནས། ཡའི་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་སེམས་སྐྱོང་ནས་དད་པས་ཕྱག་བསྐོར་ཞུས་པ་ལགས་གསུངས་པས།
བཙུན་མོས་བདག་ལ་བུ་མེད་པས་བུའི་དངོས་གྲུབ་སློང་ཞིང་ཞུས་པས། བླ་མས་བཙུན་མོ་ཁྱོད་བུ་ཡོད
པར་འདོད་ན་འདི་ཉི་དཀར་ཡོལ་གཙང་མའི་ནང་དུ་སྦ་ཅི་དང་སྦྱར་ནས་ཟོས་ན་ངེས་པར་བུ་དང་ལྡན་པར
འགྱུར་ཞེ་ལྷག་པ་བདབ་ནས་བཏང་ངོ་། །དེ་ནས་ཕྱིར་ལོགས་ནས་བླ་མས་སྟོན་པ་ལྟར་བཟོས་སོ། །བུ་
མོ་གཅིག་གིས་ལྟག་མ་ཟོས། དེ་ནས་བཙུན་མོ་མངལ་མི་བདེ་ནས་བླ་བཅུར་བུ་ཞིག་བཙས་སོ།། ཁྲིའུ
དེ་བཙས་ཆེ་ངོ་མཚར་བའི་ལྟས་དང་། ཀ་ལ་ཤིང་ཀ་དང་ཀ་ལན་ད་ཀ་ལ་སོགས་པའི་བྱ་རྣམས་སྐད་སྙན
པར་སྒྲོག་པ་དང་། ནམ་མཁའ་ནས་འོད་དང་མེ་ཏོག་གི་ཆར་དང་འཇའ་ཚོན་སྣ་ཟླ་ཤར་བ་དང་། ཚུལ་
ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་ངད་དང་ལྡན་པ་རིགས་ངོ་མཚར་བའི་ལྟས་བསམ་ཀྱིས་མི་ཁྱབ་པ་དང་བཅས་ཏེ་འཁྲུངས་
སོ། །དེ་ལྟས་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཡ་མཚན་ནས་དགའ་འོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་དྲུང་སྐྱོང་
ལ་བཙུན་མོ་ཚང་དུ་དང་བློན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་ངའི་ཁྲིའུའི་ལས་སྐལ་དྲིས་ནས་སློབ་ཟེར་བར། ཀུན་
གྱིས་བླ་མའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་ཏེ་བཙས་ཆེ་ལྟས་བྱུང་བ་ཞུས་པར། བླ་མ་ཐུགས་དམ་ལ་བཞུགས་པས་ཡི་མི
གནང་། ཡང་ཞུས་པས་བརྡ་སྦྱར་ཏེ་ཁྲིའུ་དེ་ཆེར་སོང་ཚེ། ཟབ་ཟློས་ལ་ལན་ཚྭ་འདེབས་ཚེ་ཤིང་ཏུ་སྟོང་
དང་ལྡ་བརྒྱ་ཙམ་ཀྱིས་ཚྭ་བདབ་དགོས་ཟེར་སྐྱན་དངོས་བཀའ་ཕེབས་པ་ལས་གཉན་མ་གསུང་ངོ་། །དེ
ནས་དེ་དག་ཕྱིར་ལོགས་དེ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་བརྡ་དེ་ཆེས་མཚར་ཅེས་སེམས་སྐྱོང་ཞིང
འདུག་གོ །རྒྱལ་པོས་བརྡ་དེ་མ་ཤེས་ནས་འདི་སེམས་སོ། །བུ་འདི་ནི་ངེས་པར་ཆབ་འབངས
ཐམས་ཅད་བསྡུས་ཏེ་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། ཁྲིའུ་འདིའི་ཉིན་གཅིག་གི་ཟས་ལ་ཚྭ་ཤིང་ཏུ་སྟོང་
དང་ལྡ་བརྒྱ་འདེབས་དགོས་ཟེར་བ་འདི་ནི་མི་གཅིག་གིས་མ་ཟད། མི་མང་པོས་ཚེ་གཅིག་ལ་སྤྱད་ཀྱང
ཟད་དམ། དེ་ནི་ངེས་པར་ཕྱིན་པོའི་བུར་མ་བདུད་ཀྱི་སྤྲུལ་པ་ཡིན་པར་ཐག་ཆད། འདི་ནི་གསོད་ཟེར་
བར། བློན་པོ་གཅིག་གིས་ཞུས་པ། ང་ཅག་གིས་རྗེའི་སྲས་ལ་ལག་བདར་མི་ནུས་པས། འབྲོག

དགོན་པ་རིང་པར་ནགས་གསེབ་ཏུ་བོར་ན་རུང་ངམ་ཟེར་བར། ། རྒྱལ་པོས་གདང་བ་ལ་བློན་པོ་གཉིས
ཀྱིས་ཁྱེའུ་ཐྲངས་ནས་ནགས་ཆེན་པོའི་ཁྲོད་དུ་གཞུགས་ནས་ཕྱིར་ཟློག་པ་ལ། ཁྱེའུ་དེས་བློན་པོ་གཉིས་
ལ་ངས་ཁྱེད་ཅག་ལ་ཚིག་གསུམ་བཅོལ་ལོ་ཟེར་ནས་བློན་པོ་གཉིས་འཁོར་ཏེ་སྡོད་པས་སྨྲས་པ་ལ། ཁྱེའུ
དེས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། ། ཁྱེད་ཅག་ལོག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ངའི་ཚིག་འདི་རྣམས་སྨྲོས་ཤིག མི
རྒྱར་སྐྱེས་པའི་སྦྲུ་ཀུ་ནི་ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་ཕྱོན་པོའི་མདོག་ཀྱིས་བསྐྱེད་སྐད། ། གཡོག་སྒྲོ་རྒྱས་ཚེ་གསེར
གྱི་མདོག་ཅན་གྱི་མ་བྱར་འགྱུར་སྐད། ། དེ་དང་འདྲ་བར་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ལས་ཁྱེའུ་སྐྱེ། ། སྐྱེས་པའི
འོག་ཏུ་ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་བརྗེ་བ་དང་འབངས་ལ་བརྟེན་ནས་ཆེར་སྐྱེད་སྐད། ། ཆེར་བསྐྱེད
ནས་མཐུ་དང་ལྡན་ཚེ་གླིང་བཞིར་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་འགྱུར་སྐད། ། གླིང་བཞིར་གནས་པའི
རྒྱལ་པོ་ཡན་ཆད་དགེ་འདུན་ཚོགས་ནས་ཆོས་སྟོན་ཐུབ་ན་དེ་ལ་ཞིང་ཏུ་སྟོང་དང་ཟླ་བརྒྱ་ལོན་པའི་ཚེ་མ
ཟད། ཞིང་དུ་ཁྲི་འབུམ་གྱི་ཚེ་ཡང་ལེན་ཡོད་དམ་སྐད་ཟེར་རོ། ། ནེ་ཙོའི་སྒྲོང་ལས་ཐོལ་ཏས་སྦྲུ
གུ་འབྱུང་། ཆེར་བསྐྱེད་ནས་བྱའི་གཟུགས་ཀྱིས་འགྲོ། འགྲོ་བའི་རྗེས་སུ་སེམས་པ་ཅན་གྱི་སྐད་བསྒྲུབ
ན་སྒྲ་དང་ཡོན་ཏན་ལྡན་སྐད། ། དེ་དང་འདྲ་བར་རྒྱལ་པོ་ལས་ཁྱེའུ་སྐྱེ། ། སྐྱེས་འོག་བསྐྱེད་ཚེ་པ་མ་ལ
སོགས་པ་ཚབ་འབངས་མང་པོར་བདེ་ནས་བསྐྱེད་སྐད། ། བསྐྱེད་པའི་འོག་ན་གནས་ས་དང་གླིང་བཞིའི་ཡུལ
རྣམས་ཟིལ་གྱིས་གནོན་ནས་དབང་བའི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་སྐད། ། ལྷ་རྣམས་ཀུན་དང་གླིང་བཞིར་གནས་པའི
རྒྱལ་པོ་ཡན་ཆད་བསྐྱང་དུ་མེད་པའི་དགེ་འདུན་རྣམས་ལ་ཆོས་སྟོན་ཐུབ་ནས ། དེ་ལ་ཞིང་ཏུ་སྟོང་དང་ཟླ
བརྒྱས་མ་ཟད། ཞིང་དུ་ཁྲི་འབུམ་ཡང་ལོན་ནས་ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཉིས
ཀྱིས་ཁྱེའུའི་ཚིག་ཇི་སྐད་བཞིན་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོས་གསན་ནས་ཐལ་མོ་བརྡབ་ནས་ལ་ཞུར་སོང་ཅུས་ནས།
ཇི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ཁྱེའུ་ནི་བདག་གིས་ངོ་མི་ཤེས། ། ད་ལྷ་མཆོ་བསམས་བཏང་ན་ངོ་མཚར་ཡ་མཚན
པའི་ཁྱེའུ་ཞིག་ཡིན་པར་འདུག་ཞེས་ལ་བཙུར་སོང་སོང་ཞེས་བློན་པོ་གཉིས་དང་བཅས་ཏེ་སོང་ནས ། ས་དེར
ཕྱིན་པས་ཁྱེའུ་དེ་ལ་ཡང་མི་འདུག ། དེར་རྒྱལ་པོ་སྨྲེ་གསོལ་དུ་ཞིང་བཀའ་སྩལ་པ། ཙང་ཏུ་ལས་སྒྲིབ
བྲམས་པའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ནི། ། ཙང་དུ་ལགས་ཀྱང་གཏད་ཅན་ཚིག་གིས་དུང་བསྟན་པའི། ། བྱང
ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཁྱོད་ནི་ང་ཤེས་ནོར་འཁྱོད་བདག ། འདི་ལ་བོར་བའི་ས་ན་མེད་པ་པ་འདི་ནས་གང

དུ་འགྲོ། །ཞེས་རྒྱལ་པོས་ཟླ་དྭངས་ཐབས་ཅན་གྱིས་གནས་མ་གང་བར་དུ་ཞིང་ཕྱིར་འགྲོ་བར་ཆས་པ་ལ། ཐག་ཁྲང་གཅིག་ན་ཙིཏྲ་ཅུང་ཟུའི་ཟླ་ཟློགས་པ་གཏོས་པས་ཆུར་དུ་སླེབས་ཙམ་ན། ཙིཏྲ་དེ་ལ་ཀླུའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་བརྒྱད་སྤྱིབས་ནས་མེ་ཏོག་ཁ་ཐུབ་པའི་ནང་དུ་བསྡད་ནས། ཁ་ལ་སྦྲང་རྩི་བཅུག་མདུན་དུ་འདུད་དེ་ཐལ་མོ་སྦྱར་ནས་ཕྱག་བྱས་པར་གདའ། རྒྱལ་པོ་སླེངས་པར་མི་སྣང་བར་འགྲོ། རྒྱལ་པོས་ཙིཏྲ་བྲངས་ནས་ཕྱི་ཐོར་བ་དག་སྟེ་ཐལ་མོ་སྦྱར་ནས་ཕྱག་འཚལ་ཏེ་འདི་སྐད་ཅེས་གསོལ་ཏོ། །བྱམས་པའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཙིཏྲ་ལ། །པ་བདག་སྨོངས་པས་ཤེན་དུ་བསྒྲིབས་པ་ལ། །ངོ་མ་ཤེས་པར་ལོགས་པར་སེམས་པ་འཁྲིད། །བཤགས་ནས་སྐྱར་ཡང་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་བྱོན། །ཞེས་ཞུས་ནས་པོ་བྲང་དུ་བྱོན་ནས་ཚབ་འབངས་ཐཔར་ཅན་འདུས་ནས་དཀར་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ནས་ཙིཏྲ་ལ་ཝི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བྲཛྙ་ཁྱོད་ང་ཅག་གི་ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཙིཏྲ་ད་དང་འདྲ་ན་ཅང་། ཙིཏྲ་དེ་ཧྲང་དུར་ནས་གནོད་ཅན་གྱི་ཚིག་གིས་ཕན་རྒྱལ་པོ་གུཔ་ཤིང་ཕྱག་འཚལ་བ་ལྟར། དེ་རྟའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཡིན་ན་སྙོད། མིན་ན་མི་ཧྲང་སོང་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ཏ་ལས་དེ་ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནར་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གཉིས་པའི་ལེའུ་སྟེ་གཉིས་པའོ།། ||

## ལེའུ་གསུམ་པ།

༄༅། །དེ་ནས་ཉིན་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བྲཛྙ་ཁྲི་དེ་ལ་ནི་འདུག་སྐབས་ནས་སླབས་པ་ལ། ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་པར་འདུག །ངས་ཁྲོད་ལ་སྟེར་མ་སྨྲས་སམ། ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ཆུང་ངུའི་དུས་སུ་འབྲོག་དགོན་པར་བོར་བའི་ཚེ། གནོད་ཚིག་གིས་ཕན་རྒྱལ་པོ་ཏ་ན་རོ་ཏོ་དང་མི་ཀུན་གྱིས་ཕྱག་འཚལ་བའི་རྒྱུ་མཚན་ཡང་བརྗོད་ཟེར། ༄༅། ད་ཕན་ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ཆེར་སོང་ཚེ་ནས་ཐར་བརྗོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུ་ཏོན་ཅིག །ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ཆུང་དུས་ལ་ཕན་རྒྱལ་པོ་ཏ་ན་རོ་ཏ་བདུད་ཀྱི་དམག་དང་གཡུལ་འགྱེད་དེ་འཐབ་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ། རང་གི་ལུས་སྲིང་པ་རྟེན་གྱི་ནང་ན་དུ་སྒྲས་ནས་བཞག །ཁྲོ་བའི་འོག་ཏུ་བཙུན་མོ་ཆུང་ངུས་བཙུན་མོ་ཆེ་མོ་ལཔ་འདི་སྐད་ཅེས་ཟེར་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་ཆེ་བོས་ང་སྐྱོལ་དང་རྣ་ཅིག་གནས་གནས་པའི་ཚེ་མི་ཡི་གཟུགས་ཀྱིས་གནས།

ད་ལྟ་ཕྲིན་འགྲོ་བ་ལ་གཟུགས་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཐུ་སྟོབས་དང་གཟི་བརྗིད་ནི་ངོ་མཚར་བ་ཡོད། དེ་འདྲའི་གཟུགས་ཀྱིས་ང་ཅག་དང་འཕྲད་དུ་མེད་པ་ནི་རྒྱ་མཚན་ཅི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ཆེན་མོས་ན་རེ། མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཐུ་སྟོབས་དང་གཟི་བརྗིད་མི་ཆུང་བས་རྒྱང་སེམས་ཀྱི་ཧྲའི་ལུས་སུ་སྤྲུལ་ནས་ཟེར་བས། བཙུན་མོ་ཆུང་ངུས་འདི་སེམས་སོ། རྒྱལ་པོའི་ལུས་སྟེང་བརྟེགས་ན་ལུས་དེ་ཉིད་ཀྱིས་ང་དང་མཛལ་སྐབས་ནས་བུ་མོ་མང་པོས་ཤིང་ཙན་དན་ཁྲིར་ནས་རྒྱལ་པོའི་ལུས་སྟེང་བཀྲེག་གོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ནམ་མཁའ་ནས་ཕྲིན་སླེབས་ནས་བར་སྣང་ལ་གནས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །སྔོན་དུ་བསྒྲུབས་པའི་མི་ཆེན་ཐམས་ཅད་ཀྱིས། །གཅིས་ཐེང་སོས་པས་བཙུན་མོ་བུ་དང་བཅས། །གཅེས་པའི་ལུས་ལས་ཤིན་ཏུ་འབྲེལ་བ་ཉིད། །ཆོས་པ་མེད་པའི་བཙུན་མོ་འདི་ཡིས་བསྐྱེད། །ཁྲིད་རྣམས་ལ་ཡང་ཞག་བདུན་པའི་རྗེས་སུ་བདུད་ཀྱི་དཔག་ཡོང་ནས་བྲོ་ཆུའི་སེར་བ་ཕབ་ནས་ཁྲིད་ཀུན་གསོད་པ་ཡིན། དེའི་ཕྱིར་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་ཁྲིཨུ་སྐྲངས་ནས་ཐུར་འབྲོས་དགོས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། བཙུན་མོས་སྔ་དྲངས་སློན་འབངས་སོགས་ཀུན་གྱིས་རྒྱལ་པོའི་ཡོད་དན་ལ་བསྟོད་སྨྲེ་ཐུགས་སྣ་ཚོགས་བྱས་སོ། བཙུན་མོས་ན་རེ། སྨྲེར་འདོན་བྱས་པས་མི་ཕན། རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བའི་བཀའ་ལྟར་འཐོན་ན་ལེགས་ཞེས་སྨྲས་ནས་བཙུན་མོས་ཁྲིཨུ་དང་བུ་མོ་ལྷ་ཁྲིད་ནས་བྲོས་ནས་སོང་། ཞག་དུ་ཞིག་འགྲོ་བར་འཁྲིད་པའི་བུ་མོ་གཅིག་ལས་བུ་ཞིག་བཙས་སོ། །

བཙུན་མོ་ན་རེ། སྐྱར་བུ་མོ་ལས་བུ་བཙས་པ་འདི་མཚར་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ངེ་མི་བོ་གཅིག་དང་ཡེ་མི་འཕྲད། ཟླ་མས་ཕྱིན་བརྒྱབས་ནས་བཙུན་མོ་ཁྲིད་ཀྱིས་གཡོལ་བའི་ལྐུག་མ་རྩོས་ངས་འདི་སྦྱང་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཟླ་མས་ལྟུགས་བདབ་ལུས་ཡོད་པ་འདྲིས་བོར་མི་རུང་ཞེས་ལེན་ནས་འགྲོ་ཟེར་བར། ཡང་བུ་མོ་ན་རེ། ཐུར་ཀྱི་བུ་འདི་ཤི་མ་ཤི་མེད་པར་ཟླ་སྤ་རེ་འགྲོ་ཁར། ད་བུ་ཆུང་ངུ་ཡང་མ་ཐེག་པས་ཅིས་འགྲོ་ཟེར་བར། བཙུན་མོས་བདེན་ཟེར་ནས། སྦྱང་ཀིའི་ཁྲང་བྲར་བཅུག་ནས་དོར་རོ། །དེ་ནས་པར་གཞན་རྒྱལ་པོ་དེ་པོ་བྲང་དུ་ཏེ་བར་སླེབས་པ་ལ། ཞིང་མཁན་དང་འཕྲད་ཚེ་ཞིང་མཁན་ནི་བཙུན་མོ་དེ་གཟུགས་མཛེས་པས་ཉ་ལས་དེ་རྒྱ་མཚན་དྲིས་པའི་ཚེ། རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུ་ཅན་ཞེས་པས་རང་གི་ཞིང་ལ་བསྐོར་བར་འགྲོ་བ་ལ་མི་མང་པོ་ཚོགས་པོ་མཐོང་ནས

ཕྱིར་བས། དེ་རྣམས་ལ་དྲིས་པ། ཁྱེད་ཅག་ཅི་མཐོང་ཞེས་དྲིས་པས། མི་གཅིག་གིས་ཞུས་པ། གཏན་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཉིག་གི་བཙུན་མོ་ཡིན་སྐད། རྒྱལ་པོ་འདས་པའི་འོག་ཏུ་ད་དུང་དམག་འོང་བས་འཇིགས་ནས་བྲོས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་བཙུན་མོ་འདི་བྱུང་དུ་འོངས་ནས་རྒྱུ་དྲིས་པ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཕན་རྒྱལ་པོས་བདུད་ཀྱི་དམག་ལ་འགྲོ་བ་སོགས་དང་རང་གིས་འགྲོ་བ་སོགས་རྒྱུ་མཚན་ཞིབ་པར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་གསར་ནས། ཨའི། དེ་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བ་ལ་གནོད་བྱེད་པའི་བདུད་མོ་མཐུ་ཆེ་བ་ལགས་ཞེས་འཁང་ར་བྱས་ཏེ། རྒྱལ་པོས་རྫིན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བཙུན་མོ་དང་ཁྱེའུ་གཉིས་ཀ་ཤིན་དུ་ངལ་བས། འདི་དག་རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བའི་བཙུན་མོ་དང་ཁྱེའུ་ཡིན་པས་དེ་དག་ཁྲིད་ནས་དབང་མཛོད་ཀྱི་པོ་བྲང་དུ་འདུག་ནས་ཁྲིམས་བཞིན་བསྐྱུར་ཞེས་བཀའ་སྩལ་བས། བློན་པོ་དེས་བཀའ་བཞིན་བསྐྱུར་བར་གནང་། དེ་ནས་ཁྱེའུ་ནི་ཀྲ་མི་ཐི་ད་ཆེར་སོང་ཆེ། ཡོན་དན་ཅན་ལས་ཡོན་དན། ཆོས་མཁན་ལས་ཆོས། སྒྱུ་མ་མཁན་ལས་སྒྱུ་མ། སྟོབས་པོ་ཆེ་ལས་སྟོབས། ཐབས་མཁས་ལས་ཐབས། ཆོང་མཁན་ལས་ཆོང་། ཀྱུར་མཁན་ལས་བཀྱུ་བ་ལ་སོགས་པ་འཇིག་རྟེན་ན་གྲགས་པའི་ཡོན་ཏན་རྣམས་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པས། ནོར་དང་ལོངས་སྤྱོད་ཟད་མི་ཤེས་པས་གང་ནས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། །འདིའི་སྐབས་སུ་རྒྱ་མཚོར་ནོར་བུ་ལེན་པའི་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་ཡོད་པའི་ལམ་ཁར་བྱ་རྒོད་གཅིག་ལྡེ་སྤྲང་གི་སྦྲ་ཤུ་དང་རྩེ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། ཚོང་པ་རྣམས་ཀྱིས་མཐོང་ནས་སྨྲས་པ། འདི་སྤྲང་གིའི་སྦྲ་ཤུ་དང་བྱ་རྒོད་རྩེད་མོ་བྱེད་པ་ཅི་ཡིན་ཟེར། ཚོང་པ་ཀུན་གྱིས་དེད་ནས་བཟུང་སྟེ་དྲིས་པ། ཁྱོད་མི་ཅི་འདྲའི་བུ་ཡིན་ནམ། སྤྲང་གིའི་སྦྲ་ཤུ་དང་རྩེ་བར་གནང་། ཁྱོད་ནོ་སྐོལ་དང་འགྲོ་འམ། སྤྲང་གིའི་སྦྲ་ཤུར་འཕྱུར་ཞེས་དྲིས་པས། བྱ་ན་རེ། བདག་སྤྲང་གིའི་སྦྲ་ཤུ་ཡིན་ཀྱང་རུང་། ཁྱེད་ཅག་ང་བཟུང་བའི་རྗེས་སུ་བདག་གི་འདོད་པ་བཞིན་སྒྲུབ་བམ་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཀྱི་དཔོན་པོ་ཀཱ་ལ་པཱ་སན་གྱིས་ན་རེ། ཡོངས་མིར་འགྱུར་བ་ལ་མི་དང་འགྲོགས་དགོས། སྤྲང་དང་འགྲོགས་པ་ནི་མི་འོས་ཞེས་ཟེར་ཏེ་ལེན་ནས་འགྲོ་འོ། །

ཚོང་པ་དེ་དག་རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུའི་གྲོང་ཁྱེར་གྱི་ཉེ་འདབས་སུ་ཚ་ཀླུང་ཆེན་པོ་འདི་སྐྱི་གཅིག་ལ་ཞག་དེར་བསྡད་པས། རྒྱ་གར་གྱི་སྐད་དུ་སྤྲང་གིའི་མིང་ལ་ཤ་ལི་ཅེས་པས། བྱའི་མིང་ལ་ཞ་ལུ་ཅེས་

བདག་པ་སོ། །དགོངས་དུས་སུ་སྤྲང་ཀི་འོང་ནས་ཧ་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཞ་ལུ་ལས་དེ་ཅི་སྐད་ཟེར་དྲིས་པས། ཞ་ལུ་ན་རེ། དེ་ང་གཡོས་པའི་ཕ་མ་གཉིས་ཡིན། དེས་སྨྲས་པ་ནི་མི་གཅིག་གིས་བུ་མོ་ཞ་འཁྲིད་འོངས་ནས། བུ་མོ་གཅིག་ནི་བྲ་ཁྱོད་སྐྱེ་རྩ་ཙམ་ན་སྟོར་བ་ལ། བདག་མི་སྟོར་བའི་སེམས་ཀྱིས་ཞ་ལུ་དང་འདྲ་བར་གསོལ་ཏེ་ཆེར་བསྐྱེད་པའི་དྲིན་ནི་མ་བཔམ་པར། །མི་དང་ཅིའི་ཕྱིར་འགྲོགས་སམ་ཁྱོད། མཚན་མོ་འདིར་ཚར་པ་མང་པོ་འབབ་པ་ལ། ཀླུང་ལ་ཤུ་ཀལ་ཆེན་པོ་འབབ་པ་ལ་མི་དང་ཕྱུགས་དང་ཁྱིམ་རོགས་ཀུས་ཁྱེར། དེས་གཡེང་བའི་སྐབས་སུ་ཁྱོད་ཕྱིར་ལོག །ཡང་དེ་ལ་ནི་ཀྱུར་མ་ཞིག་འཇབ་པར་འདུག་གོ་ཞེས་ཟེར་བར། ཞ་ལུའི་ཚིག་སྨྲས་པ་ལ་ཕྱིའུ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་བཀུ་སྨྲས་ནས་བསྟོད་པ་ལ། ཞ་ལུ་ལ་སྤྲང་ཀིས་སྤྲས་པའི་ཚིག་གཤན་ནས་ཕྱིའུས་སེམས་པ། བུ་ཞ་ལུ་འདི་ཐ་མལ་པའི་མི་མིན་སྤྲང་ཀིའི་སྐད་ཤེས་པ་དང་ཆར་འབབ་པ་ཤུ་ཀལ་འབྱུང་བ་སོགས་མི་བའི་ཞེས་སྨྲས་ན་ཡང༌། ངས་འཇབ་པ་ཅིས་ཤེས་ཡང་ཡང་འཇབ་ནས་ཤེས་སྨྲས་ནས་ལོག་གོ །ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་སྤྲང་ཀིའི་ཚིག་ཞ་ལུ་ལས་ཐོས་ཏེ་སྐྲས་འདི་ནས་རིའི་སྟེང་དུ་འགྲོ། །དེ་ནས་ཆུ་ཀླུང་དེར་ཞ་ལུའི་ཚིག་ལྟར་བྱུང་ངོ། །ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། ཞ་ལུས་མ་སྨྲས་ན་ང་ཚོ་ཐམས་ཅད་ཤི་ཞེས་ཟེར་ནས་ཞ་ལུ་ལ་བསྟོད་བསྔགས་བྱས་ཏེ་ཞ་ལུ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་ཕྱིན་ནོ། །དེའི་ཕྱི་ནུབ་པ་ཐུར་བཞིན་འཇབ་པར་འགྲོ་བཔ་ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་རྩ་སླི་གཅིག་ལ་སྤྲས་ཏེ་འདུག་གོ །ཕྱིའུ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ཉིད་ཀྱང་འཇབ་བས་དགོངས་ལ་སྤྲང་གཉིས་བྱུང་ནས་ཧ་བ་ལ། ཡང་ཞ་ལུ་ལས་དྲིས་པས། ཞ་ལུ་ན་རེ། ཧ་བའི་སྤྲང་ཀི་དེ་གཉིས་ངའི་ཕ་མ་གཉིས་ཡིན། དེ་གཉིས་ན་རེ། སྤྲང་ཀིའི་ཟས་ནི་ཤ་ཁྲག་ལས་མེད་ཀྱང་བརྩེ་བའི་སེམས་ཀྱིས་བྲ་ལུར་སོས་པས་མར་གྱུར་ལ་དྲིན་གཟོ་བའི་བསམ་པ་མེད་པར་མི་དང་འགྲོགས་ནས་འགྲོ་བ་ནི་ཅི་ཡོད། འདི་ནས་ཕྱིས་སུ་ཉིན་གཅིག་གཉིས་མི་འོང་བས། ཞ་ལུ་ཁྱོད་ནི་རོ་ཉུབ་མི་ཉལ་ཁྱེར་ཀྱི་ཆུ་ཀླུང་དུ་མི་རོ་གཅིག་རྒྱུས་ཁྱེར་ནས་སླེབས་པར་བཟུང་སྟེ་བཟླ་གཡས་པ་བཤགས་ན་ནང་ནས་ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་འབྱུང༌། །དེ་ནི་སུས་ལེན་ན་གླིང་བཞི་ལ་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་འགྱུར་རོ། ཡང་ཁྱེད་ཅག་ལ་ཀྱུར་མ་གཅིག་སྨྲས་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། ཕྱིའུ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་ཞ་ལུའི་ཚིག་ཚང་བར་ཐོས་པས་ཀླུང་གི་ཁར་བསྡད་པས། སྤྲང་ཀིའི་ངག་ལྟར་མི་རོ་གཅིག་བྱུང་བས་བཟུང

ནས་བརྡ་གསུམ་པ་གཤགས་ན་ནང་ནས་ནོར་བུ་གཅིག་བྱུང་ངོ་། །དེ་འདྲ་ནས་འདི་མིངས་སོ། །བུ་
ཞུ་འདི་ནི་བ་སམ་པ་ཡིན། འདི་ནི་ཐབས་གཅིག་དེས་འཕེན་རྣམ་ནས་ཕྱིར་འཛོག་གོ །ཁྲིཤུམ་སོག་
པའི་རྗེས་པུ་ཞུ་ཕུ་སོགས་ཚོང་པ་དང་འགྲོགས་ནས་གླང་ཁར་ཕྱིན་པས་པི་ར་གཅིག་ཡོད་ངས་ལེན་ནས
བརྡ་གསུམ་པ་ཏྲར་མིག་གཤགས་པ་ཡོད་པས་ཤིན་ཏུ་མི་དགའ་བར་འདུག་པ་ལ། ཤི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ནང
གི་ནོར་རྗེས་ཀྱི་སྒེ་སྒ་ར་རྒྱ་ཐེགས་པར་བཏབ་ནས་བསྐུམས་ཏེ་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་ལ་བཏང་ནས་ཁྱེར་ཏེ་ཚོང་པ
རྣམས་དང་འཆོང་ཐུས་པ་ཏྲར་མི་རེ་རེ་དང་འཕྲད་སྒེ་སྐྱོད་པ་ཏྲར་ཁྲོམ་དེ་བསྒྲགས་པའི་ནོར་རྣམས་ཚོང་པ
རྣམས་ཀྱི་ཁྱིམ་དུ་གཡང་ཏེ་བཞག །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུ་ཅན་ར་འདི་སྐད་ཅེས་གྲུབ་སོ། །བདག་ཚོང་
པ་ལྔ་བརྒྱ་དང་འགྲོགས་ཏེ་ནོར་བུ་ལེན་པའི་ཕྱིར་འགྲོ་བ་ལ། ཏྲར་ལྔ་སོགས་རྣམས་ནི་ནོར་བུ་མི་སྟེར་བའི
ཁར་བརྡེག་འཛོམ་ཐུས་ཏེ་ངས་བསྐྲངས་ངའི་ནོར་ཟུ། སོགས་ལྷོག་བཅོས་བྱེད། ངའི་རྗེས་ནི་མཐར་རྣམས
ལ་རྒྱ་བཏབ་པ་ཡོད་པས། རྒྱལ་པོས་ངེད་ལ་ཕ་ཡི་གནང་བར་ཞུ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་གཉིས
དང་དམག་ཉིས་བརྒྱ་དང་བཅས་པ་གནང་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །ཤི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏས་སྨྲས་པ
བཞིན་ཡོད་ན། ཚོང་པ་དེ་ཀུན་བཙུང་ནས་གསོད། མི་ནུས་ཤི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་འདི་བཟུང་འདི་གཉིས་རྒྱང་ཆེ་བར
གཏད་ཟེར་ནས་གཏོང་། རྒྱལ་པོའི་མངག་གཞུག་རྣམས་ཚོང་མཁར་བར་ཕྱིན་ནས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ
བཞིན་ཉི་རྒྱང་ཐོགས་པ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། ཁྲིཤུ་འདིའི་ནོར་འཕྲོག་པ་ཏུ་ཞིག །ཁྲིཤུ་འདི་ནི
ཡིམ་མཐོང་། ཅིའི་རྫུར་བརྫུན་པར་སྨྲས་ཟེར། སྙིང་ནས་ཕྲོག་པར་བྱེད་ན་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་
བཞིན་གསོད་པར་འོས་ལ། མ་འཕྲོག་ན་ཁྲིཤུ་འདི་ང་ཅག་དང་ལྷན་དུ་མ་བཏང་ཟེར་བར། བློན་པོ
ན་རེ། ཁྲིཤུ་འདིས་འཕྲོག་པ་བྱེད་པའི་ནོར་ཀྱི་སྒེ་སྒྲ་མོར་རྒྱ་ཡོད་ཟེར། ཁྱེད་ཅག་གིས་ཟེར་བ་
བཞིན། ཚོང་པ་རྣམས་ཀྱི་ནོར་གཡེངས་ངས་སོ་སོ་ནས་སྒྲ་རྣམས་ལ་རྒྱས་བཏབ་པའི་ནོར་མང་པོ་འབྱིན
ནས། ཚོང་པ་ཀུན་གསོད་པར་གཏན་པ་ལས་ཚོང་པ་ཀུན་འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་སྐྲ་ཟློགས་མང་པོ
ཡང་ཡང་འཁྲོན་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ།།

མ་འཕྲོག་པ་ནི་ངེས་པར་བདེན་མོད་ཀྱི། ང་ཅག་ལ་སྡིག་པའི་འབྲས་བུ་ངེས་པར་སྨིན་པས།
ད་ཡིན་ནས་འདི་ཡིན་ནས་ང་ཅག་རྣམས་འཆི་བར་ཟད་ཟེར་ནས་ཏུ་ཞིང་ཀྱི་རྒྱུད་བྱེད་པ་ལ། ཤི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ

དེ་ཉམས་ལ་ན་རེ། ཁྱེད་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་ངུའམ། ངུ་ན་མི་གསོད་པ་ཡིན་ནམ། བདག་ཁྱེད་ཅག་ལ་ཆིག་གཅིག་སླུ་ཡི་ཁྱེད་ཅག་དང་དུ་ལེན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། འོ་སྐོལ་འཆི་བར་ཟད་པའི་མི་རྣམས་ཡིན། ཇི་ལྟར་སྦྱིན་པར་ཇེ་ཁྱེད་ཁྱེད་ཤེས་ཞེས་ངུ་བས། ཁྱེད་ཅག་མ་ངུ་མི་འོས་པའི་སྤྱོད་པས་ནོར་འཕྲོག་པས། རྒྱལ་པོས་ཁྱེད་རྣམས་གསོད་པ་ཡིན། ནོར་རྣམས་ངའི་ཡིན་པས་ངས་ཁྱེད་ནུབ་པ་གསོད་མི་གསོད་བདག་གི་འདོད་མོད་ཀྱི་ཁྱེད་ཀུན་གསོད་པས་བདག་ལ་མི་ཕན། བདག་གིས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་ན་མི་གསོད་པ་ཡི། ཞེས་བསབས་སོ། །ཁྱེད་ཅག་བདག་གི་ནོར་གྱི་ཚབ་ཏུ་བྱ་ཞ་ལྡུ་དེ་བདག་ལ་སྦྱིན་ནམ། སྦྱིན་ན་མི་གསོད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་བདག་ཐུག་འཚལ་ནས་བདག་གི་སྲོག་སྐྱབས་པས། ཞ་ལྡུ་འབུལ་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། ཞ་ལྡུ་ཅིར་ཁར་ཚོང་པ་རྣམས་ན་རེ། འོ་སྐོལ་གྱི་འཆི་བ་གཉིས་ལས་སྲོག་སྐྱབས་པ་འདི་ཙར་དྲིན་ཆེ་བས། དྲིན་གཟོ་བའི་ཕྱིར་དུ་ལོ་རེ་བཞིན་ཁྲམ་ཐུལ་བར་གདའ། མ་མཐའ་ནའང་ཚོང་པའི་ཕྲུད་འབུལ་བར་གདའ། ཞེས་ཟེར་ནས་འོ་སྐོལ་སྲོག་གི་སྐད་དུ་བྱ་དེ་དང་ཁྱེད་ལྡན་ཅིག་ཏུ་འགྲོ་འོ་ཞེས་ཟེར་རོ། །བྱ་ན་རེ། མི་ལྷ་བརྒྱའི་སྲོག་སྐྱབས་པའི་དགོས་པ་བདག་ལ་དོན་ཡོད་དོ་ཟེར། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛ་ཏ་ཚོང་པ་ལྷ་བརྒྱ་ལ་གྲོང་མེད་པར་འདོད་ནས་ཞ་ལྡུ་འཁྲིད་ནས་པོ་བྲང་ལ་ཕྱིན་པས། མས་ནི་བྱ་ལས་དྲིས་པ། བྱ་ཁྱོ་དེ་ག་ན་བྱོན་ནས་ཡོང་། འཁྲིད་པའི་བྱ་འདི་ནི་པུ་ཡི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བྱ་ན་རེ། ཨ་མ་ཁྱེད་ཅག་འགྲོས་པར་སོང་ཆེ་གཅིག་ནི་ཏྲེ་ཤ་ནས་ནོར་བ་སྐད་ཟེར་བར། མ་ནི་ན་རེ། བདག་གིས་འཁྲིད་པའི་བྱ་མོ་གཅིག་བྱ་སྐྱེས་ནས་འམ་ཁར་ལྟང་གིའི་ཁྲང་བུར་བཅུག་བ་དེ་ནི་བྱ་ཁྱོད་མི་ཤེས་ཟེར་བ་ལ། ཁྱེཙ་ན་རེ། བྱ་དེ་འདི་ཡིན་ངེས་ནམ་ནི་ཏུ་ཞིབ་སྐྱེས་ནས་ཞ་ལྡུ་ནུ་ས་ནུ་བར་ཀྱར་ཅིག་ཅེས་སྐྱོད་ལམ་བཅབ་པས་ཞ་ལྡུས་ནུ་མ་ནུས་སོ། །དེ་ནས་ཁྱེཙ་བི་ཀྲ་མི་ཛ་ཏ་ན་རེ། ཨ་མ་ཁྱེད་ནི་པོ་བྲང་འདིར་བཅུགས་ཤིག །བདག་ནུ་བོ་ཞ་ཙ་དང་ཨ་ར་རྒྱལ་པོའི་གྲོང་ཁྱེར་དང་ཆབ་འབངས་རྣམས་ལ་འཕྲུད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ཨེ་མ་ད་རེ། ས་ཨང་རིང་ར་གཏུག་ཅན་མང་པོ་ཡོད་ངས་བྱ་ཁོ་དེ་རེས་སླབ་ཡོང་ཞེས་ཟེར་བར། ཁྱེཙ་ན་རེ། ཨེཙ་ཅིཨ་མ་དེ་ར་ཟི་ཐུག་ཡོད། ས་ནི་རིང་ཨང་སོང་སོང་སླེབས། །དགྲ་བོ་མང་ཨང་གནོད་གནོད་ཐོར། །ཏ་མོ་ཧུང་ཨང་པ་ཡུལ་མཐོང་། །ཞེས་ཟེར་ནས་པ་ཕྱུར་དུ་ཞ་ལྡུ་འཁྲིད་ནས་ཕྱིན་ཏོ། །དེ

ན་ ཀཱཏྲ་ཨི་ཏི་རི་རབ་འབངས་ཀྱི་མཐར་སྤྲིངས་པ་ཐག་ཏུ། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཏ་ན་རོ་འདུས་པ་དང་ཚབ
འཐངས་རམས་བརྟག་མེར་བ་ཐོས་ནས། ཤུལ་གཏད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ཞིག་པ་གཅིག་རྒྱལ་པོ་ཏ
ན་རོ་ཁྲའི་བཙུན་མོ་འདི་རྣམ་ནས་ཨིད་པ་ར། རྒྱལ་པོ་དེ་ཉི་ཚེར་བསྡད་འོང་ནས་མངའ་འོག་ཏུ་བཙུགས
བསྡད་རིས་བྱར་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ཡང་མངའ་འོག་ཏུ་བཙུགས་ནས། ཉིན་གཅིག་ལ་རྗེ་དཔོན་གཅིག
གིས་སྤྱ་རྫངས་ནས་མི་བརྒྱ་བར་དང་ནས་གསོལ་སོ།།

དེ་ནས་ནི་ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏ་དང་ཏ་ཙ་གཉིས་ཀ་གཡས་ཤུལ་གྱི་མཐར་ཚྭམ་གཅིག་ལ་ཕྱིན་པས་གན་མོ
གཅིག་ཁ་ཐབ་ཏུ་ཐལ་ནས་གདོང་ལ་སེན་མོ་འཐྲད་ནས་ཀྱི་རྒྱུད་ཐས་པ་མཐོང་ནས། ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏས
གན་མོ་དེ་རྡངས་ཏེ་བསྡངས་ནས་གན་མོ་ཁྱོད་ངའི་ཕྱིར་དུ་འདི་ལྟར་གྱུར་ཞེས་དྲིས་ངས། གན་མོ་ན་རེ།
ང་ལ་བུ་གཅིག་ཡོད་དེ། ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་རྒྱལ་པོ་ཏ་ན་རོ་ཁྲའི་བཙུན་མོ་ལེན་སྐབས་ནས་ཕྱིན
པས་ཕྱིར་བསྡད་ཀྱི་དབང་ནས་ཉིན་གཅིག་ལ་དཔོན་པོ་གཅིག་བཅས་མི་བརྒྱ་ཚང་བ་གཅིག་དགོས་པ་ལ།
ངའི་བུ་གཅིག་ཉེར་ཕྱིན་དུ་གཅིག་བུ་ཡུས་པ་ཡང་ན་གྱི་མེར་བས་སྐྱངས་དེ་སོང་། དེ་ནས་ན་བུ་གཅིག
བུ་ལས་འབྲལ་ལོ་སྙམ་པ་དེ་ཚིགས་དེ་ཤི་སྙམ་པ་ལ་ལགས། བུ་ཁྱེད་གཉིས་ཀྱིས་མི་གསོན་ངས་མི་ཤེས
པར་འདུག་མེར་བ་ལ། ཤི་ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏ་ན་རེ། གན་མོ་ཁྱོད་འདི་ཙམ་སྡུག་མི་དགོས། ཁྱེད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ལ
ནི་སྐྱེས་ནས་བུ་གཅིག་བུ་རེའི་ཕྱིར་ཁྱོད་ལ་གཏོང་གི། ཁྱོད་ཀྱི་བུའི་ཚབ་ཏུ་ང་རང་གི་ལུས་བཏང་མེར་བར།
གན་མོ་ན་རེ། ཨོཾ་ཡེ་ཙ་མ་ཁྲེ་ཙ་གཉིས་ཁ་དེ་གང་གང་ནི་བདག་གི་དང་འདྲ་བས། བདག་ཤི་བ་སྐྱོགས
ངའི་གན་མོ་གཏང་། བུ་ཁྱེད་གཉིས་མ་འགྲོ། ང་འདྲའི་གན་མོས་ཀྱི་རྒྱུད་ཟིན་བཞིན་འཆི་ཡོང་མེར
བར། ཤི་ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏ་ན་རེ། ཨེ་ཙ་ཅི་དེ་ལ་ཅིའི་ཕྱིར་སྡུག །ཁྱེད་ཀྱི་བུ་མ་བཏང་ན་ཚབ་ཏུ་ངའི
ཉུ་བོ་སྤྲིད་མེར་ནས། ཁྲེ་ཙ་ནི་ཁྲ་ཤི་ཛི་རས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ལ་ཕྱིན་ནས། རྒྱལ་པོ་དེས་དཔོན་གཅིག
བཅས་མི་བརྒྱ་འདུས་ཡས་མི་དེ་དག་གིས་ཀྱི་རྒྱུད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་ཁྲེ་ཙ་ནི་ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏ་ཉིད་མཐོང
ནས་ཁྱོད་གནས་ཡོངས་ཞེས་དྲིས་པས། ཤི་ཁྲ་ཤི་ཛི་ཏ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཏ་ན་རོ་ཁྲའི་བུ་ཡིན་ཡབ་འདུས
ངའི་རྗེས་སུ་བསྡད་ཀྱི་དམག་ལ་འཇིགས་ནས་འཁྲོས་དེ་ཉུ་བོ་ཡང་ཁྲིད་ནས་ཤུལ་འདི་ལ་ངའི་ཡབ་ཀྱི
སྲིད་ཡོད་པས་བདེའམ་སྙམ་སེམས་བསྐོར་ནས་བསྡུ་ཞེས་ཡོངས་པ་ཡིན་མེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ

ན་རེ། གཉིད་འོངས་པ་ཁྱོད་ལྟ་ཞིག །སྤང་ཡོངས་པ་ངས་ཀྱང་སྟག་བརྟལ་མྱོང་བར་གདའ། ཉིད་གཅིག་ལ་དཔོན་པོ་གཅིག་དང་འབངས་བརྒྱས་ཁྲལ་འབུལ་ལགས་ཟེར་བ་ལ། ཟི་ཀྲ་མི་ཧི་ཏ་ན་རེ། བདག་གཉན་མོ་གཅིག་ལས་ཚང་བར་ཐོས་སོ། །གཉན་མོ་ཀྱི་རྣད་ཆེ་བས་དེའི་བུ་ཡེ་ཚབ་ཏུ་བདག་སྦྱིན་ཅེས་སྨྲས་ནས་ཡོངས་པ་ལགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ན་རེ། ཁྱོད་བདུད་དེ་ལ་ཡང་འགྲོ་མི་བཟོད། བདུད་དེས་ཁྱོད་ནི་ཟོས་པ་ལས་གཞན་ཅིར་གྱུར་ཟེར་བ་ལ། ཁྱེའུ་ན་རེ། སྐར་དེ་ལྟ་ན་རྟེན་འབྲེལ་ལེགས་པར་འགྲིགས་པ་ཡིན། མི་བརྒྱའི་ཆེད་དུ་ལུས་སྟེར་ན་དགེ་བ་དེ་ཡིས་སྐྱེ་བ་ཕྱི་མར་སྐྱེ་གནས་བཟང་པོ་ཞིག་ཐོབ་པར་ངེས་སེམས་ནས་སླེབས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་གདང་ནས་གཉན་མོའི་བུ་བཏང་ངོ་།།

དེ་ནས་ཟི་ཀྲ་མི་ཧི་ཏས་མི་བརྒྱ་ཁྲིད་ནས་གྲོས་གར་གྱི་ཚུལ་གྱིས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་སྐུ་དྲངས་པའི་མི་མང་པོས་ཟིན་ཏེ་བལྟ་ཞིབ་སོང་ནས་ནགས་སྐྱེ་ཤིན་ཏུ་ངོ་མཚར་ནས་འདི་སྐད་ཟེར་རོ།།བུ་འདི་ནི་བསླུ་བ་མེད་པར་རྫོགས་པར་ངེས་པའི་སངས་རྒྱས་ཡིན་ནས། ཡང་ན་ཉི་ང་ཅག་གསོད་པའི་བདུད་ལ་རྫོང་བ་ཡོད་པའི་འདྲི་ཡིན་ནས། ཅི་འདྲ་ཡིན་ཡང་མང་ཉིན་ལ་ཤེས་པ་ཡིན་ཟེར་རོ། །དེ་ནས་ཟི་ཀྲ་མི་ཧི་ཏ་མི་བརྒྱ་ཁྲིད་བཞིན་པར་གྲོང་ཁྱེར་དེར་ཕྱིན་པས། པོ་བྲང་ངོ་མཚར་བ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་བཅུག་ནས་བརྟེན་པས། སེ་ཧྲེས་བཏེགས་ངའི་ཁྲི་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེའི་སྟེང་དུ་ཟི་ཀྲ་མི་ཧི་ཏ་འདུག་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཨེ་མ་ཧོ་མ་བདག་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཏ་ར་ཏོ་ཏ་ཁྲི་འདི་ལ་བདེ་བར་བཞུགས་ནས་བཙུན་མོ་དང་ཆབ་འབངས་ཐམས་ཅད་བརྩེ་བཞིན་བསྐྱངས་པ་དང་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་སྟེ་བདེ་བར་འདུག་པར་བྱེད་པའོ། །ད་ང་ཡང་འདི་ལྟར་སྡོང་བར་གྱུར་པ་ནི་བརྟས་ན་འཇིག་རྟེན་གྱི་བྱ་བ་རྣམས་མི་རྟག་པ་ཡིན་ཞེས་དུ་བཞིན་འདི་སེམས་སོ། ཏང་མི་མང་པོ་ཐོས་པ་ལ་ཧི་རྟར་སེམས་པ་ལགས། བདུད་ཀྱིས་ཟོས་པའི་མི་དེ་རྣམས་སྟེང་རེ་ཧི་ཞེས་དུ་བ་ངས་ཕེངས་སོ། །བདུད་ཁྱོད་ཀྱི་གདུང་བརྒྱུད་ནི་བདག་གིས་ཚ་བ་ནས་ངེས་པར་བཅད་པ་ཡིན་ཞེས་སེངས་ནི་ཐག་ཚད་ནས་མི་དེ་དག་ནི་ཧྲུར་ལོག་པ་ངས། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་འདི་སྐད་ཅེས་བཤོད་དོ། །གདུག་ཅན་བདུད་ནི་དབང་དུ་འདུས་པའི་ཕྱིར། །བདག་གི་སྙིང་དུ་དགའ་ནི་ཐུབ་གང་བརྒྱ། །པོ་བཞིར་ཐུབ་བ་གང་བ་བརྒྱ་རེ་རེ། །བདག་ཏེ་པ་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ

ང་གཡོལ། །ཞེས་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོ་དཀར་ནས་ཁྲི་བཙུན་ངག་བཞིན་བཤགས་པ་ལ། བདུད་དེའི་དམག་ཡོངས་ནས་སྒོ་བཞི་ཚང་རྣམས་མཐོང་ནས་དགའ་ཞིང་དོ་ག་མ་མེད་པར་འབྱུང་བས་སྐྱོས་ཤིང་བརྒྱལ་བ་ལ། ཁྲི་བཙུན་ངམས་ཅན་བསད་པར་འདུག་པ་ལ། བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་སྤྲིངས་ནས་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་ཁྲི་བཙུན་ལ་བརྡབ་པར་གཟས་པ་ངས། ཨས་བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་ཤིང་བསྐུར། བདག་གི་དྲུང་ན་འཁོད་པའི་ཟས་འདི་དག་བསོད་ཟུས་ན་ཁྲོད་ཀྱི་འདོད་པ་ལྟར་ཡིན་ལ། གལ་ཏེ་མ་ཟུས་ན་བདག་གི་དབང་ཡིན་ནོ་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོས་རལ་གྲི་བོར་ནས། ཚང་དེ་ཀུན་ཟུས་པ་མེད་པར་འབྱུང་བས་ཤིན་ཏུ་ཚོས་ནས་བརྒྱལ། དེ་ནས་ཐི་ཏྲ་མི་ཊི་ཏ་འདི་སེམས་སོ། །བདུད་ངན་འདི་ཉིད་ནི་ཐབས་ཀྱིས་བསད་ན་མི་རུང་། ཟུས་མཐུས་བཤད་ན་གྲགས་པ་ཆེ་སྟེ་ནས་བཅིངས་པར་བྱེད་ཅེ། བདུད་སངས་ཏེ་བཏིངས་ནས་ཁྲི་བཙུན་ཤེལ་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་བདུད་དེ་ནི་གཉིས་ཀྱིས་པ་ལྟར་བརྒྱབ་པ་ན། བདུད་ཀྱིས་ཊི་གཉིས་སུ་གྱུར་ནས་རྡོར། ཡང་བཞི་བརྒྱབ་༡་བཞི་དང་། བརྒྱད་བརྒྱབ་ན་སྟག་བརྒྱད་དུ་གྱུར་༡ས་ཙུར་ཝ་ཆེན་པོ་སྒྲོགས་པས། ཁྲི་ཙུ་ལ་ཙུར་སེ་ཀྲ་དཀར་པོ་ཁྲིམས་ཤིང་གཏུབ་པ་བརྒྱད་དུ་སྤྲུལ་ནས་ཙུར་ཙུར་ཆེཊས་ཆེནས་ཀྱི་ལྷ་འབྲུག་ཁྲི་འབུམ་གྱི་སྒྲ་ལྟར་སྒྲོགས་པས་གནམ་ས་ཐམས་ཅད་གང་བས་ཉི་ཟླའི་འོད་མི་སྣང་བ་དང་རི་བོ་བསྒྱིལ་བ་དང་རྒྱ་མཚོ་འཁི་བ་ཀློང་འཁྲུགས་པ་ལ་སོགས་པའི་ལྟས་བྱུང་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་སོགས་ཀུན་འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་བརྒྱལ་ལོ། །ཐི་ཏྲ་མེ་ཊི་ཏ་རིས་བདུད་གཞོམ་པ་ནས་བཏངས་བཞག་སྟེ་ས་ཙ་རྣམས་འདུལ་ནས། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་སོགས་ཀུན་པའི་སྐྱིད་དང་ལྡན་པར་བྱས་སོ། །དེ་༡ས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་ཁྲི་ཙུ་ཐི་ཏྲ་མི་ཊི་དས་བདུད་ཀྱི་དམག་དཔུང་འཇོམས་རྒྱལ་པོར་འདུག་ནས་རང་གི་ཚབ་ངོག་ཏུ་གཏོགས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཨརྫ་བརྫ་རྒྱལ་པོ་ཐི་ཏྲ་མི་ཊི་ཏ་དང་འདྲ་༡་ཁྲི་འདི་ལ་འདུག་དེ་འདྲ་མ་ཡིན་ན་འདུག་མི་རུང་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨརྫ་བརྫས་གསན་༡ས་ངོ་ཚ་ཞིང་ཡང་ཕྱིར་ལོག་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གསུམ་པའི་ལེའུ་སྟེ་གསུམ་པའོ།། །།

ལེའུ་བཞི་པ།

༄ དེ་ནས་ཕྱིས་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་ཨརྫ་བརྫེས་འདི་སེམས་སོ། །བདག་ལ་ཁྲི་བཟང་པོ་འདི

ལ་སྦྲོད་ངའི་སྐལ་ང་མེད་ན་ག་ལས་རྙེད། སྟོད་པའི་སྐབས་སུ་མ་བབས་ཀྱང་ཡང་བསྐུར་བར་འདུག
སྐྱས་ནས། རྫིར་བཞིན་དུ་འཇོགས་པས། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་མ་འདུག །
བདག་གིས་དཔེ་གཅིག་སྨྲའོ། །སྔོན་ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་མི་ཛེ་དུ་ཁྲིའུ་བདུད་བདུལ་ནས་རང་གི་ཁྲི་ལ
བརྡད་ནས་འགྲོ་བ་རྣམས་བདེ་སྐྱིད་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས། དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཡུལ་ནས་ཀྲྀ་ཀི་མེ
ཏོག་གར་མ་ཞིག་བྱ་བའི་བུ་མོ་གཅིག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་འོངས་པའི་རྣམ་ཐར་སྨྲའོ། །ཁྱེད་ཅག
ལེགས་པར་ཉོན་ཅིག །རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་ཌི་ཛེ་ནས་བདུད་བདུལ་ནས། རྒྱལ་པོ་ནས་མཐུའི་ཡུལ་ནས
རང་གི་ཨ་མ་ལེན་ནས་བདེ་བར་འདུག་པ་ལ། དེ་དུས་ཞིང་མོས་ནས་འགྲོ་བ་ཀུན་ཚིམ་པར་བྱའོ་སྐམ
ནས་ཞིང་མོས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤཔ་ཛེ་ཤི་ཀྲ་མི་ཛེ་དུ་ལ་བསྟོད་པར་བྱེད་ཟེར
ནས་ཤི་ཆེ་ཆུང་རྣམས་དགའ་སྟེ་ཀུན་གྱིས་རྒྱ་མཚོ་ལ་ཕྱུར་བ་ཀོ་ནས་ཆུ་དྲངས་པ་ལ། ཤི་ཀྲ་མི་ཛེ་དུས
ཀྲྀ་བེ་ཏ་ཨུ་ཁྲིད་ནས་མི་ཆེན་པོ་རྣམས་སྡུག་བསྔལ་བར་འགྱུར་རམ་མི་འགྱུར་བརྟག་ཞེ་ན་པོ་བྲང་གི་རྩེ་ལ
བྱོན་པས། མི་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ན་བུ་མོ་ལྗོངས་ཞིང་ཡོད་དུ་འོང་བ་ཞིག་མཐོང་ནས། ཞ་ལུ་བ
སྨྲས་པ། བུ་མོ་གཟུགས་མཛེས་པ་དེ་སུ་ཡི་ཡིན་ལེན་དེ་ཡངས་ཟེར་ནས་བཅོལ་བས། ཞ་ལུ་འགྲོ
ནས་བུ་མོ་དེ་ལེན་ནས་ཁྲིད་པས། ཁྲིའུ་ན་རེ། ཁྱོད་སུའི་བུ་མོ་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བུ་མོ་ན
རེ། ང་གདོལ་པའི་རིགས་ཀྱི་བུ་མོ་ཡིན་ལགས་ཟེར་བ་ལ། ཁྲིའུས་བཀའ་སྩལ་པ། འོ་ན་ཁྱོད
སྟེང་ནས་བཙུན་མོར་བྱེད་བ་ལགས་ཁྱོད་རང་ངམ་ཟེར་བར། བུ་མོས་ཞུས་པ། རྒྱལ་པོའི་བཀའ
བཞིན་བཙུན་མོ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། ཁྲིའུ་རྒྱལ་པོས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤལ་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །
ངདག་གིས་བུ་མོ་འདི་ངན་ངས་འདི་ནི་ཁྱོད་ལ་ཅོན་ཅིག་ཟེར་བར། དེ་འདྲ་ན་ལེགས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ
རྩར་བྱའོ། །རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ལ་བཙུན་མོ་མེད་པ་ལ་བདག་གི་སེམས་པ་སྤྲོང་བ་ཡི་ཟེར་ནས་དགའ
ཞིང་བྱུག་བྱས་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་མི་ཛེ་དུས་བཙུན་མོ་བླངས་ནས་སྔོན་མོ་བྱས་པ་ལ། བུ
མོ་དེ་ནི། ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཆུང་མ་བླངས་ན་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་གཉས་རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་པོ་བྲང
གཅིག་ཡོད་དོ། ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ནི་དེར་བྱོན་ནས་འོང་ན། ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོ་བྱེད་ཅེས་བྱས་པ་ལ།
ཛེ་ཤི་ཀྲ་མི་ཛེ་ངས་དེར་འགྲོ་རྩུང་ཟེར་དུས་ཤིང་རབ་ཀྱི་ངལ་གྱི་ལེན་ནས་རྒྱན་རྣམས་ཀྱིས་བརྒྱན་ཏེ་བརྒྱ

བྱིན་གྱི་ཕོ་བྲང་དུ་གདན་ནས་ཕྱིན་ནས། རྒྱལ་པོས་ངལ་སོས་ཕོ་བྲང་ཆེན་གྱི་ཤིང་ཁྲུང་དུ་བཞུགས་པ་ལ། ཤིང་དེ་ལ་ཀ་ལ་བིང་ཀའི་སྤྲ་གུ་མང་པོ་འདུག་པ་ལ། སྤྲ་གུ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་ངུས་ནས་ན་རེ། ང་ཅག་ལ་སྦྲུལ་གདུག་པ་ཅན་ཡོངས་ནས་ང་ཅག་གནོད། དེ་ཡས་ང་ཅག་རྣམས་སྐྱབས་ནུས་པ་ཡོད་དམ་ཟེར་ནས་ཀྱི་རྒྱུད་ཐུབ་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཁྲི་ཙུས་གོས་ནས་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་སྦྲུལ་སྤྲིངས་པ་ལ་དགུ་ཅགས་རྒྱབ་ནས་བསད་པར་འདུག་པ་ལ། སྤྲ་གུ་དེའི་པ་མ་གཉིས་འོངས་ནས་སྤྲ་གུ་ལས་དྲིས་པ། སྦྲུལ་འདི་སུས་བསད། ཁྱོད་ཅག་རྣམས་སུས་སྐྱབས་ཟེར་བར། སྤྲ་གུ་རྣམས་ན་རེ། ཤིང་འདིའི་ཙ་བ་ན་འདུག་པའི་མི་ཞིག་གིས་བསད་པས་ང་ཅག་སྐྱབས་ཟེར་བར། ཀ་ལ་བིང་ཀ་དེ་གཉིས་འབབ་ནས་བཏུད་དེ་ཕྱག་བྱས་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་སྐྱབས་མཛད་པའི། །གཙང་སྤྲོད་རྗེ་རི་ག་ཡས་བྱོན། །འཇིགས་རྟེན་གདུག་ཅན་སྦྲུལ་བསད་པའི། །སྐྱབས་མཆོག་ག་ནས་བྱོན་པ་ལགས། །བདུད་བདུལ་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཉིད། །གང་དུ་བྱོན་ནམ་ཞེས་ཟེར་ནས། །ཞུས་པ་ལན་གསུམ་ཞུས་པ་ལ། །རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཕོ་བྲང་གི་གཡས་ཕྱོགས་སུ་རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་ཕོ་བྲང་ཞིག་ཡོད་དོ་ཟེར། བདག་གིས་དེ་བཞུ་བྱིན་ནོ་སྨྲས་པ་ལ། ཀ་ལ་བིང་ཀ་ན་རེ། རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་ཕོ་བྲང་དེར་གནས་པའི་འགྲོ་བ་རྣམས་ཤི་བས། དེ་ལྟའི་མི་དགོས་སོ་གལ་དེ་བཞུ་དགོས་ན་བྱོན་ནོ། ང་ཅག་གཉིས་ནི་ཁྱེད་ཀྱི་ཐེག་བཞེད་ཚང་མེད་ནས་ཐེག་བཏེད་ནས་བྱོན་ནས་དེ་མ་ཐག་ཏུ་ཕྱིན་ནོ། །ཕོ་བྲང་གི་སྒོར་འབེབས་ཏེ། ཀ་ལ་བིང་ཀ་ན་རེ། རྗེ་རྒྱལ་པོས་ག་༡ཕྱུན་དགོངས་ན་ང་ཅག་རྣམས་བསམ་མ་ཐག་ཏུ་སྐད་ཅིག་ཉིད་ལ་སླེབས་ཡོང་བ་ཁྱེད་ཀྱི་ཐེག་བཏེད་ཞུས་ཟེར་དེ་ལོག །རྗེ་རྒྱལ་པོ་དེས་ཕོ་བྲང་དུ་བཙུག་ནས་བཞུ་བས། ནག་ཚལ་གྱིས་གང་བའི་ནང་དུ་རྫིང་བུ་གཅིག་ཡོད་དོ།།

དེ་ནས་ཕར་ཕྱིན་པས་སྣ་རིག་གི་སྒོ་རང་འབྱེད་གདའ། བཙུག་ནས་བལྟས་པས་གསེར་ཁྲིའི་ཁར་རིན་ཆེན་སྣ་བདུན་གྱིས་བརྒྱན་པའི་བུ་མོ་ཞིག་གི་འོད་ཟེར་སྣ་ཚོགས་འཕྲོས་པའི་རོ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེའི་སྲི་ཞལ་དུ་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱའི་རོ་ཡོད་དོ། །དེ་དག་མཐོང་ནས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཤི་སོང་བ་ཡིན་སྙམ། ད་དྭ་ཀ་ལ་བིང་ཀ་ཡོང་ངོ་སྙམ་པས། ཀ་ལ་བིང་ཀས་སྐད་ཅིག་ཏུ་སླེབས་པས། རྒྱལ་པོ་ཐེག་པས

དེ་མ་ཐག་ཏུ་ལོག་ནས་ཡོངས། །བཙུན་མོ་ན་རེ། །རྗེ་རྒྱལ་པོས་པོ་བྲང་དེ་རྣམས་མཐུང་ངམ་ཟེར་བར།
བདག་མཁར་དེ་མཐོང་ངོ། །འགྲོ་བ་རྣམས་ཀུན་ཤི་བར་གདའ། །སྙིང་རེ་རྗེ་དེ་དག་འགྲོ་བ་མང་
པོ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཤི་བ་ཡིན་ཞེས་བཀའ་རྩལ་པས། །བཙུན་མོ་ཤི་སོང་། །རྒྱལ་པོ་ནི་ཀྲ་ཀི་རྗེ་དཔ
སེམས་གདུངས་ནས་གཤེགས་པའི་དགེ་བ་བྲུབ་ཟིན་ནས། །ཡང་ཀ་ལ་ཝིང་ཀ་འོངས་པ་སོ་སྐམ་པར་དེ།
སྨིན་པར་ཐེག་བཞེད་བྱོན་ནས་ཐུར་གྱི་མཁར་དེར་སོང་བས་གྲོ་རིར་ཕབ་པས། །ནང་དུ་བུ་མོ་མི་དོག
གར་མ་འཛུམ་འོད་འཕྲོས་པ་ཞིག་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱས་བསྐོར་བར་ཡོད་དོ། །བུ་མོ་དེ་དག་བཞུ་ཙ་འོངས
ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ། །རྗེ་རྒྱལ་པོ་ཆེད་ནི་སེམས་སྐྱོང་ངས་ལུས་ངལ་བ་མ་བདེ་བར
འོངས་སམ་ཟེར་བར། །ཀ་ལ་ཝིང་ཀའི་མཐུས་བདེ་བར་འོངས། །ཐུར་བདག་ཅུང་ཟ་བཟུང་ཉོ
ཐངས་སྐམ་པར་ཤི་སོང་བར་གདའ་བས་སེམས་སྐྱོང་བར་ཡོད་ཟེར་བར། །མི་དོག་གར་མ་ན་རེ། །རྗེ
རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་མི་ཤེས། །བུ་མོ་དེ་འདྲ་ཡང་བདག་རང་ཡིན་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་སྲས་མོ་མི་དོག
གར་མ་བྱ་བ་ཡིན་ལགས་སོ། །བདག་རང་མི་འོས་པའི་བྱ་བ་བྱས་པས། །ཡབ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲོས་ཏེ
ང་དང་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱ་དང་བཅས་པ་ཚར་བཅད་ནས་འཛམ་གླིང་དུ་གཏོལ་བའི་རིགས་ཅན་གྱི་ཆུང་མར་འགྱུར
ཞེས་ལོན་ས་པའི་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་ཤི་རུ་སོང་ངས། །ཡབ་ཀྱི་བཀའ་བཞིན་དུས་པ་ལས། །རྒྱལ་པོ
ཁྱོད་དང་འཕྲད་པ་ནི་དེ་ཡིན་ནོ། །ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་མ་གནང་བར་ང་ཅག་གཉིས་འགྲོགས་པ་མི་རུང
བས། །པོ་བྲང་འདིའི་ཀླང་གི་རོ་རྣམས་མཐོང་ཞིང་འགྲོ་བ་ཡིན། །ཁྱེད་ཀྱིས་མཐོང་ཞེས་བཀའ་རྩལ
པས། །འདི་ལ་ང་སློགས་དེ་སླེབས་ཡོད་སྐམ་ནས་རང་གི་ཕུང་པོ་དོར་ནས་འདིར་སླེབས་པ་ཡིན་ཞེས
ཞུས་པས། །རང་གི་པོ་བྲང་དུ་རྒྱལ་པོ་སྤྱན་དྲངས་ནས་ཟས་རོ་བརྒྱ་གསོལ་ནས་འདོད་དགུར་དགའ་བསྐྱུར
ནས་སྐྱིད་པར་གདའ་བ་ལ། །མི་དོག་གར་མས་ཞུས་པ། །རྗེ་ནི་ཀྲ་མི་ཛེ་དུ་རང་གི་པོ་བྲང་དུ་བྱོན་ན
ལེགས་ལ། །བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདག་གསོས་པར་ཤེས་ནས་ད་ལྟ་པོ་༧ འོངས་ནས་བདག་སྡུག་བསྔལ་མྱོང
ངོ། །བདག་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་བ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་མི་བཟོད་པས་སེམས་པ་ཉི་ཤིན་ཏུ་གདུངས་པ་ཡོང
ཟེར་བ་ན། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། །དེ་ལ་ཡང་ཅིས་སྡུག་པ་ཡོད། །མི་དོག་གར་མ་ཁྱོད་ནི་སྡུག་པ་ནི
མཐོང་ནས་འགྲོ་བ་ཡིན་ཟེར་ནས་གདའ་བ་ལ། །ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷ་གཞན་རྣམས་འཁོར་ནས་འདི་སྐད

དོ། །སྦྱོན་ཅན་མི་དོག་གར་མ་གསུམ་དེ་སླེབས་སྐད། ཁྱེད་ཅག་ཕྱིན་ནས་བཤད་ནས་ཇོ་བོ་ཐང་ཆེན་པོར་ཕྱུལ་ནས་བསྐལ་བ་སྟོང་གི་བར་དུ་མི་འགྲོན་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་སླེབས་ཟེར་བ་ལ། ལྷ་དེ་དག་ཡོངས་ནས་བུ་མོ་བཟུང་སྟེ་ཇོ་བོ་ཐང་དུ་ཕྱུལ་ནས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རྗེ་རྒྱལ་པོས་ཇ་ནག་པོ་འདི་ཕྱིང་དུ་ཕྱིན་ནས་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ཏེ་ཇོ་ནག་པོ་དེར་བརྒྱབ་ནས་དེར་མི་དོག་འབྲས་བུ་སྨིན་ཏེ། མི་དོག་གར་མ་སྐད་ཅིག་ཉིད་ལ་གསོས་ཏེ་སླེབས་ཟེར། ཞེས་ལན་གསུམ་དུ་འབོད་པ་ལ་མེ་དག་གར་མས་སྐད་ཅིག་དུ་འཚོ་ནས། རྗེ་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ནི་སེམས་གདུང་ཚེ་ཟེར་ནས་མཆི་མ་ལྷུང་ནས་དུ་བ་ལ། རྗེ་རྒྱལ་པོ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ལ་ཡང་སེམས་ནི་ངལ་ཞིང་དུབ་བོ། འོན་ཀྱང་ཨེ་ཝེ་ཙི་ཟེར་ནས། ཡང་ཞག་བདུན་གྱི་བར་ཐོར་བཞིན་སྐྱིད་པ་ལ། ཡང་མི་དོག་གར་མ་ན་རེ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདག་གསོས་པ་ཡང་ཤེས་ནས་པོ་ཉ་ཡང་འོངས། ཁྱེད་ཀྱི་སེམས་གདུང་བས་ཕྱིར་ཕྱིན་ན་རུང་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་ལ་ཇེ་ལྟར་སྨག་པ་ཡོད། མི་དོག་གར་མ་ཨེ་ཙི། ད་ཆད་པ་ཐུས་པ་ལ་བརྒྱ་བྱིན་རང་ཉིད་ཀྱིས་ཆད་པ་བྱེད་དོ། །དེའི་ཚེ་བརྒྱ་བྱིན་ལ་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་འདི་དག་ཞུས་སོ། །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་འཛམ་བུ་གླིང་པ་རྣམས་ཚེ་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་པའི་ལོན་པའི་དུས་སུ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཀྲ་ར་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བྱང་སེམས་ཀ་ལིན་དེ་བ་ཞེས་བྱ་བའི། བླ་མ་ཆེན་པོ་ཉིག་འབྲུངས་པ་ཡོད་དོ། །བླ་མ་ཆེན་པོ་དེ་ཚེ་ལོ་བཞི་སྟོང་ལོན་ནས་མྱ་ངན་ལས་འདས་པར་དགོངས་པ་ན། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཀྲ་རས་བླ་མ་ལ་མཆོད་པ་འབུལ་ནས་ཚེ་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་ལོན་པའི་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཕན་འདོགས་དགོས་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། བླ་མས་ཞུས་པ་བཞིན་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་གི་བར་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་བསྐོར་བའི་ཚེ། དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཀྲ་ར་ནི་ད་ལྟ་བརྒྱ་བྱིན་ཡིན་ནོ། །དེ་དུས་ཀྱི་བླ་མ་ཆེན་པོ་ནི་ད་ལྟ་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཡིན་ནོ།།

བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདེ་སྐྱིད་ལ་སྨོས་ནས་སྔོན་གྱི་དེ་དག་ནི་བརྗོད་པ་ཡིན་ཞེས་ཞུས་ན། བརྩེ་བའི་སེམས་སྐྱེས་ནས། ཁྱོད་ལ་རིན་པོ་ཆེའི་དབྱིག་ཞུ་དང་སོར་གདུབ་གཉིས་གནང་ནས་ཕྱིན་པ་ཡོད། དེའི་ཕྱིར་དུ་བདག་གཡུ་ཡི་རྒྱན་གྱིས་བརྒྱན་ནས་གདའ། གལ་ཏེ་དབྱིག་ཞུ་དང་སོར་གདུབ་ཕྱིན་ན་དེ་ཡིན་ནས་བདག་ལ་ཕྱིར་བར་རིགས་ཞེས་བསླབ་ཚིག་གནང་ངས་འདུག་པ་ལ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་མེ་དོག་གར་མ་

འཚོ་བར་ཤེས་ནས་ལྷ་རྣམས་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བྲམ་ཟེ་སྦྱིན་ཅན་འཚོ་འོ་ཟེར། དེ་འཁྲིད་ནས་ང་ལ་ཤོག་བདག་གིས་ཆད་པ་གཅོད་དོ་ཟེར་བར། ལྷའི་ཕོ་ཉ་རྣམས་འོངས་ནས་མི་དོག་གར་མ་བཙུང་ནས་སོང་ངོ། །དེ་དང་ལྷན་ཅིག་ཏུ་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་གསུ་ཡི་རྒྱུར་གྱིས་བརྒྱུར་ནས་འགྲོ་འོ། །མི་དོག་གར་མས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་དྲུང་དུ་སླེབས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་ཞུས་སོ། །ཡབ་བརྒྱ་བྱིན་ལགས། བདག་དཔེ་གཅིག་ཞུའོ། །ཞེས་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏས་བསླབས་པ་ལྟར་ཞུས་སོ། །བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཏུ་ནས་ཁ་ཙ་མ་ངའི་བུ་མོ་ངན་པ་འདིས་དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱུ་རྣམས་མ་བརྗོད་པ་ཡིན། བདག་གིས་བདེ་སྐྱིད་ལ་རྩོལ་ནས་བརྗོད་པ་ལགས། ངའི་བུ་མོ་འདི་བློ་གྲོས་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པ་ཡིན། དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཧ་ར་བདག་ཡིན། དེ་དུས་ཀྱི་བླ་མ་ཆེན་པོ་ད་ཝ་སངས་རྒྱས་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཡིན། སངས་རྒྱས་དེ་ད་ཝ་ག་ན་བྱོན་ཟེར་དུ་བཞིན་པར། རང་ཉིད་ཀྱི་ལྕ་དང་སོར་གདུབ་གཅིག་མི་དོག་གར་མ་ལ་བྱིན་པ་ནི་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་ལ་གནང་ངོ། །ཁྲིའུས་བཟུང་འདུག་པ་ལ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲིའུ་བློ་བུར་དུ་མཐོང་ནས་སྐྱེས་བུ་ཆེན་པོ་ནི་གང་ནས་བྱོན་དེ་ཡོང་ཟེར་ནས་ཁྲི་དེ་ལས་སྦྱར་དུ་བཞེངས་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏའི་ལག་ནས་བཟུང་སྟེ། ཤིང་མི་སོ་གཉིས་བདགས་པའི་རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་གསེར་ཁྲིའི་ཁར་བཞུགས་པ་ལས། སྐྱེས་བུ་ཆེན་པོ་ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདིར་བྱོན་ཟེར་བར། བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་ན་རེ། བརྒྱ་བྱིན་ཁྱོད་ལས་ནོར་གཞན་མི་འདོད། ཁྲི་འདི་དང་མི་དོག་གར་མ་དང་བཅས་ཏེ་ང་ལ་གནང་བར་ཞུ་ཟེར་ནས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བརྒྱ་བྱིན་ན་རེ། འདི་རྣམས་སློང་བ་ནི་ཅི་ཡི་ཡིན། འདི་རྣམས་ལས་གཞན་མི་དགོས་སམ། ལེན་དགོས་པའི་ནོར་ཡོད་ན་སློངས་ཤིག་འདོད་པ་བཞིན་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་ན་རེ། བདག་ལ་ནོར་གཞན་མི་དགོས། འཛམ་བུའི་གླིང་གི་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་ཕན་པའི་ཕྱིར་རིངས་པར་ཕྱིར་ལོག་གོ་ཟེར་བས། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲི་དང་བུ་མོ་དང་བཅས་པ་གནང་ངོ། །བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏས་ཡུལ་དུ་ལོག་པར་ཀ་ལ་བཞེང་ཀ་སེམས་པས་དེ་སླེབས་སྐད་ཅིག་ལ་ཡུལ་དུ་སླེབས། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་དང་བུ་མོས་གསེར་ཁྲི་འདེགས་ནས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ནས་ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་ཞིང་ཡ་མཚན་པའི་ཀྲོ་ནས་འཛམ་བུ་གླིང་པ་རྣམས་པལ་ཆེར་བདེ་འགྱུར་འགྲོ་འོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཱ་ཧྲི་ཐཱ་ཧྲི་ཁྱོད་ང་ཅག་གི་བི་ཀྲ་མི་ཧེ་ཏ་དང་འདྲ་ན་གསེར་ཁྲི་འཛིན་པ་ཡིན་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་སྡོད་མི་ཐུབ་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར

འེཏུ་ཐ་པ།

༄༅། དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཨརྡི་ཝརྡི་ཁྲི་ལ་བཞུད་སྐབས་ནས་འོང་བ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏའི་ལོ་རྒྱུས་སྨྲ་བས་ལེགས་ཀྱང་ཅིག ། ཡང་དུས་གཅིག་ན་ཛེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏས་མི་ནུས་པས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པའི་ཚེ། གཏན་རྒྱལ་པོ་གཅིག་ཤི་བས་ཁྲི་དེ་ལ་བཞུད་པའི་བུ་མེད་པས། མི་རྣམས་ཀྱི་ནང་ནས་བཞུད་རྩང་བའི་མི་ཞིག་གིས་འདུག་ནས་ཉེར་ཞག་གཅིག་ལས་མི་འདའ་བར་ཤི་སོང་ངོ། ཡུལ་མི་རྣམས་ཀྱིས་དག་ཏུ་སྨྲེ་སྔགས་འདོན་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ཤེས་ནས་མི་དེ་རྣམས་ཀྱི་སྡུག་བསྔལ་སེལ་བར་བྱེད་རའི་ཆེད་དུ། ཀུ་བོ་ཞ་ཡུ་ཁྲིད་ནས་སློང་པོ་བར་སྤྲུལ་ནས་དེར་ཕྱིན་པས། ཁྱིམ་གཅིག་ལ་བཅུག་པ་ན་གཉར་གཉོན་གཉིས་བུ་མཛེས་པ་ཞིག་ལ་ཁྲི་བཞམས་ཏེ་འདུག་པ་ལ་དེའི་མདུན་དུ་དེ་གཉིས་ངུ་ཞིང་འདུག་གོ། སློང་པོ་པ་ན་རེ། ཁྱེད་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ངུ་གདའ་ཟེར་བས། གཉན་གཉོན་གཉིས་ན་རེ། ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འདས་པ་ལ་བུ་མེད་པས། བདག་ཅག་ལས་གཟུགས་མཛེས་པ་གཅིག་གཅིག་ཉིན་རེ་ལ་ཁྲི་དེར་འདུག་པ་ལ་མཚན་མོར་ཤི་སོང་ངོ་ཟེར་ནས། ཡང་སྨྲས་པ། ང་ཅིག་གི་བུ་གཅིག་ཡུ་འདི་ཁྲི་ལ་འདུག་པའི་སྐབས་སུ་བབས་པས་ཡང་འཆི་བ་ཟེར་གྱི་ཧུད་དོ་ཟེར་བས། སློང་པོ་ན་རེ། ང་ཅག་ལ་ཟས་སྟེར་ན་ཟའོ། །མིན་ན་འདི་འདྲ་ལས་ཤི་ན་ལེགས་ལ། དེ་ནས་ན་ཤི་བ་ལས་འོས་མེད་པས་དབྱེ་བ་མེད། དེའི་ཕྱིར་དུ་རྒྱལ་པོ་དེའི་ཁྲི་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་བུའི་ཚབ་དུ་ཉིན་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ནས་ཤི་ན་ལེགས་ཟེར་བར། གཉན་གཉོན་གཉིས་ན་རེ། དེས་ནི་ང་ཅག་ཅིས་ཤེས། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོའི་རྒྱ་འཛིན། བློན་པོ་ཆེན་པོ་གསུམ་ཡོད་པས་དེ་ལ་ཞུས་ཤིག་ཟེར་བར། དེ་ནས་བློན་པོ་གསུམ་ལ་སློང་པོའི་ཚིག་རྣམས་ཚང་བར་ཞུས་པས། བློན་པོ་རྣམས་ན་རེ། སློང་པོ་པ་ཁྱེད་ཅག་ཉིད་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་རོ་ཞེས་པ་ནི་བདེན་ཟེར་ནས། སློང་པོ་པ་དེ་ཉིད་རྒྱལ་ཁྲིར་བཅུག་གོ་ཞེས་མི་རྣམས་ལ་སྨྲས་པས་རྒྱལ་པོའི་རོ་ཁྱེར་བ་པོ་རྣམས་ན་རེ། སྔར་ཉིན་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོ་གཅིག་གི་རོ་འཛིན་པ་ཡིན་པ་ལ། ནང་པར་རྒྱལ་པོ་གཉིས་ཀྱི་རོ་འཛིན་པར་འདུག་གོ །དེ་ནས་ནང་པར་ཐ་བར་ཚོགས་ཞེས་སྨྲན་ནོ། དེ་

ནས་རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲི་དུས་བྱོན་ནས་ཁྲི་དེ་བཙུགས་པས། སྔར་གྱི་རྒྱལ་པོ་དེས་ལྷ་ཀླུ་དང་སྡེ་བརྒྱད་ལ་མཚན་མོ་རེ་བཞིན་མ་ཆད་པར་མཆོད་གཏོར་འབུལ་བ་ཡིན་གྱི། དེ་ཆད་པས་སྡེ་བརྒྱད་ཁྲོས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་ལ་གནོད་བྱས་པ་ཡིན། དེ་ནི་རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲི་དུས་མཁྱེན་ནས་སྔར་བཞིན་བྱས་པ་ལས་ལྷག་པར་མཆོད་གཏོར་བཤམས་ཏེ་ཕུལ་བས་དེ་རྣམས་ཆེས་ཞིང་དགའ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་ཐོགས་ནས་འོངས་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲའི་མདུན་དུ་སྤུངས་ཏེ་སོ་སོའི་གནས་སུ་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་ནང་པར་མི་རྣམས་ཚོགས་ནས་རྒྱལ་པོ་གཉིས་ཀྱི་ངོ་འཛིན་ཟེར་ནས་བྱུད་ཤིང་འཚོགས་ཏེ་འོང་ནས་བལྟས་པས། རྒྱལ་པོ་མ་འཆི་བར་མ་ཟད་མདུན་དུ་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་སྤུངས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། མི་རྣམས་ཀྱིས་མཐོང་ནས་ཤིན་ཏུ་ངོ་མཚར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་རིན་པོ་ཆེ་ལས་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གསུམ་གྱིས་སྣ་དྲངས་པའི་མི་རྣམས་ལ་རིན་པོ་ཆེའི་བྱ་དགའ་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བྱིན་ནས་ཆིམ་མོ། །དེ་ནས་བློན་པོ་གསུམ་གྱིས་དགེ་འདུན་མང་པོ་རྣམས་ཚོགས་ནས་ཆོས་འཕྲོས་ཏེ་མི་མང་པོ་རྣམས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་བློན་པོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ནས་བློན་པོ་གཅིག་མི་འཚམས་པའི་སྤྱོད་པས་མི་རྣམས་སྡུག་སྡུག་པས། བློན་པོ་གཞན་རྣམས་ཀྱིས་བློན་པོ་དེ་གསོད་པར་འོས་པ་ཡིན་ཞེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཨ་ཙ་མ་གསོད་པས་ཅི་དགོས། ཡུལ་ནས་ཕྱུང་ཟེར་བར་བློན་པོས་ཕྱུང་ངོ་། །བློན་པོ་དེས་བྲག་བ་རི་རིའི་ཉི་མ་བཟང་པོ་གསུམ་ལ་ཚུལ་ཁྲིམས་བསྲུང་བ་ཡོད་དོ། །དེའི་ཚེས་བཅོ་ལྔར་བསྙེན་གནས་བསྲུང་བས་དཔྱང་ཚིགས་མེད་པ་ལ། མར་ཟང་ཐུང་ངུ་ཞིག་ཡོད་པས་དེས་གཏོར་མ་བཞི་དང་མར་མེ་དང་བཅས་པ་བཤམས་ནས་རྡོ་ལེབ་ཀྱི་སྟེང་དུ་བཞག་ནས། སྔགས་བཟླས་པས་དཔྱང་ཚིགས་ཀྱི་དུས་བྱུང་བས་འཚོ་བ་མེད་པ་ནི་མི་ཐུང་སྐམ་ནས་ཚུར་མཐའི་གཏོར་མ་ལེན་ནས་ཟ་ཞེས་ལག་བདར་བྱས་པས་བློས་ནས་གཏོར་མ་གཞན་རྣམས་ཀྱི་པ་མཐར་འགྲོ་བར་བཏང་། ཡང་གཞན་རྣམས་ལེན་སྙམ་པར་བྱེད་པས་ཐམས་ཅད་འཁྲོས་ཏེ་མ་ཟིན་པས། འདི་སེམས་སོ། །བདག་གིས་བྱས་པའི་གཏོར་མ་བདག་ལ་ཟོས་པ་ཇི་ལྟར་མཆི་སྙམ་ཁྲོས་ཏེ། དེ་ཐམས་ཅད་ཟ་སྙམ་ནས་ལག་པ་གཉིས་ཀྱིས་ལེན་སྙམ་སྟེ་བྱིན་པས། གཏོར་མ་དང་མར་མེ་ཁྲི་སོགས་ཐམས་ཅད་བྲོས་སོ།།

དེ་ནས་བློན་པོ་བཞེངས་ནས་གཏོར་སོགས་ཀྱི་རྗེས་སུ་ཕྱུར་བསྒྲགས་པས་མ་ཟིན་པར། རྡོའི་

ཁྱང་བུ་གཅིག་ཏུ་སོང་བས། ཁྱང་བུ་དེར་རྡོ་ཨེ་ཕྱག་ཕྱུག་གཉིས་ཡོད་དོ། །ཕྱག་ཕྱུག་འདི་ནི་རྡོ་ལས
བྱས་པ་ཡིན་ནམ་སྙམ་པ་ལ། ཕྱག་ཕྱུག་བསྐྱལ་ནས་བློན་པོ་མཐོང་ནས་ན་རེ། ཨའི་མི་ངན་ཁྱོད་ཁྱང་
བུ་འདིའི་ནང་དུ་མི་བཙུག །འདི་པ་ཎྜའི་ཏྭ་ཀིས་ཕྱུགས་ནས་བསྐོས་པར་གདའ། དེ་ནི་མི་སྲུས
ཀུང་ལན་གཉིས་སུ་སྤྲ་འབྱུང་ནས་ན། བུ་མོ་འདི་ཉིད་བླངས་པའི་སྐབས་པ་ཅན་དུ་བྱས་སོ། །ཁྱོད་
སྤྲ་བྱུང་ནས་བུ་མོ་འདི་སྣང་ནས་ཕྱིན་པ་ཡིན་ནས། ཁྱོད་ཀུང་ལྷ་ཞིག་རྒྱལ་པོ་ཀླུ་བརྒྱའི་བུ་རྣམས་འོང
ནས་སྤྲ་འབྱུང་མི་ནུས་པར་སྡུད་དག་བཙོད་ཁང་དུ་བཙུག་གོ་ཟེར་ནས། ཕྱག་ཕྱུག་དེ་ཉིད་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས
ཏེ་བློན་པོ་དེ་ཉིད་དུ་རྩིས་འདོགས་ཏེ་ནས་མཁར་གཏོར་ཟེར། །དེ་ནས་བློན་པོ་དེ་འཇིགས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས
རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཛི་དའི་བར་དུ་སླེང་ནས་འཇིགས་པས་བསྐྱལ་མི་ནུས་པར་ཉལ་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་མཐོང
ནས་དྲིས་པ། བློན་པོ་སྨྲར་ཅན་འདི་གང་ནས་ཞེ་ལྟར་མཆིས་ཏེ་བདག་གི་བང་དུ་སླེང་ནས་ཉལ་བར་གདའ
ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་རིངས་པར་བཞེངས་ཏེ་བདུད་ནས་རྒྱ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་པས། ཇི་རྒྱལ
པོས་བཀའ་སྩལ་པ། བདག་བློན་པོ་འདི་པ་སྤྲ་བའི་བུ་མོ་ནི་བདགས་པ་ན། ང་ཡི་ཁང་བུ་དེར་ངེས་པར
ང་མཚར་བའི་ཏྭ་ཀི་ཞིག་ཡོད་དོ། །ཞ་ལུ་དང་བློན་པོ་རིག་པ་ཅན་གསུམ་དང་དེ་ཉིད་མཐོང་བའི་བློན
པོ་དང་བཅས་རྣམ་པོ་འགྲོ་བོ་ཟེར་ནས་ཐོར་ཏེ་སླེབ་ནས་རྡོ་ཡི་ཕྱག་ཕྱུག་བཅིངས་ཏེ་བློན་པོ་རྟོན་ཅན་ལ
གདོད་དེ་བཏང་ངོ་། ཞ་ལུ་དང་སྤྲང་པོ་གསུམ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱེད་བཞི་པོ་བཙུག་ནས་ཙན་དྲ་ཏྭ
ཀིའི་སྲིང་བ་དང་ཟླུམ་པ་མར་མེ་ཁྲི་བདེ་ལ་སྨྲུལ། བདག་གི་ཁྱེད་ཅག་གི་རྗེས་སུ་འཇུག་ནས་སྟོན་གྱི
དང་གཅིག་སྡོད། །དེ་ལ་ཁྱེད་བཞི་པོ་སོ་སོས་བདག་གི་ཚིག་དེ་དག་གི་ལན་མི་འོས་པའི་ལན་བཏབ་ཟེར
ནས་འཇུག་གོ །བཞི་པོ་དེས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་བཞིན་སྒྲུབ་ནས་གདའ། འདི་འི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ
ཉིད་ཀྱིས་བཙུག་སྟེ་འདི་སྐད་དོ། །བདག་འདི་འཛམས་གླིང་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་སྟེ། སྐྱའི་ཙན་དྲ
ཏྭ་ཀི་འདི་ན་འདུག་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། ལ་ཙུར་སླེབ་ཟེར་བས་སྤྲ་མི་འབྱུང་། ཡང་རྒྱལ་པོ་ན་རེ།
འདི་ལྟར་འོངས་པའི་རྒྱུ་ལ་བདག་དགེ་གཅིག་སྤྲ། ཡང་ན་ཙན་དྲ་ཏྭ་ཀིས་དགེ་ཞིག་སྨྲོས་ཟེར་བས་སྤྲ
མི་འབྱུང་ངོ་། །དེ་ནས་ཁྲི་ཉི་ན་རེ། མི་དངོས་ནི་ཙན་དྲ་ཏྭ་ཀིས་སྤྲ་ནི་མི་འབྱུང་བོས། དངོས་མེད
ཁྲི་བདག་ཀུང་སྤྲ་འབྱུང་བའི་རྩལ་མེད་དོ། །འོན་ཀུང་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་དགེ་ཞིག་སྨྲོས་ཟེར་བར

སྨྲ་ཞིག་མི་འབྱུང་ན་ཨཔད་པ་མེད། ཁྲི་ངས་དཔེ་ཟེར་སྐམ་ཡང་། ཙན་དྲ་ཀྲ་གིས་ཉིན་མཚན་མེད་པར་བསྒོམ་པས་ལོངས་མེད། ཇོ་རྒྱལ་པོས་དཔེ་ཞིག་སྨྲ་བརྗོད་ཟེར་བར། ཙན་དྲ་ཀྲ་ཀི་ནི་ཁྲི་ལ་བལྟས་ནས་འདུག་གོ །རྒྱལ་པོས་དཔེ་འདི་སྨྲས་སོ། །ཕྱོན་དུས་ཁྲིམ་གཅིག་གི་ཁྲིཨུ་བཞིས་༥་རྣམས་གཅིག་དུ་སྤྲུལ་ནས་མེལ་ཚེ་བྱེད་དོ། དྲིས་གཅིག་ན་གཅིག་ནི་ཕྱིར་ཡོངས། གཞན་རྣམས་མ་སློབས་པས་ཕྱིར་ལོག་ཁར་ཤིང་གི་མི་མོ་ཞིག་བཟོས་ནས་བཞག་སྟེ་བྱིན་ནོ། །གཅིག་ནི་མོ་མགྲོང་ནས་སྲུས་བྱས་སྐམ་ནཔ་ཆན་སེར་པོས་བརྒྱགས་ནས་བྱིན། གཅིག་ནི་སློབས་ནས་བཞད་ནས་མཚན་རྣམས་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས་སོང་། གཅིག་ནི་འོང་ནས་སྲོག་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས་རང་གི་ཆུང་མར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་གཞན་གསུམ་སློབས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་འཁྲོག་པར་བྱེད་བ་ལ། གཅིག་ནི་ངས་བྱས་ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་ཚོན་ཇི་བྱུགས་ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་མཚན་དང་ལྡན་པར་བྱས་ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་སྲོག་དང་ལྡན་པར་བྱས་པས་ངཔ་ལེན་ཟེར་ནས། བཞི་རོས་པར་རྩོད་འཁྲོག་པར་བྱེད་པར་གདའ། དེ་ནི་སྲུས་བླངས་ཟེར་བར། ཙན་དྲ་ཀྲ་ཀིའི་ལག་ན་འཛིན་པའི་སྤྲེང་བས་སྨྲ་འདོན་ནོ།། ཙན་དྲ་ཀྲ་ཀི་དངོས་ཀྱིས་སྨྲ་མི་འདོན་ནོ། །དངོས་མེད་ལས་འཕྲེང་བ་དང་ཁྲི་གཉིས་ལས་སྨྲ་མི་འདོན་པ་ཡིན་ཡང་། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་བྱོན་ནས་དཔེའི་དབྱེ་བ་དྲིས་པ་ལ་སྨྲ་མ་བྱུང་བར་ཅི་ནུས་པར་གདའ། ཙན་དྲ་ཀྲ་གིཔ་ཉེན་མཚན་མེད་པར་ཐུགས་བརླས་མགོ་བསྐོར་ནས་ནང་ལ་མི་གསལ་བ་ཡོད། འོན་ཀྱང་ཕོག་མར་བཟོ་བར་བྱེད་པའི་མིས་ལེན་ན་འོས་ཟེར་བར། ཙན་དྲ་ཀྲ་གིས་འཕྲེང་བ་དང་ཁྲི་གཉིས་ལ་བལྟས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །དངོས་རྣད་ལས་ཁྲོད་གཉིས་ལས་སྨྲ་བྱུང་ངོ་། །ལུས་ཅན་དངོས་ལས་སྨྲ་མི་འབྱུང་བ་ལ། ཁྲིད་གཉིས་ལ་པ་སྨྲ་ཞིག་འབྱུང་བར་མི་འོས་པ་ཞིག་གས་ཟེར་ནས། དེ་དང་པོར་བྱེད་པའི་མི་ནི་པ་ཡིན། མཚན་གདལ་བའི་མི་ནི་མ་ཡིན། ཚོན་བྱུགས་པའི་མི་ནི་ཟླ་མ་ཡིན། སྲོག་ལྡན་པའི་མི་ནི་ཁྱོ་དངོས་ཡིན་ཞེས་སྨྲ་བྱུང་ངོ་།།

རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། དངོས་པོ་ལས་ཙན་དྲ་ཀྲ་གིཔ་སྨྲ་འདོན་ནོ། །དངོས་མེད་ལས་ཁྲི་དང་འཕྲེང་བ་ལས་སྨྲ་འཕོན། ད་ལྟ་ཡང་ཁྲིད་དཔེ་གཅིག་སློས་ཞིག་ཟེར་ན་སྨྲ་མི་འབྱུང་བ་ཡིན་ནོ། །བྱས་པ་ན་རེ། ངའི་ནང་དུ་བདུད་རྩི་བླུགས་ནས་ཀུ་ཤ་དང་རྩ་བའི་མདོངས་བཙུགས་པས་སྨྲ་མི་ནུས། རྒྱལ་པོས་དཔེ་གཅིག་གསར་ཟེར་བས། ཀྲ་གིས་བྱས་བ་ལ་བལྟས་ནས་འདུག་གོ །ཡང་རྒྱལ་པོས་འདི་སྐད

དོ། །ཁྱོད་ཀྱི་དུས་སུ་མི་ཕོ་མོ་གཉིས་ཐག་སར་འགྲོ་བ་ལ། ཐག་གི་དྲུང་དུ་སྡུན་པའི་ལྷ་ཞིག་འབྱུང་བ་མི་ལྟ་ཞོག །ད་ཡང་སྔོད་ནས་མཉན་དགོས་པར་འབྱུང་བ་ལ། ལྷ་དེ་མོས་གསན་ནས་དེ་འདྲའི་ཕྱ་བཟང་ཅན་གྱི་པོ་དང་འཕྲད་སྐྱམ་ནས་འགྲོ་བ་ལ། ཁྲིན་པ་ཞིག་དང་འཕྲད་པས་མོས་པོ་ལ་སླས་པ། ང་ཁ་སྐོམ་པས་ཆུ་འདི་ལས་ལེན་ནས་བདག་ལ་བྱིན་ཟེར་བས། ཆུ་བླངས་པར་ཚེས་པ་ལ་ཀྲང་པ་བརྒྱང་ནས་པར་ཕྱུར་བོས་ཁྲིན་པར་ལྡུང་ནས་ཤི་སོང་། །དེ་ནས་མོ་དེས་སྐད་བཟང་དང་འཕྲད་སེམས་ནས་བྱིན་པས་སྐད་ཤ་ཐམས་ཅད་ཟད་པའི་ཅི་ཅི་རྫུ་ལས་ཟེན་པས་མི་ནད་ཀྱིས་མནར་བའི་ལྷ་ཐག་གི་ལྷ་དང་འདྲ་བས་མཉམ་པ་ཡོད་དོ། །མོས་དེ་མཐོང་ནས་ཤིན་ཏུ་འཇིགས་ཤིང་ཧ་ལས་ཏེ། ཨའི་འདི་འདྲ་ངན་པའི་ལྷ་ལ་ཆགས་ནས་རང་གི་ཁྱོ་མཛེས་པ་ཞིག་བསད་པ་ཡིན་ཞེས་ཟེར་ནས་ཀྱི་ཧུད་བྱས་ཏེ། འདི་འདྲའི་ཕོ་དང་འཕྲད་པ་ནི་བདག་གི་སྐལ་པ་འདི་ཡིན་ནོ་ཞེས། ཁྱོ་ངན་པ་དེ་ཁྲེར་ནས་འགྲོ་བཞིན་པར་ལྟོགས་གྲིར་ཤི་བར་གདའ། མོ་དེ་སྐལ་པ་ཅན་ཡིན་ནམ་ཟེར་བས། ཙན་དྲ་ཀྲ་ཀིས་སྐད་མ་འདོན་པར་འདུག་པ་ལ། སྒྲོན་མེ་ན་རེ། ཙན་དྲ་ཀྲ་ཀིས་ཉིན་མཚན་མེད་པར་རྟག་ཏུ་སྒྲོན་མེ་སྤོར་བའི་ང་ལ་ལན་བཏབ་པའི་ཡོངས་མེད་ཀྱང་། ཁྱོ་བཟང་པོ་བསད་ནས་ཁྱོ་ངན་པ་མི་བཏང་བར་ལྟོས་ན་མོ་ལེགས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཀྲ་ཀི་དེས་བྱས་པ་དང་སྒྲོན་མེ་ལ་བསྟུས་ནས་ལྷ་བྱུང་ངོ་། །དངོས་མེད་ཁྱིད་བཞི་ལྟ་ཞོག །དངོས་པོ་བདག་གིས་ཀྱང་ལྷ་མི་གཏོང་བར་གདའ། ལྷ་གཅིག་འདོན་ན་འོང་པ་ཞིག་སླ་མི་ནུས། ཐག་ཅ་སྟོན་པར་ཆགས་ནས་འཕྲད་པའི་ཁྱོ་བཟང་པོ་བསད་ནས། ནད་ཅན་ཁྱོ་ནི་ཁྲེར་ནས་ཐབས་ཟད་ནས་ཤི་བ་དེ་ལ་ཅིས་མོ་བཟང་ངོ་ཟེར་ནས་ལྷ་ལན་གཉིས་འདོན་བ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་དཔལ་བཞེངས་ཏེ་ལག་པ་ནས་བརྒྱང་སྟེ་བདག་གིས་ཁྱོད་ནི་ལན་གཉིས་སུ་ལྷ་འདོན་པས། ད་བདག་ཁྱོད་ནི་ངེས་བླངས་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། ཀྲ་ཀི་བླངས་ནས་ཞ་ཞུ་དང་གཡུམ་རྫོང་པོ་སྒྲ་ཐུ་གཡུས་དང་བཅས་ཏེ་རང་ཡུལ་དུ་ལོག་དཔ་བྱོན་ཏེ་འབངས་རྣམས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཨ་ཛི་ཏ་ཛི་ཁྱོད་བསྟན་སྲིད་གཉིས་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་དང་འདྲ་ནུ་ཟུང་གི །མིན་ན་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར་ངོ་ཚ་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་ལྔ་བའི་ལེའུ་སྟེ་ལྔ་བའོ།། ।།

ལེའུ་དྲུག་པ།

༄༅། དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨརྟི་བྷརྟི་ལ་བཙུན་མོ་དོན་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེའི་ནང་ནས་བཙུན་མོ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་པ་ཞིག་ཡོད་པ་རེད། ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱུག་བསྐོར་བྱེད་པར་ཕྱིན་པས། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་པར་སོང་མགོ་བོས་ཀྱང་རིག་མི་ཐུབ་ངོ། སྔོན་ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཟི་ཀྲ་མི་ཛེ་དཔའི་བཙུན་མོ་མེ་ཏོག་གར་མ་ནི་ཁྲོ་ལས་གཞན་མི་སེམས་སོ། །ད་བདག་ནི་ཅོ་དོན་གཅིག་གི་ལོ་རྒྱུས་སྨྲའོ། །སྔོན་དུས་སུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་བཙུན་མོ་བསྟུན་པ་ལ། སྨན་པ་རྣམས་ཀྱིས་གསོ་མ་ནུས་པས། བཙུན་མོ་དེས་བྱའི་སྐད་པ་ཟོས་པས། དེ་ནས་རིམ་གྱིས་བསྟུན་ལེགས་པར་གསོས་པ་ལ། ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་མི་རྣམས་ལས་བྱ་ཡི་སྐད་པ་སླངས་པའི་ཁྲལ་བསྡུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་དྲ་བ་མཁན་རྣམས་འབོད་ནས་སློབས་པ་ལ། འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཀླུ་བ་འདི་ཉིད་ལ་བྱ་དོན་གཅིག་གི་མགོ་ནི་འཁྱེར་སྐྱེབས་མི་ཡོང་ན་ཁྱོད་གསོད་དོ་ཟེར་བས། དེ་ནས་དྲ་བ་མཁན་རེས་ཐབས་ཟད་ནས་ཕྱིར་ལོག་པས། དེ་དུས་སུ་ཤིང་གཅིག་ལ་མཚོན་མོ་རེ་རེ་བཞིན་ནི་ཅོ་དོན་གཅིག་ཡལ་བ་ཡོད་དོ། །དྲ་མཁན་སོང་ནས་ཤིང་དེར་དྲ་བ་བཀྱག་པ་ལ། ནི་ཅོ་དེའི་ནང་ན་རྒྱོ་དང་ལྡན་པའི་ནི་ཅོ་གཅིག་ཡོད་པས། ནི་ཅོ་གཞན་ལ་ན་རེ། ཡའི་ཁྱེད་རྣམས་ཤེས་སམ་ཤིང་འདི་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་བས་ཤིང་འདི་ལ་ཡལ་མི་རུང་། བྲག་དེ་ལ་ཡལ་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ་དེར་ཞག་རྒྱ་ཙམ་སོང་བ་ལ། དྲ་མཁན་གྱིས་ཤེས་ནས་དྲ་བ་ལེན་ནས་བྲག་དེར་བཀྱག་གོ། །ཡང་རྒྱོ་ལྡན་གྱི་ནི་ཅོན་རེ། ད་ལྟ་ཡང་བྲག་ལ་ཡང་བར་ཆད་འབྱུང་བས་ས་གཞན་ལ་ཡལ་ཟེར་བས། གྲོགས་རྣམས་ན་རེ། ནི་ཅོ་ཁྱོད་ཉིད་ཤིང་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་ཟེར། ཡང་བྲག་ལའང་བར་ཆད་འབྱུང་ཟེར། སྐར་ཁྱོད་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་བ་མི་ཤེས་ཞེས་ཁྲོས་པས། ནི་ཅོན་རེ། ང་གཅིག་པུ་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཡང་ཅི་ཀུན་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཤིན་ཏུ་དཀའ་བར་གདའ། ང་གཅིག་པུ་ཐར་བས་མི་ཕན། བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཀུན་ལ་འབྱུང་བར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་ནས་ཡལ་བས། ཐམས་ཅད་དྲ་བ་ལ་ཚུད་དོ། འདིའི་ནང་བར་ནི་ཅོ་བདུན་ཚུས་སྐྱེ་ནས་ན་རེ། སྔོངས་པ་ང་ཅག་བློ་རྟེན་ནི་ཅོའི་ཚིག་ལ་མི་འདུག་པས་འདི་ཉེར་ཕྱུག་བརྟུལ་ནས་ ཐམས་ཅད་འཆི་བར་ཟད་དོ་ཞེས་ཟེར་ནས། ད་བདག་ཅག་ལ་ཐར་ཐབས་ཡོད་དམ་ཟེར་བས། ནི་ཅོན་རེ། དྲ་མཁན་གྱི་མི་འབྱུག་པ་ཐོགས་ནས་འོང་ངོ་། །དེ་དྲ་བར་བཅུག

ངས་ཐབས་གཞན་མེད་དེ་ཐམས་ཅད་ཤི་བ་ལྟར་མདུན་རྒྱབ་དང་གཡོན་གཡས་གཡོ་ཀྱིས་ལྟུང་ནས་ཉལ་ལོ། དེས་འོ་སྐོལ་གསོན་ན་བཏེགས་ཏེ་བསད་དོ། །ཤི་ཟེར་པས་ཇི་ལྟར་བསད་དམ། ཐག་དཀའ་བས་ཕབ་མི་ནུས་ང་ཅག་རེ་རེ་ནས་འོག་ཏུ་དོར་བས། གཅིག་ནས་བཙིབ་སུ་བསྒྲངས་བས་བདུན་ཙ་ཙ་གཅིག་གོ་རིམ་བསྒྲང་བའི་ཚོ་ཐབས་ཅད་གཅིག་ཆར་དུ་འཕུར་བས་ཀུན་གྲོལ་ལོ་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། དེ་མ་ཐག་ཏུ་ཏུ་མཁན་འོང་ནས་འདི་ངན་ཐབས་ནུས་ལ་འདི་བ་ཡོད། བཙལ་མི་རྙེད་པའི་ནེ་ཚོ་ངན་པ་རྣམས་འདིར་ཕྱིན་པས་བདག་བཏིན་པར་སྡུག་ཟེར་ནས། རྒྱལ་བཏེགས་ཏེ་གསོད་ཟེར་ནས་སྐྲིགས་ཏེ་འོངས་པས། ཀུན་ཤི་སོང་བས་ཐག་སྤྱིང་ལས་འབབ་དཀར་བས། གཅིག་ནས་བསྒྲངས་བའི་བསྒྲངས་རྫོགས་ཚོ་ཁང་ནོ་ཟུན་ནེ་ཚོ་ཞུས་པ་ལ། ཏུ་མཁན་གྱི་ཀོར་པར་དབྱུག་པ་བརྒྱབ་པ་ཐག་གི་སྟེང་དུ་དོར་བས། བསྒྲངས་རྫོགས་སྐབས་ནས་ནེ་ཚོ་གཞན་ཐམས་ཅད་འཕུར་བས། སྔོ་ཐུན་ནེ་ཚོ་ཏུ་མཁན་གྱི་ལག་པར་ལུས་སོ། །ཏུ་མཁན་ན་རེ། ཡའི་ནེ་ཚོ་ངན་པ་འདི་རྣམས་འདི་རེ་རྒྱལ་བས་བདག་སྡུག་གོ །དེ་ལུས་པའི་ནེ་ཚོ་འདི་གསོན་པར་འཚེད་ནས་གསོད་དོ་ཟེར་བར། ནེ་ཚོ་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ཉི་ཐར་བསད་པ་ཡིན་ན་གཡོད་དོ། །ཐར་མ་བསད་པ་ཡིན་ན་སྔར་ཡང་ཁྱོད་ནི་ངེས་པར་གསོད་དོ་ཟེར། །དེ་ནས་ཡང་ནེ་ཚོ་ན་རེ། མི་ཁྱོད་ཉི་ང་གསོད་པ་ལས་མི་སྡུག་པོ་གཅིག་ལ་བཙོང་ན་ངེས་པར་དངུལ་སྲང་བརྒྱ་ཡོང་བས། དེ་ལས་དངུལ་སྲང་དོན་གཅིག་གིས་ནེ་ཚོ་དོན་གཅིག་ཡོད། ཕྱག་མ་དངུལ་སྲང་ཉེར་དགུས་རང་གི་ཟུང་སྐྱེད་རྣམས་གསོ་ཐུབ་པ་ལ། གལ་ཏེ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཕུལ་ན་དངུལ་ཞོ་གང་གཅིག་ཀྱང་མི་གནང་གས་མི་ཕན་ཟེར་བས། ཏུ་མཁན་གྱིས་ནེ་ཚོ་དེ་ངག་བཞིན་ཕྱུག་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་ལ་འཚོང་བས་ཕྱུག་པོ་དགའ་ནས་བླངས་སོ། །དཔོན་པོ་ཕྱུག་པོ་དེ་ཡང་ནེ་ཚོ་བླངས་ནས་འདི་སེམས་སོ།།

མི་བཟང་པོ་དང་འདྲ་བའི་ནེ་ཚོ་བཟང་པོ་བདག་གྲོགས་བ་ཡིན་སྙམ་ནས་དགའ་ནས། ནེ་ཚོ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །བདག་ཞག་དོན་གཅིག་གི་བར་འགྲོ་དགོས་པ་ཡིན་པས། བདག་ཚུར་མས་སློད་པ་ངན་པས་བདག་གི་ནོར་རྣམས་ཚད་བཟོས་ཏེ་ཟད་པ་མིན། ཡང་ཁྱི་མི་རྣམས་ཤེས་ན་ངོ་ཚ་ཞིང་གྲགས་པ་ངན་པས་ཁྱབ་པ་ཡིན་པས་ལེགས་པར་སྲུངས་ཤིག །ཡང་དུ་བའི་ནང་ལ་བ་བོང་ཆེན་པོ་མགོ་བར་འདོམ་བཅོ་བརྒྱད་ཞིང་དུ་འདོམ་དགུ་དཔངས་སུ་འདོམ་ཟླ་དང་བཅས་པའི་རྡོ་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་པས་དུ་བའི་ཕྱི་རོལ

དུ་འགོར། ཁྲིམ་གྱི་ཚོ་ཀླུབ་དུ་མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེབ་སྣམ་ཤིང་ལས་བྱས་པ་དེ་ཉིད་ཟླུག་པ་ཀྱིས་བྱས། དེའི་རྡུན་གྱི་མཆོད་རྟེན་བདུན་བཞིག་ནས་དབྱལ་གྱིས་བྱས་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཚོ་ན་རེ། ཁྱེད་ཀྱི་བཀའ་བཞིན་སྒྲུབ་པོ་ཟེར་བ་ལ། མི་ཕྱུག་པོ་དགའ་ཞིང་སོང་ངོ་། །དེའི་ཚེ་མི་ཕྱུག་པོ་འི་ཚུང་མ་ཁྲོ་སོང་བའི་འོག་ཏུ། ངོ་ཚ་བོར་བའི་ནོས་ལག་གདུབ་བཀྲམས་ནས་གོས་བཟང་པོ་གྱོན་ལ་རྒྱན་རྣམ་པ་ཀྱིས་བརྒྱན་ནས། མི་པོ་རྣམས་བཙལ་བའི་ཕྱིར་ཟས་བཟང་པོ་དང་ནོར་བཟང་པོ་སོགས་བསྣམས་ནས་འགྲོ་ཁར། ནེ་ཚོ་འོངས་ནས་ཚུང་མའི་ལག་པར་བབས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཡའི་བཙུན་མོ་ཁྲོད་སྦྱོད་ཟེར་ནས། མི་བཟང་པོ་རྣམས་ཁྲོ་མེད་པའི་འོག་ཏུ་ཞུས་དང་ནོར་རྣམས་ལེགས་པར་བསྡུངས་ནས་ཁྲིམ་གྱི་བྱ་བ་རྣམས་བྱེད་དགོས། དེ་མེན་མི་རྣམས་ཁྲིལ་ནས་མིའི་བགྲང་པ་ཕུ་མི་ཐོ། དེ་བས་ན་རང་གི་ཁྲིམ་ནང་དུ་འདུག་ཟེར་བ་ལ། མོ་ན་རེ། ཡའི་བདག་གི་ཁྱོས་ལེར་བའི་ནེ་ཚོ་ངན་པ་ཁོག་པ་ཁྲོད་ལྟ་ཞོག །བདག་གི་ཁྱོས་ཀུང་བཀག་མི་ནུས་པ་ཡིན། ངའི་བྱ་བ་ལ་བར་ཆད་མ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཚོས་མོ་ལ་ན་རེ། ཁྱོས་ཁྱོད་ནི་ལེགས་པར་སྲུངས་ཞེས་བདག་ལ་བཅོལ་བ་ཡོད། ངས་ཁྱོད་ཉེ་བཟུང་ན་མི་མ་ཡིན་པས་མི་སྲུབ། བཀག་ན་ངའི་ཚིག་ནི་མི་མཉན་ཞེས་ཟེར་ནས་ནེ་ཚོས་སྟེང་འཕུར་ནས་གྲོང་གི་རྣོ་བའི་ལེགས་པར་བཀག་སྤྱི་རྟེ་ཞིག་རྡུང་པ་ནས་བྱེར་འཕུར་ཏེ། མཆོད་རྟེན་གྱི་རྩེ་མོར་བབ་གོ །དེ་ནས་ལོ་པ་ལྷ་རྣོར་སོང་ནས་སྣོ་བཀག་པ་མཐོང་ནས། སྣོ་ཀློང་ནས་འདོན་རྣམ་པས་ཐམས་ཅད་བཀག་པ་ཡོད། མོས་ཁྲོས་ཏེ་ཕོ་འབྱེད་ཟེར་བས། སྣོ་བ་ན་རེ། ང་ཅག་གི་དཔོན་པོ་འི་ནུ་བོ་ནེ་ཚོ་འོངས་ནས་བཙུན་མོས་ཁྱོད་ནོས་དོ་ཀུན་ལེགས་པར་གཏད་བཅུག་སྤྱི་རྟེན་ཤིག་འཁྱེར་སྐད་ཟེར་བས་དེ་བཞིན་བྱས་སོ་ཟེར་བར། ངང་ནས་བྱ་རོ་གཅིག་ལ་སྤྲས་པ། ནེ་ཚོ་ངན་པ་དེ་བདག་གི་སྐྱིད་པར་བར་ཆད་བྱེད་དུས་དེ་ཁྱེར་འོངས་ཟེར་ནས་རྫིང་ངོ༎

བྱ་རོ་དེ་ཡི་ནེ་ཚོ་ལ་ཀུང་མ་རྟེད་པའི་སྐབས་སུ། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་ཁྲིམ་ཟུར་ཁེབ་ཏུ་བས་རྟ་བའི་ཚང་པ་དང་སེབ་མཛུན་ངས་འཕེལ་ནས་རྣོ་ཀུན་བཀག་ལ་མཐོང་ནས་བཅག་ནའི་ངར་ཟེད་ནས་འདུག་བ་ལ། མོ་མཐོང་ནས་ཁྱོད་སྐྱིབས་པར་རྣོ་ཀུན་བཀག་པས་བཅག་ཐབས་མེད་རར་གནས། བདག་ནི་རྣོ་དབྱེ་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། ང་ཅག་ལ་ནི་ཚོ་གཉུག་པ་ཅན་ཞིག་ཡོད་པས

དེས་ཏི་ཕུ་མིག་འཁྲེར་སོང་བས་ངས་འདོན་མི་ནུས་ཁྲིད་ཀྱི་འོངས་པ་ནི་ལེགས་ཟེར་ནས། ད་ཐབས་གཞན་མེད་པས་ཟླ་བའི་ཕྱི་རོལ་དུ་ཐག་པ་བཏང་བས། ཏི་ཕུ་དེས་ཀེད་པ་ལ་དཀྲིས་ནས་ནང་ནས་འཐེན་པས་ཟླ་བའི་རྩེར་ཕྱིན་ཁར། ནི་ཅོས་ཐག་འོག་ཏུ་ཀྱི་བཅུག་པས་ཐག་པ་ཆད་ནས་ཏི་ཕུ་ལྷུང་ནས་ཤི་འོ།། །དེ་ནས་རེམ་པར་སྒོ་ཕྱེད་ནས་བལྟས་པས་ཏི་ཕུ་ཤི་བར་གདའ། མོས་ཏུ་ཞིང་འདུག་པར་ཏི་ཕུའི་ཞུས་འབྲིང་བ་རྣམས་ཡོང་ནས། ཨའི་མོ་ངན་པ་ཁྱོད་ནི་ང་ཅག་གི་དཔོན་པོ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་བསད་པ་ཡིན་ཟེར་ནས་ལོག་སོང་ངོ་། དེ་ནས་ནི་ཅོས་མོ་ལ་ན་རེ། དེ་ལ་ཐབས་ཡོད་རྡོ་ཕ་བོང་གི་འོག་ཏུ་སྦྲས་ན་རུང་ཟེར། དེ་བཞིན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་པོ་ཏྲ་རྣམས་འོངས་ནས་མ་རྙེད་པར་ལོག་པ་ལ། ནི་ཅོས་འཕྱུར་ནས་དེ་རྣམས་ཀྱི་རྗེས་སུ་སོང་ནས་ཨན་པ་ལ། བུ་རོམ་རྙེད་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། བློན་པོ་ན་རེ། བུ་ཤི་ཚེ་དྲུང་དུ་མི་ཡོད་དམ་ཟེར་བས། ཞམ་འབྲིང་པས་མེད་ཟེར་བ་ལ། རྗེན་པོ་ན་རེ། བུ་རོ་ཡང་བྲུས་པ་ཡང་མ་ཤེས་པས། ང་ཅག་གིས་ཤ་བསྒྲིག་བ་ཙམ་ཡང་ཤེས་མི་ནུས་པ་ཡིན་པས། ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་འབོད་ཟེར་བས། ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་བོས་ལ་ཇ་བཏུང་ཙམ་བྱས་ནས་རྡོ་ཕ་བོང་གི་འོག་དུ་ཡོད་ཟེར། ཅིག་དེ་གསན་ཉས་ནི་ཅོ་ཡོངས་ཏེ་ཕ་བོང་ནས་འདོན་དེ་མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེམ་སྐས་འོག་ཏུ་སྦྲས་སོ། །དེ་རྗེས་སུ་པོ་ཏྲ་འོངས་ནས་རྡོ་འདི་ཉིད་གཡེང་ཟེར་བས། ནི་ཅོ་ན་རེ། རྡོ་གཡེང་ནས་རྙེད་ན་དེར་ཟད་ལ། གལ་ཏེ་མ་རྙེད་ན་རྡོ་འདི་ཕྱིར་འཐོན་དགོས་ཞེས་ཟེར་བར་འཆམ་ནས་གཡེངས་པས་མ་རྙེད་ནས་རྡོ་འདོན་དགོས་པ་བྱུང་། ཡང་ནི་ཅོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་རྗེས་སུ་སོང་། དེ་དག་གིས་ལྷ་པ་མོས་བརྟེན་ཟེར་བ་ལགས་ཟེར་བས། ཡང་ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་བོས་ནས་དྲིས་པས། མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེམ་སྐས་འོག་ཏུ་སྦྲས་པ་ཡོད་ཟེར། ཡང་ནི་ཅོ་ཡོངས་ནས་མཆོད་རྟེན་བདུན་གྱི་འོག་ཏུ་སྦྲས་སོ། །པོ་ཏྲ་ཡོངས་ནས་གཡེངས་པས་མ་རྙེད་ནས་ཐེམ་སྐས་རྐྱག་པ་ཀྱིས་བྱས་སོ། །ཡང་ལྷ་པ་མོར་དྲིས་པས། མཆོད་རྟེན་བདུན་གྱི་འོག་ཏུ་ཡོད་ཟེར། ཡང་ནི་ཅོ་ཡོངས་ནས་བུ་རོ་རྫོངས་ནས་སྒོ་པོ་རང་གི་ཁྲིན་པར་བཅུག་གོ །དེའི་ནང་པར་པོ་ཏྲ་འོངས་ནས་གཡེངས་པས་མ་རྙེད་པ་ལ་ཕྱར་ཁ་འཛམ་བས་མཆོད་རྟེན་བདུན་ཡང་རྡུལ་ལས་བྱས་ཏེ། བློན་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ཕྱིན་ནས་ལྷ་པ་མོ་པར་བཀའ་བཀྱོན་ནས་སྨྲས་པ། ང་ཅག་གི་ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོས་ཀྱང་འཁོགས་པས་ཅི་འང་མི་ཤེས་པར་གདའ་ཟེར་བས། ཡང་ལྷ་པ་མོས་ཇ་བཏུང་ཙམ་བྱས་དེ་སྨྲས་པ།

ང་ཅག་གི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་འི་ཁྲིན་པར་ཡོད་ཟེར་བས། ཁྲིན་པའི་ནང་ནས་བྱ་རོ་རྟེན་པས། ཕྱུག་པོ་འི་ཁྱུང་མ་ལ་གྲོང་མ་གྲོགས་ཀུང་བློན་པོ་འི་བྱ་ལ་འཛེགས་པས་ཞག་བདུན་དུ་ཁྲིམ་ལས་བཟོད་དོ། །དེ་ནས་མོས་མ་བཟེད་ནས་ཉིན་གཅིག་ལོ་གོས་རྒྱན་པ་སོགས་ཟུམ་ནས་ཐང་བཞིན་ཕྱིན་པས། ཡང་ནི་ཙོ་མོངས་ནས་ཁྱུང་མའི་ལག་པར་བརྟད་ནས་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་ག་ན་འགྲོ། བུད་མེད་ཀྱིས་ཁྱོ་རེད་པར་ཁྲིམ་ཀྱི་བྱ་བ་རྣམས་ལེགས་པར་མ་བསྒྲུབ་པར་ཐེ་ཚོ་འི་སྤྲོད་པས་དུས་འདས་ན་མི་འོས་ཟེར་བ་ལ། མོ་ན་རེ། ཨཔ་ནི་ཙོ་ངན་པ་ཁྱོད་བདག་གི་ཁྲོལ་ཀུང་མ་བཀག་པ་ལ་ནི་ཙོ་ཀོག་པ་ཁྱོད་ཡང་བཀག་གསུམ་ཟེར་ན་འགོར་ངོ། །དེ་ནས་འགྲོ་བར་ཚམ་པ་ལ་ཡང་ནི་ཙོ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཁྱོ་ནི་བདག་ལ་ངའི་ཁྱུང་མ་བསྐྱུང་སྤྲོད་ཟེར་བ་ཡིན། ཁྱོད་ཐང་ཁྲིམ་གཞན་དུ་འགྲོ་ཟེར་ནས་བློན་པོ་འི་བྱའི་སྒྲུགས་སུ་བཙུགས་ནས། ད་ཡང་མི་འཛེམས་པར་ཕྱིར་འགྲོ་བ་ནི་མི་རིགས་པར་གདའ་བཙུན་མོ་ཁྱོད་བཟོད་ཟེར་བར། མ་ན་རེ། བདག་གི་ཁྲོ་ཡང་བསྐྱུང་མི་ནུས་པ་ཡང་པར་བཟང་བ་ལ། ནི་ཙོ་ངན་པ་ཁྱོད་བདག་ཚད་པ་ཡིན་ནམ་ཞེས་ནས་འགྲོ་བར་ཚམ་པ་ལ། ནི་ཙོ་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་སྤྲོད་ཁྲོ་རི་མེད་པ་ལ། བདག་གིས་ཁྱོད་ནི་བཟུང་ན་ཐུབ་མི་ཡོང་། འགོག་ན་ཡང་ངའི་ཚིག་མི་གསན་ནོ། །འོན་ཀུང་བཙུན་མོ་ཁྱོད་ལ་ངས་དཔེ་གཅིག་སྨྲ་བ་ལ་ཁྱོད་སྒྲུགས་དེ་ཉོན་ཅིག་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། ནི་ཙོ་ངན་པ་དཔེ་ཡང་སྒྲུར་དུ་སྨྲོས་ཟེར་བ་ལ། ནི་ཙོས་སྨྲས་པ།

སྔོན་དུས་སུ་རྒྱལ་པོ་དཔལ་གསལ་ཞེས་བྱ་བ་ལ། བུ་མོ་ཉི་འོད་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། རྒྱལ་པོ་དེ་ཡི་བུ་མོ་ཉི་འོད་དེ་མི་ཕྱུག་བལྟ་ན་མིག་བྱུས་ཏེ་དོར། གལ་ཏེ་ཁྲིམ་དུ་བཙུག་ན་ཀང་ལག་ཐམས་ཅད་གཏུབ་ཏེ་ཕྱུག་པར་ཆད་པ་གཅོད་པ་ཡོད་དོ། །བུ་མོས་འདི་སེམས་སོ། །ཡོངས་བདག་གིས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འི་བུ་མོ་ཡིན་པ་ལ། མི་འགྱོད་ངན་འདྲ་བར་དུས་དག་དུ་ཁྲིམ་ལས་མི་འགོན་པར་མ་ཟད། མི་སྤྱུ་དང་མ་འབྲུད་པ་ནི་ཅི་ཡིན། ང་ཡང་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུ་སྐྲ་ནས་ཞུ་པར། དགེ་བའི་སྟོབས་ཀྱིས་རྒྱལ་ཆེན་སྦྲས་མོར་སྐྱེས་ནས་སྲིད། །གཞན་རྣམས་བལྟ་བར་འདོད་ཀུང་ཅི་ཡང་མཐོང་བ་མེད། །ལྷུར་བཀའ་བེབས་བདག་གི་རེ་མས་ནི་ངལ་བར་གདའ། །དགེ་སེམས་ཡབ་རྒྱལ་ཁྱོད་ནི་གནང་བ་སྔར་དུ་སྟོལ། །ཞེས་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་འབོད

ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཚོང་འདུས་ནོར་རྣམས་རིམ་བཞིན་ལེགས་པར་བཀྲམ། །མྱུར་དུ་སྤྲིས་པ་པོ་རྣམས་ནང་དུ་འཛུག །རྒྱལ་སྐལ་ཆེ་རྣམས་ཤིར་དུ་ལེགས་པར་བསྒོམས། །བརྟན་པའི་སེམས་ཀྱིས་བརྡ་ན་ནོ་བའི་ཁྲིམས་སྡོན་གསོད། །ཞེས་པའི་ཟླ་སྒྲོགས་སོ། །དེ་ཉིད་ནི་ཚེས་བཅོ་ལྔའི་ཉིན་མོར་ཕྱུས་མོ་ཉིད་ལ་འདི་ལེའི་ནང་དུ་ཤེལ་ཁྲི་ལ་བཞུད་ནས་བུ་མོ་མང་པོས་བསྐོར་ནས་ཚོང་འདུས་ཀྱི་ཁྲོད་དུ་སོང་ནས་ནོར་སོགས་མཐོང་ན་ཡང་། སེམས་ཀྱི་ཐུགས་སུ་རྩིས་པ་བཟང་པོ་དང་འཕྲད་སྤྱོད་པས། སྤྲེས་པ་བརྡ་འདོད་ཀུང་སྤྲེས་བ་གཞན་མེད་པ་ལ། རྒྱལ་པོའི་བློན་པོ་ཟླ་བའི་མིང་ཅན་ཞིག་ཕྱུས་མོ་མཐོང་བར་འདེད་ནས་རང་གི་ཁང་པའི་སྟེང་དུ་ཞེན་ནས་བཞུད་པས། །ཕྱུས་མོ་ས་མཐོང་ནས་སོར་མོ་གཅིག་བསྐྱེང་ལག་པ་གཞན་ལ་སྦྱི་བསྐོར་བྱས་ནས་ཡང་ལག་མཐིལ་བསྐྱུབས་ནས་བརྡལ་ཏེ་སོར་མོ་གཉིས་བརྩེགས་ཏེ་ཁྱིམ་གྱི་ཕྱོགས་སུ་བརྡ་སྤྱོད་བྱས། དེ་ནས་བློན་པོ་ཟླ་བས་འཇིགས་ཏེ་ངེས་ནས་རབ་ཏུ་སྐྲག་བཞིན་ཁྱིམ་དུ་བཅག་དབུགས་འབེབས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། ཚུང་མས་ངེས་དབ་དོན་འཇིགས་ནས་སྐྲག་བཞིན་བྱེད་པ་ནི་ཅི་ཡིན། ཁྱོད་ནི་ཕྱུས་མོ་ཉི་མ་མཐོང་ལགས་སམ་ཟེར་བར། ཡེའི་བདག་གིས་མཐོང་ངོ། །བདག་ལ་ངན་ངམ་སྤྱིགས་སོ། །འཆི་བར་ཟད་དོ། །བདག་གིས་ཅི་སྐད་ཟེར་བ་ལ། ཆོས་བཤད་ནས་སྨྲས་པ། ཁྱོད་ལ་ཇི་ལྟར་སྤྱིགས་ཟེར་བ་ལ། ཉི་མ་ཕྱུས་མོ་འདི་བརྡ་ཀུན་སྨྲས། ཚུང་མས་ན་རེ། དེས་ཁྱོད་ལ་སྤྱིགས་བྱེད་པ་ནི་མིན། ཁྱོད་ལ་ཆགས་པས་དགོར་འོངས་ཟེར་བའི་བརྡ་ཡིན། སོར་མོ་གཅིག་བསྐྱེངས་པ་ནི་ཁྱིམ་གྱི་སྒོ་རུལ་དུ་ཤིང་གཅིག་ཡོད་ཟེར། ལག་པ་གཞན་ལ་སྦྱིར་བསྐོར་བ་ནི་ར་བ་ཡོད། ལག་པ་བསྐུམ་པ་བཀྲམ་པ་ནི་མེ་ཏོག་གི་ར་བ་ལ་སྦྱིན་ཟེར་བ་ཡོད། སོར་མོ་གཉིས་བརྩེགས་པ་ནི་ང་ཅག་གཉིས་ཉལ་ནས་དགའ་མགུ་བྱེད་ཟེར་བ་ཡིན་ནོ། །ད་མྱུར་དུ་འགྲོ་ཟེར་བས། བློན་པོ་ཟླ་བ་ན་རེ། ཁྱོད་བདག་རྒྱལ་པོས་གསོད་པར་བྱེད་པའི་འཁོར་ནི་ཇི་ལྟར་ཡོད། མི་སོས་སེམས་གདུག་ཅན་ཡིན་པས་རྒྱལ་པོའི་ཁྲིམས་རྣོ་བ་ནི་མི་ཤེས་སམ་ཟེར་བ་ལ། མོ་ནི་བཤད་ནས་སྨྲས་པ། ངའི་ཚིག་འདི་བརྟན་མི། བུ་མོ་དེས་ཁྱོད་དང་ངེས་པར་འཕྲད་ནུས་པ་ཡིན། བུ་མོས་ཁྱོད་འདོད་པས་ཁྱོད་ཀྱིས་མ་ཕྱིན་ན་ཡན་པར་མི་བཏང་བར་དགོས་པ་ཞིག་གི་ཆེད་དུ་ངེས་པར་གསོད་ཁྱོད་སོང་ས་སོང་གང་ཡིན་ཀྱང་འཆི་བ་ལས་འོས་མེད། དེ་བས་ན་དེར་སོང་ན་ལེགས་ཟེར། ཡང་སྨྲས

པ། ཡང་ས་མི་ལ་རིན་པོ་ཆེ་ཕན་ཐོགས་པ་ཡིན་པས་ནོར་བུ་གཅིག་ཕྱིན་ནས་དེར་བསྐྱེལ་ལོ།།

བློན་པོ་དེས་མི་དོག་གི་རྣ་བར་སོང་ནས་ཞིང་གཅིག་གི་རྩ་བར་འདུག་པ་ལ། སྔོན་དུས་སུ་སྲས་མོ་ཡོངས་ནས་དགའ་མགུར་སྤྲད་པོས་ལུས་ངལ་ནས་གཉིད་ལོག་དེ་ཉི་མ་ཤར་རོ། །རྣ་བ་སྦྱང་བ་དེས་དམག་བརྒྱ་དང་བཅས་དེ་བསྐོར་ནས་འགྲོ་བར་བློན་པོ་དང་སྲས་མོ་གཉིས་མཐོང་ནས་བཟུང་སྟེ་ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་གོ །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོས་རྣ་བ་སྦྱང་བ་ལ་བླས་པ། སྲས་ཆོ་ལ་བཟླ་བ་དང་བཙུག་པ་ལ་མིག་འབྱིན་པ་དང་རྐང་ལག་ཆག་པ་སོགས་བྱས་པའི་ལས་སྲས་མོ་ལ་སྦྱིན་པས་སོ། བུ་མོ་ཉེ་མས་བློན་པོ་སྦྲ་བ་ལས་ཉེས་པ། ཁྱོད་ལ་ཐབས་ཡོད་དམ་ཟེར་བས། བློན་པོ་ན་རེ། ང་ལ་ཐབས་ཡོད་མ་ཡོད་འཆི་བ་སྐྱུགས་པར་སྦྱོད་ཟེར་བར། བུ་མོས་ཁྱོད་བདག་གིས་བརྡ་སྤྲད་པ་ཇི་ལྟར་ཞེས་ཟེར་བར། བདག་མི་ཤེས་ངའི་ཆུང་མས་ཤེས་ཟེར་བར། ཁྱོད་ཀྱི་ཆུང་མ་བློ་དང་ལྡན་པ་ཡིན། མོས་ཁྱོད་ལ་བཅོལ་གཏམ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། བཅོལ་གཏམ་ནི་མེད་ཁྱོད་ལ་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་མི་ཕོ་ལ་དགོས་པ་ཡོད་རོ་ཟེར་ནས་ཕྱིན་ཟེར་བར། བུ་མོས་ལེགས་ཟེར་ནས་རིན་པོ་ཆེ་ང་ལ་ཕྱིན་ཅིག་ཞེས་ནས་ལེན་ཏེ། ཁྲི་མོན་གྱི་རྒྱ་མཐོང་ནས་བརྡ་སྟེ་སྨྲས་པ། ང་ཅག་རྣམས་སྤྲང་བའི་མིས་རིན་པ་ཆེ་འདི་ལེན། འཆི་བའི་མི་ལ་མི་དགོས། མི་གསོན་པོ་རྣམས་ལ་དགོས་པ་ཡོད། མི་སྲུས་ལེན་ན་བློན་པོ་སྦྲ་བའི་རྩ་ལ་ལན་གསུམ་བསྐོར་ནས་སྦྱིབ་ཟེར་བ་ལ། དེ་བཞིན་བྱེད་པ་ལ་ཆུང་མས་ཤེས་ནས། ཡའི་བདག་གི་ཁྲོ་བཟུང་ཟེར་ནས། གོས་རྒྱན་ཀྲུན་ཀྱིས་བརྒྱན་ཏེ་རིན་པོ་ཆེའི་གཏོང་བར་ཟས་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བཀང་ནས་ཁྲི་མོན་གྱི་སྒོར་སོང་ནས་བཙོན་སྤུང་རྣམས་ལ་སྤྲུལ་པ། བདག་གི་ཁྲོ་ན་ནས་འཆི་བ་ལ་ཐུག་པས། སྨན་པས་བཏུད་ནས་སྨན་པ་རྣམས་ན་རེ། བཙོན་དུ་འདུག་པ་རྣམས་ལ་ཟས་བྱིན་ན་འཚོའི་ཟེར་བར། ཤིང་དོག་འཁྱིད་སེམས་ནས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བཙོན་སྤུང་ཕོས་ནས་མི་མོ་ཡིན་ངས་ཐུང་ཟེར་ནས་ལ་ཟུར་བཀྲིད་ཞེས་བཙུག་གོ །སོས་ནང་དུ་འཛུལ་ནས་སྨན་མོ་ལ་རང་གི་ཞུ་གོས་ཀྱིན་དེ་གཏོང་པ་བསྟབས་ནས་ཕྱིར་འདོན་ཏོ། དེ་ནས་ཚང་མས་རང་གི་ཁྲོ་དང་རྩེར་དུ་ཁྲི་མོན་ལ་སྦྲུལ་པས། རྒྱལ་པོ་དེང་བས་བཙོན་སྤུང་བཏུད་ནས་སྲས་པོ་དང་བློན་པོ་གཉིས་ཀྱི་རྒྱུ་མཚན་ཚང་བར་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་ཤེད་དུ་ཐོབ་དེ་སྒོ་ལ་བླངས་ནས་རང་གི་ཐོགས་དེ་ཉི་མ་བུ་མོ་རིངས་པར་ཐོངས་ཟེར་བར། དེས

ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་ནས་བློན་པོ་དང་ཚུང་མ་གཉིས་ཁྲིད་དེ་འོངས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་སྐད་ཅེས་པ་ནི་གང་ཟེར་བ་ན། བློན་པོ་དང་ཚུང་མ་གཉིས་བདུད་དེ་ཞུས་པ། བུ་མོ་ཉི་འོད་བདག་མི་ཤེས་སོ།།

བདག་གི་ཚུང་མས་རྒྱལ་པོའི་མེ་ཏོག་གི་རྣ་བ་མཐོང་བར་འདོད་པས་ང་དང་ལྷན་ཅིག་ཏུ་འགྲོ་བས་ཁྱེར་མ་ལོག་པར་དེར་ཉལ་བས་དེར་དཔག་རྣམས་སླེབས་ནས་མེ་ཏོག་གི་རྣ་བར་མ་ཞུས་པར་འཇུག་ཟེར་ཉེས་ང་ཅག་གཉིས་ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་ཅེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཡོངས་ཕོ་མོ་གཉིས་གང་དུ་ཉལ་ནའང་རང་གི་འདོད་མོས་རྟར་ཡིན་ཀྱི། །བཙོན་སྲུང་ཁྱོད་འདི་ལྟར་ངན་པའི་མི་ནི། ངའི་སྲས་མོ་ཡིན་ཞེས་སྨྲས་པས་ཁྱོད་གསོད་པར་འོས་པ་ཡིན་ཀྱང་ཁྱོད་འདྲ་ངན་པས་ཅི་དགོས་བློན་པོ་བླ་བའི་གཡོག་ཏུ་འགྱུར་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། དེ་ནས་བཙོན་སྲུང་པས་ཞུས་པ། བདག་ད་གཏོད་བཟུང་བའི་དུས་སུ་སྲས་མོ་ངེས་པར་ཡིན་པར་གདའ། མོ་འདི་ངོ་མ་ཤེས་པ་ནི་བདག་འཆི་བ་སྐྲུགས་པ་ཡིན་པས་ངེས་པར་འཆི་བཏོ། །འོན་ཀྱང་སྲས་མོ་འདི་ཉིད་དུ། ནས་གླང་དུ་གཏན་བསྒྲག་ནས་འཆི་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་དེ་བཞིན་དུ་གནང་ངོ་། །བུ་མོ་འབོད་ནས་བཙོན་སྲུང་ངན་པ་འདེས་ཁྱོད་ནི་མེ་ཏོག་གི་རྣ་བར་བློན་པོ་བླ་བ་དང་འདྲ་བར་གནང་བ་ལ་བདག་ཅག་གིས་བཟུང་། ཕྱིས་པུ་ཊི་རྟར་ཐབས་ཀྱིས་མཐོང་མི་ཤེས། འོན་ཀྱང་འཆི་བ་ལ་དབྱེར་མི་འདུག །བུ་མོ་ཁྱོད་ནི་ནས་གླང་ལ་མནའ་བོར་ནས་འཆི་ཟེར་བ་ལ། །དེ་ནས་ན་ཁྱོད་ནས་གླང་ལ་གཏན་བོར་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ནས་གླང་དེ་ནི་བདེན་ན་མི་བསྒྱུར། བརྟན་ན་བསྒྱུར་བས་བདེན་བརྟན་ཤེས་ནས་སོ།།

བརྟན་སྨྲས་ན་རང་གི་ལུས་དང་འདྲ་བར་འགྱུར་ལོ། །བུ་མོས་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། བདག་ཁྱེད་ཀྱི་བུ་མོ་གཅིག་ཡིན་པས་མི་ཉུང་ངུར་མི་རུང་། མི་ཤེས་དུ་མང་པོའི་ནང་དུ་གཉའ་བོར་ཟེར་བ་ལ། དེ་བཞིན་ཞུ་ཟེར་བར། མི་མང་པོ་ཚོགས་ཟུམ་ཏེ། དེ་ནས་བློན་པོའི་ཚུང་མས་བུ་མོ་གཏན་བོར་བ་ཤེས་ནས་ཁྱོའི་ལུས་ཀུན་སྣག་ཚོས་བསྒྱུར་ནས་དྲི་ངན་པ་རྣམས་བྱུགས་ཏེ་སྐྲག་ཁྲོ་བ་ལྟར་བསྒྱུར་ནས་བཅོལ་གདམས་འདི་ཐུས་སོ། །གཉའ་བོར་ཚེ་ཁྱོད་ཀྱི་མིག་ལ་གཅིག་བཙུམས། རྐང་ལ་གཅིག་གཡོན་ཕྱི་ནས་མཁར་བ་ལ་བརྟེན་ཏེ་མི་མང་པོའི་ནང་དུ་སྨྱོན་པ་ལྟ་བུ་མི་འོས་པའི་སྤྱོད་པས་འགྲོ། །དེ་དུས་སུ་སྲས་མོ་ཐབས་གཅིག་ཆེད་པ་ལགས་ཟེར་བཅོལ་ལོ། དེ་ནས་བློན་པོ་བླ་བ་དེས་མི་མང་པོའི་ནང་དུ་ཁྲིད་ནས།

མ་འི་ངག་ལྟར་འགྲོ་བས་རྒྱལ་པོས་བློ་བུར་དུ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་དོ། །འདི་སྨྱུག་བྲོ་བ་ལྟ་བུ་ངན་པ་རིང་དུ་བསྐྱེལ་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་རྣམས་ཡོངས་ནས་རིང་དུ་སྤྱལ་དེ་ཕྱིར་སོང་སོང་ཞེས་བརྡེགས་པའི་ཚེ། བུ་མོས་དེ་མཐོང་ནས་བཞེངས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་འི་དྲུང་དུ་འོངས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་ཞུས་སོ།།

བདག་ལ་སྐྱོན་མེད་པ་ལ་བརྫུན་པས་སྐུར་པ་བདབ་པ་ལ། བདག་ནས་སླང་ལ་གཏན་བསྒྲགས་པ་ལ། ཡོངས་ང་ཅག་དབྱེ་སྡེ་ཤིན་དུ་བདེན་ན་དྲག་ཚུལ་མེད་དེ། འོན་ཀྱང་བདག་མི་སྨྱུག་བྲོ་བ་ལྟ་བུ་པོ་མཚན་ཅན་ཞིག་འདྲེན་ནས་གཏན་བོར་ན་ལེགས་པ་ལ། མི་བཟང་ལ་བརྫུང་ནས་གཏན་བོར་ན་ཡང་བདག་ལ་སྐུར་པ་འདེབས་པ་ཡིན། དེ་བས་ན་བདག་མི་ངན་པ་ནད་ཅན་བརྫུང་ནས་གཏན་བོར་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་བཙུན་མོ་དང་བློན་པོ་དང་མི་མང་པོ་ཚོགས་པའི་དབུས་སུ་མཐའ་བོར་བས། བློན་པོ་སོགས་མི་མང་པོ་རྣམས་རྒྱལ་པོ་འི་སྲས་མོ་འདི་ལྷ་བུའི་ངན་པ་མི་གཙང་བའི་འགྲོ་བ་བརྫུང་ནས་ཇི་ལྟར་གཏན་བསྒྲག་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། དེ་ཡ་བརྫུང་བ་ནི་ཀླུའི། དེ་མ་ཟད་བདག་རང་གིས་དེ་དང་འབྲུད་པ་ནི་རང་གིས་སྨྲས་པ་ཡིན་པ་ལ་ཅེས་ཟེར་ནས། བུ་མོས་ཡང་སྨྲས་པ། བདག་ཆུང་དུའི་དུས་ནས་ཚུན་ཆད་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་མིང་ལ་གྲགས་པ་ངན་པ་ཡེ་མི་བྱེད་དོ། །གཅིག་དུ་འགྲོ་བའི་ཁྲོ་ནི་དེ་ནད་ཅན་ཡིན། དེ་ལས་གཏན་ཁྲོ་དང་གཏན་ནས་མ་འབྲུད་ཞེས་གཏན་བོར་རོ། །སྟན་ནས་འབྲུད་པའི་ཁྲོ་ནི་བསྟུན་པས་ནས་གླང་མི་འཕེལ་ལོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ལྷ་དང་ཀུན་གྱིས་བུ་མོ་འི་བདེན་པར་ཡིད་ཆེས་ནས། བཙོན་སྤུང་བརྫུན་པར་སྨྲས་ཟེར་ནས་ཁྲིམས་ཀྱིས་བསད་ནས། བློན་པོ་ཀྲ་བ་ལ་རྐྱང་མ་ཐོགས་པར་གནང་ངོ། །དེ་ནས་ནི་ཙོ་བློ་ལྡན་གྱིས་ན་རེ། ཡབ་བཙུན་མོ་ཁྲིད་བློན་པོ་ཀྲ་བའི་ཚུང་མ་དང་འདྲ་བའི་སྙིང་སྟོབས་དང་བརྩོན་པ་ཡོད་ན་ཁྲིམས་གཉིས་ལ་འགྲོ་བ་ཉི་བདེན། དེ་འདྲ་མིན་ན་ཁྲིམས་གཉིས་དུ་འགྲོ་མི་རུང་ཟེར་བ་ལ། མོ་དེས་ནི་ཙོ་འི་ཚིག་གསན་ནས་ཁྲིམས་གཉིས་དུ་འགྲོ་བར་མི་ནུས་པར་སྤྱོད་སྐད། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཨཱཛི་བཛི་ཁྲིད་ཀྱི་བཙུན་མོ་འདི། ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཝི་ཀྲ་མི་ཊི་དའི་བཙུན་མོ་མེ་ཏོག་གར་མ་ཧྲ་ཞིག་སྟོན་བ་ཀྲ་བའི་ཚུང་མ་དང་འདྲ་ན་ཁྲི་འདི་ལ་ཐུག་ཅར་འོས་པ་ཡིན་ལ། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གསལ་གྱི་ཟ་མོ་ཉི་འོད་དང་འདྲ་བའི་ཐབས་ཆེ་བ་དང་སེམས་ངན་པ་ཤིན་ན་ཐུག་འཚལ་མི་ཤེས་པར་སོང་ཟེར་བར། ངར་པ་ཅན་ངོ་ཚ་ནས་སོང་ངོ། །ཤིང་མི་དྲུག་པའི་ལེའུ་སྟེ་དྲུག་པའོ།། ॥

ལེའུ་བདུན་པ།

༄༅། །དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་མཧཱ་བྷཱུ་ཏིས་བཙུན་མོ་དོན་གཅིག་ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱག་འཚལ་བར་ཕྱིན་པ་ལ། བཙུན་མོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ན་བཙུན་མོ་གཙོས་པ་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་མཧཱ་བྷཱུ་ཏིས་ཁྲི་ལ་མགོ་བོས་ཕྱག་བྱས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོས་ཕྱག་བྱས་པར་གཟས་པ་ལ། བདག་ནས་པར་ཞོག །ཁྲི་དེ་ལ་མགོ་རེག་མི་ཡོང་བ་ཡོད་དོ། །ཁྱོད་ལ་སྤོར་གྱི་ནི་ཙོ་དོན་གཅིག་གི་ལོ་རྒྱུས་བརྗོད་ཟེར་ནས། ཡང་ཕྱི་ཉིན་ལ་ཕྱག་པོ་དེའི་ཚོང་མ་ཚགས་ཅན་གྱིས་ཁྲིམ་གཏན་ལ་འགྲོ་བར་ཚས་པ་ལ། ནི་ཙོ་ཡོངས་ནས་ཚོང་མའི་ལག་པར་འབབ་སྒོ་སྤྲས་པ། ཁྱོད་ཀྱི་པོ་ནི་ཞག་དོན་གཅིག་ནས་ཁྲིམ་ལ་བླབས་པ་ཡིན་པས། མ་བླབས་བར་དུ་ནི་ཙོ་བདག་གིས་བཅོལ་བར་སྤྲུལ་པས། བདག་ཁྱོད་ནི་བཟུང་མི་ཐུབ། ངའི་ཚིག་ནི་མ་མཉན། འོ་ཀྱང་བདག་གིས་ལོ་རྒྱུས་གཅིག་སྨྲའོ། །བཙུན་མོ་ཁྱོད་དགེ་གཅིག་ཉོན་ལ་ཁྲིམ་གཏན་ལ་འགྲོ་ན་ཅིར་མི་འགྱུར་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། དཔེ་གཅིག་བརྗོད་ན་སྒྲུར་དུ་སྨྲོས་ཤིག་ཉི་མ་ཟེར་བྱུང་ཟེར་བས། ནི་ཙོ་ན་རེ། སྔོན་གྱི་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་དཔལ་ཞེས་བྱ་བ་ལ། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །བུ་མོ་དེ་ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་རྒྱལ་པོས་སྤྲས་པ། དཔའངས་རིགས་ལ་ཕྱིན་ཞེས་ན་ངའི་བུ་མོ་དང་མཉམ་པའི་མི་མེད་པར་གདའ། མི་གཞན་ལ་ཕྱིན་སྐམས་ན་ཧ་ཅང་ཕྲགས་སོ། ། དེ་ནས་ན་ཁྲོན་པ་གཏིང་ཟབ་པ་གཅིག་བཀོ་སྟེ་བཞག་གོ །ཁྲོན་པ་དེ་ནི་མི་གང་གིས་ནོར་དང་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་ཀྱིས་བཀང་ནས་ན་མི་དེས་བདག་གི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ལེན་ནོ་ཞེས་སྒྲོགས་པར་བྱེད་པ་ལ། དེ་དུས་སུ་རྒྱལ་པོ་སྟོབས་ལྡན་ཞེས་པ་ཞིག་ལ་བུ་གཅིག་ཡོད་དོ། །བུ་དེས་གསན་ནས་ཁྲོན་པ་བཀང་སྟེ་བུ་མོ་ལེན་སྙམ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་དང་རྫས་ནོར་སོགས་ནི་གླང་ཆེ་བརྒྱ་ལ་བཀལ་ནས་མི་བརྒྱ་པོ་འཁྲིད་ནས་ཕྱིན་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། ཁྱོད་ཀྱི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ནི་བླངས་རྒྱུ་ཡས་ཁྲོན་པ་འདི་ནི་རིན་པོ་ཆེ་ལ་སོགས་པས་བཀང་ཟེར་ནས་བླབས་པ་ལགས་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། མི་སུ་ཞིག་གིས་རིན་པོ་ཆེ་ལ་སོགས་པས་བཀང་ནུས་ན་དེ་ལ་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་ཕྱིན་ནས་ནོར་སོགས་ཀྱིས་ཁྲོན་པར་བཅུག་ནས་མི་གང་བར་འཁྲིད་པའི་མི་བརྒྱ་པོ་དང་རྟ་སོགས་ཚང་ཀྱང་ན་ལོན་པས། ང་ཡང་ལུས་གཅིག་ལྷ་ལས་མེད་ནས། ཡུལ་དུ་ལོག་པར་སེམས་ཀྱང་ཁང་བཟང་བ་དང་བཟའ་སོགས་མེད་ནས

ལོག་པར་མི་ནུས་སོ། །རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་ཡུལ་དུ་བསྡད་དོ། །ལྟོག་འཚོ་བའི་ཐབས་མེད་པས་ཤིང་འཐུ་ནས་ཁྲར་དེ་ཚོང་ནས་ལྟོག་ཇ་མ་ཆད་པ་ཙམ་འདུག་པ་ལ། ཉིན་གཅིག་ལ་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་པོ་བྲང་གི་སྟེང་དུ་འཇོགས་ཏེ་ཐེབ་ཙུང་ལ་བརྡད་ནས་སེམས་གསོ་བ་ལ། རྒྱལ་པོའི་བུ་ཡི་ཤིང་ཁྲར་དེ་ཁྲམ་བར་སྒྲ་ཆེན་པོས་ཤིང་ལེན་ནམ་ཟེར་ཏེ་འགྲོ་བ་ལ། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་མཐོང་ནས་ཁྱིད་པའི་བུ་མོ་ལ་དེ་ནི་པོས་ཤོག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོའི་བུ་དེ་ཁྲིབ་པ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །བདག་གིས་ཁྱོད་བལྟས་ཏེ་བརྟག་ན་ཁྱོད་ཀྱི་ལུས་ཀྱི་དབྱིབས་སོགས་མི་བཟང་པོའི་བུ་ཡིན་པ་འདྲ་ལ་ཤིང་ཚོང་བའི་བུ་ལྟར་འདི་ཅི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པ་ལ། རྒྱལ་པོའི་བུ་ན་རེ། བདག་རྒྱལ་པོ་སྟོབས་ནས་ཀྱི་བུ་གཅིག་པུ་ཡིན། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ནི་ལེན་སྐམ་ནས་གླང་ཆེན་བརྒྱ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་བཀལ་ཏེ་བླངས་ནས་ད་བདག་གཅིག་པུ་ལུས་སོ།།

བཀལ་ས་དང་ཞོན་པ་དང་འཁྲིད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་འཚོང་ཡང་མ་ལོན་ནོ། །དེ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པར་སེམས་ཀྱང་ལྟོ་གོས་མེད་པས་ཤིང་ཚོང་ནས་ལྟོག་འཚོ་འོ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་ཇི་ལྟར་སེམས་པའི་མི་མཐོངས་པ་ཞིག་གདའ། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་སང་མེད་ཀྱང་རུང་། ཡོད་ནང་ལོང་བཞམ་གཞན་འཆི་བ་ཡང་ཡོད། བུ་མོ་མ་མཐོང་བར་ཁྲིན་པར་ནོར་ཡོད་ཚད་འཐུག་པ་ནི་ཉི་ལེགས་ལ། ད་ད་ཁྱོད་སོང་ལ་ཁྲིན་པར་འཐུག་པའི་ནོར་ལས་ནུས་པ་ཅི་ཡོད་ཀྱིས་བསྐུམས། ལེན་པའི་རྗེས་སུ་བདག་གིས་རིན་པོ་ཆེས་ཤིན་ཏུ་བཀང་ངོ་ཟེར། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་ཤིག །ཁྱོད་ང་ལྟ་བུ་བུ་མོ་སང་བསྐུས་པས་ཡོངས་ཁྱོད་ལ་ནི་བུ་མོ་མེད་ཀྱང་རུང་ལ། ཡོད་ཀྱང་མིག་ལོང་བཞམ་ཁང་ལག་འཁྱི་བཞམ་ཤིན་ཏུ་མི་སྡུག་པ་ཞིག་ཡོད་ཀྱང་རུང་བས་ངས་བཟུ་ཟེར་རྒྱལ་པོ་ལ་སོ་ཇ་གཏོང་། གལ་ཏེ་རྒྱལ་པོ་བུ་མོ་འཁྲིད་ནས་འོང་ན་དེ་བུ་མོ་ལ་བརྟེན་པ་བཏིན་པར་ནོར་ནམས་ཁྲིན་པར་སྤྱུག་པ་ངང་གིས་བཀང་བ་ཡོད། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་མ་བརྟེས་ནས་ཅི་སྤྱུགས་ཀྱང་འགོང་པ་པ་ཉི་འདུག །བུ་མོས་མཐོང་ན་སྤྱུ་མོའི་སེམས་ནི་ཤིན་ཏུ་ཆོས་ཟེར་བ་ཡིན་པས་བཀང་བསྒྲ་ཟེར་བར། བུ་དེས་བུ་མོ་ཉིད་ངག་བཞིན་རྒྱལ་པོར་གསོལ་ལོ། །རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་ཡང་འཁྲིད་ནས་འོངས་པར། རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་ལ་བརྟ་ཞ་ཏིར་དུ་སྤྱུགས་པས་སྟུར་དུ་བཀང་ངོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་བུ་མོས་བསླབ་པ་བསྟན་པ་ཤེས། ཞིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ་གཡོ་ཅན་གྱི་བུ་མོ་ལ་ཁྲོན་པ་དང་དེ་གོས་རིགས་ཤི་ཤ་བྱིན་པར། བློན་པོས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་བཞིན་དེད་ནས་འགྲོ་བར་ནྭ་བའི་ཕྱི་རོལ་དུ་དོར། དེ་ནས་ནོར་གྱི་རྟག་མས་ཏ་ཡིན་ནས་ཁྲོན་ཏེ་རང་གི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་དེའི་ཡུལ་ཉི་ལ་གསུམ་གྱི་རིང་དུ་ཡོད་དོ། །གཉིས་ཀ་སོང་སོང་ནས་ཏ་རིད་པ་དང་ཟས་ཟད་པ་དང་། ཀང་པང་གི་འགྲོ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ཏོ། །རྒྱལ་བུས་བུ་མོ་བྲ་འོད་ལ་སྨྲས་པ། ང་ཅག་གཉིས་མི་ལས་ཟས་སློང་བར་ནུས་སམ་ཟེར་བར། སློང་བ་མེད་པར་འགྲོ་འོ། །ང་ལ་དངུལ་ཁྲི་ཐྲ་ཡོད་ཟེར་བར། བྲ་འོད་ན་རེ། བདག་བཟོ་པ་གཅིག་བྱས། འདི་དངུལ་ཁྲི་ཐྲས་སྒྲུད་པ་མདོག་ཤུས་ཚང་བ་ཚོང་ཡིན་ནས་ཡོངས་པས། བྲ་འོད་རིས་རི་རབ་ལྷུན་པོ་གླིང་བཞི་དང་ཉི་ཟླ་རྒྱ་སྐར་སོགས་མ་ཚང་བ་མེད་པ་ལེགས་པར་བཟོ་བར་བྱས་ཏེ་རྒྱལ་བུ་ལ་གཏད་དེ། ཁྱོད་འདི་ནི་དངུལ་སྲང་ཁྲི་བརྒྱ་ལ་ཚོང་ན་ཚོང་། དེ་ལས་ཆུང་ཅན་མི་བཙོང་ངོ་། །གལ་ཏེ་ལེན་མིས་འདི་ཉིད་ནི་སུས་མདུད་བྱས་པ་ཡིན་ཟེར་ན་ངས་ཟེར། དེ་ནས་རྒྱལ་བུས་བསྣམས་ནས་སྒྲུད་པ་ཁྲང་བ་ནི་ཡོད་དམ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་སླེབས་ཏེ་འདི་ཡི་རིན་ནི་ཅི་ཡོད་ཟེར་བར། །རྒྱལ་བུ་ན་རེ། དངུལ་སྲང་ཁྲི་བརྒྱ་ལས་ཆུང་མ་ཉོས་ཟེར་བར། བློན་པོ་དེས་སྒྲུད་པ་དེ་ནི་བསྣམས་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་བསྟན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་ཁྲང་ཟེར་བར་བལྟ་བར་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་ལེགས་པར་བརྟགས་ཏེ་ངོ་མཚར་ནས་དངུལ་སྲང་ཁྲི་བརྒྱ་བྱིན་ནས་འདི་ནི་སུས་མདུད་ཟེར་བར། ངའི་ཆུང་མས་མདུད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ལ་འདིའི་རྗེས་སུ་འགྲོ་ནས་མོ་འཁྲིད་འོངས། བུ་དེ་ནི་རིང་དུ་དོང་ཟེར་བས། བྲ་འོངས་པ་ལ་བྲ་འོད་ན་རེ། སུ་ལ་ཉོས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཉོས་སོ་ཟེར། སྒྲུས་མདུད་ཟེར་རམ་བྱིས་ས་ངའི་ཆུང་མས་མདུད་ཟེར་རོ། །བུ་མོས་ཁྲོ་འི་ཚིག་གསན་ནས་སེམས་སྡུག་ནས་པོ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །རྒྱལ་པོས་བདག་ཁྲང་ནས་ཁྱོད་རང་དོར་རས་ཅི་ཡང་ཐུང་བ་ལ། ཁྱོད་ཀྱིས་བྲ་བ་འདི་ཡི་ཉེར་ཐུ་ལ་ག་ནི་མང་པོ་སར་རི་ཁྲང་གླིང་བུ་སོགས་བརྟུང་བའི་སར། འདིའི་ནང་དུ་བདག་གི་ལུས་མོ་གཅིག་ཞེས་བོས་ནས་དུ་ཞིང་འགྲོ་དོ། དེ་དུས་སུ་ཚིག་གསུམ་བདག་གིས་བཤད་དོ། །ཞེས་སྨྲས་མ་ཐག་ཏུ་སྤྲིན་སོགས་འོང་ནས་མོ་འཁྲིད་ནས་ཁྲོ་ནི་རིང་དུ་བསྐྱད་དོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་བུ་མོ་ཕྲུལ་བས་དགའ་ནས་བཙུན་མོར་བྱའོ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བདག ཕྲོ་ངན་པའི་ཧང་མ་ཡིན་པས། རང་གི་ལུས་ནི་སྨེས་འབབས་པས་ཆ་བ་གཅིག་ལ་ཁྲིམ་ལ་བསྡད་ནས ལུས་བཀུས་པ་སོགས་བྱས་རྗེས་རྒྱལ་པོ་འདི་བཀར་བཞིར་སྐྱབ་པོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་གདང་ནས་པ་བྲང གཅིག་ཏུ་བཞག་གོ། བུ་མོས་ཉིན་གཅིག་ལ་བུ་མ་གཡོག་མ་གཅིག་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་ཁྱོད་སོང་ལ་མི་མང པ་འདི་ནང་ལ་ངའི་ཟླུམ་མོ་ཞེས་ཛ་བ་ཡོད་ན་དེར་ཕྱིན་ཞེས་འགྲོ་བ་ལ། དེ་དང་འཕྲད་ནས་ཕྱིན་ནོ། །ཡི གེ་བཏུས་རས་ཆ་གཉིས་ལོན་ནས་ཆ་བ་འདིའི་ཉེར་དགུ་ན་ངའི་ཁང་པའི་གནས་སུ་ཁང་རལ་གྱི་མདུན་ན ལམ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་གདའ། ངས་ཉལ་ཁར་འོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། མོ་འདི་ངག་རྒྱུར་ལམ་ཁར བསྡད་པས་ཀུན་མ་གཅིག་འོང་ནས་དེའི་མཇུར་མ་བཅད་ནས་ཁྱེར་སོང་བ་དང་བུ་མོ་ཡོང་ནས། ཇ་གཅིག ལ་ཞོན་ནས་འབྲོས་པས་རང་སར་རྗེས་སུ་བུ་མོ་ཆ་འདོད་ཀྱིས་ཀུན་མ་ཡིན་པར་ཤེས་ནས་ཐབས་མེད་པས། བུ་མོ་ན་རེ། ང་ཅག་སྔོན་ལས་ཀྱིས་འཕྲད་པ་ཡང་བདག་ཁྱོད་ཀྱི་ཧང་མ་བྱས་པ་ཡིན་ཟེར་བས། ནང བར་ཉི་མ་ཤར་ཚེ་ཆུ་ཀླུང་ཆེན་པོ་གཅིག་ལ་གྲུ་གཟིངས་ཀྱིས་རྒོལ་བ་མ་གཏོགས་གཞན་གྱིས་བསྐྱལ་མི ཐུབ་པ་ཡོད་ལ། དེར་གྲུ་གཟིངས་ཀྱིས་བརྒོལ་བ་དང་འཕྲད་པས། ཀུན་མ་ན་རེ། ཨའི་གྲོགས་པོ་དག གྲུ་འདི་ང་ཅག་ལ་བྱིན། ང་ཅག་སྔོན་གྱི་སྨོན་ལམ་པར་གདའ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ཁྱེད་རྣམས དང་སྨོན་ལམ་གྱིས་འཕྲད་པ་ཡིན་པས་ཁྱོད་ནི་དང་ཛར་བྲངས། ངས་ཕྱིས་སུ་ཏ་དང་བཅས་ཏེ་འཕྲོད་ཟེར བ་བཞིན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་དེ་རྣམས་འགྲོན་པ་དང་མཉམ་དུ་བུ་མོས་ཏ་ཞོན་ནས་ཕྱིར་བྲོས་ཏེ་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོ་དེའི་པོ་བྲང་དུ་ཉེ་བའི་ཁར་ཏ་གཉིས་བཏང་ནས་རྐའི་རྫུལ་གཟན་གྱིས་ཁྲར་སྐོར་བྱས་ཏེ་རྒྱུན་རྣམས རྟོད་དེ་ཉིད་དུ་བསྒུགས་ཏེ་ཁྲར་ནས་ཕྱིན་པའི་གོས་རྒྱན་གདོང་ལ་དཀར་ཁ་བསྐུར་ལ་ཀང་པ་གཅིག་བཤལ འཁྱི་ནས་ཤིང་སྐམ་གྱི་མཁར་བ་ཐོགས་ནས། རྒྱལ་པོའི་པོ་བྲང་དུ་སློང་མ་པའི་ཚུལ་གྱིས་རྒྱལ་བུ བཙལ་བས་ཁྲིམ་གདེག་གི་ཐེམ་ལ་རྒྱལ་བུ་བསྡད་པས། ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་ཕྱིར་འགོན་དུས་གོས་རྣམས དཀྲོལ་ཏེ་ཁྲར་རྟོད་དུ་བཏུག་ནས་ཕྱིན་པ་ངན་གོས་རྒྱན་གདོང་ལ་དཀར་ཁ་བྱུགས་ནས་སློང་མོ་པའི་ཚུལ་གྱིས འགྲོ་བ་ལ། བུ་མོ་ཉེ་འདོད་བཙལ་བར་རྒྱལ་བློན་མང་པོ་བློ་བྱར་དུ་འོངས་པས་སློང་མོ་པ་པོ་མོ་གཉིས བཏུད་ནས་ཞུས་པ། ངན་པའི་སློང་མོ་པ་ང་ཅག་ཡུལ་རིང་པོ་ལས་འོངས་པས། དེ་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་དང

འཕྲད་བ་མ་འདུག་པས། ང་ཅག་ཐམས་ནས་བུ་དཀར་སྤྲིན་པ་ཞུ་ཟེར་བས། ང་ཚ་མ་ཤིན་དུ་བདེན་པར་ཀྲད་པོ། འདི་དག་ལ་སྣ་ཕྱབ་དང་བཅས་པའི་ཏ་གཉིས་ཕྱིན་ཅིག་ཟེར་ནས་ཕྱིན་ནོ། །ཕོ་བྲང་དེར་སྐྱིད་མོ་བའི་ཚུལ་གྱིས་ཉི་མ་ཟེར་སྦྲུང་བའི་བར་དུ་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་ཏ་གཉིས་ཁྲིན་ནས་ཕྱར་ཀྱི་ཏ་དང་བཅས་ཏེ་ཡུལ་དུ་སོང་ངོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་རང་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཇི་པོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་རས་རྒྱལ་བུ་རིང་པོར་སོང་བའི་ཆེད་དུ་ཡབ་ཡུམ་ལ་སོགས་པ་ཀུན་གྱིས་ཕྱིར་ཐམས་ནས་འདུག་ག །རྒྱལ་བུ་ཕྲུས་མོ་ཐོབ་ནས་སླེབས་ཟེར་བ་ཐོས་པ་ལས་རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ནས་མང་པོས་བསུ་བ་དེ་ཕོ་བྲང་དུ་སླེབས་སོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་ལས་ཡབ་རྒྱལ་པོས་དྲིས་པ། ཁྱོད་ཀྱིས་འཁྲིད་པའི་གླང་ཆེན་དང་མི་རྣམས་ཟད་པའམ་སྐྱོ་དང་ནད་པའི་ཐུར་རྐྱེ་པ་སོ། །གླང་ཆེན་སོགས་ཟད་པའི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་སོ། དེ་ནས་སྤྲས་མི་ཏེ་བརྟུས་རང་གི་ཡུལ་དུ་བདེ་བར་སླེབས་པ་ལ་སོགས་པའི་བསྐྱོད་བརྟགས་ཞུས་སོ། ཨའི་ཀྱང་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་ཀླུ་འོད་དང་འདྲ་བར་པོ་ལ་འཁྱུར་བ་ཞེད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་ན་ཁྲིམས་གཞན་ལ་འགྲོ་བར་ཟུང་ག །དེ་ལྟ་མིན་ན་འགྲོ་བར་མི་ཟང་ཟེར་བ་ལ། ཆུང་མས་ནི་ཙོའི་ངག་ཕྱར་ཁྲིམས་གཏན་དུ་མི་འགྲོ་འོ། །ཨའི་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བུཛྙ་ཁྲོད་ཀྱི་བཙུན་མོ་འདི་ནི། ངའི་ཛ་རྒྱལ་པོ་ཤཀྲ་མི་ཛ་དྭའི་བཙུན་མོ་ནི་དོག་གར་མ་པར་ཞོག །རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་སྤྲས་མོ་ལྷ་བུ་མོ་ལ་གཉིས་སུ་མེད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་ན་ཁྲི་འདི་ལ་ཕྱག་བྱར་འོས་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་མགོ་ཡང་རིག་པར་མི་ཐུང་བས་ཕྱིར་ཕོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་སོགས་ང་ཚ་ནས་ཕྱིར་སོང་ངོ། །ཤིང་མི་བདུན་པའི་ལེའུ་སྟེ་བདུན་པའོ།། ||

## ལེའུ་བརྒྱད་པ།

ཀྵ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བུཛྙ་དེས་ཁྲི་ལ་མཆོད་གཏོར་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བཤམས་ནས། པཎྜི་ཏ་རྣམས་ཀྱིས་རབ་གནས་ཐམས་ཏེ་དུང་དང་ཡི་གླང་སོགས་འཁྲུད་ནས་ཕྱག་འཚལ་ནས། ཐེམ་སྐས་གཅིག་ལ་བརྩེགས་པ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་སྦྲང་ཉིས་ཨའི་ཁྲོད་ཙེ་སྐད་པའི་མི་ཡིན། ལྷའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་བཀུགས་པའི་ཁྲི་འདི་ཡིན་ནོ། །དེ་ལྟར་ཛ་རྒྱལ་པོ་བ་ཀྲ་མི་ཏྲ་དྷ་བུ་རང་གི་སྲོག་ལ་མ་ལྟོས་པར

འགྲུ་བའི་དོན་ཁོ་ན་སེམས་པ་ཡིན་ན་འདུག་རུང་། རང་དོན་སེམས་པ་ནི་མི་འདུག་མི་རུང་ངོ་། །འདུག་ན་ཁྱོད་ཀྱི་མགོ་ནི་སྟོང་གས་པར་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྣ་ཐུངས་བཀྲི་ཉ་དང་དཔོན་པོ་དང་བློན་པོ་སོགས་མི་ཀུན་གྱིས་ཧ་ལས་པ་ལ། ཤིང་མི་རིས་ནི་ཀྲ་མི་ཛི་ཉའི་ལོ་རྒྱུས་ཁྱོད་ལ་སྨྲ་ཡི་ཁྱོད་ཉོན་ཅིག །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷ་མ་ཡིན་གྱི་ཡུལ་དུ་ལོ་བཅུ་གཉིས་ཀྱི་བར་དུ་གནས་ནས་འཐབ་པའི་ཚེ་དེའི་དུས་ན། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བཙུན་མོ་ཧུང་ཏུས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བུ་ཧུང་ཛ་འབོར་ནས་གར་དང་རོལ་མོ་དང་བཅས་པའི་དགའ་སྟོན་བྱས་ཏེ་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པ་ལ། བུ་ན་རེ། གནས་ས་གཉིས་འབྱུར་ཡི་མི་རུང་། དེ་དང་འདྲ་བར་བརྒྱ་བྱིན་དུས་གསུམ་གྱི་སངས་རྒྱས་དང་འདྲ་བ་མཐོང་ཤེས་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་མི་རྫང་། དུས་ཕྱིས་ན་མཛོད་བར་བུའི་རྫིར་ནས་འཁྲོས་སོ། །བཙུན་མོ་དེ་ཤིན་དུ་ཁྲོས་ཏེ་བོང་བུའི་བུར་སྐྱུར་ཅིག་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་བོ། དེ་ནས་ཕྱིས་དུས་གཅིག་ན་བཙུན་མོ་དེས་འཚང་རྒྱ་ནས་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཀླ་ལ་ནྲུ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག བུ་མེད་པས་བུ་ཡོད་པར་སྨོན་ལམ་བཏབ་པས་ལྟ་ན་སྡུག་པ་དང་སེམས་ལ་འོས་པ་ལྟ་བུ་དྲི་ངད་དང་ལྡན་པར་གྱུར་པའི་བུ་མོ་ཞིག་བཙས་སོ།།

དེ་དུས་རྒྱལ་པོའི་མི་ཤིང་མཁན་ཞིག་བོང་བུ་ཁྱེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ་བོང་བུ་སྨྲམ་མ་ཡིན་པས་བུ་ཞིག་བཙས་སོ། །བཙས་པའི་ཚེ་ལྷ་ལས་མེ་ཏོག་གི་ཆར་འབེབས་པ་དང་ས་གཡོས་པ་དང་བུ་སྐད་སྙན་པར་སྒྲོགས་པ་སོགས་ལྟས་མང་པོ་འབྱུང་བའོ། །མི་དེས་ཧ་ལཔ་ཏེ་དགའ་ནས་བུ་མེད་པས་ལྷ་དང་རང་གི་སྐལ་པས་བུ་རྙེད་དོ་ཞེས་བུ་བླངས་པ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །མི་ཀུན་གྱིས་བདག་ལ་འཕྱ་རུང་ན་བདག་གིས་ཤིན་ཏུ་གཙང་བ་ཡིན། མི་ཀུན་འཕྱ་རུང་ན་ཡང་བུ་ལེགས་པས་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་སློབ་བོ། །ཤིང་མཁན་རེས་ན་རེ། བུ་ག་ཅན་གྱི་དོ་ནི་ཆུ་ལ་གཡེང་མི་ནུས། སྤྲེའུ་པ་བྱུང་ཆུབ་ཤིང་རྩར་སློབས་མི་ནུས། དེ་དང་འདྲ་བར་བདག་གི་ཚིག་ནི་ཡིད་མི་ཆེས། ཅེས་སྨྲས་ནས་ངེས་པར་བདེན་ཞེས་མནའ་བོར་རོ། །ཀུན་གྱིས་བདེན་པ་ཡིན་པར་གཙང་བར་སེམས་སོ། །ཕྱིས་སུ་བུ་རིས་ཆེར་བསྐྱེད་པའི་ཚེ། དེ་ནས་རྒྱལ་པོའི་མི་རྣམས་བསགས་ནས་བཙལ་ཀྱང་མག་པ་མ་རྙེད་དོ།།

དེ་ནས་ཤིང་མཁན་གྱིས་བུ་བླངས་ནས་ཁྲལ་འབུལ་བར་བླངས་པ་ལ། སྨན་མོས་བུ་དེ་མཐོང་ནས

ཤིན་ཏུ་དཀར་ཞི་འདི་ན་བྱ་མཚན་བཟང་བའི་ཙི་ཙ་ཏོ་ཞེས་ཟེར་བ་དཀར་བཏུད་སོང་ངོ། །རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་བྱ་མོ་ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་དཀར་ཞེས་དྲིས་པས། སྨྲས་པ་ནི། ཤིང་མཁན་ཀྱིས་བཀྲིད་པའི་བྱ་དེ་ནི་རྒྱལ་པོ་འདི་གཡོག་མཁར་དུ་བཏང་ནས་ཞེས་ང་བཅས་ནི་དཀར་པོ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་དེ་ནི་བོས་ཏེ་ཁང་དུ་བཅུག་ནས་བསྡད་ཏེ་ངོ་མཚར་ནས་བྱ་རིགས་པ་རྟེན་ཏེ་ཞེས་དཀར་ནས། ཤིང་མཁན་བོས་ཟེར་བར། ཤིང་མཁན་ཚེབ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བྱ་འདི་ནི་ངལ་སྦྱིན་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་མཁན་ན་རེ། བྱ་འདི་དྲ་ཡོག་ཐང་དགེ་རུས་ཀུང་རྒྱལ་པོར་དབང་ངོ། །འོན་ཀྱང་བྱ་འདི་ནི་བཟང་བྱ་ལས་ཕྱེས་ང་པ་ངས་མི་ཤེས་སོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཁྲོས་ཏེ་འདི་བཟོད་ནས་བྱ་བཞིན་ནང་འདི་འགོད་སོད་ཀྱི་ཞེས་སེམས་སོ། །བྱས་བཅུད་ནས་ཏུས་པ། བདག་ལ་མེད་པའང་བྱ་ལས་སྐྱེས་པ་ནས་བྱམས་ངས་གདོལ་ཏེ་བསྲེད་དོ། །འདི་བཤད་ལང་བྱས་པ་ངས་བདག་བསད་ན་འདི་ཕྱིན་ཆད་ལེགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་འདི་སེམས་པ་ནི་ཤེས་ཟེར་ཏེ་དཀར་སྟེ། བྱ་འདི་ཉིད་ནི་རྒྱལ་པོའི་རང་གི་ཞག་བར་འགྱུར་རྣམ་ནས་མི་ཀུན་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བྱ་འདི་བདག་གི་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨྲས་ནས། རྒྱལ་པོ་གནན་ཏུ་ཟླ་ཤ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་དེས་བཙན་སྲིད་ཤིན་ཏུ་དར་ཞིང་རྒྱས་པར་མཛད་པ་ལ་འགྲོ་ཀུན་བདེ་སྐྱིད་ལ་བཀོད་པར་གྱུར་ངའི་དུས་སུ་ཡབ་ཡུམ་གཉིས་འདས་སོ། །རྒྱལ་པོ་གནན་ཏུ་ཟླ་ཤ་དེ་ལ་བླ་མ་ཡིན་གྱི་དམག་ཡོངས་ནས་འཛམ་བུ་གླིང་གི་སེམས་ཅན་ལ་གནོད་ཅིང་འཚེ་བར་བྱེད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་གནན་ཏུ་ཟླ་ཤས་རྫུ་འཕྲུལ་བསྟན་ནས་དམག་མང་པོར་སྤྲུལ་ནས་དམག་འཛོམས་པ་ཡོད་དོ། །རྒྱལ་པོ་དེ་བྱ་མེད་པ་བཙུན་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་ནི་རྒྱལ་པོ་ཡིན་པས་བྱ་མེད་པ་ནི་མི་རུང་། བཙུན་མོ་མང་པོ་ཡིན་ན་བྱ་གཅིག་སྐྱེས་སོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་བདེན་སྙམ་ནས་བློན་པོ་གཅིག་ལ་ང་ལ་བཙུན་མོར་འོས་པ་ཞིག་བཙལ་ཞེས་ཟེར། བཙལ་བས་རྙེད་ནས་ཁྱེར་ལོ། །བཙུན་མོར་བྱས་མ་ཐག་ཏུ་སེམས་ཅན་དང་ལྡན་ནས་བཙས་སོ། །རྒྱལ་པོ་སོགས་དགར་ནས་སྟོན་མོ་བྱས་སོ།།

བཙུན་མོ་དེ་ལ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་སོ། །བཙུན་མོ་གཅིག་ཤོས་ལ་མི་སྡུག་པས་འདི་སེམས་སོ། །ང་ལ་བུ་མེད་པས་རྒྱལ་པོས་མི་དགོས་པ་སྐྱུར་ནས། དེར་སྔ་མ་མཛེས་ཤེས་དང་ལྡན་པའི་དྲང་སྲོང་གཅིག་ཡོད་པ་ལ། དྲང་སྲོང་དེ་ལ་བཙུན་མོ་གཡོག་ཟླ་དང་མཆོད་པ་སྣ་ཚོགས་ཁྱོགས་ནས་སོང་ངོ། །དེར

ཕྱིན་པས་རྣམ་ཐུགས་དམ་ལ་གནས་ནས་ཟུ་ཏྲེ་འི་མཚྭ་ལ་སོགས་ཕྱལ་ནས་སྤྱོད་པ་ལ། དྲང་སྲོང་ན་རེ། ཅིའི་ཕྱིར་དུ་སླེབས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། བདག་ལ་བུ་མེད་པས་ཡོང་བ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། དྲང་སྲོང་ས་སྦྲར་གཏོང་པ་ལྷགས་བཏབ་སྟེ་བཙུན་མོ་ལ་གནང་ངོ་། །འདི་ཉི་དཀར་ཡོལ་གྱི་ནང་དུ་རིལ་མར་དང་སྦྲར་ནས་ཟོས་ན་བུ་རྟེན་དོ་ཟེར་རོ། །ས་དེ་ཉི་འབྲས་ནས་སུ་འགྱུར་བས་ཤུར་དུ་ཟོ་ཤིག་ཅེས་བྱིན་པས། མར་དང་དཀར་ཡོལ་གྱི་བདག་པོ་གཉིས་ཀྱིས་ང་ཅག་ལ་བུ་མེད་དོ། །བཙུན་མོས་གསོལ་བའི་བྱིན་ཅན་ལས་ང་ཅག་གི་ཧུང་མ་ལ་གནང་བར་ཞུ་ཟེར་བ་ལ། རྣམ་པའི་བྱིན་ཅན་ལས་ཧུང་མ་གཉིས་ལ་བྱིན་ནོ། །བཙུན་མོ་བཙས་དུས་བྱུང་བས་མེ་ཏོག་གི་ཚར་འཕེབས་པ་དང་དཀྲུན་དུས་ཡིན་ཀྱང་སྐུ་ཀུ་རྐྱེས་པ་ལ་སོགས་པའི་ལྟས་མང་པོ་བྱུང་ངོ་། །ཊ་ཀི་རྣམས་ནས་མཁའ་ལས་སྐྱེབས་ཏེ་གཏན་ཏ་ར་བའི་རོལ་མོ་འི་སྒྲ་དང་། ཀླུ་རྣམས་འོངས་ནས་མེ་ཏོག་བཟུང་ནས་འོངས་པ་དང་། རྒྱལ་པོས་སྤ་དྲངས་ནས་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་རོ། །རྒྱལ་བུར་མཚན་གདགས་པར་དྲང་སྲོང་ལ་ཞུས་པས། དེའི་ཡོན་ཏན་ནི་ཡོངས་ཁྱབ་དེ་ཉི་གཅིག་ལ་ཟས་པའི་ཟས་ལ་ཤིང་ཏ་སྟོང་ཕྱ་བརྒྱ་ཙམ་ལན་ཚྭ་བཅུག་གོ་ཟེར་བར། བཙུན་མོ་དེས་འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་རིངས་པར་འོངས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ལ་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་གསན་ནས་ཡི་སྨུག་སྟེ་ཉམ་ཐོ། །བཙུན་མོ་འཇིགས་ནས་ཇི་ལྟར་ཡིན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། མི་གཅིག་ཕྱའི་ཉིན་གཅིག་ལ་ཤིང་ཏ་སྟོང་དང་ཕྱ་བརྒྱའི་ཚྭ་ནི་གླིང་བཞིའི་འགྲོ་བ་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་ལོན་པར་བྱེད་ན་ཚང་བར་ལོང་དགོས་ཟེར་བས། བཙུན་མོས་ཇི་ལྟར་བྱེད་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་འདི་ཁྱེར་ནས་ནགས་ཁྲོད་དུ་དོར་ཞིག་སྲིན་པོ་གཅིག་གིས་འཁྱེར་ནས་ཟོར་རོ། །བུ་དེ་ན་རེ། ཨའི་ཀྱོ་པོ་ཁྲིད་ཅིག །མ་བུ་ཉིང་ལས་སྐྱེས་ཆེན་པོ། ཆེར་བསྐྱེད་ཆེན་གསེར་མདག་ཅན་དུ་འགྱུར། དེ་འདྲར་འཇིག་རྟེན་དབང་སྒྱུར་རྒྱལ་པོར་འགྱུར། ཚང་ངེའི་དུས་སུ་པ་མ་ལ་བརྟེན། །ཆེར་སོང་ཆེ་རྒྱལ་པོའི་ཡུལ་སྲིད་སྐྱོང་། དུས་ལ་གླིང་བཞིའི་དབང་བསྒྱུར་འཁོར་ལོར་འགྱུར། །དེ་ལ་ཚོགས་པའི་དགེ་འདུན་མང་པོ་དང་། །ཁྲི་སྟག་ཡོན་པའི་རྒྱལ་ཕྲན་ཚོགས་པ་ལ། །དེ་ལ་དཀའ་སྣོན་བྱེད་ཆེ་ཤིང་དབའི་ཚོད། །སྟོང་དང་ཕྱ་བརྒྱ་མ་ཟད་ཁྲི་འབུམ་གྱིས། །ལན་ཚྭ་བཅུག་ཀྱང་ཤིན་དུ་མི་ཉེ་བའི། །དུས་ཀྱང་འབྱུང་ན་སྦྱང་བར་ཟུང་བའོ། །ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་འདི་སྐད་སྨྲས་ཟེར

བའོ། །ནེ་ཙོ་རྒྱལ་ཚེ་བྱ་རྐང་སྒྲོགས་པ་བྱེད། །ཚེར་སོང་ཚེ་མི་ཤི་སྐད་ནུས་པ་སློབ། །རྒྱལ་བུ་སྐྱེས་ཚེ་དང་པོར་ཙང་ཙར་སྐྱེས། །བསྐྱེད་ཚེ་འཇིག་རྟེན་གསུམ་དབང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར། །དེ་ལ་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་བྱོན་པ་དང་། །ལྷ་དང་མི་ནམས་ཚོགས་ནམ་འདུས་པ་ལ། །ཉི་མ་གཅིག་ལ་ཤིང་ཏ་ཡོང་ལྔ་བརྒྱ། །མ་ཟད་ཁྲི་འབུབ་ནུས་པ་ཀུང་མི་འང་ངོ། །ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། །བློན་པོ་དེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོས་གཙོ་བྱས་མི་ཀུན་གྱིས་ཤིན་ཏུ་བདེན་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་ཏེ། །བུ་དེར་བའི་ས་དེར་འགྲོ་བ་ལ། ས་ཡི་བདག་པོ་ནམས་ཀྱིས་བུ་དེ་བརླམས་པ་ནས་མི་དོག་ཁ་ཟུམ་ངའི་ནང་ཏུ་བཅུག་སྟེ་ཁ་ལ་སྦྲང་རྩི་ཉ་བར་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཕྱིན་ཏེ་བུ་པང་དུ་བླང་ནས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ངོ་མཚར་རོ།།

རྒྱལ་པོ་ཟི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏས་ཙང་ཙས་དུས་ནས་ཟབ་ཅིག་སྦྲ་ཤུས་པ་དང་། མེ་ཏོག་ཁ་ཟུམ་པར་སྤྲོད་པ་སོགས་བྱ་ཉུས་ན་བྲིལ་བརྡད་དོ། །མི་ནུས་ན་སོང་ངོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨཱཛི་བུཛི་ལོག་གོ། །ཤིང་མི་བརྒྱད་པའི་ལེའུ་སྟེ་བརྒྱད་པའོ།། ||

## ལེའུ་དགུ་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཱཛི་བུཛི་ཉིན་གཅིག་ལ་བྱོན་ཏེ། ཤིང་མི་དེ་ལས་ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ཚུལ་བདག་ལ་ལེགས་པར་སྨྲོས་ཤིག་ཟེར་བས། ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། ཛེ་རྒྱལ་པོ་ཟི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་དྲང་སྲོང་བྱིན་པའི་ས་ཡིས་མར་དང་དཀར་ཡོལ་ཚོང་བའི་ཚུང་མ་གཉིས་ལས་བུ་རེ་རེ་སྐྱེས་སོ། །གཅིག་གི་མིང་ནི་དཔལ་པོ་དང་། །གཅིག་གི་མིང་ནི་ཡོན་ཏན་ཁྱེ་ཞེས་མིང་གདགས་སོ། །དེ་གཉིས་ཆུང་བ་ཡེན་ནས་ཡོན་དན་སློབ་པས་ཡོན་ཏན་ཁྱེ་དེས་རྒྱལ་པོ་ཟི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ལ་ཕྲག་དོག་གི་སེམས་སྐྱེས་ཏེ། དཔལ་པོ་ལ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་འདི་ནི་དམངས་རིགས་ལ་བླ་མ་དྲང་སྲོང་གི་བྱིན་རླབས་ཀྱིས་བདག་ཅག་གསུམ་ནི་འདྲ་བ་ཡིན་ནོ། །འདི་ང་ཅག་ལས་མཆོག་ཏུ་གྱུར་རོ། །འདི་ལ་ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་གནོད་པ་བྱེད་ནས་བདག་ཅག་གིས་ལོ་རྒྱབ་སྟེ། གཅིག་གིས་ནི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ལ། གཅིག་ནི་བློན་པོར་འགྱུར་ཞེས་ཟེར་བར། དཔལ་བྱ་ན་རེ། ཡོན་ཏན་ཁྱེ་དེ་འདྲའི་གནོད་སེམས་ཤི་མི་བསྐྱེད།

འདི་ཇི་རྒྱལ་པོ་ཉི་མ་དང་འདྲ་བར་སྣང་བཞི་གསལ་བར་ནུས་པའི་ཡོན་ཏན་དང་ལྡན་པའི་སྲས་བུ་ཡིན། ང་ཅག་གཉིས་སྤྲིན་བུ་མི་ཁྱེར་དང་འདྲ་བ་ཡིན་པས། འདི་ནི་ཀྲ་མི་ཇི་ཏ་གངས་རིའི་སེ་ཀྲི་དཀར་པོ་ལྟར་དཔག་ཏུ་མེད་པའི་མཐུ་སྟོབས་ཡོད། ང་ཅག་ཟིལ་པ་དང་འདྲ་བར་ཆུང་བ་ཡིན་པས་གནོད་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཤིན་ཏུ་མི་འོས་ཟེར་བར། ཡོ་ཏྲ་ཁེ་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ་མཐུ་ཆེ་བས་དཔལ་པོ་འཁྲིད་ནས་ནགས་ཁྲོད་དུ་བཅིངས་ཏེ་དོར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ལ་༧་གཅིག་སྐྱུར་ནས་ནང་དུ་གསུ་དང་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་ཕྱུགས་ཏེ་ཉིན་རེ་བཞིན་སྐྱེལ་ལོ། །༧་དེས་དུག་ཐུས་སྐྱུར་པའོ། །ནང་གི་རིན་པོ་ཆེ་རྣམས་ཐམས་ཅད་ནོ་ཙ་ཡོད། དག་ཏུ་ཕྱིན་པས་ཁང་པ་གཅིག་བཀང་ངོ་། །ཡོ་ཏྲ་ཁེ་འདི་སེམས་སོ། །དེ་འདྲའི་དུག་གིས་མི་ཉེས་པ་ཅི་ཡིན། ཐབས་ཞིག་གིས་གསོད་པར་སེམས་སོ།།

དེ་ནས་སློབ་མ་གཅིག་ལ་ན་རེ། ཁྱོད་སོང་ལ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཁྱོད་བདག་གི་སྤྱན་བདག་ཡིན། ང་ཁྱོད་ཀྱི་བླ་མ་ཡིན་པས་མཚན་མེ་འདི་ཉིད་དུ་བདག་གི་ཁྱིམ་དུ་ཕྱོན་ན་ལེགས་ཞེས་སྨྲ་ཟེར་ནས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་ཕྱོན་ཆེ་བཙུན་མོ་ན་རེ། གཅིག་གིས་འགྲོ་རུང་ངམ། ཡོ་ཏྲ་ཁེ་དེ་ནི་མི་བཟང་པོ་དང་འདྲ་བར་ངག་འཇམ་ཀུང་བསམ་པ་ནག་པོ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་མཚན་མོ་དེ་ཉིད་དུ་མ་ཟད་རི་ཐང་དུ་ལོ་གསུམ་རེ་འགྲོ་ཆོ་སུ་དང་འགྲོགས་པ་ཡོད། རྒྱལ་པོའི་བཀའ་ནི་གཅིག་ལས་མ་འདའ་ཟེར་ནས་འགྲོ་འོ། །དེར་ཕྱིན་པའི་ལམ་དུ་མི་ཞིག་བས་ཏེ་བཟུང་ནས། དཔལ་པོ་ཤིང་གཅིག་ལ་བཅིངས་ཏེ་འདུག་པ་མཐོང་ནས་ཁྱོད་ནི་སུས་བཅིངས་ཟེར་བར། དཔལ་པོ་ན་རེ། ཡོ་ཏྲ་ཁེའི་རྒྱ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་སྨྲས་ནས། ཡོ་ཏྲ་ཁེ་རེས་ཁྱོད་ནི་ཆུའི་ཁར་སྒྲུགས་ཏེ་གདའ་བཔ་མངལ་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ནི་རྒྱལ་པོ་ཡིན་ན་ཡང་སྲིད་འཛིན་པ་ལ་མི་གཙང་བ་སོག་པས། ལྷ་མིའི་པོ་བྲང་བསྐོར་བའི་ཆེད་དུ་ཆུ་འདི་ལ་བཙུག་སྟེ་ཞུས་བཀྲུས་ཟེར་ནས། འདིར་བཙུག་ཅེས་ཆུའི་བ་སྐོང་དུ་འཇུག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཡོ་ཏྲ་ཁེ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ནི་ངོ་བོ་བཟང་བ་ལ་ཁྱེད་སྟེང་དེར་བཙུག །བདག་ཐེབ་འཇུག་ཟེར། འཇུག་ཆེ་ཆུའི་ཕ་རོལ་དུ་པོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་ཏེ་ཁྱོད་མདུན་དུ་འགྲོ་ཟེར། དེའི་ཚེ་ན་བླ་མ་ཁྱེད་ཐང་ཕྱོན་ནས་བདག་ཇེས་སུ་འགྲོ་ཟེར། གལ་ཏེ་མདུན་དུ་འགྲོ་ཀོས་ན་གསུམ་བཏུབས་ནུས་པའི་རལ་གྱི་ཡོད། དེ་ནི་ལེན་ནོ། །རལ་གྱི་དེ་ནི་མི་ལྟ་ཞིག །ངོ་ལ་ཡང་མི

གྲོགས་པ་ཡོད་དོ། །ཡང་མོ་བྲང་གི་ནང་དུ་འཇུག་ནས་ཁྱེད་ནི་ཕྱར་ཕྱག་འཚལ་ཟེར། བྲམ་ཁྱེད་ནི་ཕྱར་ཕྱག་འཚལ། བདག་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པས་བསྟན་པའི་ཚུལ་ནི་ངས་ཤི་ཤེས་པས། ཁྱོད་ཕྱར་ཕྱག་འཚལ་ནས། བདག་ལ་བསླབ་སྟོན་བྱས། བདག་ཁྱོད་ཀྱི་སློབ་པ་ལྟར་ཕྱག་བྱེད་ཟེར། རྒྱལ་ཁྱོད་ཕྱར་ཕྱག་འཚལ་དགོས་ན་དེ་ནི་ཁྱོད་བསད་དོ། །དེ་བས་ན་ཕྱར་ཡོ་ཏྲ་ཁ་བསད་དགོས་པ་ཡིན་ནོ། ཡོ་ཏྲ་ཁ་མ་བསད་ན་བསྟན་སྲིད་མི་འཕེལ་བ་དང་། དགོས་པ་ཐམས་ཅད་མ་བསྒྲུབ་པས་དམ་ཚིག་བཤིག་པས་བདག་ལ་གོ་འཚམ་མོ་ཟེར་བས། ཞི་གྲ་མི་ཐི་དུས་ཐོས་པས་སྐྱོ་ཤས་སྐྱེས་ཏེ། ཕར་སོང་བས་ཉལ་པོས་སྐྲས་པ་བཞིན་བྱས་སོ།།

དེ་དུས་སུ་རལ་གྲི་ངང་གིས་འཕྱུར་ནས་ཡོ་ཏྲ་ཁའི་མགོ་བོ་བཅད་དོ། །དེ་མ་ཐག་ཡོ་ཏྲ་ཁས་བུ་ཏང་དུའི་རོ་ཞིག་ལ་འཇུག་གོ །རྒྱལ་པོས་པོ་བྲང་དུ་ཡོག་ནས་དུག་ཕྱས་སྒྲུབ་པའི་ ༡ དེ་ཉིད་བདུད་རྩིར་བསྒྱུར་བ་དང་རྡོ་རྣམས་རིན་པོ་ཆེར་བསྒྱུར་བ་སོགས་བྱས་ཏེ ༡ དེ་ཉིད་ཀྱིས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་པ་ལས་རྡོ་ཉམས་ཕྱིན་པར་བཏང་ངོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོའི་ལྟུང་དུ་ཁྱིའུ་མཛེས་པ་ཞིག་བྱུང་ནས་རྒྱལ་པོས་གཅེས་སོ། །ཉིན་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་དང་ཁྱིའུ་གཉིས་ནགས་ཚལ་དུ་ཐྲོན་པ་ལ། ནགས་ཚལ་དེར་ནི་ཙོ་མང་པོ་ཞིག་ཚོགས་པར་དེ་ནས་ནི་ཙོ་མང་ངས་འཁོགས་ནས་བསད་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་ཨཔ་སྙིང་རྗེ་འདི་ནི་ཙོ་ཇི་ལྟར་སྡུག་བསྔལ་ཅན་ཡིན་ནམ། སྒྲོན་ཅི་ཡིས་བསད་དོ། ཡོངས་འགྲོ་བ་འདི་ནི་སྡུག་བསྔལ་ཅན་ཡིན་པས་དོན་བྱེད་པར་སེམས་སོ་ཞེས་ཟེར་ནས། བདག་གི་རོ་ནི་ཁྱོད་ཀྱིས་བཅོལ། བདག་ནི་ནི་ཙོའི་རོ་ལ་བཅུག་ནས་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་དད་གུས་སྐྱེས་ཞེས་ཟེར་ནས། འཕོ་བ་གྲོང་འཇུག་གི་མན་ངག་གིས་ནི་ཙོའི་རོ་ལ་འཇུག་པས་གསོས། ནི་ཙོ་རྣམས་ཀྱི་ནང་དུ་སོང་ནས་ནི་ཙོ་དེ་རྣམས་ལ་ན་རེ། བདག་སྔོན་དུས་སུ་གཉེན་སེམས་ཅན་ཡིན་ཏེ་རྗེ་གཅིག་དང་འཕྲད་པས་ང་གསོས་ནས་སྙི་དང་ལྡན་པའི་སེམས་སྐྱེས་སོ། །དེ་བས་ན་ང་ལས་ཚིག་གསོན་ཅིག །སྤྱིར་འཇིག་རྟེན་གྱི་འགྲོ་བ་ལ་རྟག་པ་མེད་པས། །མིར་སྐྱེས་ཕྱུག་ན་ཁྲོངས་སེམས་སྐྱེས། །ཆེན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་དམའ་ལ་བརྙས། །འཕོངས་ཀྱང་ཆེ་ན་ཡིད་སྤྲོ་ཤི །ནད་སྡུག་གྱུར་ཀྱང་སེམས་གདུང་བསྐྱེད། །ཀུན་གྱུར་ཆོ་ན་བློ་གྲོས་སྨོངས། །འགོ་འགྱུར་ཆེ་ན་མཐར་མེད་དུ། །སྐྱེས་ཚེ་བཀྲིག་དང་བཤགས་པ་བཏུབ

ཀྱི། །སྡུག་བསྔལ་ཉིད་རེར་དཔག་མེད་སྟོང་། །དུད་འགྲོར་སྐྱེས་ན་བཀོལ་སྤྱོད་དང་། །བརྡེག་འཚོག་བསད་ནས་ཟ་བ་དང་། །རང་རང་གཅིག་གཅིག་བསད་པ་ཡོད། །སེམས་ཅན་གང་ལ་བདེ་བ་མེད། ཐམས་པའི་སེམས་ཀྱིས་འགྲོ་ན་སངས་རྒྱས་ཡུལ་དུ་སྐྱེས། །བདེ་ཞིང་རྒྱུད་པར་སེམས་ན་སངས་རྒྱས་ཡུལ་ནི་བཞིག །ཀྱི་ཧུད་གྲུས་འཆི་ན་བའི་སྡུག་བསྔལ་གཏན་ནས་མེད། །སྟོང་འཚོལ་སྡུག་བསྔལ་མེད་ཀྱང་གང་བསམ་ངང་གིས་བསླུབ། །ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོ་རྣམས་ན་རེ། དེ་ལྟར་གཏམ་བཟང་པོར་སྐྱེས་ན་འཕགས་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། ནེ་ཙོའི་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་འདྲའི་གནས་སུ་སྐྱེ་འདོད་ན། དེ་ལྟར་བདག་ལ་གནང་བ་ཡོད། །དེ་འདྲའི་ལམ་སྟོན་ཆོས་དེ་ནི། །དེ་ཡིས་བདག་ལ་ཕེབས་པར་བཤད། །དེ་ནི་སུས་ཀྱང་མ་སློབ་པའི། །དེ་འདྲའི་མར་ངག་བདག་ལ་ཡོད། །ཞེས་ཟེར་ནས། ཡང་སྨྲས་པ། བདག་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་བཟུང་ན་བདག་གིས་ཁྱོད་རྣམས་ལ་བཤད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོ་ན་རེ། ཁྱེད་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་བཟུང་ནས་རྒྱལ་པོར་ཡང་བསྟོད་དོ་ཟེར་ནས། ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་འཕུར་ནས་ཤིང་ཏོག་སྣ་ཚོགས་བསྡུམས་ནས་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་ལ་འབུལ་ནས་ང་ཅག་ལ་ཆོས་དེ་གསུང་དུ་གསོལ་ཟེར་བ་ལ། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ལམ་དུ་འཁྲིད་པའི་ཆོས་བཤད་པ་ལ། ནེ་ཙོ་རྣམས་དགའ་ལྡན་དུ་སོང་བར་གྱུར་པ་དང་། སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དུ་འགྲོ་བའི་སེམས་བསྐྱེད་དོ། །བདག་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་དེ་འདྲའི་རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ན་འདུག་ཅང་གི །དེ་ལྟར་འགྲོ་བ་ལ་ཕན་ཐུས་པ་མེད་ན་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨརྟི་ཙརྟིས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གཅིག་གིས་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་དགུ་པའོ།། ||

## ལེའུ་བཅུ་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨརྟི་ཙརྟི་ཡང་ཉིན་གཅིག་ལ་འོངས་ནས། སྔར་ཉིན་གཅིག་ལ་སྨྲས་པའི་འཕྲོ་མཐུད་ནས་སློས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཁྲོ་བརྡེན་ནི་པི་ཀྲ་མི་ཊི་དྲའི་རོ་ལ་བཙུག་སྟེ་རང་གི་ལུས་བཞག་ནས་རྒྱལ་པོའི་ལུས་སུ་བསྒྱུར་ཏེ་ས་བྲང་དུ་འོངས་པ་ལ། བཙུན་མོས་མཐོང་ནས་ཡའི་ཁྲོ་ག་ནས་ཕྱིན་པ་ཡོད། ཁྱོད་ཀྱི་དཔལ་དང་གཟི་བརྗིད་འདོད་དེ་སོགས་གང་དུ་ཐལ། དེ་རྣམས་མེད་པར་འགྱུར་བའི་རྒྱུ་མཚན་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་ང་ནག་ཁྲོད་དུ་ཕྱིན་པས་ལུས་བརྗེ་བ་ཡོད་དོ་ཟེར།

བཙུན་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་འབྲང་བའི་མཛའ་བྱ་བྲ་དེ་ནི་ག་ན་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ནགས་དེ་ལ་ནི་ཙོ་མང་པོ་ཞིག་ཡོད་དེ། དེ་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་འགྱུར་བ་ཡིད་སྐད། བཙུན་མོ་འི་སེམས་ལ། བྱི་བུར་དུ་ཁྱིའུ་མཛེས་པ་ཞིག་བྱུང་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ཡིད་འཕྲོག་པ་གཅེས་པ་ཆེ་བ་ཡོད། ཇི་རྒྱལ་པོ་དེ་ནི་འགྲོ་བ་ལ་གཅེས་པ་འཛིན་པ་སྟེ། དེ་ནི་ཙོར་སྤྲུལ་ནས་ཆོས་འཆད་པ་ལ། འདི་ནི་རྒྱལ་པོ་འི་ངོ་ལ་ལུགས་དེ་སླེབས་པ་ཡིན་ཅེས་བསམ་པ་ནས་ད་ཞིང་གི་རྒྱུད་གདུངས་སོ། །རྒྱལ་པོས་དྲིས་པ། ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཀྱི་རྒྱུད་བྱེད་དོ་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཇི་དེ་ནི་ཁྱོད་མ་ཡིན་དེ་བ་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་ངད་སོགས་མེད་པས་ཀྱི་རྒྱུད་ཆེན་པོ་བྱེད་དོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་དེས་ཡིད་ཐུག་ནཔ་བླ་མི་པོན་པ་བསྟད་པ་ལ། དེ་དུས་སུ་རྒྱལ་སྲིད་ནུབས་ཉིན་རེ་བཞིན་འོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་བསྟུན་སྲིད་གཉིས་ཀྱི་གནཔ་ཚུལ་ལེགས་པར་རྣམ་པར་བྱས་སོ། །ད་ལྟ་ཡང་བདེན་བརྫུན་ལ་མ་རྟོས་པར་སྐྱེལ་ན་ཚུལ་མིན་གྱི་ཁྲིམས་བྱས་པ་སོགས་ལ་བཙུན་མོ་སེམས་མི་བདེ་བར་བྱས་ནས་བཙུན་མོ་ན་རེ། འདི་འདྲའི་ཚུལ་མིན་གྱི་བྱས་པ་བརྗོད་པཔ་འདི་ནི་ངེས་པར་མཛའ་བོ་བྲ་ནི་ཡིན་ང་ལ་འདོད་ཅིང་ཆགས་པ་ནི་ཆེ་བ་ཡོད་ཟེར་ནས་བརྩེ་བའི་སེམས་ཀྱིས་ཀྱི་རྒྱུད་དོ། །རྒྱལ་པོ་དེས་ནང་ན་འདི་སེམས་སོ། །ནི་ཙོ་འི་རྒྱལ་པོ་དེ་གལ་ཏེ་འོངས་ན་བདག་ལ་གནོད་བ་ཡོད་པ་དང་བཙུན་མོ་འཕྲོག་པར་སེམས་ནས། དྲ་མཁན་ཚོགས་ནས་དེ་དག་ལ་སྨྲས་པ། རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོས་སྣ་དྲངས་ནཔ་ནི་ཙོ་ཀུན་བཟུང་ནཔ་སླེབས་ཡོང་ན་ཁྱེད་ཅག་ལ་གསེར་གྱི་དོང་ཙེ་སྟོང་དང་ཕྱུ་བརྒྱས་བྱ་དགའ་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བར། དེ་དག་དགའ་ནས་ང་ཅག་རི་བོ་གང་ལ་ལྷགས་ཟེར་བ་ལ། མི་གཅིག་གྲོས་ནས་བཙུན་མོར་ཞུས་སོ། །བཙུན་མོས་ཞ་ལུ་བོས་ནས་རྒྱལ་པོ་བྲ་ཡི་ངག་རྒྱས་པར་བརྗོད་བ་ལ་ཞ་ལུས་གསན་ནས་བརྒྱལ་ལ། །སངས་ནས་རྒྱལ་པོ་བྲ་ནི་ངེས་པར་ཡོང་ཁེ་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེར་ནས། དྲ་མཁན་གྱི་ནང་དུ་སོང་ནས་དེ་དག་ལ་སྨྲས་པ། རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་སྐད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ་རྣམས་རྒྱས་པར་བསྐྱད་དོ། །ཞ་ལུ་ན་རེ། བདག་གིས་གསེར་སྐོད་གསུམ་སྦྱིན་ནོ་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་བཟུང་ནས་ང་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། དེ་དག་བཟུང་ནས་སྦྱིན་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་རང་གི་ལུས་ལ་བཙུག་སྐམ་ནས་འོང་བ་ལ་རོ་ཡང་མི་འདུག་པཔ། ནི་ཙོས་འདི་སེམས་སོ། འགྲོ་བར་ཐར་པར་བྱེད་པ་ལ་ཁྱད་པར་མེད་པར་བསམ་ནས་ཕྱིར་ནི་ཙོ་འི་ནང་དུ་སོང་ངོ༎

དེ་ནས་ནི་ཙོ་རྣམས་བསམགས་ལ་ཟབ་ཆོས་འཆད་པར་འདུག་པ་ལ། ཉ་མཁན་རྣམས་རི་བོང་སྤྱིབས་དེ་ཤིང་ཏོག་བཟང་པོ་རྣམས་ཚུད་ནས་ཉ་བཏབ་སྟེ་ཞུས་བ་ལ། ནི་ཙོ་གཅིག་འོངས་ནས་ཤིང་ཐོག་ལས་གཅིག་ཁྱེར་ནས་འཕུར་བས་གཞན་རྣམས་ཐོས་ནས། གཞན་རྣམས་རིངས་པར་སྤྱོབས་ནས་ཤིང་ཐོག་རྣམས་ལེན་ནས་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་ལ་ཕྱལ་རྣམ་ནས་ཤིང་ཏོག་འཐུ་བཞིན་བར་འགྲོ་བས་ཐམས་ཅད་ཉ་བར་ཚུད་དོ། །དེ་ལས་ལས་ནི་མཚམས་ལ་འདུག །ལ་ལ་ནི་ཤིང་ཏོག་འཐུ་བར་བྱེད་དོ། །ཤིང་ཏོག་འཐུ་བ་རྣམས་ཉ་བར་ཚུད་པས། གཞན་རྣམས་བཅལ་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཐམས་ཅད་འདུག་གོ །དེ་ནས་ཉ་མཁན་ཡོངས་ནས་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་ཡོད་དམ་ཞེས་དྲིས་པས། མེད་ཟེར་བས་ཉ་མཁན་དག་གིས་སྨྲས་པ། དེ་དག་གི་ནང་ན་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་མེད་པ་ལ་ཕན་པ་མེད་དོ། །ཡང་ལྔང་ན་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་བཀུགས་ཏེ་བཟུང་ཟེར་ནས་སྔར་བཞིན་བསྡད་པས། རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་གཞན་རྣམས་མེད་པ་ལ་བཅལ་ནས་ནས་ཕྱིན་པས་བཅིས་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དགོས་པ་མེད་པའི་ཟས་ལ་ཞེན་ཆེ་ན། །རིན་ཆེན་རྡོ་བྱའི་སྲོག་ལ་ཤིར་དུ་ཀོལ། །ཉམས་ཆུང་རྣམས་ཀྱི་ཕྱིར་དུ་ང་བཙོད་ནས། །དེ་རྣམས་སྲོག་ནི་སྐྱོབས་པར་འགྱུར་བར་སེམས། །ཆོས་ཆོས་མེད་པར་ཉ་བར་རང་གིས་བཙོད། །ཉ་མཁན་དེ་དག་འོངས་པར་རྒྱལ་པོ་ནི་ཙོ་ན་རེ། ནི་ཙོ་མང་པོ་འཁྱེར་བས་ཕན་པ་མེད། །ནི་ཙོ་ང་གཅིག་འཁྱིད་ན་ཤིན་ཏུ་འོས། །ཞེས་ཟེར་བར་ཉ་མཁན་དག་གིས་ང་ཅག་ལ་རྒྱལ་པོས་བྱ་དགའ་མི་སྦྱིན་ན་ཤིས་སམ་ཟེར་རོ། །ཞུ་ལ་གཏད་ཟེར་ནས་སྟེར་རོ། །ཞུ་ལུས་གསེར་ཁ་འཚམ་བཞིན་སྟེར་རོ། །ཞུ་རིས་ནི་ཙོ་བཙུན་མོ་ལ་གཏད་པའོ། །དེ་དུས་སུ་ལུག་གཅིག་བསད་ནས་བློས་པར་བཏུག་སྟེ་ཁྲི་འོག་ཏུ་བཙུད་དེ་ཡོལ་བས་བཅད་དོ། །

དེ་ནས་བཙུན་མོས་སྨྲ་ཤེས་སྐྱེས་ནས་ཁ་ཐབ་ཏུ་བཀྱལ་ལོ། །དེ་ནས་བཙུན་མ་ན་རེ། བདག་གི་རྗེ་འདྲ་ཡོན་དན་ཅན་ཡིན་ན་ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོར་འགྱུར་བ་ཡིན་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་མི་རུང་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། རྗེ་རིས་བདག་ནི་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་བཞུགས། བདག་གིས་དུད་འགྲོ་གཞན་གྱི་དོན་བྱེད་པར་འགྲོ་འོ་ཟེར་ནས་ནི་ཙོ་ཞི་རི་ཞིག་ལ་བཅུག་ནས་སོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་རིས་ཁྱོད་ནི་བཅུག་གམ། ཁྱོད་ནི་རང་འདོད་ཀྱིས་བཅུག་གམ་ཟེར་བས། བདག་རང་གིས་ཡོན་དན

དང་ལྡན་བས་བཙུག་གོ་ཟེར། རོ་ལ་བཙུག་པའི་སར་ངལ་ཉི་བདག་ལ་ཕྱོར་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། བདག་ལ་རོ་ཞིག་འཁྱེར་ཅིག་ཟེར། དདག་གིས་རོ་ལ་བཙུག་ནུས་ན་ངའི་བཙུན་མོར་བྱེད་པ་ཡིན་ནམ་ཟེར། ང་བཙུན་མོར་བྱེད་ཁྱོད་ཀྱིས་པར་ཡོལ་བའི་ནང་དུ་ཕྱག་རོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་བཙུག་ཟེར་བ་ལ། ཡོལ་བ་བསལ་ནས་རོ་ལ་བཙུག་གོ །རང་གི་ལུས་རྙིར་གྱི་ནང་དུ་བཞག་ནས་ཕྱག་རོ་ལ་བཙུག་པས་ཕྱག་གསོས་དེ་བཞེངས་ནས་འགྲོ་འོ། །དེའི་སྐབས་སུ་བཙུན་མོས་ནི་ཅིའི་སྐྲ་བཅད་པས་ལུས་རྟིང་པ་ལ་བཙུག་གོ །དེ་ནས་བཙུན་མོས་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་གང་དུ་ཐོན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ནི་ཅི་མང་པོ་ཞིག་ཚོགས་ནས་གཅིག་བསད་པ་ལ་འདུག་ནས་འགྲོ་དོན་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ། །ཡོ་ཏི་ཀའི་སེམས་ནི་ཤིན་དུ་བཙུག་གོ་ཞིས་བསམ་པར་འདུག་པ་ལ། དེ་ནས་ཡོ་ཏི་ཀིས་རི་ཡི་མདུན་དུ་འགྲོ་བའི་ཚེ་དེ་ལ་དྲང་སྲོང་གི་རོ་ཞིག་ཡོད་པ་ལ་ཕྱག་རོ་དོར་ནས་དྲང་སྲོང་གི་རོ་དེར་བཙུག་གོ །དེར་བསྐམ་པ་ཐམས་དེ་བཤད་དོ།།

དེ་ནས་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲི་ཏ་ཐུགས་བརྩེག་སྤྱི་དྲུང་འཁྱུད་སོགས་ཐམས་དེ་རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ནས་བཙུན་མོ་དང་བློན་པོ་སོགས་འདུས་དེ་སླེབས་པ་ལ། དེ་དག་ལ་རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་བ། སྲིད་སྲིད་པ་གཏོང་བ་ལ་ལུས་སྲོག་དང་རང་གི་བུ་དང་བུ་མོ་ཆུང་མ་སོགས་གཏང་བ་ལ་བར་ཆད་མ་བྱེད། བདག་གིས་དགོན་པར་འགྲོ་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་པ་ལ་བགེགས་མ་བྱེད། ཞེས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ལ་སོགས་པ་མང་པོས་བཏུད་ནས་ཞུས་པ་བྱེད་པ་ལ། རྒྱལ་སྲིད་ཕྱངས་ན་འགལ་ཀྱིན་སུ་ཡིས་སེལ། །འགྲོ་བ་རྣམས་ཀྱང་བདག་མེད་སྲུ་ལ་བརྟེན། །སྦྱིན་པ་གཏོང་བར་འདོད་རྣམས་བགེགས་མི་བྱེད། །ཞིས་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ང་ཡི་བཀའ་ལས་འདའ་བྱེད་དམ། །ཞིས་ཟེར་བ་ལ། ང་ཅག་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་བཀའ་ལས་མི་འདའ་མོད་བཅོལ་བྱེད་ཟེར་བར། རྒྱ་མཚོར་འགྲོ་དུས་ལས་ཕྱོགས་གླུང་ཆེན་པོའི། །དྲུང་དུ་རི་བོ་གཅིག་གི་མདུན་དུ་དྲང་སྲོང་གཅིག །དེར་ནི་པོ་ཏ་བཏང་སྤྱི་སླེབས་ནས་སྦྱིན་པ་གཏོང་། །ཞིས་ན་མི་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་དེར་ཕྱིན་ནས་སྦྱིན་པ་གཏོང་བར་མི་བྱེད་པར་འདིར་སླེབས་ན་འོས་པས་འགྲོ་སྤྱི་དྲང་སྲོང་ཕྱིན་འདྲེན་ནས་རྒྱལ་པོས་ཁྲི་བཤམས་ནས་བསྟོད་པར་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཡས་དྲང་སྲོང་སེམས་སྐྱོང་ངམ། ཁྱོད་ཀྱི་སེམས་ནི་བདག་གིས་ཆིམ་པར་བྱེད་དོ། །འདི་ནས་བཟུང་སྤྱི་རྗེས་སུ་ཁྱོད་ལ། གནོད་པའི་སེམས་ནི་ངན་པ་སྤོངས། །ཐམས་ཅད་འགྲོ་ཀུན་དོན་

སེམས་པས། །སྟོང་པ་ཉིད་ནི་སྒོམ་ནུས་ན། །མྱུར་དུ་བྱང་ཆུབ་འཐོབ་པར་འགྱུར། །ཞེས་ཟེར་ནས་ངའི་ཚབ་ཏུ་གནས་གཞིའི་བདག་པོར་འགྱུར། །བདག་གིས་གཞན་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། ཐང་སྟོང་དཀའ་ནས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་བཞིན་བྱས་སོ། དེ་དུས་སུ་ཐང་སྟོང་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བུ་གཅིག་ཡོད་པས་ཡོན་ཏན་སློབ་ཏུ་འཇུག་ཀྱང་མི་འདོད་པས། ཐང་སྟོང་ནད་ཀྱིས་བཏབ་ནས་འཆི་ཁར་ཐུག་པའི་ཚེ། བུས་ང་ལ་ཆོས་བསྟན་ཟེར་བར། ཐང་སྟོང་ན་རེ། མི་ཤི་བ་ལས་ཆོས་སློབ་པས་ཟེར་བར། ཡང་བསྐྱར་བས་ཐང་སྟོང་འདས་ཁར། ཛད་པ་པོ་འོ། དད་པ་པོ་འོ། ཟེར་ནས་ཤི་སོང་ངོ། པའི་གཤེགས་རྫོགས་ནམས་བྱས་སོ། །དེ་ནས་བུ་དེ་ནི་གྲོང་ཚོག་ཏུ་འགྲོ་བ་ལ། ཛད་པ་པོ་འོ། །དད་པ་པོ་འོ་ཟེར་བ་ལ། མི་རྣམས་ཐང་སྟོང་གི་བུས་ཀྱི་བརྗོལ་སྨྱོན་པར་འགྱུར་ཟེར་ནས་མི་དགེས་སོ། །བུ་དེས་ཆོས་འདི་ནི་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ལ་བཙོང་སྐམ་ནས་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲའི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ནས་མཛོད་ཁང་དུ་འཇུག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ངས་ཆོས་བཙོང་ངོ་ཟེར་བར། མཛོད་སྤྱང་ན་རེ། ཆོས་དེ་ནི་གང་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་ན་རེ། ཛད་པ་པོ་འོ། དད་པ་པོ་འོ་ཟེར་བས། དེ་ཉིད་ན་རེ། དེ་འདྲའི་ཆོས་ཡེ་མི་འདུག་ཟེར། དེ་ནས་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཕྱིན་པའི་ཚེ་དུང་འབུད་སོགས་བྱས་ཏེ་ཕྱིན་པ་ལ། ཐང་སྟོང་གི་བུས་མཇལ་ཏེ་བདག་ཆོས་ནི་ཚོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། ཆོས་ཅི་ཡིན་ཞེས་པར་ཟེར་ཏྲར་བརྗོད་དོ།།

རྒྱལ་པོས་ཅིས་སྟེར་ཞེས་པས་གསེར་སྟོང་གསུམ་གྱིས་ཚོང་ངོ་ཟེར་བར་དེ་བཞིན་བྱིན་ནོ། མཛོད་སྤྱང་ན་རེ། །འདི་ནི་༡ལ་འཁོར་པ་ཡིན་ནས། རྒྱལ་པོས་ཀ་ཁྱེན་ཏེ་ཟླ་དགའ་སྐྱིན་ནོ་ཟེར། དེ་ནས་ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཏ་འགྲོ་བའི་དོན་དུ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་ཕྱིན་ཏེ་གྲོང་ཁྱེར་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་ཏོ།། གྲོང་ཁྱེར་དེ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེའི་ཡུལ་དུ་ཐང་སྟོང་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་དེ། ཐང་སྟོང་དེ་ལ་རྒྱལ་པོའི་སྲས་མོ་དང་། དམག་དཔོན་གྱི་བུ་མོ། དཔའ་བོའི་བུ་མོ། བློན་པོ་བློ་ལྡན་གྱི་བུ་མོ་བཞི་ཐང་སྟོང་གི་སློབ་མར་གྱུར་ཏོ། །ཤི་ཀྲ་མི་ཏྲ་དུས་ཐང་སྟོང་དེ་ལ་སྐྱབས་པ། ང་ནི་ཡོན་ཏན་སློབ་འཚལ་ལོ། །ཐང་སྟོང་གིས་ཁྱོད་ཀྱི་མིང་ཅི་ཡིན་ཟེར་བས། བདག་གི་མིང་ནི་ཛད་པ་པོ་འོ། །དད་པ་པོ་འོ་ཟེར་བས། ཐང་སྟོང་གིས་ཐོས་ནས་ཛོ་མཚར་བའི་མིང་ངོ། །སྤྱོད་པ་བཟང་བས་ཐང་སྟོང་ཤིན་དུ་དགའ་འོ། །རྒྱལ་པོ་ཞིག་ནད་བཏབ་པས་ཐང་སྟོང་དེ་སྨན་འཐེན་པས། རང་གི་བུ་ལ་བསླབ་ཚིག་སྨྲས་པ་ལ། བུ་མོ

རྣམས་ལ་ཆོས་ཟབ་ཞིགས་པར་སྟོན། །ཆགས་པའི་ཆོས་ནི་ནམ་ཡང་སྨྲ་མི་བྱ། །ཆགས་པ་ཆེ་ན་
དགྲལ་བར་འཆོད་པར་འགྱུར། །ཐར་པའི་ལམ་ནི་ནམ་ཡང་མི་འཐོབ་པར། །ཟླ་བར་ཚུད་པའི་བྱ་
ཕུར་གཡོ་མི་ནུས། །དེ་ནས་བསླབ་ཚིག་དྲན་པར་བྱ་ཞེས་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་ཕྱིས་སུ་ཉིན་གཅིག་
ལ་བྱ་རིས་བྱ་མོ་རྣམས་ལ་བརྡེག་འཚོགས་བྱས་པ་ལ། བྱ་མོ་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་
བརྡེགས་བྱས་པ་ལ། བྱ་ན་རེ། མཚན་མོ་འདི་ལ་རྒྱལ་པོའི་བྱ་མོས་ཤིང་ཙན་དན་གྱི་ཙ་བར་འོང་།
དམག་དཔོན་གྱི་བྱ་མོ་བྱང་ཆུབ་ཤིང་གི་ཙ་བར་འོང་། དཔའ་བློན་གྱི་བྱ་མོ་མེ་ཏོག་གི་ཚལ་དུ་འོང་།
བློན་པོ་བློ་ལྡན་གྱི་བྱ་མོ་ཤིང་ཏོག་ཅན་གྱི་ཤིང་དུ་འོང་ཟེར་ཏེ་ཁ་འཆམས་བྱས་སོ། །དེ་ནི་ཛད་པ་པོའི་
དད་པ་པོའི་ཐོས་ནས་བྱའི་མ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ཀྱི་བྱ་དེ་སྨྲོན་པ་མ་ཡིན་ནམ། སྨྲོན་པ་ཆེ་ན་
སློབ་དཔོན་གྱི་མིང་ནི་ཞན་པར་འགྱུར་ཟེར་བས། ཚུང་མས་སྐྱོན་ཅི་བྱུང་ཟེར་བས་བྱའི་ངག་བཞིན་རྒྱས་
པར་སྨྲས་སོ། །མ་ནི་ཁྲེལ་ཏེ་ཇི་ལྟར་བྱ་ཟེར་བར། ཛད་པ་པོའི་དད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། ཁྱོད་བྱ་ཡིན་
པར་སྒོ་ལེགས་པ་སྡོམ་ལ་བྱ་མ་འཕྱོང་ཟེར། བྱ་རིས་འོངས་ནས་བདག་ལ་ལྷོ་ཕྱིན་ཅིག་ངས་མཚན་མ་
ལ་གཞན་ཞིག་ཏུ་འགྲོ་འོ་ཟེར་བར། མས་འགྲོ་བ་ཕྱིན་ནས་སྒོ་ལེགས་པར་སྡོམ་སྟེ་སྒོ་ལྕགས་བྱས་ནས་
འདུག་པ་ལ། བྱ་སྒོ་འབྱེད་བྱས་པས་མ་ན་རེ། ཕྱིར་སོང་མི་དགོས་ཆོས་བྱེད་ན་འདིར་བསྡད་
ཟེར་བས། བྱས་ཀྱི་ཧུར་བྱེད་པ་ལ། དེ་དུས་སུ་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པའི་ཕྱིར་བཏང་ནས་རྒྱལ་པོའི་
བྱ་མོ་འི་འོང་སར་ཉལ་བས། བྱ་མོས་རྒྱན་གོས་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བརྒྱན་པ་དང་། ལུས་ལ་བྱུགས་པའི་
དྲི་སོགས་ཁྱེར་ནས། སློབ་དཔོན་གྱི་བྱ་བཞིས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པའིས་ཨ་
ཟེར་བ་ལ་ང་ཞིབ་ནས་སོང་ངོ་། །སློབ་དཔོན་གྱི་བྱ་མཆེན་པ་ནད་པས་བྲིས། ཁྱིམ་ལ་ཕྱིས་ན་མི་
གཙང་བ་ཐོག་པས། མ་ནི་ང་བཟུང་ནས་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བ་ལས། ཕོང་ནས་མས་བཟུང་བས་བྲལ་
ཉེག་བྱས་ཏེ་སོང་བས་ཐར་བཙོལ་བའི་སར་ཕྱིན་པས་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ཡོད་པས། དེ་ན་རེ། ཁྱོད་
ཇི་ལྟར་མི་གདུག་ཅན་ཡོད་དམ་བདག་གི་ཉལ་པར་ཅིས་ཡོངས་ཞེས་གཉིས་ཀ་འཐབ་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་
ནས་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོས་བྱ་མོ་གཞན་གསུམ་གྱི་འཛོམས་སར་ཕྱིར་ལྟར་ཉལ་བབ་ཐམས་ཅད་
ལོག་གོ །དྲང་སྲོང་གི་བྱ་མོ་སོར་སོང་བས་དགོས་པ་མི་འགྲུབ་པར་ཕྱིར་སོང་ངོ་། །དེ་དུས་སུ་རྒྱལ་

པོའི་བུ་མོས་བློ་ལ་གསེར་གྱིས་བརྒྱན་པ་ཡོད་དོ། །དཔོན་པོའི་བུ་མོ་དངུལ་གྱིས་བརྒྱན་པ་དང་། །གཞན་གཉིས་ཀྱིས་ཅི་འདྲོར་པས་བརྒྱན་པ་ཡོད་པས་ཐབས་ཅན་དོར་ནས་སོང་བས། ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ནས་ལེན་ནས་འབྲོག་དགོན་པ་ལ་སོང་བས། རྒྱལ་པོ་ལོག་ཆོས་ཅན་བློན་ནག་མིང་ཅན་ཞིག་གི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོ་དེས་རྒྱལ་པོ་ཆོས་བཞིན་སྐྱོང་བ་ཞིག་གི་བུ་མོ་བློང་བས། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་རྒྱལ་པོ་དེ་ལ་མི་ཕྱིན་ནོ། གལ་ཏེ་ཕྱིན་བྱེད་ན་ལུས་ནི་སྟོང་བཙོད་དོ་ཟེར་ནས་དམོད་པས། རྒྱལ་པོས་བློས་དེ་བུ་མོ་དེ་ཉིད་སྐྱད་འཚོང་བར་བཞག་གོ །དེ་ལ་མི་དུ་ཞིག་འོངས་པ་དེའི་གླངས་ཀྱིས་དངུལ་ལེན་པའི་ཁྲིམས་བཅས་སོ། དེའི་སྔོར་ང་ཞིག་བདགས་ཏེ་གཅིག་བརྡུང་ན་ཞོ་གང་གཅིག་བྱེད་དོ། དེར་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ཕྱིན་ནས་ཧའི་ཡི་གེ་ཁྲིམས་པ་མཐོང་ནས་གླངས་མེད་པར་མང་པོ་བརྡུངས་པས་རྒྱལ་པོས་གཡར་ནས་མི་མང་པོ་འཚོགས་སར་སྐྱར་ནས། སློན་པོ་གཅིག་བཙལ་ཏེ་མཐོང་བས་མི་གཅིག་ངས་མི་འདུག་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་ཚུང་མི་དེ་སྤྱན་པ་ཡིན་ནམ་ཟེར། བུ་མོ་དེ་ལ་གསོག་པའི་བུ་མོ་གཉིས་ཡོད་ངས་རེས་མོས་གསོག་བྱེད་དོ། །བུ་མོ་གཅིག་གིས་དགོང་མོ་རེར་བུ་མོའི་མལ་ཕྱུན་བཅོས་ལ་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། མལ་བཅོས་པའི་བུ་མོ་མལ་ནི་ཚུལ་བཞིན་དུ་བཅོས་ཟེར་བར། བུ་མོས་བཙུན་མོ་ལ་༡རེ། འདི་ཀུན་ཤེས་ངའི་སྐྱོ་དང་ལྡན་པའི་མི་ཡོད་དམ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཇི་ལྟར་ཡིན་ནས། ཇ་མང་པོ་བརྡུངས་བ་དང་། ཡིད་གཟུགས་ལ་བརྟེན་ནས་ཐབས་བ་ས་ཡི་ཟེར་བས། འོན་ཕྱིར་ལོག་ཟེར་ནས་འཁྲིད་འོངས་པས། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་པོ་གཉིས་ཀས་བརྟགས་ནས་བཀད་པ་ལ། རྒྱལ་པོའི་སྲས་པོ་འོད་དཀར་པོ་བྱུང་ནས་བཙུན་མོའི་སྙིང་གར་ཐིམ། བཙུན་མོའི་སྲས་པོ་འོད་དམར་པོ་བྱུང་ནས་རྒྱལ་པོའི་ཐུགས་ཀར་ཐིམ་མོ། །རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོའི་འོད་གཉིས་འཕྲེལ་བས་བོ་ཐང་གི་ནང་ཐབས་ཅན་འོད་ཀྱིས་གང་ངོ་། དེའི་ནང་པར་རྒྱལ་པོ་བློན་ནག་མཚན་མོར་ཇ་མང་པོ་བརྡུངས་ངས་མི་མང་པོ་ཡོད་ནམ་ནས་རིན་ཆེན་པར་མི་ཞིག་བཟང་བས། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་མཐོང་ནས་འཇིགས་ཤིང་ཟིལ་གྱིས་གནོན་ནས་སྐྱེ་ལི་ལུས་པར་ལོག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཕྱག་པ། དེ་ནི་གཟི་བརྗིད་དང་ལྡན་པ་འཇིགས་པའི་ཉམས་ཅན་ཞིག་སྐྱད་འཚོང་མ་དང་རྒྱན་རིག་གསལ་བ་ཡོད་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཇོ་བོ་ཛད་པ་པོ་འོ་ཀྱི་བརྡར་ཕྱིན་པས་དེ་དག་མཐོང་ནས་བག་ཚ་ནས་ཕྱིར་ཟློག་གོ།

རྒྱལ་པོ་ལ་སྨྲས་པས། རྒྱལ་པོ་སྨྲ་ནས་ལྷ་འམ་ཅི་ཡིན་ཟེར་ནས། དམག་རྣམས་འཐེན་དེ་བསྐོར་ནས
མཆོད་ཆ་རྣམས་གྲོགས་དེ་ཕྱིན་པས། མི་ཁྲོད་ཀྱིས་ཇི་ལྟ་བ་ཡིན་ཕྱིར་འཁོན་ཟེར་བས། བུ་མོ
གཉར་གཅིག་གིས་བུ་མོ་བཞིའི་གོས་སོགས་སྤེར་བ་ལ། རྒྱལ་རིགས་གོས་དེ་རྣམས་མཐོང་ནས་འདི་ལྟ
བུའི་ནོར་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པའི་མི་ཡོད་དམ་ཞེས་ནས་བུ་མོ་ལས་དྲིས་པས། བུ་མོ་ན་རེ། ཁྱད
གཟུགས་བཟང་ཞིང་ནོར་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོད་དོ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་རང་གིས་ཕྱིན་ཟེར་ནས
མདུན་དུ་སྔོན་པོས་མཆོད་གྲོགས་དེ་བཅུག་གོ །ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་དམ་ཤིན་དུ་ངོ་མཚར་བའི་འོད་འབར་བར
གདའ་བས། དཔོད་པོས་འཛིགས་ནས་བདུད་འདུག་གོ །ཇེས་སུ་རྒྱལ་པོས་འཇུག་ནས་འོད་དང་གཟི
བརྗིད་ཀྱིས་མནར་ནས་ཅང་མི་སྨྲ་བར་འདུག་པ་ལ། ཇད་པ་པོ་འོ་དྲད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། དུག་ཧྲུས་ཟིན
པའི་ཆོས་འོག་མཁན། །ཁྱེད་རྣམས་ངེས་པར་ཕྱུང་བ་བདེན། །ཆོས་བདེན་བྱས་ཅེད་འགྲོ་རྣམས
ཀྱིད། །ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་ཞེས་བྱ། ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོས་སྣ་ཐངས་དཔོན་བློན་སོགས་ཀུན་མདུན་དེ་ཕྱག
འཚལ་ནས། ཇི་ཁྱེད་ཀྱི་མཚན་ནི་ཐོས་པ་ཡིན། ཇི་ཡི་བཀའ་ལས་འདའ་བར་མི་བྱའོ། །ཞེས་ཞུས་ནས
ཕྱིར་ལོག་སྟེ་པོ་བྲང་དུ་ཚོགས་ནས། རྒྱལ་པོ་དེའི་དབང་དུ་བསྡུ་ཞེས་དཔོན་པོ་ལས་རྒྱལ་པོ་དྲིས་རས།
དཔོན་པོ་སོགས་ན་རེ། ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་འདི་ལ་དཀྲུར་བཟུང་བ་ལྟ་ཞོག་མཐོང་བ་ཙམ་གྱིས་འདུད་ཐུས་པ
ལ། མི་མཐུན་པ་བསྒྲེད་པ་སར་ཞོག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་རིས་དབང་དུ་བསྡུས་ཟེར་ནས། ཁྲི
གདན་བཞེངས་པ་དེ་ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་བཙུན་མོ་དང་བཅས་པ་སྤུན་ཐངས་ནས་དཀའ་སྤོད་ཆེན་པོ་བྱས་དེ་རྒྱལ་པོ་ལ
ཕྱུས་པ། རྒྱལ་པོའི་བཀའ་ལས་མི་འདའ་བས་བཟོ་བར་བྱེད་དོ་ཟེར་བས་ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་དམ་གསུང་ངོ།
འཕོ་བ་གྲོང་འཇུག་གི་མར་ངག་པོ་དེ་སོ་ནུག་བཤད་རས་མི་ཤེད་པའི་ནད་ཀུས་དང་ལྡན་པས་བདེ་འགྲོར
སྐྱེལ་བ་ཡང་མང་པོ་འབྱུང་ངོ། །དེ་ནས་ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་ལ་གདུགས་དང་རྒྱལ་མཚན་ལ་སོགས་པས
བཀུར་བསྟི་བྱེད་དོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་རིས་ཌྲར་གྱི་རྒྱལ་པོ་ལ་འཁྲིན་ཡིག་བཏང་ནས་རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་ཤི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་ནི་ངོ་ཤེས
ཤས། ཁྱེད་ཀྱི་སྲ་ཇད་པ་པོ་འོ་དྲད་པ་པོ་འོ་ཞེས་མཚན་གྲགས་སོ་སྐད་ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཕྱུས་པས།
རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་ལས་དྲིས་རས། ཁ་ཆེ་འ་རེ། སློབ་དཔོན་ནང་ཕྱོང་གི་སློབ་མར་འདུག་པའི་ངང

པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་སྐད་པ་ནི་ཡིན་ན་ནི་བལྟ་བས་ཆོག་མི་ཤེས་པའི་གཟུགས་མཛེས་པ་ཞིག་ཡིན་ཟེར་ནས་རྒྱ་མཚན་རྣམས་རྒྱལ་པོར་བསྐྱད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་ན་རེ། ཇོ་རེས་འདིར་སློབ་པ་ནི་བུ་མོ་བཞི་ཤེས་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། རྒྱལ་པོས་སྔ་དྲངས་མི་མང་པོ་ཚོགས་ནས་བསུས་ཏེ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་སྤྱན་དྲངས་པ་ལ་ཉི་མའི་འོད་ལྟར་གསལ་བཞིན་འབར་བ་ལ་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་ཏེ། ཨའི་ཇོ་རྒྱལ་པོ་སྐད་པ་ནི་འདི་འདྲ་ལ་ཟེར་བ་ཡིན་ཞེས་སྨྲས་པར་བྱེད་ནས་པོ་བྲང་དུ་བྱོན་ནས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ཏེ་ཟླ་བ་འཕྲད་པ་ལྟར་གྱུར་ཏོ། །དེ་ནས་འགྲོ་བ་མང་པོར་དོན་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བྱེད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་འཁྱལ་བ་མང་པོ་དང་བཅས་ཏེ་སྔར་གྱི་བུ་མོ་བཞི་སྤྱལ་ལོ། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ཡབ་ཡུམ་གྱི་སར་བྱོན་པར་དགོངས་པ་ལ་སྔར་པོ་ཉ་བཏང་ནས་ཡབ་ཡུམ་ལ་ཞུས་པ་ལས། དེ་དག་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་མི་མང་པོ་དང་བཅས་ཏེ་བསུ་བ་ལ་མཆོད་རྫས་དཔག་ཏུ་མེད་པ་གྲོགས་ནས་ཟློས་གར་དང་བཅས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་སོགས་བྱོན་ནས་བོས་ཏེ་པོ་བྲང་དུ་ཕེབས་པ་ལ་མཆིལ་མ་ལྷུག་ནས་ན་རེ། ཨེས་ཇོ་རྒྱལ་པོ་ངལ་ལམ་བསྐྱུང་བ་བདེ་འམ་ལེགས་པར་བྱོན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། མི་དགེ་བཅུ་སྤྲངས་དགེ་བཅུའི་ཆོས་རྒྱས་མཐུས། །བདེ་མོ་ཀ་འདྲ་སླེབ་པས་ཕྱིན་བདེ་འམ། །ཞེས་ཟེར་ནས་ཞག་བདུན་གྱི་བར་དུ་དགའ་སྟོན་བྱས་ནས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རྒྱས་པར་བྱེད་དོ། །ཇོ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་ལྟར་ཡོན་ཏན་ཅན་ཡིན་ནམ་ཞེས་པར་རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བཛྫི་སོང་ངོ་། །ཆོས་ལོག་མཁན་འདུལ་བ་དང་། ཤིང་མི་བདུ་པཔ་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་པའོ།། ||

ལེའུ་བཅུ་གཅིག་པ།

༄ དེ་ནས་ཛོར་གྱི་དུས་སུ་དགའ་ལྡན་གྱི་གནས་ལ་དྲང་སྲོང་གཉིས་ཡོད་དོ། །དྲང་སྲོང་དེ་གཉིས་མཚམས་ལ་ཞུགས་པ་ཡོད་དོ། །དེའི་ཚེ་ན་འཛམ་བུ་གླིང་གི་འགྲོ་བ་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རྒྱས་པའི་གནས་ཞིག་ཡོད་དོ། །ཡུལ་དེ་ན་རྒྱལ་པོ་གཟི་བརྗིད་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པ་ཞིག་གནས་པ་དེས་བྱ་རིད་བས་རྩོད་ཏེར་བཏིངས་ནས་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་རྣམས་ལ་གསོལ་བ་བཏབ་པ་དང་། དབུལ་པོངས་ལ་སྦྱིན་པ་གཏོང་བ་སོགས་བྱས་པ་དང་མཉམ་དུ་རྫོང་པོ་གཅིག་ཀྱང་བྱ་མེད་པས་གསོལ་བ་བཏབ

པ་སོགས་བྱེད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ལ་བཙུན་མོ་བརྒྱ་དང་བློན་པོ་བཞི་བཅུ་ཡོད་དོ། །ལྷའི་དྲང་སྲོང་གཉིས་ཀྱི་ཚུང་ངུས་རྒྱལ་པོ་ལ་བུ་མེད་པར་ཞེས་ནས། ཅིག་ཤོས་ལ་ན་རེ། འོག་འཛམ་གླིང་དུ་རྒྱལ་བློན་གཉིས་བུ་མེད་པས་དེར་འགྲོ་ནས་བུར་སྐྱེས་ཏེ་འགྲོ་དོན་བྱེད་པའི་དུས་ལ་བབ་བོ་ཟེར་བར། དྲང་སྲོང་ཆེན་པོ་ན་རེ། ངས་ཤེས་པ་ཡོད། ཁྱོད་ཤེས་པ་ལ་ངས་མི་ཤེས་སམ། ཁྱོད་བདག་གི་ཉེ་བར་སྐྱེས་ན་བདག་ལ་གནོད་པར་བྱེད་དོ། །ཁྱོད་གཞན་ཞིག་ཏུ་སྐྱེས་ན་ལེགས་སོ། །ལྟར་ཅིག་ཏུ་སྐྱེས་ན་བསྟན་པ་བཞིགས་པའི་འགྲོ་བར་འགྱུར་བའི་ཉེས་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། དྲང་སྲོང་ཚུང་ངུ་ན་རེ། སངས་རྒྱས་ཀྱི་མདུན་དུ་འགྲོ་ནས་དམ་བཅའ་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་དྲུང་དུ་འགྲོ་འོ་ཟེར་བ་ལ། ཆེན་པོས་གནང་ནས་དམ་བཅས་ནས། འོག་འཛམ་བུ་གླིང་དུ་རྒྱལ་བློན་གཉིས་ཀྱི་བུར་སྐྱེས་པ་ལ་ཁྱོད་ཀྱིས་བདག་སྡུག་བསྔལ་བར་འགྱུར་རོ་ཞེས་པ་ལ། ཚུང་ངུས་ན་རེ། ངས་གནོད་སེམས་བསྐྱེད་ན་ངའི་ལུས་ནི་སྟོང་དུ་གས་པར་ཤོག་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་དོ། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་བཀའ་སྩལ་པ། དྲང་སྲོང་འདིའི་ངག་བཞིན་བྱུས་ན་ལེགས་སོ་གསུངས། ཆེན་པོ་ན་རེ། ཁྱོད་རྒྱལ་པོའི་བུ་རུ་སྐྱེ། ང་བློན་པོའི་བུར་སྐྱེ་འོ་ཟེར་ནས་ཤི་འཕོས་ཏེ་ཁ་འཆམ་བཞིན་སྐྱེས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་ལོ་བདུན་གྱི་བར་དུ་གཅེས་སྲུས་བྱས་སོ། །ཉིན་རེ་བཞིན་སྟོན་མོ་བྱས་ཀྱང་ད་དུང་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱེད་པར་གྲགས་པས། བློན་པོས་སྟོན་མོའི་ཆས་བསྐམས་ཏེ་བུ་འཁྲིད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོའི་བུས་བློན་པོའི་བུ་མཐོང་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་བ་སོགས་བྱས་པས་ཐམས་ཅད་ཡ་མཚན་ནོ།།

བློན་པོའི་བུ་ནི་ཕྱིར་མ་ལོག་པར་གཉིས་ཀས་ཡོན་ཏན་སློབ་པས་ཡོན་ཏན་དང་ལྡན་ནོ། །ཚེར་བསྐྱེད་ཆེ་ཞབས་མཐོས་ཙེད་མོ་བྱེད་པ་ལ་རྒྱལ་པོའི་བུས་ཞབས་མཐོས་བྱེད་པ་ནི་པོ་བྲང་གི་རྒྱ་མཐོང་ནས་བཙུན་མོ་གཅེས་པའི་མགོ་ལ་ཕོག་པས་བཙུན་མོ་ཁྲོས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོའི་བུས་བློན་པོའི་བུ་ལ་ཁྱོད་ནི་སོང་ལ་ལེན་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོའི་བུ་ན་རེ། རྒྱལ་པོའི་བཙུན་མོའི་དྲུང་དུ་ངས་མི་འདུག །ཁྱོད་ཀྱིས་བཏུག་ནས་ལེན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོའི་བུས་བཏུག་ནས་ཞབས་མཐོ་ལེན་པ་ལ། བཙུན་མོས་གདོང་ལ་སེན་མོས་འབྲད་དེ་ཌ་ཞིང་སྐྱེ་ཐུགས་འདོན་ནས་འཕབ་འཛིང་བྱས་ཏེ་ཕྱིར་འཕོར་ནོ། །རྒྱལ་པོས་སོང་ནས་ཅི་བྱུང་སྐམ་སྨྲེ་ཕྱིན་པས། བཙུན་མོས་བུ་འདི་ནི་བདག་ལ་ཕོ་འཚབ་མོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་

པོ་ཁྲོས་ཏེ་བུ་འདི་ནི་དེར་མ་ཟད་བདག་ལ་ཡང་གནོད་པར་བྱེད་དོ།། བདག་གསོན་པར་ཡོད་པ་ལ་འདི་ལྟ་བུའི་ལས་བྱེད་པ་ནི་མི་འོས་པས་ཆད་པས་གཅོད་ན་ན་སོ་ཆུང་བས་མི་རུང་། སྤྲུགས་ན་འོས་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཅིག་ལ་བུ་འདི་ནི་མིག་གིས་མི་མཐོང་ཏུ་བས་མི་ཐོས་པའི་ཡུལ་དུ་བསྐྲད་དོ་ཟེར་ནས་གཏད་དོ།།

བློན་པོ་དེས་རྒྱལ་པོའི་བུ་འཁྲིད་ནས་མི་མེད་པའི་སར་ཕྱིན་པའི་ཚེ་བློན་པོས་དེ་ལ་དོར་ནས་ཕྱིར་ལོག་པ་དང་བློན་པོ་རང་གི་བུ་དང་བཅས་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་སོང་ནས་སྔོན་མོ་སོགས་བྱས་ནས་མཚན་མོར་འགྲོ་བ་ལ། དེ་དག་ཉལ་བའི་རྗེས་སུ་བློན་པོའི་བུས་མཛོད་ཁང་དུ་བཅུག་པས་རིན་པོ་ཆེ་དང་ཞ་ཉེའི་སྣོད་གཉིས་བརྐམས་ནས་རྟ་ཞོན་ཏེ་མདའ་གཞུ་ཀེད་ལ་བརྒལ་ནས་རྒྱལ་བུ་སྐྱེགས་སུ་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་དང་འཕྲད་པས་བློན་པོའི་བུ་སླེབས་པར་དགའ་ནས་མདའ་གཞུ་འདི་རྣམས་ཀྱིས་ཅི་བྱ་ཟེར་བས། ང་ཅག་སྐྱེལ་བྱེད་པའི་ས་ཞིག་ལ་ཡོད། ང་ཅག་སྲོག་འཚོ་བའི་ཕྱིར་དུ་དགོས་ཟེར། རིན་ཆེན་སྣོད་དུ་ཆུས་བཀང་བསྐམས་ཏེ་ཙ་དེ་ཉིད་མ་ཟད་པར་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་མ་ཟད་པ་ཉིད་དོ། །དེ་ནས་འབྲོག་དགོན་པ་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་པས། ཁང་བདལ་བ་ཞིག་ཏུ་སླེབ་ཁར་བཟའ་བཏུང་ཡོད་པ་ཡིན། དེ་མཐོང་ནས་དེར་བསྡད་པ་ལ། ལྷོ་ཕྱོགས་སུ་རྒྱལ་པོ་དེ་ལ་བུ་མེད་དེ་བུ་མོ་གཅིག་ཡོད་དོ། དེས་ཉིན་རེ་བཞིན་དགེ་འདུན་ལ་མཆོད་པ་བྱས་ཏེ་བསྐྱུར་ཕྱི་བྱེད་དོ། ང་ནི་ནས་ཁྲིམས་སུ་ནགས་ལ་འགྲོ་ནས་ཤིང་ཏོག་འཐུ་ནས་པ་མ་ལ་བཀུར་ཕྱི་བྱེད་དོ།།

རེ་དུས་སུ་བདུད་གླང་པོ་ཆེར་སྤྲུལ་ནས་ཆོས་བཅོ་ལྔའི་ཉིན་མོར་མི་རྣམས་ཟ་བ་ཡོད། ཉིན་གཅིག་ལ་དཔག་ཚད་སྟོང་ཕྲག་གཅིག་ལ་འགྲོ་ནུས་པ་ཞིག་འགྲོ་བཞིན་པར་བུ་མོ་ནགས་ཁྲོད་དུ་ཤིང་ཏོག་འཐུ་བཞིན་སོང་བ་དང་འཕྲད་དེ་བཟུང་ནས་སོང་ངོ་། །འཁྲིད་པའི་བུ་མོ་གཅིག་གིས་དབ་དོབ་དུ་འགྱུར་ནས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ཐོས་ནས་བརྒྱལ་ལོ། །དཔོན་བློན་སོགས་ཀྱིས་ཚོགས་ནས་ཙན་དན་ཆུ་གཏོར་ནས་སད་པར་བྱེད་པའི་ཚེ། རྒྱལ་པོ་སངས་ནས་ན་རེ། ད་ཀྱི་རྒྱུད་ཐུབ་ཀུང་མི་ཡིན། དམག་འདུས་ནས་ཕྱོགས་སུ་འགྲོ་ཟེར་བར། དམག་སྐུགས་པས་མ་ཕྱིན་པར་ལ་ག་རེ་འགོར་ནས་ཕྱིར་ལོག་པ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་ཤིན་དུ་སྨྲེ་ངག་བྱས་ནས་རྒྱལ་པོ་ཉིད་ཀྱིས་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཅིག་ན་རེ། ཕྱགས་ན་མི་སླེབ་སླེབས་ནས་ཕོར་མི་ཡོང་བའི་ཕྱོགས་ཆེ་བས་སྐྱེགས

མི་ཡོང་། ད་བས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་རྒྱལ་པོ་རྣམས་ལ་པོ་ཉ་བཏང་ན་ལེགས་ཞིས་ཟེར། ཡང་ན་བྱང་སེམས་ཕུན་ཚེ་བ་ཡོད་ན་དོན་བྱེད་པར་འགྱུར་རོ་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་པོ་ཉ་བཏང་ངོ་། །རྒྱལ་པོ་ཡང་ཙང་འབངས་ཀུང་ཙང་དོན་བྱེད་ནུས་ན་རྒྱལ་སྲིད་སྦྱིན་ཞེས་འབྲིན་ཡིག་བཏང་ངོ་། པོ་ཉ་ཕྱིན་པས་བློན་པོ་འི་བུ་དང་མཇལ་བས་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བས། པོ་ཉ་རྣམས་ངག་རྒྱས་པར་བསྟད་པ་ལ། བློན་པོའི་བུ་ན་རེ། ཁྱོད་རེར་ཕྱིན་ན་དེ་ལ་ཡང་པོ་རབ་མ་འདུག །འདི་ན་རྒྱལ་པོའི་བུ་ཡང་ཡོད་རེས་ནུས་པ་ཡིན་པོ་མཚར་པོ་ཡིད་ཟེར་བར། དེ་དག་ན་རེ། ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདིར་འོངས་ཟེར་བར། བློན་པེ་འི་བུ་ན་རེ། རི་དྭགས་ཤོར་བ་དེད་པས་འཁྱམས་པ་ཡིན་ཟེར་བར། པོ་ཉ་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་གིས་རྒྱལ་པོ་ལ་མཇལ་ནས་ཞིབ་པར་ཞུ་འོ་སྐུར་དུ་སོང་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ་སྤྱང་ལྟར་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས། གསན་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་དེ་གཉིས་ཀྱི་མདུན་ནས་བསུས་ཏེ་མཇལ་ནས་སྨྲས་མོ་ནི་གླང་ཆེན་ཕྱུག་པ་འཁྱེར་བ་ནི་རྒྱས་པར་སྨྲས་སོ།།

བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་སྐུགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་པོ་བྲང་དུ་བཅུག་གོ །དེ་ནས་དམག་དང་ཆས་རྣམས་ཇི་སྐྱིད་ཅིག་མཆིས་ཟེར་བས། དམག་མི་དགོས་འོ་སློབ་གཉིས་ཀྱིས་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་ཐུགས་ལ་འདི་གཉིས་རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཡིན་ནས་སེམས་ནས་བསྐུར་བསྐྱི་བྱེད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་གོས་དང་། བློན་བུ་ལ་ཅོད་པན་བྱིན་ནོ། དེ་གཉིས་སོང་ནས་གླང་ཕྱུག་གི་རྗེས་ནི་ཤིང་དུ་སྡོང་གི་རྗེས་ལྟར་ཡོད་པས་རྗེས་སུ་སྐྱོགས་ཏེ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་འགྲོ་བ་ལ་ཟས་རྣམས་ཟད་པས་རིན་པོ་ཆེའི་རི་བོ་ཞིག་མཐོང་ངོ་། །བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། རི་དེར་ཕྱིན་ན་ཆུ་ཡོད་དོ། །ཁྱོད་ལམ་དུ་འཁོན་བདག་གིས་རི་དེར་ཕྱིན་ཏོ་ཟེར་ནས་འགྲོ་འོ། །རི་དེར་སླེབས་ཁར་བླ་མ་ཨ་ཙཱརྱ་ཏེ་པ་ཞིག་བཞུགས་པ་ཡོད། བློན་པོ་འི་བུས་བླ་མ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས་རྒྱ་མཚོ་རྣམས་ཞུས་པར། བླ་མ་དེས་ཅིའང་མི་གསུང་བར་གདན་འོག་ནས་སྨྲད་པ་རིང་པོ་ཞིག་བླངས་ནས་བྱིན། དེ་ནས་བླ་མ་དེས་མིག་ཕྱི་ལ་བརྟས་པས་ལམ་ཞིག་མཐོང་ངོ་། །བློན་བུས་ལམ་དེར་འགྲོ་བ་ལ་ཁྲོན་པ་ཞིག་མཐོང་། ཁྲོན་པ་མཐོང་ནས་རྒྱལ་བུ་བོས་ཏེ་ཁྲོན་པ་གཏིང་ཟབ་པས་ཆུ་ལེན་མི་ཚུགས་བ་ལ། སྨྲད་པས་ཤ་ཅི་སྟོད་དུ་བཏགས་ནས་ཁྲོད་པར་བཙུག་པས་སྟོང་དང་ལྷ་བརྒྱའི་འདོམ་ཙམ་ཡོད་དོ། །བློན་བུས་འགྲོ་

ཟེར བར། རྒྱལ བུས འདིར ཞག ས བུས ན ལེགས ཟེར བས། བློན བུས འདིར ཞག ས བྱེད མི ཚུང ཟེར ནས འགྲོ འོ། །ཡང ཟླ བ གསུམ གྱི སར སོང བ ལ། པཎྜི ཅན ཀྱི མཚོ ལ སླེབས ཁར བྱུང ཆུབ ཀྱི ཤིང མང པོ སྐྱེཔ པའི ཐིང བུ ཡོད། སྐྱང གྲུག གི རྗེས ནི མང པོ ཡོད དོ། །ངེས པར སྟོད དུ ཚུ སླུགས ཏེ བཙུང ནས བྲག ཞིག གི ཙ བར ཕྱིན ཏེ བྲག གཅིག གི སྟེང དུ བསྡད ནས བལྟཔ པས། སྐྱང གྲུག དེས ཉི མ ཤར བའི ཚེ མཚོ དེར འོངས པས། སྲས མོ ནི གཉའ ལ ཞོན པ ཡོད། སྐྱང གྲུག ཚུ འཐུངས ནས ལོག པ ལ། བློན བུས རྗེས སུ འགྲོ བས སྐྱང གྲུག དེས ཤིང ཅན དན གཅིག གི ཙ བར ཕྱིན ནས ཉལ ལོ། །བློན བུས སྲས མོ མཐོང ནས ཧོ བསྣམས ནས སྐྱང གྲུག དེའི དྲུང དུ ཕྱིན པས སྲས མོ དེས བློན བུ མཐོང ནས བཏུས ཤིང ཁར བརྩེགས པར བཏུ སྐྱུད པས། བློན བུས ཤིང ཁར བརྩེགས ནས བཏུད པ ལ། སྐྱང གྲུག དེས གཉིད ལོག པ ལ སྲས མོ འི ལག པ བཟུམ པ ལ། བློན བུས དོ ཡང ཕྱིན་པ ན སྲས མོ འདི བཞེངས ཏེ སྤྱི བོར ཧོ བཞག ནས སླེབས པ ལ། བློན བུ འབབ ནས སྲུབ མོ འཁྲིད དེ སོང ངོ །།

རྒྱལ བུའི དྲུང དུ སླེབས ཁར རྒྱལ བུས ཤིང ཐོག འབུ ཙ འགྲོ བ ཡོད། བློན བུ ན རེ། སྲས མོ སླེབས ཡོང པས ད ལྟ ཤང འགྲོ ཟེར། ངས ཤིང ཏོག འབུ ཟེར བ ལ། བློན བུས རིང པར འབུ ནས ཕྱིན ཏེ འགྲོ འོ། སྔར ལྟར ཟླ བ གསུམ གྱི སར སྔར གྱི ཁྲིན པར སླེབས འོངས ཏེ རྒྱ ཡིད ནས སོང ཟེར བར། རྒྱལ བུས མ མཇུན པར འདིར ཞག ས བྱེད ཟེར ནས ཉལ ལོ། །བློན བུས ཁྲོན པར མེལ ཚེ བྱས ཏེ མདའ གཞུ སྟོངས ཏེ འདུག པ ལ། རྒྱལ བུ སད ནས བཞེངས ཏེ ཁྱོད ནི བདག གསོད པའི དགོས པ ནི ཅི ཡོད ཟེར བས། བློན བུ ན རེ། བདག ཁྱོད ནི གཡོད པ མིན ཟེར བ ལ། རྒྱལ བུ ན རེ། སྲས མོ འདི ནི ཁྱོད ཀྱིས ལེན། ངས ལེན པ འདྲ བར བསམས ནས གསོད པར སེམས པ ནི ཅི ཡོད ཟེར། བློན བུ ན རེ། ཁྲོན པ འདིའི ནང དུ འདྲི ལྷ བརྒྱ ཡོད མཚན མོ ཉིད ལ དཔག ཚད ཁྲི སྲུག ཅམ ཀྱི སར འགྲོ ནས འགྲོ བ རྣམས ལ གནོད ཅིང འཚེ བས བརླག པར བྱེད པ ཡོད། ཉིན མོར མཐོང ན མགོ བོ འགས་པ ཡོད ཟེར བར། རྒྱལ བུ ན རེ། འདི འདྲ བ ནི ཤིན་ དུ ཧྲུན ཟེར བ ལ། བློན བུས བདག རྗེར དམ ལ བདགས པ ཡོད། ཁྱོད ཀྱིས མེལ ཚེ བྱེད ནས བལྟ ཟེར། རྒྱལ བུ ན རེ། གལ ཏེ

སྦྱང་ན་ཁྲོད་ཀྱི་ཚིག་བཞི་ཟེར། མ་བྱུང་ན་ང་ཅག་གཉིས་ཤིན་ཏུ་འཐབ་པ་ཡོད་ཟེར་ནས་ཁྲོན་པར་མེལ་ཚེ་བྱེད་དོ། །སློན་ཟླ་ཉལ་ལོ། །རྒྱལ་བུས་ཚིག་འཁྲུལ་སྤྲུལ་པ་ཡིན་པར་བསམས་པ་ནས་ཉལ་ལོ། འདི་ནུབས་བྱུང་ནས་སྤྲུལ་མོ་འཁྲིད་ནས་ཁྲོན་པར་བཅུག་གོ །སློན་ཟླ་སད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྤྲུལ་མོ་ག་རེ་ཁྲོད་ལ་མེལ་ཚེ་ལེགས་པར་བྱེད་ཟེར་བ་མིན་ནས། བདག་གིས་སྤྲུལ་མོ་འདི་ཉིད་རྒྱལ་པོ་ལ་གཏད་ནས་རྒྱལ་སྲིད་ཁྲོད་ལ་སྦྱིན་ཅེས་སེམས་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྲོད་སྐལ་པ་མེད་པའི་རྒྱལ་བུ་ཡིན་ནོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་ཅང་མི་སྨྲ་བར་གདའ། སློབ་ཟླ་ན་རེ། བདག་སྨྲད་པ་ངེས་བཏགས་ནས་འཛུག །ཙུའི་སྟེང་དུ་མེད་ན་འོག་ཏུ་འགྲོ །གལ་ཏེ་སྤྲུལ་མོ་ཙུའི་ཁར་ཡོད་ན་ལན་གསུམ་འཕྱིན་ཟེར་ནས་བཅུག་གོ་སྤྲུལ་མོ་དེ་འཁྱེར་ནས་ཁང་བུ་གཅིག་ཏུ་བསྡད་པ་ལ་སློན་ཟླས་ཕུ་བ་ནས་ནངས་པས་སློན་ཟླ་མཐོང་ནས་སྨྲད་པ་སྤྲུལ་མོའི་ལག་པར་བཏགས་པས་ལན་གསུམ་འཕྱིད་པས་ལེགས་པར་ནངས་ཏེ་འཕྲོན་ནོ། །རྒྱལ་བུས་སློན་ཟླ་མ་འདོན་པར་ཁྲོན་པར་དོར་རོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་བུས་སྤྲུལ་མོ་བརྟགས་ཏེ་སྨྱུར་བར་སོང་ཟེར་ནས་སོང་ངོ། སྤྲུལ་མོ་དེ་ཉིད་སྒོ་ཤཔ་ཆེན་པོ་བྲེས་ཏེ་ང་ནས་རྫས་པ། བདུད་ཀྱི་ཡུལ་ནས་སྐྱབས་པའི་སྐྱབས་གཅིག་ཟུ། །དེ་ཉིད་ཐིན་བཟོ་མེད་པར་ཁྲོན་པ་སྟོང་པར་དོར། །ཞེས་ཏུ་བཞིན་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བདག་གི་མཐུས་སློན་ཟླས་ཁྲོད་ནི་ལེན་པ་ཡིན། སློན་ཟླ་ཁྲོན་པར་དོར་བ་སོགས་པ་སུ་ཡང་མ་སྨྲ་ཤིག་ཟེར་ནས་སོང་ངོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོའི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་པ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་སྤྲུལ་མ་མཐོང་ནས་ཉེན་མཚན་ཀུན་དུ་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྤྲུལ་མོ་གཏོང་ཟེར་བ་ལ། སྤྲུལ་མོ་ན་རེ། སྒྲོངས་ཆེན་དུད་འགྲོ་སྦྲང་དུ་གནས་པས་མི་གཙང་བ་བོག་པ་ཡིན་པས་ཟླ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་བདག་མི་བསྡད་དོ། །ཕྱིས་སུ་འདུག་ཟེར་ནས་མཚམས་ལ་བསྡད་དོ། །སློན་ཟླ་ཁྲོན་པར་གནས་པའི་ཚེ་ན། རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་ནས་འོངས་པའི་ཨ་ཙ་ར་བདུན་ལོ་འོངས་ནས་འདོམ་སྟེང་དང་ལྷ་བརྒྱ་ཙམ་གྱི་སྨྲད་པས་ཆུ་ལེན་པར་བྱེད་པ་ལ་སློན་ཟླས་སྨྲད་པ་འཛིན་པས། ཨ་ཙ་ར་རྣམས་ན་རེ། འདྲེའམ་སྲུལམ་ཟེར་བར། སློན་ཟླས་ཇི་ལྟར་ཡིན་ཀུང་ང་ནུབས་ཟེར་བས། དེ་དག་ནུབས་ཏེ་འཕྲོན་ནས་མི་ཡིན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། སྐྱ་མཚན་རྒྱས་པར་སྤྲུལ་ནས། བཙེ་ཞིང་བྱམས་པའི་བྱིན་ཅན་པར་བའི་ཟླ། །ཕུན་ཁྲོད་ཙ་བར་རྗེ་བ

ཧོར་བ་བཞིན། འཛམ་བུ་གླིང་གི་འགྲོ་བ་འདི་དག་ནི། །དེ་ལྟར་གནོད་སེམས་ཁོ་ན་བསྐྱེད་པ་ཡིན། ཞེས་ཟེར་ནས་ཨ་ཙ་ར་འོ་སྐོལ་རྣམས་ཀྱིས་མཆོད་རྟེན་བཞིག་གསོས་པའི་ཆེད་དུ་སློང་མོ་བྱེད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། སློན་བུས་ཕར་ཚུར་བལྟས་པས་རྒྱལ་པོ་ཉལ་བའི་སར་ས་སྦུངས་ཞིག་མཐོང་བས་སྤུར་གྱི་རིན་པོ་ཆེ་ས་ལ་སྦས་པ་ཡོད་དོ། །དེ་ལེན་ནས་ཨ་ཙ་ར་རྣམས་ལ་ཕུལ་ལོ། །ཨ་ཙ་ར་དེ་དག་དགའ་ནས་སོང་ངོ་། །སློན་བུ་ལམ་དུ་འགྲོན་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་དེབ་སྲས་མོ་མཚམས་ལ་སྤྱོད་སྐབས་སུ། རྒྱལ་བུས་བདག་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་ན་རྒྱང་ངམ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། སྤུར་སྤྲུལ་པའི་ཚིག་ནི་ངས་དྲན་པ་ཡོད་ཟེར། རྒྱལ་པོ་དེས་རྒྱལ་པོའི་ཕྱོགས་བཞིའི་སྒོ་སྲུང་བའི་མི་ལ་ན་རེ། བྱད་གཟུགས་བཟང་བའི་མི་ཞིག་འོངས་ནས་སྣ་བརྡོད་སྣ་ཚོགས་སྣ་ན་བཟུང་ནས་བཙིངས་ཏེ་ང་ལ་ཕབ་ཟེར་ཏེ་བཏད་པ་ལ། སློན་བུ་སླེབས་པ་ལ་སྒོ་སྲུང་བ་དེས་རྒྱལ་བུས་སྨྲས་པར་བྱེད་པ་ནི་དེ་ཡིན་ཞེས་ནས་བཙིངས་ཏེ་རྒྱལ་བུར་སྤྲུལ་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བུ་དེ་ཉིད་ཀྱི་རྐང་པ་དང་ལག་པ་དང་མིག་ཡ་གཅིག་རྣམས་ཆགས་ལོང་བྱེད་ནས་ཤིང་སྡོང་པོ་གཅིག་ཏུ་དོར་ཞེས་ཟེར་རོ། །ཤིང་དེ་ལ་ནི་རིན་པོ་ཆེ་ཡོད་པ་ཡིན། ཤིང་དེ་ལས་སྐྱེས་པའི་ཤིང་ཏོག་ཟོས་ན་ནད་གང་ཡང་སེལ་ངེས་སོ།།

ཤིང་དེ་ལ་གནོལ་བ་པོག་པས་ཤིང་ཤིན་ཏུ་བསྐམས་སོ། །ཤིང་སྲུང་བའི་མི་ལ་རྒྱལ་པོས་ཁྲིམས་པོག་པ་ལ་འབྲེལ་ནས་སོང་ངོ་། །གྲོང་དེ་ཕྱིན་པར་ཁྱང་བུ་གཅིག་ཡོད་པས་ཉེར་མོར་ཁྱང་བུར་ཉལ། མཚན་མོར་ཁྲིམས་དུ་སླེབ་པ་ཡོད། ཉེར་གཅིག་ལ་ཁྱང་བུ་ལས་འཐོན་ཏེ་ཤིང་དེའི་ཕྱོགས་སུ་བལྟས་པས་གསལ་བར་མཐོང་བས་ཤིང་དེ་ནི་གསེར་སམ་རྐྱམ་ནས་མཚན་མོར་འཁྲོས་ནས་བརྟུལ་པས་རྩ་བར་བུ་ཞིག་ཉལ་བར་མཐོང་ནས། བུ་ཁྱོད་ཅིའི་སླད་དུ་འདིར་ཉལ་ལམ་ཟེར་བ་ལ། བདག་རྒྱལ་པོའི་བུ་ལ་གནོད་པ་བྱེད་པའི་ཕྱིར་བདག་ཁྲིམས་ཀྱིས་བཅད་ནས་ཤིང་རྡུང་དུ་དོར་རོ། །མི་དེས་དྲིས་པ། ཤིང་གི་རྩ་བ་ཤས་པ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། བུ་ན་རེ། ང་དོར་བའི་ཚོན་སྐས་པར་ཐུབ་པ་ཡོད་དོ། །ད་ཡང་མི་དོག་སྐྱེས་བར་གདའ་ཟེར་བར། མི་དེ་ན་རེ། ངས་ཤིང་འདི་ཉིད་བསྲུང་བ་ཡིན་པས་ཤིང་འདི་བསྐམས་པས་གསོད་པ་ལ་ཐུག་པའི་མི་ཡིན་ནོ། བདག་རང་གི་སྐལ་བ་ཡོད་བས་གསོལ་པར་གདའ། བདག་ཁྱིམ་དུ་ཁྱེར་ནས་བུ་སྨད་ལ་སྤྲུལ་ནས་ཁྱོད་ལ་ལྟོ་བ་སྦྱེར་ཟེར་ནས་སོང་སྟེ་རྒྱ་མཚན

བཤད་པས། དེ་དག་དགའ་ནས་བཟའ་བཏུང་རྒྱ་ནོམ་པ་བྱིན་ནོ། །མི་དེ་ན་རེ། ཕྱར་ཕྱར་ཆིས་ན
ང་ཅག་གཉིས་སྐྱིད་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་ནས་ཁྲང་བྱར་སོང་ངོ་། ཕྱིས་སུ་མཚན་གཅིག་ཏུ་སླེབ་ནས་ཤིང
ཏོག་སྐྱིས་སམ་ཞེས་དྲིས་པར། གླུ་བྱ་ན་རེ། ཤིང་རྟོག་ཡང་སྐྱིས་པར་གདའ། མི་ཆོད་རྒྱལ་པོའི
སྲས་མོ་ཤིས་སམ་ཟེར་བར། མི་དེ་ན་རེ། ངས་ཤེས་ངའི་བུ་མོ་གཅིག་སྲས་མོ་ལ་ཞམ་འབྲིང
བྱེད་པ་ཡིན། སྲས་མོ་དེ་ཉིད་ནི་གླང་ཕྲུག་གིས་འཁྱེར་བར་ཁྱིཨུ་རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོང་ནས་གླང
ཕྲུག་གི་རྗེས་སུ་བསྐུག་སྟེ་སྐྱབས་ཡོང་བ་ལ། བྱ་དེ་ལ་བྱིན་ནས་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པར་ལབ་པ་ལ། སྲས
མོ་དེ་ཉིད་ལྷ་བ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་བསྐྱེད་པ་བྱས་ནས་རྗེས་སུ་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པ་ཡོད་དོ། །བདག་གི
བུ་མོ་དག་ཏུ་བྱང་དུ་སྡོད་པ་ཞིག་ཡོད་ཟེར་བར། སློན་བྱ་ན་རེ། ཤིང་ཏོག་དང་ལོ་མ་རེ་ལེན་ནས་ང
ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་བས་བྱིན་པ་ལ། ལོ་མ་ལ་མཆིལ་མས་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་མི་དེ་ལ་སྤྲུས་པ། ཁྱོད་ཡི
གེ་འདི་བུ་མོ་ལ་བྱིན་ནས་སྲས་མོ་ལ་གཏང་ངོ་ཟེར་བར། མི་དེས་བུ་མོ་ལ་བྱིན་པས་སྲས་མོས་མཐོང
ནས་ངོ་མཚར་ཆེ། ཤིང་འདས་ཤིང་ཏོག་སྐྱེས་པར་འདུག་ཟེར་ནས། ལོ་མ་ལ་མཆིལ་མས་ཡི་གེ་བྲིས
ནས་ཟས་རོ་བརྒྱ་དང་བཅས་ཏེ་ཤིང་དྲུང་དུ་མི་ཁྱོ་དང་འཕྲད་ན་དེ་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་ནས་བཏང་ངོ། །ཡི་གེ་དེ
བུ་མོས་པ་ལ་བཏད་ནས་པ་སྲས་མོས་དུ་བསྐོགས་སླས་སོ། །པ་ན་རེ། ཤིང་དེའི་དྲུང་ན་ཁྲིམས་ཐོག
པའི་མི་ཞིག་འདུག་གོ །ངས་བརྗེ་བས་བཟའ་བཏུང་དག་ཏུ་བྱིན་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། ཤིང
དེ་ཉིད་མི་དེ་དོར་བའི་ཚེ་ན་སྐྱེས་སམ། པ་ན་རེ། དེར་དུས་སུ་བསྐམས་པ་ཡོད། བུ་དོར་བ་ནས
ཤིང་ཏོག་སྐྱེས་ཟེར་བར། བུ་མོས་སློན་བྱ་ཡིན་སྙམ་ནས་ལོག་གོ།།

དེ་ནས་སློན་བྱས་ཡི་གེ་མཐོང་ནས། མི་དེ་ལ་བྱ་ན་རེ། ཁྱོད་ནང་བར་ཉི་མ་ཤར་བའི་ཚེ
སླེབ་ཁྱོད་ཀྱི་ལྕགས་བརྡལ་ཡང་སེལ་བར་བྱའོ་ཟེར་བར། དེ་དགའ་ནས་ངེས་པར་བྱང་ཆུབ་སེམས
དཔའ་ཡིན་ནམ་ནས་ཁྲང་བྱར་སོང་ངོ་། །ནང་བར་སླེབས་ཚེ་ནམ་མཁར་འཛའ་ཚོན་སྣ་ལྔ་ཤར་བ་དང
ས་གཡོས་པ་ལ། གསེར་གྱི་ཤིང་རྟ་ལ་བརྟད་རའི་ལྷ་ས་འཇིགས་ཤིང་དངངས་པའི་རྣམ་པ་ཅན་གཅིག
སླེབས་བྱུང་བ་ལ་དེ་དག་ཐམས་ཅད་བརྒྱལ་ལོ། །ཁྲང་བྱ་དེར་གནས་པའི་མིག་ཞིད་ནས་ཡིབ་སམ
སྡོད་པ་ལ། སློན་བྱ་ན་རེ། ས་འཇིགས་ཞེས་ཟེར་ནས་ས་སྒྲུར་གང་ལ་སྦྱ་བཏབ་ནས་གཏོར་བ་ལ

མི་དེས་འཇིགས་པ་མེད་པར་འདུག་གོ། །སྐྲ་མ་དེས་སྐྲེབས་བྱུང་ནས་ཁྱོད་ལ་ནི་སུས་ཀྱང་ལག་ཆག་པ་དང་མིག་ཡོང་བ་སོགས་བྱས་པ་ཡིན། ངས་མི་དེའི་ཤ་ཟ་བ་དང་ཁྲག་འཐུང་བ་པགས་པས་སྐྱོད་བྱས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བློན་བུ་ན་རེ། བདག་རང་གིས་ཤིང་འདི་ལ་བརྟེགས་ཏེ་འགྲོ་བ་ལ་ལྷུང་ནས་ཆག་གོ་ཟེར་བ་ལ། སྐྲ་མ་དེས་ཡང་དྲིས་པས། ཅི་ཡང་མི་ཟེར་བར་སྐྲ་མ་དེས་ན་རེ། ཇོ་མཆོག་ཉིད་ཀྱིས་གཞན་སྐྱོན་སྨྲས། །རང་གི་སྐྱོན་རྣམས་དག་ཏུ་སྒྲོགས། །ཞེས་ཟེར་ནས་འཕྲེང་བ་བྱིན་ནས་མེ་ཏོག་གཏོར་ཏེ་སྟེང་དུ་ནམ་ཀུར་ནག་པོ་བཞེངས་ཏེ། མི་དེའི་ངན་སེམས་ལ་ཕན་འདོགས་བྱེད་པས་ཚེ་གཅིག་ཏུ་བྱང་ཆུབ་འཐོབ་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་འཇའ་ཡལ་བ་ལྟར་མི་སྣང་བར་གྱུར་ཏོ། །བློན་བུ་ན་རེ། མི་དེ་ལ་ཁྱོད་ནང་པར་ཤིང་ཏོག་དང་ལོ་མ་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་སྤྲས་མོ་ལ་གཏོང་ཟེར་བ་ལ། མི་དེ་དགའ་ནས་ན་རེ། ཁྱེད་ནི་པངས་རྒྱས་དངོས་ཡིན་འཇིགས་ཤིང་ངམ་པའི་རྣམ་པ་ཅན་གྱི་ཟླ་མ་འོངས་ནས་སྲུས་ཁྲིམས་བཅད་དོ་ཞེས་དྲིས་པ་ན་མི་སླས་པར་འགྲོ་བ་ལ་གནོད་པར་འགྱུར་བར་བསམས་ནས་མ་སླས་པ་ཡིན་ནོ། །ཤིང་རྐམ་པོ་འདི་ཉིད་ལས་མེ་ཏོག་དང་ལོ་མ་རྣམས་ཁྱོད་ཀྱི་མཐུ་ལས་བྱུང་བ་ཡིན་པས་ང་ལ་མ་གསང་བར་ཤོད་ཅིག་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཤིང་འདིར་ཅོན་ཆེ་རྒྱ་མཚན་ཡང་ཤེས་པ་ཡོད་དོ། །ཁྱོད་ཀྱིས་སྐྱེ་བ་སྔ་མར་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་བ་ལ་ངས་ཕན་འདོགས་པས་ན་ཁྱོད་ཀྱང་བདག་ལ་ཕན་ཐོགས་སོ་ཟེར། ཁྱོད་ཀྱང་འདི་ནས་བཟུང་སྟེ་དགེ་བ་བཅུ་བྱས་ནས་དག་པའི་ཞིང་དུ་སྐྱེ་བར་གྱུར་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། མི་དེ་དགའ་ནས་རིངས་པར་ཁྱིམ་དུ་སོང་ནས་ཟས་བསྟབས་ནས་བློན་བུ་ལ་ཁྱེར་ནས་བྱང་དུ་ཕྱིན་ལོ། །ནང་པར་ཉི་ཤར་ལངས་ནས་ཤིང་ཏོག་དང་ལོ་མ་བསྟབས་ཏེ་སྤྲས་མོ་ལ་བྱིན་ནོ།།

སྤྲས་མོ་ཤིང་ཏོག་རྣམས་དངུལ་གྱི་གཏོང་པར་ཐུགས་ཏེ་མི་དེ་དང་ལྷན་དུ་སོང་བས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། མཚམས་གྲོལ་ངམ་འདི་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། མཚམས་གྲོལ་ལོ་འདི་ནི་རིང་པོ་ཆེའི་ཤིང་ལས་མེ་ཏོག་དང་ལོ་མ་དང་ཤིང་ཏོག་རྣམས་སྐྱེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཤིང་སྡུང་བའི་མི་ནི་དེ་ཏ་ཏྲིཥ་ན་ཡོད་དོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་ཤིང་ལས་དེ་དག་སྐྱེས་པ་ནི་ཁྱོད་ཀྱིས་མཚམས་བྱས་འདི་མཐུ་ཡིན་ནོ། །ཤིང་སྡུང་བ་པོ་ཐོས་དཔལ་བུ་དགའ་བྱིན་ནོ། །བུ་མོ་ན་རེ། ཤིང་འདི་ལ

ཐབས་ཅན་ཚོགས་ནས་དཀར་ཕྱོན་བྱས་ན་འཇིགས་མེད་པ་ལ། ཐམས་ཅད་གྲོས་མཐུན་བྱས་ནས་དཀར་སྤྱོད་བྱེད་པའི་ཚེ། ཞིང་སྐྱོང་བ་པོ་ལ་བུས་མོས་ཟས་སྣ་ཚོགས་དང་གོས་སོགས་རྫོན་བུ་ལ་གཏོང་ངོ༎ མི་དེས་ཁྱེར་ནས་རྫོང་བུ་ལ་བུས་མོས་སྟེར། ཟས་དང་ཆིག་ནུབས་སྐྱས་ནས་དེར་ཉལ་ལོ། །དེ་ནས་ནང་བར་རྒྱལ་རྫོན་སོགས་པ་ཚོགས་ནས་ཞིང་དེའི་བྱང་ཕྱོགས་སུ་ཕྱིན་པའི་ཚེ། མི་དེའི་ནང་དུ་རང་གི་མཐུ་ལས་བྱུང་བའི་རས་གུར་ཁྱབས་ར་ཅན་ཆེན་པོ་གསུམ་དང་ཆེ་ཆུང་བཅུ་གསུམ་ཡོད་པ་དང་རས་གུར་ཤིན་ཏུ་མང་པོ་བཀོད་པ་ལ་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་ནས་ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་འབྱོར་པ་ཆེན་པོ་ཅན་ཡིན་ནོ་ཟེར་ར། །རྒྱལ་བཙུན་འཁྲོན་ནས་གནས་ཁང་འདི་ཉིད་སུ་ཡི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། མི་གཅིག་ཀྱང་མི་ཤེས་པས་ལན་མ་ཐོས་པས། བུས་མོ་ན་རེ། རས་གུར་ལ་ང་ཅག་བཅུག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་རྣམས་བཅུག་པས་བྱ་གཅིག་སྐྱ་ལས་གཞན་ཅི་ཡང་མི་འདུག་པས། བུས་མོས་ལག་པ་བརྡུང་དུ་བཞིན་ཁང་ལག་སོགས་ཆག་པ་ལ་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་ངེ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་ན་རེ། བདག་མི་བདེ་བར་མེད་པར་བདེ་བར་ཉལ་ལོ་ཟེར་བ་ལ། བུས་མོ་ན་རེ། བདེ་བར་འདུག་ཟེར་བ་ནི་བརྫུན་ནོ། ཁང་ལག་ཆག་པའི་མི་ལ་འཁོན་དུ་བཟུང་ངམ་ཟེར་བར་བྱ་ན་རེ། འཁོན་འཛིན་བྱེད་ན་ཁང་ལག་ཆག་ན་ཆག གལ་ཏེ་མི་བཟུང་ན་དབང་པོ་རྣམས་སྐད་ཅིག་ཏུ་གསོས་པར་འགྱུར་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་མ་ཐག་ཏུ་སྔར་བཞིན་གསོས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་བཙུན་ལ་ཕྱག་འཚལ་བས། རྒྱལ་བཙུན་སོགས་ཧ་ལས་ཏེ་བྱ་འདི་སུ་ཡིན་ཟེར་བར། བུས་མོས་རྒྱུ་མཚན་རྒྱས་པར་བཤད་པས། རྒྱལ་པོ་དེ་རྒྱལ་བུ་ལ་ཁྲོས་ཏེ་འདི་ནི་པོ་སྡོང་ཤུག་གཅིག་ཏུ་གཞགས་གཅོད་དོ་ཞེས་ཁྲིམས་ཆགས་པས། དཔོན་བློན་རྣམས་བཟུང་བས་བྱ་ཤིན་ཏུ་འཇིགས་ནས་བུས་མོ་ཞེས་སྐྱེར་དུ་བས་རྫོན་བྱས་ཐོས་ནས་རྒྱལ་པོར་གསོལ་བས་རྒྱལ་པོ་སོགས་པ་ངོ་མཚར་བས། བློན་པོའི་བྱ་འདི་ནི་སངས་རྒྱས་ཡིན་ནོ། །རྒྱལ་བུ་དེ་ནི་ངེས་པར་སེམས་ཅན་ལ་གནོད་པའི་བདུད་དངོས་ཡིན་ནོ་ཟེར་ནས། རྒྱལ་བུ་བསྐྲད་པ་ལ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་སླེབ་ནས་ངོར་རོ། །དེ་ནས་ཡུལ་ཁམས་ཐམས་ཅད་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གྱུར་ཏོ། །ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་ནི་ཀུ་མི་ཛི་ཏ་དེ་ལྟར་ཡོན་ཏན་ཅན་ཡིན་ཀྱང་མི་མཁྱེན་པའི་ཚུལ་ཁྲིམ་མི་གནོད་པའི་ཁར་ཕན་པ་རྒྱ་ཆེར་མཛད་དོ། ཞེས་སྨྲས་པ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨཛྲ་བཛྲ་སོགས་ཀྱིས་ངོ་མཚར་བྱས་ཏེ་ཕྱིར་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་བཅུ་གཅིག་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་གཅིག་པའོ༎ ༎

ལེའུ་བཅུ་གཉིས་པ།

༄༅། དེ་ནས་ཡང་བཀྲ་ཤིས་པའི་ཉིན་མོ་གཅིག་ལ་པུར་ཀྱི་འཕྲོ་བཅད་པའི་ལོ་རྒྱུས་ཞིག་སྨྲས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། བློན་པོའི་བུ་ལ་སྲས་མོ་དངུལ་རྒྱན་སྟེར་བར་སྟོན་མོ་བྱེད་པ་ལ། བློན་བུ་ན་རེ། ཚེ་འདི་ལ་ཆུང་མ་མི་ལེན་པར་དམ་བཅའ་བ་ཡོད་དོ། འཕགས་པ་སྤྱན་རས་གཟིགས་ཀྱི་དྲུང་དུ་བཤགས་པ་བྱེད་ནས་སླེབ་ཟེར་བར། སྲས་མོ་དངུལ་རྒྱན་གྱིས་ན་རེ། ཁྱོད་དང་བདག་ལྷན་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། བདག་གིས་གཅིག་པུར་འགྲོ་འོ་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་སོང་བའི་ལམ་དུ་ཞུགས་ནས་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་ཉིན་གསུམ་གྱིས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུས་ལྟོ་གོས་མེད་པར་ཉལ་བ་ལ། གློ་བུར་དུ་བློན་བུ་མཐོང་ནས་དགའ་བཞིན་སོང་ངོ་། །འགྲོ་བཞིན་པར་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་ཕྱིན་པས་སྟོད་ཀྱི་ཆུ་ཟད་པས་ཁ་སྐོམ་བཞིན་དུ་འགྲོ་བ་ལ། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་གཅིག་མཐོང་ངོ་།། དེའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཤིང་དེ་ནི་མཐོ་བ་དང་སྦོམ་ལ་འདོམ་ལྔ་བརྒྱ་ཙམ་ཡོད་དོ།། དེའི་གྲིབ་མར་བསྡད་པ་ལས་ཤིང་དེའི་ལོ་མ་ལ་བལྟས་པས་ལོ་མ་རེ་རེ་ལ་སངས་རྒྱས་སྟོང་གི་ཞིང་ཁམས་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བལྟ་ནས་ཡ་མཚན་ནས་འདུག་པ་ལ། ངང་པ་གཉིས་འཕུར་སོང་བ་མཐོང་ནས་བློན་བུས་བདག་གིས་ངང་པ་འདི་གཉིས་ཀྱི་རྗེས་སུ་འབྲང་ནས་ཆུ་ཚོལ་ལོ། །ཁྱོད་ཤིང་འདིར་སྡོད་ཅིག་ཟེར་ནས། བློན་བུ་འགྲོ་བས་ཞག་བཅུ་གཉིས་ལོན་ནས་པདྨོ་ཅན་གྱི་མཚོ་ལ་ཕྱིན་ནོ། །བློན་བུས་མཚོ་དེ་ལས་ཞ་ཉེ་སྡོང་དུ་ཆུ་བླུགས་ཏེ་ལེན་ནས་ཕྱིར་ཐོག་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་སྐོམ་ནས་ཤིང་དེ་ལ་བསྐོར་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཁང་བུ་གཅིག་མཐོང་ནས་བཙུག་པར་ཚམ་པ་ལ། བྱད་གཟུགས་ལེགས་པའི་བུ་མོ་ཞིག་ལག་པ་གཉིས་ན་གསེར་གྱི་གཞོང་པ་དང་དངུལ་གྱི་གཞོང་པ་གཉིས་བསྣམས་ནས་གཅིག་ལ་བཟའ་བཅའ་སྣ་ཚོགས་དང་གཅིག་ལ་སྨན་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བཀང་བར་གདའ། དེའི་པར་ཞོག་ཏུ་ཨུ་རིག་གི་སྒོ་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བཙུག་ཁར་བུ་མོས་ཐོགས་པའི་གཞོང་པ་བཞག་ནས་བཟུང་བས་ཕྱུལ་རྩེག་སྟེ་བཏུག་པ་ལ། དེ་ནང་བརྒྱ་པས་ཚིག་མི་ཤེས་པ་འོད་དང་ལྡན་པའི་མཁའ་འགྲོ་མའི་སྐུ་བརྟན་ཞིག་ཡོད་པ་མཐོང་ནས་དངོས་ཡིན་སྙམ་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་ཕྱིར་འཐེན་ཟེར་ནས་འདུག་པ་ལ། བློན་བུ་སླེབས་པས་རྒྱལ་བུ་མེད་པ་ལ་བཙལ་བས་ལམ་ནི་ཁང་བུར་སོང་བས་བུ་མོ་དེ་པུར་བཞིན་འདུག་གོ །བློན་བུས

བྱིས་པ། ཁྱོད་སྤུན་བུ་མོ་ཡིན་གཏོང་བ་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ལ་བརྟགས་ན་མཚན་དང་རྟགས་པའི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པའི་སྐུ་དང་འདྲ་བ་ཡིན་ནོ། བདག་ནི་ས་ཡི་ལྷ་མོ་ཡིན་ནོ།། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་འདི་ལ་བླ་བ་རེ་རེའི་ཆོས་གཉིས་ལ་སངས་རྒྱས་སྟོང་བྱོན་པ་ཡིན་ཤིང་དོག་འདི་ཉིད་ཀྱིས་དེ་དག་ལ་མཆོད་པ་ཞུས་པ་ཡིན་ནོ།།

སླར་འདི་དག་གིས་འགྲོ་བ་ཀུན་གྱི་ནད་ཉམས་མེད་པར་གྱུར་ཅིག་ཞེས་བསྔོ་ནས་ཕུལ་བ་ཡིན་ནོ། ཇོ་ཁྱོད་གང་ནས་བྱོན་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། བདག་བློན་པོ་འི་བུ་ཡིན་ནོ། །རྒྱལ་བུའི་ལམ་ནི་ཁྲང་བུ་འདིར་བཙུག་པར་གདའ་བ་ལ། དེ་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་དེ་མི་མ་ཡིན་པའི་གཙུག་བརྟན་མཐོང་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་བཅང་བཅང་བྱེད་དོ། །ཁྱོད་ནི་བཙུག་ན་ཡེ་མི་ཡོང་ཟེར་བར། རྒྱ་མཚན་གང་ཡིན་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ནས་རྒྱལ་པོ་འོད་ཀྱི་རྒྱལ་མཚན་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གི་བུ་མོ་གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་ཞིག་གསེར་གྱི་ཤིང་རྟ་ཅན་གསེར་གྱི་གདུགས་བདུན་བསྐུམས་ཏེ་སླེབས་ནས་སངས་རྒྱས་སྟོང་འདི་ལ་ཕྱག་འཚལ་བ་ལ། དེའི་འོད་ནི་ས་ལ་ཐོག་པ་མཐོང་ནས་མཁའ་འགྲོ་མ་དངོས་ཡིན་སྙམ་མམ། དེ་ན་སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྐུ་བི་ཤྭ་ཀརྨ་བཟོས་ནས་འདིར་བསྐྱལ་བ་ཡིན་ནོ། །དེ་འི་འོད་ནི་སུས་ཀྱང་བལྟ་མི་ནུས་པ་ཞིག་ཡོད་དོ།། དེ་ནི་ཡིན་ནུས་ན་བུ་ཁྱོད་ནི་བླངས་ན་བི་ཤྭ་ཀརྨ་ཤེས་པ་ཡོད་དོ། ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ད་ལྟ་གང་ན་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་སྤྱན་དྲངས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྐུ་ལོ་བཅོ་བརྒྱད་ལོན་པ་འཛམ་གླིང་ན་མེད་པས་ཕྱགས་སྐུ་མ་ཞིག་བསྐྲུབ་ཟེར་བ་ལྟར་བསྐྲུབ་བོ། །དེ་ནས་བུ་དེས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཡུལ་དུ་བྱོན་པ་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨའི་གཡོག་མོ་གཅིག་གིས་འགྲོ་བ་ལ། ཨོ་དེ་ལ་ནའི་མཁའ་འགྲོ་མ་ཞིག་འོངས་ནས་སྐུ་བསྐྲུབ་པས་པན་པར་རེ་ནས་ཡོང་བ་ཡིན་ཟེར་ནས། བུ་མོ་ཆུ་ལེན་ནས་འགྲོ་བའི་ཚེ་འཁོར་གཅིག་ལམ་མི་བལྟ་བར་འགྲོ་བ་ལ། དེ་ལས་བུས་དྲིས་པ། འདུལ་འཛིན་པ་ལྷ་བུ་རིགས་བཟང་གི་བུ་མོ་ཁྱོད་སུ་ཡི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྗེ་རིགས་བཟང་ཀུན་ལྡན་གྱི་བུའི་བུ་མོ་བི་ཤྭ་ཀརྨའི་ཟས་དཔོན་ཡིན་ནོ་ཟེར་བར། བུ་ན་རེ། བདག་བི་ཤྭ་ཀརྨའི་བུ་ཡིན་པས་པ་དང་མཇལ་བར་སླེབས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོས་དེ་ལྟར་སྨྲས་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨ་ན་རེ། བདག་ལ་སློབ་མ་ལས་གཞན་པའི་བུ་མེད་པས་འཛམ་བུ་

གླིང་གི་ཡུལ་ནས་འདིར་སླེབས་ཏུས་ན་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡིན་པར་འདུག་པས་བཙུག་ཟེར། བློན་བུ་བཙུག་ནས་རྒྱ་མཚན་རྒྱས་པར་སྨྲས་ལ། བེ་ཤུ་ཀརྨ་ན་རེ། བདག་སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་དེའི་སྦྱིན་བདག་རྒྱལ་པོ་རྒྱལ་མཚན་གྱི་བུ་མོ་བྱང་ཆུབ་ཤིང་དྲུང་དུ་སངས་རྒྱས་སྟོང་ལ་ཕྱག་འཚལ་བར་ཕྱིན་པས་དེའི་འོད་ནི་ས་ལ་ཕོག་པ་ལ་འོད་དེ་མཐོང་ནས་དགེ་ལོན་ལ་བཀོད་པ་ཡིན། རྒྱལ་བུ་དེ་འདོན་པའི་ཐབས་ནི་ངས་མི་ཤེས། སྲས་མོ་གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་དེ་ནི་སླེབས་ན་འདོན་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། བུ་ཉིད་བརྟུས་ན་མཚན་བཟང་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ཕྱག་འཚལ་ནས། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཤཱཀྱ་སྲུ་ནི་ལོ་བཅོ་བརྒྱད་ལོན་པའི་ཞུགས་སྒྲུ་མ་ང་ལ་སྟེར་ཟེར་བ་ལ། འོ་ན་རྩང་ཞེས་སྨྲས་ནས་ཐེག་བདབ་སྟེ་སོང་ནས་སྒྲུ་ཞིག་བསྒྲུབས་ཏེ་བྱིན་པས་ཆླངས་སོ༎

བུ་རིས་སུ་ཁ་ལྦ་དེའི་ཡུལ་དུ་སོང་བ་ལ། བྲམ་ཟེ་བ་ཧྲུ་དེ་ལ་མཇལ་ཏེ་ཕྱག་འཚལ་ནས་རྒྱ་མཚན་ཞུས་པ་ལ། བྲམ་ཟེ་བ་ཧྲུ་དེས་འཛུམ་པ་མཛད་ནས་ཧོ་ནག་བདུན་གནང་ངོ་། དེ་བསྣམས་ནས་སུ་ཁ་ལྦ་དེའི་ཞིང་ཁམས་སུ་བྱིན་པ་ལ། བུ་མོ་གཅིག་གིས་ཙན་དན་འཕྱུ་བ་དང་མཇལ་ནས་བུ་མོ་ལས་དྲིས་པ། གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་གྱི་སྲས་མོ་ག་ན་ཡོད་སྨིས་མཇལ་རྩང་ངམ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། མིས་འབྲང་བ་ཕར་ཞོག་མི་ཡི་མིང་མ་ཐོས་པར་གནས་སོ། །གལ་ཏེ་མེ་ལོ་དེ་མིང་ཐོས་ནས་གནོལ་བར་བྱེད་ན་རྫོང་བདུན་གྱི་རྩམ་བཀྲུས་ཏེ་ཙན་དན་དང་གུ་གུལ་གྱིས་བདུག་ནས། ཉིན་ཞག་བདུན་གྱི་བར་མཚམས་ལ་འདུག་པ་ཡིན། བདག་ནི་དེའི་མ་མའི་ཁྱིམ་ལ་གནས་པའི་བུ་མོ་ཡིན་ནོ། །དེའི་བཟའ་བདུང་བཅོ་བའི་ཤིང་འཕྱུ་བ་ཡིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། བདག་བཙུན་མོ་དེའི་སྐྱེ་བ་སྔ་མའི་བུ་ཡིན་པས་འཕྲད་དགོས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ང་ཡི་སྐྱེ་བ་སྔ་མ་ལ་བུ་ཡོད་པར་མི་ཤེས་ཀྱང་སྐྱེ་བ་མང་པོ་ཡོད་པས་འཕྲད་ཟེར་བར། བུ་སླེབས་ནས་བུ་ལ་མས་འདི་སྐད་དོ། །བདག་སྐྱེ་བ་སྔ་མར་བུ་ཡོད་པ་ནི་མི་ཤེས། བུ་ཚོད་ནི་མཛེས་ཤེས་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ཁྱེད་ཤེས་པ་ཡིན་ཞེས་དགའ་ནས། ཟབ་ཆོས་ཞུས་པས་གསང་སྔགས་ཀྱི་ཐེག་པ་ཆགས་ཐོགས་མེད་པར་བཤད་པས་ཡ་མཚན་ནས་འདུག་པར། ཕ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་བུ་མོ་ལ་མིས་འཕྲད་དམ་ཟེར་བར། སྔར་གྱི་བུ་མོ་དེ་ངག་བཞིན་སྨྲས་སོ༎

དེ་ནས་བུ་རིས་གསེར་གྱི་མེ་ཏོག་གཅིག་རྟེན་ནས་གསོལ་བཅབས་ཏེ་གསོལ་དེ་ནི་རི་དབང་དཔག་ཏུ་མེད་

བའི་གོས་ཡིན། དེ་ཉིད་གསེར་གྱི་སློབ་དུ་བཅུག་ནས་མ་མ་ལ་གཏད་པས་མ་མས་མཐོང་ནས་ངོ་མཚར་སྐྱེས་ནས་བྲག་པ་གཉིས་ན་བུ་གཉིས་ཡོད་པས། བུ་འདི་གཉིས་ཅི་ཡིན་ཟེར་བས། བུ་ན་རེ། བུ་གཅིག་ནི་ཕོ་བྲ་ཡིན། གཅིག་ནི་མོ་བྲ་ཡིན་ཟེར་ནས། བཙུན་མོ་ཚྭད་ཀྱི་གསོས་པའི་མཁན་འགྲོ་མ་ལ་སྐྱེས་སྐྱེལ་ཟེར་ནས་འདི་སྐད་དོ། བདག་གི་སྐྱེ་བ་སྔ་མའི་བུ་འོང་ནས་ང་དང་འཕྲད་དེ་ཚོད་དང་འཕྲད་རྣམ་ཀུང་མི་ཚུང་ཟེར་ནས་སྐྱེས་འདི་ནི་བསྐྱེལ་བ་ཡིན་ཟེར། མས་བུའི་ངག་རྒྱུས་བར་བཤད་པས་སྲས་མོ་རིས་བྲང་ནས་འདི་སྐུ་བུའི་ངོ་མཚར་ཅན་གྱི་གོས་འཛམ་བུ་གླིང་ལ་ཡོད་དམ་ཟེར་ནས་གོས་གྱོན་པ་ལ། སྲས་མོ་དེ་འོད་དང་གོས་ཀྱི་འོད་གཉིས་འདྲེས་ནས་ཤིན་དུ་མཛེས་ནེར་གསལ་ལོ། །སྲས་མོ་རིས་ན་རེ། བུ་ནི་ཅི་ལྟ་ཡིན་སྐད་ཟེར་བས། བུ་གཉིས་ནི་བྲ་ཕོ་མོ་ཡིན་སྐད་ཟེར་བ་ལ། གཉེལ་པོག་ཟེར་ནས་གོས་སྲུང་བར་བྱུང་དེ་མ་ལ་འཚོག་ལྟོ་སྐོད་བདུན་གྱི་ཙུམ་བཀྲུས་ཏེ་སློས་ཀྱིས་བདུག་ནས་མཚམས་ལ་འཇུག་གོ །མས་ང་བཞིན་སླེབས་པ་ལ་བུས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ང་ཟེར་བ་ལ། བུ་བྲ་ཕོ་མོ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ་བརྡེག་གོ་ཟེར། བུས་ཨུ་ཙི་ཟེར་ནས་ཚོང་མཁར་ལ་སོང་ནས་གསུམ་བརྒྱ་བརྩེགས་བྱེད་པའི་རས་ཀུར་ཁྲམས་ར་ཅན། སྐོ་བཞི་བཅུ་ཅན་གྱི་རས་ཀུར་བཞི་བཅུ་ཙ་དགུ། བླ་གས་ཞུ་མོ་ཞེ་དགུ་རེ། འཕྲིང་བ་བཞི་དགུ་བཅས་ཡིན་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་ནོར་གྱི་རིགས་ཤིན་དུ་མང་པོ་བསྣམས་ནས། ཕྱིད་ནི་མ་ལ་ཕྱིན་པས་དགའ་ཞིང་འདུག་གོ །དེ་ནས་སློང་བ་པོ་ཞིག་བྱུང་ནས་བུ་ན་རེ། བདག་སློང་བ་པོ་གཅིག་བུ་ལ་ཕྱིར་མི་ཚུང་མང་པོ་ལ་ཕྱིན་ཟེར་བས། སློང་བ་པོ་ཞེ་དགུ་བྱུང་བ་ལ་བརྩོན་པའི་གོས་ཚང་བར་ཕྱིན་ནས། ང་ཅག་རྣམས་དགོད་པར་སོང་ངོ་བདག་ཅག་ནི་མི་ལ་མི་བཤད་ཟེར་ནས། སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་ཀྱི་འོད་ཟེར་འཕྲོག་པའི་རིན་པོ་ཆེའི་རི་ཆེན་པོ་འི་རྩེར་རས་ཀུར་ལྔ་བཅུ་སོགས་བཀོད་ནས་རས་ཀུར་གྱི་གཙོ་བོ་ལ་བུ་འདུག །གཞན་རས་ཀུར་ཞེ་དགུ་ལ་བླ་མ་ཞེ་དགུ་སྡོད་ནས་ནོར་མང་པོས་གང་ནས་འདུག་པ་ལ། རི་དེ་ལ་འགྲོ་བ་མང་པོས་བླ་བའི་ཆོས་གཅིག་ལ་ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ཚེ། ལྟ་ན་མེད་པའི་གནས་མཛེས་པ་ཞིག་ཡོད་པས་མི་རྣམས་འོངས་པས། རྒྱལ་བློན་སོགས་རིམ་གྱིས་ཐོས་ནས་ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ཚེ། ངའི་གནས་འདི་ལ་མི་མོས་སླེབས་མི་ཡོང་ངས་མིང་ནི་ཐོས་ན་བདག་ལ་གཉོལ་སློབ་པོག་པ་ཡིན་པས་ཡེ་མི་ཚོག་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། གལ་དེ་སྲིབ་

པོག་ན་སྟོད་ཞེ་དགུའི་རྩམ་ཕྲུབ་དེ་བསངས་དང་དྲི་བཟང་གིས་བྱུག་ནས་ཞག་ཞེ་དགུར་མཚམས་ལ་འདུག་པ་ཡིན། བདག་གི་ཁྲུས་སོགས་དེ་དང་འདྲ་ན་ལུས་ཀྱང་ཕྱུག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ལོང་མེད་ཞེས་ཟེར་བཅོལ་ལོ། །དེ་ནས་བླ་མ་ཨ་མཚན་ཅན་ཞིག་ནམ་མཁའ་ནས་འོང་བ་ལ་ཐོས་ནས་རྒྱལ་བློན་སོགས་འོངས་པ་ལ་མཆོད་རྫས་དཔག་ཏུ་མེད་པ་གྲོགས་ནས་བླ་མ་ངོ་མཚར་ཅན་ཞིག་ནམ་མཁའ་ནས་ཕེབས་པ་སློབ་མ་དང་བཅས་པ་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་ཞུས་པ། གང་ནས་བྱོན། གང་དུ་ཕེབས་ཟེར་བ་ལ། བླ་མས་བདག་དགའ་ལྡན་ནས་འོངས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་ནོ་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཟབ་ཅན་སྒྱུར་དུ་འགྲོལ་བའི་ཆོས་ནི་འཆད་ཟེར་བ་ལ། བླ་མས་ཆོས་ནི་ལེགས་པར་བསྟན་ཏོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཉིན་རེ་བཞིན་འགྲོ་བ་ལ། བཙུན་མོས་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཉིན་རེ་རེ་གང་དུ་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། རིན་ཆེན་རི་ལ་བླ་མ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་འགྲོ་ཟེར་རོ། །བཙུན་མོ་ན་རེ། བདག་གིས་ཕྱག་འཚལ་དུ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བླ་མ་ལ་མི་མོས་ཕྱག་མི་ཚུང་སྐད་ཟེར་བ་ལ་བཙུན་མོ་ན་རེ། སངས་རྒྱས་ཀྱིས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་བརྩེ་བར་མཛད་པ་ལ། མི་མོར་མི་བརྩེ་བ་ནི་སངས་རྒྱས་གང་གི་ཚུལ་ཡིན་ནས་བདག་གིས་ཕྱག་བགྱིད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་རྟར་ཡིན་ནོ་ཟེར། བཙུན་མོ་ན་རེ། མི་ཚུང་བའི་ཚུལ་མེད་དོ། །བདག་གིས་ཀྱང་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ཞིག་ལ་ཁྱོད་སོང་ལ་བླ་མ་ལ་ཞུས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་ཕྱིན་ནས་གཟིམ་འགག་ལ་སྨྲས་པས། ཕྱག་བྱེད་པའི་ཚུལ་མེད་དོ་ཟེར་ནས་ཁྲོས་པ་ལ། བློན་པོ་ཕྱག་ནས་ཁྲིམ་ལ་ཕྱིར་བས། རྒྱལ་པོས་བཙུན་མོ་ལ་སྨྲས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། མི་མོས་དགེ་བ་མི་བྱེད་ན་འགྲོ་ཀུན་སྲིད་པ་སེད་དོ། །སངས་རྒྱས་ལ་ཕྱག་མི་འཚལ་ན་ཕྱིས་པུ་འཕྲད་པར་དཀའ་བ་ཡིན། །དེ་ལྟ་འཆི་དང་ངོས་ནས་པོ་ཏི་རྩེ་ཕྱིས་ནས་ཕྱག་བགྱིད་ཟེར་ནས་སྒུར་དུ་མཚམས་ལ་འདུག་པར་ཆས་པ་ལ། ཕྱས་རོས་གཡན་ནས་ཨ་མ་དཔོས་པའི་རྒྱུ་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཨ་མས་བླ་མའི་རྒྱ་མཚན་རྒྱས་པར་བཤད་དས། ཕྱིས་མོ་རེས་རྒྱལ་པོ་ལ་སྨྲས་པ། ཕྱོན་དུས་པུ་ཧྲི་ཧྲ་བྲའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྣམས་བྱད་རེད་ནི་འཛིར་བ་ཡོད། ཡབ་ལྷ་རྒྱལ་པོ་གསར་བར་བྱེད་པ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དངོས་མ་འོངས་ད་རྟར་བའི་བྱང་ཆུབ་པེར་པ་དང་འ་རྣམས་ཀྱི་ཚུལ་ནི་བདག་གིས་མ་གསར། ཇི་འདྲའི

ཚུལ་ཞི་དེ་ལྟར་ཡིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། ཨ་མ་དང་འབྲལ་བར་འཆི་འཕོས་ཏེ་ཤུས་གཅིག་འཁོབ་ནས་ཕྱག་འཚལ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་འཛེམས་ནས་བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་དང་ངེས་པར་འབྲལ་པོ་སྐྱས་ནས་ཁྲིད་ནུས་པས་ད་དུང་ཕྱོད་ཅིག །བླ་མ་ལ་བདག་ཞུར་ཟེར་ནས་སོང་བ་ལ། བླ་མས་དུང་དུ་སྤྱིངས་ཕྱག་འཚལ་ནས་སྨྲས་པ། བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་ཕྱག་མ་འཚལ་ན་ངེས་པར་འཆི་འཕོས་པ་ཡོད་དེ་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། ངེས་པར་འཆི་ན་བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་ཕྱག་འཚལ་གཏན་ནས་མར་འོང་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་དེ་གཉིས་ཕྱག་འཚལ་དུ་ཕྱིན་ནོ། །དེས་གཟིམ་འགག་པ་ལ་སྨྲས་པ། བཙུན་མོ་སོགས་སྒོར་དུ་བཏང་ནས་སྲས་མོ་རྗེས་སུ་བཙུག་ཟེར། རྒྱལ་པོ་སོགས་སྒོར་དུ་བཙུག་ནས་དེ་དག་གི་རྗེས་སུ་སྲས་མོ་འཛུག་པར་སྐོ་ཀུན་ཁེགས་ཏེ་བླ་མའི་དུང་དུ་སྤྱིངས་ནས་ཕྱག་བྱེད་པའི་ཁར་བླ་མས་སྲས་མོ་འི་སྐྲ་ནས་བཟུང་སྟེ་འགྲམ་ལ་ཐལ་ལྕག་བརྒྱབ་པ་ལ། སྲས་མོ་ན་རེ། ཨའི་བླ་མ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་བྲབས་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། མཁའ་འགྲོ་མ་གང་གི་ཚུལ་དུ་མི་པོ་འི་མིང་ཐོས་ན་གསོལ་པ་ཡོད། མ་དང་མཁའ་འགྲོས་འགྲོ་བ་རྣམས་ཀྱི་དོན་མཐའ་དག་བསྒྲུབ་པ་ལ། ཁྱོད་ཀྱིས་ཅི་བྱས་པའི་བུ་མོ་ཡིན་ནམ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བླ་མའི་ཚིག་བདེན་ན་ཡང་བུ་མོ་བདག་རྒྱལ་པོ་བཞིས་སློང་བ་ཡོད། པོ་སྐྱེས་རྣམས་བདག་མཐོང་ན་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པས་པོ་ཡི་མིང་ཙམ་ཡང་མ་གསན་པར་སེམས་པ་ཡོད་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། དེ་ལྟ་ཡིན་ན་བདག་གི་སྦྱིན་བདག་རྒྱལ་པོ་དཔལ་ཞེས་བྱ་བ་ཡོད་དོ། དེའི་བུ་དོན་གྲུབ་ཅེས་བྱ་བ་ཡོད་པས་དེའི་བཙུན་མོར་བྱ་བའི་ཆེད་དུ་སོང་ཟེར་བ་ལ། ཁྱོད་ཀྱི་ངག་བཞིན་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ་ཟེར། བླ་མ་ན་རེ། བདག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་སོང་ནས་མི་ཡི་ཚུར་མར་འབྱུང་བ་རྨིས་སྐད་ཞེས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་ཤིག་ཟེར་རོ། །བུ་མོས་རྨི་ལམ་རྨིས་པ་བཞིན་དུ་རྒྱལ་པོར་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་རྨི་ལམ་འདི་ནི་ལྟས་ངན་གྱི་རྨི་ལམ་ཡིན་ནམ། འོན་ཀྱང་བླ་མ་ལ་ཞུ་རྟགས་ནས་ཕྱིན། དེ་བླ་མ་ལ་ཞུས་པས། བླ་མ་ན་རེ། འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་པའི་དུས་ལ་བབས་པ་ཡིན་པས་ཤར་ཕྱོགས་ན་རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་ལ་ཆུང་མ་མེད་པས་དེ་ལ་བཙུན་མོ་བྱེད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། དེ་ལྟ་བུའི་ཡུལ་དབེན་པར་སྲུས་ཕྱིན་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། རང་ཉིད་ཀྱང་འགྲོ་བའི་དོན་ལ་དེར་སོང་ངོ་། །དེ་ལ་སྟེར་བ་ཡིན་ན་ང་དང་ལྷན་དུ་འགྲོ་ཡི་ཟེར་བ་ལ། ནོར་ཟམས་དང་

བཅས་དེ་བྱ་མོ་དེར་གཏོང་ངོ་༎

བླ་མས་སོང་ནས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་ལ་ཕྱིན་པ་ལ། བླ་མས་བྱ་མོ་ལ་ན་རེ། བདག་གི་རྒྱལ་བྱ་རིས་བྱང་ཆུབ་ཤིང་གི་དྲུང་དུ་སངས་རྒྱས་སྟོང་གི་སྤྱན་སྔར་ཕྱག་འཚལ་བྱེད་ནས་བི་ཤྭ་ཀརྨས་བཟོས་པའི་ཁྱོད་ཀྱི་ལུས་བརྙན་མཐོང་ནས་ཁྱང་བྱ་ནས་མི་ཐོན་པས་ཁྱོད་ནི་བཙལ་ནས་རྙེད་དོ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་མ་ན་རེ། འོད་ཀྱི་མདོག་ལ་ཆགས་ན་ཤིན་ཏུ་མཁོངས་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། བདག་དེའི་བློན་པོ་འི་བྱ་ཡིན་ནོ་ཞེས་རྒྱ་མཚན་ཞིབ་པར་བཤད་པས། ཁྱོད་རྒྱལ་བྱ་ལ་སོང་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ན་རང་གཞན་གཉིས་ཀའི་དོན་བསྒྲུབ་བོ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་མོ་ན་རེ། བདག་གིས་དེ་ལ་ཆུང་མར་འགྱུར་ན་སྡུག་བསྔལ་སྤྱོང་བར་འགྱུར་རོ། ང་ལ་མ་ཁྲེལ་ན་རྗེ་ཉིད་ཀྱིས་མ་བླངས་སམ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་ན་རེ། བདག་གིས་སྐྱེ་བ་འདི་ལ་ཆུང་མ་མ་བླངས་ནར་བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་སྤྲད་པ་ཡིན་ནོ༎

ཁྱད་པར་དུ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་སྒོམས་པ་ཡིན་ནོ། །བདག་རྒྱལ་པོ་གཅིག་གི་སྐྱེ་བ་ལེན་ནས་ཆུང་མར་བྱའོ་ཟེར་བ་ལ། བྱ་མོ་དེས་ཤིན་ཏུ་ཡི་མུག་ནས་མི་འདོད་བཞིན་དུ་དེ་ལྟར་བྱས་སོ་ཞེས་ཟེར་ནས། མི་འདོད་བཞིན་དུ་ཁྱང་བྱར་འགྲོ་བས་བྱ་མོས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་རྗེ་ཁྱིབྱུའི་ཐབས་མཁས་ལ་ཐུག་ནས་ཡོངས་པ་ཡིན་ནམ་ཞེས་ཟེར་རོ། །བྱ་དེ་སུ་རིག་གི་སློའི་པར་ན་གཟུགས་བརྙན་ཀྱི་ལག་ནས་བཟུང་སྟེ་འདོན་ནོ་ཟེར་བཞིན་པར། ཕྲས་མོས་བྱའི་ལག་པ་ནས་བཟུང་བ་ལ། སྨྲས་མོ་ལ་མཐོང་ནས་སྨྲས་མོ་འི་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་གཏན་མི་ཉར་པས། སྨྲས་མོས་འདི་ལས་ཐབས་གང་གིས་འབྲལ་ལོ་སྙམ་ནས་སེམས་གདུང་སྟེ་འདུག་གོ །དེ་ནས་ཕྲས་མོས་འཁྲིད་པའི་མི་རྣམས་ལ་དགའ་སྟོན་བྱས་ཏེ་ལོག་པའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་སོགས་བློན་པོ་སྟོན་མོ་བྱས་པ་དང་། དབུས་ལོངས་ལ་ཕྱིན་པ་གཏོང་བ་སོགས་བྱས་ནས། བློན་ཕྲས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་དྲུང་དུ་བཏུགས་པ་ལ། ངང་པ་ཕོ་མོ་གཉིས་འོངས་ནས་ངང་པ་ཕོ་ནི་མོ་ལ་ན་རེ། བློན་བྱ་དེ་འདི་མཐུས་རྒྱལ་བྱ་རྙེད་ཀྱང་བསམ་པ་ཤག་ལོག་སྐྱེད་ཀྱང་དོན་མེད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ངང་མོ་ན་རེ། ཅིའི་ཕྱིར་དུ་སྡུག་གམ། ངང་པོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་གཟི་བརྗིད་ཅན་གྱི་ཕྲས་མོ་བླངས་ཀྱང་ཕྲས་མོ་འདི་ལྷན་ཀྱིས་ཤེས་ན་བཙུན་མོ་ཉིད་ཀྱིས་དུག་སྦྱིན་པ་ཡོད། དེ་ནི་ཟོས་ན་ངེས་པར་འཆི་ཟེར་བ་ལ། ངང་མོ་ན་རེ། དེ་ལ་ཐབས་མེད་དམ་ཟེར་བར། དེ་ཤེས་པའི་མིས་འབོན་སྒྲོན་ཅི་ཡོད་ཟེར་བར།

ངང་མོ་ན་རེ། སྡུག་བསྔལ་གཉན་ཡོད་དམ་ཟེར་བར་བསུ་བ་འོང་བ་ལ་ནཱ་དཀར་པོ་དང་གོས་དང་སག་ཕྲག་
དང་གཡུ་སྦྱིར་བ་ཡོད། ནཱ་ཁྱོན་ན་འབྲུག་འགྱུར་གོས་པག་ཕྲག་ནི་གཉམ་ ཅུགས་སུ་འགྱུར་ནས་འཇིགས་སོ།།
དེའི་ཕར་ན་བཅུག་བའི་མཚོར་རང་འགྱུར་ནས་བར་དུ་བཏོ། །བྲག་ལ་ཉལ་བས་མཚན་མོར་གཉིད་
ལོག་པ་ལ་གདུག་སྦྲུལ་སྦྲང་ནས་རྒྱལ་བུ་འདི་ནི་ཟའོ། །ངང་མོ་ན་རེ། མིས་དེ་ནི་ཛེ་ཏ་བུ་ཤི་བྱེད་ཟེར་
བར། དེ་ནི་ཤིས་ནས་ཧོ་ལ་བོང་དུ་འགྱུར་ན་གསོས་སོ། །ཕྲུས་འདི་ལས་བུ་སྐྱེས་ན་བསད་ནས་ཁྲག་
འཐུང་ངོ་ཟེར་ནས་འཕུར་སོང་ངོ་། །བློན་བུས་སེམས་པ་འདི་ནི་ཐབས་གང་གིས་སྐྱེད་སྙམ་ནས་རྒྱལ་
བུ་དང་ཕྲུས་མོ་གཉིས་བསད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་ས་མཚམས་བྱས་ནས། རང་གི་རྒྱལ་པོ་གཞི་བརྟེན་ཅན་ལ་
གཏད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་བཙུན་ལ་ཞུས་པ།།

བདག་འཕགས་པ་ཀུན་རས་གཟིགས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས་མཚམས་ལ་འདུག་ནས་གྲོལ་དེ་ཕྲུས་མོ་
སྐྱང་བར་བྱེད་པར་འོངས་སོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་སྨྲ་མོ་སྐྱེར་རོ། བུ་ན་རེ། བདག་
བུ་མོ་རང་གི་པ་མར་ཞུས་ཏེ་བླངས་སྐབས་ནས་སྐྱོང་བས། ཕྲུས་མོ་སྐྱེར་བ་ལ་རྒྱ་མཚན་ནམས་ཕྲུས་
མོ་ལ་རྒྱུས་པར་བརྟུད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྐྱེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ཕྱར་ནི་འཇིགས་ནས་ཚོད་ན་མི་ཚུགས་དུག་
གིས་ཚུགས་སོ་སྙམ་ནས་སྐྱེར་བ་ལ་ཞེགས་སོ་ཟེར་རོ། །པོ་ཉ་སོང་བའི་རྗེས་སུ་དུག་ནི་ཆུ་ལ་བཏབ
པས་ཆུ་བསྐོལ་ལོ། །པོ་ཉ་བྱིབས་བ་ལས་སྨྱས་པ་ལ། ཡང་ནཱ་དཀར་པོ་དང་གོས་དང་གཡུ་རྣམས
སྐྱེར་བ་ལ་བློན་བུས་དགའ་སྟོན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་ནཱ་དེ་ཤིང་ལ་བཏགས་ཏེ་གོས་ནི་གྱོན་པག་ཕྲགས་ཀེད་
ལ་བཏགས་པ་ལ་ནཱ་དེ་ནི་འབྲུག་གྱུར། སག་ཕྲགས་ནི་གཉམ་ཐོག་ཏུ་གྱུར། གོས་ནི་མེའི་ཕུང་པོར
གྱུར་ཏེ། ཤིང་དེ་ནི་རྩ་བ་ནས་བཏྲག་གོ །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་དང་ཕྲུས་མོ་གཉིས་འགྲོས་པོ། །བློན་བུས
ཞོ་རྣམས་གསོལ་ཏེ་བྱས་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་སྐོར་བཅུག་པ་ལ་ཞོ་དེ་ཉིད་རྟོར་གྱུར་ནས་མནན་པ་ལ་ཕྲུས
མོ་ཞིས་འབོད་ང་ལ། བློན་བུས་འདྲེན་ནོ། བློན་བུས་འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། །འདི་ནི་འཇིགས
པ་ཞས་སྐྱོབས་སོ། །མཚམས་དེ་ནི་འཇིགས་པ་སྦྲང་བས་དེ་ལས་སྐྱབ་སྙམ་ནས་བསྡད་པ་ལ། སྦྲུལ
ཆེན་པོ་ཞིག་སྦྲང་ནས་མེད་པར་བྱས་ཁར་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲིས་བཅད་དོ། སྦྲུལ་ཁྲག་རྒྱལ་བུའི་མཆུ
ལ་ཐོག་པས། བློན་བུས་དུག་ཁྲབ་སྙམ་ནས་ཁྲག་འཕྱི་བས་སད་ནས་ཁྱོད་ནི་ང་གསོད་བའི་དགོས་པ

ཅི་ཡོད་ཟེར་ནས་འཐབ་རྩོད་བྱས་པ་ལ། སྔོན་བྱས་ན་རེ། ཁྱོད་ཉིད་རྣ་ཅ་འགྱུར་བར་དོགས་ནས་མི་སྨྲས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་གྲོས་དཔ་རལ་གྲི་བརྒྱབ་བོ། སྔོན་བྱས་ཁྱོད་ཀྱི་ལག་ཏུ་གསོད་པ་ལས་རྡོ་ནག་ཏུ་འགྱུར་བ་ལེགས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། དོ་བར་འགྱུར་ན་གསོ་བའི་ཐབས་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། སྔོན་བུ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོར་ཁྲག་སྦྲག་ན་སོས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་ཁྱོད་ནི་དོར་འགྱུར་བ་ནི་གང་ཟེར་བར། སྔོན་བུ་ན་རེ། སྤྲུལ་ཉིད་ཁྱོད་མེད་པའི་ཁར་བསད་པ་ནི་བདེན་པ་ཡིན་ཟེར་ནས་རྡོ་ཅ་གྱུར་ཏོ། །དེའི་ནང་བར་བཙུན་མོ་འོངས་ནས་སྔོན་བུ་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། གཡོ་ཅན་རང་གི་ཁྲིམ་དུ་སོང་ཟེར་བར། དོ་འདི་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ་ཐུང་ཡོད་པའི་རྡོ་ཡིན་ཟེར། སྤྲུལ་འདི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ་མཚན་མོ་ཉིད་ལ་སྤྲུལ་འོངས་པས་ངས་བསད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། སྔོན་བུ་མི་འོངས་པས་གང་དུ་སོང་ཟེར་བ་ལ། དགོས་པ་ཞིག་གི་ཆེད་དུ་གཏན་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། སྲས་མོ་སྨྲེ་ཐུགས་བྱས་ནས་རྒྱལ་བུ་མི་བདུང་བར་བཅང་ནས་བསྡད་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་ཐར་བའི་ཐབས་མེད་པར་གྱུར་ནས་རྒྱ་མཚན་ཞིབ་པར་སྨྲས་པས། བཙུན་མོ་གཉིས་ཀྱིས་རྒྱལ་བུས་བསད་པ་ཞེས་ནས་བཙུན་མོ་གཡེར་གྱི་གྲུར་ཅན་གྱིས་སྤྲུལ་མ་ཡིན་པས་བུ་བཙའ་ནས་བསད་ལ་རྡོ་ནག་ཏུ་སྒྱུག་པས་སྔོན་བུ་གསོལ་སོ།།

གསོལ་ནས་དཀའ་ཐུན་ནས་བདུད་ཅི་སླེབས་ཡོངས་ནས་བུ་ཆུང་ཏུ་གསོས་ལ་བདག་གིས་རྒྱལ་བུ་འདི་དང་འབྲལ་ལོ་ཟེར་ནས་ནམ་མཁའ་ལ་འཕུར་སོང་ནས་རླུང་གི་དཀྱིལ་འཁོར་ལ་འདུག་གོ །བཙུན་མོ་གཉིས་བུ་པང་ནས་འཕུར་སོང་ནས་དེར་བསྡད་དོ། །རྒྱལ་བུ་ཁང་སྟེང་དུ་འཛེག་སྟེ་བལྟ་བར་སོང་ནས་རླུང་སྟེ་ཀང་པ་ཆག་ནས་ཤལ་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་རང་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འོངས་ནས་ཤིག་གཉིས་བཀོ་ནས་ཀང་ལག་ནམས་ཆག་ཉས་འདམ་རྫབ་ཀྱི་ནང་དུ་དོར་རོ། །སྲས་མོ་སྡུག་བསྔལ་ལས་རྒྱབ་ཞེས་འབོད་པས་གཡེར་གྱི་གྲུར་ཅན་གྱིས་འགྲོ་བ་སྒྲིབས་པའི་མཁའ་འགྲོ་མ་ཡིན་པས་ཟུ་བཏབ་ནས་གསོས་སོ། །ཡང་ཡབ་རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་བསྐྱད་དོ། །ལན་ཞིག་ཏུ་སྔོང་བ་ལ་སྔོན་བྱས་མདུན་དུ་ནི་གཡེར་སྤྱོད་པ་བྱས་པས་རྒྱལ་བུས་གཡེར་གྱི་ཐད་དུ་འགྲོ་ནས་སླེབས་ཁར་ངས་ཤིག་ཡོང་བྱེད་ཟེར་ནས་འགྲོ་བས་མི་མཐོང་ངོ།། སྔོན་བྱས་སྲས་མོ་ཁྱོད་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རྒྱས་པའི་དུས་ལ་བབས་པ་ཡིན་པས། གཡེར་གྱི

ཀྱིན་ཅན་ཆོད་རི་བ་མ་ལ་ཡའི་མདུན་ཕྱོགས་སུ་སང་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྐྱང་བའི་རྒྱལ་པོའི་སྲས་
ཞར་ཕྱིས་དུས་འགྲོ་དོན་ཅེད་དོ། །དབུལ་གྱི་ཀྱིན་ཅན་ཆོད་མ་ལ་ཡའི་བྱང་ཕྱོགས་སུ་དེ་ཉར་དོན་ཅེད་
ད་ཟེར་བ་ལ། གསེར་གྱི་ཀྱིན་ཅན་གྱིས་ན་རེ། བདག་ནི་ཆོད་ཀྱི་ནུ་བོར་ཆེན་ཟེར། དེ་ནས་སྲས་མོ་
གཉིས་ཤི་འཕོས་སོ། །ཟླ་ནི་མཚམས་ལ་འཇུག་གོ །ཟློན་ཟླས་རྒྱལ་བུ་སྡུག་བསྔལ་ལས་སྒྲོལ་བས
བའི་ཆེད་དུ་རང་གིས་ཟླ་གན་ཞིག་ཏུ་སྤྲུལ་ནས་རྒྱལ་བུའི་ཉེ་འདབས་སུ་ཕྱིན་ནས་མདུན་དུ་བཀུགས་པ་ལ།
རྒྱལ་བུ་སློབས་ནས་སྡུག་འཚལ་དཔའ་འདུག་པ་ལ། ཟླ་མ་ལགས། གང་ནས་ཕྱིན་གང་དུ་ཕེབས་ཞུས་
པར། ཟླ་མ་ན་རེ། འཁོར་བའི་སྡུག་བསྔལ་ལས་འཇིགས་ནས་མི་མེད་པའི་ནགས་ཁྲོད་དུ་བསམ་
གཏན་བསྒོམ་པར་འགྲོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བདག་སློབ་མར་འགྱུར་ནས་འགྲོགས་པས
བདག་ལ་ཐོས་པ་འབོགས་གནང་ཞུས་པར། ཐོས་པ་འབོགས་བསླབ་བྱ་རྣམས་ལེགས་པར་གདམས
ནས་འཁྲིད་བ་ལ། རི་བོ་གཅིག་ལ་གནས་པའི་གཙུག་ལག་ཁང་ཞིག་མཐོང་ནས་ཟླ་མ་དེར་ཕྱིན་ལགས
སམ་ཞུ་བ་ན། ཟླ་མ་ན་རེ། དེར་ཕྱིན་པའི་དགོས་པ་ནི་ཅི་འགྱུར། སློབ་མས། ང་ཅག་ལ་
ཞོ་དགོས་པས་བློང་མོ་བྱེད་ཟེར། ཟླ་མས། འོ་ན་ངས་སྡུག་འཚལ་བྱེད་པར་ཡོང་། ཁྱོད་འདི
ན་སྡོད་ཟེར་ནས་སོང་བས། ཟླ་མའི་ཞབས་ལ་རྡོ་ཐོགས་ཏེ་མ་རུ་སོང་། དེ་སྐབས་སློབ་མས་གཡེར
ཀྱི་དོང་ཅོ་གཅིག་རྙེད་དེ་དགའ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། ཟླ་མའི་ཞབས་ལ་ཁྲག་ཆགས་པ་མཐོང་ནས་དེ་ལ
སྡུག་འཚལ་བའི་དགོས་པ་ཅི་ཡོད། བདག་གིས་རྙེད་པའི་གསེར་ཀྱི་དོང་ཅོས་ཆོག་གོ་ཟེར་ན་མཐོང་ངོ།།

དེ་ནས་ཡང་གཙུག་ལག་ཁང་གཅིག་མཐོང་སྟེ་སློབས་ཁར་དུང་འབུད་པས། སློབ་མ་ན་རེ། བདག
ནི་འགྲོ་ཟེར་ནས་ཕྱིན་དགོན་པར་བཅུག་གྲལ་ལ་འཁོད་པས་དེ་འི་ཆ་སྙན་པར་སྨྲ་བས། རྒྱལ་བློན་དང
དགེ་འདུན་རྣམས་ཀྱིས་ཀ་ལས་དེ་མཆོག་ཏུ་ཡ་མཚན་པར་གྱུར་ཏོ། །དེ་ལ་འབུལ་ནོར་མང་པོ་ཕྱུང་བས
སྙིད་པ་ཆེར་སྙིད་དོ། །དེ་ནས་སློབ་མས་ཟླ་མ་ལ། ཁྱོད་ནི་བདག་གི་སློབ་མར་འོས། བདག་ནི
ཁྱོད་ཀྱི་ཟླ་མར་འོས་པ་ཡིན་ཟེར་བས། འོ་ན་རྩང་ཟེར་ནས་སློབ་མའི་ཚུལ་དུ་བརྟེན་པའི་ཚེ། མཚན
མོ་ཅིག་ལ་ཁོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོས་ང་ལ་དོ་ནུབ་ཤོག་ཟེར་བས་ང་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། ཟླ་མ་ན་རེ། དེར
ཕྱིན་པའི་དགོས་པ་མེད་ཟེར་བ་ལ་མ་ཉན་པར་སོང་ངོ། །དེ་རྒྱལ་པོའི་བཙུན་མོ་ཆུང་བའི་གནས་སུ

སོང་སྟེ་སྒོ་ལྕགས་ཤིག་སྟེ་བཙུན་མོ་བརྒྱ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པས། བྲ་མས་འདི་ཅི་ཡིན་དྲིས་པས། ཁོ་ནས་ཅི་ཡང་མི་སྨྲ་བར་སྡུར་དུ་འགྲོ་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། །སློབ་མ་དེས་བཙུན་མོ་ཁྲར་ཏེ་འགྲོ་བ་ལ་བཙུན་མོ་སད་དེ་འོ་དོད་འབོད་བྱེད་བྱེད་པ་ལས་ཁོ་འདི་མགུལ་དུ་ཞོན་ནས་མགུལ་པར་གཞང་གཙི་འདོར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཤེས་ནས་སྐྱེགས་ཏེ་བཙུན་མོ་ཕོབ། སློབ་མ་དེ་བཟུང་ནས་སྦྲོག་༧་མ་ཆད་ཅམ་དུ་བརྡེག་གོ། བྲ་མས་ལྕགས་བཏབ་སྟེ་གཡོས་ནས་འགྲོ་འོ།། དེ་ནས་དགོན་པ་གཅིག་ལས་ཤར་བཞིན་གསེར་དངུལ་ལས་གྲུབ་པའི་མཆོད་རྟེན་གཉིས་བརྒྱ་བས་དགེ་འདུན་རྣམས་ཤེས་ཤིང་སྐྱེགས་པས་བྲ་སློབ་དེ་གཉིས་མཐོང་བས་བཟུང་སྟེ་གཡེངས་པས་བླ་མའི་འཁོར་ནང་ནས་གསེར་གྱི་མཆོད་རྟེན་ཕྱེད། སློབ་མའི་ཁྲར་ནས་དངུལ་གྱི་མཆོད་རྟེན་ཕྱེད་པས། དེ་གཉིས་བཟུང་ནས་མ་བཏང་བ་ལ། སློབ་མས། ངས་བརྒྱུས་པ་ཡིན་ངའི་ལུས་ཞིག་སྟེ་སྟོང་པར་གྱུར་ཅིག་ཞེས་པ་དང་། བྲ་མས། ངས་ངེས་པར་བརྒྱུས་པ་ཡིན་ན་ངའི་ལུས་འདི་རང་བཞིན་དུ་གནས་པར་གྱུར་ཅིག །གལ་ཏེ་མ་བརྒྱུས་པ་ཡིན་ན་འོད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཅན་དུ་བཞུ་ནས་གསེར་གྱི་མཆོད་རྟེན་འདི་ལ་ཐིམ་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་དམོད་པས་སློབ་མའི་ལུས་སྟོང་པར་གྱུར། བྲ་མའི་སྐུ་འོད་ཟེར་སྣ་ཚོགས་པར་གྱུར་ཏེ་མཆོད་རྟེན་ལ་ཐིམ་པས། དེ་དག་ཡ་མཚན་དུ་གྱུར་ཏེ་སློབ་མ་དེ་འདྲེ་དངོས་སོ། །བྲ་མ་འདི་སངས་རྒྱས་དངོས་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེར་ནས་ཕྱིར་ལོག་གོ །མཆོད་རྟེན་དེ་བསྐལ་པ་སྟོང་གི་བར་དུ་མི་གཞིག་པའི་རང་བཞིན་ཅན་དུ་གྱུར་པས་ཀ་ཛ་གྲི་ནའི་དགོན་པར་རྟེན་གྱི་གཙོ་བོར་བཞུགས་སུ་གསོལ་ལོ། །དཀའ་ལྡན་གྱི་གནས་འཕོ་བའི་ཉང་སྟོང་གཉིས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་ཤིང་མི་བཅུ་གཉིས་པས་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་གཉིས་པའོ།། །།

## ལེའུ་བཅུ་གསུམ་པ།

༄༅ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཧེ་བྲཧྨིས་ཡང་ཁྲི་ལ་བསྐྱོད་པར་ཆས་པ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་གིས་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ཕྱིར་ལོག །འདུག་མི་རུང་། ངས་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཛི་ཏའི་བརྗོད་ཀྱི། ཉོན་ཅིག་ཟེར་ནས། སྔོན་རྒྱལ་པོ་ཉི་མ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་བཙུན་མོ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །བཙུན་མོ་དེ་ལས་མ་གཏད་པའི་མདོག་ཅན་གྱི་ཁྱིའུ་དང་བུ་མོ་གཉིས་བཙས་སོ། །ཁྱིའུ་དེའི་༡་བ་གཉིས་གསུ་དང

འདྲ་བས་གསུངས་ནི་ཙན་ཀྲུལ་ཟུ་ཞིས་མིང་བཏགས་སོ། །རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ཀྱིས་དེ་གཉིས་ལ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ཤིང་བརྩེ་བར་བྱེད་དོ། ཕྱིས་བཙུན་མོའི་བུད་གཟུགས་ཟེ་དམན་དུ་འགྱུར་བ་ལ་ཡི་སྨུག་སྟེ་རྒྱལ་ངོས་བཙུན་མོ་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་བྱད་མདོག་ཉར་ལས་ཟེ་དམན་དུ་འགྱུར་བས་ཁྱོད་ཀྱི་ལུས་ལ་ནད་ཡོག་གསམ་ཅི་ཉེས་ཅེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཀྱེ་རྒྱལ་པོ་མཁྱེན་མཁྱེན། བདག་གི་ལུས་ལ་ནད་ཆུང་ཟད་ཀྱང་མེད། འོན་ཀྱང་འགྲོ་བ་གང་ཡང་སྐྱེ་བའི་ཐ་མ་འཆི་བ་ཡིན་པས་ངའི་རྗེས་སུ་དྲིན་ཅན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཀྱིས་ཟླ་གུ་གཉིས་སྡུག་བསྔལ་བར་འགྱུར་བ་ལ་བསམསམས་དེ་ཉིད་རེ་བཞིན་སེམས་སྐྱོང་ཤིང་གདུང་བས་ནད་དངོས་ཐག་པོ་ཐེབས་པ་ལས་ལྷག་པའི་སེམས་ཚོར་སྡུག་བསྔལ་དཔག་ཏུ་མེད་པས་ཤིན་ཏུ་མནར་བར་གྱུར་དོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས། ཀྱེ་ཉུད་གཅེས་པའི་བཙུན་པོ་གསོན་ཅིག །མ་ལ་ཟླ་གུ་གཉིས་པོ་ལ་ང་ཅག་མིག་འབྲས་ལས་ཀྱང་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ཡོད་ལ་ཟླ་ཟླ་ཅག་ལས་གང་ཟུར་འདས་ན་ཕྱིས་ལུས་པ་གང་ཡིན་པ་དེ་ནི་ཟླ་གུ་གཉིས་ལ་ཆེས་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ན་སྡུག་བསྔལ་སྐྱོང་བའི་ཚུལ་ནི་ག་ལ་ཡོད། ཞེས་ཟེར་རོ།།

དུས་རེ་ཞིག་ན་སྙིང་རྡུར་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་ནི་འཁོར་བའི་ཆོས་ཉིད་འཛིན་པ་ལ། ཐམས་ཅད་ཀུན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་དང་། །གཅེར་པས་སྐྱོང་བའི་དཔོན་བློན་ཆེ་ཆུང་དང་། །འབངས་ཚབ་མང་དང་མངའ་འོག་ལ་སོགས་པ། །སྐར་ནི་འགྲོ་ཀུན་སྡུག་བསྔལ་ལ་སྐྱོར་རོ། །ཞེས་ང་གསུམ་གྱི་བར་སྐུ་ངན་བྱེད་པ་ལ། །དེ་སྐབས་དཔོན་བློན་ཆེ་ཆུང་སོགས་པ་ཀུན་གྱིས་ཤེས་ནས། ཐམས་ཅད་གཅོར་བྱེད་བློན་པོ་སྨྲུལ་པ་དང་། །ཤར་ཕྱོགས་གཅོར་བྱེད་བློན་པོ་མཛངས་པ་སོགས་ཚོགས་ནས་བགྲོས་བས། ཤར་ཕྱོགས་བསྐོས་པའི་བློན་པོ་མཛངས་པ་ན་རེ། རྙེད་པར་དཀའ་བའི་བསྟན་སྲིད་རིན་ཆེན་ཟླ་ཟླ་རྣམ་གཉིས་ཤིན་ཏུ་ཐུས་པར་བྱེད་པོ་མི་དབང་རྒྱལ་པོ་འདི་ནི་ཤིན་ཏུ་རྒྱ་ཤལ་ཆེན་པོས་དག་ཏུ་མནར་བཞིན་པར་ཡོད་པས་དགོས་པ་ཅི། དེ་འདི་ཕྱིར་ཐམས་ཅད་འཚོགས་དེ་རྗེ་བ་བྱས་ན་རྒྱལ་ངོའི་སྐྱོ་སེང་ཡད་འདྲ་རྣམ་ཟེར། འོན་ཀྱང་ཁྱེད་རྣམས་ཀྱིས་ཇི་ལྟར་བྱས་ན་དྲག་ཏུ་དགོངས་ཞེས་སྨྲས་ལ། གཡས་ཕྱོགས་མི་འཚོ་བ་བསྐྱོལ་བའི་སྨྲུལ་བ་བློན་པོ་༧་རེ། ངོ་སྐྱོལ་ས་ལ་རྒྱལ་བློན་འབངས་སོགས་ཀུན་གྱི་སེམས་མཐུན་ཕྱིར་དུ་གྲོས་བྱེད་པ་ལགས་ན་ང་གཅིག་ཟུས་འདའ་མི་ནུས་ཤས་ཐབས་མེད་དོ་ཞེས་ཟེར་ནས་ཀུན་གྱིས་རྗོན་པ་བྱེད་ངར་གྲོས་འདྲེངས་དེ། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་བས་རྒྱལ་པོ་དགའ་སྟེ་ཇོན་པ་ཐུབ་སོ། །གཡས་ཀྱི

བློན་པོ་གཡས་པ་དང་། གཡོན་གྱི་བློན་པོ་གཡོན་ཕྱོགས་སུ་འགྲོ་བ་ལ། གཡས་བློན་གྱི་ངོགས་ཤིག་ཏུ་བུད་མེད་གཞོན་ནུ་མ་འདུག་པ་མཐོང་ནས་སྙིང་ལ་མདའ་ཕོག་པ་ལྟ་བུར་གྱུར་ཏེ་ཕྱིར་བརྟེས་ཏེ་སོང་ངོ་། དེའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་ཕེབས་པས། བུད་མེད་གཡོ་ཅན་དེའི་ལུས་ལ་འོད་ཐོན་ནས་རྒྱལ་པོ་འདི་རིག་ལམ་དུ་ཕོག་པས་རྒྱལ་པོ་དེའི་བསམས་པ་ལ་མི་འདིའི་འོད་ངོ་མཚར་ངོ་སྐྱབ་སྐྱེ་རིམ་གྱིས་གཡོ་ལྡན་མོ་དེའི་གམ་དུ་སོང་བ་དང་། བྲག་ཁང་གཅིག་གི་ནང་དུ་བརྟེས་པས། བུད་མེད་གཞོན་ནུ་མ་མཛེས་ཤིང་ཤིན་ཏུ་ཡིད་འཕྲོག་པ་ལྟ་བུ་ཡོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་བདག་ལ་ཕྱུལ་བའི་རྒྱལ་སྲིད་བཙུན་མོ་ཕེབས་པ་འདྲ་ཞེས་དགའ་ནས་བྲོངས་ཏེ་ཕོ་བྲང་དུ་སོང་ངོ་། རྒྱལ་པོ་པོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་པའི་རྗེས་སུ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་དང་བུ་གུ་ནུས་པས་ཐམས་ཅད་བརྗེད་དོ།། སྤྲུལ་པའི་རྫོན་པོ་བཟང་པོ་བློ་གྲོས་ཅན་དེས་བུ་གུ་གཉིས་བདུད་མོའི་ལག་ཏུ་ཤོར་བར་དོགས་ནས་ཁོང་ཉམས་ལ་མ་ཆོད་པར་ཕོ་བྲང་ཞིག་ཏུ་སྦས་ཏེ་ཕྱིར་མ་ཐོན་པར་གཏུག་གོ། དུས་རེ་ཞིག་ན་གནོད་སེམས་ཅན་འདུད་མོ་དེ་པོ་བྲང་གི་ཕྱི་ཕོགས་ཤིག་ཏུ་རྡད་པའི་ཚེ། དཀོན་པའི་བུ་ཚུང་གཉིས་སྐྱེ་སོང་བའི་ཕྱིར་ཆོགས་ཏེ་རྩེད་མོ་བྱེད་ཅིང་ཡར་ཚུར་འགྲོ་བས། འདྲེ་དཔོན་བདུད་མོ་དེ་ཡི་མིག་ལམ་ལོག་པ་ཡིས། །ཚོགས་འཁྲིད་བྱེད་པའི་མི་ནུས་པ་མ་ལུས་བསྣུབས། །བདུད་མོས་ཡང་ཡང་བརྡེག་ཅིང་ནན་གྱིས་དྲིས་པ་ལ། དེར་ཚོགས་མི་ལས་གྲ་ཤས་གཅིག་ཅམ་ལ། །དེ་གཉིས་བདེན་རླུབ་བཟང་པ་ཡེ་མེད་ཀྱང་། །བདུད་མོའི་མན་ངག་གཟི་ཆེན་དུག་ཆེན་གྱིས། །རང་དབང་མེད་པར་གྱུས་པར་རླུས་ཟིན་ཏོ།།

དེ་ནས་སྡིག་ཅན་བདུད་མོས་བུ་གཉིས་ཀྱི་རྒྱ་མཚན་ནུས་ངེགས་པར་ཤེས་ནས་བདུད་མོས། ཁ་ལ་མཚན་དང་ཆེན་སེར་གཉིས་འགོས་པས། །ཁ་སྦྱབ་འགྱེལ་ཞིང་སྨུག་པོ་ལ་བར་བྱེད། གཅིང་ཀྲ་ཤི་དུ་རྡང་བའི་རྣམ་འགྱུར་གྱིས། །ཀྲ་ཆབ་ཆེན་པོས་མནར་བའི་སྨྲ་བྲད་བྱེད། དེ་ལ་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ན་ལས་ཏེ་ཡི་མུག་བྱེད་ཅིང་སྨན་དཔྱད་སོགས་གང་ཅི་བྱས་ཀྱང་ཕན་པ་མེད་ཕྲོག་བདུད་མོས་ཁ་ནས་སྤྲི་ངག་སྣ་ཚོགས་འདོན་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས། བཙུན་མོ་ལ་ཁྱེད་ཟུར་ནད་འདི་རྟ་བུ་ཐེབས་པ་ཡོད་དམ། ཡོད་ན་སྨན་གང་གིས་ཕན། ནད་ཀྱི་རྒྱུ་ནི་ཤིན་ཏུ་ཟང་ངམ་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཐིན་ཅན་མི་ཡི་དབང་པོ་ཁྱེད་ཉིད་ལགས། །དེ་རྟ་རིང་དུ་འགྱུར་བའི་དུས་ལ་བབས། །ཐབས

མེད་གཤིན་རྗེ་འི་རག་ཏུ་ངེས་པར་འགྲོ། །འཛིགས་པའི་ནད་ཆེན་འདི་ལས་སྐྱོབ་ངའི་སྨན། །སྐྱབས་བྱེད་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ལ་མཆིས་འགས་ལ། །ཞུ་ཡང་མི་གསོལ་དེ་བས་མ་ཞུས་དཀའ། །ཞེས་སྨྲས་རས། རྒྱལ་པོས་དགའ་སྟེ་བཞེངས་བྱེད་ནས། །ཀྱེ་ཀུན་སྲོག་ལས་ལྷག་པར་གཅེས། །མཛེས་ངའི་བཙུན་མོ་ཁྱོད་ཉིད་ཀྱི། །གཅེས་ངའི་སྲོག་ནི་རྟོན་ཕྱིར་བདག །ནོར་ཕྱུགས་ལ་སོགས་མཁོ་དགུའི་ཟས། །འཕངས་པ་མེད་པར་སྦྱིན་དགོས་སོ། །མ་གཡང་སྦུར་དུ་སྤྲོས་ཤིག་དང་། །ཅེས་པས། བཙུན་མོ་དགའ་ཞིང་ཕྱག་འཚལ་ནས། །བདག་གི་སྡུག་བསྔལ་སེལ་བའི་སྨན། །འགྲོ་བའི་མགྲོན་པོ་རྒྱལ་པོ་ཆེ། །གསོལ་ན་ཁྱོད་ཀྱི་བུ་གཉིས་ཀྱི། །ཕྱི་སྙིང་རྩོལ་ན་ངེས་པར་འཚོ།། འཚོ་ན་དེད་གཉིས་སྨིན་པར་ངེས། །གཞན་དུ་གཡོལ་སྨན་ཅི་ཡང་མེད། །ཟེར་ནས་སྤྱི་འདོན་ཁ་བྱབ་བསྒྲལ། །རྒྱལ་པོས་ངེས་པར་དབང་དོན་ནས། །མདའ་འཕངས་འཁྱིད་པའི་ཕྲུ་གཉིས་ལ། །གཅེས་པའི་བུ་གཉིས་ཕྱི་སྙིང་བླངས། །འཇིགས་པ་མེད་པར་སྦུར་དུ་བརྡད། །སྤྱི་སྙིང་ཟློས་ན་ངེས་པར་གསོས། །ཟེར་བས་ཕྲུ་གཉིས་ལ་ཙུར་སོང་། །བུ་གཉིས་འཁྲིད་ནས་རྒྱ་མཚོ་འི་འགྲམ། །ཕྱིན་ཏེ་བཤད་པར་བཙམས་པ་ལ། །བུ་གཉིས་ཤེས་ནས་ངོ་དོད་འབོད། །སྤྱ་ངན་བྱེད་པའི་སྨྲ་ཆེན་སྒྲིགས། །དེ་ཚེ་སྒྲ་བྱུར་མཚོ་དཀྱིལ་ནས། །ལུས་ཆེན་ཉ་དཀར་གཅིག་བྱུང་སྟེ། །མི་གཉིས་དེ་ལ་ཕྱིགས་དེ་སྐྱས། །སྨོངས་ཆེན་ངན་པའི་མི་གཉིས་ཁྱོད་བུ་འདི་གཉིས་ལ་གནོད་པ་མ་བྱེད་ཅིག །གལ་དེ་བྱེད་ན་ངས་ཁྱེད་རང་རྣམས་ཀྱི་རིགས་བརྒྱུད་མཐའ་དག་བརྒྱག་པར་ནི་གདོན་མི་ཟ་ཟེར་ནས། བདུད་ངན་མོ་ལ་འདི་བྱིན་ཅིག་ཅེས་ཕྱི་སྙིང་གཞན་སྤྱེར་ནས་ཡོག་གོ།།

དེ་ནས་ཕྲུ་གཉིས་ཀྱིས་བདུད་མོ་ལ་ཕྱི་སྙིང་འདི་ཡིན་ཞེས་ཕྱུལ་བས་ཟོས་ཏེ་ནད་གཡོས་སོ། །བཙུན་མོ་ཡང་ཏྲ་ན་མེད་པའི་བྱད་གཟུགས་དང་ལྡན་པར་གྱུར་ཏོ། །དེའི་ཕྱིར་རྒྱལ་པོ་ཡང་ཤིན་དུ་དགའ་བས་སྐྱིད་ཅིང་འདུག་གོ །དུས་ཕྱིས་པུ་གདུག་ཅན་བདུད་མོ་དེས་བུ་གཉིས་མ་བཤད་པར་སྦྲས་པར་མཐོང་ནས་ཡང་དྲིས་པ། སྔར་བུ་གཉིས་ཀྱི་སྙེ་དང་སྙིང་ཟོས་ལ་ད་སྐྱ་ཡང་བུ་གཉིས་ལུས་མས་ཞེས་པས། ཤིན་ངན་འཁྲིད་ངའི་མོ་ན་རེ། །སྔར་གྱི་བུ་ལས་ལྷག་པ་མེད། །གསོ་ཅན་ཕྲུ་གཉིས་ཁྱོད་ཉིད་ལ། །ཟ་མལ་ཉ་ཡི་སྙེ་སྙིང་གཉིས། །བྱིན་ཏེ་བུ་གཉིས་སྤྱ་པ་ཡིན། །ཟེར་བས་ལྟར་བཞིན་ནད་ཚབས་ཐེབས་སོ།།

ཀྱི་ཧུད་ཏུམ་ཤིང་སྐྱེ་ངག་འདོན་བཞིན་ཉལ་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་ཤིན་ཏུ་གདུང་ཞིང་ཡི་མུག་སྟེ་བཙུན་མོ་མཛའ་བོ་ཁྱེད་ལ་ནད་བཏབ་བམ། ཞེས་དྲིས་པ་ལ། སྟོལ་མཛད་རྒྱལ་པོས་མཁྱེན་ཅིང་ལེགས་གསོལ་བའི། །ལྷེ་སྐྱིང་ཁྱོད་ཀྱི་བུ་ཡི་ལྷེ་སྐྱིང་མིན། །ཉ་ཡི་ལྷེ་སྐྱིང་བསླུས་དེ་སྟེར་བའི་ཕྱིར། །ཤི་བར་ཐུག་གོ་རྒྱལ་དབང་མཁྱེན་པར་མཛོད། །ཞེས་ཟེར་ནས་རྡ་བར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་དེས་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ་ཅེ་གནས་པ་རྣམས་ལ་མི་ངན་པ་དེ་གཉིས་མྱུར་དུ་འཁྲིད་ཤོག་ཅེས་བསྒོ་བས་མི་གཉིས་འོངས་པ་ལ། ཁྱོད་གཉིས་པོས་བདག་གི་སྲོག་ལས་ཀུང་ལྷག་པར་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་འི་ནད་ཀྱི་གསོས་སྨན་དུ་བདག་གི་བུ་གཉིས་ཀྱི་ལྷེ་སྐྱིང་འོངས་ཁྱེར་ཤོག་ཟེར་བ་ལ། མ་ཁྱེར་བར་འདི་ཡིན་ཞེས་ཉའི་ལྷེ་སྐྱིང་གིས་བསླུས་པའི་རྒྱུ་མཚན་ཅི་ཟེར་བས། ཁྲུ་གཉིས་འཇིགས་དེ་ཉ་ཡིས་སླུས་པའི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་རྒྱས་པར་བཤད་ཀུང་མ་འཇོམ་པར་དེ་གཉིས་ལ་ཡང་མི་གཉིས་བསྟན་དེ་ཁྱོད་བཞི་པོས་བུ་འདི་གཉིས་མཆོད་འགྲམ་ནས་ཕྱོགས་གཞན་དུ་བསད་ལ་ལྷེ་སྐྱིང་རྣམས་མྱུར་དུ་འོངས་ལ་ཤོག་དང་ཟེར་བས། བཞི་པོ་དེས་རི་ཆེན་པོ་འི་རྩར་ཁྲིད་དེ་བསད་པར་བརྩམས་པ་ལ། བུ་དེ་གཉིས་ཀྱིས་པན་ཚུན་བདག་སྔར་གསོད་བདག་སྔར་གསོད་ཞེས་པའི་སྨྲ་ཆེན་བྱུང་སྟེ་ངུ་བས། བྲག་གི་གསེབ་ནས་སྤྲུལ་ཆེན་པོ་ཁྲ་བོ་ཞིག་བྱུང་སྟེ། མི་བཞི་པོ་ལ་སྨྲས་པ། སྡིག་ཅན་ངན་པའི་མི་བཞི་ཁྱོད། །བཙེ་མེད་བུ་གཉིས་བསད་པ་ན།། རྡིག་རྒྱས་མཐར་མེད་དམྱལ་བར་ལྟུང་། །གང་གིས་གསོད་པ་དེ་ལ་ངས། །རིགས་བརྒྱུད་གཅོད་པར་གདོན་མི་ཟ། །སྐྱིང་རྗེ་བུ་གཉིས་གསོད་མི་དགོས། །བུ་གཉིས་ཁྱེད་ཀུང་གཉར་དུ་འགྲོ། །གདུག་ཅན་བདུད་མོར་ཁྲི་ཉིད་ཡི། །ཉེ་སྐྱིང་འདི་དག་སྦྱིན་པར་བྱ། །ཞེས་ཟེར་བས་དེ་བཞིན་བྱས་དེ་ཕྱིན་པ་ལས་བདུད་མོའི་ནད་གསོས་པ་ཐར་བྱུར་དོ།།

དེ་ལྟས་བུ་དེ་གཉིས་ངམ་དུ་འཐུག་ནས་འཁྱམས་ཤིང་འགྲོ་བ་ལ། ནུ་བོ་ནི་སྐོམ་མིང་པོས་ཆུ་འཚོལ་དུ་འགྲོ་བས་ཆུ་མི་རྙེད་པར་ལོག་ནས་ནུ་བོ་བརྒྱལ་ལོ། །མིང་པོས་དེའི་སྐྱངས་གཡར་བ་ཞིག་རྙེད་ནས་ཁས་ཁྲ་བ་སླངས་ཏེ་ལག་མཐིལ་དུ་བླུགས་ཏེ་ནུ་བོ་ལ་བྱིན་པར་བཏམས་ནས་འོངས་བས། ནུ་བོ་སངས་དེ་གཅིག་ཤོས་འཚོལ་དེ་འཁྱམས་སོང་བས་ཐུབ་མང་མི་འདུག་གོ །མིང་པོས་བཙལ་ཀུང་མ་རྙེད་པར་དཀའོ། །ནུ་བོ་དེ་ནི་འཁྱམས་སོང་སོང་ནས་གནས་ཆེན་པོ་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་ཏོ། །དེར་ཁྱིམ་གཅིག་ལ་འདུག

པས་སེམས་རླུམས་པའི་གཏན་པོ་ཞིག་ཡོད་པ་དེས་བྱ་དེ་མཐོང་ནས་ཞེ་ས་དང་བཅས་ཏེ་བཟའ་བཏུང་མང་པོ་སྟེར་དེར་གནས་སོ། །དེ་སྐབས་ཡུལ་དེ་འི་རྒྱལ་པོ་འདས་ནས་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་བཞུགས་པའི་བུ་མེད་པས། ཡུལ་མི་རྣམས་ཚོགས་ནས་གླང་པོ་ཆེ་བློ་ལྡན་གྱི་སྣ་ལ་གསེར་གྱི་བུམ་པ་བཏུད་རྫིས་གང་བ་བཏགས་ནས་མི་རྒྱལ་པོར་འོས་པ་མཁས་ཤིང་བློ་དང་ལྡན་པ་གང་ལ་བུམ་པ་བཞག་པ་དེ་ཉིད་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་དབང་བསྐུར་རོ་ཞེས་གྲོས་མཐུན་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་གཏན་པོ་འི་བསམ་པ་ལ་བྱ་འདི་ཉིད་འཁྲིད་ནས་འགྲོ་སྙམ་ཡང་། ཡང་སེམས་པ། དེ་དག་བྱ་འདི་ཉིད་བདག་གི་བུ་མིན་པར་ཤེས་ན་བདག་ལ་སྐྱོན་ཚུགས་ཡོང་སྙམ་ནས་བྱ་དེ་ཉིད་ཤིང་ཁོང་སྟོང་ཞིག་གི་ནང་དུ་སྦས་བསྡད་པ་ལ། གྲོན་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་གླང་ཆེན་གྱི་སྣ་ལ་གསེར་བུམ་པ་བཏགས་ཏེ་བཏང་བས། གླང་ཆེན་དེ་མི་ཚོགས་རྣམས་ལ་ལན་གསུམ་བསྐོར་ནས་གང་ལ་ཡང་མ་བཞག་པར་ཤིང་ཁོང་སྟོང་དེ་འི་སྟེང་དུ་བཞག་གོ །ཚོགས་པ་དེ་དག་གིས་ཡ་མཚན་དུ་གྱུར་ཏེ། ཨོ་མཚོ་གླང་ཆེན་འདི་ནི་སྨྱོངས་པའམ། མི་མང་པོ་ལས་འཐོལ་ཏེ་ཤིང་སྟེང་དུ་བཞག་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་ཏེ་ཡང་བསྐུར་བས་སྔར་བཞིན་བཞག་གོ །དེ་ནས་གཏན་པོ་ན་རེ། ཨོ་ཨེ་གླང་ཆེན་བློ་ལྡན་འདི་སྔ་མོ་ནས་ད་ལྟའི་བར་དུ་ཡི་མ་འཁྲུལ་བས་ཤིང་འདི་ལ་ངེས་པར་རྒྱུ་ཞིག་ཡོད་འདྲ། བརྟགས་པ་ཅུའི་ཟེར་ནས་ཐམས་ཅད་ཕྱིན་ཏེ་བལྟས་པས། དེ་འི་ནང་དུ་ཁྲིའུ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཚན་ལྡན་ན་བ་གཉིས་གསུ་ཡིས་བརྒྱན་པ་འདྲ་བ་ཞིག་ཡོད་པ་ལ། མི་དེ་རྣམས་ངོ་མཚར་དུ་གྱུར་ཅིང་འདི་ཉིད་རིད་ང་ཚོ་ལ་ལྷས་སྐུལ་ལགས་ཀྱི་མ་ལ་འོ་སྐོལ་གྱི་བདག་པོར་གྱུར་པའི་ཁྲིའུ་འདི་རང་ཡིན་འདྲ་སྙམ་ནས་ཐམས་ཅད་དགའ་ནས་ཀུན་གྱིས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་མངའ་གསོལ་ཏོ། །ཡུལ་དེ་འི་ཚབ་འབངས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། རེ་ཞིག་གི་ཚེ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འི་ཅུད་གཟུགས་རིམ་གྱིས་ཉམས་པར་འགྱུར་བ་ལ། བཙུན་མོ་དང་གྲོན་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཚོགས་ཏེ་དེའི་རྒྱུ་མཚན་དྲི་དགོས་ཞེས་པན་ཚུན་མཐུན་པས་དེ་དག་གི་ནང་ནས་གྲོན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ།།

ཨེམ།། རྩེད་དཀའི་ཡིད་བཞིན་ནོར་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་རིན་པོ་ཆེ། །སྲིད་སྐྱོང་ཆེན་པོ་མངའ་གསོལ་ཕྱིན་ཆད་དུ། །མངའ་འབངས་མང་དང་བདག་སོགས་འགྲོ་བ་རྣམས། །འགྱུར་མེད་དགའ་བདེ་ཆེན་པོས་སྐྱིད་ལགས་ལ། །སྔོན་ཆད་ལུས་ཕུང་མཛེས་པའི་ཅུད་གཟུགས་ནི། །གསལ་བའི་ཉི་ཟླ་ལྟ་

ཐུར་མཛེས་ཤིང་སྡུག །བློ་བུར་མདོག་ནི་འགྱུར་ཞིང་ཉམས་པ་དང་། །འགྱོད་ཅིང་ཡི་མུག་ལྡ
ལྡུའི་རྣམ་འགྱུར་མཛད། །གཅེས་པའི་བཙུན་དང་བདག་སོགས་འབངས་ཐམས་ཅད། །སྲིད་པོར
གནས་བཞིན་ཞལ་མདོག་འགྱུར་འདི་འདྲ། །ངེས་པར་ལུས་སམ་སེམས་ལ་འགལ་རྐྱེན་ཡོག་པ་འདྲ།
རྒྱ་མཚན་གསལ་པོར་བཀའ་ལན་གནང་བར་གསོལ། །ཞེས་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཚོགས་པ་དེ
དང་ཁྱེད་ཅག་སྙན་གསོན་ཅིག །རིན་ཆེན་གཏེར་དང་ནོར་རྫས་ལ་སོགས་ལ། །གདུང་སེམས་སྐྱེད
པས་སེམས་སྡུག་གཅིག་ཀྱང་མེད། །ལུས་ལ་གཙོང་ནད་ཐེབས་པས་སྡུག་བསྔལ་མིན། །འདི་ཡི
རྒྱུ་རྣམས་ཁྱེད་ལ་ཀུན་གསོལ་ལོ། །ཅེས་ཟེར་ནས་འདི་སྐད་དུ། ཀྱེ་ཡེ་རྗོན་དང་དྲིན་ཅན་པ་མ་ལས།
མཛའ་བའི་མིང་པོ་ནུ་བོ་གཉིས་སྐྱེས་ཡོད། །དེ་ནས་མ་ལགས་འཁོར་བའི་ཆོས་ཉིད་རྗེན། །ངེད
གཉིས་མ་ལས་བྲིས་པའི་དུས་སུ་ལུས། །ཕ་ལགས་གདུག་ཅན་བདུད་མོ་འི་དབང་དུ་སོང་། །བདུད
མོ་འི་གཡོ་ལང་ངེད་གཉིད་གསོད་འདོད་ནས། །ཁྱུ་གཉིས་བོས་ཏེ་གཉིས་མཚོ་འགྲམ་དུ། །བསད
ནས་ཟླེ་སྐྱིང་ཡོང་ལ་ཁྱེར་ཤོག་ཅེས། །བསློས་པས་དེ་བཞིན་བཙམས་ཚེ་མཚོ་ཁང་ནས། །ཉ་དཀར
ལུས་ཆེན་བྲུང་སྟེ་སྦྲིག་པ་ཡིས། །ཉ་ཡི་ལྟེ་སྐྱིང་སྤར་ཞིང་ངེད་གཉིས་སྤས། །དེ་བཞིན་བྲམ་པས
རེ་ཞིག་བདེ་བར་བརྡད། །མི་རིང་ཞིག་ན་ཚོར་བས་བདུད་མོ་བྲོས། །ཤིན་ཏུ་འཁྲུགས་པས་ལྷར
ཡང་མི་བཞི་ལ། །རི་རྩར་འགྲོ་ནས་དེ་གཉིས་སྲུར་དུ་བསད། །ལྟེ་སྐྱིང་འཁྱེར་ཤོག་ལ་སོགས
བྱེར་བཞིན་ནས། །སྒྲོལ་བྱེད་སྨྱུལ་གྲལ་བྲག་གསེབ་ནས་ཕྱིན་ཏེ། །གཡོད་བྱེད་མི་བཞི་དེ་ལས
འཕྲོག་པར་བྱེད། །མི་བཞི་རི་ལ་ཁྲི་ཡི་ལྟེ་སྙིང་སྟེར། །དེ་དག་གིས་ཀྱང་སྨྱུལ་གྱི་ཁ་ལ་ཉན། དེ
ནས་ངེད་གཉིས་ལམ་དུ་འཐུག་ཅིང་འབྲོས་པས་ཤིན་ཏུ་སྐོམ། །ང་བཀྲུལ་ཐབ་མིང་པོས་ས་བཙོད
པར་ཆུ་འཚོལ་དུ་འགྲོ། དེ་བར་ངས་མངས་ཏེ་བརྟེ་པ་ང་མིང་པོ་མི་འདུག་བས་མིང་པོ་འཚོལ
དུ་སོང་། མིང་པོས་ཆུ་བཙལ་ཀྱང་མ་རྙེད་པས་ཐབས་བརྟགས་ཤིང་ལོག་ཁར་ནུའི་བྲངས་གཡར་རྙེད
ནས་འདིའི་ཁ་བ་སྨྲུག་པར་བྱའོ་བསམ་སྟེ་ཕྱིན་པས་ཐུབ་ས་དེར་ནུ་བོ་མེད་པས་མིང་པོ་ཀྱང་ནུ་བོ་ཚོལ
དེ་འགྲོ། དེ་ལྟར་ངེད་གཉིས་བྲལ་ནི་རབྱེའོ།།

དེ་ནས་ངས་འཁྱམས་འཁྱམས་ནས་ཡུལ་འདི་ཉིད་དུ་འོངས་སོ། །རིན་ཆེན་གཡེར་དཔལ་ནོར

གཏེར་དང་། །རྒྱལ་བློན་འབངས་འཁོར་མང་པ་བཅས། །ནུ་ཞོས་འཚོ་བའི་མ་བཙུན་མོ། །ཕྲག
པར་མིང་པོ་ཏག་ཏུ་སེམས། །འདི་ཉིད་ལུས་ལ་ནད་ཐེབས་བཞིན། །གདུང་སེམས་སྐྱེས་ནས་ཀྱི་
ཏུར་བྱེད། །རྒོད་པོ་ལ་སོགས་འདིར་ཚོགས་པ། །འདི་ལྟར་གྱུར་ཞེས་ཚང་བར་སྨྲས། བཙུན་
མོ་དང་དཔོན་བློན་སོགས་ཀྱིས་འདི་སྐད་ཞུས། ས་དབང་རྒྱལ་པོ་སེམས་བདེར་བཞུགས་མཛོད་དང་॥
དང་པོ་ཉིད་ནས་རྒྱལ་པོའི་བུར་གྱུར་ཀྱང་། །གཅིག་བུ་མིང་པོ་ཅམ་དང་འགྲོགས་པར་བྱེད། །ད
ལྟ་གཅིག་བུ་ཙམ་པ་སྟོང་རེ་རྗེ། །འོན་ཀྱང་མཁྱོགས་པའི་གླང་ཆེན་ཞོན་བྱེད་ནས། །ཕྱོགས་དང་
མཚམས་བཞིར་ལེགས་པར་འཚོལ་ན་ནི། །གཅེས་པའི་མིང་པོ་དེ་ནི་རྙེད་པར་ནུས། །ས་སྟེང་ཀུན་
ཏུ་སྐྱལ་ཀྱང་ཡིས་མི་རྙེད། །ཟེར་ནས་གླང་ཆེན་ཞོན་པོ་༧་མང་པོས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་ལ་ཁུར་འཚོལ་
བས་ཡེ་མ་རྙེད་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཤིན་ཏུ་ཡི་མུག་པའི་ཁར་སྟེང་དུ་བྱོན་ནས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ
བལྟ་པ་ལས་རྩ་ཕྱོགས་ནས་མི་གཅིག་འོང་གིན་ཡོད་པ་མཐོང་བས། རྒྱལ་པ་དོགས་པ་སྐྱེས་ནས
ཉིངས་པར་བཞེངས་ཏེ་ཕྱོགས་དེར་ཕེབས་པས་དེ་ཉིད་ཉེ་པོ་ཡིན་ལ། མིང་པོ་དང་ནུ་བོ་གཉིས་འཕྲད་
ནས་ཏུས་ངའི་མཆི་མ་རྒྱ་གར་ན་ཊིང་བུ་གཅིག་ཡོད་དོ། སངས་རྗེ་ནུ་བོས་མིང་པོ་ལ་བལྟ་པས་གོཔ
ནི་ཞུས་དང་འབྲུར། ཞུ་ནི་སྐྲ་དང་ཙྭར་བ་ཡོད་དོ། །མིང་པོས་ནུ་བོ་ལ་འདི་སྐད་ཟུས། གཞིར
རྗེའི་ཡུལ་ཐར་ཕྱོན་བྱིན་ཅད། །མིང་པོ་ནུ་བོ་ང་ཅག་གཉིས། །འདི་དེ་ཙ་ནི་སྐྱུལ་ཞིང་འཁྲུམས॥
རིང་ཆེན་སྦྱོག་ཉི་མ་བྲལ་བར། །དེ་རིང་ནུ་བོ་ཁྲུད་དང་མཇལ། །མ་མཇལ་བར་དུ་དུང་དུང་འཚོལ॥
ཡུལ་འདིར་ནཱ་ཧྲ་ཕྲད་པ་ནི། །ཐོན་ཐུས་བསོད་ནམས་ཟབས་བྱ་ཡིན། །ཞེས་ཟེར་ནས་མིང་པོ་དེ
ནུ་བོ་དང་ཀཉར་དུ་པོ་བྲང་དུ་བྱོན་ཁྲུས་སོགས་བྱས་ཤིང་གོས་གཡར་པ་སོགས་བགོས་རྒྱན་སྣ་ཚོགས་པས
བརྒྱན་ཅིང་གནས་ཏེ་ཐམས་ཅད་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གྱུར་ཏོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་འཁོར་རྣམས་ལ
བཀའ་སྩལ་པ། འཚོལ་ཞིང་རྙེད་པའི་མཇེད་བོ་རིང་པོ་མངལ། །ཐོན་ཀྱི་སྨོན་ལམ་ཤིན་ཏུ་སྟོབས
ཆེ་བས། །དྲིན་ཅན་རིན་ཆེན་ཧྲ་བུའི་ཕབ་རྒྱལ་ནི། །འཁྲུལ་དཔལ་བདུད་མོ་ཡི་མན་ངག་ལ་མནལ
ཉལ། །ད་ཧྲ་དེ་ཉིད་འདུལ་བའི་དུས་ལ་བབས། །དེ་བས་ཕབ་རྒྱལ་གཉལ་སུ་དགྲ་འགྲོ་དགོས॥
གསུངས་པས་བློན་འབངས་སོགས་ཀྱིས་མཐུན་གཅིག་ཏུ། །ས་སྟེང་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེད་པ་ལགས།།

འཇིགས་པའི་བདུད་མོ་གདུལ་བར་བྱོན་པའི་ཚེ། །དཔའ་བོ་དམག་ཆེན་སྟོབས་ལྡན་དཔུང་གི་ཚོགས། །ཇི་སྙེད་དགོས་པ་དེ་སྙེད་སྤྲུལ་ཞེས་ཞུས། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདུད་མོ་གཞོམ་ཚེ་ང་ལ་དམག་མི་དགོས། །དྲིན་ཅན་ཡབ་ཀྱི་སྐུ་དྲིན་བཟོ་ཆེད་དུ། །ད་ལྟ་བདག་ནི་གཅིག་པུ་འགྲོ་དགོས་སོ། །གསུངས་ནས་ཐེག་བཞེད་བྱས་ཏེ་ཆས་སོ། །ཡུལ་དེར་ཕྱིན་ཏེ་གཡས་ཀྱི་དཔོན་སྤྲུལ་པའི་བློན་པོའི་ཁྱིམ་དུ་ཕེབས་པས། བློ་ལྡན་སྤྲུལ་པའི་བློན་པོས་བསུས་ནས་ཏུ་བཞིན་དུ་འདི་སྐད་གསོལ། །སྲོག་དང་སྙིང་ལས་ཀྱང་ལྷག་པའི། །མཛའ་བའི་ཁྱིའུ་ཁྱེད་ཉིད་ཀྱི། །དྲིན་ཅན་ཡབ་རྒྱལ་དེ་ཉིད་ནི། །གར་ངན་བདུད་མོས་མནན་ཅིང་ཉལ། །ཐབས་མེད་དེ་ཡི་དབང་དུ་གྱུར། །རིན་ཆེན་གསེར་ལས་ཀྱང་ལྷག་པའི། །བུ་གུ་ཁྱེད་གཉིས་བདེ་ལེགས་སམ། །ཀྱེ་མ་ཡབ་ཇེ་ཇེ་ལྟར་བློ་གྲོས་སྐྱོངས། །ཐབས་མེད་བདུད་མོའི་དབང་དུ་གྱུར་ནས་ནི། །རིན་ཆེན་སྲོག་ནི་སང་ནང་ངེས་པ་མེད། །དྲིན་ཆེན་རྒྱལ་བུ་རིངས་པར་བྱོན་སོང་ནས། །སྲོག་ནི་གཅོད་བྱེད་བདུད་མོ་དེ་ཉིད་ནི། །ཟ་བར་ལངས་ཏེ་ཕྱོགས་བཞིར་ངོན་པར་བྱེད། །དགོང་ཁར་སླེབས་ནས་མི་ཉི་ཤུ་ཟོས་སོ།།

དེ་ནས་ཁྱིམ་དུ་བཙུག་ནས་ཇབས་ཏ་ཆེན་པོ་འཁྱེར་ཤོག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོའི་ལྟོ་བར་བཏབ་ནས་འཇིབ་བོ། །ཡང་ཇབས་ཏ་ཆུང་ངུ་འཁྱེར་ཤོག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོའི་ཨོལ་གོང་དུ་བཏབ་ནས་འཇིབས་སོ། །དེ་བས་ན་རྒྱལ་པོའི་ལྟོ་བ་ནི་ཁྱིམ་ཙམ། མགོ་བོ་ནི་སླ་ང་ཙམ། ཧྲེས་ངར་ནི་འཐག་མ་ཙམ། མཁྲིན་ར་ནི་སྐུད་པ་ཙམ་དུ་གྱུར་རོ། །ད་ལྟ་ཡང་སྲོག་ཡོད་མེད་ཀྱི་མཚམས་སུ་ཉལ་བ་ཡོད་དོ། །ཞེས་ཚང་བར་སྨྲས་པ་ལས་རྒྱལ་བུ་རིངས་པར་ཕྱིན་ཟེར་བས། སྤྲུལ་པའི་བློན་པོས་ཡང་གསོལ་བ། རྒྱལ་བུ་ལགས། སླེབས་པའི་དུས་ནི་ད་མེ་ཡོང་། དགོང་པའི་ཆས་ནི་སླེབས་ཕྱིན་ཟེར་ནས་བས་ཀྱིས་གང་བའི་སྣོད་ཆེན་བསྐྱུར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་པས་བློན་པོས་སྨྲས་པ་ལས་ལྷག་པར་ཉམས་པ་ཡོད་དོ། །ཡབ་རྒྱལ་ངོས་མཐོང་ནས་ཨ་ཡེ་ཁྱོད་ནི་གསོན་པོར་ཡོད་དམ། ཟེར་བས། རྒྱལ་བུས་ཡབ་རྗེ་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་བདེ་པོ་ཡིན་ནམ། ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་གི་སྲོག་ནི་མ་ཆད་ཙམ་ཡིན་པས་སྲོག་སྐྱོབ་ཟེར། དེ་ཀ་པ་བདུད་མོ་དགོང་པ་མོར་ཡོང་ས་ནས་ཕྱར་མི་ཉི་ཤུ་ཟོས་ནས་ཕྱིས་སུ་རྒྱལ་པོའི་དྲུང་དུ་འོང་བ་ནས་ཇབས་ཏ་འཁྱེར་ཤོག་ཟེར་བ་ལ། བདུད་མོ་དེས་རྒྱལ

བྱ་མཐོང་ཞིང་ཁྲོས་ཏེ་བདུད་མོ་འི་ཁོག་སྟོང་ཉིད་ཀྱིས་རྒྱལ་པོ་ཉིད་མེད་ཁར་རྒྱལ་པོ་འི་མདུན་དུ་བཞག
པའི་བབ་མེད་དོ། །རྒྱལ་བུས་རལ་གྲིས་བདུད་མོ་འི་མགོ་བཅད་དོ། །འབངས་རྣམས་ཀྱིས་བྱད་ཤིང་
ཆེན་པོ་བསགས་ནས་དེ་འི་རོ་སྲེགས་པར་བྱས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཚང་འབངས་ཐམས་ཅད་
བདེ་ཞིང་སྐྱིད་ནས་ཡབ་རང་གི་སྲིད་དང་། །རང་དབང་བའི་རྒྱལ་སྲིད་གཉིས་ལེགས་པར་བསྐྱངས་ནས
བསྟན་དང་འགྲོ་བའི་དོན་དཔུར་གྱི་མཚོ་ལྟར་འཕེལ་ཞིང་རྒྱས་ནས་དགེ་བ་ཁོ་ན་བྱེད་པས་ཕལ་ཆེར་བདེ
འགྲོ་མཐོ་རིས་སུ་སྐྱེས་པ་ཞིན་དུ་མང་པོ་བྱུང་ངོ་། །དེ་ལྟར་བྱི་ཀུ་མི་ཛི་ད་བཞིན་དུ་བསོད་ནམས
ཆེན་པོ་དང་ལྡན་ན་གསེར་གྱི་ཁྲི་ཆེན་པོ་འདི་ལ་བཞུགས་པར་འོས་པ་ཡིན་ལ། །ཁྱོད་ངོ་མཚར་ཅན་གྱི་
རྒྱལ་པོ་འདི་ལྟ་བུ་མ་ཡིན་ན་ཁྲི་འདི་ལ་བཞུགས་པར་ཡི་མི་རུང་ངོ་། །ཞེས་སྨྲས་པ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨཛི
བྱཛི་འཛིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་ཐམས་ཅད་ཀ་ལས་དེ་ཡ་མཚན་ཞིང་ངོ་མཚར་བའི་སྒྲོ་ནས་བསྟོད་ཅིང་བཀྲགས
པས་ཐམས་ཅད་དགའ་ནས་ཕྱིར་ལོག་ནས་སོང་ངོ་། །ཞིང་མི་བཅུ་གསུམ་པས་སྨྲས་པའི་ལོ་རྒྱུས་ཏེ་
ལེའུ་བཅུ་གསུམ་པའོ།། ༄ །། །།